



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 161]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 26, 2009/भाद्र 4, 1931

No. 161]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 26, 2009/BHADRA 4, 1931

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 26 अगस्त, 2009

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2009

सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/15/174471.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय 1

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

1. (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2009 है।
- (2) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

परिभाषाएं

2. (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :
 - (क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है;
 - (ख) "विज्ञापन" में सूचनाएं, विवरणिकाएं (ब्राशुअर), पुस्तिकाएं, शो-कार्ड, प्रसूची (कैटेलॉग), विज्ञापन पट्ट, प्लेकार्ड, पोस्टर, समाचारपत्र में कुछ भी छपना, प्रस्ताव दस्तावेजों के मुख पृष्ठ, किसी प्रिंट मीडिया या इलैक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो, टेलीविजन कार्यक्रम में चित्र तथा फिल्मों सम्मिलित हैं;
 - (ग) "एंकर विनिधानकर्ता (निवेशक)" से इन विनियमों के अनुसार बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाये गये सार्वजनिक निर्गम में दस करोड़ रुपये या उससे अधिक के मूल्य हेतु आवेदन करने वाला अर्हित संस्थागत क्रेता अभिप्रेत है;
 - (घ) "निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन" (एप्लीकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉकड अमाउंट) से सार्वजनिक निर्गम या साधिकार (राइट्स) निर्गम (इश्यु) में अभिदान करने के लिए आवेदन अभिप्रेत है, जो बैंक खाते में आवेदन धनराशि को निरुद्ध करने के लिए स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंक को प्राधिकार देते हुए किया गया हो;

- (ड) "बोर्ड" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अभिप्रेत है ;
- (च) "बही निर्माण" से मांग प्रकट कराने के लिए की गयी और यथास्थिति, विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों या भारतीय निक्षेपागार रसीदों (आई.डी.आर.) की मात्रा या के मूल्य का अवधारण करने के लिए कीमत निर्धारित करने के लिए की गयी प्रक्रिया अभिप्रेत है, इन विनियमों के अनुसार ;
- (छ) "बही संचालक" (बुक रनर) से बही निर्माण प्रक्रिया का जिम्मा लेने के लिए निर्गमकर्ता द्वारा नियुक्त मर्चेन्ट बैंककार अभिप्रेत है ;
- (ज) "संयुक्त निर्गम" से सार्वजनिक-सह-साधिकार आधार पर सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का निर्गम अभिप्रेत है, जिसके अंतर्गत सार्वजनिक निर्गम तथा साधिकार निर्गम दोनों में आबंटन का प्रस्ताव साथ-साथ किया जाना हो ;
- (झ) "नियंत्रण" का वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खण्ड (ग) के अधीन इसके लिए नियत है ;
- (ञ) "संपरिवर्तनीय ऋण लिखत" (कनवर्टिबल डैट इन्स्ट्रूमेंट) से वह लिखत अभिप्रेत है जो ऋणग्रस्तता को पैदा करती है या अभिस्वीकृत करती है और जो लिखत के धारक के विकल्प पर

या के बिना बाद वाली तारीख को निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तनीय है, चाहे निर्गमकर्ता की आस्तियों पर भार के रूप में हो या न हो ;

(ट) "संपरिवर्तनीय प्रतिभूति" (कन्वर्टिबल सिक्यूरिटी) से वह प्रतिभूति अभिप्रेत है जो प्रतिभूति के धारक के विकल्प सहित या के बिना बाद वाली तारीख को निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तनीय या से विनियम-योग्य है और जिसमें संपरिवर्तनीय ऋण लिखत सम्मिलित है ;

(ठ) "नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज" से वह मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जिसमें निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं या सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं और जिसे निर्गमकर्ता द्वारा इन विनियमों के अधीन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के विशिष्ट निर्गम के प्रयोजनार्थ नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुना जाता है :

परंतु यह कि जहाँ ऐसे स्टॉक एक्सचेंजों में से एक या अधिक स्टॉक एक्सचेंज के राष्ट्रव्यापी व्यापारिक (ट्रेडिंग) टर्मिनल हों, तो निर्गमकर्ता उनमें से एक को नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुनेगा :

परंतु यह और कि इस खण्ड के उपबंधों के अध्याधीन, निर्गमकर्ता इन विनियमों के अधीन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के किसी बाद के निर्गम के लिए नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में किसी भिन्न मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज को चुन सकेगा ;

- (ड) "कर्मचारी" से निर्गमकर्ता का स्थायी तथा पूर्णकालिक कर्मचारी, जो भारत में या विदेश में कार्यरत हो अथवा निर्गमकर्ता का निदेशक अभिप्रेत है, चाहे पूर्णकालिक हो या अंशकालिक, और जिसमें संप्रवर्तक तथा संप्रवर्तक का सीधा नातेदार (अर्थात् उस व्यक्ति का कोई पति या पत्नी, अथवा व्यक्ति का या पति या पत्नी का कोई पिता या माता, भाई, बहिन या संतान) सम्मिलित नहीं है ;
- (ढ) "बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव" (या "बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव") से अभिदान के लिए जनता को सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव अभिप्रेत है और जिसके अंतर्गत सूचीबद्ध निर्गमकर्ता में ऐसी प्रतिभूतियों के मौजूदा धारकों में से किसी धारक द्वारा जनता को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के विक्रय के लिए प्रस्ताव सम्मिलित है ;
- (ण) "ग्रीन शू विकल्प" से सार्वजनिक निर्गम में प्रस्तावित इक्विटी शेयरों से अधिक इक्विटी शेयरों को आबंटित करने का विकल्प अभिप्रेत है, सूचीबद्धता के पश्चात् कीमत स्थिरीकरण की व्यवस्था के रूप में ;
- (त) "आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव" से असूचीगत निर्गमकर्ता द्वारा अभिदान के लिए जनता को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव अभिप्रेत है और जिसके अंतर्गत असूचीगत निर्गमकर्ता में ऐसी प्रतिभूतियों के मौजूदा धारकों में से किसी धारक द्वारा जनता को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के विक्रय के लिए प्रस्ताव सम्मिलित है ;

- (थ) "निर्गम का आकार" (या "निर्गम के आकार") में प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव और संप्रवर्तकों का अंशदान सम्मिलित है ;
- (द) "निर्गमकर्ता" से विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव लाने वाला कोई व्यक्ति अभिप्रेत है ;
- (ध) "मूल प्रबंध कार्मिक" से वे अधिकारी जिनमें कार्यपालिका शक्तियाँ निहित हों और वे अधिकारी जो निर्गमकर्ता के निदेशक बोर्ड से ठीक नीचे के स्तर पर हों अभिप्रेत हैं और जिनमें वह कोई अन्य व्यक्ति सम्मिलित है जिसे निर्गमकर्ता मूल प्रबंध कार्मिक के रूप में घोषित करे ;
- (न) "सूचीबद्ध निर्गमकर्ता" से वह निर्गमकर्ता अभिप्रेत है जिसके इक्विटी शेयर मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं ;
- (प) "जनता को शुद्ध प्रस्ताव" से जनता को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव अभिप्रेत है किन्तु जिसमें आरक्षण सम्मिलित नहीं हैं ;
- (फ) "शुद्ध मालियत" से समादत्त शेयर पूँजी, शेयर प्रीमियम खाते, तथा आरक्षितियों एवं अधिशेष (पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति को छोड़कर) का योग, विविध व्यय (जितना समायोजित न किया गया हो या बट्टे खाते में न डाला गया हो) तथा लाभ-हानि लेखे के नामे शेष के योग को घटाकर, अभिप्रेत है ;
- (ब) "गैर संस्थागत विनिधानकर्ता (निवेशक)" से छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ता (निवेशक) तथा अर्हित संस्थागत क्रेता से भिन्न विनिधानकर्ता (निवेशक)

अभिप्रेत है ;

- (भ) "प्रस्ताव दस्तावेज" से सार्वजनिक निर्गम के मामले में प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस, प्रॉस्पेक्टस या कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 60क के अनुसार शेल्फ प्रॉस्पेक्टस तथा सूचना ज्ञापन और साधिकार निर्गम के मामले में प्रस्ताव पत्र अभिप्रेत है ;
- (म) "प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव" से जनता को शुद्ध प्रस्ताव और आरक्षण अभिप्रेत हैं ;
- (य) "अधिमानी निर्गम" (प्रेफरेंशियल इश्यु) से निजी स्थानन (प्राइवेट प्लेसमेंट) आधार पर किसी चुनिंदा व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह को सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का निर्गम अभिप्रेत है और जिसमें सार्वजनिक निर्गम, साधिकार निर्गम, बोनस निर्गम, कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम, कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम या अर्हित संस्था नियोजन के माध्यम से किया गया विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव या श्रमजन्य (स्वेट) इक्विटी शेयरों का निर्गमन या भारत के बाहर के देश में निर्गमित निक्षेपागार रसीदें या विदेशी प्रतिभूतियाँ सम्मिलित नहीं हैं ;
- (यक) "संप्रवर्तक" (प्रमोटर) में सम्मिलित हैं :
- (i) वह व्यक्ति या वे व्यक्ति जो निर्गमकर्ता के नियंत्रणधारी हैं या हैं ;
 - (ii) वह व्यक्ति या वे व्यक्ति जो योजना या कार्यक्रम को बनाने में सहायक हैं या हैं जिसके अनुसरण में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव जनता को किया जाता है ;

- (iii) वह या वे व्यक्ति जिनके नाम संप्रवर्तकों के रूप में प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लिखित हों :

परंतु यह कि निर्गमकर्ता के निदेशक अथवा अधिकारी या व्यक्ति, यदि केवल अपनी व्यावसायिक हैसियत में ही इस प्रकार कार्यरत हो, को संप्रवर्तक नहीं समझा जाएगा :

परंतु यह और कि वित्तीय संस्था, अनुसूचित बैंक, विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता (निवेशक) और पारस्परिक निधि को केवल इस तथ्य के आधार पर संप्रवर्तक नहीं समझा जाएगा कि निर्गमकर्ता की इक्विटी शेयर पूँजी का दस प्रतिशत या अधिक ऐसे व्यक्ति द्वारा धारित है :

परंतु यह और कि ऐसी वित्तीय संस्था, अनुसूचित बैंक और विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता को उनके द्वारा संप्रवर्तित समनुषंगियों या कंपनियों के लिए अथवा उनके द्वारा प्रायोजित पारस्परिक निधि के लिए संप्रवर्तक माना जाएगा ;

(यख) "संप्रवर्तक समूह" में सम्मिलित हैं :

- (i) संप्रवर्तक ;
- (ii) संप्रवर्तक का सीधा नातेदार (अर्थात् उस व्यक्ति का कोई पति या पत्नी, अथवा व्यक्ति का या पति या पत्नी का कोई पिता या माता, भाई, बहिन या संतान) ; और
- (iii) यदि संप्रवर्तक निगमित निकाय है :

(क) ऐसे निगमित निकाय की समनुषंगी या नियंत्री कंपनी ;

(ख) कोई निगमित निकाय जिसमें संप्रवर्तक इक्विटी शेयर पूँजी का दस प्रतिशत या अधिक धारण करता है या जो संप्रवर्तक की इक्विटी शेयर पूँजी का दस प्रतिशत या अधिक धारण करता है ;

(ग) कोई निगमित निकाय जिसमें व्यष्टियों का समूह या कंपनियाँ या उनके संयोजन जो उस निगमित निकाय में इक्विटी शेयर पूँजी का बीस प्रतिशत या अधिक धारण करते हैं निर्गमकर्ता की इक्विटी शेयर पूँजी का भी बीस प्रतिशत या अधिक धारण करते हैं ; और

(iv) यदि संप्रवर्तक व्यष्टि है :

(क) कोई निगमित निकाय जिसमें इक्विटी शेयर पूँजी का दस प्रतिशत या अधिक संप्रवर्तक या संप्रवर्तक के सीधे नातेदार या फर्म या हिंदू अविभक्त कुटुंब जिसमें संप्रवर्तक अथवा उसका कोई एक या एक से अधिक सीधा नातेदार सदस्य है द्वारा धारित है ;

(ख) कोई निगमित निकाय जिसमें ऊपर (क) में यथा उपबंधित निगमित निकाय दस प्रतिशत या अधिक धारण करता है, इक्विटी शेयर पूँजी का ;

(ग) कोई हिंदू अविभक्त कुटुंब या फर्म जिसमें संप्रवर्तक और उसके सीधे नातेदारों की कुल शेयरधारिता कुल के दस प्रतिशत के बराबर या उससे अधिक है ; और

(v) सभी व्यक्ति जिनकी शेयरधारिता को "संप्रवर्तक

समूह की शेयरधारिता" शीर्षक के अधीन प्रॉस्पेक्टस में प्रकट करने के प्रयोजन के लिए संकलित किया जाता है :

परंतु यह कि वित्तीय संस्था, अनुसूचित बैंक, विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता (निवेशक) और पारस्परिक निधि को केवल इस तथ्य के आधार पर संप्रवर्तक समूह नहीं समझा जाएगा कि निर्गमकर्ता की इक्विटी शेयर पूँजी का दस प्रतिशत या अधिक ऐसे व्यक्ति द्वारा धारित है :

परंतु यह और कि ऐसी वित्तीय संस्था, अनुसूचित बैंक और विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता को उनके द्वारा संप्रवर्तित समनुषंगियों या कंपनियों के लिए अथवा उनके द्वारा प्रायोजित पारस्परिक निधि के लिए संप्रवर्तक समूह माना जाएगा ;

(यग) "सार्वजनिक निर्गम" से आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव अभिप्रेत है ;

(यघ) "अर्हित संस्थागत क्रेता" से अभिप्रेत है :

(i) बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत पारस्परिक निधि, जोखिम पूँजी निधि और विदेशी जोखिम पूँजी विनिधानकर्ता (निवेशक) ;

(ii) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता (निवेशक) और उप-लेखा(सब-अकाउंट) (उस उप-लेखे से भिन्न जो विदेशी निगम या विदेशी व्यष्टि है), बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत ;

(iii) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 4क में यथा

परिभाषित लोक वित्तीय संस्था ;

- (iv) अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक ;
- (v) बहुपक्षीय तथा द्विपक्षीय विकास वित्तीय संस्था ;
- (vi) राज्य औद्योगिक विकास निगम ;
- (vii) बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के पास रजिस्ट्रीकृत बीमा कंपनी ;
- (viii) न्यूनतम पच्चीस करोड़ रुपये के कॉर्पस वाली भविष्य निधि ;
- (ix) न्यूनतम पच्चीस करोड़ रुपये के कॉर्पस वाली पेंशन निधि ;
- (x) राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार की तारीख 23 नवम्बर 2005 के संकल्प सं. एफ.नं.2/3/2005-डीडी॥ द्वारा गठित राष्ट्रीय विनिधान (निवेश) निधि ;
- (यड) "छोटा व्यक्तिगत विनिधानकर्ता (निवेशक)" (छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ता) से वह विनिधानकर्ता अभिप्रेत है जो विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन करता है या बोली लगाता है जिनका मूल्य एक लाख रुपये से अधिक न हो ;
- (यच) "छोटा व्यक्तिगत शेयरधारक" (छोटे व्यक्तिगत शेयरधारक) से सूचीबद्ध निर्गमकर्ता का शेयरधारक अभिप्रेत है, जो :
- (i) इन विनियमों के विनियम 42 के अनुसार आरक्षण के लिए पात्र शेयरधारकों को अवधारित

करने के प्रयोजन के लिए नियत तारीख को, इक्विटी शेयरों को धारण कर रहा है जिनका मूल्य, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज जिसमें निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों की बाबत व्यापार की सबसे अधिक मात्रा पिछले दिन दर्ज की गयी थी में इक्विटी शेयरों की अंतिम कीमत के आधार पर, एक लाख रुपये तक है ; और

(ii). विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन करता है या बोली लगाता है जिनका मूल्य एक लाख रुपये से अधिक न हो ;

(यछ) "साधिकार निर्गम" से उक्त प्रयोजनार्थ नियत की गयी अभिलिखित तारीख को सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा निर्गमकर्ता के शेयरधारकों को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव अभिप्रेत है ;

(यज) "अनुसूची" से इन विनियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ;

(यझ) "स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंक" से बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत निर्गमन बैंककार अभिप्रेत है, जो निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (एप्लीकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक्ड अमाउंट) की सुविधा का प्रस्ताव करता है ;

(यञ) "विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ" (विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों) से इक्विटी शेयर और संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ अभिप्रेत हैं ;

(यट) "स्थिरीकरण एजेंट" से वह मर्चेन्ट बैंककार अभिप्रेत है जो ग्रीन शू विकल्प के अधीन इक्विटी शेयरों की कीमत का स्थिरीकरण करने के लिए जिम्मेदार है, इन विनियमों के अनुसार ;

(यठ) "सिंडिकेट सदस्य" से बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत मध्यवर्ती अभिप्रेत है और जिसे हामीदार के रूप में क्रियाकलाप करने की अनुमति है ;

(यड) "असूचीगत निर्गमकर्ता" से वह निर्गमकर्ता अभिप्रेत है जो सूचीबद्ध निर्गमकर्ता नहीं है ।

(2) इन विनियमों में उपयोग किए गए किन्तु अपरिभाषित, किन्तु अधिनियम या कंपनी अधिनियम, 1956, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और/या उनके अधीन बनाए गए नियमों तथा विनियमों में परिभाषित अन्य सभी शब्दों और पदों का वही अर्थ होगा जो, यथास्थिति, ऐसे अधिनियमों या नियमों या विनियमों या किसी कानूनी उपांतर या उनकी पुनः अधिनियमिति में क्रमशः उनके लिए नियत हों ।

विनियमों का लागू होना

3. जब तक कि अन्यथा उपबंधित न हो, ये विनियम निम्नलिखित के प्रति लागू होंगे :

(क) सार्वजनिक निर्गम ;

(ख) साधिकार निर्गम, जहाँ प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का कुल मूल्य पचास लाख रुपये या उससे अधिक हो ;

(ग) अधिमानी निर्गम ;

(घ) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा बोनस शेयरों का निर्गम ;

(ङ) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा अर्हित संस्था नियोजन;

(च) भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गम ।

अध्याय II

सार्वजनिक निर्गमों और साधिकार निर्गमों के लिए सामान्य शर्तें

साधारण शर्तें

4. (1) सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम के माध्यम से विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव करने वाला कोई निर्गमकर्ता बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किये जाने के समय (जब तक कि इस अध्याय में अन्यथा कथन न किया जाये) और कंपनी रजिस्ट्रार या नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास, यथास्थिति, अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर किये जाने या दाखिल किये जाने के समय इस अध्याय की शर्तों को पूरा करेगा।
- (2) कोई भी निर्गमकर्ता विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम नहीं लायेगा :
 - (क) यदि निर्गमकर्ता, इसके संप्रवर्तकों, संप्रवर्तक समूह या निदेशकों या निर्गमकर्ता के नियंत्रणधारी व्यक्तियों में से कोई बोर्ड द्वारा पूंजी बाजार में पहुंच रखने से विवर्जित है ;
 - (ख) यदि निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों, निदेशकों या नियंत्रणधारी व्यक्तियों में से कोई किसी अन्य कंपनी का संप्रवर्तक, निदेशक या नियंत्रणधारी व्यक्ति था या भी है जो बोर्ड द्वारा दिये गये किसी आदेश या निदेशों के अधीन पूंजी बाजार में पहुंच रखने से विवर्जित है ;
 - (ग) यदि संप्रवर्तनीय ऋण लिखतों का निर्गमकर्ता जानबूझकर चूक करने वालों की सूची, भारतीय

रिज़र्व बैंक द्वारा प्रकाशित, में है या इसने जनता को इसके द्वारा निर्गमित ऋण लिखतों के संबंध में ब्याज अदा करने में अथवा मूलधन की रकम का प्रतिसंदाय करने में चूक की है, यदि कोई हो, छह मास से अधिक की कालावधि हेतु ;

- (घ) जब तक कि इसने एक या अधिक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को, ऐसे स्टॉक एक्सचेंजों में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध करने के लिए, आवेदन न किया हो और उनमें से किसी एक को नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के रूप में न चुन लिया हो :

परंतु यह कि आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, निर्गमकर्ता राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले कम से कम एक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए आवेदन करेगा ;

- (ङ) जब तक कि इसने पहले ही से निर्गमित या निर्गमित किये जाने के लिए प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को गैरकागजी रूप दिये जाने हेतु निक्षेपागार के साथ करार न कर लिया हो ;

- (च) जब तक कि निर्गमकर्ता के समस्त मौजूदा अंशतः समादत्त इक्विटी शेयर या तो पूर्णतः समादत्त या समपहत न हो गये हों ;

- (छ) जब तक कि वित्तपोषण के कथित साधनों, प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम के माध्यम से या मौजूदा आंतरिक प्रोद्भवन (जिनकी पहचान हो सके) के माध्यम से जुटायी जाने वाली रकम को छोड़कर, के पचहत्तर प्रतिशत हेतु सत्यापन-योग्य साधनों के माध्यम

से वित्तपोषण के पक्के इंतजाम न कर लिये गये हों ।

मर्चेट बैंककार और
अन्य मध्यवर्तियों की
नियुक्ति

5. (1)

निर्गमकर्ता एक या अधिक मर्चेट बैंककारों को नियुक्त करेगा, जिनमें से कम से कम एक अग्रणी मर्चेट बैंककार होगा और अन्य मध्यवर्तियों को भी नियुक्त करेगा, अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से, निर्गम से संबंधित बाध्यताओं को निभाने के लिए ।

(2)

निर्गमकर्ता, अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से, केवल उन मध्यवर्तियों को नियुक्त करेगा जो बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हैं ।

(3)

जहाँ निर्गम का प्रबंध एक से अधिक मर्चेट बैंककार द्वारा देखा जाता हो, तो वहाँ, अन्य बातों के साथ-साथ प्रकटीकरणों, आबंटन, धनराशि लौटाये जाने तथा हामीदारी बाध्यताओं, यदि कोई हों, से संबंधित, प्रत्येक मर्चेट बैंककार के अधिकारों, बाध्यताओं तथा जिम्मेदारियों को पहले अवधारित किया जायेगा और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जायेगा जैसा अनुसूची I में विनिर्दिष्ट है ।

(4)

अग्रणी मर्चेट बैंककार, अन्य मध्यवर्तियों द्वारा उनकी बाध्यताओं को निभाने की क्षमता का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करने के पश्चात् ही, उनकी नियुक्ति के संबंध में निर्गमकर्ता को सलाह देगा ।

(5)

निर्गमकर्ता अनुसूची II में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट में अग्रणी मर्चेट बैंककार के साथ और अन्य मध्यवर्तियों के साथ, जैसा संबद्ध मध्यवर्ती के

लिए लागू संबंधित विनियमों के अधीन अपेक्षित हो, करार करेगा :

परंतु यह कि ऐसे करारों में ऐसे अन्य खण्ड सम्मिलित हो सकेंगे जो निर्गमकर्ता तथा मध्यवर्ती ठीक समझें, अधिनियम, कंपनी अधिनियम, 1956, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और उनके अधीन बनाये गये नियमों तथा विनियमों या किसी कानूनी उपांतर या उनकी कानूनी अधिनियमिति के अधीन मर्चेट बैंककारों, अन्य मध्यवर्तियों और निर्गमकर्ता के दायित्वों और बाध्यताओं को किसी भी तरह से कम किये बिना या सीमित किये बिना :

परंतु यह और कि निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) संबंधी प्रक्रिया के मामले में, निर्गमकर्ता स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों के साथ निर्गमकर्ता के समझे गए करार का संज्ञान लेगा ।

- (6) निर्गमकर्ता, बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाये गये निर्गम के मामले में, सिंडिकेट सदस्यों को और किसी अन्य निर्गम के मामले में, निर्गमन बैंककारों को नियुक्त करेगा, अनुसूची III में यथा विनिर्दिष्ट सभी अनिवार्य संग्रहण केंद्रों और ऐसे अन्य संग्रहण केंद्रों में जो यह ठीक समझे ।

- (7) निर्गमकर्ता रजिस्ट्रार को नियुक्त करेगा जिसकी सभी निक्षेपागारों के साथ संयोजकता हो :

परंतु यह कि यदि निर्गमकर्ता स्वयं बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत निर्गम रजिस्ट्रार है, तो दूसरे निर्गम रजिस्ट्रार को निर्गम रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त

किया जायेगा :

परंतु यह और कि अग्रणी मर्चेट बैंककार उस निर्गम के रजिस्ट्रार के रूप में कार्य नहीं करेगा जिसमें यह निर्गम के पश्चात् की जिम्मेदारियाँ भी संभाल रहा है ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए, बही निर्माण वाले निर्गम के मामले में, निर्गमकर्ता द्वारा नियुक्त अग्रणी मर्चेट बैंककार अग्रणी बही संचालक के रूप में कार्य करेगा ।

प्रस्ताव दस्तावेज को
दाखिल करना

6. (1) कोई भी निर्गमकर्ता,

(क) सार्वजनिक निर्गम नहीं लायेगा ; या

(ख) साधिकार निर्गम नहीं लायेगा, जहाँ प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का कुल मूल्य पचास लाख रुपये या उससे अधिक है,

जब तक कि प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज, अनुसूची IV में यथा विनिर्दिष्ट फीस के साथ, अग्रणी मर्चेट बैंककार के माध्यम से बोर्ड के पास दाखिल न कर दिया गया हो, यथास्थिति, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस, प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस अथवा शेल्फ प्रॉस्पेक्टस रजिस्टर किये जाने या नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल किये जाने के कम से कम तीस दिन पूर्व ।

(2) बोर्ड प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में परिवर्तनों को विनिर्दिष्ट कर सकेगा या संप्रेक्षण जारी कर सकेगा, यदि कोई हों, निम्नलिखित

तारीखों में से बाद वाली तारीख से तीस दिनों के भीतर :

- (क) उप-विनियम (1) के अधीन प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज की प्राप्ति की तारीख ; या
 - (ख) अग्रणी मर्चेट बैंककारों से समाधानप्रद उत्तर की प्राप्ति की तारीख, जहाँ बोर्ड ने उनसे किसी स्पष्टीकरण या अतिरिक्त सूचना की मांग की हो; या
 - (ग) किसी विनियामक या एजेंसी से स्पष्टीकरण या सूचना की प्राप्ति की तारीख, जहाँ बोर्ड ने ऐसे विनियामक या एजेंसी से किसी स्पष्टीकरण या सूचना की मांग की हो; या
 - (घ) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जारी किये गये सैद्धांतिक अनुमोदन पत्र की प्रति की प्राप्ति की तारीख ।
- (3) यदि बोर्ड प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में परिवर्तनों को विनिर्दिष्ट करता है या संप्रेक्षण जारी करता है, तो निर्गमकर्ता तथा अग्रणी मर्चेट बैंककार प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में ऐसे परिवर्तन करेंगे और बोर्ड द्वारा जारी संप्रेक्षणों का अनुपालन करेंगे, कंपनी रजिस्ट्रार के पास, यथास्थिति, प्रॉस्पेक्टस, प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस अथवा शेल्फ प्रॉस्पेक्टस को रजिस्टर किये जाने या नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल किये जाने से पूर्व ।
- (4) निर्गमकर्ता, साथ-साथ, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस, प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस या शेल्फ प्रॉस्पेक्टस को रजिस्टर करते अथवा

नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र को दाखिल करते समय या निर्गम के खुलने से पहले, बोर्ड के पास उसकी प्रति अग्रणी मर्चेट बैंककार के माध्यम से दाखिल करेगा।

- (5) अग्रणी मर्चेट बैंककार, उप-विनियम (1) तथा उप-विनियम (4) के निबंधनों के अनुसार बोर्ड के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करते समय, ऐसे दस्तावेज की प्रति उन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल करेगा जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किये जाने का प्रस्ताव है।
- (6) इस विनियम के अधीन बोर्ड के पास दाखिल किया गया प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड को अनुसूची V में विनिर्दिष्ट प्रकार से सॉफ्ट प्रति (सॉफ्ट कॉपी) में भी दिया जायेगा।

मान्यताप्राप्त स्टॉक
एक्सचेंजों से
सैद्धांतिक अनुमोदन

7. निर्गमकर्ता मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों से सैद्धांतिक अनुमोदन निम्नानुसार अभिप्राप्त करेगा :

- (क) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, उन सभी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों से जिनमें निर्गमकर्ता अपनी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कराने का प्रस्ताव करता है ; और
- (ख) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव और साधिकार निर्गम के मामले में :
 - (i) जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ केवल राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं, ऐसे सभी स्टॉक एक्सचेंजों से ;

(ii) जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं हैं, उन सभी स्टॉक एक्सचेंजों से जिनमें निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किये जाने का प्रस्ताव है;

(iii) जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, जहाँ राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनल न हों, में सूचीबद्ध हैं, राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले सभी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों से ।

निर्गम के खुलने से पहले प्रस्तुत किये जाने वाले दस्तावेज

8. (1) अग्रणी मर्चेट बैंककार प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के साथ बोर्ड को निम्नलिखित प्रस्तुत करेंगे :

(क) निर्गमकर्ता और अग्रणी मर्चेट बैंककारों के बीच किये गये करार की प्रति ;

(ख) प्रत्येक मर्चेट बैंककार की जिम्मेदारियों के परस्पर आबंटन की प्रति, यदि निर्गम का प्रबंध एक से अधिक मर्चेट बैंककार द्वारा देखा जाता हो;

(ग) अनुसूची VI के भाग क के अनुसार सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र ;

(घ) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गमन के मामले में, अनुसूची VI के भाग ख के अनुसार डिबेंचर न्यासी से सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र ;

(ङ) अनुसूची VII के भाग घ में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट में

प्रमाणपत्र, उसमें उल्लिखित शर्तों के अनुपालन की पुष्टि करते हुए ।

- (2) अग्रणी मर्चेट बैंककार बोर्ड द्वारा संप्रेक्षणों को जारी किये जाने के पश्चात् या विनियम 6 के उप-विनियम (2) में नियत कालावधि की समाप्ति के पश्चात्, यदि बोर्ड ने संप्रेक्षण जारी न किये हों, बोर्ड को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा:

(क) यह प्रमाणित करते हुए कथन कि बोर्ड द्वारा किये गये सभी परिवर्तनों, दिये गये सभी सुझावों तथा संप्रेक्षणों को प्रस्ताव दस्तावेज में सम्मिलित कर लिया गया है ;

(ख) अनुसूची VI के भाग ग के अनुसार सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस रजिस्टर किये जाने के समय ;

(ग) संप्रवर्तकों के अंशदान के प्रति प्राप्त रकम हेतु संप्रवर्तकों को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ आबंटित करने के लिए निर्गमकर्ता के निदेशक बोर्ड द्वारा पारित किये गये संकल्प की प्रति, निर्गम के खुलने से पहले ;

(घ) चार्टर्ड एकाउंटेंट से प्रमाणपत्र, निर्गम के खुलने से पहले, यह प्रमाणित करते हुए कि संप्रवर्तकों का अंशदान इन विनियमों के अनुसार प्राप्त हो गया है, उसके साथ उन संप्रवर्तकों के नाम तथा पते देते हुए जिन्होंने संप्रवर्तकों के अंशदान में अभिदाय किया हो और ऐसे अंशदान हेतु उनमें से प्रत्येक द्वारा अदा की गयी रकम का उल्लेख करते हुए ;

(ड) अनुसूची VI के प्ररूप घ के अनुसार सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र, निर्गम के खुलने से ठीक पहले, यह प्रमाणित करते हुए कि आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो, कर ली गयी है ;

(च) अनुसूची VI के प्ररूप ङ के अनुसार सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र, निर्गम के खुल जाने के पश्चात् किन्तु अभिदान हेतु इसके बंद होने से पहले ।

(3) निर्गमकर्ता, उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किये जाने के समय जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किये जाने का प्रस्ताव है, ऐसे स्टॉक एक्सचेंज को अपने संप्रवर्तकों की स्थायी खाता संख्या, बैंक खाता संख्या और पासपोर्ट संख्या प्रस्तुत करेगा ।

प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रस्ताव
दस्तावेज को
सार्वजनिक किया
जाना

9. (1) बोर्ड के पास दाखिल किये गये प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को, टिप्पणियों के लिए, यदि कोई हों, इस प्रकार दाखिल किये जाने की तारीख से कम से कम इक्कीस दिनों की कालावधि के लिए, इसे बोर्ड, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किये जाने का प्रस्ताव है और निर्गम से संबंधित मर्चेंट बैंककारों के वेबसाइटों पर डालते हुए सार्वजनिक किया जायेगा ।

(2) अग्रणी मर्चेंट बैंककार, उप-विनियम (1) में नियत कालावधि की समाप्ति के पश्चात्, उस कालावधि के दौरान प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में उनके या निर्गमकर्ता द्वारा प्राप्त टिप्पणियों तथा

प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किये जाने वाले पारिणामिक परिवर्तनों, यदि कोई हों, की जानकारी देते हुए बोर्ड के पास विवरण दाखिल करेंगे।

**तीव्र-पथीय निर्गम
(फास्ट ट्रैक इश्यु)**

10. (1) विनियम 6 के उप-विनियम (1), (2) तथा (3) और विनियम 7 तथा 8 में अंतर्विष्ट कोई भी बात सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम पर लागू नहीं होगी यदि निर्गमकर्ता निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है :

(क) निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों को संदर्भ तारीख से ठीक पहले की कम से कम तीन वर्षों की कालावधि के लिए राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कर दिया गया है ;

(ख) निर्गमकर्ता की सार्वजनिक शेयरधारिता का औसत बाजार पूंजीकरण कम से कम दस हजार करोड़ रुपये है ;

(ग) संदर्भ तारीख के मास से ठीक पहले के छह कलेंडर मास के दौरान निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों का वार्षिक व्यापारिक व्यापारावर्त (ट्रेडिंग टर्नओवर) ऐसी छह मास की कालावधि के दौरान सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या का कम से कम दो प्रतिशत रहा हो ;

(घ) निर्गमकर्ता ने संदर्भ तारीख के मास से ठीक पहले की तिमाही के अंत तक विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) से प्राप्त शिकायतों में से कम से कम पचानवे प्रतिशत शिकायतों को दूर कर दिया है ;

- (ड) निर्गमकर्ता संदर्भ तारीख से ठीक पहले की कम से कम तीन वर्षों की कालावधि के लिए इक्विटी सूचीबद्धता करारनामे का अनुपालन करता रहा है;
- (च) उन वित्तीय वर्षों के बारे में निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षित लेखों के संबंध में, जिनके लिए ऐसे लेखे प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किये जाते हैं, लेखापरीक्षकों के सशर्त संप्रेक्षणों का प्रभाव संबंधित वर्षों हेतु निर्गमकर्ता के कर के पश्चात् शुद्ध लाभ या हानि के पाँच प्रतिशत से अधिक न हो ;
- (छ) संदर्भ तारीख को निर्गमकर्ता या इसके संप्रवर्तकों या पूर्णकालिक निदेशकों के खिलाफ कोई कारण बताओ सूचनाएँ जारी नहीं की गयी हैं या कोई अभियोजन कार्यवाहियाँ शुरू नहीं की गयी हैं या लंबित नहीं हैं ;
- (ज) निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक समूह की पूरी शेयरधारिता संदर्भ तारीख को गैरकागजी रूप में धारित है ।
- (2) निर्गमकर्ता विनियम 6 के उप-विनियम (4), (5) तथा (6) के अनुसार बोर्ड तथा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करेगा और बोर्ड को अनुसूची IV में यथा विनिर्दिष्ट फीस अदा करेगा ।
- (3) अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार बोर्ड को, प्रस्ताव दस्तावेज के साथ निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेंगे :
- (क) अनुसूची VI के प्ररूप क के अनुसार सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र, जिसमें अनुसूची VI के प्ररूप

च में यथा विनिर्दिष्ट अतिरिक्त पुष्टीकरण सम्मिलित हैं ;

- (ख) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के तीव्र-पथीय निर्गम के मामले में, अनुसूची VI के प्ररूप ख के अनुसार डिबेंचर न्यासी से सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजनों के लिए :

- (I) "संदर्भ तारीख" से अभिप्रेत है :

- (क) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा सार्वजनिक निर्गम के मामले में, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही निर्माण वाले निर्गम के मामले में) या प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) को रजिस्टर किये जाने की तारीख ; और

- (ख) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा साधिकार निर्गम के मामले में, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल किये जाने की तारीख ।

- (II) "सार्वजनिक शेयरधारिता का औसत बाजार पूंजीकरण" से उस मास से, जिसमें प्रस्तावित निर्गम, यथास्थिति, शेयरधारकों या निर्गमकर्ता के बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया था, पहले की तिमाही के अंत तक एक वर्ष की कालावधि के लिए सार्वजनिक शेयरधारिता के दैनिक बाजार पूंजीकरण को व्यापार के दिनों की संख्या से विभाजित करने पर प्राप्त जोड़ अभिप्रेत है ।

- (III) "सार्वजनिक शेयरधारिता" का वही अर्थ होगा जो

इक्विटी सूचीबद्धता करारनामे में इसके लिए नियत है।

निर्गम का खुलना

11. (1) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 60 की उप-धारा (4) के अनुपालन के अधीन, सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम खोला जा सकेगा :

(क) विनियम 6 के अधीन बोर्ड द्वारा संप्रेक्षण जारी किये जाने की तारीख से बारह मास के भीतर ; या

(ख) विनियम 6 के उप-विनियम (2) में नियत कालावधि के समाप्त होने के तीन मास के भीतर, यदि बोर्ड ने संप्रेक्षण जारी न किये हों :

परंतु यह कि तीव्र-पथीय निर्गम के मामले में, निर्गम कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 60 की उप-धारा (4) में नियत कालावधि के भीतर खुलेगा।

(2) शेल्फ प्रॉस्पेक्टस के मामले में, पहले निर्गम को बोर्ड द्वारा संप्रेक्षण जारी किये जाने के तीन मास के भीतर खोला जा सकेगा।

(3) निर्गमकर्ता, यथास्थिति, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही निर्माण वाले निर्गम के मामले में) अथवा प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) को रजिस्टर किये जाने या नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र को दाखिल किये जाने से पहले, बोर्ड के पास अग्रणी मर्चेन्ट बैंककारों के माध्यम से, प्रस्ताव दस्तावेज में किये गये समस्त परिवर्तनों को उजागर करते हुए

अद्यतन प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करेगा।

- (4) इस विनियम में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, यदि अनुसूची VII में विनिर्दिष्ट विषयों के संबंध में प्रस्ताव दस्तावेज में परिवर्तन हुए हों, तो, यथास्थिति, अद्यतन प्रस्ताव दस्तावेज या नया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड के पास अनुसूची IV में विनिर्दिष्ट फीस के साथ दाखिल किया जायेगा।

निर्गम संबंधी सामग्री को प्रेषित करना

12. अग्रणी मर्चेट बैंककार प्रस्ताव दस्तावेज तथा अन्य निर्गम संबंधी सामग्री, जिसमें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन हेतु प्ररूप सम्मिलित हैं, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज, सिंडिकेट सदस्यों, हामीदारों, निर्गमन बैंककारों, विनिधानकर्ता (निवेशक) संघों तथा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को पहले ही से प्रेषित करेंगे।

हामीदारी

13. (1) जहाँ सार्वजनिक निर्गम (बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से भिन्न) या साधिकार निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता, निर्गम की हामीदारी कराने का इच्छुक है, तो यह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (हामीदार) विनियम, 1993 के अनुसार हामीदारों को नियुक्त करेगा।
- (2) जहाँ निर्गमकर्ता बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से सार्वजनिक निर्गम लाता है, तो वहाँ ऐसे निर्गम की हामीदारी बही संचालकों या सिंडिकेट सदस्यों द्वारा की जायेगी :

परंतु यह कि जनता को शुद्ध प्रस्ताव के पचास प्रतिशत [साठ प्रतिशत, यदि सार्वजनिक निर्गम प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के

नियम 19 के उप-नियम (2) के खण्ड (ख) के अधीन कम से कम दस प्रतिशत सार्वजनिक प्रस्ताव के साथ लाया जाता है], जिसे विनियम 26 के उप-विनियम (2) तथा विनियम 28 में विनिर्दिष्ट पात्रता शर्तों के अनुपालन के प्रयोजन के लिए अर्हित संस्थागत क्रेताओं को अनिवार्यतः आबंटित किये जाने का प्रस्ताव है, की हामीदारी नहीं की जा सकती ।

- (3) निर्गमकर्ता बही संचालक के साथ हामीदारी करार करेगा, जो फिर सिंडिकेट सदस्यों के साथ हामीदारी करार करेगा, उसमें विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की संख्या को इंगित करते हुए जिसका अभिदान वे निर्गम में अल्प-अभिदान की दशा में पहले अवधारित की गयी कीमत पर करेंगे ।
- (4) यदि सिंडिकेट सदस्य अपनी हामीदारी बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहते हैं, तो अग्रणी बही संचालक हामीदारी बाध्यताओं को पूरा करेगा ।
- (5) बही संचालक और सिंडिकेट सदस्य किसी भी प्रकार से निर्गम में अभिदान नहीं करेंगे, अपनी हामीदारों बाध्यताओं को पूरा करने के सिवाय ।
- (6) सिंडिकेट करारनामे की प्रति बोलियों के खुलने से पहले बोर्ड के पास दाखिल की जायेगी ।
- (7) हामीदारी वाले प्रत्येक निर्गम के मामले में, अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार या अग्रणी बही संचालक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 में यथा विनिर्दिष्ट न्यूनतम हामीदारी बाध्यताओं का जिम्मा लेगा ।

- (8) जहाँ प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से शत-प्रतिशत प्रस्ताव की हामीदारी की जाती है, तो वहाँ हामीदारी बाध्यताएँ प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से पूरे शत-प्रतिशत प्रस्ताव के लिए होंगी और जो अभिदान के न्यूनतम स्तर तक निर्बंधित नहीं होंगी ।

न्यूनतम अभिदान

14. (1) निर्गम में प्राप्त किया जाने वाला न्यूनतम अभिदान प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव के नब्बे प्रतिशत से कम नहीं होगा ।
- (2) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट न्यूनतम अभिदान प्राप्त न होने की दशा में, प्राप्त समस्त आवेदन धनराशि आवेदकों को तुरंत लौटा दी जाएगी :
- (क) किन्तु निर्गम के बंद होने के पंद्रह दिनों के अपश्चात्, गैर-हामीदारी वाले निर्गम के मामले में; और
- (ख) किन्तु निर्गम के बंद होने के सत्तर दिनों के अपश्चात्, हामीदारी वाले निर्गम के मामले में जहाँ न्यूनतम अभिदान जिसमें हामीदारों द्वारा चुकायी गयी न्यागमन बाध्यताएँ सम्मिलित हैं निर्गम के बंद होने के साठ दिनों के भीतर प्राप्त नहीं होता है ।
- (3) प्रस्ताव / दस्तावेज में न्यूनतम अभिदान से संबंधित पर्याप्त प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे जैसा अनुसूची VIII के भाग क में विनिर्दिष्ट है ।
- (4) इस विनियम में अंतर्विष्ट कोई भी बात निम्नलिखित पर लागू नहीं होगी :

(क) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के विक्रय के लिए प्रस्ताव ;

(ख) अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) कंपनियों द्वारा सार्वजनिक निर्गम, यदि निर्गम के उद्देश्यों के निधीयन के आनुकल्पिक स्रोत के संबंध में प्रकटीकरण प्रस्ताव दस्तावेज में कर दिये गये हों।

स्पष्टीकरण : उप-विनियम (4) के खण्ड (ख) के प्रयोजन के लिए, शब्द "अवसंरचना कंपनी" से, वह उद्यम अभिप्रेत है जो पूर्ण रूप से किसी अवसंरचना सुविधा (i) को विकसित करने या (ii) का कामकाज चलाने तथा संभालने या (iii) को विकसित करने, का कामकाज चलाने तथा संभालने, के कारबार में लगा हो।

अति-अभिदान

15. (1) प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों से अधिक कोई भी आबंटन निर्गमकर्ता द्वारा नहीं किया जायेगा :

परंतु यह कि अति-अभिदान के मामले में, आबंटन, जो जनता को शुद्ध प्रस्ताव के दस प्रतिशत से अधिक न हो, न्यूनतम निश्चित संख्याओं (लॉटों) में आबंटन करने के प्रयोजनार्थ किया जा सकेगा।

अनुश्रवण (मॉनीटरिंग)
एजेंसी

16. (1) यदि निर्गम का आकार पाँच सौ करोड़ रुपये से अधिक होता है, तो निर्गमकर्ता, निर्गमन के आगमों के उपयोग के लिए इंतजाम करेगा जिसका अनुश्रवण लोक वित्तीय संस्था द्वारा या निर्गमकर्ता के बैंककारों के रूप में प्रस्ताव

दस्तावेज में नामित अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में से किसी एक द्वारा किया जाना है :

परंतु यह कि इस खण्ड में अंतर्विष्ट कोई भी बात बैंक या लोक वित्तीय संस्था द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के विक्रय के लिए प्रस्ताव या लाये गये निर्गम पर लागू नहीं होगी ।

- (2) अनुश्रवण एजेंसी अपनी रिपोर्ट निर्गमकर्ता को अनुसूची IX में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट में अर्धवार्षिक आधार पर प्रस्तुत करेगी, जब तक निर्गमन के आगमों का पूर्णतया उपयोग न कर लिया गया हो।

मांगे जाने की रीति

17. यदि निर्गमकर्ता अभिदान धनराशियाँ किस्तों में प्राप्त करने का प्रस्ताव करता है, तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि अभिदान की बकाया धनराशि की मांग निर्गम में आबंटन की तारीख से बारह मास के भीतर की जाती है और यदि कोई आवेदक उक्त बारह मास के भीतर मांग-राशि अदा करने में असफल रहता है, तो जिन इक्विटी शेयरों पर मांग बकाया है उन इक्विटी शेयरों को और साथ ही ऐसे शेयरों पर पहले ही से अदा की गयी अभिदान धनराशि को समपहत कर लिया जाएगा ;

परंतु यह कि बारह मास के भीतर अभिदान की बकाया धनराशि की मांग करना आवश्यक नहीं होगा, यदि निर्गमकर्ता ने विनियम 16 के निबंधनों के अनुसार अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) एजेंसी को नियुक्त किया हो ।

आबंटन, लौटाना और ब्याज का भुगतान

18. (1) निर्गमकर्ता और मर्चेन्ट बैंककार यह सुनिश्चित करेंगे कि निर्गम के बंद होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का आबंटन

हो जाता है और / या आवेदन धनराशियों को लौटा दिया जाता है ।

- (2) जहाँ उप-विनियम (1) में नियत कालावधि के भीतर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का आबंटन नहीं किया जाता है और / या आवेदन धनराशियों को नहीं लौटाया जाता है, तो वहाँ निर्गमकर्ता ऐसी दर पर और ऐसे समय के भीतर ब्याज अदा करने का वचन देगा जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया गया हो ।

अतिरिक्त पूँजी निर्गमों पर निर्बंधन 19.

कोई भी निर्गमकर्ता किसी भी प्रकार से विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का कोई अतिरिक्त निर्गम नहीं लायेगा चाहे सार्वजनिक निर्गम, साधिकार निर्गम, अधिमानी निर्गम, अर्हित संस्था नियोजन, बोनस शेयरों के निर्गम या अन्यथा रूप में :

- (क) तीव्र-पथीय निर्गम के मामले में, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही निर्माण वाले निर्गम के मामले में) अथवा प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) को रजिस्टर किये जाने या नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र को दाखिल किये जाने की तारीख तथा प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता या आवेदन धनराशियों को लौटाये जाने के बीच की कालावधि के दौरान ; या
- (ख) अन्य निर्गमों के मामले में, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल किये जाने की तारीख तथा प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता या आवेदन धनराशियों को लौटाये जाने के बीच

की कालावधि के दौरान ;

जब तक कि विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कुल संख्या तथा ऐसे अतिरिक्त निर्गम से जुटाये जाने हेतु प्रस्तावित रकम के संबंध में पूरे प्रकटीकरण, यथास्थिति, ऐसे प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज में नहीं कर दिये जाते ।

संपरिवर्तनीय ऋण
लिखतों (कनवर्टिबल
डैट इन्स्ट्रुमेंट्स) के
निर्गमन के लिए
अतिरिक्त अपेक्षाएँ

20. (1) इन विनियमों में अधिकथित अन्य अपेक्षाओं के अतिरिक्त, संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता निम्नलिखित शर्तों का अनुपालन करेगा :

(क) इसने एक या अधिक साख निर्धारण (क्रेडिट रेटिंग) एजेंसियों से साख निर्धारण अभिप्राप्त कर लिया हो ;

(ख) इसने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 117ख तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993 के उपबंधों के अनुसार एक डिबेंचर न्यासी या एक से अधिक डिबेंचर न्यासियों को नियुक्त कर लिया हो ;

(ग) इसने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 117ग के उपबंधों के अनुसार डिबेंचर मोचन आरक्षिति (रिडेंप्शन रिजर्व) सृजित कर ली हो ;

(घ) यदि निर्गमकर्ता प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की बाबत अपनी आस्तियों पर भार या प्रतिभूति का सृजन करने का प्रस्ताव करता है, तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि :

- (i) ऐसी आस्तियाँ सभी समयों पर मूलधन की रकम का उन्मोचन करने के लिए पर्याप्त हैं ;
 - (ii) ऐसी आस्तियाँ किसी विल्लंगम से रहित हैं ;
 - (iii) जहाँ प्रतिभूति पहले ही से ऐसी आस्तियों पर वित्तीय संस्थाओं अथवा बैंकों के पक्ष में सृजित है या संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम को पट्टाधृत भूमि पर प्रतिभूति के सृजन द्वारा प्रतिभूत किये जाने का प्रस्ताव है, तो वहाँ दूसरे या समरूपी भार हेतु ऐसी वित्तीय संस्था, बैंक या पट्टाकर्ता की सहमति अभिप्राप्त कर ली गयी हो और निर्गम के खुलने से पहले डिबेंचर न्यासी को प्रस्तुत कर दी गयी हो ;
 - (iv) प्रतिभूति / आस्ति कवर का निर्धारण दायित्वों, जिनका पहला / पूर्व भार हो, को घटाने के पश्चात् किया जायेगा, यदि संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें दूसरे या बाद के भार द्वारा प्रतिभूत हों।
- (2) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज के अनुसार संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का मोचन करेगा।

अंशतः संपरिवर्तनीय
ऋण लिखतों के
असंपरिवर्तनीय भाग
का आवर्तन

21. (1) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा निर्गमित अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के असंपरिवर्तनीय भाग, जिसका मूल्य पचास लाख रुपये से अधिक होता है, का आवर्तन ब्याज दर में परिवर्तन किये बिना किया जा सकेगा, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 121 के उपबंधों और निम्नलिखित शर्तों के अनुपालन के अधीन :

- (क) निर्गमकर्ता के संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के पचहत्तर प्रतिशत धारकों ने आवर्तन को

अनुमोदन दे दिया हो, डाक मतपत्र के रूप में संकल्प के माध्यम से ;

- (ख) निर्गमकर्ता ने, संकल्प पारित किये जाने की सूचना के साथ, निर्गमकर्ता के नकदी प्रवाह के संबंध में लेखापरीक्षक का प्रमाणपत्र तथा निर्गमकर्ता की अर्थसुलभता (लिक्विडिटी) स्थिति पर टिप्पणियों के साथ, संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सभी धारकों को, भेज दिया हो ;
- (ग) निर्गमकर्ता ने संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सभी धारकों जो संकल्प के प्रति सहमत न हुए हों की अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के असंपरिवर्तनीय भाग का मोचन करने का वचन दिया हो ;
- (घ) मोचन की नियत तारीख से पहले छह मास की कालावधि के भीतर बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत कम से कम एक साख निर्धारण एजेंसी से साख निर्धारण अभिप्राप्त कर लिया गया हो और संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को संसूचित कर दिया गया हो, आवर्तन से पहले ;
- (2) नयी प्रतिभूति का सृजन और नये न्यास विलेख का निष्पादन लाजिमी नहीं होगा यदि मौजूदा न्यास विलेख या प्रतिभूति दस्तावेजों में प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का मोचन किये जाने तक प्रतिभूति के जारी रहने का उपबंध हो ।

परंतु यह कि क्या निर्गमकर्ता से नयी प्रतिभूति का सृजन और नये न्यास विलेख का निष्पादन अपेक्षित है या नहीं, इसका विनिश्चय डिबेंचर न्यासी द्वारा किया जायेगा ।

वैकल्पिक रूप से
संपरिवर्तनीय ऋण
लिखतों का इक्विटी
शेयर पूँजी में
संपरिवर्तन

22. (1)

निर्गमकर्ता अपनी वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों को इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तित नहीं करेगा जब तक कि ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों ने निर्गमकर्ता को अपनी निश्चित सहमति न भेज दी हो और इस प्रयोजनार्थ निर्गमकर्ता द्वारा भेजी गयी किसी सूचना के प्रति उत्तर प्राप्त न होने का अर्थ किन्हीं संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तन के लिए सहमति के रूप में नहीं लगाया जायेगा।

(2)

जहाँ सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा निर्गमित किन्हीं संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तनीय भाग का मूल्य पचास लाख रुपये से अधिक होता है और निर्गमकर्ता ने निर्गम लाने के समय ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की संपरिवर्तन कीमत अवधारित न की हो, तो वहाँ ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को, संपरिवर्तनीय भाग को इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तित न करने का विकल्प दिया जाएगा :

परंतु यह कि जहाँ ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की कीमत संबंधी ऊपरी सीमा तथा उसके आधार पर न्यायोचित्य अवधारित किया जाता है और निर्गम लाने से पहले विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को प्रकट किया जाता है, तो वहाँ संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को उक्त ऊपरी सीमा के भीतर इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तनीय भाग को संपरिवर्तित करने के लिए ऐसा विकल्प देना आवश्यक नहीं होगा।

(3)

जहाँ उप-विनियम (2) के अनुसार संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों को विकल्प दिया जाना

है और यदि ऐसे धारकों में से एक या अधिक धारक शेयरधारकों की साधारण बैठक में अवधारित कीमत पर लिखतों को इक्विटी शेयर पूँजी में संपरिवर्तित करने के विकल्प का प्रयोग नहीं करते हैं, तो वहाँ निर्गमकर्ता अंतिम तारीख, जिस तारीख तक विकल्प का प्रयोग किया जाना है, से एक मास के भीतर लिखतों के उस भाग का मोचन करेगा, उस कीमत पर जो इसके अंकित मूल्य से कम नहीं होगी।

- (4) उप-विनियम (3) का उपबंध लागू नहीं होगा यदि ऐसा मोचन प्रस्ताव दस्तावेज में किये गये प्रकटीकरणों के अनुसार है।

वित्तपोषण के लिए
संपरिवर्तनीय ऋण
लिखतों का निर्गमन

23. कोई भी निर्गमकर्ता निधियों की वित्तपोषण पुनःपूर्ति करने के लिए या उधार की व्यवस्था करने के लिए या किसी व्यक्ति, जो एक ही समूह का भाग है अथवा जो एक ही प्रबंध के अधीन है, के शेयरों को अर्जित करने के लिए संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का निर्गमन नहीं करेगा :

परंतु यह कि निर्गमकर्ता इन प्रयोजनों के लिए पूर्णतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का निर्गमन कर सकेगा यदि ऐसी ऋण लिखतों के संपरिवर्तन की कालावधि ऐसी ऋण लिखतों के निर्गमन की तारीख से अठारह मास से कम हो।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए :

- (1) दो व्यक्ति "एक ही समूह का भाग" समझे जाएँगे यदि वे एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 2 के खण्ड (डच) के अर्थ के भीतर आने वाले समूह से संबंधित हों या यदि वे उक्त

अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (छ) के अर्थ के भीतर आने वाले "अंतर्संबद्ध उपक्रम" के स्वामी हों;

- (II) शब्द "एक ही प्रबंध के अधीन" का वही अर्थ होगा जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 370 की उप-धारा (1ख) में इसके लिए नियत है।

- विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के धारकों के अधिकारों का परिवर्तन 24. कोई भी निर्गमकर्ता विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की शर्तों (निर्गम की शर्तों सहित) में परिवर्तन नहीं करेगा, जो उन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के धारकों के हितों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करें, उस वर्ग की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के कम से कम तीन-चौथाई धारकों की लिखित में सहमति या उस वर्ग की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के धारकों की बैठक में पारित विशेष संकल्प की मंजूरी के बिना।

अध्याय III

सार्वजनिक निर्गमों के विषय में उपबंध

भाग I - पात्रता अपेक्षाएँ

- संदर्भ तारीख 25. जब तक कि इस अध्याय में अन्यथा उपबंध न हो, सार्वजनिक निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल किये जाने की तारीख को और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज को रजिस्टर किये जाने की तारीख को भी इस अध्याय की शर्तों को पूरा करेगा।
- आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए शर्तें 26. (1) निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव ला सकेगा, यदि :
- (क) इसके पास पूर्ववर्ती तीन पूर्ण वर्षों (प्रत्येक बारह मास का) में से प्रत्येक वर्ष में कम से कम तीन करोड़ रुपये की शुद्ध मूर्त आस्तियाँ हैं, जिनमें से पचास प्रतिशत से अनधिक मौद्रिक आस्तियों में धारित हैं :

परंतु यह कि यदि शुद्ध मूर्त आस्तियों के पचास प्रतिशत से अधिक मौद्रिक आस्तियों में धारित है, तो निर्गमकर्ता ने अपने कारबार या परियोजना में ऐसी अधिक मौद्रिक आस्तियों का उपयोग करने के लिए पक्की प्रतिबद्धताएँ की हों ;

- (ख) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205 के अनुसार वितरणयोग्य लाभों के संबंध में इसका पिछला रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) रहा हो, ठीक पहले के पाँच वर्षों में से कम से कम तीन वर्षों हेतु :
परंतु यह कि वितरणयोग्य लाभों की गणना करने के लिए असाधारण मदों पर विचार नहीं किया जाएगा ;
 - (ग) इसकी शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) पूर्ववर्ती तीन पूर्ण वर्षों (प्रत्येक बारह मास का) में से प्रत्येक वर्ष में कम से कम एक करोड़ रुपये की हो ;
 - (घ) निर्गम के आकार के लिहाज से प्रस्तावित निर्गम तथा उसी वित्तीय वर्ष में लाये गये सभी पिछले निर्गमों का योग पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के लेखापरीक्षित तुलनपत्र के अनुसार इसकी निर्गम से पूर्व की शुद्ध-मालियत के पाँच गुना से अधिक न हो ;
 - (ङ) यदि इसने पिछले एक वर्ष के भीतर अपने नाम में परिवर्तन कर लिया हो, पूर्ववर्ती एक पूर्ण वर्ष हेतु कम से कम पचास प्रतिशत आमदनी नये नाम की वजह से इंगित क्रियाकलाप से हुई हो ।
- (2) उप-विनियम (1) में नियत शर्तों में से किसी शर्त को पूरा न करने वाला निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव ला सकेगा, यदि :
- (क) (i) निर्गम बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाया जाता है और निर्गमकर्ता जनता को शुद्ध प्रस्ताव का कम से कम पचास प्रतिशत अर्हित संस्थागत

क्रेताओं को आबंटित करने का तथा यदि यह अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटन करने में असफल रहता है तो पूरी अभिदान धनराशि को लौटाने का वचन देता है ;

या

- (ii) परियोजना की लागत के कम से कम पंद्रह प्रतिशत का अंशदान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों या लोक वित्तीय संस्थाओं द्वारा किया जाता है, जिसमें से कम से कम दस प्रतिशत अंशकों से आयेगा और निर्गमकर्ता जनता को शुद्ध प्रस्ताव का कम से कम दस प्रतिशत अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटित करने का तथा यदि यह अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटन करने में असफल रहता है तो पूरी अभिदान धनराशि को लौटाने का वचन देता है ;

- (ख) (i) निर्गमकर्ता की निर्गम के पश्चात् की न्यूनतम अंकित मूल्य पूंजी दस करोड़ रुपये है ;

या

- (ii) निर्गमकर्ता विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता की तारीख से कम से कम दो वर्षों हेतु बाजार निर्माण की व्यवस्था का वचन देता है, निम्नलिखित के अध्यक्षीन :

- (क) बाजार निर्माता न्यूनतम तीन सौ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों हेतु क्रय एवं विक्रय का भाव बोलकर प्रस्ताव करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी बोलियों हेतु क्रय-विक्रय दर का अंतर, किसी भी समय, दस प्रतिशत से अधिक न हो ;

- (ख) बाजार निर्माताओं का स्टॉक (इनवेंटरी), विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख को, प्रस्तावित निर्गम का कम से कम पाँच प्रतिशत होगा ।

- (3) निर्गमकर्ता अपने इक्विटी शेयरों का पूर्व

सार्वजनिक निर्गम लाये बिना तथा उनकी सूचीबद्धता के बिना संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव ला सकेगा ।

- (4) निर्गमकर्ता सार्वजनिक निर्गम के अनुसरण में आबंटन नहीं करेगा यदि भावी आबंटितियों की संख्या एक हजार से कम हो ।
- (5) कोई भी निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव नहीं लायेगा यदि कोई बकाया संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ हों या कोई अन्य अधिकार हो जो किसी व्यक्ति को आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के पश्चात् इक्विटी शेयरों को प्राप्त करने के किसी विकल्प का हकदार बना देगा :

परंतु यह कि इस उप-विनियम के उपबंध :

- (क) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों जो पिछले आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के माध्यम से निर्गमित की गयी थीं के चालू रहने के दौरान लाये गये सार्वजनिक निर्गम पर लागू नहीं होंगे, यदि ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की संपरिवर्तन कीमत अवधारित की गयी थी और संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के पिछले निर्गम के प्रॉस्पेक्टस में प्रकट की गयी थी ;
 - (ख) इस संबंध में भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी सुसंगत मार्गदर्शन टिप्पण (गाइडेंस नोट) या लेखा मानकों, यदि कोई हों, के अनुसार बनायी गयी कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम के अनुसरण में कर्मचारियों को प्रदान किये गये बकाया विकल्पों पर लागू नहीं होंगे ।
- (6) कंपनी अधिनियम, 1956 और इन विनियमों के

उपबंधों के अधीन, इक्विटी शेयरों का प्रस्ताव जनता को विक्रय के लिए किया जा सकेगा यदि ऐसे इक्विटी शेयर विनियम 6 के उप-विनियम (1) के अनुसार बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल किये जाने से कम से कम एक वर्ष पूर्व की कालावधि हेतु विक्रेताओं द्वारा धारण किये गये हों :

परंतु यह कि यदि पूर्णतः समादत्त अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों जिनमें निक्षेपागार रसीदें सम्मिलित हैं के संपरिवर्तन या विनियम पर प्राप्त इक्विटी शेयरों का प्रस्ताव विक्रय के लिए किया जा रहा है, तो ऐसी संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों को तथा साथ ही पारिणामिक इक्विटी शेयरों को धारण करने की कालावधि पर, इस उप-विनियम में निर्दिष्ट एक वर्ष की कालावधि की गणना के प्रयोजन के लिए, विचार किया जायेगा ।

परंतु यह और कि एक वर्ष की कालावधि हेतु इक्विटी शेयरों को धारण करने की अपेक्षा :

- (क) सरकारी कंपनी या कानूनी प्राधिकरण या निगम या उनमें से किसी एक या अधिक द्वारा गठित तथा नियंत्रित किसी विशेष प्रयोजन माध्यम (स्पेशल पर्पस् वीइकल), जो अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) क्षेत्र में लगा हो, की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के विक्रय के लिए प्रस्ताव के मामले में लागू नहीं होगी ;
- (ख) यदि विक्रय के लिए प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 - 394 के अधीन उच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित किसी स्कीम के अनुसरण में अर्जित

की गयी थीं, कारबार तथा विनिहित पूंजी के बदले जो ऐसे अनुमोदन से पहले एक वर्ष से अधिक की कालावधि के लिए विद्यमान रही थी।

- (7) कोई भी निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव नहीं लायेगा, जब तक कि कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस या प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस को रजिस्टर किये जाने की तारीख को, निर्गमकर्ता ने बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत कम से कम एक साख निर्धारण एजेंसी से आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए श्रेणीकरण अभिप्राप्त न कर लिया हो।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजनों के लिए:

- (I) "शुद्ध मूर्त आस्तियों" (या "शुद्ध मूर्त आस्तियों") से निर्गमकर्ता की समस्त आस्तियों का जोड़ अभिप्रेत है, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक 26 में यथा परिभाषित अमूर्त आस्तियों को छोड़कर ;
- (II) "परियोजना" से वह उद्देश्य अभिप्रेत है जिसके लिए निर्गम के उद्देश्यों का समावेश करने हेतु धनराशि जुटाये जाने का प्रस्ताव है ;
- (III) उस निर्गमकर्ता के मामले में जो भागीदारी फर्म रहा था, भागीदारी फर्म के वितरणयोग्य लाभों के पिछले रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) पर तभी विचार किया जाएगा केवल यदि जिस कालावधि के दौरान निर्गमकर्ता भागीदारी फर्म था उस कालावधि हेतु भागीदारी कारबार के वित्तीय विवरण; कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन कंपनियों हेतु विहित किये गये फॉर्मेट के अनुरूप हैं तथा में संशोधित हैं और जो निम्नलिखित का भी अनुपालन करते हैं :
 - (क) वित्तीय विवरणों में पर्याप्त प्रकटीकरण किये हैं जो कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची VI के अनुसार निर्गमकर्ता द्वारा किये जाने अपेक्षित हैं ;

(ख) वित्तीय विवरण चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यह कथन करते हुए सम्यक् रूप से प्रमाणित हैं कि :

- (i) लेखे और किये गये प्रकटीकरण कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची VI के उपबंधों के अनुसार हैं ;
- (ii) भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान के लेखा मानकों का अनुसरण किया गया है ;
- (iii) वित्तीय विवरण फर्म के लेखों का सही और उचित चित्र प्रस्तुत करते हैं ;
- (iv) मौजूदा कंपनी के विभाजन में से गठित निर्गमकर्ता के मामले में, हुए विभाजन के वितरणयोग्य लाभों के पिछले रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) पर तभी विचार किया जाएगा केवल यदि स्पष्टीकरण III में भागीदारी फर्मों हेतु यथा उपबंधित वित्तीय विवरणों से संबंधित अपेक्षाओं का अनुपालन किया जाता हो ;
- (v) "क्रय-विक्रय दर का अंतर" से विक्रय तथा क्रय के भावों के बीच अंतर अभिप्रेत है ;
- (vi) शब्द "अवसंरचना क्षेत्र" के अंतर्गत अनुसूची X में यथा विनिर्दिष्ट सुविधाएँ या सेवाएँ सम्मिलित हैं।

बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए शर्तें

27. निर्गमकर्ता बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव ला सकेगा यदि यह विनियम 26 के उप-विनियम (1) के खण्ड (घ) तथा (ङ) में विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा करता है और यदि यह उन शर्तों को पूरा नहीं करता है, तो यह बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव ला सकेगा यदि यह विनियम 26 के उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा करता है।

भाग II - सार्वजनिक निर्गम में कीमत-निर्धारण

कीमत-निर्धारण

28. (1) निर्गमकर्ता अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से या बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कीमत अवधारित कर सकेगा।
- (2) निर्गमकर्ता अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से या बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों की कूपन दर तथा संपरिवर्तन कीमत का अवधारण कर सकेगा।
- (3) निर्गमकर्ता अनुसूची XI में विनिर्दिष्ट प्रकार से बही निर्माण प्रक्रिया करेगा।

अंतरीय कीमत-निर्धारण

29. निर्गमकर्ता भिन्न-भिन्न कीमतों पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव कर सकेगा, निम्नलिखित के अध्याधीन :

- (क) छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशक) या छोट व्यक्तिगत शेयरधारकों को उस कीमत से कम कीमत पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव किया जा सकेगा जिस पर अन्य प्रवर्गों के आवेदकों को शुद्ध प्रस्ताव किया जाता है :

परंतु यह कि ऐसा अंतर उस कीमत के दस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा जिस पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव अन्य प्रवर्गों के आवेदकों को किया जाता है ;

- (ख) बही निर्माण वाले निर्गम के मामले में, एंकर विनिधानकर्ता (निवेशक) को प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कीमत अन्य आवेदकों को प्रस्तावित कीमत से कम नहीं होगी ;

- (ग) संयुक्त निर्गम के मामले में, सार्वजनिक निर्गम में प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कीमत साधिकार निर्गम में प्रस्तावित कीमत से भिन्न हो सकेगी और ऐसे कीमत अंतर के लिए न्यायोचित्य प्रस्ताव दस्तावेज में दिया जाएगा।

कीमत और मूल्य
दायरा

30. (1) निर्गमकर्ता प्रारूप प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) में कीमत या मूल्य दायरे तथा प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही निर्माण वाले निर्गम के मामले में) में निम्नतम कीमत या मूल्य दायरे का उल्लेख कर सकेगा और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस को रजिस्टर करने से पहले बाद की किसी तारीख को कीमत अवधारित कर सकेगा।

परंतु यह कि कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रीकृत प्रॉस्पेक्टस में, यथास्थिति, केवल एक कीमत या विशिष्ट कूपन दर अंतर्विष्ट होगी।

- (2) यदि निम्नतम कीमत या मूल्य दायरे का उल्लेख प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में नहीं किया जाता है, तो निर्गमकर्ता बोली के खुलने से कम से कम दो कार्य-दिवसों पहले (आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में) और बोली के खुलने से कम से कम एक कार्य-दिवस पहले (बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में) निम्नतम कीमत या मूल्य दायरे की घोषणा, उन सभी समाचारपत्रों में करेगा जिनमें निर्गम से पूर्व विज्ञापन जारी किया गया था।
- (3) उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट घोषणा में मूल्य दायरे के निम्नतर एवं उच्चतर दोनों हेतु संगणित सुसंगत वित्तीय अनुपात अंतर्विष्ट होंगे और वह

कथन भी अंतर्विष्ट होगा जो प्रॉस्पेक्टस में निर्गम कीमत के आधार से संबंधित शीर्षक वाले खंड की तरफ विनिधानकर्त्ताओं (निवेशकों) का ध्यान खींचता हो ।

- (4) मूल्य दायरे पर सीमा निम्नतम कीमत के एक सौ बीस प्रतिशत से कम या के बराबर होगी ।
- (5) निम्नतम कीमत या अंतिम कीमत विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के अंकित मूल्य से कम नहीं होगी ।

स्पष्टीकरण : उप-विनियम (4) के प्रयोजनों के लिए, "मूल्य दायरे पर सीमा" के अंतर्गत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के मामले में कूपन दर पर सीमा सम्मिलित है ।

इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य

31. (1) कंपनी अधिनियम, 1956, अधिनियम तथा इन विनियमों के उपबंधों के अध्याधीन, आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने वाला निर्गमकर्त्ता निम्नलिखित प्रकार से इक्विटी शेयरों के अंकित मूल्य का अवधारण कर सकेगा :

- (क) यदि निर्गम कीमत, प्रति इक्विटी शेयर, पाँच सौ रुपये या उससे अधिक है, तो निर्गमकर्त्ता के पास दस रुपये प्रति इक्विटी शेयर से कम पर अंकित मूल्य को अवधारित करने का विकल्प होगा :

परंतु यह कि अंकित मूल्य एक रुपये प्रति इक्विटी शेयर से कम नहीं होगा ;

- (ख) यदि निर्गम कीमत, प्रति इक्विटी शेयर, पाँच सौ रुपये से कम है, तो इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य दस रुपये प्रति इक्विटी शेयर होगा :

परंतु यह कि इस उप-विनियम में अंतर्विष्ट कोई भी बात किसी सरकारी कंपनी, कानूनी प्राधिकरण या निगम या उनमें से किसी द्वारा गठित किसी विशेष प्रयोजन माध्यम (स्पेशल पर्पस् वीडकल) द्वारा, जो अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) क्षेत्र में लगा हो, लाये गये आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव पर लागू नहीं होगी।

- (2) इक्विटी शेयरों के अंकित मूल्य के बारे में प्रकटीकरण (जिसमें निर्गम कीमत से संबंधित कथन सम्मिलित हो कि वह अंकित मूल्य की "X" गुना है) विज्ञापनों, प्रस्ताव दस्तावेजों में और आवेदन प्ररूपों में उतने ही फॉन्ट के आकार में किया जाएगा जितना फॉन्ट का आकार निर्गम कीमत या मूल्य दायरे का हो।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजनों के लिए, शब्द "अवसंरचना क्षेत्र" के अंतर्गत अनुसूची X में यथा विनिर्दिष्ट सुविधाएँ या सेवाएँ सम्मिलित हैं।

भाग III - संप्रवर्तकों का अंशदान

संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान 32.

- (1) निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक सार्वजनिक निर्गम में निम्नानुसार अंशदान करेंगे :

- (क) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, निर्गम के पश्चात् की पूँजी का कम से कम बीस प्रतिशत;
- (ख) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, या तो प्रस्तावित निर्गम आकार के बीस प्रतिशत तक या निर्गम के पश्चात् की पूँजी के बीस प्रतिशत तक ;
- (ग) संयुक्त निर्गम के मामले में, या तो प्रस्तावित निर्गम आकार के बीस प्रतिशत तक या निर्गम के पश्चात् की पूँजी के बीस प्रतिशत तक, साधिकार निर्गम के घटक को छोड़कर ;

(2) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम या संयुक्त निर्गम के मामले में, संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान निम्नानुसार होगा:

(क) संप्रवर्तक, यथास्थिति, उप-विनियम (1) के खण्ड (क), (ख) या (ग) में यथा नियत रूप से बीस प्रतिशत अंशदान करेंगे, या तो इक्विटी शेयरों के रूप में या संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों में अभिदान के रूप में :

परंतु यह कि यदि संपरिवर्तन के अनुसरण में आबंटित इक्विटी शेयरों की कीमत पहले ही अवधारित नहीं की जाती है और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट नहीं की जाती है, तो संप्रवर्तक सार्वजनिक निर्गम में निर्गमित की जा रही संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों में अभिदान के रूप में ही अंशदान करेंगे और ऐसी प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के अनुसरण में इक्विटी शेयरों में अभिदान करने का लिखित में वचन देंगे।

(ख) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों, जो भिन्न-भिन्न तारीखों को संपरिवर्तनीय या विनिमेय हैं, के किसी निर्गमन के मामले में और यदि संप्रवर्तकों का अंशदान इक्विटी शेयरों (संपरिवर्तन कीमत पहले से अवधारित हो) के रूप में हो, ऐसा अंशदान उस कीमत पर नहीं होगा जो ऐसी प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन से उत्पन्न इक्विटी शेयर पूँजी की भारित औसत कीमत से कम हो।

(ग) उपर्युक्त खण्ड (क) तथा (ख) के उपबंधों के अध्यक्षीन, इक्विटी शेयरों के पूर्व सार्वजनिक निर्गम के बिना संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, संप्रवर्तक इक्विटी शेयरों के रूप में परियोजना लागत का कम से कम बीस प्रतिशत का अंशदान लायेंगे, इसके अध्यक्षीन कि निर्गम के आकार के कम से कम बीस प्रतिशत का अंशदान इक्विटी शेयरों के रूप में उनकी स्वयं की निधियों से किया जाये :

परंतु यह कि यदि पारेयोजना को प्रक्रमों में कार्यान्वित किया जाना हो, तो संप्रवर्तकों का अंशदान कुल इक्विटी सहभागिता की बाबत, सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से जुटाये गये या जुटाये जाने हेतु प्रस्तावित ऋण (डैट) के मुकाबले में संबंधित प्रक्रम तक, होगा ।

- (3) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव या संयुक्त निर्गम के मामले में जहाँ संप्रवर्तक नियत किये गये संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान से अधिक अंशदान करते हैं, तो अधिक अंशदान की बाबत आबंटन विनियम 76 के उपबंधों के अनुसार अवधारित कीमत या निर्गम कीमत पर, जो भी अधिक हो, किया जाएगा ।
- (4) संप्रवर्तक निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम एक दिन पहले इस विनियम की अपेक्षाओं को पूरा करेंगे और संप्रवर्तकों के अंशदान की रकम अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक के पास निलंब खाते में रखी जाएगी और निर्गम आगमों को सौंपे जाने के साथ-साथ निर्गमकर्ता को सौंप दी जायेगी :

परंतु यह कि जहाँ संप्रवर्तकों का अंशदान पहले से ही लाया जा चुका हो और उपयोग किया जा चुका हो, तो वहाँ निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में ऐसी निधियों के उपयोग को प्रकट करते हुए नकदी प्रवाह विवरण देगा :

परंतु यह और कि जहाँ संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान एक सौ करोड़ रुपये से अधिक हो, तो वहाँ संप्रवर्तक निर्गम के खुलने की तारीख से पहले कम से कम एक सौ करोड़ रुपये लायेंगे और बाकी की रकम जनता से मांग किये जाने से पहले आनुपातिक आधार पर लायी जा सकेगी ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए :

- (1) संप्रवर्तकों के अंशदान की संगणना निर्गम के पश्चात् की विस्तारित पूंजी के आधार पर की जायेगी :

(क) यह मानते हुए कि संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों का इक्विटी शेयरों में पूर्ण प्रस्तावित संपरिवर्तन हो गया है ;

(ख) यह मानते हुए कि समस्त निहित विकल्पों का प्रयोग कर लिया गया है, जहाँ कोई कर्मचारी स्टॉक विकल्प विनियम 26 के उप-विनियम (5) के परंतुक (ख) के अनुसार आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के समय बकाया हैं ।

(II) "भारित औसत कीमत" की संगणना के लिए :

(क) "भारों" से विभिन्न प्रक्रमों पर ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तन से उत्पन्न इक्विटी शेयरों की संख्या अभिप्रेत है ;

(ख) "कीमत" से संपरिवर्तन पर इक्विटी शेयरों की वह कीमत अभिप्रेत है जो विभिन्न प्रक्रमों पर पहले अवधारित की गयी संपरिवर्तन कीमत पर विचार करने के पश्चात् निकाली गयी हो ।

संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान के लिए अपात्र प्रतिभूतियाँ 33.

(1) संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान की संगणना के लिए, निम्नलिखित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ पात्र नहीं होंगी :

(क) पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान अर्जित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ, यदि :

(i) उन्हें नकद से भिन्न प्रतिफल के लिए अर्जित किया जाता है और आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन या अमूर्त आस्तियों का पूंजीकरण ऐसे संव्यवहार में अंतर्वलित है ; या

(ii) वे निर्गमकर्ता की पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों

अथवा अप्राप्त लाभों के उपयोग द्वारा बोनस निर्गम से या इक्विटी शेयरों, जो संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान हेतु अपात्र हैं, के प्रति बोनस निर्गम से परिणामित हों ;

- (ख) उस कीमत से कम कीमत पर पूर्ववर्ती एक वर्ष के दौरान संप्रवर्तकों द्वारा अर्जित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ जिस पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव जनता को आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में किया जा रहा है :

परंतु यह कि इस खण्ड में अंतर्विष्ट कोई भी बात:

- (i) लागू नहीं होगी, यदि संप्रवर्तक, जिस कीमत पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रस्ताव आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में किया जाता है उस कीमत और जिस कीमत पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ अर्जित की गयी थीं उस कीमत के बीच का अंतर निर्गमकर्ता को अदा करते हैं ;
- (ii) लागू नहीं होगी, यदि ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391-394 के अधीन स्कीम, उच्च न्यायालय द्वारा यथा अनुमोदित, के अनुसार संप्रवर्तकों द्वारा कारबार तथा विनिहित पूंजी जो ऐसे अनुमोदन से पहले एक वर्ष से अधिक की कालावधि के लिए विद्यमान रही थी के बदले अर्जित की जाती हैं ;
- (iii) सरकारी कंपनी, कानूनी प्राधिकरण या निगम या उनमें से किसी द्वारा गठित किसी विशेष प्रयोजन माध्यम (स्पेशल पर्पस् वीइकल), जो अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) क्षेत्र में लगा हो, द्वारा आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव पर लागू नहीं होगी ;

(ग) पूर्ववर्ती एक वर्ष के दौरान निर्गम कीमत से कम कीमत पर संप्रवर्तकों को आबंटित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ, उस कालावधि के दौरान उनके द्वारा लायी गयी निधियों के प्रति, एक या अधिक भागीदारी फर्मों के संपरिवर्तन द्वारा गठित निर्गमकर्ता के मामले में, जहाँ पहले की भागीदारी फर्मों के भागीदार निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक हैं और प्रबंध मंडल में कोई परिवर्तन न हो :

परंतु यह कि विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ, सतत आधार पर एक वर्ष से अधिक की कालावधि के लिए ऐसी फर्मों में विद्यमान पूंजी के प्रति संप्रवर्तकों को आबंटित, पात्र होंगी ;

(घ) किसी लेनदार के पास गिरवी रखी गयी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ ।

(2) उप-विनियम (1) के खण्ड (क) तथा (ग) में निर्दिष्ट विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ संप्रवर्तकों के अंशदान की संगणना के लिए पात्र होंगी, यदि ऐसी प्रतिभूतियाँ उस स्कीम के अनुसरण में अर्जित की जाती हैं जिसे कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391-394 के अधीन अनुमोदित किया गया है ।

स्पष्टीकरण : उप-विनियम (1) के खण्ड (ख) के प्रयोजनों के लिए, शब्द "अवसंरचना क्षेत्र" के अंतर्गत अनुसूची X में यथा विनिर्दिष्ट सुविधाएँ या सेवाएँ सम्मिलित हैं।

कुछ मामलों में
संप्रवर्तकों के न्यूनतम
अंशदान की अपेक्षा का
लागू न होना

34. संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान की अपेक्षाएँ :

(क) उस निर्गमकर्ता के मामले में लागू नहीं होंगी जिसके पास ऐसा कोई संप्रवर्तक नहीं है जिसकी पहचान हो सके ;

(ख) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में लागू नहीं होंगी, जहाँ उसी वर्ग के इक्विटी शेयरों जिन्हें प्रस्ताव के माध्यम से प्रस्तावित संप्रवर्तनीय प्रतिभूतियों के संप्रवर्तन या विनिमय के अनुसरण में आबंटित किये जाने का प्रस्ताव है या प्रस्ताव में आबंटित किये जाने का प्रस्ताव है, को सूचीबद्ध किया गया है और जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में कम से कम तीन वर्षों की कालावधि के लिए बार-बार व्यापारित होते हैं और निर्गमकर्ता का ठीक पहले के कम से कम तीन वर्षों का लाभांश अदायगी का पिछला रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) है :

परंतु यह कि जहाँ संप्रवर्तक प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों में उतना अभिदान करने का प्रस्ताव करते हैं जो कि विनियम 32 के उप-विनियम (1) के खण्ड (ख) में उपलब्ध दो विकल्पों में से जो भी उच्चतर हो उससे अधिक हो, तो वहाँ ऐसे प्रतिशत से अधिक अभिदान विनियम 76 के उपबंधों के अनुसार अवधारित कीमत या निर्गम कीमत पर, जो भी अधिक हो, किया जाएगा ;

(ग) साधिकार निर्गमों के मामले में लागू नहीं होंगी ।

स्पष्टीकरण : खण्ड (ख) के प्रयोजन के लिए, बार-बार व्यापारित होने का वही अर्थ है जो

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के विनियम 20 के उप-विनियम (5) के स्पष्टीकरण में इसके लिए नियत है और उक्त स्पष्टीकरण में निर्दिष्ट वार्षिक व्यापारिक व्यापारावर्त की संगणना करने के प्रयोजन के लिए संदर्भ तारीख बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल किये जाने की तारीख होगी और तीव्र पथीय निर्गम के मामले में, निर्गम के खुलने से पहले कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल किये जाने की तारीख होगी।

भाग IV - संप्रवर्तकों के अंशदान, आदि की अंतरणीयता (अवरुद्धता [लॉक-इन]) पर निर्बंधन

अवरुद्धता (लॉक-इन)
के प्रारंभ की तारीख
और अनंतरणीयता का
अंकन

35. (1)

इस अध्याय में जैसा अन्यथा उपबंधित है उसके सिवाय, संप्रवर्तकों तथा संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गम में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख से इस अध्याय में नियत कालावधि हेतु अंतरणीय (इसमें इसके पश्चात् "अवरुद्धता (लॉक-इन)" के रूप में निर्दिष्ट) नहीं होंगी।

(2)

विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों, जो अवरुद्धता (लॉक-इन) के अध्यधीन हैं, के प्रमाणपत्र में "अनंतरणीय" अंकित होगा और अवरुद्धता (लॉक-इन) कालावधि अंतर्विष्ट होगी और यदि ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ गैरकागजी रूपी हैं, तो निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि अवरुद्धता (लॉक-इन) को निक्षेपागार द्वारा अभिलिखित किया जाता है।

(3)

जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ, जो अवरुद्धता (लॉक-इन) के अध्यधीन हैं, अंशतः समादत्त हैं और ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों पर अपेक्षित रकम जनता को निर्गमित की गयी विनिर्दिष्ट

प्रतिभूतियों पर अपेक्षित रकम से कम हो, तो वहाँ "अवरुद्धता (लॉक-इन)", ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के उन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों से समरूप हो जाने के पश्चात् जो जनता को निर्गमित हैं, तीन वर्षों की समाप्ति पर ही समाप्त होगी।

संप्रवर्तकों द्वारा धारित
विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों
की अवरुद्धता (लॉक-
इन)

36. सार्वजनिक निर्गम में, संप्रवर्तकों द्वारा धारित प्रतिभूतियाँ इसमें नीचे नियत कालावधि के लिए रुद्ध हो जायेंगी :

(क) संप्रवर्तकों का न्यूनतम अंशदान वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख या सार्वजनिक निर्गम में आबंटन की तारीख से, जो भी बाद की हो, तीन वर्षों की कालावधि के लिए रुद्ध हो जायेगा ;

(ख) संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान से अधिक संप्रवर्तकों की धारिता एक वर्ष की कालावधि के लिए रुद्ध हो जाएगी :

परंतु यह कि विनियम 34 के खण्ड (ख) के परंतुक में यथा उपबंधित संप्रवर्तकों का अधिक अंशदान अवरुद्धता (लॉक-इन) के अध्यधीन नहीं होगा।

स्पष्टीकरण : इस खण्ड के प्रयोजनों के लिए, शब्द "वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख" से उस मास की अंतिम तारीख अभिप्रेत है जिस मास में विनिर्माता कंपनी में वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ होने की प्रत्याशा है जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में कथन किया गया हो।

संप्रवर्तकों से भिन्न
व्यक्तियों द्वारा धारित
विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों
की अवरुद्धता (लॉक-
इन)

37. आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित निर्गम से पूर्व की पूरी पूँजी एक वर्ष की कालावधि के लिए रुद्ध हो जाएगी :

परंतु यह कि इस विनियम में अंतर्विष्ट कोई भी बात :

- (क) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव से पहले निर्गमकर्ता की कर्मचारी स्टॉक विकल्प या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अधीन कर्मचारियों को आबंटित इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी, यदि निर्गमकर्ता ने अनुसूची VIII के भाग क के अनुसार ऐसे विकल्पों या स्कीम के संबंध में पूरे प्रकटीकरण कर दिये हों ;
- (ख) बोर्ड के पास प्रारूप प्रॉस्पेक्टस को दाखिल किये जाने की तारीख से कम से कम एक वर्ष पूर्व की कालावधि हेतु जोखिम पूँजी निधि या विदेशी जोखिम पूँजी विनिधानकर्ता (निवेशक) द्वारा धारित इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी :

स्पष्टीकरण : खण्ड (ख) के प्रयोजन के लिए, यदि ऐसे इक्विटी शेयर पूर्णतः समादत्त अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के अनुसरण में परिणामित हुए हैं, तो एक वर्ष की कालावधि की गणना के प्रयोजन के लिए ऐसी संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों को तथा साथ ही पारिणामिक इक्विटी शेयरों को धारण किये जाने संबंधी कालावधि पर विचार किया जायेगा और संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों को पूर्णतः समादत्त समझा जायेगा, यदि उन पर देय पूर्ण प्रतिफल अदा कर दिया गया हो और कोई अतिरिक्त प्रतिफल उनके संपरिवर्तन के समय देय न हो ।

ग्रीन शू विकल्प के अधीन स्थिरीकरण (स्टैबिलाइज़िंग) एजेंट को उधार दी गयी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)

38. इस अध्याय के अवरुद्धता (लॉक-इन) संबंधी उपबंध ग्रीन शू विकल्प के प्रयोजन के लिए स्थिरीकरण एजेंट को उधार दी गयी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के संबंध में लागू नहीं होंगे, ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को उधार दिये जाने की तारीख से शुरू होने वाली तथा उस तारीख को समाप्त होने वाली कालावधि के दौरान जिस तारीख को वे विनियम 45 के उप-विनियम (5) या (6) के अनुसार उधारदाता को लौटायी जाती हैं :
- परंतु यह कि विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ उस तारीख से बाकी की कालावधि के लिए रुद्ध हो जायेंगी, जिस तारीख को वे उधारदाता को लौटायी जाती हैं ।

रुद्ध (लॉक्ड-इन)
विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों
की गिरवी

39. संप्रवर्तकों द्वारा धारित तथा रुद्ध (लॉक्ड-इन) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक या लोक वित्तीय संस्था के पास संपार्श्विक प्रतिभूति (समर्थक जमानत) के रूप में ऐसे बैंक या संस्था द्वारा दिये गये ऋण हेतु गिरवी रखा जा सकेगा, निम्नलिखित के अध्याधीन :

(क) यदि विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ विनियम 36 के खण्ड (क) के अनुसार रुद्ध हैं, तो ऋण ऐसे बैंक या संस्था द्वारा निर्गम के किसी एक या अधिक उद्देश्यों का वित्तपोषण करने के प्रयोजन के लिए दिया गया है और विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की गिरवी ऋण की मंजूरी की शर्तों में से एक है ;

(ख) यदि विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ विनियम 36 के खण्ड (ख) के अनुसार रुद्ध हैं और विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की गिरवी ऋण की मंजूरी की शर्तों में से एक है ।

रुद्ध (लॉक्ड-इन)
विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों
की अंतरणीयता

40. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के उपबंधों के अध्याधीन, संप्रवर्तकों द्वारा धारित तथा विनियम 36 के अनुसार रुद्ध विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ दूसरे संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह के किसी व्यक्ति या नये संप्रवर्तक या निर्गमकर्ता के नियंत्रणधारी व्यक्ति को अंतरित की जा सकेंगी और संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित तथा विनियम 37 के अनुसार रुद्ध विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित की जा सकेंगी जो अंतरित किये जाने हेतु प्रस्तावित प्रतिभूतियों सहित उन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को धारण कर रहा हो जो रुद्ध हैं ।

परंतु यह कि ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों पर अवरुद्धता (लॉक-इन) अंतरिती के पास बाकी की कालावधि के लिए जारी रहेगी और ऐसा अंतरिती उन्हें तब तक अंतरित करने के लिए पात्र नहीं होगा जब तक इन विनियमों में नियत अवरुद्धता की कालावधि समाप्त न हो जाये ।

भाग V - जनता को न्यूनतम प्रस्ताव, आरक्षण, आदि

जनता को न्यूनतम
प्रस्ताव

41. (1) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के खण्ड (2) के उप-खण्ड (ख) के उपबंधों के अधीन, जनता को शुद्ध प्रस्ताव :

(क) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, यथास्थिति, निर्गम के पश्चात् की पूँजी का कम से कम दस प्रतिशत या पच्चीस प्रतिशत होगा ; और

(ख) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, यथास्थिति, निर्गम के आकार का कम से कम दस प्रतिशत या पच्चीस प्रतिशत होगा ।

(2) उप-विनियम (1) में अंतर्विष्ट कोई भी बात लागू नहीं होगी यदि निर्गमकर्ता :

(क) सरकारी कंपनी, कानूनी प्राधिकरण या निगम या उनमें से किसी एक या अधिक द्वारा गठित तथा नियंत्रित कोई विशेष प्रयोजन माध्यम (स्पेशल पर्पस् वीइकल्), जो अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) क्षेत्र में लगा हो, है ;

(ख) निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने वाली अवसंरचना कंपनी है :

(i) इसकी परियोजना को एक या अधिक लोक वित्तीय संस्थाओं द्वारा आंका गया है ;

(ii) परियोजना लागत के कम से कम पचास प्रतिशत का वित्तपोषण ऐसी एक या अधिक संस्थाओं द्वारा, संयुक्त रूप से या पृथक् रूप से, ऋण या

इक्विटी शेयरों के प्रति अभिदान या दोनों के संयोजन के रूप में किया जाता है, इस बात का विचार किये बिना कि वे परियोजना को आंकते हैं या नहीं ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए :

- (I) शब्द "अवसंरचना कंपनी" से, वह उद्यम अभिप्रेत है जो पूर्ण रूप से किसी अवसंरचना सुविधा (i) को विकसित करने या (ii) का कामकाज चलाने तथा संभालने या (iii) को विकसित करने, का कामकाज चलाने तथा संभालने, के कारबार में लगा है ;
- (II) शब्द "अवसंरचना क्षेत्र" के अंतर्गत अनुसूची X में यथा विनिर्दिष्ट सुविधाएँ या सेवाएँ सम्मिलित हैं।

**प्रतियोगी आधार पर
आरक्षण**

42. (1) बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाये गये निर्गम के मामले में, निर्गमकर्ता निम्नलिखित प्रवर्गों के व्यक्तियों के पक्ष में प्रतियोगी आधार पर आरक्षण, संप्रवर्तकों के अंशदान तथा जनता को शुद्ध प्रस्ताव को छोड़कर निर्गम के आकार में से, कर सकेगा :
- (क) निर्गमकर्ता के कर्मचारी जिनमें नये निर्गमकर्ता के मामले में संप्रवर्तक कंपनियों के कर्मचारी सम्मिलित हैं ;
 - (ख) शेयरधारक (संप्रवर्तकों से भिन्न),
 - (i) सूचीबद्ध संप्रवर्तक कंपनियों के, नये निर्गमकर्ता के मामले में ; और

- (ii) सूचीबद्ध समूह कंपनियों के, विद्यमान निर्गमकर्ता के मामले में, :

परंतु यह कि यदि संप्रवर्तक कंपनियाँ नामनिर्दिष्ट वित्तीय संस्थाएँ या राज्य तथा केंद्रीय वित्तीय संस्थाएँ हैं, तो ऐसी संप्रवर्तक कंपनियों के शेयरधारक प्रतियोगी आधार पर आरक्षण के लिए पात्र नहीं होंगे ;

- (ग) व्यक्ति जो, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किये जाने की तारीख को, आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने वाले निर्गमकर्ता के जमाकर्ताओं, बॉण्डधारकों या इसकी सेवाओं के ग्राहकों के रूप में निर्गमकर्ता से सहयुक्त हैं :

परंतु यह कि निर्गमकर्ता निर्गम प्रबंध-दल, सिंडिकेट सदस्यों, उनके संप्रवर्तकों, निदेशकों तथा कर्मचारियों के प्रति और निर्गम प्रबंध-दल तथा सिंडिकेट सदस्यों की समूह या सहयुक्त कंपनियों तथा उनके संप्रवर्तकों, निदेशकों एवं कर्मचारियों के लिए आरक्षण नहीं करेगा ।

- (2) बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से भिन्न लाये गये निर्गम के मामले में, निर्गमकर्ता निम्नलिखित प्रवर्गों के व्यक्तियों के पक्ष में प्रतियोगी आधार पर आरक्षण, संप्रवर्तकों के अंशदान तथा जनता को शुद्ध प्रस्ताव को छोड़कर निर्गम के आकार में से, कर सकेगा :

- (क) निर्गमकर्ता के कर्मचारी जिनमें नये निर्गमकर्ता के मामले में संप्रवर्तक कंपनियों के कर्मचारी सम्मिलित हैं ;

- (ख) शेयरधारक (संप्रवर्तकों से भिन्न),

- (i) सूचीबद्ध संप्रवर्तक कंपनियों के, नये निर्गमकर्ता के मामले में ; और
- (ii) सूचीबद्ध समूह कंपनियों के, विद्यमान निर्गमकर्ता के मामले में :

परंतु यह कि यदि संप्रवर्तक कंपनियाँ नामनिर्दिष्ट वित्तीय संस्थाएँ या राज्य तथा केंद्रीय वित्तीय संस्थाएँ हैं, तो ऐसी संप्रवर्तक कंपनियों के शेयरधारक प्रतियोगी आधार पर आरक्षण के लिए पात्र नहीं होंगे ।

- (3) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव (जो संयुक्त निर्गम न हो) के मामले में, निर्गमकर्ता, निर्गमकर्ता के छोटे व्यक्तिगत शेयरधारकों के पक्ष में प्रतियोगी आधार पर आरक्षण, संप्रवर्तकों के अंशदान तथा जनता को शुद्ध प्रस्ताव को छोड़कर निर्गम के आकार में से, कर सकेगा ।

- (4) प्रतियोगी आधार पर आरक्षण निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :

- (क) कर्मचारियों के लिए आरक्षणों का योग निर्गम के आकार के दस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा ;

- (ख) शेयरधारकों के लिए आरक्षण निर्गम के आकार के दस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा ;

- (ग) उन व्यक्तियों के लिए जिनका बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किये जाने की तारीख को, आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लाने वाले निर्गमकर्ता के साथ जमाकर्ताओं, बॉण्डधारकों तथा सेवाओं के ग्राहकों के रूप में कारबारी संबंध

हैं, आरक्षण निर्गम के आकार के पाँच प्रतिशत से अधिक नहीं होगा ;

- (घ) जनता को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी प्रवर्ग में अभिदान के लिए किसी व्यक्ति (कर्मचारी तथा छोटे व्यक्तिगत शेयरधारक के सिवाय), जिसके पक्ष में प्रतियोगी आधार पर आरक्षण किया जाता है, से कोई अतिरिक्त आवेदन ग्रहण नहीं किया जाएगा ;
- (ङ) किसी आरक्षित प्रवर्ग में किसी भाग में जो अभिदत्त न हुआ हो को किसी अन्य आरक्षित प्रवर्ग में जोड़ा जा सकेगा और आरक्षित प्रवर्गों के बीच ऐसे परस्पर समायोजनों के पश्चात् ऐसा कोई भाग जो अभिदत्त न हुआ हो, यदि कोई हो, तो उसे जनता को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी प्रवर्ग में जोड़ दिया जाएगा ;
- (च) जनता को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी प्रवर्ग में अल्प-अभिदान के मामले में, जितना अल्प-अभिदान हुआ हो उतने तक को शुद्ध सार्वजनिक प्रस्ताव संबंधी प्रवर्ग में आरक्षित प्रवर्ग से पूरा करने की अनुज्ञा दी जाएगी ।
- (5) आरक्षित प्रवर्गों के मामले में, आरक्षित प्रवर्ग में अकेला आवेदक विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की ऐसी संख्या हेतु आवेदन कर सकेगा जो आरक्षण से अधिक हो ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजनों के लिए :

- (1) प्रतियोगी आधार पर आरक्षण से वह आरक्षण अभिप्रेत है जिसके अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का आबंटन, विशिष्ट आरक्षित प्रवर्ग

की बाबत आवेदित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की संख्या के उस प्रवर्ग हेतु आरक्षित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की संख्या से अनुपात में, किया जाता है ;

- (II) शब्द "नये निर्गमकर्ता" से वह निर्गमकर्ता अभिप्रेत है जिसने वाणिज्यिक कामकाज के बारह मास पूरे नहीं किये हैं और इसके ऐसे कामकाज के लेखापरीक्षित परिणाम उपलब्ध नहीं हैं ।

जनता को शुद्ध प्रस्ताव 43.
में आबंटन

- (1) कोई भी व्यक्ति जनता को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी प्रवर्ग में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की उस संख्या के लिए आवेदन नहीं करेगा जो जनता को प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की संख्या से अधिक होती है ।

- (2) बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाये गये निर्गम में, जनता को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी प्रवर्ग में आबंटन निम्नानुसार किया जाएगा :

(क) जो छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को पैंतीस प्रतिशत से कम न हो ;

(ख) जो गैर संस्थागत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को पंद्रह प्रतिशत से कम न हो ;

(ग) जो अर्हित संस्थागत क्रेताओं को पचास प्रतिशत से अधिक न हो, जिसका पाँच प्रतिशत पारस्परिक निधियों को आबंटित किया जाएगा :

परंतु यह कि विनियम 26 के उप-विनियम (2) के खण्ड (क) के उप-खण्ड (i) के अनुसार लाये गये निर्गम के मामले में, जनता को शुद्ध प्रस्ताव का

कम से कम पचास प्रतिशत अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटित किया जाएगा :

परंतु यह और कि जहाँ निर्गमकर्ता से, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के खण्ड (2) के उप-खण्ड (ख) के उपबंधों के अनुसार जनता को शुद्ध प्रस्ताव का साठ प्रतिशत अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटित करना अपेक्षित है, तो वहाँ छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) तथा गैर संस्थागत विनिधानकर्ताओं को आबंटन क्रमशः तीस प्रतिशत तथा दस प्रतिशत होगा :

परंतु यह और कि खण्ड (ग) के अनुसार उपलब्ध पाँच प्रतिशत आबंटन के अतिरिक्त, पारस्परिक निधियाँ अर्हित संस्थागत क्रेताओं हेतु शेष उपलब्ध के अधीन आबंटन के लिए पात्र होंगी ।

(3) बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाये गये निर्गम में, निर्गमकर्ता अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटित करने के लिए उपलब्ध भाग के तीस प्रतिशत तक का आबंटन एंकर विनिधानकर्ता (निवेशक) को कर सकेगा, इस संबंध में अनुसूची XI में विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुसार ।

(4) बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से भिन्न लाये गये निर्गम में, जनता को शुद्ध प्रस्ताव संबंधी प्रवर्ग में आबंटन निम्नानुसार किया जाएगा :

(क) न्यूनतम पचास प्रतिशत छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को ; और

(ख) बाकी :

- (i) छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) से भिन्न व्यक्तिगत आवेदकों को ; और
- (ii) अन्य विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को जिनमें निगमित निकाय या संस्थाएँ सम्मिलित हैं, जिन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया गया है उनकी संख्या का विचार किये बिना ;
- (ग) खण्ड (क) या (ख) में विनिर्दिष्ट प्रवर्गों में से किसी में उस भाग का आबंटन अन्य प्रवर्ग में आवेदकों को किया जा सकेगा जो अभिदत्त न हुआ हो ।

स्पष्टीकरण : उप-विनियम (4) के प्रयोजन के लिए, यदि छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ता (निवेशक) संबंधी प्रवर्ग आनुपातिक आधार पर पचास प्रतिशत से अधिक का हकदार है, तो छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को वह अधिक प्रतिशत आबंटित किया जाएगा ।

रक्षा कवच इंतजाम

44. निर्गमकर्ता किसी सार्वजनिक निर्गम में प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए रक्षा कवच इंतजाम की व्यवस्था कर सकेगा, रक्षा कवच इंतजाम का प्रस्ताव करने वाले व्यक्ति की वित्तीय क्षमता को अभिनिश्चित करने के पश्चात् मर्चेट बैंककार के परामर्श से, इस संबंध में अनुसूची VIII के भाग क में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरणों के अध्यक्षीन :

परंतु यह कि किसी ऐसे इंतजाम के अंतर्गत प्रतिभूति प्रमाणपत्रों के प्रेषण या डिमैट खाते में जमा किये जाने की अंतिम तारीख से छह मास की कालावधि के भीतर निर्गम कीमत पर अधिकतम एक हजार तक विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ, प्रति मूल निवासी छोटे व्यक्तिगत आबंटिती, खरीदने के प्रस्ताव की व्यवस्था होगी ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए, शब्दों "रक्षा कवच इंतजाम" से निर्गमकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया वह इंतजाम अभिप्रेत है जिसके अधीन व्यक्ति मूल निवासी छोटे व्यक्तिगत आबंटितियों से निर्गम कीमत पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को खरीदने का प्रस्ताव करता है।

ग्रीन शू विकल्प के माध्यम से कीमत स्थिरीकरण

45. (1) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का सार्वजनिक निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता अपनी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के पश्चात् की कीमत के स्थिरीकरण के लिए ग्रीन शू विकल्प उपलब्ध करा सकेगा, निम्नलिखित के अध्यक्षीन :
- (क) निर्गमकर्ता को, सार्वजनिक निर्गम को अनुमोदित करने वाले शेयरधारकों की साधारण बैठक में पारित संकल्प द्वारा, स्थिरीकरण एजेंट को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ आबंटित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है, यदि अपेक्षित हो, स्थिरीकरण कालावधि की समाप्ति पर;
- (ख) निर्गमकर्ता ने, निर्गमकर्ता द्वारा नियुक्त किये गये मर्चेन्ट बैंककारों में से, यथास्थिति, मर्चेन्ट बैंककार या बही संचालक को स्थिरीकरण एजेंट के रूप में नियुक्त कर लिया है, जो कीमत की स्थिरीकरण प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार होगा ;
- (ग) बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से पहले, निर्गमकर्ता और स्थिरीकरण एजेंट ने करार कर लिया है, जिसके अंतर्गत ग्रीन शू विकल्प से संबंधित सभी निबंधनों एवं शर्तों का विवरण दिया गया है, जिनमें स्थिरीकरण एजेंट द्वारा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रभारित फीस तथा किये जाने वाले खर्च सम्मिलित हैं ;

- (घ) बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से पहले, स्थिरीकरण एजेंट ने संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों या दोनों के साथ इस उप-विनियम के खण्ड (छ) के अनुसार उनसे विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ उधार लेने के लिए करार कर लिया है; उसमें उन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की अधिकतम संख्या का उल्लेख करते हुए जिन्हें निर्गम के आकार से अधिक विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आबंटन या को आबंटित किये जाने (इसमें इसके पश्चात् "अति-आबंटन" के रूप में निर्दिष्ट) के प्रयोजनार्थ उधार लिया जा सकेगा, जो निर्गम के आकार के पंद्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगा ;
- (ङ) खण्ड (घ) के अध्यक्षीन, अग्रणी मर्चेट बैंकार या अग्रणी बही संचालक, स्थिरीकरण एजेंट के परामर्श से, सार्वजनिक निर्गम में अति-आबंटित की जाने वाली विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की मात्रा को अवधारित करेगा ;
- (च) प्रारूप तथा अंतिम प्रस्ताव दस्तावेजों में इस संबंध में विनिर्दिष्ट ग्रीन शू विकल्प के बारे में समस्त महत्वपूर्ण प्रकटीकरण अनुसूची VIII के भाग क में अंतर्विष्ट होंगे ;
- (छ) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में निर्गम से पूर्व के शेयरधारक तथा संप्रवर्तक और बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में पाँच प्रतिशत से अधिक विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ धारण करने वाले निर्गम से पूर्व के शेयरधारक तथा संप्रवर्तक, प्रस्तावित अति-आबंटन के विस्तार तक विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को उधार दे सकेंगे ;

- (ज) उधार ली गयी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ गैरकागजी रूप में होंगी और इन प्रतिभूतियों का आबंटन सभी सफल आवेदकों को आनुपातिक रूप में किया जायेगा ।
- (2) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के पश्चात् की कीमत के स्थिरीकरण के प्रयोजन के लिए, स्थिरीकरण एजेंट सुसंगत पहलुओं को अवधारित करेगा जिनके अंतर्गत ऐसी प्रतिभूतियों की खरीद करने का समय, खरीदी जाने वाली मात्रा तथा वह कीमत सम्मिलित है जिस पर ऐसी प्रतिभूतियों को बाजार से खरीदा जाना है ।
- (3) स्थिरीकरण प्रक्रिया उस कालावधि के लिए उपलब्ध होगी जो उस तारीख से तीस दिनों से अधिक न हो जिस तारीख को व्यापार की अनुज्ञा सार्वजनिक निर्गम में आबंटित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की बाबत मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा दी जाती है ।
- (4) स्थिरीकरण एजेंट अति-आबंटन के प्रति आवेदकों से प्राप्त धनराशियों को जमा करने के लिए बैंक के पास विशेष खाता, जो निर्गम संबंधी खाते से भिन्न हो, खोलेगा और, विशेष बैंक खाते में जमा धनराशियों में से स्थिरीकरण कालावधि के दौरान, बाजार से खरीदी जाने वाली विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को जमा करने के लिए निक्षेपागार सहभागी के पास विशेष खाता खोलेगा ।
- (5) बाजार से खरीदी गयी और निक्षेपागार सहभागी के यहाँ विशेष खाते में जमा की गयी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों को तुरंत लौटा दी जायेंगी, किसी भी दशा में स्थिरीकरण कालावधि की समाप्ति के

पश्चात् दो कार्य दिवसों के अपश्चात् ।

- (6) स्थिरीकरण कालावधि की समाप्ति पर, यदि स्थिरीकरण एजेंट बाजार से उतनी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ खरीदने में समर्थ न रहा हो, जितनी ऐसी प्रतिभूतियाँ अति-आबंटित हुई हों, तो निर्गमकर्ता उतनी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को, जितनी कम रही हों, गैर-कागजी रूप में निर्गम कीमत पर निक्षेपागार सहभागी के यहाँ विशेष खाते में आबंटित करेगा, स्थिरीकरण कालावधि के समाप्त होने के पाँच दिनों के भीतर और ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ स्थिरीकरण एजेंट द्वारा संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों को, उनसे उधार ली गयी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के बदले में, लौटायी जायेंगी और उसके बाद निक्षेपागार सहभागी के यहाँ खाते को बंद कर दिया जायेगा ।
- (7) निर्गमकर्ता उप-विनियम (6) के अधीन आबंटित अतिरिक्त विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की बाबत, उन सभी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को सूचीबद्धता आवेदन करेगा जहाँ सार्वजनिक निर्गम में आबंटित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं और अध्याय VII के उपबंध ऐसे आबंटन पर लागू नहीं होंगे ।
- (8) स्थिरीकरण एजेंट उप-विनियम (6) के अधीन आबंटित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की बाबत धनराशियाँ निर्गमकर्ता को विशेष खाते से प्रेषित करेगा ।
- (9) उप-विनियम (8) के अधीन निर्गमकर्ता को धनराशियों के प्रेषण और स्थिरीकरण प्रक्रिया के लिए स्थिरीकरण एजेंट द्वारा किये गये खर्चों की

कटौती के पश्चात् विशेष बैंक खाते में पड़ी किसी धनराशि को बोर्ड द्वारा स्थापित विनिधानकर्ता (निवेशक) संरक्षण और शिक्षण निधि में अंतरित किया जायेगा और विशेष बैंक खाते को उसके बाद शीघ्र बंद कर दिया जायेगा ।

- (10) स्थिरीकरण एजेंट स्थिरीकरण कालावधि के दौरान दैनिक आधार पर स्टॉक एक्सचेंज को रिपोर्ट और अनुसूची XII में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट में बोर्ड को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।
- (11) स्थिरीकरण एजेंट स्थिरीकरण कालावधि की समाप्ति की तारीख से कम से कम तीन वर्षों की कालावधि के लिए रजिस्टर बनाये रखेगा और ऐसे रजिस्टर में निम्नलिखित विवरण अंतर्विष्ट होंगे :
 - (क) उन संप्रवर्तकों या निर्गम से पूर्व के शेयरधारकों के नाम जिनसे विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ उधार ली गयी थीं और उनमें से प्रत्येक से उधार ली गयी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की संख्या ;
 - (ख) स्थिरीकरण प्रक्रिया के दौरान हुए प्रत्येक संव्यवहार के संबंध में कीमत, तारीख तथा समय ; और
 - (ग) स्थिरीकरण प्रक्रिया की समाप्ति पर निर्गमकर्ता द्वारा किये गये आबंटन के ब्यौरे ।

अभिदान की कालावधि 46.

- (1) सार्वजनिक निर्गम कम से कम तीन कार्य दिवसों के लिए, किन्तु दस कार्य दिवसों से अनधिक, खुला रखा जाएगा, जिनमें वे दिन सम्मिलित हैं जिनके लिए निर्गम को मूल्य दायरे में संशोधन

के मामले में खुला रखा जाता है ।

- (2) यदि बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाये गये सार्वजनिक निर्गम में मूल्य दायरे में संशोधन होता है, तो प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में प्रकट की गयी बोली (निर्गम) की कालावधि न्यूनतम तीन कार्य दिवसों की कालावधि के लिए बढ़ायी जाएगी :

परंतु यह कि बोली की कुल कालावधि दस कार्य दिवसों से अधिक नहीं होगी ।

सार्वजनिक निर्गम के लिए निर्गम से पूर्व विज्ञापन

47. (1)

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 66 के उपबंधों के अध्याधीन, निर्गमकर्ता, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस (बही निर्माण वाले निर्गम के मामले में) या प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) को रजिस्टर किये जाने के पश्चात्, व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र और उस स्थान में व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक समाचारपत्र में जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित है, निर्गम से पूर्व विज्ञापन देगा ।

- (2) निर्गम से पूर्व विज्ञापन अनुसूची XIII के भाग क में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट में होगा और उसमें प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे ।

सार्वजनिक निर्गम के लिए निर्गम के खुलने और निर्गम के बंद होने संबंधी विज्ञापन

48.

निर्गमकर्ता निर्गम के खुलने और निर्गम के बंद होने संबंधी विज्ञापन जारी कर सकेगा, जो अनुसूची XIII के भाग ख तथा ग में विनिर्दिष्ट फॉर्मेटों में होंगे ।

न्यूनतम आवेदन मूल्य

49.

- (1) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में, विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की संख्या के अनुसार न्यूनतम आवेदन आकार को नियत करेगा जो पाँच हजार रुपये से सात हजार रुपये के न्यूनतम आवेदन मूल्य की श्रेणी के भीतर आयेगा ।

- (2) निर्गमकर्ता न्यूनतम आवेदन मूल्य के गुणकों में आवेदन आमंत्रित करेगा, जिसका उदाहरण अनुसूची XIV में दिया गया है।
- (3) आवेदन पर न्यूनतम देय राशि निर्गम कीमत के पच्चीस प्रतिशत से कम नहीं होगी :

परंतु यह कि विक्रय के लिए प्रस्ताव के मामले में, प्रत्येक विनिर्दिष्ट प्रतिभूति के लिए देय निर्गम कीमत आवेदन के समय लायी जायेगी।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए, "न्यूनतम आवेदन मूल्य" विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की निर्गम कीमत के संदर्भ में होगा और न कि आवेदन पर देय रकम के संदर्भ में।

आबंटन प्रक्रिया और आबंटन का आधार

50. (1) एंकर विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) से भिन्न आवेदकों को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का आबंटन विनिधानकर्ता (निवेशक) के विनिर्दिष्ट प्रवर्गों के भीतर आनुपातिक आधार पर किया जाएगा और आबंटित प्रतिभूतियों की संख्या को निकटतम पूर्णांक तक पूर्णांकित किया जाएगा, इसके अध्यक्षीन कि न्यूनतम आबंटन निर्गमकर्ता द्वारा यथा अवधारित तथा प्रकट न्यूनतम आवेदन आकार के बराबर हो।

- (2) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज का कार्यपालक निदेशक या प्रबंध निदेशक निर्गम के पश्चात् के अग्रणी मर्चेट बैंककारों तथा निर्गम रजिस्ट्रारों के साथ यह सुनिश्चित करेगा कि आबंटन के आधार को अनुसूची XV में यथा विनिर्दिष्ट आबंटन प्रक्रिया के अनुसार निष्पक्ष तथा उचित प्रकार से अंतिम रूप दिया जाता है।

अभिदान धनराशि का उपयोग

51. निर्गम के पश्चात् का अग्रणी मर्चेट बैंककार यह सुनिश्चित करेगा कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 73 के उपबंधों का अनुपालन करते हुए निर्गम की बाबत प्राप्त धनराशियाँ निर्गमकर्ता को सौंप दी जाती हैं।

अध्याय IV

साधिकार निर्गम

अभिलिखित तारीख 52. (1) साधिकार निर्गम लाने वाला सूचीबद्ध निर्गमकर्ता प्रस्तावित साधिकार निर्गम में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन करने के पात्र शेयरधारकों को अवधारित करने के प्रयोजनार्थ अभिलिखित तारीख की घोषणा करेगा।

(2) निर्गमकर्ता अभिलिखित तारीख की घोषणा के पश्चात् साधिकार निर्गम को वापस नहीं लेगा।

(3) यदि निर्गमकर्ता अभिलिखित तारीख की घोषणा करने के पश्चात् साधिकार निर्गम को वापस लेता है, तो यह उप-विनियम (1) के अधीन घोषित की गयी अभिलिखित तारीख से बारह मास की कालावधि के लिए किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में अपनी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों में से किसी की सूचीबद्धता के लिए आवेदन नहीं करेगा:

परंतु यह कि निर्गमकर्ता अभिलिखित तारीख की घोषणा के पूर्व निर्गमित संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन या विनिमय के अनुसरण में आबंटित अपने इक्विटी शेयरों की सूचीबद्धता, उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में चाह सकेगा जहाँ इसकी प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं।

**साधिकार निर्गम पर
निर्बंधन**

53. (1) कोई भी निर्गमकर्ता इक्विटी शेयरों का साधिकार निर्गम नहीं लायेगा यदि इसके पास साधिकार निर्गम लाने के समय बकाया पूर्णतः या अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें हों, जब तक कि

इसने ऐसी बकाया संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों के पक्ष में उसी वर्ग के इक्विटी शेयरों का आरक्षण उनके संपरिवर्तनीय भाग के अनुपात में न किया हो।

- (2) पूर्णतः या अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों के लिए आरक्षित इक्विटी शेयरों को ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तन के समय उन्हीं शर्तों पर निर्गमित किया जाएगा जिन पर साधिकार निर्गम में प्रस्तावित इक्विटी शेयर निर्गमित हुए थे।

प्रस्ताव पत्र, संक्षिप्त
प्रस्ताव पत्र, कीमत-
निर्धारण और अभिदान
की कालावधि

54. (1) संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र को, आवेदन प्ररूप के साथ, निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले सभी मौजूदा शेयरधारकों को रजिस्ट्रीकृत डाक या स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा :

परंतु यह कि प्रस्ताव पत्र निर्गमकर्ता या अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार द्वारा किसी ऐसे मौजूदा शेयरधारक को दिया जाएगा जिसने इस संबंध में निवेदन किया हो।

- (2) जिन शेयरधारकों को आवेदन प्ररूप प्राप्त न हुआ हो, वे सादे कागज पर लिखित रूप में आवेदन, अपेक्षित आवेदन धनराशि के साथ, कर सकेंगे।
- (3) आवेदन प्ररूप के बिना आवेदन करने वाले शेयरधारक अपने अधिकारों का त्याग नहीं करेंगे और किसी प्रयोजन जिसमें त्याग सम्मिलित है के लिए आवेदन प्ररूप का उपयोग नहीं करेंगे, फिर भले ही यह बाद में प्राप्त हुआ हो।

- (4) जहाँ कोई शेयरधारक आवेदन प्ररूप पर तथा साथ ही सादे कागज पर आवेदन करता है, तो आवेदन नामंजूर किये जाने का दायी है।
- (5) निर्गम कीमत का विनिश्चय अभिलिखित तारीख को अवधारित करने से पहले किया जायेगा जो नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के परामर्श से अवधारित की जायेगी।
- (6) साधिकार निर्गम अभिदान के लिए न्यूनतम पंद्रह दिनों की कालावधि के लिए और अधिकतम तीस दिनों की कालावधि के लिए खुलेगा।

साधिकार निर्गम के लिए निर्गम से पूर्व विज्ञापन

55. (1) निर्गमकर्ता निम्नलिखित को प्रकट करते हुए साधिकार निर्गम के लिए विज्ञापन जारी करेगा :
 - (क) संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र और आवेदन प्ररूप के प्रेषण के पूरा होने की तारीख ;
 - (ख) निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय से भिन्न केंद्र जहाँ अधिकारों संबंधी हकदारियाँ प्राप्त करने के हकदार शेयरधारक या व्यक्ति आवेदन प्ररूपों की दूसरी प्रतियाँ अभिप्राप्त कर सकेंगे यदि उन्हें साधिकार निर्गम के खुलने के पश्चात् उचित समय के भीतर आवेदन प्ररूप प्राप्त नहीं होता है;
 - (ग) यह कथन कि यदि अधिकारों संबंधी हकदारियाँ प्राप्त करने के हकदार शेयरधारकों को न तो मूल आवेदन प्ररूप प्राप्त हुए हैं और न ही वे प्ररूपों की दूसरी प्रति अभिप्राप्त करने की स्थिति में हैं, तो वे साधिकार निर्गम में अभिदान करने के लिए सादे कागज पर लिखित रूप में आवेदन कर सकेंगे ;

- (घ) वह फॉर्मेट जो शेयरधारकों को, जो अपनी अधिकारों संबंधी हकदारियों के प्रति आवेदन करने के हकदार हों, सादे कागज पर आवेदन करने में समर्थ बनाये, जिसके अंतर्गत आवश्यक विवरणों का उल्लेख हो, जैसे कि नाम, पता, साधिकार निर्गम का अनुपात, निर्गम कीमत, धारित इक्विटी शेयरों की संख्या, लेजर फोलियो संख्याएँ, निक्षेपागार सहभागी आई.डी., ग्राहक आई.डी., उन इक्विटी शेयरों की संख्या जिसके हकदार हों तथा जिसके लिए आवेदन किया हो, अतिरिक्त शेयर यदि कोई हों, आवेदन के साथ अदा की जाने वाली रकम, और निर्गमकर्ता के खाते के पक्ष में लिखे जाने वाले चैक, आदि के विवरण ;
- (ङ) यह कथन कि आवेदन शेयरधारकों, जो अधिकारों संबंधी हकदारियों के प्रति आवेदन करने के हकदार हों, द्वारा सीधे रजिस्ट्रीकृत डाक के माध्यम से विज्ञापन में दिये गये पते पर निर्गमकर्ता के नामनिर्दिष्ट पदधारी को आवेदन धनराशियों के साथ भेजे जा सकते हैं ;
- (च) इस भाव का कथन कि यदि शेयरधारक सादे कागज पर तथा आवेदन प्ररूप पर भी आवेदन करता है तो 'उसके दोनों आवेदन निर्गमकर्ता के विकल्प पर नामंजूर किये जाने के दायी होंगे ।
- (2) विज्ञापन व्यापक परिचालन वाले कम से कम एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र और उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक दैनिक समाचारपत्र में

दिया जायेगा जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित है, निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम तीन दिन पूर्व ।

साधिकार निर्गम में
जुटायी गयी निधियों
का उपयोग

56. निर्गमकर्ता आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिये जाने के पश्चात् साधिकार निर्गमों में एकत्र की गयी निधियों का उपयोग करेगा ।

अध्याय V

प्रस्ताव दस्तावेजों में प्रकटीकरणों की रीति

प्रस्ताव दस्तावेज में
प्रकटीकरणों की रीति

57. (1) प्रस्ताव दस्तावेज में समस्त महत्वपूर्ण प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे जो सही और पर्याप्त हैं, ताकि आवेदक विनिधान (निवेश) के संबंध में सोच-समझकर विनिश्चय करने में समर्थ हो सकें।
- (2) उप-विनियम (1) की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना :
- (क) प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस, शेल्फ प्रॉस्पेक्टस और प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा :
- (i) कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची II में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण ; और
- (ii) अनुसूची VIII के भाग क में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण, उसके भाग ख तथा ग के उपबंधों के अध्यधीन ।
- (ख) प्रस्ताव पत्र में अनुसूची VIII के भाग ड में यथा विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे ।

संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस,
संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र
और निरुद्ध रकम से
समर्थित आवेदन
(ए.एस.बी.ए.)

58. (1) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 56 की उप-धारा (3) के अधीन विहित ज्ञापन के प्रकटीकरण और अनुसूची VIII के भाग घ में यथा विनिर्दिष्ट अतिरिक्त प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे ।
- (2) संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में अनुसूची VIII के भाग च में यथा विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे ।
- (3) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस और संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में ऐसा कोई विषय अंतर्विष्ट नहीं होगा जो प्रस्ताव दस्तावेज की विषय-वस्तु के बाहर का हो ।
- (4) निर्गम के संबंध में निर्गमकर्ता या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वितरित प्रत्येक आवेदन प्ररूप, जिसमें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) फार्म सम्मिलित है, के साथ, यथास्थिति, संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस या संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र की प्रति संलग्न होगी ।
- (5) निर्गमकर्ता बही निर्माण वाले सभी सार्वजनिक निर्गमों और साधिकार निर्गमों में निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) की सुविधा उपलब्ध करायेगा, जहाँ एक से अनधिक भुगतान विकल्प छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को दिया जाता है, बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार ।
- (6) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (ए.एस.बी.ए.) प्ररूप के माध्यम से आवेदन :
- (क) सार्वजनिक निर्गम में, उस आवेदक द्वारा किया जा सकेगा जो :
- (i) निवासी छोटा व्यक्तिगत विनिधानकर्ता (निवेशक) है ;

- (ii) तय कीमत के आधार पर (कट ऑफ) बोली लगा रहा है, एकल विकल्प के साथ कि शेयरों की कितनी संख्या के लिए बोली लगायी जा रही है ;
 - (iii) स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों के यहाँ बैंक खाते में निधियों को निरुद्ध (ब्लॉक) करते हुए आवेदन कर रहा है ;
 - (iv) अपनी बोली को संशोधित न करने के लिए सहमत हुआ है ;
 - (v) किसी भी आरक्षित प्रवर्ग के अधीन बोली नहीं लगा रहा है ;
- (ख) साधिकार निर्गम में, उस आवेदक द्वारा किया जा सकेगा :
- (i) जो अभिलिखित तारीख को गैरकागज़ी रूप में निर्गमकर्ता के शेयर धारण करता है तथा जिसने गैरकागज़ी रूप में हकदारियों और/या अतिरिक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन किया है ;
 - (ii) जिसने पूर्णतः या अंशतः अपनी हकदारियों का त्याग नहीं किया है ;
 - (iii) जो त्याग का फायदा पाने वाला नहीं है ;
 - (iv) जो स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंक के यहाँ बैंक खाते में निधियों को निरुद्ध (ब्लॉक) करते हुए आवेदन कर रहा है ।

अध्याय VI

सार्वजनिक निर्गम और साधिकार निर्गम की बाबत
निर्गमकर्ता और मध्यवर्तियों की साधारण बाध्यताएँ

प्रोत्साहनों के भुगतान पर प्रतिषेध 59.

कोई भी निर्गम से संबद्ध व्यक्ति किसी प्रोत्साहन का प्रस्ताव, चाहे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष, किसी भी प्रकार से, चाहे नकद या वस्तु या सेवाओं या अन्यथा रूप में, विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आवंटन के लिए आवेदन करने के संबंध में किसी व्यक्ति को नहीं करेगा :

परंतु यह कि इस विनियम में अंतर्विष्ट कोई भी बात निर्गम के संबंध में दी गई सेवाओं के लिए फीस या कमीशन पर लागू नहीं होगी ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए, शब्दों "निर्गम से संबद्ध व्यक्ति" में निर्गम के वितरण से संबद्ध व्यक्ति सम्मिलित है ।

सार्वजनिक संसूचनाएँ, प्रचार सामग्री, विज्ञापन और अनुसंधान रिपोर्टें 60.

(1) कोई सार्वजनिक संसूचना जिसमें निर्गमकर्ता द्वारा जारी विज्ञापन तथा प्रचार सामग्री या निर्गमकर्ता अथवा निर्गम से संबद्ध किसी मध्यवर्ती अथवा उनके सहयुक्तों द्वारा बनायी गयी अनुसंधान रिपोर्ट में केवल तथ्यात्मक जानकारी अंतर्विष्ट होगी और जिसमें पूर्वानुमान, अनुमान, कल्पनाएँ, आदि या प्रस्ताव दस्तावेज की विषय-वस्तु से बाहर कोई विषय अंतर्विष्ट नहीं होगा ।

(2) निर्गमकर्ता के निदेशक बोर्ड की बैठक जिसमें सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम को अनुमोदित किया जाता है की तारीख से प्रारंभ होने वाली और बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव

दस्तावेज को दाखिल किये जाने की तारीख तक की कालावधि के दौरान किसी मीडिया में जारी या प्रकाशित सभी सार्वजनिक संसूचनाएँ और प्रचार सामग्री इसकी पिछली पद्धतियों से संगत होंगी:

परंतु यह कि जहाँ ऐसी सार्वजनिक संसूचना या प्रचार सामग्री निर्गमकर्ता की पिछली पद्धतियों से संगत नहीं है, तो वहाँ ऐसी सार्वजनिक संसूचना या प्रचार सामग्री में यह प्रमुख रूप से प्रदर्शित या घोषित किया जाएगा कि निर्गमकर्ता निकट भविष्य में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का सार्वजनिक या साधिकार निर्गम लाने का प्रस्ताव कर रहा है और बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल करने की प्रक्रिया में है।

- (3) बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल किये जाने की तारीख से प्रारंभ होने वाली और निर्गम में प्रस्तावित प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख तक की कालावधि के दौरान किसी मीडिया में जारी या प्रकाशित सभी सार्वजनिक संसूचनाओं और प्रचार सामग्री में, प्रमुख रूप से यह प्रकट किया जायेगा कि :

- (क) निर्गमकर्ता विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम लाने का प्रस्ताव कर रहा है और उसने बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल कर दिया है या, यथास्थिति, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस अथवा प्रॉस्पेक्टस या नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल कर दिया है।

- (ख) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज, प्रारंभिक (रैंड हैरिंग)

प्रॉस्पेक्टस या अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज, यथास्थिति, बोर्ड, अग्रणी मर्चेन्ट बैंककारों और अग्रणी बही संचालकों के वेबसाइट पर उपलब्ध है।

- (4) निर्गमकर्ता उन समस्त महत्वपूर्ण उद्घटनाओं का तत्पर, सही और उचित प्रकटीकरण करेगा जो इस उप-विनियम में उल्लिखित निम्नलिखित कालावधि के दौरान, इसके कारबार तथा प्रतिभूतियों के संबंध में और इसकी समनुषंगियों, समूह कंपनियों, आदि के कारबार तथा प्रतिभूतियों के संबंध में भी घटित होती हैं, जिनका निर्गमकर्ता पर तात्त्विक प्रभाव हो सकता हो, उन सभी समाचारपत्रों में सार्वजनिक सूचनाएँ जारी करते हुए जिनमें निर्गमकर्ता ने, यथास्थिति, विनियम 47 या विनियम 55 के अधीन निर्गम से पूर्व विज्ञापन जारी किया था :

(क) सार्वजनिक निर्गम के मामले में, कंपनी रजिस्ट्रार के पास, यथास्थिति, अंतिम प्रॉस्पेक्टस या प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस रजिस्टर करने की तारीख, और विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख के बीच ;

(ख) साधिकार निर्गम के मामले में, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख और विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख के बीच ।

- (5) निर्गमकर्ता, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी सम्मेलन के दौरान या किसी अन्य समय पर, कोई वह सामग्री या सूचना जारी नहीं करेगा जो प्रस्ताव दस्तावेज में अंतर्विष्ट नहीं है ।

(6) सभी सार्वजनिक संसूचनाओं, निर्गम संबंधी विज्ञापनों और प्रचार सामग्रियों के बारे में, निर्गमकर्ता निर्गम का विपणन करने के लिए जिम्मेदार अग्रणी मर्चेट बैंककारों से अनुमोदन अभिप्राप्त करेगा और निर्गम से संबंधित समस्त सामग्री की प्रतियाँ भी अग्रणी मर्चेट बैंककारों को उपलब्ध करायेगा, कम से कम जब तक आबंटन पूरा नहीं हो जाता।

(7) निर्गमकर्ता, निर्गम से संबद्ध किसी मध्यवर्ती या उनके सहयुक्तों द्वारा जारी किया गया अथवा जारी करवाया गया कोई विज्ञापन या जारी की गयी अथवा जारी करवायी गयी कोई अनुसंधान रिपोर्ट में निम्नलिखित का पालन किया जायेगा :

(क) यह सच्चा, निष्पक्ष होगा (होगी) और यह छलसाधक या धोखा देने वाला (वाली) या विकृत किया हुआ (की हुई) नहीं होगा (होगी) और इसमें कोई ऐसा कथन, वचन या पूर्वानुमान अंतर्विष्ट नहीं होगा जो असत्य या भ्रामक हो ;

(ख) यदि यह प्रस्ताव दस्तावेज में अंतर्विष्ट किसी जानकारी को पुनः प्रस्तुत करता (करती) है या उसे पुनः प्रस्तुत किये जाने का तात्पर्य है, तो यह ऐसी जानकारी को पूर्ण रूप में पुनः प्रस्तुत करेगा (करेगी) तथा समस्त सुसंगत तथ्यों को प्रकट करेगा (करेगी) और जो उस जानकारी से संबंधित चुनिंदा उद्धरणों तक ही सीमित नहीं होगा (होगी) ;

(ग) यह स्पष्ट, संक्षिप्त तथा समझनेयोग्य भाषा में दिया जायेगा (दी जायेगी) ;

(घ) यह पहले ही से प्रयोग में लाये जा रहे

निर्गमकर्ता के सामान्य वाणिज्यिक नाम या वाणिज्यिक ब्रांड नामों के सिवाय निर्गम संबंधी किन्हीं नारों या निर्गम हेतु ब्रांड नामों को सम्मिलित नहीं करेगा (करेगी) ;

- (ड) यदि यह कोई वित्त-संबंधी आँकड़े पेश करता (करती) है, तो विक्रय, सकल लाभ, शुद्ध लाभ, शेयर पूँजी, आरक्षितियों, आमदनी प्रति शेयर, लाभांशों तथा बही मूल्यों से संबंधित विवरणों सहित पिछले तीन वर्षों के आँकड़े भी सम्मिलित किये जायेंगे ;
- (च) किसी भी विज्ञापन में व्यापक तकनीकी, विधिक शब्दावली या जटिल भाषा और अत्यधिक ब्यौरों का प्रयोग नहीं होगा जिनसे कि विनिधानकर्ता (निवेशक) का ध्यान विचलित हो सकता हो ;
- (छ) किसी भी निर्गम संबंधी विज्ञापन में ऐसे कथन अंतर्विष्ट नहीं होंगे जो लाभों में तीव्र बढ़ोतरी का वचन देते हों या गारंटी देते हों ;
- (ज) किसी भी निर्गम संबंधी विज्ञापन में मॉडलों, जाने-माने व्यक्तियों, काल्पनिक पात्रों, भू-चिह्नों (लैंडमार्क) या उपहासांक या वैसे ही अन्यो का प्रदर्शन नहीं होगा ;
- (झ) कोई भी निर्गम संबंधी विज्ञापन टेलीविजन पर धीरे-धीरे खिसकने वाली पट्टियों (वे विज्ञापन जो टेलीविजन की स्क्रीन पर दिखाये जा रहे कार्यक्रम के साथ-साथ नीचे की तरफ बारीक पट्टी पर चलते रहते हैं) के रूप में प्रकट नहीं होगा ;
- (ञ) टेलीविजन की स्क्रीन पर किसी निर्गम संबंधी

विज्ञापन में, जोखिम कारक टेलीविजन की स्क्रीन पर तेजी से या जल्दी-जल्दी प्रदर्शित नहीं किये जायेंगे और विज्ञापन दर्शकों को ब्यौरों के लिए प्रारंभिक (रैड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस या अन्य प्रस्ताव दस्तावेज का संदर्भ लेने की सलाह देगा ;

- (ट) किसी भी निर्गम संबंधी विज्ञापन में नारे, निरर्थक बातें आदि या तथ्यों से परे और अपुष्टीकृत शीर्षक अंतर्विष्ट नहीं होंगे ;
- (ठ) यदि विज्ञापन या अनुसंधान रिपोर्ट में मुख्य बातें अंतर्विष्ट होती हैं, तो इसमें जोखिम कारकों को भी सभी प्रकार से समान महत्त्व देते हुए अंतर्विष्ट किया जायेगा जिनमें प्रिंट का आकार भी सम्मिलित है जो कि सात अंक (पॉइंट) के आकार से कम का न हो ;
- (ड) विज्ञापन-तख्ते पर प्रदर्शित निर्गम संबंधी विज्ञापन में, अनुसूची XIII के भाग क, ख तथा ग, जो लागू हो, में विनिर्दिष्ट जानकारी से भिन्न जानकारी अंतर्विष्ट नहीं होगी ;
- (ढ) उस निर्गम संबंधी विज्ञापन में जोखिम कारक अंतर्विष्ट होंगे, जिसमें अनुसूची XIII के भाग क तथा ख में यथा विनिर्दिष्ट फॉर्मेट में अंतर्विष्ट ब्यौरों से भिन्न मुख्य बातें या जानकारी अंतर्विष्ट होती है ।
- (8) कोई भी विज्ञापन उस कालावधि के दौरान ऐसी किसी धारणा से जारी नहीं किया जायेगा कि निर्गम पूर्णतः अभिदत्त या अति-अभिदत्त हो गया है, जिस दौरान निर्गम अभिदान के लिए खुला हो।

- (9) निर्गम के बंद होने संबंधी घोषणा केवल अग्रणी मर्चेट बैंककार (बैंककारों) का यह समाधान हो जाने के पश्चात् की जाएगी कि प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव का कम से कम नब्बे प्रतिशत अभिदान हो गया है और निर्गम रजिस्ट्रार से उस भाव का प्रमाणपत्र अभिप्राप्त कर लिया गया है :

परंतु यह कि ऐसी घोषणा उस तारीख से पहले नहीं की जायेगी जिस तारीख को निर्गम बंद होना हो ।

- (10) निर्गम के बारे में किसी भी विज्ञापन या वितरण सामग्री में प्रोत्साहनों का कोई प्रस्ताव, चाहे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष, किसी भी प्रकार से, चाहे नकद या वस्तु या सेवाओं या अन्यथा रूप में अंतर्विष्ट नहीं होगा ।
- (11) सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम को अनुमोदित करने वाले निर्गमकर्ता के निदेशक बोर्ड के संकल्प की तारीख से प्रारंभ होने वाली और ऐसे निर्गम में प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख तक की कालावधि के दौरान निर्गमकर्ता के कार्य-निष्पादन का कोई संदर्भ, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी भी उत्पाद संबंधी विज्ञापन में अंतर्विष्ट नहीं होगा।
- (12) प्रस्ताव दस्तावेज को अद्यतन बनाते हुए या अन्य प्रकार से निर्गमकर्ता द्वारा जनता के लिए उपलब्ध करायी गयी जानकारी के आधार पर ही अनुसंधान रिपोर्ट तैयार की जा सकेगी ।
- (13) कोई चुनिंदा या अतिरिक्त जानकारी या वह

जानकारी जो प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से या अन्यथा जनता को प्रकट की गयी जानकारी के बाहर हो, निर्गमकर्ता या निर्गम प्रबंध-दल या सिंडिकेट के किसी सदस्य द्वारा-विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के किसी विशिष्ट भाग को या किसी अनुसंधान विश्लेषक को नहीं दी जायेगी, किसी भी प्रकार से चाहे जो भी हो, जिसमें सड़क प्रदर्शनों, प्रस्तुतियों (प्रेजेंटेशनों) में, अनुसंधान या विक्रय रिपोर्टों में या बोली केंद्रों पर दी जाने वाली जानकारी सम्मिलित है।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए :

(II) "सार्वजनिक संसूचना या प्रचार सामग्री" में निर्गमकर्ता के कंपनी (कॉर्पोरेट), उत्पाद (प्रोडक्ट) तथा निर्गम संबंधी विज्ञापन, इसके संप्रवर्तकों, निदेशकों, निर्गमकर्ता के सम्यक् रूप से प्राधिकृत कर्मचारियों या प्रतिनिधियों द्वारा दिये गये साक्षात्कार, निर्गमकर्ता या इसके संप्रवर्तकों से संबंधित वृत्तचित्र, आवधिक रिपोर्टें तथा प्रेस प्रकाशनियाँ सम्मिलित हैं।

(III) निर्गम संबंधी विज्ञापन को भ्रामक समझा जाएगा, यदि इसमें निम्नलिखित अंतर्विष्ट है :

(क) आवश्यक व्याख्यात्मक या विशेषक विवरणों के बिना निर्गमकर्ता के कार्य-निष्पादन या क्रियाकलापों के बारे में किये गये कथन, जो ऐसे कार्य-निष्पादन या क्रियाकलापों की तस्वीर बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत कर सकते हों।

(ख) पिछले कार्य-निष्पादन का गलत चित्रण या इस प्रकार से इसका चित्रण जिससे यह इशारा होता हो कि पिछले अभिलाभ या आय भविष्य में फिर

से होंगे ।

जनता को उपलब्ध
करायी जाने वाली
प्रस्ताव दस्तावेजों की
प्रतियाँ

61. (1) निर्गमकर्ता और अग्रणी मर्चेट बैंककार यह सुनिश्चित करेंगे कि इन विनियमों में यथा अपेक्षित वेबसाइटों पर डाले गये प्रस्ताव दस्तावेजों की विषय-वस्तु वही हैं जो कंपनी रजिस्ट्रार, बोर्ड तथा स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल किये गये उनके मुद्रित रूपों की विषय-वस्तु हैं ।
- (2) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज की प्रतियाँ जनता को अग्रणी मर्चेट बैंककार उपलब्ध करायेंगे और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज उपलब्ध करायेगा, जब कभी अनुरोध किया जाये ।
- (3) प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति उपलब्ध कराने के लिए उचित राशि का प्रभार अग्रणी मर्चेट बैंककार ले सकेंगे या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज ले सकेगा ।

विनिधानकर्ता
(निवेशक) शिकायतों
को दूर करना

62. निर्गम के पश्चात् के अग्रणी मर्चेट बैंककार स्वयं निर्गम के पश्चात् के क्रियाकलापों, यथा आबंटन, धनराशि लौटाया जाना (रिफंड), प्रेषण और सिंडिकेट सदस्यों, स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों तथा अन्य मध्यवर्तियों को अनुदेश देना, में सक्रिय रूप से सहयुक्त होंगे और उनसे उत्पन्न विनिधानकर्ता (निवेशक) शिकायतों को दूर करने के संबंध में नियमित रूप से अनुश्रवण करेंगे ।

अनुपालन अधिकारी
की नियुक्ति

63. निर्गमकर्ता अनुपालन अधिकारी को नियुक्त करेगा जो प्रतिभूति विधियों के अनुपालन का अनुश्रवण करने के लिए

और विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिए जिम्मेदार होगा।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए, शब्द "प्रतिभूति विधियाँ" (या "प्रतिभूति विधियों") से कंपनी अधिनियम, 1956, अधिनियम, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और उनके अधीन बनाये गये नियम तथा विनियम और बोर्ड द्वारा बनाये गये या जारी विनियम, साधारण या विशेष आदेश, मार्गदर्शक सिद्धांत या परिपत्र अभिप्रेत हैं।

सम्यक् तत्परता

64. (1) अग्रणी मर्चेट बैंककार सम्यक् तत्परता बरतेंगे और निर्गम के समस्त पहलुओं के बारे में स्वयं का समाधान करेंगे जिनमें प्रस्ताव दस्तावेजों में किये गये प्रकटीकरणों की सत्यता और पर्याप्तता सम्मिलित है।
- (2) अग्रणी मर्चेट बैंककार निर्गमकर्ता, इसके संप्रवर्तकों या निदेशकों अथवा विक्रय के लिए प्रस्ताव के मामले में, विक्रय करने वाले शेयरधारकों, से यह अपेक्षा करेंगे, कि वे अपनी बाध्यताओं को पूरा करें जैसा उनके द्वारा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया गया हो और जैसा इन विनियमों के निबंधनों के अनुसार अपेक्षित हो।
- (3) निर्गम के पश्चात् का मर्चेट बैंककार निर्गम के पश्चात् के क्रियाकलापों के लिए तब तक जिम्मेदार बना रहेगा जब तक अभिदाताओं को प्रतिभूति प्रमाणपत्र न प्राप्त हो जायें, उनके डिमैट खाते में जमा न आ जाये या आवेदन धनराशियाँ लौटा न दी जायें और निर्गमकर्ता द्वारा स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीबद्धता करार न कर लिया जाये और सूचीबद्धता / व्यापार की अनुज्ञा न

अभिप्राप्त कर ली जाये ।

- (4) अग्रणी मर्चेट बैंककार की जिम्मेदारी निर्गम संबंधी प्रक्रिया के पूरा होने के पश्चात् भी बनी रहेगी ।

निर्गम के पश्चात् की रिपोर्टें

65.

- (1) अग्रणी मर्चेट बैंककार उप-विनियम (2) के अनुसार बोर्ड को निर्गम के पश्चात् की रिपोर्टें प्रस्तुत करेगा ।

- (2) निर्गम के पश्चात् की रिपोर्टें निम्नानुसार प्रस्तुत की जायेंगी :

(क) अनुसूची XVI के भाग क तथा ख में यथा विनिर्दिष्ट निर्गम के पश्चात् की आरंभिक रिपोर्ट, निर्गम के बंद होने के तीन दिनों के भीतर

(ख) अनुसूची XVI के भाग ग तथा घ में यथा विनिर्दिष्ट निर्गम के पश्चात् की अंतिम रिपोर्ट, आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिये जाने की तारीख के पंद्रह दिनों के भीतर या निर्गम के असफल रहने के मामले में धनराशि को लौटाये जाने के पंद्रह दिनों के भीतर ।

- (3) अग्रणी मर्चेट बैंककार अनुसूची VI के प्ररूप छ में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट के अनुसार सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा, निर्गम के पश्चात् की अंतिम रिपोर्ट के साथ ।

निर्गम के पश्चात् के विज्ञापन

66.

- (1) निर्गम के पश्चात् का मर्चेट बैंककार यह सुनिश्चित करेगा कि विज्ञापन, अति अभिदान, आबंटन के आधार, निरुद्ध रकम से समर्थित

आवेदन (ए.एस.बी.ए.) सहित सभी आवेदनों की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन सहित सभी आवेदनों हेतु सफल आबंटितियों की संख्या, मूल्य तथा प्रतिशत, धनवापसी (रिफंड) आदेशों या रजिस्ट्रार द्वारा स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को अनुदेशों का प्रेषण पूरा होने की तारीख, प्रमाणपत्रों के प्रेषण की तारीख तथा सूचीबद्धता आवेदन के दाखिल किये जाने की तारीख, आदि से संबंधित ब्यौरे देते हुए, व्यापक परिचालन वाले कम से कम एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र, व्यापक परिचालन वाले एक हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र और उस स्थान पर व्यापक परिचालन वाले प्रादेशिक भाषा के एक दैनिक समाचारपत्र में जारी किया जाता है जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित है।

- (2) निर्गम के पश्चात् का मर्चेन्ट बैंककार यह सुनिश्चित करेगा कि निर्गमकर्ता, निर्गम से संबद्ध सलाहकार, दलाल या कोई अन्य सत्ता (एंटिटी) यह कथन करते हुए कोई विज्ञापन प्रकाशित न करें कि निर्गम में अति-अभिदान हो गया है या निर्गम में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) की प्रतिक्रिया को इंगित करते हुए, उस कालावधि के दौरान जब सार्वजनिक निर्गम अभी जनता द्वारा अभिदान के लिए खुला हो।

मध्यवर्तियों
(इंटरमीडियरीज़) के
साथ समन्वय

67. (1) निर्गम के पश्चात् का मर्चेन्ट बैंककार निर्गम रजिस्ट्रारों के साथ निकट समन्वय बनाये रखेगा तथा बैंक की संग्रहणकर्ता शाखाओं और/या स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों से प्राप्त आवेदनों के प्रवाह का, आवेदनों जिनमें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन संबंधी आवेदन प्ररूप सम्मिलित

हैं से संबंधित प्रक्रिया का तथा अन्य मामलों का अनुश्रवण करने के लिए अपने अधिकारियों को निर्गम के बंद होने के पश्चात् नियमित अंतरालों पर विभिन्न मध्यवर्तियों के कार्यालयों में तैनात करने का इंतजाम करेगा, जब तक आबंटन के आधार को अंतिम रूप नहीं दे दिया जाता, प्रतिभूति प्रमाणपत्रों एवं धनवापसी आदेशों का प्रेषण पूरा नहीं कर लिया जाता तथा प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध नहीं हो जातीं।

- (2) ऐसे निरीक्षणों के दौरान किसी मध्यवर्ती की तरफ से पायी गयी किसी लोप या करण त्रुटि की रिपोर्ट सम्यक् रूप से बोर्ड को दी जाएगी।
- (3) यदि हामीदारों पर न्यागमन हुआ हो, तो मर्चेंट बैंककार यह सुनिश्चित करेगा कि हामीदारों की बाध्यता से युक्त न्यागमन की सूचना निर्गम के बंद होने की तारीख से दस दिनों की कालावधि के भीतर जारी की जाती है।
- (4) अल्प-अभिदत्त निर्गमों के मामले में, मर्चेंट बैंककार उन हामीदारों के बारे में सूचना जो अपना हामीदारी न्यागमन पूरा करने में असफल रहे हैं बोर्ड को अनुसूची XVII में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट में देगा।
- (5) निर्गम के पश्चात् का मर्चेंट बैंककार, सूचीबद्धता तथा व्यापार के अनुमोदनों की प्रतियों के माध्यम से, निर्गमन बैंककारों को यह पुष्टि करेगा कि निर्गम के संबंध में सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली गयी हैं और यह कि बैंककार निर्गमकर्ता को धनराशि सौंपने के लिए या निर्गम के असफल रहने की दशा में धनवापसी हेतु धनराशि सौंपने के लिए स्वतंत्र है।

**प्रस्ताव दस्तावेज में
लेखापरीक्षित वित्तीय
विवरण**

68. मर्चेन्ट बैंककार यह सुनिश्चित करेगा कि प्रस्ताव दस्तावेज में अंतर्विष्ट जानकारी और लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार प्रस्ताव दस्तावेज में विवरण निर्गम के खुलने की तारीख से छह मास से अधिक पुराने नहीं हैं।

अन्य जिम्मेदारियाँ

69. (1) निर्गम के पश्चात् का मर्चेन्ट बैंककार यह सुनिश्चित करेगा कि धनवापसी आदेशों, आबंटन पत्रों तथा शेयर प्रमाणपत्रों का प्रेषण रजिस्ट्रीकृत डाक या डाक में डाले जाने के प्रमाणपत्र के माध्यम से किया जाता है, जो लागू हो।
- (2) निर्गम के पश्चात् का मर्चेन्ट बैंककार प्रस्ताव दस्तावेज में किये गये प्रकटीकरण के अनुसार आबंटन पत्रों, धनवापसी आदेशों, आदि के प्रेषण में हुई देरी के लिए आवेदकों को ब्याज का भुगतान सुनिश्चित करेगा।
- (3) अभिदान आँकड़ों के बारे में निश्चित जानकारी के अभाव की दशा में, निर्गम को अपेक्षित दिनों के लिए खुला रखा जाएगा, ताकि हामीदारों की तरफ से उनके दायित्व को लेकर, बाद की किसी तारीख को, कभी होने वाले किसी विवाद से बचा जा सके।
- (4) निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि, यथास्थिति, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज को रजिस्टर किये जाने या नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र को दाखिल किये जाने की तारीख और निर्गम के बंद होने की तारीख के बीच की कालावधि के दौरान संप्रवर्तक तथा संप्रवर्तक समूह द्वारा प्रतिभूतियों

में संव्यवहारों की रिपोर्ट मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, जहाँ निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं, को संव्यवहारों के चौबीस घंटों के भीतर दी जायेगी।

अध्याय VII

अधिमानी निर्गम

कुछ मामलों में
अध्याय VII का लागू न
होना

70. (1) इस अध्याय के उपबंध वहाँ लागू नहीं होंगे जहाँ इक्विटी शेयरों का अधिमानी निर्गम :

(क) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 81 की उप-धारा (3) तथा (4) के निबंधनों के अनुसार ऋण या संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों से संबद्ध विकल्प (ऑप्शन) के संपरिवर्तन के अनुसरण में ;

(ख) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के अधीन उच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित स्कीम के अनुसरण में ;

(ग) रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 के अधीन औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा अनुमोदित पुनर्वास स्कीम के निबंधनों के अनुसार,

लाया जाता है :

परंतु यह कि इस अध्याय के अवरुद्धता (लॉक-इन) से संबंधित उपबंध इक्विटी शेयरों के ऐसे अधिमानी निर्गम पर लागू होंगे।

(2) कीमत-निर्धारण और अवरुद्धता (लॉक-इन) से संबंधित इस अध्याय के उपबंध बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को शोध्य ऋण वसूली अधिनियम, 1993 (1993 का 51) की धारा 2 के खण्ड (ज) के उप-खण्ड (i) तथा (ii) के अर्थ के भीतर किसी वित्तीय संस्था को आबंटित किये

गये इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होंगे ।

- (3) विनियम 73 तथा विनियम 76 के उपबंध इक्विटी शेयरों तथा अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों, चाहे पूर्णतः या अंशतः, के अधिमानी निर्गम पर लागू नहीं होंगे, जहाँ बोर्ड ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के विनियम 29क के अनुसार निर्गमकर्ता को शिथिलीकरण प्रदान किया हो, यदि योजना तथा प्रक्रिया जिसे आबंटितियों की पहचान करने हेतु अपनाये जाने का प्रस्ताव है के बारे में पर्याप्त प्रकटीकरण शेयरधारकों की साधारण बैठक की सूचना के व्याख्यात्मक विवरण में दिये जाते हैं ।

सुसंगत तारीख

71. इस अध्याय के प्रयोजन के लिए, "सुसंगत तारीख" से अभिप्रेत है :

- (क) इक्विटी शेयरों के अधिमानी निर्गम के मामले में, उस तारीख से तीस दिन पूर्व की तारीख जिस तारीख को शेयरधारकों की बैठक प्रस्तावित अधिमानी निर्गम पर विचार करने के लिए आयोजित की जाती है :

परंतु यह कि भारतीय रिज़र्व बैंक के कंपनी ऋण-पुनर्संरचना (कॉर्पोरेट डैट रीस्ट्रक्चरिंग) ढाँचे के अधीन अनुमोदित स्कीम के अनुसरण में इक्विटी शेयरों के अधिमानी निर्गम के मामले में, कंपनी ऋण पुनर्संरचना पैकेज के अनुमोदन की तारीख सुसंगत तारीख होगी ।

- (ख) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के अधिमानी निर्गम के मामले में, या तो इस विनियम के खण्ड (क) में

निर्दिष्ट सुसंगत तारीख या उस तारीख से तीस दिन पूर्व की तारीख जिस तारीख को संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के धारक इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन करने के हकदार बन जाते हैं।

अधिमानी निर्गम के लिए शर्तें

72. (1)

सूचीबद्ध निर्गमकर्ता विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का अधिमानी निर्गम ला सकेगा, यदि :

(क) विशेष संकल्प इसके शेयरधारकों द्वारा पारित कर दिया गया हो ;

(ख) निर्गमकर्ता में प्रस्तावित आबंटितियों द्वारा धारित सभी इक्विटी शेयर, यदि कोई हों, गैरकागजी रूप में हैं ;

(ग) निर्गमकर्ता उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीबद्धता करारनामे में यथा विनिर्दिष्ट इक्विटी शेयरों की सतत सूचीबद्धता की शर्तों का अनुपालन कर रहा हो जहाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हैं ;

(घ) निर्गमकर्ता ने प्रस्तावित आबंटितियों की स्थायी खाता संख्या अभिप्राप्त कर ली हो।

(2) निर्गमकर्ता ऐसे किसी व्यक्ति को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का अधिमानी निर्गम नहीं करेगा जिसने सुसंगत तारीख से पहले के छह मास के दौरान निर्गमकर्ता के कोई इक्विटी शेयर बेच दिये हों :

परंतु यह कि इक्विटी शेयरों तथा अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों, चाहे पूर्णतः या

अंशतः, के अधिमानी निर्गम के बारे में, बोर्ड इस उप-विनियम की अपेक्षाओं से शिथिलीकरण प्रदान कर सकेगा, यदि बोर्ड ने ऐसे अधिमानी आबंटन के प्रति भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के विनियम 29क के अनुसार शिथिलीकरण प्रदान किया हो।

प्रकटीकरण

73. (1) निर्गमकर्ता, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 173 या किसी अन्य लागू विधि के अधीन अपेक्षित प्रकटीकरणों के अतिरिक्त, विशेष संकल्प पारित करने के लिए प्रस्तावित साधारण बैठक की सूचना के व्याख्यात्मक विवरण में निम्नलिखित को प्रकट करेगा :

- (क) अधिमानी निर्गम के उद्देश्य ;
- (ख) प्रस्ताव में अभिदान करने के लिए निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों, निदेशकों या मूल प्रबंध कार्मिक का प्रस्ताव ;
- (ग) अधिमानी निर्गम के पूर्व तथा के पश्चात् निर्गमकर्ता का शेयरधारिता स्वरूप ;
- (घ) वह समय जिसके भीतर अधिमानी निर्गम को पूरा किया जायेगा ;
- (ङ) प्रस्तावित आबंटितियों की पहचान, अधिमानी निर्गम के पश्चात् की पूँजी का प्रतिशत जो उनके द्वारा धारित हो और अधिमानी निर्गम के परिणामस्वरूप निर्गमकर्ता में नियंत्रण में परिवर्तन, यदि कोई हो ;

- (च) यह वचन कि निर्गमकर्ता इन विनियमों के उपबंध के अनुसार विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कीमत की पुनः संगणना करेगा जहाँ ऐसा करना अपेक्षित हो;
- (छ) यह वचन कि यदि कीमत की पुनः संगणना की वजह से देय रकम इन विनियमों में नियत समय के भीतर अदा नहीं की जाती है, तो विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ तब तक रुद्ध रहेंगी जिस समय तक ऐसी रकम आवंटितियों द्वारा अदा नहीं कर दी जाती ।
- (2) निर्गमकर्ता शेयरधारकों की साधारण बैठक, प्रस्तावित अधिमानी निर्गम पर विचार करने के लिए बुलायी गयी, के समक्ष अपने कानूनी लेखापरीक्षक के प्रमाणपत्र की प्रति रखेगा, यह प्रमाणित करते हुए कि निर्गम इन विनियमों की अपेक्षाओं के अनुसार लाया जा रहा है ।
- (3) जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ संप्रवर्तकों, उनके नातेदारों, सहयुक्तों तथा संबंधित एंटीटीज को नकद से भिन्न प्रतिफल के लिए अधिमानी आधार पर निर्गमित किये जाते हैं, तो वहाँ उन आस्तियों का मूल्यांकन जिनके प्रतिफल में इक्विटी शेयर निर्गमित किये जाते हैं स्वतंत्र अर्हित मूल्यांकक द्वारा किया जाएगा, जिसे उन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत किया जायेगा जहाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हैं :

परंतु यह कि यदि मूल्यांकन के औचित्य से मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का समाधान नहीं होता है, तो यह किसी अन्य मूल्यांकक द्वारा मूल्यांकन करा सकेगा और इस प्रयोजन के लिए यह निर्गमकर्ता से कोई जानकारी, जो आवश्यक

समझी जाये, अभिप्राप्त कर सकेगा।

- (4) विशेष संकल्प उस सुसंगत तारीख को विनिर्दिष्ट करेगा जिसके आधार पर संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन या विनिमय पर आबंटित किये जाने वाले इक्विटी शेयरों की कीमत की गणना की जाएगी।

स्पष्टीकरण : उप-विनियम (3) के प्रयोजन के लिए शब्द "मूल्यांकक" का वही अर्थ है जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (श्रमजन्य [स्वेट] इक्विटी का निर्गमन) विनियम, 2002 के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खण्ड (द) के अधीन इसके लिए नियत है।

विशेष संकल्प के
अनुसरण में आबंटन

74. (1)

विशेष संकल्प के अनुसरण में आबंटन ऐसे संकल्प को पारित करने की तारीख से पंद्रह दिनों की कालावधि के भीतर पूरा किया जाएगा :

परंतु यह कि जहाँ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के लागू होने से छूट हेतु कोई आवेदन या आबंटन हेतु किसी विनियामक प्राधिकरण अथवा केंद्रीय सरकार द्वारा कोई अनुमोदन या अनुज्ञा लंबित हो, तो वहाँ पंद्रह दिनों की कालावधि, यथास्थिति, ऐसे आवेदन पर आदेश की तारीख या अनुमोदन अथवा अनुज्ञा की तारीख से गिनी जाएगी :

परंतु यह कि जहाँ बोर्ड ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के विनियम 29क के अनुसार निर्गमकर्ता को शिथिलीकरण प्रदान

किया हो, तो वहाँ इक्विटी शेयरों तथा अनिवार्यतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों, चाहे पूर्णतः या अंशतः, का अधिमानी निर्गम इसके द्वारा ऐसे समय के भीतर लाया जायेगा जैसा बोर्ड द्वारा इसके आदेश में शिथिलीकरण प्रदान करते हुए विनिर्दिष्ट किया जाये :

परंतु यह और कि पंद्रह दिनों के भीतर आबंटन की अपेक्षा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट कंपनी ऋण-पुनर्संरचना ढाँचे के अनुसार कंपनी ऋण-पुनर्संरचना की स्कीम के अनुसरण में अधिमानी आधार पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आबंटन पर लागू नहीं होगी।

- (2) यदि विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का आबंटन विशेष संकल्प की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर पूरा नहीं किया जाता है, तो नया विशेष संकल्प पारित किया जाएगा और इस अध्याय के अधीन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कीमत को अवधारित करने के लिए सुसंगत तारीख बाद में कथित विशेष संकल्प की तारीख के संदर्भ में ली जाएगी।

संपरिवर्तनीय
प्रतिभूतियों की अवधि

75. निर्गमकर्ता की संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों की अवधि उनके आबंटन की तारीख से अठारह मास से अधिक नहीं होगी।

इक्विटी शेयरों का
कीमत-निर्धारण

76. (1) यदि निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सुसंगत तारीख को छह मास या उससे अधिक की कालावधि के लिए मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किये गये हैं, तो इक्विटी शेयरों का आबंटन उस कीमत पर किया जाएगा जो उससे कम न हो जो निम्नलिखित में से अधिक हो :

- (क) सुसंगत तारीख से पहले के छह मास के दौरान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में उत्कथित संबंधित इक्विटी शेयरों की साप्ताहिक सबसे अधिक तथा कम अंतिम कीमतों का औसत ; या
- (ख) सुसंगत तारीख से पहले के दो सप्ताहों के दौरान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में उत्कथित संबंधित इक्विटी शेयरों की साप्ताहिक सबसे अधिक तथा कम अंतिम कीमतों का औसत ।
- (2) यदि निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सुसंगत तारीख को छह मास से कम की कालावधि के लिए मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किये गये हैं, तो इक्विटी शेयरों का आबंटन उस कीमत पर किया जाएगा जो उससे कम न हो जो निम्नलिखित में से अधिक हो :
- (क) यथास्थिति, वह कीमत जिस पर इक्विटी शेयर निर्गमकर्ता द्वारा इसके आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में निर्गमित किये गये थे या कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के अधीन इंतजाम की स्कीम में निकाला गया मूल्य प्रति शेयर, जिसके अनुसरण में निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध किये गये थे ; या
- (ख) सुसंगत तारीख से पहले की कालावधि, जिसके दौरान शेयर सूचीबद्ध किये गये हैं, के दौरान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में उत्कथित संबंधित इक्विटी शेयरों की साप्ताहिक सबसे अधिक तथा कम अंतिम कीमतों का औसत ; या
- (ग) सुसंगत तारीख से पहले के दो सप्ताहों के दौरान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में उत्कथित

संबंधित इक्विटी शेयरों की साप्ताहिक सबसे अधिक तथा कम अंतिम कीमतों का औसत ।

- (3) जहाँ इक्विटी शेयरों की कीमत का अवधारण उप-विनियम (2) के अनुसार किया जाता है, तो वहाँ ऐसी कीमत की पुनः संगणना निर्गमकर्ता द्वारा इन छह मास के दौरान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में उत्कथित संबंधित इक्विटी शेयरों की साप्ताहिक सबसे अधिक तथा कम अंतिम कीमतों के औसत के संदर्भ में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्धता की तारीख से छह मास के पूरा होने पर की जाएगी और यदि ऐसी पुनः संगणित कीमत आबंटन पर अदा की गयी कीमत से अधिक हो, तो अंतर आबंटितियों द्वारा निर्गमकर्ता को अदा किया जाएगा ।
- (4) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का कोई अधिमानी निर्गम, अर्हित संस्थागत क्रेताओं जो संख्या में पाँच से अधिक न हों, उस कीमत पर किया जायेगा जो सुसंगत तारीख से पहले के दो सप्ताहों के दौरान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में उत्कथित संबंधित शेयरों की साप्ताहिक सबसे अधिक तथा कम अंतिम कीमतों के औसत से कम न हो ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए, "स्टॉक एक्सचेंज" से मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में से कोई अभिप्रेत है जिसमें इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हैं और जिसमें निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों की बाबत सबसे अधिक व्यापार की मात्रा सुसंगत तारीख से पहले के पूर्ववर्ती छह मास के दौरान दर्ज की गयी है ।

प्रतिफल का भुगतान

77.

- (1) इस अध्याय के अधीन निर्गमित वारंटों से भिन्न विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का पूर्ण प्रतिफल

आबंटितियों द्वारा ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आबंटन के समय अदा किया जाएगा :

परंतु यह कि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट कंपनी ऋण-पुनर्संरचना ढाँचे के अनुसार कंपनी ऋण-पुनर्संरचना की स्कीम के अनुसरण में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के अधिमानी निर्गम के मामले में, आबंटिती ऐसी स्कीम के अनुसार प्रतिफल अदा कर सकेगा ।

- (2) विनियम 76 के निबंधनों के अनुसार अवधारित प्रतिफल के कम से कम पच्चीस प्रतिशत के बराबर की रकम वारंटों के आबंटन की तारीख को प्रत्येक वारंट के प्रति अदा की जायेगी ।
- (3) प्रतिफल का शेष पचहत्तर प्रतिशत वारंटधारक द्वारा प्रत्येक ऐसे वारंट के प्रति विकल्प का प्रयोग किये जाने के अनुसरण में इक्विटी शेयरों के आबंटन के समय अदा किया जायेगा ।
- (4) यदि वारंटधारक स्वयं द्वारा धारित वारंटों में से किसी वारंट के प्रति इक्विटी शेयरों को लेने के विकल्प का प्रयोग नहीं करता है, तो उप-विनियम (2) के अनुसार ऐसे वारंट की बाबत अदा किया गया प्रतिफल निर्गमकर्ता द्वारा समपहृत कर लिया जायेगा ।

विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की अवरुद्धता (लॉक-इन)

78.

(1)

संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह को अधिमानी आधार पर आबंटित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ और संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह को अधिमानी आधार पर निर्गमित वारंटों से संबद्ध विकल्पों के प्रयोग के अनुसरण में आबंटित इक्विटी शेयर, यथास्थिति, विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों या वारंट से

संबद्ध विकल्प के प्रयोग के अनुसरण में आबंटित इक्विटी शेयरों के आबंटन की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि के लिए रुद्ध हो जायेंगे :

परंतु यह कि निर्गमकर्ता की कुल पूँजी का बीस प्रतिशत से अनधिक आबंटन की तारीख से तीन वर्षों के लिए रुद्ध हो जायेगा :

परंतु यह और कि बीस प्रतिशत से अधिक आबंटित इक्विटी शेयर, यथास्थिति, विकल्पों के प्रयोग के अनुसरण में या अन्यथा उनके आबंटन की तारीख से एक वर्ष के लिए रुद्ध हो जायेंगे ।

- (2) संप्रवर्तक तथा संप्रवर्तक समूह से भिन्न व्यक्तियों को अधिमानी आधार पर आबंटित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ और ऐसे व्यक्तियों को अधिमानी आधार पर निर्गमित वारंटों से संबद्ध विकल्पों के प्रयोग के अनुसरण में आबंटित इक्विटी शेयर उनके आबंटन की तारीख से एक वर्ष की कालावधि के लिए रुद्ध हो जायेंगे ।
- (3) अधिमानी आधार पर निर्गमित, वारंटों से भिन्न संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के अनुसरण में आबंटित इक्विटी शेयरों की अवरुद्धता (लॉक-इन) उतनी कम हो जायेगी जितनी तक संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ पहले ही रुद्ध की जा चुकी हैं ।
- (4) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट कंपनी ऋण-पुनर्संरचना ढाँचे के अनुसार कंपनी ऋण-पुनर्संरचना की स्कीम के अनुसरण में अधिमानी आधार पर निर्गमित इक्विटी शेयर आबंटन की तारीख से एक वर्ष की कालावधि के लिए रुद्ध हो जायेंगे :

परंतु यह कि अंशतः समादत्त इक्विटी शेयर, यदि कोई हों, आबंटन की तारीख से रुद्ध हो जायेंगे और अवरुद्धता (लॉक-इन) उस तारीख से एक वर्ष की समाप्ति पर समाप्त होगी जब ऐसे इक्विटी शेयर पूर्णतः समादत्त हो जाते हैं।

- (5) यदि आबंटिती द्वारा देय रकम, विनियम 76 के उप-विनियम (3) के अधीन कीमत की पुनःगणना के मामले में, अवरुद्धता (लॉक-इन) कालावधि की समाप्ति तक अदा नहीं की जाती है, तो इक्विटी शेयर तब तक रुद्ध रहेंगे जब तक ऐसी रकम आबंटिती द्वारा अदा नहीं कर दी जाती।
- (6) आबंटितियों की अधिमानी आबंटन से पूर्व की पूर्ण शेयरधारिता, यदि कोई हो, सुसंगत तारीख से लेकर अधिमानी आबंटन की तारीख से छह मास की कालावधि तक रुद्ध हो जायेगी।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए :

(I) शब्दों "निर्गमकर्ता की कुल पूँजी" से अभिप्रेत है :

(क) सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम के रूप में निर्गमित इक्विटी शेयर पूँजी जिसमें विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों जो संपरिवर्तनीय हैं के संपरिवर्तन के अनुसरण में निर्गमित इक्विटी शेयर सम्मिलित हैं ; और

(ख) संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह को अधिमानी आधार पर निर्गमित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ।

(II)(क) निर्गमकर्ता की कुल पूँजी के बीस प्रतिशत की

संगणना के लिए, धारित तथा रुद्ध संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान की रकम, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रकटीकरण और विनिधानकर्ता [निवेशक] संरक्षण) मार्गदर्शक सिद्धांत, 2000 या इन विनियमों के अनुसार बीते समय में, पर विचार किया जाएगा।

- (ख) संप्रवर्तकों के न्यूनतम अंशदान को फिर से नई अवरुद्धता के अधीन नहीं लाया जायेगा, फिर भले ही इसका विचार निर्गमकर्ता की कुल पूँजी के बीस प्रतिशत की अपेक्षा की संगणना करने के लिए किया जाता हो, यदि संप्रवर्तकों का उक्त न्यूनतम अंशदान अधिमानी निर्गम के समय अवरुद्धता (लॉक-इन) से मुक्त है।

अधिमानी आधार पर
निर्गमित रुद्ध
विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों
और वारंटों की
अंतरणीयता

79. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के उपबंधों के अध्याधीन, संप्रवर्तकों द्वारा धारित और विनियम 78 के उप-विनियम (1) के निबंधनों के अनुसार रुद्ध विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ संप्रवर्तकों या संप्रवर्तक समूह के बीच या नये संप्रवर्तक या निर्गमकर्ता के नियंत्रणधारी व्यक्तियों को अंतरित की जा सकेंगी :

परंतु यह कि ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों पर अवरुद्धता (लॉक-इन) बाकी की कालावधि के लिए अंतरिती के पास जारी रहेगी।

अध्याय VIII

अर्हित संस्था नियोजन

लागू होना

80. इस अध्याय के उपबंध सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा लाये गये अर्हित संस्था नियोजन पर लागू होंगे।

परिभाषाएँ

81. इस अध्याय के प्रयोजन के लिए :

- (क) "पात्र प्रतिभूतियाँ" (या "पात्र प्रतिभूतियों") में इक्विटी शेयर, वारंटों के साथ असंपरिवर्तनीय ऋण लिखतें और वारंटों से भिन्न संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ सम्मिलित हैं :
- (ख) "अर्हित संस्था नियोजन" से इन विनियमों के निबंधनों के अनुसार निजी स्थानन (प्राइवेट प्लेसमेंट) आधार पर सूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा अर्हित संस्थागत क्रेताओं को पात्र प्रतिभूतियों का आबंटन अभिप्रेत है ;
- (ग) "सुसंगत तारीख" से अभिप्रेत है :
 - (i) इक्विटी शेयरों के आबंटन के मामले में, उस बैठक की तारीख जिसमें निर्गमकर्ता का निदेशक बोर्ड या निर्गमकर्ता के निदेशक बोर्ड द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत निदेशकों की समिति प्रस्तावित निर्गम को खोलने का विनिश्चय करती है ;
 - (ii) पात्र संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के आबंटन के मामले में, या तो उस बैठक की तारीख जिसमें निर्गमकर्ता का निदेशक बोर्ड या निर्गमकर्ता के निदेशक बोर्ड द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत

निदेशकों की समिति ऐसी संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के निर्गम को खोलने का विनिश्चय करती है या वह तारीख जिस तारीख को ऐसी संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के धारक इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन करने के हकदार बन जाते हैं ।

अर्हित संस्था नियोजन के लिए शर्तें 82.

सूचीबद्ध निर्गमकर्ता अर्हित संस्था नियोजन ला सकेगा यदि यह निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है :

- (क) अर्हित संस्था नियोजन को अनुमोदित करने वाला विशेष संकल्प इसके शेयरधारकों द्वारा पारित कर दिया गया है ;
- (ख) उसी वर्ग के इक्विटी शेयर, जिन्हें अर्हित संस्था नियोजन के माध्यम से या अर्हित संस्था नियोजन के माध्यम से प्रस्तावित पात्र प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन या विनिमय के अनुसरण में आबंटित किये जाने का प्रस्ताव है, राष्ट्रव्यापी व्यापारिक (ट्रेडिंग) टर्मिनल वाले मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में, विशेष संकल्प पारित करने के लिए बैठक बुलाये जाने हेतु इसके शेयरधारकों को सूचना जारी किये जाने की तारीख से कम से कम एक वर्ष पूर्व की कालावधि के लिए, सूचीबद्ध रहे हैं :

परंतु यह कि जहाँ निर्गमकर्ता, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के अधीन उच्च न्यायालय द्वारा मंजूर विलयन (मर्जर), अविलयन (डीमर्जर), समामेलन या इंतजाम की स्कीम में अंतरिती कंपनी होने के नाते, अर्हित संस्था नियोजन लाता है, तो वहाँ उस कालावधि, जिसके लिए अंतरक कंपनी के

उसी वर्ग के इक्विटी शेयर राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध थे, का भी विचार एक वर्ष की कालावधि की संगणना के प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;

- (ग) यह स्टॉक एक्सचेंज के साथ किये गये सूचीबद्धता करारनामे में विनिर्दिष्ट न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता की अपेक्षा का अनुपालन कर रहा है ;
- (घ) विशेष संकल्प में, अन्य संबंधित मामलों के साथ, यह विनिर्दिष्ट किया जायेगा कि आबंटन अर्हित संस्था नियोजन के माध्यम से किये जाने का प्रस्ताव है और विनियम 81 के खण्ड (ग) के उप-खण्ड (ii) में निर्दिष्ट सुसंगत तारीख भी विनिर्दिष्ट की जायेगी ।

स्पष्टीकरण : खण्ड (ख) के प्रयोजन के लिए, "उसी वर्ग के इक्विटी शेयरों" (या "उसी वर्ग के इक्विटी शेयर") का वही अर्थ होगा जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (4) के स्पष्टीकरण में उनके लिए नियत है ।

**मर्चेन्ट बैंककार की
नियुक्ति**

83. (1) अर्हित संस्था नियोजन का प्रबंध बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत मर्चेन्ट बैंककार (बैंककारों) द्वारा देखा जायेगा जो सम्यक् तत्परता बरतेंगे ।
- (2) मर्चेन्ट बैंककार, अर्हित संस्था नियोजन के अधीन निर्गमित पात्र प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन मांगते समय, उस प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज को जिसमें निर्गमकर्ता के उसी वर्ग के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हैं, यह कथन करते हुए सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र देगा कि पात्र

प्रतिभूतियाँ अर्हित संस्था नियोजन के अधीन निर्गमित की जा रही हैं और यह कि निर्गमकर्ता इस अध्याय की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है।

**नियोजन संबंधी
दस्तावेज**

84. (1) अर्हित संस्था नियोजन, नियोजन संबंधी दस्तावेज के आधार पर किया जाएगा जिसमें समस्त महत्त्वपूर्ण जानकारी अंतर्विष्ट होगी, जिसमें अनुसूची XVIII में विनिर्दिष्ट जानकारी सम्मिलित है।
- (2) नियोजन संबंधी दस्तावेज को क्रमानुसार संख्यांकित किया जायेगा और प्रतियाँ केवल चुनिंदा विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को परिचालित की जायेंगी।
- (3) निर्गमकर्ता, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज से सैद्धांतिक अनुमोदन मांगते समय, नियोजन संबंधी दस्तावेज की प्रति, इस अध्याय के उपबंधों के अनुपालन की पुष्टि करते हुए प्रमाणपत्र, स्टॉक एक्सचेंज द्वारा अपेक्षित किन्हीं अन्य दस्तावेजों के साथ, देगा।
- (4) नियोजन संबंधी दस्तावेज इस भाव के दावात्याग (डिस्क्लेमर) के साथ संबद्ध स्टॉक एक्सचेंज के तथा निर्गमकर्ता के वेबसाइट पर भी रखा जाएगा कि यह अर्हित संस्था नियोजन के संबंध में है और यह कि कोई भी प्रस्ताव जनता को या किसी अन्य प्रवर्ग के विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को नहीं किया जा रहा है।
- (5) नियोजन संबंधी दस्तावेज की प्रति बोर्ड के पास पात्र प्रतिभूतियों के आबंटन के तीस दिनों के

भीतर इसके रिकॉर्ड के लिए दाखिल की जाएगी ।

कीमत-निर्धारण

85. (1) अर्हित संस्था नियोजन ऐसी कीमत पर किया जाएगा जो सुसंगत तारीख से पहले के दो सप्ताहों के दौरान स्टॉक एक्सचेंज में उत्कथित उसी वर्ग के इक्विटी शेयरों की साप्ताहिक सबसे अधिक तथा कम अंतिम कीमतों के औसत से कम न हो ।
- (2) जहाँ पात्र प्रतिभूतियाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तनीय हैं या से विनिमेय हैं, तो वहाँ निर्गमकर्ता ऐसे संपरिवर्तन या विनिमय के अनुसरण में आबंटित ऐसे इक्विटी शेयरों की कीमत को अवधारित करेगा, विशेष संकल्प पारित करते समय इसके द्वारा जो सुसंगत तारीख तय एवं प्रकट की गयी थी उसे ध्यान में रखते हुए ।
- (3) निर्गमकर्ता अंशतः समादत्त पात्र प्रतिभूतियों को आबंटित नहीं करेगा :
- परंतु यह कि वारंटों के साथ असंपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के आबंटन के मामले में, आबंटिती वारंटों के संबंध में देय पूर्ण प्रतिफल या उसके भाग की अदायगी कर सकेंगे, ऐसे वारंटों के आबंटन के समय :
- परंतु यह और कि वारंटों से संबद्ध विकल्पों के प्रयोग पर इक्विटी शेयरों के आबंटन पर, ऐसे इक्विटी शेयर पूर्णतः समादत्त हो जायेंगे ।
- (4) अर्हित संस्था नियोजन के लिए अवधारित की गयी कीमतें, समुचित समायोजनों के अध्यधीन

होंगी, यदि निर्गमकर्ता :

- (क) लाभों या आरक्षितियों के पूंजीकरण के रूप में इक्विटी शेयरों का निर्गम लाता है, शेयरों पर लाभांश के रूप में न लाकर ;
- (ख) इक्विटी शेयरों का साधिकार निर्गम लाता है ;
- (ग) अपने बकाया इक्विटी शेयरों को थोड़ी संख्या के शेयरों में समेकित करता है ;
- (घ) अपने बकाया इक्विटी शेयरों को विभाजित करता है, जिसमें स्टॉक विभाजन (स्प्लिट) के रूप में विभाजन सम्मिलित है ;
- (ङ) अपने इक्विटी शेयरों में से किसी को निर्गमकर्ता की अन्य प्रतिभूतियों में पुनःवर्गीकृत करता है ;
- (च) ऐसी अन्य वैसी ही घटनाओं या परिस्थितियों में अंतर्ग्रस्त है, जो संबद्ध स्टॉक एक्सचेंज की राय में, समायोजनों की अपेक्षा करती हैं ।

स्पष्टीकरण : उप-विनियम (1) के प्रयोजन के लिए, शब्दों "स्टॉक एक्सचेंज" से मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में से कोई अभिप्रेत है जिसमें निर्गमकर्ता के उसी वर्ग के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हैं और जिसमें ऐसे इक्विटी शेयरों में सबसे अधिक व्यापार की मात्रा सुसंगत तारीख से ठीक पहले के दो सप्ताहों के दौरान दर्ज की गयी है ।

आबंटन पर निर्बंधन

86.

(1)

अर्हित संस्था नियोजन के अधीन आबंटन निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा :

(क) पात्र प्रतिभूतियों का न्यूनतम दस प्रतिशत पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फंड्स) को आबंटित किया जाएगा :

परंतु यह कि यदि पारस्परिक निधियाँ उक्त न्यूनतम प्रतिशत या उसके किसी भाग में अभिदान नहीं करती हैं, तो ऐसे न्यूनतम भाग या उसके हिस्से का आबंटन अन्य अर्हित संस्थागत क्रेताओं को किया जा सकेगा ;

(ख) कोई भी आबंटन, या तो प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी अर्हित संस्थागत क्रेता को नहीं किया जाएगा जो निर्गमकर्ता का संप्रवर्तक या उसके संप्रवर्तकों से संबंधित कोई व्यक्ति है :

परंतु यह कि अर्हित संस्थागत क्रेता जो निर्गमकर्ता में कोई शेयर धारण नहीं करता है और जिसने उधारदाता की हैसियत में उक्त अधिकार अर्जित कर लिये हों, को संप्रवर्तकों से संबंधित व्यक्ति नहीं समझा जायेगा ।

(2) वारंटों के साथ असंपरिवर्तनीय ऋण लिखत के अर्हित संस्था नियोजन में, विनिधानकर्ता (निवेशक) वारंटों के साथ असंपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संयुक्त प्रस्ताव में या अलग-अलग प्रतिभूतियों, अर्थात्, या तो असंपरिवर्तनीय ऋण लिखतों या वारंटों, में अभिदान कर सकता है ।

(3) अर्हित संस्था नियोजन में आवेदक निर्गम के बंद होने के पश्चात् अपनी बोलियाँ वापस नहीं लेंगे ।

स्पष्टीकरण : उप-विनियम (1) के खण्ड (ख) के प्रयोजन के लिए, अर्हित संस्थागत क्रेता जिसके

पास निम्नलिखित में से कोई अधिकार हैं को निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों से संबंधित व्यक्ति समझा जाएगा :

- (क) संप्रवर्तकों या संप्रवर्तकों से संबंधित व्यक्तियों के साथ किये गये शेयरधारक करार या मतदान करार के अधीन अधिकार ;
- (ख) वीटो अधिकार ; या
- (ग) निर्गमकर्ता के बोर्ड में किसी नामनिर्देशित निदेशक को नियुक्त करने का अधिकार ।

आबंधितियों की
न्यूनतम संख्या

87. (1) अर्हित संस्था नियोजन के अधीन किये गये पात्र प्रतिभूतियों के प्रत्येक नियोजन के लिए आबंधितियों की न्यूनतम संख्या :

- (क) दो से कम नहीं होगी, जहाँ निर्गम का आकार दो सौ पचास करोड़ रुपये से कम या के बराबर है ;
- (ख) पाँच से कम नहीं होगी, जहाँ निर्गम का आकार दो सौ पचास करोड़ रुपये से अधिक है :

परंतु यह कि किसी भी एकल आबंधित को निर्गम के आकार के पचास प्रतिशत से अधिक आबंधित नहीं किया जायेगा ।

- (2) एक ही समूह से संबंधित अर्हित संस्थागत क्रेता या जो एक ही नियंत्रण के अधीन हैं, को एकल आबंधित समझा जायेगा ।

स्पष्टीकरण : उप-विनियम (2) के प्रयोजन के लिए, एक ही समूह से संबंधित अर्हित संस्थागत क्रेताओं (क्रेता) का

अर्थ वही होगा जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 372 की उप-धारा (11) से प्राप्त है ।

- | | | |
|---------------------------------|-----|--|
| विशेष संकल्प की विधिमान्यता | 88. | <p>(1) विनियम 82 के खण्ड (क) में निर्दिष्ट विशेष संकल्प के अनुसरण में आबंटन, संकल्प पारित किये जाने की तारीख से बारह मास की कालावधि के भीतर पूरा किया जाएगा ।</p> <p>(2) निर्गमकर्ता बाद में अर्हित संस्था नियोजन नहीं लायेगा जब तक एक या अधिक विशेष संकल्पों के अनुसरण में लाये गये पूर्व अर्हित संस्था नियोजन की तारीख से छह मास समाप्त न हो जायें ।</p> |
| जुटायी गयी रकम पर निर्बंधन | 89. | <p>प्रस्तावित अर्हित संस्था नियोजन तथा उसी वित्तीय वर्ष में निर्गमकर्ता द्वारा लाये गये सभी पिछले अर्हित संस्था नियोजनों का योग पिछले वित्तीय वर्ष के लेखापरीक्षित तुलनपत्र के अनुसार निर्गमकर्ता की शुद्ध-मालियत के पाँच गुना से अधिक नहीं होगा ।</p> |
| अवधि | 90. | <p>अर्हित संस्था नियोजन के माध्यम से निर्गमित संपरिवर्तनीय या विनिमेय पात्र प्रतिभूतियों की अवधि आबंटन की तारीख से साठ मास से अधिक नहीं होगी ।</p> |
| पात्र प्रतिभूतियों की अंतरणीयता | 91. | <p>अर्हित संस्था नियोजन के अधीन आबंटित पात्र प्रतिभूतियों का विक्रय आबंटिती द्वारा आबंटन की तारीख से एक वर्ष की कालावधि हेतु नहीं किया जायेगा, सिवाय मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में ।</p> |

अध्याय IX

बोनस निर्गम

बोनस निर्गम के लिए
शर्तें

92. कंपनी अधिनियम, 1956 या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य लागू विधि के उपबंधों के अध्याधीन, सूचीबद्ध निर्गमकर्ता अपने सदस्यों को बोनस शेयर निर्गमित कर सकेगा यदि :

(क) यह बोनस शेयरों के निर्गमन, आरक्षितियों के पूंजीकरण, आदि के लिए अपने संगम-अनुच्छेद द्वारा प्राधिकृत है :

परंतु यह कि यदि संगम-अनुच्छेद में कोई ऐसा उपबंध नहीं है, तो निर्गमकर्ता आरक्षित के पूंजीकरण के लिए संगम-अनुच्छेद में उपबंध करते हुए अपनी साधारण निकाय की बैठक में संकल्प पारित करेगा ;

(ख) इसने सावधि जमाओं (फिक्स्ड डिपॉजिट) या इसके द्वारा निर्गमित ऋण प्रतिभूतियों (डैट सिक्यूरिटीज) की बाबत ब्याज या मूलधन का भुगतान करने में चूक नहीं की है ;

(ग) इसके पास यह विश्वास करने का पर्याप्त कारण है कि इसने कर्मचारियों की कानूनी तौर पर देयराशियों, यथा भविष्य निधि में अंशदान, उपदान तथा बोनस, की अदायगी के संबंध में चूक नहीं की है ;

(घ) अंशतः संदत्त शेयर, यदि कोई आबंटन की तारीख को बकाया हों, पूर्णतः समादत्त कर दिये जाते हैं ।

बोनस निर्गम पर
निर्बन्धन

93. (1)

कोई भी निर्गमकर्ता इक्विटी शेयरों का बोनस निर्गम नहीं लायेगा यदि इसके पास बोनस निर्गम लाने के समय बकाया पूर्णतः या अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें हों, जब तक कि इसने ऐसी बकाया संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों के पक्ष में उसी वर्ग के इक्विटी शेयरों का आरक्षण उनके संपरिवर्तनीय भाग के अनुपात में न कर दिया हो ।

(2) पूर्णतः या अंशतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों के लिए आरक्षित इक्विटी शेयरों को ऐसी संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के संपरिवर्तन के समय उन्हीं शर्तों पर या उसी अनुपात में निर्गमित किया जाएगा जिन पर बोनस शेयर निर्गमित हुए थे ।

केवल आरक्षितियों
आदि के प्रति बोनस
शेयर, यदि नकद रूप
में पूंजीकृत हो

94. (1)

बोनस निर्गम केवल नकद रूप में एकत्र किए गए वास्तविक लाभों या प्रतिभूति प्रीमियम में से निर्मित खुली आरक्षितियों में से किया जाएगा और स्थिर आस्तियों के पुनर्मूल्यांकन से सृजित आरक्षितियों (रिजर्व्स) को बोनस शेयरों का निर्गमन करने के प्रयोजन के लिए पूंजीकृत नहीं किया जाएगा ।

(2) उप-विनियम (1) के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोनस शेयर को लाभांश के बदले में निर्गमित नहीं किया जाएगा ।

बोनस निर्गम का पूरा
होना

95. (1)

निर्गमकर्ता, अपने निदेशक बोर्ड के अनुमोदन के पश्चात् बोनस निर्गम की घोषणा करते हुए और

बोनस निर्गम लाने के लिए लाभों या आरक्षितियों के पूंजीकरण हेतु शेयरधारकों के अनुमोदन की अपेक्षा न करते हुए, अपने निदेशक बोर्ड द्वारा निर्गम के अनुमोदन की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर बोनस निर्गम को कार्यान्वित करेगा :

परंतु यह कि जहाँ निर्गमकर्ता से, बोनस निर्गम लाने के लिए लाभों या आरक्षितियों के पूंजीकरण हेतु शेयरधारकों का अनुमोदन मांगना अपेक्षित है, तो वहाँ बोनस निर्गम को इसके निदेशक बोर्ड की बैठक की तारीख से दो मास के भीतर कार्यान्वित किया जाएगा जिसमें बोनस निर्गम को घोषित करने का विनिश्चय शेयरधारकों के अनुमोदन के अध्यक्षीन लिया गया था ।

- (2) एक बार यदि बोनस निर्गम को लाने के विनिश्चय की घोषणा कर दी जाती है, तो निर्गम को वापस नहीं लिया जा सकता ।

अध्याय X

भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गमन

लागू होना

96. (1) इस अध्याय के उपबंध कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 605क तथा कंपनी (भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गमन) नियम, 2004 के निबंधनों के अनुसार लाये गये भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गमन पर लागू होंगे ।

- (2) इन विनियमों के सभी उपबंध भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गमन के मामले में लागू होंगे, इन विनियमों में यथा उपबंधित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम तथा साधिकार निर्गम की बाबत प्रकटीकरण अपेक्षाओं और निम्नलिखित के सिवाय :

- (क) विनियम 4 के उप-विनियम (2) के खण्ड (क) (ख), (ग) तथा (च) ;

- (ख) विनियम 6 के उप-विनियम (1), (2) तथा (3) ;
- (ग) विनियम 8 के उप-विनियम (1) के खण्ड (ग), (घ) तथा (ङ) ;
- (घ) विनियम 8 के उप-विनियम (2) तथा (3) ;
- (ङ) विनियम 10, 16, 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 26, 27, 31, 41, 42, 43, 45, 47, 49 तथा 68 ;
- (च) विनियम 11 का उप-विनियम (2) ;
- (छ) विनियम 28 का उप-विनियम (2) ;
- (ज) विनियम 29 के खण्ड (ख) तथा (ग) ;
- (झ) अध्याय III के भाग III तथा IV ;
- (ञ) अध्याय IV ;
- (ट) विनियम 65 का उप-विनियम (3) ;
- (ठ) अध्याय VII, VIII तथा IX ।
- (3) इसके अतिरिक्त, विनियम 60 निम्नानुसार लागू होगा :
- (क) उप-विनियम (1) तथा (7) तथा स्पष्टीकरण II का लागू होना, भारत में दिये गये किन्हीं निर्गम संबंधी विज्ञापनों या भारत में परिचालित किसी अनुसंधान रिपोर्ट, निर्गमकर्ता कंपनी के भारतीय निक्षेपागार रसीदों संबंधी निर्गम के संबंध में, तक निर्विधित होगा ;
- (ख) उप-विनियम (2) तथा (3) का लागू होना, भारत में किसी मीडिया में जारी या प्रकाशित किन्हीं सार्वजनिक संसूचनाओं और प्रचार सामग्री तक निर्विधित होगा ;

(ग) उप-विनियम (5) तथा (6) का लागू होना, भारत में जारी किसी सामग्री या सूचना और भारत में किसी मीडिया में जारी या प्रकाशित किन्हीं निर्गम संबंधी विज्ञापनों तथा प्रचार सामग्री तक निर्बंधित होगा ;

(घ) उप-विनियम (13) का लागू होना, निर्गमकर्ता कंपनी के भारत में किसी मीडिया में जारी या प्रकाशित किसी उत्पाद संबंधी विज्ञापन तक निर्बंधित होगा ;

(ङ) विनियम 60 के अन्य सभी उपबंध लागू होंगे ।

पात्रता

97. भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गमन लाने वाली निर्गमकर्ता कंपनी निम्नलिखित को भी पूरा करेगी :

(क) निर्गमकर्ता कंपनी अपने देश में सूचीबद्ध है ;

(ख) निर्गमकर्ता कंपनी किसी विनियामक निकाय द्वारा प्रतिभूतियाँ निर्गमित करने के लिए प्रतिषिद्ध नहीं है ;

(ग) निर्गमकर्ता कंपनी का, अपने देश में प्रतिभूति बाजार के विनियमों का अनुपालन करने का पिछला रिकॉर्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) है ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए, अपने देश से वह देश अभिप्रेत है जहाँ निर्गमकर्ता कंपनी निर्गमित तथा सूचीबद्ध है ।

भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गमन के लिए शर्तें

98. भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गमन निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :

(क) निर्गम का आकार पचास करोड़ रुपये से कम नहीं होगा ;

(ख) आवेदन करने के लिए प्रत्येक वर्ग के आवेदक द्वारा जिस प्रक्रिया का अनुसरण किया जाना है उसका उल्लेख प्रॉस्पेक्टस में किया जाएगा ;

(ग) न्यूनतम आवेदन रकम बीस हजार रुपये होगी ;

- (घ) निर्गमित भारतीय निक्षेपागार रसीदों का कम से कम पचास प्रतिशत अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आनुपातिक आधार पर अनुसूची XI के भाग ग में दिये गये उदाहरण के अनुसार आबंटित किया जाएगा ;
- (ङ) बाकी के पचास प्रतिशत का आबंटन गैर-संस्थागत विनिधानकर्ताओं और छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) जिनमें कर्मचारी सम्मिलित हैं के बीच किया जा सकेगा, निर्गमकर्ता के विवेकाधिकार पर, और आबंटन की रीति प्रॉस्पेक्टस में प्रकट की जायेगी । किसी प्रवर्ग के भीतर विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को आबंटन आनुपातिक आधार पर होगा ;
- (च) किसी नियत समय पर, निर्गमकर्ता कंपनी की भारतीय निक्षेपागार रसीदों का केवल एक अंकिित मूल्य होगा ।

न्यूनतम अभिदान

99. (1) गैर हामीदारी वाले निर्गमों के लिए :

- (क) यदि निर्गमकर्ता कंपनी को निर्गम के बंद होने की तारीख को प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव के नब्बे प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं होता है, या यदि अभिदान स्तर निर्गम के बंद होने के पश्चात् चैकों को अदा किये बिना लौटा दिये जाने या आवेदनों को वापस लिये जाने के कारण नब्बे प्रतिशत से नीचे आ जाता है, तो निर्गमकर्ता कंपनी प्राप्त की गयी पूरी अभिदान की रकम तुरंत लौटा देगी ।

(ख) यदि निर्गमकर्ता कंपनी निर्गम के बंद होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर अभिदान की पूरी रकम लौटाने में असफल रहती है, तो यह देरी की कालावधि हेतु पंद्रह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर पर अभिदाताओं को ब्याज सहित रकम अदा करने की दायी है।

(2) हामीदारी वाले निर्गमों के लिए : यदि निर्गमकर्ता कंपनी को निर्गम के बंद होने की तारीख से साठ दिनों के भीतर प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव, जिसमें हामीदारों का न्यागमन सम्मिलित है, के नब्बे प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं होता है, तो निर्गमकर्ता कंपनी प्राप्त की गयी अभिदान की पूरी रकम तुरंत, साठ दिनों से अधिक की देरी की कालावधि हेतु पंद्रह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर पर अभिदाताओं को ब्याज सहित, लौटा देगी।

अदला-बदली

100. भारतीय निक्षेपागार रसीदों की अदला-बदली अपने आप ही निर्गमकर्ता कंपनी के अंडरलाइंग इक्विटी शेयरों में नहीं होगी।

प्रारूप (ड्राफ्ट)
प्रॉस्पेक्टस को दाखिल
करना, सम्यक्
तत्परता प्रमाणपत्र,
फीस का भुगतान और
भारतीय निक्षेपागार
रसीदों के लिए निर्गम
संबंधी विज्ञापन

101. (1) भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गम लाने वाली निर्गमकर्ता कंपनी अनुसूची II में विनिर्दिष्ट करार के फॉर्मेट के अनुरूप मर्चेन्ट बैंककार के साथ करार करेगी।

(2) जहाँ निर्गम का प्रबंध एक से अधिक मर्चेन्ट बैंककार द्वारा देखा जाता हो, तो वहाँ, अन्य बातों

के साथ-साथ प्रकटीकरणों, आबंटन, धनराशि लौटाये जाने तथा हामीदारी बाध्यताओं, यदि कोई हों, के संबंध में, प्रत्येक मर्चेट बैंककार के अधिकारों, बाध्यताओं तथा जिम्मेदारियों को पहले अवधारित किया जायेगा और प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किया जायेगा, अनुसूची I में यथा विनिर्दिष्ट फॉर्मेट के अनुरूप ।

- (3) निर्गमकर्ता कंपनी अपेक्षित फीस के साथ मर्चेट बैंककार के माध्यम से बोर्ड के पास प्रारूप प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगी, जैसा कंपनी (भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गमन) नियम, 2004 में विहित है ।
- (4) इस विनियम के अधीन बोर्ड के पास दाखिल किया गया प्रॉस्पेक्टस बोर्ड को सॉफ्ट प्रति (सॉफ्ट कॉपी) में भी दिया जायेगा, जैसा अनुसूची V में विनिर्दिष्ट है उसके अनुरूप ।
- (5) अग्रणी मर्चेट बैंककार :
 - (क) प्रारूप प्रॉस्पेक्टस के साथ बोर्ड को अनुसूची XIX के भाग ग में दिये गये फॉर्मेट के अनुसार सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे ;
 - (ख) यह प्रमाणित करेंगे कि बोर्ड द्वारा किये गये सभी संशोधनों, दिये गये सभी सुझावों या संप्रेक्षणों को प्रॉस्पेक्टस में सम्मिलित कर लिया गया है ;
 - (ग) अनुसूची XIX के भाग ग में दिये गये फॉर्मेट के अनुसार नया सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस दाखिल किये जाने के समय ;

- (घ) अनुसूची XIX के भाग ग में दिये गये फॉर्मेट के अनुसार प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे, निर्गम के खुलने से ठीक पहले, यह प्रमाणित करते हुए कि इसकी ओर से कोई सुधारात्मक कार्रवाई अपेक्षित नहीं है ;
- (ङ) अनुसूची XIX के भाग ग में दिये गये फॉर्मेट के अनुसार प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे, निर्गम के खुल जाने के पश्चात् किन्तु अभिदान हेतु इसके बंद होने से पहले ।
- (6) निर्गमकर्ता कंपनी अनुसूची III में यथा विनिर्दिष्ट अनिवार्य संग्रहण केंद्रों के लिए इंतजाम करेगी ।
- (7) निर्गमकर्ता कंपनी व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र तथा व्यापक परिचालन वाले एक हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र में, बोर्ड के पास सार्वजनिक रूप से दाखिल किये गये प्रारूप प्रॉस्पेक्टस के संबंध में अंतिम संप्रेक्षणों, यदि कोई हों, के प्राप्त होने के शीघ्र पश्चात्, विज्ञापन जारी करेगी, जो अनुसूची XIII के भाग क में दिये गये फॉर्मेट के अनुरूप होगा और न्यूनतम प्रकटीकरणों से युक्त होगा ।

बोली संबंधी आँकड़े
प्रदर्शित करना

102. बही निर्माण प्रक्रिया हेतु ऑन-लाइन बोली प्रणाली उपलब्ध कराने वाले स्टॉक एक्सचेंज अपने वेबसाइट पर, बही निर्माण वाले भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम से संबंधित आँकड़े, अनुसूची XI के भाग ख(II) में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट में, बोलियों के खुलने की तारीख से बोलियों के बंद होने के पश्चात् कम से कम तीन दिनों तक, प्रदर्शित करेंगे।

प्रॉस्पेक्टस और
संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में
प्रकटीकरण

103. (1) प्रॉस्पेक्टस में समस्त महत्वपूर्ण प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे जो सही, ठीक और पर्याप्त हैं, ताकि आवेदक विनिधान (निवेश) के संबंध में सोच-समझकर विनिश्चय करने में समर्थ हो सकें।

(2) उप-विनियम (1) की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा :

(क) कंपनी (भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गमन) नियम, 2004 की अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण : और

(ख) अनुसूची XIX के भाग क में यथा विनिर्दिष्ट प्रकार से प्रकटीकरण ।

(3) भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गमन के लिए संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में अनुसूची XIX के भाग ख में यथा विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे ।

निर्गम के पश्चात् की
रिपोर्टें

104. (1) मर्चेट बैंककार उप-विनियम (2) के अनुसार बोर्ड को निर्गम के पश्चात् की रिपोर्टें प्रस्तुत करेगा ।

(2) निर्गम के पश्चात् की रिपोर्टें निम्नानुसार प्रस्तुत की जायेंगी :

(क) अनुसूची XVI के भाग क तथा ख के अनुरूप निर्गम के पश्चात् की आरंभिक रिपोर्ट, निर्गम के बंद होने के तीन दिनों के भीतर ;

(ख) अनुसूची XVI के भाग ग तथा घ के अनुरूप निर्गम के पश्चात् की अंतिम रिपोर्ट, आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिये जाने की तारीख के पंद्रह दिनों के भीतर या निर्गम के असफल रहने की दशा में धनराशि को लौटाये जाने के पंद्रह दिनों के भीतर ।

अल्प-अभिदत्त निर्गम 105. भारतीय निक्षेपागार रसीदों के अल्प-अभिदत्त निर्गम के मामले में, मर्चेट बैंककार उन हामीदारों के बारे में सूचना, जो अपने हामीदारी न्यागमन को पूरा करने में असफल रहे हैं, बोर्ड को अनुसूची XVII में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट के अनुरूप देगा।

आबंटन के आधार को अंतिम रूप देना 106. स्टॉक एक्सचेंज, जहाँ भारतीय निक्षेपागार रसीदों को सूचीबद्ध किये जाने का प्रस्ताव है, का कार्यपालक निदेशक या प्रबंध निदेशक निर्गम के पश्चात् के अग्रणी मर्चेट बैंककारों तथा निर्गम रजिस्ट्रारों के साथ यह सुनिश्चित करेगा कि आबंटन के आधार को **अनुसूची XV** में यथा विनिर्दिष्ट आबंटन प्रक्रिया के अनुसार निष्पक्ष तथा उचित प्रकार से अंतिम रूप दिया जाता है ।

अध्याय XI

विविध

बोर्ड द्वारा निदेश 107. अधिनियम की धारा 11, 11क, 11ख, 11घ, धारा 12 की उप-धारा (3), अध्याय VIक तथा धारा 24 या कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 621 के अधीन शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड या तो *स्वप्रेरणा* से या सूचना की प्राप्ति पर या किसी निरीक्षण, जाँच अथवा अन्वेषण के पूरा होने पर अथवा के लंबित रहते, विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) अथवा प्रतिभूति बाजार के हितों में, ऐसे निदेश या आदेश जारी कर सकेगा जैसा यह ठीक समझे जिनमें निम्नलिखित में से कोई एक या सभी सम्मिलित हैं :

- (क) संबद्ध व्यक्तियों को विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए प्रतिभूति बाजार में पहुंच न रखने का निदेश देना;
- (ख) संबद्ध व्यक्ति को प्रतिभूतियों का विक्रय करने या को निर्निहित करने का निदेश देना ;
- (ग) कोई अन्य निदेश जो बोर्ड मामले की परिस्थितियों में उपयुक्त तथा उचित समझे :

परंतु यह कि बोर्ड, या तो ऐसा निदेश या आदेश जारी करने से पहले या के पश्चात्, संबद्ध व्यक्ति को सुनवाई का उचित अवसर देगा :

परंतु यह और कि यदि कोई अंतरिम निदेश या आदेश जारी किया जाना अपेक्षित है, तो बोर्ड संबद्ध व्यक्ति को विनिश्चय किये जाने के पश्चात् सुनवाई का अवसर दे सकेगा ।

कठिनाई को दूर करने की शक्ति 108. इन विनियमों के लागू होने या निर्वचन में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड मार्गदर्शन टिप्पणों या परिपत्रों के माध्यम से स्पष्टीकरण जारी कर सकेगा, लिखित में कारणों को अभिलिखित करने के पश्चात् ।

विनियमों के कड़े प्रवर्तन को शिथिल करने की शक्ति 109. बोर्ड, विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में या प्रतिभूति बाजार के विकास के लिए, इन विनियमों की किसी अपेक्षा के कड़े प्रवर्तन को शिथिल कर सकेगा, यदि बोर्ड का यह समधान हो जाता है कि :

- (क) अपेक्षा का स्वरूप प्रक्रिया संबंधी है ; या
- (ख) प्रकटीकरण संबंधी कोई अपेक्षा विशिष्ट वर्ग के उद्योग या निर्गमकर्ता के लिए सुसंगत नहीं है ; या
- (ग) अननुपालन ऐसे कारकों की वजह से हुआ या हो सकता हो जो निर्गमकर्ता के नियंत्रण के परे हों ।

अन्य विनियमों में संशोधन 110. इन विनियमों के प्रारंभ से ही, अनुसूची XX में उल्लिखित विनियम संशोधित हो जायेंगे, जितना उनमें विनिर्दिष्ट है।

निरसन और व्यावृत्तियाँ 111. (1) इन विनियमों के प्रारंभ से ही, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रकटीकरण और विनिधानकर्ता [निवेशक] संरक्षण) मार्गदर्शक सिद्धांत, 2000 विखंडित हो जायेंगे।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन मार्गदर्शक सिद्धांतों का विखंडन होने पर भी :

(क) उक्त मार्गदर्शक सिद्धांतों की बाबत की गई कोई बात या की गई कोई कार्रवाई या किये जाने के लिए तात्पर्यित कोई बात या कोई कार्रवाई जिसमें किसी प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के बारे में दिया गया संप्रेक्षण सम्मिलित है, प्रारंभ की गई कोई जाँच या अन्वेषण या जारी की गई सूचना इन विनियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन की गई समझी जायेगी ;

(ख) उक्त मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन बोर्ड को दाखिल किया गया कोई प्रस्ताव दस्तावेज, चाहे प्रारूप हो या अन्यथा, या किया गया कोई आवेदन, और जो इसके समक्ष लंबित हो, इन विनियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन दाखिल किया गया या किया गया समझा जायेगा।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची I

[विनियम 5(3) और 101(2) देखें]

दायित्वों का परस्पर आबंधन

- (1) अग्रणी मर्चेट बैंककार इन विनियमों के अधीन किये जानेवाले क्रियाकलापों या उप-क्रियाकलापों से संबंधित जिम्मेदारियों का परस्पर आबंधन करेंगे।
- (2) अग्रणी मर्चेट बैंककार क्रियाकलाप के अनुसार जिम्मेदारियों का आबंधन अंकित करेंगे और बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव पत्र दाखिल करते समय क्रियाकलापों या उप-क्रियाकलापों के प्रत्येक सेट के लिए जिम्मेदार अग्रणी मर्चेट बैंककार का नाम बोर्ड को सूचित करेंगे। इस सूचना पर निर्गम के सभी अग्रणी मर्चेट बैंककारों के हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।

- (3) जहाँ परिस्थितियाँ किसी विशिष्ट क्रियाकलाप के लिए अग्रणी मर्चेट बैंककारों की संयुक्त और पृथक् जिम्मेदारी का समर्थन करती है, अग्रणी मर्चेट बैंककारों में से नामनिर्दिष्ट एक समन्वयक (इसमें इसके पश्चात् 'नामनिर्दिष्ट अग्रणी मर्चेट बैंककार' के रूप में निर्दिष्ट) बोर्ड को, जब भी माँगी जाए, ऐसे क्रियाकलाप से संबंधित मामलों पर जानकारी, रिपोर्ट, टिप्पणियाँ, इत्यादि प्रस्तुत करेगा।
- (4) क्रियाकलापों या उप-क्रियाकलापों को निम्नानुसार समूहबद्ध किया जा सकेगा:
- (क) ऋण और इक्विटी की संघटना, लिखतों का प्रकार, इत्यादि जैसे संबंधित घटकों और औपचारिकताओं सहित पूँजी संरचना
 - (ख) प्रस्ताव दस्तावेज का और विज्ञापन अथवा प्रचार सामग्री जिनमें प्रस्ताव दस्तावेज की प्रमुख विशेषताओं से युक्त समाचारपत्र विज्ञापन तथा ब्रोशर या ज्ञापन शामिल हैं का प्रारूपण और परिकल्पना।
 - (ग) निर्गम से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों, जैसे निर्गम रजिस्ट्रार, मुद्रक, विज्ञापन एजेंसियाँ आदि का चुनाव।
 - (घ) निर्गम का विपणन, जिसमें, *अन्य बातों के साथ* विपणन युक्तियाँ बनाने, प्रचार संबंधी बजट तैयार करने, (i) विज्ञापन मीडिया (ii) स्टॉक दलालों, विनिधानकर्ताओं आदि के सम्मेलन आयोजित करने के लिए केंद्रों (iii) निर्गम बैंककारों, (iv) अनुसूची III के अनुसार संग्रहण केंद्रों, (v) निर्गम दलालों, और (vi) हामीदारों तथा हामीदारी संबंधी इंतजाम, प्रचार एवं निर्गम सामग्री, जिनमें आवेदन प्रपत्र, विवरण पुस्तिका और विवरणिकाएँ (ब्रॉशुअर) शामिल हैं, के वितरण तथा निर्गम सामग्री की मात्रा के संबंध में निर्णय लेने का समावेश होगा।
 - (ङ) निर्गम के बाद के क्रियाकलापों, जिनमें आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई जैसे निर्गम बैंककारों तथा स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों से संग्रहण के प्राक्कलन शीघ्र प्राप्त करने के लिए अनुवर्ती कार्रवाई तथा सही आँकड़ों के आधार पर निर्गमकर्ता को निर्गम बंद करने की सलाह देना, आबंटन के आधार को अंतिम रूप देना या बहु आवेदनों की छँटाई, लिखतों की सूचीबद्धता, प्रमाणपत्र प्रेषण या गैरकागजी जमा और धनराशि लौटाना तथा निर्गम के पश्चात् किये जानेवाले क्रियाकलाप से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों जैसे निर्गम रजिस्ट्रार, निर्गम बैंककार, स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंक इत्यादि के साथ समन्वयन। साधारणतया, निर्गम के पश्चात् किये जानेवाले क्रियाकलापों के लिए एक अग्रणी मर्चेट बैंककार जिम्मेदार होगा।
- (5) नामनिर्दिष्ट अग्रणी मर्चेट बैंककार इन विनियमों तथा कंपनी रजिस्ट्रार, बोर्ड और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किये जाने का प्रस्ताव किया जा रहा है, द्वारा विनिर्दिष्ट अन्य अपेक्षाओं तथा औपचारिकताओं की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा।
- (6) चाहे निर्गम के पश्चात् कई क्रियाकलाप अन्य मध्यवर्तियों द्वारा निपटाये जाते हों, फिर भी यह सुनिश्चित करना नामनिर्दिष्ट अग्रणी बैंककार की जिम्मेदारी होगी कि ये मध्यवर्ती अपने कृत्यों को पूरा करते हैं और निर्गमकर्ता के साथ यथोचित करार करके उसे इस जिम्मेदारी के निर्वहन में समर्थ बनाते हैं।
- (7) निर्गम में अल्प-अभिदान होने के मामले में, हामीदारी इंतजाम के लिए जिम्मेदार अग्रणी मर्चेट बैंककार हामीदारी बाध्यताओं का अवलंब लेने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा कि हामीदारों की बाध्यताओं से युक्त न्यागमन (डिवॉल्वमेण्ट) के लिए सूचना इन विनियमों के निबंधनों के अनुसार जारी की जाती है।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची II

[विनियम 5(5) और 101(1) देखें]

निर्गम के अग्रणी मर्चेट बैंककारों और निर्गमकर्ता / निर्गमकर्ता कंपनी के बीच करारनामे का फार्मेट

यह करार (निर्गमकर्ता का नाम), जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय (निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता) में स्थित है (इसमें इसके पश्चात् "निर्गमकर्ता" के रूप में निर्दिष्ट) और (अग्रणी मर्चेट बैंककारों का नाम), जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय तथा शाखा कार्यालय में स्थित है, के बीच किया गया है।

यतः

- (1) निर्गमकर्ता जनता / निर्गमकर्ता के विद्यमान शेयरधारकों को (निर्गम की विशिष्टियों) के निर्गम के लिए कार्रवाई कर रहा है (विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के उक्त निर्गम को इसमें इसके पश्चात् "निर्गम" के तौर पर निर्दिष्ट किया जायेगा); और
- (2) निर्गमकर्ता ने निर्गम के प्रबंधन के लिए अग्रणी मर्चेट बैंककारों को प्रस्ताव किया है और अग्रणी मर्चेट बैंककारों ने अन्य बातों के साथ इस कार्य को भी स्वीकार किया है, इन विलेखों के होते हुए इस प्रयोजन के लिए निर्गमकर्ता द्वारा करार करने के अध्यक्षीनः

अब, अतः, निर्गमकर्ता और अग्रणी मर्चेट बैंककार, एतद्वारा निम्नानुसार करार करते हैं:

- (1) अग्रणी मर्चेट बैंककारों के अलावा , और निर्गम में सह-प्रबंधक की हैसियत से कार्य करेंगे।
- (2) निर्गमकर्ता एतद्वारा घोषणा करता है कि इसने कंपनी अधिनियम, 1956, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् "बोर्ड" के रूप में निर्दिष्ट) द्वारा जारी अन्य शर्तों, अनुदेशों एवं सूचनाओं तथा अन्य सुसंगत परिनियमों का पालन किया है या पालन करने के लिए सहमत है ताकि यह निर्गम करने में समर्थ हो सके, विशेषतः निम्नलिखित मामलों के बारे में:
(उन कानूनी अनुपालनों के ब्यौरे और विशिष्टियाँ दें जिन्हें निर्गम से पहले निर्गमकर्ता को पूरा करना है)
..... (बैठक की तारीख) को आयोजित साधारण बैठक में पारित (संकल्प संबंधी ब्यौरे) द्वारा शेयरधारकों की सहमति अभिप्राप्त कर ली गयी है।
- (3) निर्गमकर्ता वचन देता है और घोषणा करता है कि अग्रणी मर्चेट बैंककार को उपलब्ध करायी गयी कोई भी जानकारी या प्रस्ताव दस्तावेज में किया गया कोई भी कथन सभी पहलुओं से पूर्ण होगा और सत्य एवं सही होगा तथा यह कि किन्हीं भी परिस्थितियों में यह ऐसी कोई जानकारी या कथन नहीं देगा या रोककर रखेगा जिससे विनिधानकर्ताओं के गुमराह होने की संभावना हो।

- (4) निर्गमकर्ता पूर्ण लेखापरीक्षित वार्षिक रिपोर्टें अन्य सुसंगत दस्तावेज, कागजात, लंबित मुकदमों से संबंधित जानकारी, इत्यादि प्रस्तुत करने का वचन भी देता है ताकि मर्चेट बैंककार प्रस्ताव दस्तावेज में दी गयी जानकारी और विवरण की संपुष्टि करने में समर्थ हो सके।
- (5) निर्गमकर्ता, यदि ऐसा अपेक्षित हो, ऐसी सुविधाओं का दायरा बढ़ा सकेगा, जैसी कि अग्रणी मर्चेट बैंककारों द्वारा माँग की जाए ताकि वे निर्गमकर्ता के कार्यकलाप की स्थिति जिसमें परियोजना कार्यान्वयन के बारे में हुई प्रगति सम्मिलित हैं, हैसियत तथा निर्गम से संबंधित अन्य सुसंगत तथ्यों को अपने लिए अभिनिश्चित करने के लिए प्लांट स्थल, निर्गमकर्ता के कार्यालय या ऐसे अन्य स्थानों का दौरा करने में समर्थ हो सकें।
- (6) निर्गमकर्ता अग्रणी मर्चेट बैंककार को सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करेगा ताकि वह सॉलिसिटर्स / विधि सलाहकारों, लेखापरीक्षकों, परामर्शदाताओं, निर्गम सलाहकारों, वित्तीय संस्थानों, बैंकों या किसी अन्य संगठन और निर्गम से किसी भी हैसियत, चाहे जो हो, से सहयुक्त अन्य मध्यवर्ती से निर्गम से सुसंगत किसी मामले में संपर्क कर सके।
- (7) निर्गमकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि निर्गम के संबंध में सभी विज्ञापन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 तथा अग्रणी मर्चेट बैंककार (बैंककारों) द्वारा समय-समय पर दिये गये अनुदेशों के अनुरूप विज्ञापन एजेंसी द्वारा या अन्यथा तैयार किये जाते हैं और जारी किये जाते हैं और यह कि यह किसी सार्वजनिक सूचना या प्रसार सामग्री, जिसमें निर्गमकर्ता के कंपनी, उत्पाद और निर्गम विज्ञापन, इसके संप्रवर्तकों, निदेशकों, सम्यक् रूप से प्राधिकृत कर्मचारियों या निर्गमकर्ता के प्रतिनिधियों द्वारा साक्षात्कार, निर्गमकर्ता या इसके संप्रवर्तकों के बारे में वृत्तचित्र, निर्गमकर्ता द्वारा जारी आवधिक रिपोर्टें और प्रेस विज्ञप्तियाँ या निर्गमकर्ता, निर्गम से संबद्ध किसी मध्यवर्ती या उनके सहयुक्तों द्वारा तैयार की गयी अनुसंधान रिपोर्टें शामिल हैं, या प्रेस में, दलालों के अथवा विनिधानकर्ताओं के सम्मेलन में कोई भ्रामक या गलत कथन नहीं करेगा।
- (8) निर्गमकर्ता, अग्रणी मर्चेट बैंककार की पूर्व सहमति के बिना, अन्य मध्यवर्तियों (सिवाय स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों के) या निर्गम से सहयुक्त अन्य व्यक्तियों जैसे आवेदन प्रपत्रों, आबंटन सूचनाओं, आबंटन पत्रों, शेयर प्रमाणपत्रों / डिबेंचर प्रमाणपत्रों, धनवापसी आदेशों या किन्हीं अन्य लिखतों, परिपत्रों, या सूचनाओं के मुद्रण के लिए विज्ञापन एजेंसियों, मुद्रकों आदि को नियुक्त नहीं करेगा।
- (9) निर्गमकर्ता, जब कभी अपेक्षित हो और जहाँ कहीं लागू हो, अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से, निर्गम से सहयुक्त मध्यवर्तियों के साथ करार करेगा, जिसमें उनके परस्पर अधिकार, जिम्मेदारियाँ और बाध्यताएँ स्पष्ट रूप से उपवर्णित होंगी। ऐसे करारनामे की प्रमाणित प्रति अग्रणी मर्चेट बैंककार को प्रस्तुत की जायेगी।
- (10) निर्गमकर्ता ऐसे कदम उठायेगा जो नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा आबंटन का आधार अनुमोदित होने के तुरंत बाद, परंतु निर्दिष्ट समय-सीमा से पहले, आबंटन पूर्ण होने और आवेदकों (जिनमें अनिवासी भारतीय शामिल हैं) को आबंटन पत्रों तथा धनवापसी आदेशों के प्रेषण को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हों और ऐसा करने में असफल होने की दशा में, आवेदकों को ब्याज अदा करेगा जैसा कि प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किये गये अनुसार कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन उपबंधित है।

- (11) निर्गमकर्ता हामीदारों, स्टॉक दलालों इत्यादि को ऐसे हामीदारों, स्टॉक दलालों इत्यादि के साथ किये गये करार में विनिर्दिष्ट समय के भीतर या उचित समय के भीतर हामीदारी कमीशन और दलाली का भुगतान करने के लिए कदम उठायेगा।
- (12) निर्गमकर्ता निर्गम के संबंध में ऐसी जानकारी और विशिष्टियाँ उन्हें प्रस्तुत करने का वचन देता है जो निर्गम के बारे में बोर्ड के पास रिपोर्ट दाखिल करने में समर्थ बनाने के लिए अग्रणी मर्चेट बैंककार द्वारा अपेक्षित हो।
- (13) निर्गमकर्ता अग्रणी मर्चेट बैंककार को सूचित करेगा, यदि इसे संचार प्रणाली के विस्थापन के कारण किसी समस्या का या किन्हीं अन्य महत्वपूर्ण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जिससे निर्गमकर्ता को आबंटन, धनवापसी आदेशों, शेयर प्रमाणपत्रों या डिबेंचर प्रमाणपत्रों के प्रेषण, गैरकागजी जमाओं इत्यादि संबंधित मामलों के बारे में इसकी बाध्यताओं, चाहे कानूनी हो या संविदागत, की अनुपालना से रोकने की संभावना हो या रोका गया हो।
- (14) निर्गमकर्ता ऐसे किसी मामले के बारे में किन्हीं कानूनी कार्यवाहियों का आश्रय नहीं लेगा जो निर्गम से संबंधित हो, अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से और उससे सलाह प्राप्त होने के बाद के अलावा।
- (15) निर्गमकर्ता आबंटन के आधार का अंतिम निर्धारण या निर्गम संबंधी औपचारिकताओं के पूर्ण होने तक निर्गम में जुटाये गये धन तक पहुँच नहीं रखेगा।
- (16) निर्गमकर्ता आवेदकों को निर्गम में जुटाया गया धन लौटायेगा, यदि किसी भी कारण से, जैसे सूचीबद्धता अनुज्ञा प्राप्त करने में असफल रहने या बोर्ड के किसी निदेश या आदेश के अधीन, ऐसा करना अपेक्षित हो। निर्गमकर्ता अपेक्षित ब्याज का भुगतान करेगा, यदि ऐसा करना विधियों या बोर्ड के निदेश अथवा आदेश के अधीन है।
- (17) (अग्रणी मर्चेट बैंककार की तुलना में निर्गमकर्ता के अधिकार)----- (ब्यौरे दें).
- (18) (भंग के परिणाम) ----- (ब्यौरे दें).

इसके साक्ष्यस्वरूप इसके पक्षकारों ने (वर्ष) के (माह) की (दिन) तारीख को इस पर अपने हस्ताक्षर किये हैं।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची III

[विनियम 5(6) और 101 (7) देखें]

आज्ञापक संग्रहण केंद्र

- (1) संग्रहण केंद्रों की न्यूनतम संख्या निम्नानुसार होगी:
 - (क) मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई में स्थित चार महानगरीय केंद्र
 - (ख) ऐसे सभी स्थान जहाँ मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज उस प्रदेश में स्थित हैं जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित है;

(ग) प्रदेश के अनुसार संग्रहण केंद्र इसके नीचे उपदर्शित अनुसार हैं:

क्र. सं.	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का नाम	शहर
(क)	उत्तरी प्रदेश	
(i)	लुधियाना स्टॉक एक्सचेंज लि.	लुधियाना
(ii)	दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज लि.	दिल्ली
(iii)	जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लि.	जयपुर
(iv)	उत्तर प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज लि.	कानपुर
(ख)	दक्षिणी प्रदेश	
(i)	बंगलूर स्टॉक एक्सचेंज लि.	बंगलूर
(ii)	कोचीन स्टॉक एक्सचेंज लि.	कोचीन
(iii)	मद्रास स्टॉक एक्सचेंज लि.	मद्रास
(ग)	पूर्वी प्रदेश	
(i)	कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज असोसिएशन लि.	कलकत्ता
(ii)	गुवाहाटी स्टॉक एक्सचेंज लि.	गुवाहाटी
(iii)	भुवनेश्वर स्टॉक एक्सचेंज लि.	भुवनेश्वर
(घ)	पश्चिमी प्रदेश	
(i)	मुंबई स्टॉक एक्सचेंज लि.	मुंबई
(ii)	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि.	मुंबई
(iii)	ओटीसी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि.	मुंबई
(iv)	पुणे स्टॉक एक्सचेंज लि.	पुणे
(v)	एम पी स्टॉक एक्सचेंज लि.	इंदौर
(vi)	वड़ोदरा स्टॉक एक्सचेंज लि.	वड़ोदरा
(vii)	अहमदाबाद स्टॉक एक्सचेंज लि.	अहमदाबाद

- (2) पैरा 1 में विनिर्दिष्ट संग्रहण केंद्रों के अतिरिक्त, स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों की सभी नामनिर्दिष्ट शाखाएँ, ऐसे बैंकों और बोर्ड के वेबसाइटों पर प्रदर्शित, आज्ञापक संग्रहण केंद्र समझी जायेंगी
- (3) निर्गमकर्ता इस अनुसूची में विनिर्दिष्ट न्यूनतम संग्रहण केंद्र के अतिरिक्त कोई अन्य संग्रहण केंद्र नियत कर सकेगा जैसा यह ठीक समझे ।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची IV

[विनियम 6(1), 10(2) और 11(4) देखें]

प्रस्ताव दस्तावेज के साथ अदा की जानेवाली फीस

- (1) प्रत्येक प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के बारे में, प्रत्येक प्रस्ताव दस्तावेज [तीव्र (फास्ट ट्रेक) निर्गम के मामले में] और किसी प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को अद्यतन बनाये जाने के मामले में, इस अनुसूची के भाग क और भाग ख में विनिर्दिष्ट दर से फीस प्रभारित की जायेगी।
- (2) उस स्थान पर जहाँ प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज या अद्यतन प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज, यथास्थिति, बोर्ड के पास दाखिल किया जाता है, संदेय 'भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड' के पक्ष में जारी डिमांड ड्राफ्ट के जरिये फीस का भुगतान किया जायेगा।

भाग क

प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के साथ या तीव्र (फास्ट ट्रेक) निर्गम के मामले में प्रस्ताव दस्तावेज के साथ अदा की जानेवाली फीस

- (1) इन विनियमों के निबंधनों अनुसार अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार द्वारा बोर्ड के पास दाखिल प्रत्येक प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या फास्ट ट्रेक निर्गम के मामले में, प्रत्येक प्रस्ताव दस्तावेज के संबंध में निम्नलिखित दर पर फीस प्रभारित की जायेगी:

(क) सार्वजनिक निर्गम के मामले में :

निर्गम का आकार, अत्याभिदान के आशयित प्रतिधारण सहित	फीस की राशि / दर
दस करोड़ रुपये से कम या के बराबर	पच्चीस हजार रुपये (25,000/-) का सपाट प्रभार।
दस करोड़ रुपये से अधिक, परंतु पाँच हजार करोड़ रुपये से कम या के बराबर	निर्गम आकार का 0.025 प्रतिशत
पाँच हजार करोड़ रुपये से अधिक, परंतु पच्चीस हजार करोड़ रुपये से कम या के बराबर	एक करोड़ पच्चीस लाख रुपये (1,25,00,000/- रु.) तथा निर्गम आकार के पाँच हजार करोड़ रुपये (5000,00,00,000/-रु.) से अधिक के हिस्से का 0.00625 प्रतिशत।
पच्चीस हजार करोड़ रुपये से अधिक	तीन करोड़ रुपये (3,00,00,000/-रु.) का सपाट प्रभार।

(ख) साधिकार निर्गम के मामले में :

निर्गम का आकार, अत्याभिदान के आशयित प्रतिधारण सहित	फीस की राशि / दर
दस करोड़ रुपये से कम या के बराबर	पच्चीस हजार रुपये (25,000/-) का सपाट प्रभार ।
दस करोड़ रुपये से अधिक और पाँच सौ करोड़ रुपये से कम या के बराबर	निर्गम आकार का 0.005 प्रतिशत ।
पाँच सौ करोड़ रुपये से अधिक	पाँच लाख रुपये (5,00,000/-रु.) का सपाट प्रभार ।

(2) जहाँ प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज या प्रस्ताव दस्तावेज [तीव्र(फास्ट ट्रैक) निर्गम के मामले में] दाखिल करते समय निर्गम-आकार का अवधारण नहीं किया जाता है, निर्गमकर्ता अनुमानित निर्गम आकार के आधार पर, पैरा (1) में उल्लिखित फीस का भुगतान करेगा ।

(3) यदि निर्गमकर्ता द्वारा अनुमानित निर्गम आकार अंतिम निर्गम-आकार से भिन्न होता है और इसके द्वारा -

(क) निर्गमकर्ता द्वारा भुगतान की गयी फीस को कम पाया जाता है, निर्गमकर्ता द्वारा यथास्थिति, कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस रजिस्टर करने या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने से सात दिनों के भीतर शेष फीस का भुगतान किया जायेगा; और

(ख) यदि पाया जाए कि अधिक फीस का भुगतान किया गया है तो, बोर्ड द्वारा इसे निर्गमकर्ता को वापस लौटाया जायेगा ।

भाग ख

अद्यतन प्रस्ताव दस्तावेज के साथ भुगतान की जानेवाली फीस

जहाँ इन विनियमों की अनुसूची VII के पैरा 3 में विनिर्दिष्ट किसी खंड का अद्यतनीकरण या परिवर्तन किये जाते हैं, प्रति खंड अद्यतनीकरण या परिवर्तन के लिए दस हजार रुपये (10,000/- रु.) की फीस का भुगतान किया जायेगा, बोर्ड के पास प्रारूप दस्तावेज दाखिल करते समय भुगतान की गयी कुल फीस फाइलिंग फीस के एक चौथाई (1/4) या पचास हजार रुपये, जो भी अधिक हो, से अधिक न होने के अधीन ।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009
अनुसूची V

[विनियम 6(6) और 101(4) देखें]

बोर्ड को प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज और प्रस्ताव दस्तावेज की सॉफ्ट प्रति प्रस्तुत करने की रीति

- (1) प्रारूप और अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज की सॉफ्ट प्रतियाँ मुहरबंद लिफाफे में कॉम्पैक्ट डिस्क में पीडीएफ फॉर्मेट में प्रस्तुत की जायेंगी।
- (2) एक कॉम्पैक्ट डिस्क में एक ही निर्गम का और एक ही फाइल में प्रारूप या अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज अंतर्विष्ट होगा।
- (3) कॉम्पैक्ट डिस्क प्रस्तुत करते समय, अग्रणी मर्चेंट बैंककार अन्य बातों के साथ बोर्ड को यह प्रमाणित करेगा कि कॉम्पैक्ट डिस्क में अंतर्विष्ट जानकारी में सभी पाठ्यसामग्री और आँकड़े व्यवस्थित रीति में हैं, संबंधित प्रस्ताव दस्तावेज के कागजी रूप की सामग्री से हू-ब-हू मेल खाती है और इस अनुसूची की अपेक्षाओं को पूरा करती है।
- (4) प्रस्ताव दस्तावेज युक्त कॉम्पैक्ट डिस्क पर विधिवत् रूप से चिपका हुआ एक स्टिकर होगा जिसपर निम्नलिखित जानकारी दी जायेगी:
 - (क) मर्चेंट बैंककार का नाम;
 - (ख) निर्गमकर्ता का नाम;
 - (ग) निर्गम का प्रकार ;
 - (घ) उस व्यक्ति के हस्ताक्षर जिसने सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किये हैं।
- (5) अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज युक्त कॉम्पैक्ट डिस्क पर विधिवत् रूप से चिपका हुआ एक स्टिकर होगा जिसपर खंड (4) में यथाकथित जानकारी और निम्नलिखित अतिरिक्त जानकारी दी जायेगी:
 - (क) कंपनी रजिस्ट्रार के पास रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस या प्रॉस्पेक्टस रजिस्टर करने या नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंजों के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख
 - (ख) निर्गम खुलने की तारीख।
- (6) यदि इस अनुसूची की अपेक्षाएँ पूरी नहीं की जाती हैं, प्रस्ताव दस्तावेज को नामंजूर किया जायेगा।
- (7) वेबसाइट पर प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज प्रदर्शित करने के एक दिन के भीतर (यदि अगला दिन अवकाश का हो, तो पहले कार्य दिवस को), अग्रणी मर्चेंट बैंककार बोर्ड को लिखित रूप में पुष्टि करेंगे कि वेबसाइट पर प्रकट होनेवाले प्रस्ताव दस्तावेज की विषयवस्तु नियमानुसार है।
- (8) प्रस्ताव दस्तावेजों की सॉफ्ट प्रतियों के साथ निम्नलिखित जानकारी भी प्रस्तुत की जायेगी:

क्र. सं.	विशिष्टियाँ	टिप्पणियाँ
(i)	सॉफ्टकॉपी किसके द्वारा प्रस्तुत की गयी:	
(ii)	विषय वस्तु का शीर्षक:	
(iii)	क्या दस्तावेज पीडीएफ फॉर्मेट में हैं?	हाँ/नहीं
(iv)	क्या पीडीएफ फॉर्मेट में दिया गया सारणीबद्ध आँकड़ा नियमानुसार है?	हाँ/नहीं/लागू नहीं
(v)	क्या पैराग्राफ / मुद्दों की क्रम संख्या नियमानुसार है और मुद्रित प्रति से मेल खाती है?	हाँ/नहीं/लागू नहीं
(vi)	क्या सभी पैराग्राफों का संरेखण व्यवस्थित है?	हाँ/नहीं

(vii)	क्या सभी सुसंगत छवियों की फाइलें, यदि कोई हो, कॉम्पैक्ट डिस्क में उपलब्ध हैं।	हाँ/नहीं/लागू नहीं
(viii)	क्या दस्तावेज के पीडीएफ फॉर्मेट और कागजी रूप की सामग्री का मिलान किया गया है और इसे व्यवस्थित पाया गया?	हाँ/नहीं
(ix)	क्या पंक्तियों और पैराग्राफों के बीच का अंतर एक समान है?	हाँ/नहीं
(x)	टिप्पणियाँ, यदि कोई हो।	

..... द्वारा तैयार की गयी:
तारीख:

..... द्वारा सत्यापित की गयी

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची VI

सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्रों के फॉर्मेट

प्रारूप क

[विनियम 8(1)(ग) और 10(3)(क) देखें]

मर्चेट बैंककार द्वारा प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के साथ दिये जानेवाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फॉर्मेट

प्रति,
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रिय महोदय,

विषय.: _____ (निर्गमकर्ता का नाम) द्वारा _____ का सार्वजनिक /
साधिकार निर्गम

हम, ऊपर उल्लिखित आगामी निर्गम के अग्रणी मर्चेट बैंककार, निम्नानुसार कथन एवं पुष्टि करते हैं:

- (1) हमने उक्त निर्गम से संबंधित प्रारूप रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (बही निर्मित निर्गम के मामले में) / प्रारूप प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत निर्गम के मामले में) / प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) को अंतिम रूप देने के संबंध में विभिन्न दस्तावेजों, जिनमें वाणिज्यिक विवादों, पेटेंट विवादों, सहयोगियों से विवादों इत्यादि जैसे मुकदमों से संबंधित दस्तावेज सम्मिलित हैं, तथा अन्य सामग्रियों की परीक्षा की है;
- (2) ऐसी परीक्षाओं और निर्गमकर्ता, इसके निदेशकों और अन्य अधिकारियों, अन्य एजेंसियों के साथ हुई चर्चाओं और निर्गम उद्देश्यों, कीमत औचित्य से संबंधित कथनों और निर्गमकर्ता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों तथा अन्य कागजात की विषयवस्तुओं के स्वतंत्र सत्यापन के आधार पर, हम पुष्टि करते हैं कि:

- (क) बोर्ड के पास दाखिल रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रस्ताव पत्र निर्गम से सुसंगत दस्तावेजों, सामग्रियों और कागजात के अनुरूप है;
- (ख) निर्गम से संबंधित सभी कानूनी अपेक्षाएँ और बोर्ड, केंद्र सरकार और इस निमित्त अन्य किसी सक्षम प्राधिकरण द्वारा विरचित / जारी विनियमों मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों, इत्यादि का विधिवत् पालन किया गया है; और
- (ग) प्रारूप रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रस्ताव पत्र में किये गये प्रकटीकरण सत्य, निष्पक्ष और पर्याप्त हैं ताकि विनिधानकर्ता प्रस्तावित निर्गम में विनिधान के बारे में सोच-समझकर निर्णय ले सकने में समर्थ हो सकें और ऐसे प्रकटीकरण कंपनी अधिनियम, 1956 की अपेक्षाओं, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 और अन्य लागू कानूनी अपेक्षाओं के अनुसार है।
- (3) हम पुष्टि करते हैं कि हमारे अलावा, इस प्रारूप रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रस्ताव पत्र में नामित सभी मध्यवर्ती बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हैं और यह कि आज की तारीख में ऐसा रजिस्ट्रीकरण वैध है।
- (4) हमने हामीदारों के उनके प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के सामर्थ्य के बारे में अपना समाधान कर लिया है।
- (5) हम प्रमाणित करते हैं कि अवरुद्धता (लॉक-इन) के अध्यधीन संप्रवर्तकों के अंशदान के भाग के तौर पर प्रस्तावित उनकी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को शामिल करने के लिए संप्रवर्तकों की लिखित सहमति प्राप्त कर ली गयी है और बोर्ड के पास प्रारूप रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रॉस्पेक्टस दाखिल किये जाने की तारीख से आरंभ होनेवाली और प्रारूप रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रॉस्पेक्टस में यथा कथित अवरुद्धता अवधि आरंभ होने की तारीख तक की अवधि के दौरान अवरुद्धता के अध्यधीन संप्रवर्तकों के अंशदान का भाग बनाने के लिए प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का संप्रवर्तकों द्वारा निपटान नहीं किया जायेगा / को बेचा नहीं जायेगा / अंतरित नहीं किया जायेगा।
- (6) हम प्रमाणित करते हैं कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के विनियम 33, जो संप्रवर्तक अंशदान की संगणना के लिए अपात्र प्रतिभूतियों से संबंधित हैं, का विधिवत् पालन किया गया है और उक्त विनियम की अनुपालना के तौर पर प्रारूप रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रॉस्पेक्टस में समुचित प्रकटीकरण किये गये हैं।
- (7) हम वचन देते हैं कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के विनियम 32 के उप-विनियम (4) और विनियम 8 के उप-विनियम (2) के खंड (ग) और (घ) का पालन किया जायेगा। हम पुष्टि करते हैं कि यह सुनिश्चित करने के लिए इंतजाम किया गया है कि निर्गम खुलने के कम से कम एक दिन पहले संप्रवर्तकों का अंशदान वसूल किया जायेगा। हम वचन देते हैं कि लेखापरीक्षकों का इस आशय का प्रमाणपत्र बोर्ड के पास विधिवत् प्रस्तुत किया जायेगा। हम यह भी पुष्टि करते हैं कि यह सुनिश्चित करने के लिए इंतजाम किये गये हैं कि संप्रवर्तकों के अंशदान को अनुसूचित वाणिज्य बैंक के पास निलंब खाते (एस्करो अकाउंट) में रखा जायेगा और इसे सार्वजनिक निर्गम के आगमों के साथ निर्गमकर्ता को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
- (8) हम प्रमाणित करते हैं कि निर्गमकर्ता के प्रस्तावित क्रियाकलाप, जिनके लिए वर्तमान निर्गम में निधियाँ जुटायी जा रही हैं, निर्गमकर्ता के संघ ज्ञापन या अन्य चार्टर के उद्देश्य खंड में सूचीबद्ध 'मुख्य उद्देश्यों' के अंतर्गत आते हैं और यह कि अब तक किये गये क्रियाकलाप इसके संघ ज्ञापन के उद्देश्य खंड के निबंधनों के अनुसार मान्य हैं।

- (9) हम पुष्टि करते हैं कि यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक इंतजाम किये गये हैं कि निर्गम के अनुसरण में प्राप्त धन कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 73 की उप-धारा (3) के उपबंधों के अनुसार पृथक् बैंक खाते में रखा जाता है और यह कि प्रॉस्पेक्टस / प्रस्ताव पत्र में उल्लिखित सभी स्टॉक एक्सचेंजों से अनुज्ञा प्राप्त होने के बाद ही ऐसे धन को उक्त बैंक द्वारा निर्मोचित किया जाता है। हम यह भी पुष्टि करते हैं कि निर्गम बैंककारों और निर्गमकर्ता के बीच हुए करारनामे में यह शर्त विशेष रूप से समाविष्ट है।
- (10) हम प्रमाणित करते हैं कि प्रारूप रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रस्ताव पत्र में प्रकटीकरण किया गया है कि विनिधानकर्ताओं को गैर कागजी रूप में या कागजी रूप में शेयर प्राप्त करने का विकल्प दिया जायेगा।
- (11) हम प्रमाणित करते हैं कि प्रकटीकरणों के अलावा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी निर्गम और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 में आज्ञापित सभी लागू प्रकटीकरण किये गये हैं, जो हमारी दृष्टि में, विनिधानकर्ता को सोचसमझकर निर्णय ले सकने में समर्थ करने के लिए ऋजु और उपयुक्त हैं।
- (12) हम प्रमाणित करते हैं कि प्रारूप रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रस्ताव पत्र में निम्नलिखित प्रकटीकरण किये गये हैं:
- (क) निर्गमकर्ता से वचन कि किसी भी समय, निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों के लिए केवल एक ही मूल्यवर्ग (डिनामिनेशन) होगा और
- (ख) निर्गमकर्ता से वचन कि यह बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण और लेखा मानदंडों का अनुपालन करेगा।
- (13) हम निर्गम करते समय भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी निर्गम और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के निबंधनों के अनुसार विज्ञापन से संबंधित विनियमों का अनुपालन करने का वचन देते हैं।
- (14) हम यह कि हमने वर्तमान कारबारी पृष्ठभूमि या निर्गमकर्ता के स्वरूप के दृष्टिगत सम्यक् तत्परता का पालन किस प्रकार किया, प्रास्थिति जिसमें प्रस्तावित कारबार है, जोखिम कारक, संप्रवर्तकों के अनुभव इत्यादि का स्पष्टीकरण देनेवाली एक टिप्पणी संलग्न करते हैं।
- (15) हम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के लागू उपबंधों की विनियम के अनुसार अनुपालना की पुष्टि करते हुए एक जाँच-सूची संलग्न करते हैं जिसमें विनियम संख्या, इसका पाठ, अनुपालना की प्रास्थिति, प्रारूप रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रॉस्पेक्टस / प्रारूप प्रस्ताव पत्र जहाँ विनियम की अनुपालना की गयी है की पृष्ठ संख्या और हमारी टिप्पणियाँ यदि कोई हो, अंतर्विष्ट होंगी।

स्थान :
तारीख :

निर्गम का (के) मर्चेन्ट बैंककार
प्राधिकारिक मुद्रा (मुद्राओं) सहित

टिप्पणी : मद 5,6 और 7 की अपेक्षाएँ साधिकार निर्गम के मामले में लागू नहीं हैं।

प्रारूप ख
[विनियम 8(1)(घ) और 10(3)(ख)]

डिबेंचर न्यासी द्वारा प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज के साथ दिये जाने वाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फॉर्मेट

प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रिय महोदय / महोदया,

विषय: _____ (निर्गमकर्ता का नाम) द्वारा _____ का सार्वजनिक / साधिकार निर्गम

हम, ऊपर उल्लिखित आगामी निर्गम के डिबेंचर न्यासी निम्नानुसार कथन करते हैं कि:

- (1) हमने उक्त निर्गम से संबंधित दस्तावेजों की परीक्षा कर ली है।
- (2) हमने सृजित की जानेवाली प्रतिभूति से संबंधित सुसंगत दस्तावेजों की भी परीक्षा कर ली है।
- (3) ऐसी परीक्षा के और निर्गमकर्ता, इसके निदेशकों तथा अन्य अधिकारियों, अन्य एजेंसियों के साथ चर्चाओं के और विभिन्न सुसंगत दस्तावेजों के स्वतंत्र सत्यापन के आधार पर, हम यह पुष्टि करते हैं कि:
 - (क) निर्गमकर्ता ने निर्गमित किये जानेवाले प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के लिए सुरक्षा / आस्ति कवर के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएँ की हैं और / या व्यवस्था करने के लिए कदम उठाये हैं।
 - (ख) निर्गमकर्ता ने दूसरे प्रभार / समगति से प्रभार (जहाँ कहीं लागू हो) के रूप में संपत्ति पर प्रतिभूति का सृजन करने के लिए आवश्यक अनुज्ञाएँ / सहमतियाँ अभिप्राप्त कर ली हैं।
 - (ग) निर्गमकर्ता ने सुरक्षा / आस्ति कवर के बारे में सभी सुसंगत प्रकटीकरण किये हैं।
 - (घ) निर्गमकर्ता ने संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के धारकों के प्रति अपनी सतत बाध्यताओं के बारे में भी सुसंगत प्रकटीकरण किये हैं।
 - (ङ) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के बारे में प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज / प्रस्ताव पत्र में किये गये सभी प्रकटीकरण विनिधानकर्ताओं को प्रस्तावित निर्गम में विनिधान करने के संबंध में सोच-समझकर विनिश्चय करने में समर्थ बनाने के लिए सत्य, ऋजु और पर्याप्त हैं।
- (4) हमने ऋण प्रतिभूतियों की तामील के लिए निर्गमकर्ता की योग्यता के बारे में स्वयं का समाधान कर लिया है।

स्थान
तारीख:

निर्गम का डिबेंचर न्यासी
अपनी प्राधिकारिक मुद्रा सहित

टिप्पणी : अप्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के बारे में, डिबेंचर न्यासी उपर्युक्त मद 2 और 3 की उप-मद (क), (ख) और (ग) में कथित अपेक्षाओं को प्रमाणित और की पुष्टि नहीं करेगा।

प्ररूप ग
[विनियम 8(2)(ख)देखें]

कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर / नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करते समय मर्चेन्ट बैंककार द्वारा दिये जानेवाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फार्मेट प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रिय महोदय,

विषय: _____ द्वारा (निर्गमकर्ता का नाम) _____ का सार्वजनिक / साधिकार निर्गम

- (1) यह प्रमाणित किया जाता है कि _____ (तारीख) को कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रीकृत रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (बही निर्मित निर्गम के मामले में) / प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत निर्गम के मामले में) / नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) को बोर्ड को सूचना देते हुए उपयुक्त रूप से अद्यतन बनाया गया था और यह कि उक्त तारीख को उक्त रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रॉस्पेक्टस या प्रस्ताव पत्र में निर्गमकर्ता के बारे में सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण अंतर्विष्ट है।
- (2) हम पुष्टि करते हैं कि रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रॉस्पेक्टस या प्रस्ताव पत्र में नामित सभी मध्यवर्तियों के रजिस्ट्रीकरण आज की तारीख को वैध हैं और यह कि इन मध्यवर्तियों में से किसी को भी किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा कार्य करने से विवर्जित नहीं किया गया है।
- (3) हम पुष्टि करते हैं कि संप्रवर्तकों से अवरुद्धता (लॉक इन) के अध्यक्षीन उनकी प्रतिभूतियों को संप्रवर्तकों के अंशदान के भाग के रूप में शामिल करने के लिए लिखित सहमति अभिप्राप्त कर ली गयी है।
- (4) हम यह भी पुष्टि करते हैं कि संप्रवर्तकों के अंशदान का भाग बनाने के लिए प्रस्तावित और अवरुद्धता अवधि के अध्यक्षीन प्रतिभूतियों को बोर्ड के पास प्रारूप प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने की तारीख से आज की तारीख तक की अवधि के दौरान संप्रवर्तकों द्वारा निपटाया / बेचा / अंतरित नहीं किया गया है।
- (5) हम पुष्टि करते हैं कि निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों को गैर कागजी रूप देने के लिए दोनों निक्षेपागारों के साथ करार किया गया है।
- (6) हम प्रमाणित करते हैं कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के विनियम 32 के उप-विनियम (4) के प्रथम परंतुक की अपेक्षाओं के अनुसार, नकदी प्रवाह विवरण तैयार कर लिया गया है और इसे रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस और / या प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किया गया है।

स्थान
तारीख:

निर्गम का (के) मर्चेन्ट बैंककार उसकी (उनकी)
प्राधिकारिक मुद्रा (मुद्राओं) सहित

टिप्पणी:- साधिकार निर्गम के मामले में उपर्युक्त मद 3,4 और 6 की अपेक्षाएँ लागू नहीं होंगी।

प्ररूप घ
[विनियम 8(2)(ड) देखें]

निर्गम खुलने के ठीक पहले मर्चेट बैंककार द्वारा दिया जानेवाला सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का
फार्मेट

प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
प्रिय महोदय,

विषय: _____ द्वारा (निर्गमकर्ता का नाम) _____ का सार्वजनिक /
साधिकार निर्गम

(1) यह प्रमाणित किया जाता है कि (तारीख) _____ को कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रीकृत रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (बही निर्मित निर्गम के मामले में) / प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत निर्गम के मामले में) / नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) और अनुवर्ती संशोधनों / तारीख _____ के विज्ञापनों (यदि लागू हों) (विज्ञापनों के ब्यौरे संलग्न किये जाएँ) के माध्यम से निर्गमकर्ता के बारे में निर्गम के खुलने की तारीख तक के सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण किये गये हैं। हम पुष्टि करते हैं:

- (क) कि रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रॉस्पेक्टस या प्रस्ताव पत्र में नामित सभी मध्यवर्तियों के रजिस्ट्रीकरण आज की तारीख को वैध हैं और यह कि आज की तारीख को इन मध्यवर्तियों में से किसी को भी किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा कार्य करने से विवर्जित नहीं किया गया है।
- (ख) कि बोर्ड के पास प्रारूप प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने की तारीख से आज की तारीख तक की अवधि के दौरान संप्रवर्तकों द्वारा संप्रवर्तकों के अंशदान का भाग बनाने के लिए प्रस्तावित और अवरुद्धता अवधि के अध्यक्षीन प्रतिभूतियों को निपटाया / बेचा / अंतरित नहीं किया गया है।
- (ग) कि संक्षिप्त (अब्रिज्ड) प्रॉस्पेक्टस / प्रस्ताव पत्र में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण) विनियम, 2009 में यथाविनिर्दिष्ट सभी प्रकटीकरण अंतर्विष्ट हैं।

स्थान:

निर्गम का (के) मर्चेट बैंककार
प्राधिकारिक मुद्रा (मुद्राओं) के साथ

तारीख

टिप्पणी: उपर्युक्त मद 2(ख) की अपेक्षाएँ साधिकार निर्गम के मामले में लागू नहीं हैं।

प्ररूप ड
[विनियम 8(2)(च)देखें]

निर्गम के खुलने के पश्चात् परन्तु अभिदान बंद होने से पहले मर्चेट बैंककार द्वारा दिये जानेवाले
 सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फार्मेट

प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रिय महोदय,

विषय: _____ द्वारा (निर्गमकर्ता का नाम) _____ का सार्वजनिक /
 साधिकार निर्गम

- (1) यह प्रमाणित किया जाता है कि (तारीख) _____ को कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रीकृत रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (बही निर्मित निर्गम के मामले में) / प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत निर्गम के मामले में) / नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) और अनुवर्ती संशोधनों / तारीख _____ के विज्ञापनों (यदि लागू हों) (विज्ञापनों के व्यौरे संलग्न किये जाएँ) के माध्यम से निर्गमकर्ता के बारे में आज तक के सभी महत्वपूर्ण प्रकटीकरण किये गये हैं।
- (2) हम पुष्टि करते हैं कि रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रॉस्पेक्टस या प्रस्ताव पत्र में नामित सभी मध्यवर्तियों के रजिस्ट्रीकरण आज की तारीख को वैध हैं और यह कि इन मध्यवर्तियों में से किसी को भी किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा कार्य करने से विवर्जित नहीं किया गया है।
- (3) हम यह भी पुष्टि करते हैं कि संप्रवर्तकों के अंशदान का भाग बनाने के लिए प्रस्तावित और अवरुद्धता अवधि के अध्यक्षीन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को बोर्ड के पास प्रारूप प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने की तारीख से आज की तारीख तक की कालावधि के दौरान संप्रवर्तकों द्वारा निपटाया / बेचा / अंतरित नहीं किया गया है।

स्थान:

निर्गम का (के) मर्चेट बैंककार
 प्राधिकारिक मुद्रा (मुद्राओं) के साथ

तारीख

टिप्पणी : साधिकार निर्गम के मामले में उपर्युक्त मद 3 की अपेक्षाएँ लागू नहीं हैं।

प्ररूप च
[विनियम 10(3)(क) देखें]

**तीव्र (फास्ट ट्रैक) निर्गम के लिए प्रस्ताव दस्तावेज के साथ दिये जानेवाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र में
मर्चेण्ट बैंककार द्वारा दिया जानेवाला अतिरिक्त पुष्टिकरण / प्रमाणन**

- (1) हम पुष्टि करते हैं कि रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (बही निर्मित निर्गम के मामले में) / प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमतवाले निर्गम के मामले में) / प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) में नामित मध्यवर्तियों में से किसी को भी किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा क्रियाकलाप करने से विवर्जित नहीं किया गया है।
- (2) हम पुष्टि करते हैं कि निर्गमकर्ता भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण) विनियम, 2009 के विनियम 10 के निबंधनों के अनुसार तीव्र (फास्ट ट्रैक) निर्गम करने के लिए पात्र है। निर्गमकर्ता द्वारा, उस विनियम में यथा विनिर्दिष्ट पात्रता मानदंड पूरा किये जाने का प्रकटीकरण भी रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (बही निर्मित निर्गम के मामले में) / प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमतवाले निर्गम के मामले में) / प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) में किया गया है।
- (3) हम पुष्टि करते हैं कि रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (बही निर्मित निर्गम के मामले में) / प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमतवाले निर्गम के मामले में) / प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) में निर्गमकर्ता के बारे में सभी तात्त्विक उद्घाटनों किये गये हैं और प्रमाणित करते हैं कि इस निर्गम के माध्यम से प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता और व्यापार के आरंभ होने तक निर्गमकर्ता में या निर्गम के संबंध में किसी तात्त्विक उद्घाटना को उन सभी समाचारपत्रों में, जिनमें निर्गम-पूर्व विज्ञापन और निर्गम के खुलने या बंद होने का विज्ञापन दिया गया है, सार्वजनिक सूचनाओं / विज्ञापनों के माध्यम से सूचित किया जायेगा।
- (4) हम पुष्टि करते हैं कि संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस / संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी निर्गम और प्रकटीकरण) विनियम, 2009 में यथाविनिर्दिष्ट सभी प्रकटीकरण अंतर्विष्ट हैं।
- (5) हम पुष्टि करते हैं कि निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को गैर कागजी रूप देने के लिए निक्षेपागारों के साथ करार किये गये हैं।
- (6) हम प्रमाणित करते हैं कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के विनियम 32 के उप-विनियम (4) के प्रथम परंतुक की अपेक्षाओं के अनुसार, नकदी प्रवाह विवरण तैयार कर लिया गया है और इसे रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस और / या प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किया गया है।

स्थान:

निर्गम का (के) मर्चेण्ट बैंककार
प्राधिकारिक मुद्रा (मुद्राओं) के साथ

तारीख

प्ररूप छ
[विनियम 65(3) देखें]

**निर्गम के पश्चात् की अंतिम रिपोर्ट के साथ मर्चेट बैंककार द्वारा दिये जानेवाले सम्यक् तत्परता
प्रमाणपत्र का फॉर्मेट**

प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड,

प्रिय महोदय

विषय: _____ (निर्गमकर्ता का नाम) द्वारा _____ सार्वजनिक /
साधिकार निर्गम

हम, ऊपर उल्लिखित निर्गम के निर्गम पश्चात् के निम्नलिखित अप्रणी मर्चेट बैंककार निम्नानुसार कथन करते हैं:

(1) हम पुष्टि करते हैं कि -

- (क) रुद्ध विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के बारे में प्रमाणपत्रों पर अनंतरणीयता की अवधि सूचित करते हुए "अनंतरणीय" का स्टॉप लगा है;
- (ख) यदि अवरुद्धता के लिए प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ गैरकागजी रूप में हैं, तो निक्षेपागारों को अनंतरणीयता संबंधी ब्यौरे सूचित किये गये हैं;
- (ग) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता से पहले उन सभी स्टॉक एक्सचेंजों को अवरुद्धता के ब्यौरे उपलब्ध कराये गये हैं जिनमें विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किया जाना है।

(2) हम प्रमाणित करते हैं कि न्यूनतम संप्रवर्तक-अभिदान के रूप में सम्मिलित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों और न्यूनतम संप्रवर्तक-अभिदान के आधिक्य में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के विनियम 36 के निबंधनों अनुसार रुद्ध किया गया है।

(3) हम प्रमाणित करते हैं कि संप्रवर्तकों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा धारित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की अवरुद्धता से संबंधित उपबंधों का भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के विनियम 37 के अनुसार सम्यक् रूप से अनुपालन किया गया है।

स्थान
तारीख:

निर्गम का (के) मर्चेट बैंककार उसकी (उनकी)
प्राधिकारिक मुद्रा (मुद्राओं) सहित

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची VII [विनियम 11(4) देखें]

प्रस्ताव दस्तावेज में अद्यतनीकरण / परिवर्तन का स्वरूप और अद्यतन प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने के लिए अपेक्षित अनुवर्ती कार्रवाई

- (1) परिवर्तन जिनसे बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को नये सिरे से, फीस के साथ दाखिल करना अपेक्षित है। यदि प्रस्ताव दस्तावेज में निम्नलिखित की बाबत परिवर्तन किये जाते हैं, निर्गमकर्ता विनियम 6 के निबंधनों के अनुसार बोर्ड के पास अनुसूची IV के भाग क में यथाविनिर्दिष्ट फीस के साथ नया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करेगा:
 - (क) निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक या नियंत्रणाधीन व्यक्तियों में परिवर्तन।
 - (ख) निर्गमकर्ता आधे से अधिक निदेशक मंडल में परिवर्तन।
 - (ग) निर्गमकर्ता के मुख्य उद्देश्य खंड में परिवर्तन।
 - (घ) निर्गम के उद्देश्यों में कोई वृद्धि या कमी जिसका परिणाम अनुमानित निर्गम आकार या वित्त के अनुमानित साधनों में दस प्रतिशत से अधिक परिवर्तन के रूप में होता है।
 - (ङ) अनुमानित निर्गम आकार में दस प्रतिशत से अधिक कोई वृद्धि या कमी।
 - (छ) निर्गम के किन्हीं उद्देश्यों में अनुमानित अभिनियोजन में दस प्रतिशत से अधिक कोई वृद्धि या कमी।
 - (ज) परिवर्तन जिसका परिणाम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के उपबंधों का अनुपालन न करना हो और अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार विनियमों के विनियम 109 के अधीन शिथिलीकरण माँगने का आशय हो।
- (2) परिवर्तन जिनसे बोर्ड के पास फीस के साथ अद्यतन प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करना अपेक्षित है :
 - (क) यदि प्रस्ताव दस्तावेज में निम्नलिखित के बारे में परिवर्तन किये जाते हैं, निर्गमकर्ता बोर्ड के पास अनुसूची IV में यथाविनिर्दिष्ट फीस के साथ अद्यतन प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करेगा:
 - (i) खंड 1 : जोखिम कारक: कोई तात्त्विक उद्घटना जिसका परिणाम संभावित जोखिम के रूप में हो और जिसे इस खंड में अद्यतन बनाया जाना अपेक्षित हो।
 - (ii) खंड 2 : पूँजी संरचना: संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह की शेयरधारिता में 5% या अधिक की सकल वृद्धि या शीर्ष के दस शेयरधारकों की शेयरधारिताओं में 5% या अधिक की सकल वृद्धि।

- (iii) खंड 3 : निर्गम आकार : निर्गम के उद्देश्यों में कोई परिवर्धन या विलोपन जिसका परिणाम अनुमानित निर्गम आकार या वित्त के अनुमानित साधनों में दस प्रतिशत से अनधिक परिवर्तन के रूप में होता है।
- (iv) खंड 4 : प्रबंध तंत्र: किसी नये निदेशक की नियुक्ति।
- (v) खंड 5 : संप्रवर्तक समूह: संप्रवर्तक समूह और समूह कंपनियों में कोई परिवर्धन।
- (vi) खंड 6 : वित्तीय विवरण: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड को प्रस्तुत अंतिम अद्यतन वित्तीय विवरणों से करोपरांत शुद्ध लाभ या करोपरांत शुद्ध हानि और / या असाधारण मदों में 10% के आधिक्य में अंतर।
- (vii) खंड 7 : विधिक और अन्य जानकारी : कोई नया मुकदमा या लंबित मुकदमे के बारे में कोई उद्घटना, जो मर्चेन्ट बैंककारों को ध्यान में रखते हुए तात्विक है।

(ख) बोर्ड के पास अद्यतन प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने के पश्चात्, निर्गमकर्ता बोर्ड से इस आशय का पुष्टिकरण प्राप्त करने के पश्चात् निर्गम संबंधी कार्यवाही कर सकेगा।

(3) परिवर्तन जिनमें बोर्ड के पास अद्यतन प्रस्ताव दस्तावेज, फीस के बिना, दाखिल करना अपेक्षित है: प्रस्ताव दस्तावेज में अन्य सभी परिवर्तनों / अद्यतनीकरणों को जो उपर्युक्त पैरा (1) और (2) के अंतर्गत नहीं आते हैं प्रस्ताव दस्तावेज में लाया जायेगा और अद्यतन प्रस्ताव दस्तावेज को बोर्ड के पास बिना फीस के दाखिल किया जायेगा।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम,

2009

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची VIII

[विनियम 14(3), 37(क), 44, 45(1)(च), 57(2)(क), 57(2) ख, 58(1) और 58 (2) देखें]

प्रस्ताव दस्तावेज, संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस और संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में प्रकटीकरण

शब्द "समूह कंपनियाँ" जहाँ कहीं भी आये, से निर्गमकर्ताओं के संप्रवर्तकों द्वारा संप्रवर्तित कंपनियाँ, फर्म, उद्यम इत्यादि अभिप्रेत हैं, इसका विचार किये बिना कि ये सत्ताएँ (एंटिटी) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 370 (1) (ख) के अंतर्गत आती हैं या नहीं।

भाग क

[विनियम 14(3), 37(क), 44, 45(1)(च), 57(2)(क) और 57(2)(ख) देखें]

रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस, शेलफ प्रॉस्पेक्टस और प्रॉस्पेक्टस में प्रकटीकरण

(1) अनुदेश :

(क) प्रस्ताव दस्तावेज में केवल सुसंगत और अद्यतन जानकारी और आँकड़े प्रस्तुत किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त, किये गये सभी कथनों या दावों के स्रोत और आधार प्रकट किये जायेंगे।

‘बाजार नेता’, ‘अग्रणी खिलाड़ी’, इत्यादि जैसे शब्दों का तब तक इस्तेमाल नहीं किया जायेगा जब तक कि वे जानकारी के उपयुक्त स्रोत द्वारा सिद्ध नहीं हो जाते।

(ख) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर करने या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में इसे दाखिल करने से पहले प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में सभी रिक्त स्थानों में उपयुक्त आँकड़े भरे जायेंगे।

(ग) प्रस्ताव दस्तावेज की विषय वस्तु को आसानी से समझने के लिए आसान अंग्रेजी का प्रयोग किया जायेगा। निर्गमकर्ता के कारबार को समझाने के लिए इस्तेमाल किये गये तकनीकी शब्दों को आसान शब्दों का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट किया जा सकेगा ताकि विनिधानकर्ताओं द्वारा बेहतर समझ पाना सुनिश्चित हो सके।

(घ) प्रस्ताव दस्तावेज में जहाँ कहीं भी यह उल्लेख हो कि ब्यौरे दस्तावेज में कहीं और दिये गये हैं, वहाँ पृष्ठ और पैराग्राफ संख्या दर्शाते हुए इसके लिए पर्याप्त रूप से प्रति-निर्देश दिया जायेगा।

(ङ) प्रस्ताव दस्तावेज में ऐसा कोई आशावादी कथन नहीं किया जाना चाहिए जिसे साबित न किया जा सके।

(च) प्रकटीकरणों की शैली की निरंतरता सुनिश्चित की जाए। यदि प्रथम पुरुष का इस्तेमाल किया जाता है, तो पूरे समय उसीका इस्तेमाल किया जाये। ऐसे वाक्यों से बचा जाए जिनमें प्रथम और अन्य पुरुष के संयोजन का इस्तेमाल किया जाए।

(छ) निर्गमकर्ता सुनिश्चित करेगा कि वे सभी महत्वपूर्ण मामले जो निर्गम से पहले या के बाद में, सूचित किये गये या रिपोर्ट परिचालित की गयी, जो निर्गमकर्ता द्वारा या निर्गमकर्ता की ओर से किसी व्यक्ति द्वारा किये गये या जिनके लिए निर्गमकर्ता दायी माना गया है या माना जा सकता है, जिनका सोच-समझकर निर्णय लेने में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है; को भी प्रस्ताव दस्तावेज में रखा जायेगा परंतु उस दशा में नहीं जब विनियमों के अधीन ऐसा करने की विशेष रूप से मनाही हो।

(2) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का सार्वजनिक निर्गम करनेवाला निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में निम्नलिखित प्रकटीकरण करेगा। तथापि, विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों में तीव्र (फास्ट ट्रेक) निर्गम लानेवाला निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में इस अनुसूची के भाग ख में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण न करे। इसके अतिरिक्त, विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों में अतिरिक्त सार्वजनिक प्रस्ताव करनेवाला निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में इस अनुसूची के भाग ग में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण न करे, यदि यह उस भाग के पैरा 2 में विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा करता है।

(1) **मुख पृष्ठ (कवर पेज):** मुख पृष्ठ का कागज की मोटाई पर्याप्त होगी (अधिमानत: न्यूनतम सौ जीसीएम गुणवत्ता)।

(क) **अगला मुख पृष्ठ (फ्रंट कवर पेज) :**

(1) प्रस्ताव दस्तावेज के बाहरी और भीतरी अगला मुख पृष्ठ (फ्रंट कवर पेज) सफेद होंगे और इन पृष्ठों पर कोई आकृति-बंध (पैटर्न) या रंगचित्र (पिक्चर) मुद्रित नहीं होगा।

(2) प्रस्ताव दस्तावेज के बाहरी अग्र मुख पृष्ठ पर केवल निम्नलिखित निर्गम ब्यौरे होंगे :

(क) प्रस्ताव पत्र का प्रकार (“रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस” / “शेल्फ प्रॉस्पेक्टस” / “प्रॉस्पेक्टस”)

(ख) निर्गमकर्ता का नाम, इसके निगमन की तारीख और स्थान, इसका लोगो, इसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, इसकी दूरभाष संख्या, फैक्स

संख्या, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट का पता, ई-मेल पता और जहाँ निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के पते और नाम में कोई परिवर्तन हुआ हो, वहाँ प्रस्ताव दस्तावेज के उस पृष्ठ का संदर्भ जिस पर उसके ब्यौरे दिये गये हैं।

- (ग) निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों के नाम
- (घ) प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का स्वरूप, संख्या, कीमत और राशि तथा निर्गम आकार, जो भी लागू हो।
- (ङ) शेल्फ प्रॉस्पेक्टस के जरिये किये जानेवाले विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के प्रस्ताव के सभी चरणों के माध्यम से जुटाये जाने के लिए प्रस्तावित सकल राशि।
- (च) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में "प्रथम निर्गम संबंधी जोखिम" के संबंध में निम्नलिखित खंड (जहाँ कहीं लागू हो) बॉक्स फॉर्मेट में सम्मिलित किया जायेगा:

"यह निर्गमकर्ता का पहला निर्गम होने के कारण, निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों के लिए कोई औपचारिक बाजार नहीं रहा है। इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य (-----) है और निर्गम कीमत / आधार मूल्य (फ्लोर प्राइस) / कीमत-दायरा (प्राइस बैंड) अंकित मूल्य का 'X गुना' है। निर्गम मूल्य / आधार मूल्य / कीमत-विस्तार (जिसका अवधारण और औचित्य निर्धारण "निर्गम कीमत का आधार" पैराग्राफ में कथित अनुसार अग्रणी मर्चेन्ट बैंकर तथा निर्गमकर्ता द्वारा किया गया है) को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के सूचीबद्ध हो जाने के बाद बाजार कीमत का सूचक नहीं समझा जाना चाहिए। न तो निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों में सक्रिय या निरंतर व्यापार के संबंध में और न ही उस कीमत के संबंध में जिस पर सूचीबद्धता के बाद इक्विटी शेयर व्यापारित होंगे कोई आश्वासन दिया जा सकता है।"

- (छ) "सामान्य जोखिम" संबंधी निम्नलिखित खंड को बॉक्स रूप में सम्मिलित किया जायेगा:

"इक्विटी और इक्विटी संबंधी प्रतिभूतियों में विनिधान में जोखिम होता है और विनिधानकर्ताओं को इस प्रस्ताव में किसी निधि में तब तक विनिधान नहीं करना चाहिए जब तक कि वे अपने विनिधान को गँवाने का जोखिम उठा सकते हों। विनिधानकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे इस प्रस्ताव में विनिधान संबंधी निर्णय लेने से पहले जोखिम कारकों को सावधानीपूर्वक पढ़ें। विनिधान संबंधी निर्णय लेने के लिए, विनिधानकर्ताओं को निर्गमकर्ता और अंतर्वलित जोखिमों सहित प्रस्ताव के संबंध में स्वयं द्वारा की गयी परीक्षा पर विश्वास करना चाहिए। ये प्रतिभूतियाँ न तो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा संस्तुत या अनुमोदित हैं और न ही भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड इस दस्तावेज की शुद्धता और पर्याप्तता की गारंटी देता है। खंड "सामान्य जोखिम" के अधीन पृष्ठ संख्या पर दिये गये "जोखिम कारकों"

के कथन की तरफ विनिधानकर्ताओं का ध्यान विशेष रूप से आकृष्ट किया जाता है।"

- (ज) "निर्गमकर्ता की पूर्ण जिम्मेदारी" पर निम्नलिखित खंड को बॉक्स रूप में सम्मिलित किया जायेगा:

"निर्गमकर्ता, जिसने सभी समुचित जाँच कर ली है, जो इसके लिए जिम्मेदारी स्वीकारता है और पुष्टि करता है कि इस प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गमकर्ता और निर्गम से संबंधित वह सभी जानकारी अंतर्विष्ट है जो निर्गम के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, कि प्रस्ताव दस्तावेज में अंतर्विष्ट जानकारी सभी महत्वपूर्ण पहलुओं से सत्य और सही है और किसी भी महत्वपूर्ण पहलू से भ्रामक नहीं है, कि इसमें अभिव्यक्त अभिमत और आशय ईमानदारी से प्रस्तुत किये गये हैं और कि ऐसा कोई तथ्य नहीं है, जिसका लोप इस दस्तावेज को समग्र रूप से या ऐसी किसी जानकारी या ऐसे किसी अभिमत या आशय की अभिव्यक्ति को किसी महत्वपूर्ण पहलू में भ्रामक बनाता है।"

- (झ) सभी अग्रणी मर्चेट बैंककारों के नाम, लोगो तथा पते, उनके अभिनामों के साथ, जिन्होंने सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किये हैं और बोर्ड के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल किया है, उनकी दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या वेबसाइट पते और ई-मेल पते के साथ।
- (ञ) निर्गम रजिस्ट्रार का नाम, लोगो और पता, उसकी दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, वेबसाइट पते और ई-मेल पते के साथ।
- (ट) निर्गम अनुसूची:
- (i) निर्गम खुलने की तारीख।
 - (ii) निर्गम बंद होने की तारीख
 - (iii) निर्गम की पूर्वतम बंद होने की तारीख, यदि कोई है।
- (ठ) साख निर्धारण, यदि लागू है।
- (ड) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में "आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव ग्रेडिंग" शीर्ष के अधीन निम्नलिखित ब्यौरे अंतर्विष्ट किये जायेंगे : आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए अभिप्राप्त सभी ग्रेड और पृष्ठ संख्याओं के संदर्भ जिन पर आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव की ग्रेडिंग के ब्यौरे दिये गये हैं।
- (ढ) उन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के नाम, जहाँ निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध होने के लिए प्रस्तावित हैं, और इन स्टॉक एक्सचेंजों से अभिप्राप्त सूचीबद्धता के सिद्धांततः अनुमोदन के ब्यौरे।
- (ख) पिछला मुख पृष्ठ (बैंक कवर पेज): पिछला भीतरी मुख पृष्ठ (बैंक इनसाइड कवर पेज) और पिछला बाहरी मुख पृष्ठ (बैंक आउटसाइड कवर पेज) सफेद होंगे।

- (II) विषयवस्तु सारणी : अगले आंतरिक मुख पृष्ठ के तुरंत बाद विषयवस्तु सारणी प्रकट होगी।

(III) परिभाषाएँ और संक्षेपाक्षरः

- (क) परंपरागत या सामान्य शब्द
- (ख) निर्गम संबंधी शब्द
- (ग) निर्गमकर्ता या उद्योग संबंधी शब्द
- (घ) संक्षेपाक्षर

(IV) जोखिम कारक :

- (क) उपर्युक्त मद (I) की उप-मद (क) के पैरा (2) के उप-पैरा (च), (छ) और (ज) में विनिर्दिष्ट जोखिम कारकों से इतर, स्पष्ट पठनीय फॉण्ट में (अधिमानतः कम से कम पॉइंट दस आकार का) मुद्रित किये जायेंगे।
- (ख) जोखिम कारकों को वर्गीकृत किया जायेगा, एक वे जो प्रोजेक्ट के लिए विशिष्ट हैं और निर्गमकर्ता के लिए आंतरिक हैं और वे जो बाहरी हैं और निर्गमकर्ता के नियंत्रण से परे हैं।
- (ग) जोखिम कारकों का अवधारण उनकी महत्ता के आधार पर किया जायेगा। जोखिम कारकों की महत्ता का अवधारण करने के लिए निम्नलिखित ध्यान में रखा जायेगा :
 - (1) कुछ जोखिम अकेले महत्त्व नहीं रखते परंतु सामूहिक रूप से विचार करने पर उन्हें महत्त्वपूर्ण पाया जा सकता है।
 - (2) कुछ जोखिमों का ऐसा प्रभाव हो सकता है जो गुणात्मक हो मात्रात्मक नहीं।
 - (3) कुछ जोखिम वर्तमान में महत्त्वपूर्ण न हों, परंतु जिनका भविष्य में महत्त्वपूर्ण प्रभाव हो।
- (घ) प्रस्ताव दस्तावेज में जोखिम कारक निम्नलिखित रीति में प्रकट किये जायेंगे:
 - (1) प्रबंध तंत्र द्वारा परिकल्पित जोखिम
 - (2) जोखिमों से निपटने के लिए प्रस्ताव, यदि कोई हो और रीति जिसमें इससे निपटने का प्रस्ताव किया गया है।
- (ङ) जोखिमों से निपटने के प्रस्तावों में किसी मुकदमे के निश्चयात्मक परिणाम पर कोई आनुमानिक कथन इत्यादि अंतर्विष्ट नहीं होगा।
- (च) जोखिम से निपटने के प्रस्तावों को किसी ऐसे मामले के लिए नहीं दिया जायेगा जो न्यायालय या अधिकरण के समक्ष न्यायाधीन है।
- (छ) जोखिम कारकों को महत्ता के अवरोही क्रम में प्रकट किया जायेगा। जहाँ महत्त्वपूर्ण प्रभाववाले जोखिमों के बारे में कथन किया जाता है, इसके वित्तीय और अन्य प्रभावों को भी प्रकट किया जायेगा। यदि इसका परिमाण नहीं मापा जा सकता है, तो इस तथ्य के बारे में कि इसके प्रभावों को परिमाणित नहीं किया जा सकता है अलग से कथन किया जायेगा।
- (ज) जहाँ लागू हो, वहाँ जोखिम कारकों के प्रकटीकरणों में निम्नलिखित शामिल होगा:
 - (1) भारतीय दंड संहिता के अधीन और प्रतिभूति विधि के अतिक्रमण में आपराधिक आरोप;
 - (2) वे सभी सांविधिक अनापत्तियाँ और अनुमोदन, जिन्हें निर्गमकर्ता द्वारा अभी प्राप्त किया जाना है;
 - (3) निर्गमकर्ता का समय विशेष कारबार;

- (4) निर्गमकर्ता द्वारा पिछले बारह महीनों के भीतर निर्गम कीमत से कम कीमत पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का निर्गम;
- (5) जहाँ निर्गम का कोई उद्देश्य अर्जनों का वित्तपोषण हो, वहाँ अर्जन लक्ष्यों का निर्धारण न करना, निधियों के अंतरिम उपयोग के ब्यौरों और अर्जनों के पूरा होने की संभावित तारीख के साथ;
- (6) यदि उद्योग खंड जिसके लिए निर्गमकर्ता द्वारा निर्गम का प्रस्ताव किया गया है, का पिछले तीन राजकोषीय वर्षों में निर्गमकर्ता की आमदनी में पच्चीस प्रतिशत से कम का योगदान रहा है।
- (7) निर्गमकर्ता या उसके कारबार के किसी खंड की ऐसे किसी एक ग्राहक या कुछेक ग्राहकों पर निर्भरता, जिनमें से किसी एक या अधिक की हानि से निर्गमकर्ता पर तात्विक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- (8) भारत या विदेश में किसी भी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा किसी भी समय निर्गमकर्ता या इसके किसी समनुषंगी या सहयुक्तों की किसी भी प्रतिभूति को सूचीबद्ध करने से इंकार।
- (9) निर्गमकर्ता या इसकी किसी समनुषंगी या समूह कंपनियों द्वारा भारत या विदेश में किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) की सूचीबद्धता अपेक्षाओं को पूरा करने में असफलता और ऐसे एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा अधिरोपित शास्ति के ब्यौरे, यदि कोई हो, जिसमें व्यापार का निलंबन सम्मिलित है।
- (10) स्टॉक एक्सचेंजों पर या काउंटर पर (ओटीसी) बाजार में निर्गमकर्ता की किन्हीं प्रतिभूतियों का व्यापार, यदि मर्यादित या जहाँ-तहाँ है।
- (11) निर्गमकर्ता द्वारा जनता को या किसी व्यक्ति को निजी नियोजन आधार पर जारी बकाया ऋण लिखतों के मामले में, तात्विक प्रसंविदाओं जैसे निर्गम के निबंधनों के अनुसार पूरी सुरक्षा का सृजन, की अनुपालना में चूक, ब्याज की अदायगी में चूक, मोचन में चूक, डिबेंचर मोचन आरक्षिति का सृजन न किया जाना, जहाँ लागू हो वहाँ दांडिक ब्याज की अदायगी में चूक, आस्ति कवर, ब्याज कवर, ऋण-सेवा कवर उपलब्ध न होना या को बनाये न रखना इत्यादि।
- (12) तथ्य कि निर्गमकर्ता, संप्रवर्तक, समूह कंपनियों या सहयुक्तों द्वारा लिये गये अप्रतिभूति ऋण को किसी भी समय उधारदाता द्वारा वापस लिया जा सकता है।
- (13) जमाराशियों की प्रतिसंदाय या उन पर किसी ब्याज के भुगतान में चूक। दायित्व का पुनर्निर्धारण (रोलओवर), यदि कोई है।
- (14) यदि निर्गमकर्ता के संप्रवर्तक / निदेशक एक या अधिक उद्यमों में अंतर्वलित हैं, जो उसी क्रियाकलाप या कारबार के प्रकार के हैं जो कि निर्गमकर्ता का है, तो हित का संभाव्य संघर्ष।
- (15) निर्गमकर्ता और समूह कंपनियों के पिछले निर्गम में कथित उद्देश्यों की तुलना में कार्यनिष्पादन में कमी, जैसा "अन्य विनियामक और कानूनी प्रकटीकरण" खंड में "उद्देश्यों की तुलना में कार्यनिष्पादन" शीर्ष के अधीन प्रकट किया गया है, ऐसी कमियों या विलंबों, को परिमाणित करते हुए।

- (16) उपाचित व्ययों की प्रतिपूर्ति या सामान्य पारिश्रमिक या प्रसुविधाओं से भिन्न निर्गमकर्ताओं के संप्रवर्तकों, निदेशकों या प्रमुख प्रबंध कार्मिकों के हित ।
- (17) निर्गम आगमों का कोई हिस्सा, यदि निर्गमकर्ता या समूह कंपनियों के संप्रवर्तकों, निदेशकों या प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों को भुगतान किये जाने का प्रस्ताव है ।
- (18) सत्ताओं (एंटिटी), जिनसे निर्गमकर्ता ने भूमि अर्जित की है या अर्जन करने का प्रस्ताव है, का निर्गमकर्ता के किन्हीं संप्रवर्तकों या निदेशकों से नातेदारी, यदि कोई हो, सुसंगत व्यौरों के साथ ।
- (19) उन क्रियाकलापों में निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों की पर्याप्त पृष्ठभूमि और अनुभव का अभाव जिसके लिए निर्गम का प्रस्ताव किया गया है ।
- (20) परियोजना, जिसके लिए निर्गम का प्रस्ताव है, के लिए प्रमुख प्रबंध कार्मिकों पर अत्यधिक निर्भरता ।
- (21) निर्गमकर्ता की हानि दिखानेवाली समूह कंपनियाँ ।
- (22) ऋण लिखतों में कोई विनिधान, जो अप्रतिभूत हैं या बाजार दर से कम ब्याज दर वहन करते हैं ।
- (23) विनिधानों के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान न होना ।
- (24) निर्गमकर्ता, और निर्गमकर्ता तथा समूह कंपनियों के संप्रवर्तक और पूर्णकालिक निदेशकों से संबंधित बकाया मुकदमों, विवादों, कानूनी देयों का भुगतान न किये जाने, बैंकों या वित्तीय संस्थानों के प्रति अधिशेषों, बैंकों या वित्तीय संस्थानों के खिलाफ चूकों, आकस्मिक दायित्वों जिनके लिए प्रावधान नहीं किया गया है, आर्थिक अपराधों या सिविल अपराधों के लिए आरंभ की गयी कार्यवाहियों के ब्यौरे (पिछले मामलों को सम्मिलित करते हुए, यदि दोषी पाया गया हो), बोर्ड या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा की गयी कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई के ब्यौरे, इत्यादि का सारांश, मुकदमे के स्वरूप, अंतर्वलित निधियों के परिमाण के साथ, उन पृष्ठों के प्रति संदर्भ सहित जहाँ प्रस्ताव दस्तावेज में विस्तृत प्रकटीकरण किये गये हैं । यदि ऊपर उल्लिखित मुकदमों इत्यादि में से कोई प्रॉस्पेक्टस के दाखिल होने के बाद उद्भूत हो, तो तथ्यों को प्रॉस्पेक्टस में उपयुक्त रूप से सम्मिलित किया जायेगा ।
- (25) परियोजना जिसके लिए सार्वजनिक निर्गम में निधियाँ जुटायी जा रही हैं, के कार्यान्वयन की समयसूची में विलंब, यदि कोई हो ।
- (26) तथ्य कि निर्गम आगमों का परिनियोजन पूर्णतः निर्गमकर्ता के विवेकाधिकार पर है और किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा किसी अनुश्रवण के अध्यक्षीन नहीं है ।
- (27) ऋणात्मक नकदी प्रवाह, यदि कोई हो ।
- (28) तथ्य कि भूमि निर्गमकर्ता के नाम रजिस्ट्रीकृत नहीं है ।
- (29) कार्यकारी पूँजी अपेक्षाओं के बारे में उधारों, बैंक वित्त या संस्थागत वित्त के लिए इंतजामों का कोई अभाव ।
- (30) अल्पावधि (प्रतिभूत और अप्रतिभूत) और दीर्घावधि उधारों के लिए शेरधारकों के करार / संप्रवर्तकों के करार या किसी अन्य करार में इक्विटी शेयरों के हितों से संबद्ध कोई निर्बंधनात्मक प्रसंविदाएँ ।

- (31) सभी विवादित या प्रतिवादित कर माँग और अन्य सरकारी दावें, रकम, कालावधि जिसके लिए ऐसी माँगे या दावे बकाया हैं, वित्तीय विवक्षाओं और मामले की स्थिति के साथ।
- (32) निर्गमकर्ता और कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 370 (1ख) के अभिप्राय में उसी प्रबंधन के अधीन अन्य सूचीबद्ध कंपनियों के खिलाफ बड़ी संख्या में लंबित विनिधानकर्ता शिकायतों का विद्यमान होना।
- (33) प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के मामले में, आस्ति कवर पर सृजित द्वितीय या अवशिष्ट प्रभारों या गौण बाध्यता से सहयुक्त जोखिम।
- (34) संयंत्र और मशीनों के लिए न दिये गये आदेशों से सहयुक्त जोखिम, संयंत्र और मशीनों जिनके लिए आदेश अभी दिये जाने हैं के प्रतिशत और मूल्य निबंधन सूचित करते हुए

(V) **प्रमुख टिप्पणियाँ:** इस खंड में वे टिप्पणियाँ अंतर्विष्ट होंगी जिन्हें प्रधानता दिया जाना अपेक्षित हो और जिनमें निम्नलिखित भी सम्मिलित होगा:

- (क) इस आशय का प्रकटीकरण कि "विनिधानकर्ता, निर्गम से संबंधित किसी शिकायत के लिए, उन मचैट बैंककारों में से किसी से संपर्क कर सकेगा जिन्होंने बोर्ड को सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है"।
- (ख) निर्गम से पहले शुद्ध मालियत (प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट सबसे अंत के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण के अनुसार) और निर्गम आकार।
- (ग) संप्रवर्तकों के लिए प्रति शेयर लागत और प्रति शेयर बही मूल्य।
- (घ) निर्गमकर्ता में कारबारी हित या अन्य हित रखनेवाली समूह कंपनियों के ब्यौरे।
- (ङ) पिछले वर्ष के दौरान समूह और समनुषंगी कंपनियों के साथ निर्गमकर्ता द्वारा संव्यवहारों के ब्यौरे, संव्यवहारों का स्वरूप और संव्यवहारों का संचयी मूल्य।
- (च) यदि बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से तत्काल पूर्व अंतिम तीन वर्षों के दौरान किसी भी समय निर्गमकर्ता के नाम में कोई परिवर्तन होता है, तो परिवर्तन के कारण और क्रियाकलाप जैसा कि नये नाम से प्रकट है करने के लिए क्या तथा कब संगम ज्ञापन के उद्देश्य खंड में संशोधन किया गया।
- (छ) सभी वित्तपोषण इंतजामों के ब्यौरे जिसके द्वारा संप्रवर्तक समूह, कंपनी के निदेशकों जो निर्गमकर्ता की संप्रवर्तक है, निर्गमकर्ता के निदेशकों और उनके नातेदारों ने बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से तुरंत पूर्ववर्ती छह महीनों के दौरान वित्तपोषण करनेवाली सत्ता के कारबार के सामान्य अनुक्रम से भिन्न में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों के क्रय का वित्तपोषण किया है।

(VI) **परिचय :**

(क) **सारांश:**

- (1) निर्गमकर्ता के उद्योग और कारबार का सारांश। यह सारांश निर्गमकर्ता या निर्गम की मुख्य-मुख्य बातें प्रकट के लिए एकपक्षीय नहीं होगा।
- (2) निर्गम संबंधी ब्यौरे, संक्षेप में।
- (3) सारांश जिसमें वित्तीय, परिचालन संबंधी और अन्य आँकड़े समाहित हैं।

(ख) सामान्य जानकारी:

- (1) निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का नाम और पता तथा रजिस्ट्रीकरण संख्या, कंपनी रजिस्ट्रार जिसके पास निर्गमकर्ता रजिस्ट्रीकृत है के पते के साथ ।
- (2) निर्गमकर्ता का निदेशक मंडल ।
- (3) निर्गमकर्ता के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशकों इत्यादि के संक्षिप्त ब्यौरे ।
- (4) कंपनी सेक्रेटरी, विधि सलाहकार और निर्गम बैंककार के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ और ई-मेल पते ।
- (5) अनुपालना अधिकारी का नाम, पता, दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या और ई-मेल पता ।
- (6) मर्चेन्ट बैंककारों, सह प्रबंधकों, निर्गम रजिस्ट्रारों, निर्गम बैंककारों, निर्गम दलालों, सिंडिकेट सदस्यों, स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों इत्यादि के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट पते और ई-मेल पते ।
- (7) निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षकों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ और ई-मेल पते ।
- (8) जहाँ निर्गम से एक से अधिक मर्चेन्ट बैंककार सहयुक्त हों, वहाँ अग्रणी मर्चेन्ट बैंककारों के बीच दायित्वों के परस्पर आबंटन का विवरण ।
- (9) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सार्वजनिक निर्गम के मामले में, साख निर्धारण के निम्नलिखित ब्यौरे:
 - (क) उन सभी साख निर्धारण एजेंसियों के नाम जिनसे संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के लिए साख निर्धारण जिसमें अस्वीकार्य साख निर्धारण शामिल है अभिप्राप्त किये गये हैं ।
 - (ख) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के लिए अभिप्राप्त सभी साख निर्धारणों के ब्यौरे जिनमें अस्वीकार्य साख निर्धारण शामिल हैं ।
 - (ग) प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से पूर्व तीन वर्षों के दौरान संपरिवर्तनीय ऋण लिखत के माध्यम से बाजार में प्रवेश करते समय निर्गमकर्ता के सूचीबद्ध संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों में से किसी के लिए अभिप्राप्त सभी साख निर्धारण ।
- (10) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव ग्रेडिंग के निम्नलिखित ब्यौरे:
 - (क) उन सभी साख निर्धारण एजेंसियों के नाम जिनसे विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए ग्रेडिंग अभिप्राप्त की गयी है ।
 - (ख) ऐसी साख निर्धारण एजेंसियों से अभिप्राप्त सभी ग्रेडों के ब्यौरे ।
 - (ग) इस प्रकार अभिप्राप्त ग्रेडिंग का औचित्य या वर्णन, जैसा कि साख निर्धारण एजेंसी (एजेंसियों) द्वारा प्रस्तुत किया गया ।
- (11) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सार्वजनिक निर्गम के मामले में, डिबेंचर न्यास विलेख के अधीन न्यासियों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ, वेबसाइट पते और ई-मेल पते ।
- (12) अनुश्रवण करनेवाली एजेंसी का नाम, यदि नियुक्त किया गया है, और प्रकटीकरण कि क्या नियुक्ति इन विनियमों के विनियम 16 के अनुसरण में की गयी है ।
- (13) यदि परियोजना का मूल्यांकन किया गया है, तो मूल्यांकक सत्ता (एंटिटी) का नाम, पता, दूरभाष संख्या और ई-मेल पता ।

- (14) जहाँ बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से निर्गम किया जा रहा है, वहाँ बही निर्माण प्रक्रिया को संक्षेप में स्पष्ट करते हुए ब्यौरे।
- (15) हामीदारी संबंधी ब्यौरे, यदि कोई है:
- (क) हामीदारों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ और ई-मेल पते तथा उनके द्वारा की गयी हामीदारी की राशि।
 - (ख) निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल की घोषणा कि हामीदारों के पास उनसे संबंधित बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं।
 - (ग) निर्गम की आंशिक हामीदारी के मामले में, हामीदारी की सीमा।
 - (घ) कंपनी रजिस्ट्रार के पास इसके रजिस्टर होने से पहले प्रॉस्पेक्टस या प्रारंभिक (रेड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में, हामीदारी सहित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की वास्तविक संख्या उपदर्शित करते हुए अंतिम हामीदारी इंतजामों के ब्यौरे।
 - (ङ) हामीदारी करारनामे में प्रत्येक सिंडिकेट सदस्य की भूमिका और बाध्यताएँ सूचीबद्ध की जायेंगी और अन्य बातों के साथ एक खंड अंतर्विष्ट होगा जिसमें बोली के समय विनिधानकर्ताओं द्वारा मार्जिन के रूप में भुगतान किये जानेवाले प्रतिशत का कथन करते हुए यह कथन होगा कि अर्हित संस्थागत क्रेताओं से भिन्न प्रवर्गों से एकत्र मार्जिन बही संचालकों (बुक रनर) या सिंडिकेट सदस्यों ऐसे प्रत्येक प्रवर्ग के लिए एकसमान होगा।

(ग) ग्रीन शू विकल्प, यदि लागू हो:

- (1) स्थिरीकरण (स्टैबिलाइजिंग) अभिकर्ता का नाम
- (2) निर्गमकर्ता द्वारा अति आबंटित होने के लिए प्रस्तावित इक्विटी शेयरों की अधिकतम संख्या, अंकों में और प्रस्तावित निर्गम आकार में उनके प्रतिशत के तौर पर।
- (3) वह अवधि जिसके लिए निर्गमकर्ता स्थिरीकरण प्रणालीतंत्र का लाभ उठाने का प्रस्ताव करता है।
- (4) यदि निर्गमकर्ता के लिए निर्गम में अति आबंटन की सीमा तक अतिरिक्त इक्विटी शेयर आबंटित करना अपेक्षित है, तो निर्गम के पश्चात् निर्गमकर्ता की इक्विटी शेयर पूँजी में अधिकतम बढ़ोतरी और शेयरधारिता पैटर्न।
- (5) अतिरिक्त आबंटन के मामले में निर्गमकर्ता द्वारा प्राप्त की जानेवाली निधियों की अधिकतम राशि और इन अतिरिक्त निधियों का उपयोग प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जायेगा।
- (6) संप्रवर्तकों या शेयरधारकों से इक्विटी शेयर उधार लेने के लिए स्थिरीकरण एजेंटों द्वारा इनके साथ किये गये करार या इंतजाम के ब्यौरे। इन ब्यौरों में अन्य बातों के साथ, संप्रवर्तकों या शेयरधारकों के नाम, निर्गमकर्ता में उनकी विद्यमान शेयरधारिता, उनके द्वारा उधार दिये जानेवाले इक्विटी शेयरों की संख्या और प्रतिशत और अन्य महत्वपूर्ण निबंधन तथा शर्तें जिनमें प्रत्येक पक्ष के अधिकार और बाध्यताएँ हों, सम्मिलित होंगे।
- (7) सार्वजनिक निर्गम के अनुसरण में आबंटित किये जानेवाले इक्विटी शेयरों की निश्चित संख्या, संप्रवर्तकों या शेयरधारकों से उधार लिये जानेवाले इक्विटी शेयरों की संख्या और स्थिरीकरण एजेंट द्वारा अति-आबंटित और कुल निर्गम आकार के संबंध में ऐसे इक्विटी शेयरों के प्रतिशत का अलग-अलग उल्लेख करते हुए।

(घ) पूँजी संरचना :

- (1) पूँजी संरचना को निम्नलिखित रीति में सारणीबद्ध रूप में प्रस्तुत किया जायेगा:
- (क) प्राधिकृत, जारी, अभिदत्त और संदत्त पूँजी (प्रतिभूतियों की संख्या, प्रकार और सकल अंकित मूल्य) ।
 - (ख) वर्तमान निर्गम का आकार, संप्रवर्तकों के अंशदान, विनिर्दिष्ट प्रवर्गों के लिए आरक्षण और जनता को शुद्ध प्रस्ताव अलग-अलग देते हुए (प्रतिभूतियों की संख्या, प्रकार, सकल अंकित मूल्य और निर्गम राशि (इसी क्रम में प्रकट किया जाये), यदि समूह कंपनियों के शेयरधारकों के लिए आरक्षण किया गया है तो समूह कंपनियों के नाम और बही निर्मित निर्गम के मामले में लागू प्रतिशत दिये जाएँ) ।
 - (ग) संदत्त पूँजी:
 - (i) निर्गम के पश्चात् ।
 - (ii) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के पश्चात् (यदि लागू हो) ।
 - (घ) शेयर प्रीमियम लेखा (निर्गम के पूर्व और पश्चात्) ।
- (2) पूँजी संरचना के ब्यौरों के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पणियाँ शामिल की जायेंगी:
- (क) निर्गमकर्ता की विद्यमान शेयर पूँजी के ब्यौरे सारणीबद्ध रूप में, उसमें प्रत्येक आबंटन के संबंध में आबंटन की तारीख, आबंटित शेयरों की संख्या, आबंटित शेयरों का अंकित मूल्य और प्रतिफल का स्वरूप उपदर्शित करते हुए ।
 - (ख) जहाँ शेयरों को किसी भी समय नकद या पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों से भिन्न प्रतिफल के लिए जारी किया जाता है, संबंधित ब्यौरे अलग सारणी में प्रस्तुत किये जायेंगे, उसमें निर्गम की तारीख, वे व्यक्ति जिन्हें जारी किया गया, कीमत, जारी करने के कारण और यह उपदर्शित करते हुए कि निर्गम से निर्गमकर्ता को कोई लाभ उपचित हुआ है ।
 - (ग) जहाँ शेयरों का आबंटन कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391-394 के अधीन अनुमोदित किसी स्कीम के निबंधनों के अनुसार किया गया है, यह तथ्य स्पष्ट रूप से कथित किया जायेगा और ऐसे आबंटित शेयरों के ब्यौरे दिये जायेंगे, प्रस्ताव दस्तावेज के उन पृष्ठ-संख्या के साथ जहाँ ऐसी स्कीम के विस्तृत ब्यौरे दिये गये हैं ।
 - (घ) पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों में से किये गये बोनस शेयरों के मामले में, निर्गम की तारीख और आस्तियों के पुनर्मूल्यांकन की तारीख सूचित करते हुए इनका अलग से उल्लेख करना चाहिए ।
 - (ङ) ऊपर (क) से (घ) में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण निम्नलिखित के अधीन होंगे:
 - (i) जहाँ निर्गमकर्ता ने एक या अधिक कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीमों के अधीन इक्विटी शेयर जारी किये हैं, कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीमों के अधीन जारी इक्विटी शेयरों की विशिष्टियों को तिमाही आधार पर एकत्रित किया जायेगा, जारी किये गये इक्विटी शेयरों की कुल संख्या और वह कीमत-विस्तार उपदर्शित करते हुए जिसमें प्रत्येक तिमाही में इक्विटी शेयर जारी किये गये हैं ।
 - (ii) जहाँ खंड (i) लागू है, कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीमों के अधीन जारी इक्विटी शेयरों के तारीख के अनुसार ब्यौरे देनेवाला दस्तावेज जिसमें वह

कीमत शामिल है जिस पर ऐसे इक्विटी शेयर जारी किये गये निरीक्षण के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज के तौर पर उपलब्ध कराया जायेगा, ।

- (च) यदि निर्गमकर्ता पिछले एक वर्ष की निर्गम कीमत के निर्गम की तुलना में निम्नतर कीमत पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का कोई निर्गम लाया है, तो विशेष ब्यौरे जैसे उन व्यक्तियों के नाम, जिन्हें ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ जारी की गयी हैं, क्या वे संप्रवर्तक समूह का हिस्सा हैं, ऐसे निर्गम के कारण और निर्गम कीमत दिये जायेंगे।
- (छ) वर्तमान निर्गम के खुलने की तारीख से छह महीनों की अवधि के भीतर, शेयरों के मूल्यवर्ग के विभाजन या समेकन या अधिमानी आधार पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के निर्गम या बोनस अथवा साधिकार निर्गम या विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के अगले सार्वजनिक निर्गम या अर्हित संस्थागत नियोजन के जरिये पूँजी संरचना में संशोधन करने के लिए निर्गमकर्ता के प्रस्ताव या आशय, विचार विनिमय या विचार-विमर्श ।
- (ज) संप्रवर्तकों की कुल शेयरधारिता सारणीबद्ध रूप में, स्पष्ट तौर पर संप्रवर्तक के नाम, निर्गम का स्वरूप, आबंटन की तारीख, शेयरों की संख्या, अंकित मूल्य, निर्गम कीमत / प्रतिफल, तारीख जब शेयर पूर्णतः संदत्त किये गये, निर्गम के पूर्व और पश्चात् कुल पूँजी के प्रतिशत, अवरुद्धता कालावधि, यदि कोई हो, और प्रत्येक संप्रवर्तक द्वारा धारित गिरवी रखे गये शेयरों की संख्या, यदि कोई हो, का कथन करते हुए ।
- (झ) निम्नलिखित के ब्यौरे:
- (i) संप्रवर्तक समूह और संप्रवर्तकों के निदेशकों, जहाँ संप्रवर्तक निगमित निकाय है, की सकल शेयरधारिता ।
 - (ii) संप्रवर्तक समूह द्वारा और / या उस कंपनी के निदेशों द्वारा, जो निर्गमकर्ता की संप्रवर्तक है, और / या निर्गमकर्ता के निदेशकों और उनके करीबी नातेदारों (विनियम 2 के उप-विनियम 1 के खंड (यक) के उप-खंड (ii) में यथापरिभाषित) द्वारा प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से तत्काल पहले के छह महीनों के दौरान खरीदी या बेची गयी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कुल संख्या ।
 - (iii) उन सभी वित्तीय व्यवस्थाओं के ब्यौरे जिसके द्वारा संप्रवर्तक समूह, उस कंपनी के निदेशकों, जो निर्गमकर्ता की संप्रवर्तक है, निर्गमकर्ता के निदेशकों और उनके नातेदारों ने बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से तत्काल पहले की छह महीने की अवधि के दौरान वित्तपोषक सत्ता (एंटिटी) के सामान्य कारबार के दौरान से इतर निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों की किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्रय का वित्तपोषण किया है ।
 - (iv) सुसंगत तारीखों के साथ, अधिकतम और न्यूनतम मूल्य जिस पर खंड (ii) में निर्दिष्ट खरीदें और बिक्रियाँ की गयीं ।
- (ज) संप्रवर्तकों का अंशदान:
- (i) संप्रवर्तकों के अंशदान और अवरुद्धता (लॉक इन) कालावधि के ब्यौरे, सारणी रूप में, प्रत्येक संप्रवर्तक के बारे में अलग से, विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों

के आबंटन की तारीख, तारीख जब पूरी तरह संदाय किया गया, आबंटन के स्वरूप (साधिकार, बोनस, अधिमानी इत्यादि), संख्या, अंकित मूल्य और निर्गम कीमत, कुल निर्गमित पूँजी में संप्रवर्तकों के अंशदान का प्रतिशत और तारीख जब तक विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ अवरुद्धता के अधीन हैं का कथन करते हुए।

- (ii) आंशिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में, व्यक्तिगत आबंटनों के संबंध में ब्यौरे निर्गमकर्ता के निगमन की तारीख से दिये जायेंगे। सूचीबद्ध निर्गमकर्ता के मामले में, प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से ठीक पहले के पाँच सालों के लिए ब्यौरे दिये जायेंगे।
 - (iii) संप्रवर्तकों द्वारा सार्वजनिक निर्गम, साधिकार निर्गम, अधिमानी निर्गम, बोनस निर्गम निक्षेपागार रसीदों के परिवर्तन के माध्यम से या किसी कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अधीन अर्जित शेयरों को उन शेयरों से अलग दर्शाया जायेगा जिन्हें द्वितीयक बाजार में अर्जित किया गया। द्वितीयक बाजार में अर्जित शेयरों की सकल लागत, यदि उपलब्ध हो।
 - (iv) अनुपालन किये गये विनियम 32 की अनुपालना के ब्यौरे।
 - (v) यदि निर्गमकर्ता को संप्रवर्तकों के अंशदान की अपेक्षा से छूट प्राप्त है, तो वे सुसंगत उपबंध जिनके अधीन उसे छूट प्राप्त है।
 - (vi) कथन कि संप्रवर्तकों के अंशदान को विनिर्दिष्ट न्यूनतम लॉट से न्यून सीमा तक नहीं लाया गया है और इन विनियमों के अधीन संप्रवर्तकों के रूप में परिभाषित व्यक्तियों से लाया गया है।
 - (vii) कथन कि संप्रवर्तकों संपूर्ण संपरिवर्तन स्वीकार करने का वचन देते हैं यदि संप्रवर्तकों का अंशदान उसी वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय ऋण लिखत के निबंधनों के अनुसार है जैसा कि जनता को प्रस्ताव किया जा रहा है।
- (ट) कथन कि निर्गमकर्ता, इसके निदेशक या अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार ने निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को खरीदने के लिए क्रय द्वारा वापस लेने के कोई इंतजाम नहीं किये हैं, विनियमों में यथा अनुज्ञात रक्षा कवच (सेफ्टी नेट) सुविधा के लिए किये गये इंतजामों से भिन्न। यदि निर्गम में कोई रक्षा कवच (सेफ्टी नेट) उपलब्ध कराया जाता है, तो अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार प्रमाणित करेगा कि रक्षा कवच (सेफ्टी नेट) का प्रस्ताव करनेवाला व्यक्ति प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में समर्थ है और इसे प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट करेगा। इसके अलावा, सुरक्षा नेट का संपूर्ण ब्यौरा दिया जायेगा, जैसे शामिल प्रतिभूतियों की संख्या, अवधि, कीमत, साथ ही गारंटी के निबंधन, यदि कोई हो, किसी व्यक्ति द्वारा दी जाए, जिनमें वे शर्तें भी शामिल हैं जिनके अधीन गारंटी माँगी जा सकती है।
- (ठ) कथन कि न्यूनतम आबंटन लॉट के नजदीकी गुणज तक पूर्णांकित करने के प्रयोजन के लिए जनता को किये जानेवाले शुद्ध प्रस्ताव के दस प्रतिशत की सीमा तक अत्याभिदान को प्रतिधारित किया जा सकता है।

- (ड) इस आशय का प्रकटीकरण कि निर्गम के माध्यम से प्रस्तावित सभी प्रतिभूतियाँ माँगों के असंदाय के लिए प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख से बारह महीनों के भीतर पूर्णतः समादत्त की जायेंगी या समपहृत की जा सकेंगी ।
- (ढ) यह कथन करनेवाला प्रकटीकरण कि:
- (i) किसी भी आरक्षित प्रवर्ग में अनभिदत्त हिस्से को किसी अन्य आरक्षित प्रवर्ग में जोड़ा जा सकेगा ।
 - (ii) आरक्षित प्रवर्गों के बीच परस्पर समायोजन के पश्चात् अनभिदत्त हिस्से, यदि कोई हो, को सार्वजनिक हिस्से के शुद्ध प्रस्ताव में वापस जोड़ दिया जायेगा ।
 - (iii) सार्वजनिक हिस्से के प्रति शुद्ध प्रस्ताव में न्यून अभिदान के मामले में, आरक्षित प्रवर्ग से सार्वजनिक हिस्से के प्रति शुद्ध प्रस्ताव तक न्यून अभिदान की सीमा तक अभिप्लावन (स्पिल ओवर) की अनुमति होगी ।
- (ण) प्रमुख शेयरधारकों के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे:
- (i) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर करने की तारीख को निर्गमकर्ता के दस सबसे बड़े शेयरधारकों के नाम ।
 - (ii) खंड (i) में विनिर्दिष्ट शेयरधारकों द्वारा धारित इक्विटी शेयरों की संख्या, जिनमें उन इक्विटी शेयरों की संख्या शामिल है जिनके लिए वे डिबेंचर, ऋण या अन्य लिखत को परिवर्तित करने के वारंट, विकल्प या अधिकार का प्रयोग करने के हकदार होंगे ।
 - (iii) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर करने की तारीख से दो वर्ष पहले की तारीख को खंड (i) और (ii) में विनिर्दिष्ट विशिष्टियाँ ।
 - (iv) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर करने की तारीख से दस दिन पहले की तारीख को खंड (i) और (ii) में विनिर्दिष्ट विशिष्टियाँ ।
 - (v) यदि निर्गमकर्ता ने बोर्ड के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से तुरंत पहले के दो वर्षों के भीतर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव किया है, तो खंड (i), (ii), (iii) और (iv) में विनिर्दिष्ट ब्यौरों को उन व्यक्तियों के नाम अलग से सूचित करने के लिए प्रकट किया जायेगा जिन्होंने सार्वजनिक निर्गम में अभिदान द्वारा इक्विटी शेयरों का अर्जन किया है और जिन्होंने निश्चित आधार पर या निजी स्थानन द्वारा इक्विटी शेयरों का अर्जन किया है ।
- (त) अग्रणी मर्चेन्ट बैंककारों और निर्गमकर्ता में उनके सहयुक्तों की शेयरधारिता के ब्यौरे, यदि कोई हों ।
- (थ) संप्रवर्तकों के किसी नातेदार द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की बिक्रियों और खरीदों के संबंध में जानकारी अभिप्राप्त करना संभव न हो पाने की दशा में, निर्गमकर्ता और / या निक्षेपागार, जैसा लागू हो, की बहियों में दर्ज किये गये अंतरणों के आधार पर जानकारी प्रकट की जायेगी और प्रस्ताव दस्तावेज में इस आशय का कथन किया जायेगा ।
- (द) निर्गमकर्ता की कर्मचारी स्टॉक विकल्प या कर्मचारी स्टॉक क्रय की किसी योजना के अधीन प्रदत्त विकल्पों या जारी इक्विटी शेयरों के ब्यौरे, अंतिम तीन वर्षों में

(प्रत्येक वर्ष के लिए अलग-अलग) और प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से पहले सभी विकल्पों या जारी इक्विटी शेयरों के संचयी आधार पर, जिनमें उन मामलों में निम्नलिखित ब्यौरे शामिल हैं, जिनमें आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के पहले विद्यमान किसी कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम के अनुसरण में कर्मचारियों को प्रदत्त विकल्प आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के समय बकाया हैं:

- (i) प्रदत्त विकल्प;
- (ii) कीमत निर्धारण का फार्मूला;
- (iii) निहित विकल्प;
- (iv) प्रयोग किये गये विकल्प;
- (v) विकल्प प्रयोग करने के परिणामस्वरूप उद्भूत होनेवाली शेयरों की कुल संख्या;
- (vi) व्यपगत विकल्प;
- (vii) विकल्पों के निबंधनों की विभिन्नता;
- (viii) विकल्पों का प्रयोग करने पर वसूल किया गया धन;
- (ix) प्रवृत्त विकल्पों की कुल संख्या;
- (x) प्रदत्त विकल्पों के कर्मचारी के अनुसार ब्यौरे :

- वरिष्ठ प्रबंध कार्मिक;
- कोई अन्य कर्मचारी जो विकल्पों के किसी भी एक वर्ष में उस वर्ष के दौरान प्रदत्त विकल्पों के पाँच प्रतिशत या अधिक का अनुदान प्राप्त करता है;
- अभिज्ञात कर्मचारी, जिन्हें किसी एक वर्ष के दौरान, निर्गमकर्ता की निर्गमित पूँजी (बकाया वारंटों और परिवर्तनों को छोड़कर) के एक प्रतिशत के बराबर या से अधिक विकल्प प्रदान किये गये;

- (xi) लेखा मानक 20 "उपार्जन प्रति शेयर" के अनुसार संगणित विकल्पों को अपनाने पर इक्विटी शेयरों के निर्गम के अनुसरण में हलके (डाइल्यूटेड) उपार्जन प्रति शेयर ।
- (xii) जहाँ निर्गमकर्ता ने स्टॉक विकल्पों के यथार्थ मूल्य का उपयोग करते हुए कर्मचारी प्रतिकर लागत की गणना की है, इस प्रकार अभिकल्पित कर्मचारी प्रतिकर लागत और उस कर्मचारी प्रतिकर लागत के बीच का अंतर, जिसे तब जाना गया होता यदि इसने विकल्पों के उचित मूल्य का इस्तेमाल किया होता और निर्गमकर्ता के लाभों और उपार्जन प्रति शेयर पर इस अंतर का प्रभाव ।
- (xiii) उन विकल्पों की भारित औसत विकल्प-प्रयोग कीमतों और भारित औसत उचित मूल्य जिनकी विकल्प-प्रयोग कीमतें या तो बराबर या अधिक या स्टॉक की बाजार कीमत से कम है ।
- (xiv) विकल्पों के उचित मूल्य का अनुमान लगाने के लिए वर्ष के दौरान इस्तेमाल की गयी पद्धति और सार्थक अनुमानों का वर्णन, जिसमें भारित औसत

जानकारी, अर्थात् जोखिम मुक्त ब्याज दर, अनुमानित समयावधि, अनुमानित उतार-चढ़ाव, अनुमानित लाभांश, और विकल्प प्रदान किये जाने के समय बाजार में संबद्ध (अंडरलाइंग) शेयर की कीमत शामिल है।

- (xv) पिछले तीन सालों के लाभों और उपार्जन प्रति शेयर पर प्रभाव, यदि निर्गमकर्ता ने पिछले तीन सालों में प्रदत्त विकल्पों के बारे में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना और कर्मचारी स्टॉक क्रय योजना) मार्गदर्शक सिद्धांत, 1999 के खंड 13 में विनिर्दिष्ट लेखा मानकों का अनुपालन किया था।
- (xvi) कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना के अधीन प्रदत्त या कर्मचारी स्टॉक क्रय योजना के अधीन आबंधित इक्विटी शेयरों के धारकों का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्तावमें इक्विटी शेयरों की सूचीबद्धता की तारीख के बाद तीन महीनों के भीतर अपने इक्विटी शेयरों को बेचने का आशय (विकल्पों के धारकों द्वारा बेचने के लिए आशयित इक्विटी शेयरों की कुल संख्या), यदि कोई हो। कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम के मामले में, यह जानकारी प्रकट की जायेगी, इस बात का लिहाज किये बिना कि क्या इक्विटी शेयर आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के पूर्व या पश्चात् अपनाये गये विकल्पों से उद्भूत हुए हैं।
- (xvii) कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अधीन जारी इक्विटी शेयर [निर्गमित पूँजी (बकाया वारंटों और परिवर्तनों को छोड़कर) के एक प्रतिशत से अधिक] रखनेवाले निदेशकों, वरिष्ठ प्रबंधकार वर्ग और कर्मचारियों द्वारा, सूचीबद्धता की तारीख के पश्चात् तीन महीनों के भीतर कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम से उद्भूत या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अधीन आबंधित इक्विटी शेयरों को बेचने के आशय के संबंध में विशिष्ट प्रकटीकरण, जिसके अंतर्गत अन्य बातों के साथ नाम, पदनाम और कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम या कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अधीन जारी इक्विटी शेयरों की मात्रा तथा वह मात्रा है जिसे वे तीन महीने के भीतर बेचने का इरादा रखते हैं।

(ध) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता के मामले में, जो पहले (सूचीबद्ध निर्गमकर्ता होने के पश्चात्) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का अधिमानी आबंधन या बोनस निर्गम लाया है अथवा जिसने पात्र प्रतिभूतियों का अर्हित संस्थागत नियोजन किया है, एक पुष्टिकरण कि विनियमों के सुसंगत उपबंधों का पालन किया गया है।

(VII) निर्गम की विशिष्टियाँ :

(क) प्रस्ताव के उद्देश्यः

- (1) निर्गम के उद्देश्यों को प्रकट किया जायेगा।
- (2) यदि एक उद्देश्य संयुक्त उद्यम या समनुषंगी में विनिधान या अर्जन है, तो निम्नलिखित अतिरिक्त प्रकटीकरण किये जायेंगे:
 - (क) विनिधान के प्रकार के ब्यौरे, अर्थात् इक्विटी, ऋण या अन्य कोई लिखत।
 - (ख) यदि विनिधान का प्रकार निर्धारित नहीं किया गया है तो, उस आशय का कथन;

- (ग) यदि विनिधान ऋण लिखतों में है, तो ब्याज दर, प्रतिभूति का स्वरूप, चुकौती के निबंधन, आश्रितता इत्यादि से संबंधित पूर्ण ब्यौरे ।
- (घ) यदि विनिधान इक्विटी में है, क्या कोई लाभांश आश्वासित है;
- (ङ) विनिधान के परिणाम के तौर पर निर्गमकर्ता को उपचित होने के लिए प्रत्याशित लाभ का स्वरूप;
- (3) यदि निर्गम का एक उद्देश्य किसी सत्ता (एंटिटी) को ऋण प्रदान करना है, तो ऋण करारनामे के ब्यौरे, जिसमें ब्याज की दर, चाहे प्रतिभूत या अप्रतिभूत, अवधि, प्रतिभूति का स्वरूप, चुकौती के निबंधन, आश्रितता इत्यादि और विनिधान के परिणाम के तौर पर निर्गमकर्ता को उपचित होने के लिए प्रत्याशित लाभ का स्वरूप शामिल है । यदि समनुषंगी, समूह या सहयुक्त कंपनी को ऐसा ऋण प्रदान किया जाना है तो उसके ब्यौरे ।
- (4) यदि निर्गमकर्ता का एक उद्देश्य दीर्घावधि कार्यकारी पूँजी के लिए निर्गम आगमों का उपयोग है, तो निम्नलिखित अतिरिक्त प्रकटीकरण किये जायेंगे ।
- (क) कार्यकारी पूँजी अपेक्षा के प्राक्कलन का आधार, सुसंगत अनुमानों के साथ ।
- (ख) अतिरिक्त कार्यकारी पूँजी जुटाने के लिए कारण, उन्हें सुसंगत तथ्यों और आँकड़ों से प्रमाणित करते हुए ।
- (ग) परियोजित कार्यकारी पूँजी अपेक्षा संबंधी ब्यौरे जिसके अंतर्गत यथास्थिति, परियोजना के कार्यान्वयन या निर्गम के उद्देश्यों की प्राप्ति के पश्चात् कार्यकारी पूँजी का विस्तृत मूल्यांकन, क्षमता के उपयोग संबंधी अनुमान, प्रत्याशित चालू आस्तियों का कच्चे माल, निर्मित माल, जारी कार्य, विविध देनदार इत्यादि के तौर पर ब्यौरा, है । चालू आस्तियों के प्रत्येक प्रकार के लिए धारण संबंधी मानदंडों के बारे में पूर्वानुमानों, कुल चालू देयताओं, शुद्ध चालू आस्तियों और शुद्ध चालू आस्तियों के वित्त के परिकल्पित स्रोतों जैसे बैंक वित्त, संस्थागत वित्त, स्व निधियाँ इत्यादि के साथ शामिल होंगे ।
- (घ) सारणी रूप में कुल परिकल्पित कार्यकारी पूँजी अपेक्षा, उसकी मार्जिन राशि और बैंकों द्वारा या अन्यथा वित्तपोषित होनेवाला हिस्सा ।
- (ङ) अनुमानित कार्यकारी पूँजी की तुलना में वर्तमान कार्यकारी पूँजी जिसके आधार पर सार्वजनिक निर्गम में धन जुटाने का प्रस्ताव किया गया है, संबंधी संपूर्ण परिप्रेक्ष्य ।
- (च) निर्गमकर्ता को उपलब्ध विद्यमान कार्यकारी पूँजी के ब्यौरे, कुल चालू आस्तियों के कच्चे माल, तैयार माल, जारी कार्य, विविध देनदार इत्यादि के तौर पर ब्यौरे के साथ, कुल चालू देयताएँ, शुद्ध चालू आस्तियाँ और शुद्ध चालू आस्तियों के लिए वित्त के स्रोत अर्थात् बैंक वित्त, संस्थागत वित्त, स्व निधियाँ इत्यादि ।
- (छ) यदि किसी कार्यकारी पूँजी को परियोजना के भाग के रूप में नहीं दर्शाया जाता है, तो इसके कारण ।
- (5) प्रतिभूत संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के सार्वजनिक निर्गम के मामले में आस्ति कवर इत्यादि का प्रकटीकरण : आस्तियों जिन पर प्रतिभूति / आस्ति कवर सृजित

किया जायेगा, यदि अपेक्षित हो, के ब्यौरे, प्रतिभूति / सुरक्षा कवर की संगणना, मूल्यांकन पद्धतियाँ, ऐसे मूल्यांकन की आवश्यकता और प्रभार (प्रभारों) की क्रमस्थापना (रैंकिंग)।

(ख) निधियों की अपेक्षा:

- (1) निर्गम के माध्यम से जुटाये जाने के लिए प्रस्तावित निधियों की अपेक्षा।
- (2) जहाँ निर्गमकर्ता एक से अधिक क्रियाकलाप करने का प्रस्ताव करता है अर्थात् विविधीकरण, आधुनिकीकरण, विस्तार इत्यादि, वहाँ परियोजना की कुल लागत को यथास्थिति, क्रियाकलाप के अनुसार या प्रोजेक्ट के अनुसार दिया जायेगा।
- (3) जहाँ निर्गमकर्ता चरणबद्ध रीति में परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है, वहाँ प्रत्येक चरण की लागत, ऐसे चरण को शामिल करते हुए, यदि कोई हो, जिसका पहले ही कार्यान्वयन किया जा चुका है अलग से दी जायेगी।
- (4) निर्गम आगमों के उपयोग या परियोजना लागत के संबंध में संप्रवर्तकों, निदेशकों, प्रमुख प्रबंधन कार्मिक, सहयुक्तों और समूह कंपनियों के साथ विद्यमान या अनुमानित सभी महत्वपूर्ण संव्यवहारों के ब्यौरे। सुसंगत दस्तावेजों को निरीक्षण के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सूची में शामिल किया जायेगा।

(ग) निधीयन संबंधी योजना (वित्त के साधन):

- (1) निर्गमकर्ता द्वारा प्रस्ताव दस्तावेज में वचन दिया जायेगा जिसमें निर्गमकर्ता द्वारा कथित वित्त साधनों के पचहत्तर प्रतिशत के लिए प्रमाणयोग्य साधनों के माध्यम से वित्त पोषण की सुदृढ़ व्यवस्थाएँ किये जाने की पुष्टि की जायेगी, प्रस्तावित निर्गम के माध्यम से जुटायी जानेवाली राशि और विद्यमान अभिज्ञेय आंतरिक उपचयों को छोड़कर।
- (2) वित्त साधनों के उस शेष हिस्से जिसके लिए कोई पक्की व्यवस्था नहीं की गयी है का बिना विशेष वर्णन के उल्लेख किया जायेगा।
- (3) सशर्त (टाइड अप) निधियों और आगमों के आधिक्य, यदि कोई हो, के अभिनियोजन के लिए मार्ग।

(घ) मूल्यांकन:

- (1) मूल्यांकन की परिधि और प्रयोजन को, यदि कोई हो, मूल्यांकन की तारीख के साथ।
- (2) परियोजना की लागत और वित्तपोषण के साधन मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार होंगे।
- (3) मूल्यांकन रिपोर्ट जारी हो जाने की तारीख के बाद परियोजना लागत और वित्त के साधनों में परिवर्तन, यदि कोई हो, को स्पष्ट और प्रकट किया जायेगा।
- (4) मूल्यांकन रिपोर्ट में दी गयी कमज़ोरियों और आशंकाओं, यदि कोई हो, को जोखिम कारकों के तौर पर प्रकट किया जायेगा।

(ङ) कार्यान्वयन अनुसूची:

- (1) प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन की अनुसूची और अब तक हुई प्रगति सारणी रूप में दी जायेगी, भूमि अर्जन, सिविल कार्यों, संयंत्रों और मशीनों की स्थापना, परीक्षण उत्पाद, वाणिज्यिक उत्पाद की तारीख और विलंब के कारण, यदि कोई हो, का ब्यौरा देते हुए।

(च) निधियों का अभिनियोजन:

- (1) कंपनी रजिस्ट्रार के पास सनदी लेखाकार द्वारा यथाप्रमाणित प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर करने की तारीख से उस तारीख तक जो दो माह पूर्व न हो, निधियों के स्रोत और परियोजना (जहाँ निर्गमकर्ता परियोजना के लिए पूँजी जुटा रहा है) में इन निधियों के अभिनियोजन के ब्यौरे, सनदी लेखाकार का नाम और प्रमाणपत्र की तारीख के साथ ।
- (2) जहाँ सार्वजनिक निर्गम से पहले संप्रवर्तकों के अंशदान लाये गये हैं और निर्गमकर्ता द्वारा पहले ही अभिनियोजित किया जा चुका है, वहाँ निर्गमकर्ता संप्रवर्तक अंशदान के रूप प्राप्त ऐसी निधियों के उपयोग को प्रकट करते हुए प्रस्ताव दस्तावेज में नकदी प्रवाह विवरण देगा ।
- (छ) पहले से ही अभियोजित निधियों के वित्तपोषण के स्रोत: वित्तपोषण के साधन और स्रोत, जिनमें पूरक ऋण या अन्य वित्तीय व्यवस्था, के ब्यौरे शामिल हैं, जिन्हें निगम के आगमों से चुकाया जा सकेगा ।
- (ज) शेष निधियों के अभिनियोजन के ब्यौरे: परियोजना पर उपचित होनेवाले प्रस्तावित व्यय का वर्ष के अनुसार विवरण
- (झ) निधियों का अंतरिम उपयोग: विनिधान विकल्पों, जिनमें प्रबंधन निर्गम आगमों के अभिनियोजन के लिए प्रस्ताव करता है, प्रस्तावित परियोजना में इसके उपयोग को लंबित रखते हुए ।
- (ञ) निर्गम के मूल निबंधन
- (ट) निर्गम कीमत का आधार:

- (1) निर्गमकर्ता द्वारा निर्गम कीमत, आधारभूत कीमत या कीमत-दायरा, यथास्थिति, प्रकट किया जायेगा और अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से, निम्नलिखित जानकारी, जिन्हें अलग से भी प्रकट किया जायेगा, के आधार पर इनका औचित्य सिद्ध किया जायेगा:

- (क) पिछले तीन सालों का, निर्गम-पूर्व, प्रति शेयर उपार्जन और हलके (डाइल्यूटेड) उपार्जन प्रति शेयर (पूँजी में परिवर्तनों के लिए यथासमायोजित) ।
- (ख) कीमत उपार्जन अनुपात निर्गम पूर्व ।
- (ग) पिछले तीन सालों में शुद्ध मालियत पर औसत प्रतिफल ।
- (घ) निर्गम पूर्व उपार्जन प्रति शेयर को बनाये रखने हेतु अपेक्षित वर्धित शुद्ध मालियत पर न्यूनतम प्रतिफल ।
- (ङ) अंतिम तुलन पत्र पर आधारित शुद्ध आस्ति मूल्य प्रति शेयर ।
- (च) निर्गम उपरान्त शुद्ध आस्ति मूल्य प्रति शेयर, निर्गम के और निर्गम कीमत के साथ उसकी तुलना ।
- (छ) निर्गम कीमत के लिए आधार के बारे में प्रकटीकरण का उदाहरणयुक्त फॉर्मेट इसके नीचे दिया गया है:

(1)	समायोजित उपार्जन प्रति शेयर (ईपीएस) और समायोजित मंद उपार्जन प्रति शेयर	
	(क) 1992-93	0.41 रु.

	(ख) 1993-94	8.39 रु.
	(ग) 1994-95	13.82 रु.
	(घ) भारित औसत	10.94 रु.
(2)	निर्गम कीमत के संबंध में कीमत/उपार्जन अनुपात	
	(क) 94/95 उपार्जन प्रति शेयर पर आधारित	37.63
	(ख) उद्योग कीमत / उपार्जन	
	(i) उच्चतम	61.2
	(ii) न्यूनतम	0.8
	(i) औसत	25.3
	(*26/6/95के इकॉनॉमिक टाइम्स पर आधारित)	
(3)	शुद्ध मालियत पर प्रतिफल	
	(क) 1992-93	27.36%
	(ख) 1993-94	28.77%
	(ग) 1994-95	33.45%
	(घ) भारित औसत	30.88%
(4)	निर्गम के 13.82 रु. पर उपार्जन प्रति शेयर बनाये रखने की आवश्यकता के बाद कुल शुद्ध मालियत पर न्यूनतम प्रतिफल	14.65%
(5)	शुद्ध आस्ति मूल्य	
	(क) 31-3-1995 को	46.40 रु.
	(ख) निर्गम के पश्चात्	94.29 रु.
	(ग) निर्गम कीमत	520.00 रु.

(ज) उपर्युक्त मर्दे (क) से (घ) में उल्लिखित अनुसार निर्गमकर्ता के सभी लेखा अनुपातों की उद्योग औसत के साथ और समतुल्य समूह (अर्थात् उसी उद्योग में तुलनीय आकार की कंपनियाँ) के लेखा अनुपातों से तुलना (उस स्रोत को सूचित किया जायेगा, जिससे उद्योग औसत और समतुल्य समूह के लेखा अनुपातों को लिया गया है।)

(झ) बोनस शेयरों, यदि कोई हो, के निर्गम के परिणामस्वरूप वित्तीय अनुपातों के हलके होने (डाइल्यूशन) का तथ्य और विस्तारित पूँजी के संदर्भ में हलके (डाइल्यूटेड) अनुपातों को ध्यान में रखकर निर्गम कीमत का औचित्य ।

(ज) बही निर्मित निर्गम के मामले में, रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित कथन प्रकट किया जायेगा :

“निर्गम कीमत का अवधारण निर्गमकर्ता द्वारा बही संचालकों के परामर्श से, बही निर्माण के माध्यम से प्रस्तावित प्रतिभूतियों के लिए बाजार माँग के निर्धारण के आधार पर किया गया है।”

(ट) इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य और यह कथन कि निर्गम कीमत, आधार कीमत या कीमत-विस्तार, यथास्थिति, अंकित मूल्य का “X” गुना है ।

(ठ) निर्गम कीमत के आधार के समर्थन में प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट लेखा अनुपातों की संगणना बकाया अनिवार्य संपरिवर्तनों के कारण पूँजी में परिणामी वृद्धि को कार्यान्वित करने के बाद, साथ ही इस अनुमान पर कि अतिरिक्त पूँजी के लिए अभिदान करने के लिए बकाया विकल्पों, यदि कोई हो, को अपनाया जायेगा, की जायेगी ।

(2) यदि उपर्युक्त मदें (क) से (छ) में उल्लिखित लेखा अनुपात निर्गम कीमत का औचित्य सिद्ध नहीं करते हैं तो निर्गमकर्ता निर्गम संबंधी कार्यवाही नहीं करेगा ।

(3) यदि विनियम 29 के अधीन भिन्न-भिन्न कीमत निर्धारण का विकल्प अपनाया गया है, तो कीमत अंतर का औचित्य प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जायेगा ।

(4) बैंक दर से कम ब्याज वहन करनेवाली ऋण लिखतों का निर्गम: जब कभी बैंक दर से कम दर पर ब्याज वहन करनेवाली पूर्णतः संपरिवर्तनीय ऋण लिखतें जारी की जाती हैं, तब प्रस्ताव दस्तावेज में उस कीमत के बारे में प्रकटीकरण अंतर्विष्ट होंगे विनिधानकर्ताओं के लिए जिसकी गणना एफसीडी के आबंटन की तारीख से संपरिवर्तनों की तारीख (तारीखों) तक विनिधान पर आनुमानिक ब्याज हानि को ध्यान में रखकर की जायेगी

(ठ) कर लाभ: निर्गमकर्ता और इसके शेयरधारकों के लिए विशेष कर लाभ

(VIII) निर्गमकर्ता के बारे में:

(क) उद्योग अवलोकन

(ख) कारबार अवलोकन

(1) निर्गमकर्ता के कारबार के ब्यौरे:

(क) परियोजना का अवस्थिति

(ख) संयंत्र, मशीन, तकनीक, प्रक्रिया इत्यादि:

(i) ब्यौरे सारणी रूप में दिये जायेंगे, जिसमें निर्गमकर्ता द्वारा खरीदी जाने के लिए अपेक्षित मशीनों, मशीनों की लागत, आपूर्तिकर्ता का नाम, आदेश देने की तारीख और आपूर्ति की तारीख या अपेक्षित तारीख, इत्यादि के ब्यौरे शामिल होंगे ।

(ii) यदि मशीनों की सुपदुर्गी अभी की जानी है, तो उस कोटेशन की तारीख का उल्लेख, जिन पर निर्भर होकर लागत अनुमान दिया गया ।

- (iii) उन संयंत्र और मशीनों के प्रतिशत और मूल्य निबंधन, जिनके लिए आदेश अभी दिया जाना है का कथन होगा ।
- (iv) खरीदी गयीं या खरीदे जाने के लिए प्रस्तावित पुरानी (सेकण्ड हैंड) मशीनों, यदि कोई हो, के ब्यौरे, जिनमें मशीनों की आयु, शेष अनुमानित आयु के ब्यौरे भी दिये जायेंगे ।
- (ग) सहयोग, सहयोगियों द्वारा कार्यनिष्पादन संबंधी कोई गारंटी या विपणन में सहायता: उन व्यक्तियों या सत्ताओं (एंटिटी) , जिनके साथ तकनीकी और वित्तीय करार किये गये हैं के बारे में निम्नलिखित जानकारी दी जायेगी:
- (i) रजिस्ट्रीकरण का स्थान और निगमन का वर्ष ।
- (ii) संदत्त शेयर पूँजी ।
- (iii) परिचालन के अंतिम वित्तीय वर्ष का व्यापारावर्त ।
- (iv) निर्गमकर्ता से संबंधित ऐसे व्यक्तियों के संबंध में सामान्य जानकारी ।
- (घ) कच्चे माल और प्रसुविधाओं जैसे पानी, बिजली इत्यादि के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाएँ।
- (ङ) निर्गमकर्ता के उत्पाद या सेवाएँ:
- (i) उत्पाद (उत्पादों) का स्वरूप, अर्थात्, उपभोक्ता या औद्योगिक और अंतिम उपभोक्ता ।
- (ii) बाजार संबंधी ब्यौरे, जिसमें प्रतियोगिता के ब्यौरे, उद्योग के पिछले उत्पादन संबंधी आँकड़े, विद्यमान संस्थापित क्षमता, पिछली प्रवृत्तियाँ और निर्यात संबंधी संभाव्यताओं (यदि लागू हो), माँग और आपूर्ति अनुमान (यदि दिया गया हो, तो इसे धारणाओं के साथ ही दिया जाना चाहिए जब तक कि मान्य बाजार अनुसंधान एजेंसी से स्रोत प्राप्त न हों), इत्यादि शामिल हैं । उपयोग किये गये आँकड़ों के स्रोत का उल्लेख किया जायेगा ।
- (iii) विपणन के प्रति दृष्टिकोण और प्रस्तावित विपणन ढाँचा ।
- (iv) निर्यात संभावनाएँ और निर्यात बाध्यताएँ, यदि कोई हों, (यदि निर्गमकर्ता, यथा लागू "सेवा" संबंधी कोई विवरण उपलब्ध करा रहा है) ।
- (2) कारबार संबंधी कार्यनीति (स्ट्रेटेजी):
- (क) कारबार संबंधी कार्यनीति के बारे में संक्षिप्त विवरण ।
- (ख) संभाव्यताओं (फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स) के बारे में संक्षिप्त विवरण, जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:
- (i) क्षमता एवं क्षमता का उपयोग:
- एक सारणी अंतःस्थापित की जायेगी, जिसमें प्रत्येक उत्पाद के लिए विद्यमान स्थापित क्षमता, पिछले तीन सालों में इन उत्पादों की क्षमता का उपयोग, विद्यमान तथा प्रस्तावित उत्पादों के लिए भी प्रस्तावित क्षमताएँ और विद्यमान तथा प्रस्तावित उत्पादों के बारे में अगले तीन सालों (वाणिज्यिक उत्पाद के आरंभ से) के लिए भावी क्षमता उपयोग के अनुमान दिये जायेंगे।

- यदि अनुमानित क्षमता उपयोग पिछले तीन सालों के दौरान वास्तविक औसत क्षमता उपयोग के पच्चीस प्रतिशत से अधिक होता है, तो यह कथन किया जायेगा कि निर्गमकर्ता विगत में ऐसी क्षमता उपयोग का स्तर प्राप्त करने में असफलता के मद्देनजर क्षमता उपयोग के अनुमानित स्तर (प्रोजेक्टेड लेवल) को प्राप्त करने का प्रस्ताव कैसे कर रहा है।
 - (ii) निर्गमकर्ता के वित्तीय कार्यनिष्पादन से संबंधित अनुमानों (प्रोजेक्शन) का कोई अनुमान प्रस्ताव दस्तावेज में नहीं दिया जायेगा।
- (3) **बौद्धिक संपदा अधिकार :**
- (क) यदि निर्गमकर्ता कतिपय बौद्धिक संपदा अधिकारों का हकदार है जैसे ट्रेड मार्क, ब्राण्ड नाम, इत्यादि, तो क्या निर्गमकर्ता द्वारा इनका विधिवत् धारण किया गया है और क्या इस संबंध में सभी औपचारिकताओं की अनुपालना की गयी है।
 - (ख) यदि निर्गमकर्ता के नाम में बौद्धिक संपदा अधिकार रजिस्ट्रीकृत नहीं हैं तो उस सत्ता (एंटीटी) का नाम जिसमें वे रजिस्ट्रीकृत हैं।
 - (ग) यदि बौद्धिक संपदा अधिकार उस सत्ता (एंटीटी) के नाम रजिस्ट्रीकृत हैं जिसमें संप्रवर्तक हितबद्ध हैं, निर्गमकर्ता द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकारों के उपयोग के लिए किये गये करार की प्रमुख विशेषताएँ।
- (4) **संपत्ति:**
- (5) **संपत्ति का क्रय:**
- (6) (क) **उप-खंड (ख) में निर्दिष्ट किसी संपत्ति के बारे में:**
- (i) विक्रेताओं के नाम, पते, वर्णन और व्यवसाय;
 - (ii) विक्रेता को अदा की गयी या नकदी में भुगतान किये जाने योग्य राशि, शेयर या डिबेंचर, और जहाँ एक से अधिक पृथक् विक्रेता हैं, या निर्गमकर्ता उप क्रेता है, प्रत्येक विक्रेता को इस प्रकार भुगतान की गयी या भुगतान की जानेवाली राशि, साख (गुडविल) के लिए इस प्रकार भुगतान की गयी या की जानेवाली राशि, यदि कोई हो को अलग-अलग विनिर्दिष्ट करते हुए;
 - (iii) निर्गमकर्ता द्वारा ऐसी अर्जित या अर्जित की जानेवाली संपत्ति में हक या हित का स्वरूप;
 - (iv) संपत्ति के संबंध में दो पूर्ववर्ती वर्षों के भीतर पूर्ण किये गये प्रत्येक संव्यवहार के संक्षिप्त ब्यौरे, जिसमें निर्गमकर्ता को संपत्ति के किसी विक्रेता या किसी व्यक्ति जो संव्यवहार के समय संप्रवर्तक, है या था, या निर्गमकर्ता का निदेशक या प्रस्तावित निदेशक का कोई हित था, प्रत्यक्षतः या परोक्षतः, संव्यवहार की तारीख और ऐसे संप्रवर्तक, निदेशक या प्रस्तावित निदेशक का नाम विनिर्दिष्ट करते हुए और संव्यवहार के संबंध में ऐसे विक्रेता, संप्रवर्तक, निदेशक या प्रस्तावित निदेशक द्वारा या को संदेय राशि का कथन करते हुए।
- (ख) संपत्ति जिस पर उप-खंड (क) लागू है, निर्गमकर्ता द्वारा खरीदी गयी या अर्जित की गयी या खरीदी या अर्जित की जाने के लिए प्रस्तावित संपत्ति है, जिसका भुगतान,

प्रस्ताव दस्तावेज द्वारा अभिदान के लिए प्रस्तावित निर्गम की आगमों में से पूर्णतः या अंशतः की जानी है या जिसकी खरीद या अर्जन प्रस्ताव दस्तावेज के निर्गम की तारीख को पूरा नहीं किया गया है, निम्नलिखित संपत्ति से भिन्न:

- (i) क्रय या अर्जन के लिए संविदा, जो निर्गमकर्ता के सामान्य कारबार के दौरान किया गया, यह संविदा न तो निर्गम को ध्यान में रखकर की जानी है और न ही संविदा के परिणामस्वरूप निर्गम किया गया हो; या
- (ii) जिसके संबंध में क्रय धन महत्वपूर्ण नहीं है
 - इस खंड के प्रयोजन के लिए, जहाँ विक्रेता एक फर्म है, फर्म के सदस्यों को पृथक् विक्रेता नहीं समझा जायेगा।
 - यदि निर्गमकर्ता ऐसे कारबार के अर्जन लिए प्रस्ताव करता है जिसे तीन सालों से कम सालों से किया जा रहा है, तो वह समय-अवधि जिसके दौरान कारबार किया गया।

(6) भूमि

- (क) उन सत्ताओं के नाम जिनसे भूमि का अर्जन किया गया है / किये जाने का प्रस्ताव है, अर्जन की लागत के साथ, ऐसी सत्ताओं से निर्गमकर्ता के किसी संप्रवर्तक या निदेशक के रिश्ते सहित, यदि कोई हो।
- (ख) ब्यौरे कि क्या निर्गमकर्ता द्वारा अर्जित भूमि सभी भागों से मुक्त है और इसका हक स्पष्ट है और क्या यह निर्गमकर्ता के नाम पर रजिस्ट्रीकृत है।
- (ग) ब्यौरे कि क्या निर्गमकर्ता ने भूमि से संबंधित सभी अनुमोदनों के लिए आवेदन किया है / अनुमोदन प्राप्त किये हैं। यदि निर्गमकर्ता द्वारा ऐसा कोई अनुमोदन नहीं लिया जाना है, तो यह तथ्य सकारात्मक कथन के माध्यम से उपदर्शित किया जाए।
- (घ) इस खंड के अधीन प्रकट आंकड़े "परियोजना की लागत" खंड के अधीन प्रकट आँकड़ों के अनुरूप होंगे।

(ग) प्रमुख उद्योग विनियमन (यदि लागू हो)

(घ) निर्गमकर्ता का इतिवृत्त और कंपनी संरचना:

- (1) निर्गमकर्ता का इतिवृत्त और मुख्य उद्देश्य तथा वर्तमान कारबार जिनमें निम्नलिखित के ब्यौरे शामिल हैं:
 - (क) निर्गमकर्ता के ब्यौरे जैसे निगमन की तारीख, कारबार आरंभ करने की तारीख, भागीदारी के मर्यादित कंपनी में संपरिवर्तन या निजी कंपनी के सार्वजनिक मर्यादित कंपनी में संपरिवर्तन, यथा लागू, की तारीख, तारीखें जब नाम परिवर्तित किये गये हैं, यदि लागू हो, नाम में परिवर्तन के कारण, निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालयों में परिवर्तन और उसके कारण; तारीखें जब निर्गमकर्ता के संगम ज्ञापन में संशोधन किये गये, संशोधन के ब्यौरे उद्धृत करते हुए।

(ख) निर्गमकर्ता के इतिवृत्त में प्रमुख घटनाओं के ब्यौरे, जिनमें निम्नलिखित के ब्यौरे सम्मिलित हैं:

- (i) क्षमता / सुविधा सृजन, संयंत्र का अवस्थान, उत्पाद, विपणन, प्रतिस्पर्धा इत्यादि ।
- (ii) इक्विटी या ऋण के रूप में पूँजी जुटाना,
- (iii) परियोजनाओं, जिसमें प्रस्तावित परियोजना शामिल है, की स्थापना में लगनेवाले समय / लागत का बढ़ना,
- (iv) वित्तीय संस्थानों / बैंकों के साथ चूक / अनुसूची पुनः तैयार करना, ऋणों का इक्विटी में संपरिवर्तन, उसके कारण के साथ, तालाबंदी, हड़ताल और उनके कारण इत्यादि ।
- (v) समय / लागत का बढ़ना, चूक और तालाबंदी / हड़ताल इत्यादि जैसे नकारात्मक पहलू ।
- (vi) पिछले पाँच सालों के दौरान निर्गमकर्ता के क्रियाकलापों में परिवर्तनों से संबंधित ब्यौरे जिनका लाभ/हानि पर तात्त्विक प्रभाव हुआ था, जिसमें कारबार की लाइनें बंद करना, एजेंसियों या बाजारों को खोना और ऐसे ही कारक शामिल हैं ।

(ग) समनुषंगियों और धारक कंपनी के संपूर्ण ब्यौरे, यदि लागू हैं ।

(घ) निर्गमकर्ता का कॉर्पोरेट प्रोफाइल इसके इतिवृत्त के संबंध में, प्रत्येक खंड के क्रियाकलापों, सेवाओं, उत्पादों, बाजार का वर्णन, निर्गमकर्ता की संवृद्धि, निर्यात और विदेशी प्रचालनों के कारण लाभ, देशवार विश्लेषण सहित, निर्गमकर्ता की प्रतिष्ठा, इसके उत्पादों, प्रबंधन, प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों, पर्यावरण संबंधी मुद्दों, खंड अर्थात् भौगोलिक इत्यादि के संबंध में इसके प्रमुख प्रतिस्पर्धियों के संदर्भ में, ।

(ङ) व्यादेश या अवरुद्ध करने का आदेश, यदि कोई हो, संभव विवक्षाओं के साथ ।

(च) प्रौद्योगिकी, बाजार, प्रबंधकीय सक्षमता और क्षमता निर्माण ।

(छ) कारबार / उद्यमों के अर्जन, विलयन, समामेलन, आस्तियों के पुर्नमूल्यांकन इत्यादि के संबंध में ब्यौरे, यदि कोई हो ।

(ज) निर्गमकर्ता के सदस्यों/ शेयरधारकों की संख्या

(2) निर्गमकर्ता के संगम ज्ञापन में दिये हुए मुख्य उद्देश्य ।

(3) निर्गमकर्ता की समनुषंगी (समनुषंगियों) के संबंध में ब्यौरे :

(क) समनुषंगी का नाम;

(ख) कारबार का स्वरूप;

(ग) पूँजी संरचना;

(घ) निर्गमकर्ता की शेयरधारिता;

(ङ) समनुषंगी (समनुषंगियों) के संचित लाभों या हानियों की राशि, जिसका लेखा-जोखा निर्गमकर्ता द्वारा नहीं दिया गया;

(च) समनुषंगी (समनुषंगियों) के संचित लाभों या हानियों की राशि, जिसका लेखा-जोखा निर्गमकर्ता द्वारा नहीं दिया गया;

(4) शेयरधारकों के करारनामे :

- (क) विद्यमान शेयरधारकों के करारनामों, यदि कोई हो के प्रमुख निबंधन (उपलब्ध कराये जाँ, भले ही निर्गमकर्ता ऐसे करारनामे का पक्षकार न हो, परंतु उसे ऐसे करारनामे की जानकारी हो) ।
- (ख) क्रय के लिए प्रस्तावित प्रस्ताव में अपने शेयरों का प्रस्ताव करनेवाले संप्रवर्तकों द्वारा तीसरे पक्षकारों को दी गयी गारंटी, यदि कोई हो, कारण, राशि, निर्गमकर्ता पर बाध्यताएँ, गारंटी की कालावधि, व्यतिक्रम के मामले में वित्तीय विवक्षाएँ, उपलब्ध सुरक्षा, प्रतिफल इत्यादि का कथन करते हुए ।
- (ग) ऐसे सभी करारनामे मद (XII) की उप-मद (क) के अधीन अपेक्षित तात्त्विक संविदाओं की सूची में शामिल किये जायेंगे ।

(5) अन्य करारनामे:

- (क) ऐसे अन्य प्रत्येक तात्त्विक संविदा की तारीखें, पक्षकार और सामान्य स्वरूप, जो निर्गमकर्ता द्वारा किये जा रहे या किये जाने के लिए आशयित कारबार के सामान्य अनुक्रम में की गयी संविदा या प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से दो वर्ष पहले की गयी संविदा नहीं है ।
- (ख) मद (XII) की उप-मद (क) के अधीन अपेक्षित सभी महत्त्वपूर्ण संविदाओं की सूची में शामिल ऐसे करारनामे ।
- (6) स्ट्रैटेजिक भागीदार ।
- (7) वित्तीय भागीदार ।

(ड) प्रबंधतंत्र:

(1) निदेशक मंडल:

- (क) प्रबंधक, प्रबंध निदेशक, और अन्य निदेशक (जिनमें नामिती निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक शामिल हैं) के नाम, उम्र, अर्हताएँ, निदेशक पहचान संख्या, अनुभव, पते, व्यवसाय और वर्तमान पदावधि की समाप्ति, अन्य कंपनियों में उनके निदेशक पद की जानकारी देते हुए ।
- (ख) किसी भी निदेशकों के बीच किसी भी पारिवारिक नातेदारी का स्वरूप ।
- (ग) प्रमुख शेयरधारकों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं या अन्यो के बीच कोई इंतजाम या समझौता, जिसके अनुसरण में निदेशकों को वरिष्ठ प्रबंधतंत्र में निदेशक या सदस्य के रूप में चुना गया ।
- (घ) निदेशकों द्वारा निर्गमकर्ता के साथ की गयी सेवा संविदाओं के ब्यौरे, नियोजन के समापन पर फायदे उपलब्ध कराते हुए और ऐसी किसी संविदा के अभाव में पृथक् नकारात्मक कथन ।
- (ङ) उधार संबंधी शक्तियों के ब्यौरे ।

(2) प्रबंध निदेशकों / पूर्णकालिक निदेशकों के प्रतिकर:

- (क) निदेशक, पूर्णकालिक सदस्य, प्रबंध निदेशक या प्रबंधक को नियुक्त करनेवाली या का पारिश्रमिक निर्धारित करनेवाली प्रत्येक संविदा, प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से पहले दो वर्षों के भीतर या से पहले जब भी की जाँ, की तारीखें, पक्षकार और सामान्य स्वरूप । अंतिम वित्तीय वर्ष के दौरान, संदत्त प्रतिकर की रकम, और निर्गमकर्ता को सभी हैसियत में सेवाओं के लिए निर्गमकर्ता द्वारा ऐसे सभी

व्यक्तियों को वैयक्तिक आधार पर वस्तु रूप में प्रदत्त लाभ। प्रकटीकरण में वर्ष के लिए प्रोद्भूत आकस्मिक या आस्थगित प्रतिकर भी शामिल होंगे, चाहे प्रतिकर पश्चात्तवर्ती तारीख को संदेय हो।

- (ख) यदि प्रतिकर के किसी हिस्से का संदाय बोनस या लाभ-सहभाजन योजना के अनुसरण में किया गया, तो योजना और आधार जिस पर निदेशक इस योजना में सहभागी हैं का संक्षिप्त वर्णन।
- (ग) ऐसी सभी संविदाएँ मद (XII) की उप-मद (क) के अधीन अपेक्षित तात्त्विक संविदाओं की सूची में शामिल की जायेंगी।
- (3) निदेशकों की शेयरधारिता, जिसमें उनके द्वारा धारित अर्हता शेयरों के ब्यौरे शामिल हैं, जहाँ कहीं भी लागू हों।
- (4) निदेशकों के हित:
 - (क) निम्नलिखित में प्रत्येक निदेशक के हित, यदि कोई हो, के स्वरूप और विस्तार की संपूर्ण विशिष्टियाँ।
 - (i) निर्गमकर्ता के संवर्धन में; या
 - (ii) निर्गमकर्ता द्वारा प्रस्ताव-दस्तावेज की तारीख से दो वर्षों के भीतर अर्जित या इसके द्वारा अर्जित किये जाने के लिए प्रस्तावित किसी अन्य संपत्ति में।
 - (ख) जब ऐसे निदेशक का हित फर्म या कंपनी का सदस्य बनने में होता है, तो निर्गमकर्ता के संवर्धन या निर्माण के संबंध में फर्म या कंपनी के हित का स्वरूप और विस्तार प्रकट किया जायेगा, उसके द्वारा या फर्म या कंपनी द्वारा प्रदान की गयी सेवाओं के लिए किसी व्यक्ति द्वारा उसे निदेशक बनने का प्रलोभन देने के लिए या निदेशक के तौर पर योग्य सिद्ध होने के लिए, या अन्यथा के लिए उसे या फर्म या कंपनी को नकद या शेयर रूप में या अन्यथा अदा की गयी या अदा किये जाने के लिए स्वीकृत सभी राशियों के विवरण के साथ।
- (5) पिछले तीन सालों के दौरान निदेशकों में परिवर्तन, यदि कोई हो, और उसके कारण।
- (6) प्रबंध संगठन संरचना।
- (7) कंपनी शासन:
 - (क) इस आशय का प्रकटीकरण कि निर्गमकर्ता ने इक्विटी सूचीबद्धता करार में अंतर्विष्ट कंपनी शासन की सभी अपेक्षाओं का अनुपालन किया है, विशेषकर वे जो निदेशक मंडल की संघटना, समितियों जैसे लेखापरीक्षा समिति, शेयरधारक / विनिधानकर्ता शिकायत समिति इत्यादि के गठन से संबंधित हैं।
 - (ख) निर्गमकर्ता की लेखापरीक्षा समिति और पारिश्रमिक समिति से संबंधित ब्यौरे भी, जिनमें समिति के सदस्यों के नाम और उन निर्देश-निबंधनों का सारांश शामिल है, जिनके अधीन समितियाँ परिचालित हैं प्रकट किये जायेंगे।
- (8) मूल प्रबंध कार्मिक:
 - (क) बोर्ड के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख को मूल प्रबंध कार्मिक के ब्यौरे, जिसमें नाम, कार्यग्रहण करने की तारीख, अर्हता, पदावधि, अवधि समापन की तारीख के साथ और सेवा समाप्ति / सेवानिवृत्ति लाभ, यदि कोई हो, सहित सेवा संविदाओं के ब्यौरे, पिछले नियोजन के ब्यौरे, इत्यादि उपदर्शित किये जायेंगे।

- (ख) नाम, कारबार संबंधी अनुभव, निर्गमकर्ता में कृत्य और अनुभव क्षेत्र ।
- (ग) किसी भी मूल प्रबंध कार्मिक के बीच किसी पारिवारिक नातेदारी का स्वरूप ।
- (घ) प्रमुख शेयरधारकों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं या अन्यो के साथ कोई व्यवस्था या समझौता, जिसके अनुसरण में किसी भी मूल प्रबंध कार्मिक को निदेशक या वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्य के तौर पर चुना गया ।
- (ङ) पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी से सभी हैसियत से सेवाओं के लिए निर्गमकर्ता द्वारा मूल प्रबंध कार्मिकों को व्यक्तिगत आधार पर अदा किये गये प्रतिकर की राशि, और वस्तु रूप में प्रदत्त लाभ । इस प्रकटीकरण में वर्ष के लिए प्रोद्भूत आकस्मिक या आस्थगित प्रकटीकरण भी शामिल होंगे, चाहे प्रतिकर पश्चात्वर्ती तारीख को संदेय हो ।
- (च) यदि प्रतिकर का कोई हिस्सा बोनस या लाभ-सहभाजन योजना के अनुसरण में अदा किया गया हो, तो योजना का संक्षिप्त वर्णन और वह आधार जिस पर मूल प्रबंध कार्मिक योजना में भाग लेते हैं ।
- (छ) मूल प्रबंध कार्मिक की हैसियत प्रकट करें कि वे स्थायी कर्मचारी के रूप में नियोजन में हैं या अन्यथा ।
- (ज) प्रमुख प्रबंध कार्मिक की शेयरधारिता ।
- (झ) प्रमुख प्रबंध कार्मिक के लिए बोनस या लाभ-सहभाजन योजना ।
- (ञ) **मूल प्रबंध कार्मिक में परिवर्तन:** बोर्ड के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पूर्व अंतिम तीन वर्षों के दौरान वरिष्ठ मूल प्रबंध कार्मिक विशेष तौर पर उत्पाद, योजना, वित्त और विपणन के प्रभारी, के संबंध में सेवानिवृत्ति के सामान्य अनुक्रम से अन्यथा कोई परिवर्तन, प्रकट किया जायेगा । यदि मूल प्रबंध कार्मिक का आवर्त उद्योग की तुलना में अधिक है, तो उसके कारणों पर चर्चा की जानी चाहिए ।
- (9) **कर्मचारी**
- (क) प्रस्ताव दस्तावेज के पृष्ठ का संदर्भ लें जहाँ निर्गमकर्ता की कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम / कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम, यदि कोई हो, संबंधी प्रकटीकरण है, जैसा कि कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम और कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के संबंध में विनियमों या बोर्ड के विनियमों में अपेक्षित है ।
- (ख) **निर्गमकर्ता के अधिकारियों को भुगतान या फायदा (अवैतनिक संबंधी) :** किसी अधिकारी को दो पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान भुगतान की गयी या दी गयी या भुगतान किये जाने या दिये जाने के लिए आशयित कोई रकम या फायदा और फायदा देने संबंधी भुगतान के लिए प्रतिफल ।
- (च) **संप्रवर्तक / प्रधान शेयरधारक:**
- (1) जहाँ संप्रवर्तक व्यक्ति हैं:
- (क) संप्रवर्तक का संपूर्ण प्रोफाइल, जिसमें उनके नाम, आयु, निजी पते, शैक्षणिक अहर्ताएँ, कारबार या नियोजन और प्रस्ताव दस्तावेज में प्रस्तावित कारबार के क्षेत्र में अनुभव, विगत में धारित हैसियत / पद, धारित निदेशक पद, प्रत्येक संप्रवर्तक के अन्य उद्यम, विशेष उपलब्धियाँ, उनके कारबार और वित्तीय क्रियाकलाप,

फोटोग्राफ, मतदाता पहचान संख्या, वाहन चालन लाइसेंस संख्या प्रकट की जायेगी।

- (ख) घोषणा, यह पुष्टि करते हुए कि संप्रवर्तकों की स्थायी खाता संख्या, बैंक खाता संख्या और पासपोर्ट संख्या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों जिनमें विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं के पास उनके पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करते समय दाखिल की गयी हैं।
- (2) जहाँ संप्रवर्तक कंपनियाँ हैं:
- (क) कंपनियों और कंपनियों के संप्रवर्तकों का इतिवृत्त प्रस्तुत किया जायेगा। जहाँ ऐसी कंपनियों के संप्रवर्तक पुनः कंपनियाँ और कंपनी निकाय हैं, नियंत्रणधारी प्राकृत व्यक्तियों (अर्थात् पंद्रह प्रतिशत या अधिक मताधिकार धारण करनेवाले) या जो ऐसे निगमित निकायों के निदेशक मंडल में हैं, के नाम प्रकट किये जायेंगे।
- (ख) संप्रवर्तक कंपनियों के नियंत्रण या प्रबंधन में परिवर्तन संबंधी ब्यौरे, यदि कोई हो, जिनमें उन व्यक्तियों के ब्यौरे शामिल हैं जिन्होंने प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से ठीक पहले के तीन वर्षों में नियंत्रक हित धारण किया है।
- (ग) घोषणा, यह पुष्टि करते हुए कि कंपनी रजिस्ट्रारों के स्थायी खाता संख्या, बैंक खाता संख्या, कंपनी रजिस्ट्रीकरण संख्या और कंपनी रजिस्ट्रार का पता, जहाँ कंपनियाँ रजिस्ट्रीकृत हैं, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों जिनमें विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं में उनके पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करते समय प्रस्तुत किये गये हैं।
- (3) यदि वर्तमान संप्रवर्तक मूल संप्रवर्तक नहीं हैं और बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से ठीक पहले के पाँच वर्षों के भीतर निर्गमकर्ता का नियंत्रण अर्जित किया गया, तो नियंत्रण के अर्जन, अर्जन की तारीख, अर्जन के निबंधन, अर्जन के लिए संदत्त प्रतिफल और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 और सूचीबद्धता करारनामा, यथा लागू, की अनुपालना संबंधी ब्यौरों के संबंध में प्रकटीकरण किया जायेगा।
- (4) यदि ऐसा कोई अभिज्ञेय (आइडेंटिफ़िएबल) संप्रवर्तक नहीं है, तो यह तथ्य प्रकट किया जायेगा और उन शेयरधारकों जो व्यक्तिगत रूप में या समूह के रूप में निर्गमकर्ता के मताधिकारों के पंद्रह प्रतिशत या अधिक का नियंत्रण रखते हैं और उन व्यक्तियों, यदि कोई हो, जिन्हें निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल में निदेशक नियुक्त करने का अधिकार है, के बारे में भी प्रकटीकरण किया जायेगा।
- (5) यदि संप्रवर्तकों के पास कारबार के प्रस्तावित व्यवसाय में अनुभव नहीं है, तो यह तथ्य प्रकट किया जायेगा यह स्पष्ट करते हुए कि प्रस्तावित क्रियाकलाप कैसे किये जायेंगे / का प्रबंध कैसे किया जायेगा।
- (6) यदि संप्रवर्तकों का निर्गमकर्ता में संप्रवर्तकों से इतर कोई हित है, तो हित के संक्षिप्त ब्यौरों को उन पृष्ठों के प्रति-संदर्भ के साथ दिया जायेगा, प्रस्ताव दस्तावेज में जिन पर व्यापक ब्यौरे दिये गये हैं।
- (7) सभी समूह कंपनियों के बारे में निम्नलिखित जानकारी दी जायेगी, जहाँ कहीं लागू हों:
- (क) संगठन का नाम और प्रकार
- (ख) कारबार का संक्षिप्त वर्णन;

- (ग) संप्रवर्तकों के हित का स्वरूप और दायरा
- (8) प्रत्येक संप्रवर्तक, निदेशक या समूह कंपनी के हित के स्वरूप और दायरे, यदि कोई हो की पूर्ण विशिष्टियाँ:
- (क) निर्गमकर्ता के संवर्धन में; या
- (ख) बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से दो वर्षों के भीतर निर्गमकर्ता द्वारा अर्जित या इसके द्वारा अर्जित किये जाने के लिए प्रस्तावित किसी संपत्ति में;
- (ग) जहाँ ऐसे निदेशक या संप्रवर्तक के हित फर्म या कंपनी का सदस्य होने के नाते हैं, फर्म या कंपनी के हित का स्वरूप और दायरा, उसे या फर्म या कंपनी को, या तो उसे निदेशक बनने के लिए उत्प्रेरित करने अथवा अर्हित होने, या अन्यथा उसके द्वारा या फर्म या कंपनी द्वारा, निर्गमकर्ता के संवर्धन अथवा निर्माण के संबंध में, उसके द्वारा या फर्म या कंपनी द्वारा प्रदान की गयी सेवाओं के लिए किसी व्यक्ति द्वारा नकद या शेयरों के रूप में या अन्यथा भुगतान की गयी या भुगतान किये जाने के लिए सहमत सभी राशियों के विवरण के साथ ;
- (घ) भूमि के अर्जन, भवन के निर्माण और मशीनों की आपूर्ति इत्यादि में कोई संव्यवहार, संव्यवहारों और अंतर्वलित रकम के पूर्ण व्यौरों के साथ ।
- (9) निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों को भुगतान या फायदा: बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पहले दो वर्षों में किसी संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह को अदा की गयी या दी गयी अथवा अदा करने या देने के लिए आशयित कोई राशि या फायदा और फायदा देने संबंधी अदायगी के लिए प्रतिफल ।
- (छ) प्रस्तुतीकरण की मुद्रा: प्रस्ताव दस्तावेज में एक मानक वित्तीय यूनिट का इस्तेमाल किया जायेगा ।

(ज) लाभांश नीति

(IX) वित्तीय विवरण:

(क) चुनींदा समेकित वित्तीय और प्रचालन संबंधी आँकड़े

- (1) भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी "कन्सॉलिडेटेड फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स, लेखा मानक 21 के आधार पर तैयार किया गया समेकित वित्तीय विवरण प्रस्ताव दस्तावेज में सम्मिलित किया जायेगा ।
- (2) लेखा टिप्पणियों, महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियों और लेखापरीक्षकों के संप्रेक्षण सम्मिलित किये जायेंगे ।

(ख) निर्गमकर्ता की वित्तीय जानकारी:

- (1) निम्नलिखित के बारे में निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षकों द्वारा रिपोर्ट:
- (क) मद (IX) के उप-मद (ख) के पैरा (2) या (3) के अनुसार, लाभ और हानि और आस्तियाँ और देयताएँ, जैसी कि मामले में अपेक्षित हो; और
- (ख) प्रस्ताव दस्तावेज जारी करने से ठीक पहले के पाँच वित्तीय वर्षों में से प्रत्येक के लिए निर्गमकर्ता में शेयरों के प्रत्येक वर्ग के बारे में निर्गमकर्ता द्वारा संदत्त लाभांशों की दरें, यदि कोई हो, शेयरों के प्रत्येक वर्ग का ब्यौरा देते हुए जिन पर ऐसे लाभांश की अदायगी की गयी है और मामलों विशिष्टियाँ जिनमें उन वर्षों में किसी

के लिए भी शेयर के किसी भी वर्ग के बारे में कोई लाभांश अदा नहीं किया गया है;

और, यदि प्रस्ताव दस्तावेज जारी करने से तीन महीने पहले की तारीख को समाप्त होनेवाली पाँच वर्षों की कालावधि के किसी हिस्से के बारे में कोई लेखा तैयार नहीं किया गया है, इस तथ्य का कथन अंतर्विष्ट करते हुए (और उक्त कालावधि के उस तारीख जो प्रस्ताव दस्तावेज जारी करने की तारीख से छह महीने से पहले की न हो, तक के हिस्से के बारे में निर्गमकर्ता के लेखों के विवरण सहित, उस कालावधि के लाभ या हानि और उस अवधि के अंत तक की आस्तियाँ और देयताएँ उपदर्शित करते हुए, लेखापरीक्षकों से इस प्रमाणपत्र के साथ कि ऐसे लेखों की जाँच की गयी है और उनके द्वारा सही पाया गया है। उक्त कथन किये गये या जिन्हें अभी किये जानेवाले प्रावधानों या समायोजनों का स्वरूप उपदर्शित कर सकेंगे)।

(2) यदि निर्गमकर्ता की कोई समनुषंगी नहीं है, तो रिपोर्ट:

- (क) जहाँ तक लाभों और हानियों का संबंध है, प्रस्ताव दस्तावेज जारी होने से ठीक पहले के पाँच वित्तीय वर्षों में से प्रत्येक के लिए निर्गमकर्ता के लाभों या हानियों (अनावर्ती स्वरूप के मदों को अलग-अलग करते हुए) से संबंधित होगी; और
- (ख) जहाँ तक आस्तियों और देयताओं का संबंध है, निर्गमकर्ता की उस अंतिम तारीख तक की आस्तियों और देयताओं से संबंधित होगी जब निर्गमकर्ता का लेखा बनाया गया।

(3) यदि निर्गमकर्ता की कोई समनुषंगी है, तो रिपोर्ट:

- (क) जहाँ तक लाभों और हानियों का संबंध है, मद (IX) की उप-मद (ख) के पैरा (2) द्वारा यथा उपबंधित निर्गमकर्ता के लाभों या हानियों को अलग-अलग प्रस्तुत करती है और इसके अलावा, या तो:

- (i) इसकी समनुषंगियों के कुल संयुक्त लाभों या हानियों को दर्शायेगी, जहाँ तक वे निर्गमकर्ता के सदस्यों से संबंधित हैं; या
- (ii) प्रत्येक समनुषंगी के लाभों या हानियों को अलग-अलग दर्शायेगी, जहाँ तक वे निर्गमकर्ता के सदस्यों से संबंधित हैं;

या, निर्गमकर्ताओं के लाभों या हानियों को अलग-अलग प्रकट करने के बजाय, निर्गमकर्ता के कुल लाभों या हानियों को समग्र तौर पर, और, जहाँ तक वे निर्गमकर्ता के सदस्यों से संबंधित हैं; इसकी समनुषंगियों के संयुक्त लाभों या हानियों के साथ प्रकट करेगी, और

- (ख) जहाँ तक आस्तियों और दायित्वों का संबंध है, मद (IX) की उप-मद (ख) के पैरा (2) द्वारा यथा उपबंधित निर्गमकर्ता की आस्तियों और देयताओं को अलग-अलग प्रस्तुत करती है और इसके अलावा, या तो:

- (i) कुल मिलाकर इसकी समनुषंगियों की संयुक्त आस्तियों और देयताओं के साथ या निर्गमकर्ता की आस्तियों और देयताओं सहित और के बिना; या
- (ii) प्रत्येक समनुषंगी की आस्तियों और देयताओं के साथ अलग-अलग; और समनुषंगियों की आस्तियों और देयताओं के बारे में, निर्गमकर्ता के सदस्यों से भिन्न व्यक्तियों के लिए दी गयी छूट उपदर्शित करेगी।

(4) यदि शेयरों या डिबेंचरों के निर्गम की आगमों, या आगमों के किसी हिस्से को प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः निम्नलिखित में लगाया जाना है:

(क) किसी कारबार के क्रय में; या

(ख) किसी कारबार में हित के क्रय में और उस क्रय के कारण, या उसके परिणामस्वरूप की जानेवाली कोई बात, या उसके संबंध में, निर्गमकर्ता या तो पूँजी या लाभों और हानियों या दोनों के बारे में हित का हकदार होगा, ऐसे कारबार में उसके पचास प्रतिशत से अधिक;

लेखाकारों (जिनके नाम प्रस्ताव दस्तावेज में दिये जायेंगे) द्वारा निम्नलिखित पर तैयार की गयी रिपोर्ट:

(i) प्रस्ताव दस्तावेज के जारी होने से ठीक पहले के पाँच वित्तीय वर्षों के कारबार के लाभ या हानियाँ; और

(ii) उस अंतिम तारीख तक कारबार की आस्तियाँ और देयताएँ जब कारबार के लेखे तैयार किये गये, जो प्रस्ताव दस्तावेज जारी करने की तारीख से एक सौ बीस दिन से पहले की न हो।

(5)

(क) यदि:

(i) शेयरों या डिबेंचरों के निर्गम के, आगम, या आगमों का कोई हिस्सा, ऐसी किसी रीति में प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः आवेदित है या किये जाने हैं, जिसका परिणाम किसी अन्य निगमित निकाय में शेयरों के निर्गमकर्ता द्वारा अर्जन के रूप में होता है; और

(ii) उस अर्जन या उसके परिणामस्वरूप या उसके संबंध में होनेवाली किसी बात के कारण, वह निगमित निकाय निर्गमकर्ता का समनुषंगी बन जायेगा;

लेखाकारों (जिनके नाम प्रस्ताव दस्तावेज में दिये जायेंगे) द्वारा निम्नलिखित पर एक रिपोर्ट तैयार की जायेगी:

- प्रस्ताव दस्तावेज जारी होने से ठीक पहले पाँच वित्तीय वर्षों के लिए निगमित निकाय के लाभ या हानियाँ; और
- अन्य निगमित निकाय की उस अंतिम तारीख तक की आस्तियाँ और दायित्व जब इसके लेखे तैयार किये गये।

(ख) उक्त रिपोर्ट में:

(i) उपदर्शित किया जायेगा कि रिपोर्ट में विचार किये गये अन्य निगमित निकाय के लाभ या हानि, अर्जित किये जानेवाले शेयरों के बारे में, निर्गमकर्ता के सदस्यों से संबंधित होंगे और इस प्रकार विचार की गयी आस्तियों और देयताओं के संबंध में अन्य शेयरों के धारकों के लिए कौनसा

भत्ता आरंभ किया जाता, यदि निर्गमकर्ता ने सभी तात्त्विक समयों में अर्जित किये जानेवाले शेयरों को धारण किया होता; और

- (ii) जहाँ अन्य निगमित निकाय की समनुषंगियाँ हैं, वहाँ निगमित निकाय और इसकी समनुषंगियों के लाभों या हानियों और आस्तियों और दायित्वों पर उस रीति में विचार किया जायेगा, जो निर्गमकर्ता और इसकी समनुषंगियों के संबंध में उपर्युक्त उप-खंड (क) (ii) में उपबंधित है।

- (6) प्रतिभूतियों के रूप में प्रभारित उधारों और आस्तियों के मुख्य निबंधन : सावधि उधारों के निबंधन और शर्तें, जिनमें पुनःअनुसूचित करना, प्रतिसंदाय, शास्ति, चूक, इत्यादि सम्मिलित हैं।

- (7) (क) विविध देनदारों का वय के अनुसार विश्लेषण दिया जायेगा।
(ख) उत्कथित विनिधानों का सकल बही मूल्य और उत्कथित विनिधानों का सकल बाजार मूल्य प्रकट किया जायेगा।

- (8) वित्तीय विवरणों को तैयार करने में अनुपालन की जानेवाली सभी महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और मानक उसकी सभी टिप्पणियों सहित प्रकट किये जायेंगे और लेखा परीक्षकों की अर्हताएँ सम्मिलित होंगी।

- (9) निम्नलिखित समायोजनों के बाद आस्तियों और दायित्वों तथा लाभ और हानि या किसी अन्य वित्तीय जानकारी के विवरण सम्मिलित किये जायेंगे, जहाँ कहीं मात्रा-निर्धारण संभव है:

(क) सभी गलत लेखा व्यवहारों या प्रावधान अथवा अन्य समायोजन करने में असफलता, जिसका परिणाम लेखापरीक्षा अर्हताओं में हुआ, के लिए समायोजन / परिशोधन। लेखापरीक्षा अर्हताओं, जिन्हें कार्यान्वित नहीं किया गया है, यदि कोई हो, की मुख्य-मुख्य बातों को प्रबंध तंत्र की टिप्पणियों के साथ दर्शाया जायेगा। यदि प्रावधान न किये जाने के प्रभाव को अभिनिश्चय नहीं समझा जाता है, तो लेखापरीक्षकों द्वारा उस आशय का कथन।

(ख) पिछले वर्षों के लिए समायोजनों से संबंधित तात्त्विक रकमों को पहचाना जायेगा और उन वर्षों के लाभ प्राप्त के लिए समायोजित किया जायेगा जिससे वे संबंधित हैं, उस वर्ष का विचार किये बिना जिसमें लाभ या हानि लानेवाली घटना हुई है।

(ग) जहाँ लेखा नीति में परिवर्तन हुआ है, पूर्वतर वर्षों के लाभों या हानियों की (प्रस्ताव दस्तावेज में दिखाये जाने के लिए अपेक्षित) और उस वर्ष, जिसमें लेखा नीति में परिवर्तन हुआ है, के लाभों या हानियों की पुनःसंगणना यह दर्शाने के लिए की जायेगी कि उन वर्षों के लाभ और हानियाँ क्या होते, अगर इन वर्षों में से प्रत्येक के लिए एकसमान लेखा नीति अपनायी गयी होती।

(घ) यदि गलत लेखा नीति अपनायी जाती है, तो सही लेखा नीतियों के अनुसार वित्तीय विवरणों की पुनः संगणना की जायेगी।

- (ड) लाभ या हानि के विवरण में असाधारण मदों पर विचार करने से पहले के लाभ या हानि और असाधारण मदों पर विचार करने के बाद के लाभ या हानि प्रकट किये जायेंगे । इस आधार पर लाभों और हानियों के प्रकटीकरण का एक उदाहरणयुक्त फार्मेट इसके नीचे विनिर्दिष्ट है:

31 मार्च को समाप्त वर्ष					
	20X1	20X2	20X3	20X4	20X5
(लाख रुपये)					
आय					
विक्रय -					
निर्गमकर्ता द्वारा निर्मित उत्पादों का	1000	1240	1640	1800	1800
निर्गमकर्ता द्वारा व्यापारित उत्पादों का	100	60	60	200	200
कुल	1100	1300	1700	2000	2000
अन्य आय	10	30	40	60	100
तालिका (इन्वेंटरी) में बढ़ोतरी (कमी)	40	(70)	60	180	310
	1150	1260	1800	2240	2410
व्यय					
उपभोग किया गया कच्चा माल	400	480	630	1110	1200
स्टाफ लागतें	200	220	240	340	400
अन्य विनिर्माण व्यय	250	260	280	540	650
प्रशासन व्यय	40	42	60	80	85
विक्रय और संवितरण व्यय	110	120	130	190	250
ब्याज	60	55	90	200	140
	1095	1227	1495	2635	2795
कर से पहले शुद्ध लाभ और असाधारण मदें	55	33	305	(295)	(385)
कराधान	25	12	144	(185)	(235)
असाधारण मदों से पहले शुद्ध लाभ	30	21	161	(110)	(150)
असाधारण मदें (कर का शुद्ध)		49	(64)	800	1000
असाधारण मदों के बाद शुद्ध लाभ	30	70	97	700	850

(च) पुनर्मूल्यन आरक्षिति खाता पर बकाया शेष को चल आस्तियों और आरक्षितियों दोनों से घटाने और ऐसी कटौती के बाद शुद्ध मालियत प्राप्त होने के बाद आस्तियों और दायित्वों का विवरण तैयार किया जायेगा। आस्तियों और दायित्वों का उदाहरणयुक्त फॉर्मेट इसके नीचे विनिर्दिष्ट है:

		31 मार्च को				
		20X1	20X2	20X3	20X4	20X5
		(लाख रुपये)				
(1)	स्थिर आस्तियाँ					
	सकल ब्लॉक	440	750	900	922	1350
	मूल्यहास घटायें	(55)	(107)	(170)	(250)	(320)
	शुद्ध ब्लॉक	385	643	730	672	1030
	घटायें : पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति	(100)	(95)	(89)	(83)	(75)
	पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति के लिए समायोजन के बाद शुद्ध ब्लॉक	285	548	641	589	955
(2)	चालू आस्तियाँ, ऋण और अग्रिम					
	तालिका (इन्वेन्टरी)	485	420	720	1030	3200
	विविध देनदार	28	30	30	500	2500
	नकदी और बैंक अतिशेष	13	14	22	200	400
	ऋण और अग्रिम	78	100	85	1100	2000
	अन्य चालू आस्तियाँ	70	80	55	200	220
		674	644	912	3080	8320
(3)	देयताएँ और प्रावधान :					
	प्रतिभूत ऋण	376	607	616	620	460
	अप्रतिभूत ऋण	3	3	-	-	4000
	चालू देयताएँ और प्रावधान	250	180	330	460	1100
		(629)	(790)	(946)	(1080)	(5560)
(4)	शुद्ध मालियत	330	402	607	2589	3715
(5)	निम्नलिखित से रूपित (रिप्रेजेंटेटेड)					
	शेयर पूँजी	300	300	400	1600	2000
	आरक्षितियाँ	130	197	296	1072	1790
	घटायें : पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति	(100)	(95)	(89)	(83)	(75)
	आरक्षितियाँ (पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों का शुद्ध)	30	102	207	989	1715
	शुद्ध मालियत	330	402	607	2589	3715

(छ) सभी समाश्रित दायित्वों के सुसंगत ब्लॉक

(10) लाभ और हानि विवरण में प्रकट किये गये व्यापारावर्त को निम्नलिखित में बाँटा जायेगा:

- (क) निर्गमकर्ता द्वारा विनिर्मित उत्पादों का व्यापारावर्त;
- (ख) निर्गमकर्ता द्वारा व्यापारित उत्पादों का व्यापारावर्त; और
- (ग) उन उत्पादों के बारे में व्यापारावर्त का अलग से उल्लेख किया जायेगा, जिनमें सामान्यतः निर्गमकर्ता द्वारा व्यौहार नहीं किये जाते हैं परंतु जो उपर्युक्त (ख) में शामिल हैं।

(11) प्रस्ताव दस्तावेज में उन सभी मामलों में 'अन्य आय' के ब्यौरे प्रकट किये जायेंगे जहाँ ऐसी आय (संबंधित व्ययों का शुद्ध) कर से पहले शुद्ध लाभ के बीस प्रतिशत से अधिक हो, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

- (क) ऐसी आय के स्रोत और अन्य विशिष्टियाँ; और
- (ख) ऐसा उपदर्शन कि ऐसी आय आवर्ती है या अनावर्ती, या कारबारी क्रियाकलापों से / सामान्य कारबारी क्रियाकलापों से भिन्न से उद्भूत हुई है।

(12) संबंधित पक्षकार के संव्यवहार: निर्गमकर्ता संबंधित पक्षकार के संव्यवहारों के निम्नलिखित ब्यौरे प्रकट करेगा और भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक (18) 'रिलेटेड पार्टी डिस्क्लोजर' (संबंधित पक्षकार के संव्यवहार) की अपेक्षाओं के अनुसार प्रकटीकरण करेगा।

(क) निर्गमकर्ता और

- (i) उद्यमों जो प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्तियों के माध्यम से, निर्गमकर्ता का नियंत्रण करते हैं या द्वारा नियंत्रित हैं, या के साथ एक ही नियंत्रण के अधीन हैं;
- (ii) सहयुक्तों;
- (iii) व्यक्तियों, जो कंपनी की मतदान शक्ति में प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः हित रखते हैं जिससे निर्गमकर्ता पर उनका पर्याप्त प्रभाव होता है, और ऐसे किसी व्यक्ति के परिवार के नजदीकी सदस्यों;
- (iv) प्रमुख प्रबंधकार वर्ग, अर्थात्, वे व्यक्ति जिनके पास निर्गमकर्ता के क्रियाकलापों की योजना बनाने, निदेश देने और नियंत्रित करने का प्राधिकार और जिम्मेदारी है, जिनमें कंपनी के निदेशक और वरिष्ठ प्रबंधतंत्र और ऐसे व्यक्तियों के परिवारों के निकट सदस्य शामिल हैं;
- (v) उद्यमों जिनमें (ग) या (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः मतदान शक्ति में पर्याप्त हित का स्वामी है या जिसके परिणामस्वरूप ऐसा व्यक्ति पर्याप्त असर का प्रयोग करने में समर्थ हो जाता है और इसमें निर्गमकर्ता के निदेशकों या प्रमुख शेरधारकों के उद्यम शामिल हैं।

के बीच संव्यवहारों या ऋणों के बारे में जानकारी ।

- (ख) किन्हीं संव्यवहारों जो निर्गमकर्ता या संबद्ध पक्षकार (पार्टी) के लिए तात्विक हैं, या किन्हीं संव्यवहारों जो अपनी प्रकृति या परिस्थितियों में, जिनमें माल, सेवाएँ, या मूर्त या अमूर्त आस्तियाँ सम्मिलित हैं, अप्रायिक (अनयूजअॅल) हैं, जिनका निर्गमकर्ता या इसकी मूल कंपनियों में से कोई पक्षकार था, का स्वरूप और दायरा ।
- (ग) निर्गमकर्ता या इसकी किन्हीं मूल कंपनियों द्वारा किन्हीं निदेशकों या प्रमुख प्रबंधकार वर्ग के फायदे के लिए लिये गये ऋणों की बकाया राशि । दी गयी जानकारी में सबसे अंत की तारीख को बकाया राशि, ऋण की प्रकृति और संव्यवहार जिसमें यह उपगत हुआ, और ऋण पर ब्याज दर सम्मिलित होनी चाहिए ।

(13) लेखा और अन्य अनुपात:

- (क) प्रत्येक लेखा कालावधि के लिए, जिसके लिए वित्तीय जानकारी दी जाती है निम्नलिखित मूल लेखा अनुपात दिये जायेंगे ।
- (ख) प्रति शेयर उपार्जन और हलके किये गये (डाइल्यूटेड) उपार्जन प्रति शेयर : असाधारण मदों को छोड़कर इस अनुपात की संगणना की जायेगी ।
- (ग) शुद्ध मालियत पर विवरणी : पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों और असाधारण मदों को अपवर्जित करने के पश्चात् इस अनुपात की गणना की जायेगी ।
- (घ) प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य । पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को अपवर्जित करने के पश्चात् इस अनुपात की गणना की जायेगी ।
- (ङ) “लेखा और अन्य अनुपात” भारतीय लेखा मानकों के आधार पर तैयार किये गये वित्तीय विवरणों पर आधारित होंगे ।
- (च) आरक्षितियों के पूँजीकरण के कारण परिवर्तित हो रही पूँजी संरचना की दशा में, मूल अनुपातों पर इसका प्रभाव अलग से प्रकट किया जायेगा । अनुपातों पर बकाया वित्तीय लिखतों का प्रभाव भी, यदि कोई हो, प्रकट किया जायेगा ।

(14) पूँजीकरण विवरण:

- (क) निर्गम लाने से पहले और पश्चात् कुल ऋण, शुद्ध मालियत, और ऋण / इक्विटी अनुपात दर्शानेवाला पूँजीकरण विवरण सम्मिलित किया जायेगा ।
- (ख) उस तारीख से, जब प्रस्ताव दस्तावेज में वित्तीय जानकारी प्रकट की गयी है, शेयर पूँजी में किसी परिवर्तन के मामले में परिवर्तन की प्रकृति स्पष्ट करनेवाली टिप्पणी दी जायेगी ।
- (ग) पूँजीकरण विवरण का दृष्टांत रूप फार्मेट नीचे विनिर्दिष्ट है:

	30-6-20X1 को निर्गम-पूर्व	निर्गम के लिए यथासमायोजित (लाख रुपये)
अल्पावधि ऋण	1870	1870

दीर्घावधि ऋण	4370	4370
शेयरधारक निधियाँ		
शेयर पूँजी	4000	4450
आरक्षितियाँ	14570	37520
कुल शेयरधारक निधि	18570	41940
दीर्घावधि ऋण / इक्विटी	0.24:1	0.10:1

टिप्पणी: 31-3-20X1 (जो वह अंतिम तारीख है जब इस दस्तावेज के पैरा में वित्तीय जानकारी दी गयी) से प्रति 3 शेयरों के लिए 1 शेयर के अनुपात में बोनस शेयरों के निर्गम द्वारा शेयर पूँजी को 3000 लाख रु. से 4000 लाख रु. तक बढ़ाया गया ।

(15) मूल्यवर्ग (डिनॉमिनेशन) में परिवर्तन के मामले में वित्तसंबंधी प्रस्तुति : इक्विटी शेयरों के मानक मूल्यवर्ग में परिवर्तन के मामले में, प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकटीकरण करते समय निम्नलिखित की अनुपालना सुनिश्चित की जायेगी:

- (क) शेयरों के मूल्यवर्ग में परिवर्तन से प्रभावित सभी वित्तीय आँकड़े प्रस्ताव दस्तावेज में स्पष्ट तौर पर और असंदिग्ध रूप से प्रकट किये जायेंगे ।
- (ख) प्रति शेयर मूल्य को जतानेवाले वित्तीय अनुपातों की तुलना और प्रतिभूतियों की कीमत तथा परिमाण के बारे में स्टॉक बाजार आँकड़ों की तुलना प्रस्ताव दस्तावेज में स्पष्ट तौर पर और असंदिग्ध रूप से प्रस्तुत की जायेगी ।
- (ग) प्रस्ताव दस्तावेज में सम्मिलित पूँजी संरचना को शेयरों के मूल्यवर्ग में परिवर्तन से संबंधित सभी सुसंगत ब्यौरे देते हुए स्पष्ट तौर पर प्रस्तुत किया जायेगा ।

(16) अप्रतिभूत ऋण:

- (क) निर्गमकर्ता द्वारा लिये गये कुल बकाया अप्रतिभूत उधारों का विवरण संप्रवर्तकों / समूह कंपनियों / समनुषंगियों / महत्वपूर्ण सहयुक्त कंपनियों से उधार ली गयी रकम और अन्यो से उधार ली गयी रकम को अलग-अलग दर्शाते हुए दिया जायेगा । इसके अतिरिक्त ऐसे पूर्वकथित प्रत्येक उधार के बारे में निबंधन और शर्तें, जिनमें ब्याज दरें और संदाय-सूची सम्मिलित हों प्रकट की जायेंगी । यदि उधारदाताओं द्वारा किसी भी समय उधारों की वापस माँग की जा सकती है, तो इसे प्रकट किया जायेगा ।
- (ख) संप्रवर्तकों, समूह कंपनियों, संबंधित पक्षकारों (पार्टियों), तात्त्विक सहयुक्त कंपनियों और अन्यो द्वारा लिये गये कुल बकाया अप्रतिभूत उधारों का अलग-अलग विवरण प्रकट किया जायेगा ।
- (ग) यदि उधारदाताओं द्वारा किसी भी समय उधारों की वापस माँग की जा सकती है, तो इसे ऐसे उधारों के ब्यौरों के साथ प्रकट किया जायेगा ।

- (17) भावी कर भारों (टैक्स इन्सिडेंस) की उचित समझ के लिए, निम्नलिखित कारक पहचाने जायेंगे और उचित प्रकटीकरणों के माध्यम से से इन्हें स्पष्ट किया जायेगा :
- (क) करोपरांत लाभ अक्सर कर-आश्रयों (टैक्स शैल्टर) से, जो उपलब्ध हैं प्रभावित होते हैं ।
- (ख) इनमें से कुछ अपेक्षाकृत स्थायी स्वरूप के हैं (उदाहरणार्थ, निर्यात लाभों से उद्भूत) जबकि अन्य समयानुसार सीमित हो सकते हैं [उदाहरणार्थ, नये उद्यमों के लिए कर-मुक्तता (टैक्स हॉलिडे)]।
- (ग) कर-प्रावधान समय-निर्धारण में अंतरों से भी प्रभावित होते हैं जिन्हें भविष्य में उलटा जा सकता है (उदाहरणार्थ, बही मूल्यहास और कर मूल्यहास)।
- (घ) कराधानों के लिए प्रावधानों के बारे में, आस्थगित कर आस्तियों और आस्थगित कर दायित्वों के लिए भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक (22) "अकाउंटिंग फॉर टैक्सेस ऑन इन्कम" की अपेक्षाओं के अनुसार समायोजन किया जायेगा और करयोग्य आय और बही लाभों का मिलान नीचे दृष्टांत स्वरूप दिये गये फार्मेट के अनुसार प्रकट किया जायेगा:

31 मार्च को समाप्त वर्ष					
	20X1	20X2	20X3	20X4	20X5
	(लाख रुपये)				
आनुमानिक दर पर कर	28	70	89	546	675
समायोजन:					
निर्यात लाभ	(4)	(5)	(20)	(100)	(120)
कर मूल्यहास और बही मूल्यहास के बीच अंतर	(6)	(8)	(9)	(10)	(10)
अन्य समायोजन	3	3	4	4	5
शुद्ध समायोजन	(7)	(10)	(25)	(106)	(125)
उस पर कर बचत	(3)	(5)	(13)	(49)	(58)
कुल कराधान	25	65	76	497	617
असाधारण मदों पर कराधान -		53	(68)	682	852
असाधारण मदों से पहले लाभों पर कर	25	12	144	(185)	(235)

- (18) निर्गमकर्ता, यदि यह ऐसा चाहता है, तो प्रस्ताव दस्तावेज में एक से अधिक लेखा पद्धतियों के आधार पर तैयार किये गये वित्तीय विवरणों को विभिन्न लेखा पद्धतियों की लेखा नीतियों में अंतरों के कारण उद्भूत तात्त्विक परिवर्तनों के प्रकटीकरण के अध्यधीन शामिल कर सकेगा ।

(19) कालावधियों के बारे में, पाँच सालों की कालावधि के भीतर, जब भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी किये गये सुसंगत लेखा मानक ऐसे निर्गमकर्ताओं के बारे में आज्ञापक थे:

- (क) जहाँ, सूचीबद्ध निर्गमकर्ताओं के बारे में, लेखापरीक्षा रिपोर्ट निर्गमकर्ता और इसकी समनुषंगियों के लाभों और हानियों तथा आस्तियों और दायित्वों से समग्र रूप से संबंधित नहीं होती है, कालावधियों के बारे में समेकित तुलनपत्र और लाभ एवं हानि लेखा प्रकट किये जायेंगे, पाँच वर्षों की कालावधि के भीतर, जब मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के साथ सूचीबद्धता करारनामे के अधीन ऐसे निर्गमकर्ताओं के बारे में ऐसे विवरण तैयार करना आज्ञापक था।
- (ख) कारोबार खंडों के बारे में, खंड राजस्व, खंड परिणाम और शुद्ध नियोजित पूँजी प्रकट किये जायेंगे और जहाँ प्राथमिक खंड एक भौगोलिक खंड है, भौगोलिक खंडों द्वारा समान ब्यौरे दिये जायेंगे।

(20) स्टॉक एक्सचेंजों के साथ इक्विटी सूचीबद्धता करारनामे के खंड 41 के अनुसार निर्गमकर्ता द्वारा प्रकाशित लेखापरीक्षित / अलेखापरीक्षित तिमाही वित्तीय परिणामों के नवीनतम विवरण भी पुनःप्रस्तुत किये जायेंगे।

(21) प्रस्ताव दस्तावेज में यह प्रकट किया जायेगा कि क्या विविध देनदारों में से कोई निर्गमकर्ता के निदेशकों या संप्रवर्तकों से किसी भी रीति में संबंधित है। ऋणों और अग्रिमों के मामले में भी ऐसे प्रकटीकरण किये जायेंगे।

(ग) समूह कंपनियों की वित्तीय जानकारी:

- (1) निर्गमकर्ता के सरकारी कंपनी, कानूनी प्राधिकरण या निगम अथवा उनमें से किसी के द्वारा गठित कोई विशेष प्रयोजन माध्यम न होने पर, सभी समूह कंपनियों के बारे में, लेखापरीक्षित विवरणों के आधार पर, पिछले तीन वर्षों के लिए निम्नलिखित जानकारी, जहाँ कहीं लागू हो, लेखापरीक्षकों की टिप्पणियों के साथ दी जायेगी:
 - (क) निगमन की तारीख;
 - (ख) क्रियाकलापों का स्वरूप;
 - (ग) इक्विटी पूँजी;
 - (घ) आरक्षितियाँ (पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति को छोड़कर);
 - (ङ) विक्रय;
 - (च) करोपरांत लाभ;
 - (छ) उपार्जन प्रति शेयर और हलके किये गये (डाइल्यूटेड) उपार्जन प्रति शेयर;
 - (ज) शुद्ध आस्ति मूल्य;
 - (झ) पूर्ववर्ती छह महीनों के दौरान शेयरों की उच्चतम और न्यूनतम बाजार कीमत, इस अवधि के दौरान पूँजी संरचना में परिवर्तनों और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव

दस्तावेज रजिस्ट्रीकृत करने की तारीख को बाजार मूल्य के उपयुक्त प्रकटीकरणों के साथ ।

- (अ) यदि किसी कंपनी ने पिछले तीन वर्षों के दौरान सार्वजनिक या साधिकार निर्गम किया है, प्रतिभूति की निर्गम कीमत, वर्तमान बाजार कीमत और निर्गम की तारीख के बाद से पूँजी संरचना में हुए परिवर्तनों के ब्यौरे, यदि कोई हो, और प्रस्ताव दस्तावेज में दी गयी लागत तथा कार्यान्वयन अनुसूची की तुलना में परियोजना की लागत और कार्यान्वयन प्रगति से संबंधित विवरण ।
- (ट) समूह कंपनियों के संबंध में महत्वपूर्ण प्रतिकूल कारकों के संबंध में और विशेषकर निम्नलिखित के संबंध में जानकारी :
 - (i) क्या कंपनी रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1995 के अभिप्राय में रुग्ण कंपनी हो गयी है या परिसमापन के अधीन है;
 - (ii) क्या कंपनी ने ठीक पहले के वर्ष में हानि उठायी है और यदि हाँ, तो ठीक पहले के तीन वर्षों के लिए लाभ या हानि संबंधी आँकड़े ।
- (ठ) समूह कंपनियों के बारे में प्रकटीकरण किये जायेंगे, जो निष्क्रिय रही थीं और जिनके लिए कंपनी रजिस्ट्रार को कंपनी का नाम काट दिये जाने के लिए आवेदन किया गया था, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पहले पाँच वर्षों के दौरान । प्रकटीकरण में कंपनी के निष्क्रिय हो जाने के कारण और ऐसी कंपनियों के बारे में सभी लंबित मुकदमे, यदि कोई हो, शामिल होंगे ।
- (ड) कंपनी जो सार्वजनिक मर्यादित कंपनी की समनुषंगी न होते हुए निजी मर्यादित कंपनी है के बारे में मद (ड), (च), (छ) और (ठ) (ii) के अधीन जानकारी देने की आवश्यकता नहीं है ।

- (2) यदि सूचीबद्ध समूह कंपनियाँ पाँच से अधिक हैं, तो वित्तीय जानकारी प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पहले या तीव्र (फास्ट ट्रैक) निर्गम के मामले में विनियम 10 के उप-विनियम (1) के स्पष्टीकरण (II) में निर्दिष्ट संदर्भ तारीख से एक महीना पहले बाजार पूँजीकरण के आधार पर अवधारित की जानेवाली पाँच बड़ी कंपनियों तक प्रतिबंधित हो सकेगी । यदि सूचीबद्ध समूह कंपनियों पाँच से कम हैं, तो सभी सूचीबद्ध कंपनियों के लिए और इसके अलावा बृहत्तम असूचीबद्ध कंपनियों (व्यापारावर्त के आधार पर) के लिए वित्तीय जानकारी दी जायेगी ताकि सूचीबद्ध और असूचीबद्ध कंपनियों जिनके लिए जानकारी अपेक्षित है की कुल संख्या पाँच से अधिक न हो ।

परंतु यह कि ऐसी प्रत्येक कंपनी के संबंध में वित्तीय जानकारी प्रदान की जायेगी जो रुग्ण औद्योगिक कंपनी बन गयी है या जो परिसमापन के अधीन है या जिसकी शुद्ध मालियत ऋणात्मक है ।

- (3) यदि संप्रवर्तक ने प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पहले तीन वर्षों के दौरान स्वयं को कंपनियों या फर्मों से अलग किया है, तो इसके कारणों और अलगाव

को जन्म देनेवाली परिस्थितियों को ऐसे अलगाव के निबंधनों के साथ प्रस्तुत किया जायेगा ।

(4) सामान्य कामकाज:

- (क) यदि समूह कंपनियों / समनुषंगी / सहयुक्त कंपनियों और निर्गमकर्ता के बीच कोई सामान्य कामकाज है, तो इसके कारण और औचित्य स्पष्ट किये जायेंगे और हित संघर्ष स्थितियों का कथन किया जायेगा ।
- (ख) समूह के भीतर संबंधित कारोबारी संव्यवहार और निर्गमकर्ता के वित्तीय कार्यनिष्पादन के संबंध में उनका महत्त्व ।

(5) समूह कंपनियों / समनुषंगियों / सहयुक्त कंपनियों के बीच विक्रय या क्रय जब ऐसे विक्रय या क्रय निर्गमकर्ता के कुल विक्रयों या क्रयों के सकल दस प्रतिशत के मूल्य से अधिक हों और ऐसे संव्यवहारों से उद्भूत आय या व्यय की तात्त्विक मदें भी प्रकट करें ।

(6) यदि निर्गमकर्ता में अन्य समूह कंपनियों / समनुषंगियों / सहयुक्त कंपनियों का कारोबारी हित है तो वाणिज्यिक कारबार का परिमाण बतायें जो निर्गमकर्ता के साथ उक्त कंपनी के पास है / होने का प्रस्ताव है । यदि नहीं, तो इस आशय का सुस्पष्ट नकारात्मक कथन सम्मिलित किया जाए ।

(घ) पिछले तीन वर्षों में लेखा नीतियों में परिवर्तन

(ङ) वित्तीय विवरणों यथाप्रतिबिंबित में प्रबंध तंत्र की चर्चा और वित्तीय स्थितियों का विश्लेषण तथा प्रचालनों के परिणाम

- (1) निर्गमकर्ता के कारबार का पुनर्विलोकन
- (2) पिछले वित्तीय वर्ष के पश्चात् की महत्त्वपूर्ण उद्घटनाएँ: निदेशकों द्वारा कथन कि क्या उनकी राय में प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किये गये अंतिम वित्तीय विवरणों की तारीख के बाद से ऐसी कोई स्थिति उत्पन्न हुई है और जो निर्गमकर्ता की लाभप्रदता या व्यापार, या इसकी आस्तियों के मूल्य, या अगले बारह महीनों में दायित्वों के भुगतान की इसकी क्षमता को तात्त्विक रूप से और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है या प्रभावित करने की संभावना है ।
- (3) कारक जो प्रचालनों के परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं ।
- (4) प्रचालनों के परिणामों पर चर्चा: इस जानकारी में अन्य बातों के साथ निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा:
 - (क) समायोजनों के पश्चात् पिछले वित्तीय परिणामों का सारांश दिया जायेगा, जैसे कि लेखापरीक्षक की पिछले तीन वर्षों की रिपोर्ट में दिये गये, जिसमें आय और व्यय की महत्त्वपूर्ण मदें सम्मिलित हैं ।
 - (ख) पिछले तीन वर्षों और सबसे हाल की कालावधि के लिए आय और व्यय की प्रमुख मदों का सारांश ।
 - (ग) प्रमुख उत्पादों / मुख्य क्रियाकलापों के कारण आय और बिक्रियाँ ।

- (घ) यदि, अन्य आय का योगदान कुल आय के 10% से अधिक होता है, उसका विवरण, आय के स्वरूप अर्थात् आवर्ती या अनावर्ती, के साथ दिया जायेगा।
- (ङ) यदि आय का तात्त्विक भाग एकल या कुछेक प्रमुख ग्राहकों पर निर्भर होता है, तो सुसंगत आँकड़े के साथ इस तथ्य का प्रकटीकरण। इसीप्रकार, यदि निर्गमकर्ता के कारबार के महत्त्वपूर्ण हिस्से का निर्माण किसी विदेशी ग्राहक द्वारा किया जाता है तो विदेशी मुद्रा की दर में उतार-चढ़ाव का कारबार पर होनेवाले प्रभाव के साथ इस तथ्य का प्रकटीकरण।
- (ड) यदि निर्गमकर्ता ने विक्रयों और आमदनियों को दर्ज करने के लिए अपरंपरागत प्रक्रिया का पालन किया है, तो इसके प्रभाव का विश्लेषण किया जाए और प्रकट किया जाए।
- (च) अंतरिम कालावधि और पूर्ववर्ती वर्षों के लिए विविध आय और विविध व्यय का स्वरूप।
- (5) लाभ और हानि विवरण के प्रमुख शीर्षों पर पिछले वित्तीय वर्षों (अंतिम तीन वर्षों) के साथ हाल के वित्तीय वर्ष की तुलना, जिसमें अन्य बातों के साथ आय और व्यय की मदों के महत्त्वपूर्ण मदों में परिवर्तनों के लिए कारणों का विश्लेषण दिया जायेगा, जिसमें निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा:
- (क) अप्रायिक और बहुधा होनेवाली घटनाएँ या संव्यवहार, जिनसे अंतर्गत कारबार क्रियाकलाप के कारण अप्रायिक रुख, आय की अप्रायिक मदें, लेखा नीतियों में परिवर्तन और व्ययों में वैवेकिक कमी इत्यादि हैं;
- (ख) महत्त्वपूर्ण आर्थिक परिवर्तन जिन्होंने चालू रहनेवाले प्रचालनों से आय को तात्त्विक रूप से प्रभावित किया या करने की संभावना है;
- (ग) ज्ञात रुख या अनियमितताएँ जिनका चालू रहनेवाले प्रचालनों से विक्रयों, आमदनियों या आय पर तात्त्विक प्रतिकूल प्रभाव रहा या रहने की संभावना है;
- (घ) श्रम या सामग्री की लागतों या कीमतों में भावी बढ़ोतरी जैसी घटनाओं जो तात्त्विक परिवर्तन लायेंगे, की दशा में लागतों और आमदनियों के संबंध में भविष्यवर्ती परिवर्तन का ज्ञान है;
- (ङ) बढ़े हुए विक्रय परिमाण, नये उत्पादों या सेवाओं के आरंभ या बढ़ी हुई विक्रय कीमतों के कारण शुद्ध विक्रयों और आमदनियों में तात्त्विक बढ़ोतरी की सीमा;
- (च) प्रत्येक प्रमुख उद्योग खंड जिसमें निर्गमकर्ता ने प्रचालन किया का कुल व्यापारावर्त;
- (छ) सार्वजनिक रूप से घोषित नये उत्पादों या कारबार खंड की स्थिति;
- (ज) सीमा, जिस तक कारबार समय विशेष के लिए है;
- (झ) एकल या कुछेक आपूर्तिकर्ताओं या ग्राहकों पर किसी प्रकार की तात्त्विक निर्भरता;
- (ञ) प्रतिस्पर्धात्मक दशाएँ।
- (6) "वित्तीय विवरणों में यथाप्रतिबिंबित प्रबंधतंत्र की चर्चाएँ और वित्तीय स्थितियों का विश्लेषण तथा प्रचालनों के परिणाम", भारतीय लेखा पद्धतियों के आधार पर तैयार

किये गये वित्तीय परिणामों पर आधारित होंगे और इसे अन्य लेखा व्यवहारों के आधार पर, अतिरिक्त रूप में, प्रस्तुत किया जा सकेगा।

(X) विधिक तथा अन्य जानकारी:

(क) विद्यमान मुकदमें और तात्त्विक उद्घटनाएँ:

(1) विद्यमान मुकदमें जिनमें निर्गमकर्ता अंतर्ग्रस्त है:

- (क) निर्गमकर्ता के खिलाफ या अन्य किसी कंपनी के खिलाफ मुकदमे जिनका परिणाम निर्गमकर्ता की स्थिति पर तात्त्विक रूप से प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है;
- (ख) निदेशकों के खिलाफ सभी मुकदमे, जिनमें कानूनी विनियमों का अतिक्रमण या दांडिक अपराध का अभिकथन अंतर्वर्तित है;
- (ग) कर दायित्वों के प्रति किसी मुकदमे के लिए निदेशकों के खिलाफ कोई दांडिक / सिविल अभियोजन;
- (घ) निर्गमकर्ता या इसके निदेशकों के खिलाफ आर्थिक अपराधों के लिए आरंभ की गयीं लंबित कार्यवाहियाँ उनकी वर्तमान स्थिति पृथक् रूप से दर्शाते हुए प्रकट की जायेंगी;
- (ङ) प्रतिभूति विधियों की अनुपालना के संबंध में निर्गमकर्ता के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष, यदि कोई हो।
- (च) पिछले मामलों के ब्यौरे जिनमें निर्गमकर्ता और इसके निदेशकों पर संबंधित प्राधिकारियों द्वारा शास्तियाँ अधिरोपित की गयीं;
- (छ) मामले जिनसे निर्गमकर्ता के प्रचालनों और वित्त के प्रभावित होने की संभावना है से संबंधित विद्यमान मुकदमे, व्यतिक्रम इत्यादि, जिनके अंतर्गत कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की अनुसूची XIII के बारे में किसी अधिनियमिति के अधीन विवादित कर दायित्व, अभियोजन इत्यादि हैं;
- (ज) निर्गमकर्ता या इसके निदेशकों के खिलाफ लंबित मुकदमों, व्यतिक्रमों, कानूनी देयों के असंदाय, आर्थिक या सिविल अपराधों के लिए आरंभ की गयी कार्यवाहियों (जिनमें पिछले मामले सम्मिलित हैं, यदि दोषी पाया गया हो), बोर्ड या स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा कोई अनुशासनिक कार्रवाई को इस शीर्ष के अधीन और जोखिम कारक (कारकों) के रूप में समुचित रूप से प्रकट किया जायेगा;
- (झ) लघु उद्यम (उद्यमों) या किसी अन्य लेनदार का (के) नाम जिसके प्रति निर्गमकर्ता एक लाख रुपये से अधिक राशि का ऋणी है जो तीस दिनों से अधिक दिनों से बकाया है।

(2) निर्गमकर्ता की समनुषंगियों के बारे में भी मद (X) की उप-मद (क) के पैरा (1) के उप-पैरा (छ) में विनिर्दिष्ट शेष मुकदमों के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की जायेगी।

(3) विद्यमान मुकदमे जिनमें संप्रवर्तक और समूह कंपनियाँ अंतर्वर्तित हैं:

- (क) निर्गमकर्ता के सरकारी कंपनी, कानूनी प्राधिकरण या निगम अथवा उनमें से किसी के द्वारा गठित कोई विशेष प्रयोजन माध्यम न होने के मामले में, सभी लंबित मुकदमे जिनमें संप्रवर्तक अंतर्वर्तित हैं, संप्रवर्तकों और कंपनियों अथवा संप्रवर्तकों द्वारा संप्रवर्तित कंपनियों या फर्मों द्वारा वित्तीय संस्थाओं या बैंकों के प्रति व्यतिक्रम, सांविधिक देयों और ऋण लिखत धारकों जैसे लिखत धारकों के प्रति देयों, सावधि जमाराशियों और बकाया राशियों का असंदाय, अंतर्वर्तित राशियों

और ऐसे मुकदमों तथा व्यतिक्रमों की वर्तमाना स्थिति के साथ । निर्गमकर्ता के वित्तीय कार्यनिष्पादन पर इन मुकदमों, व्यतिक्रमों इत्यादि के संभाव्य प्रतिकूल प्रभाव का भी उल्लेख किया जायेगा ।

- (ख) समूह कंपनियों जिनसे संप्रवर्तक विगत में सहयुक्त थे परंतु अब सहयुक्त नहीं हैं, के बारे में लंबित मुकदमों, व्यतिक्रमों इत्यादि के मामले भी प्रकट किये जायेंगे यदि मुकदमे विशेष में उनके नाम (नामों) का जुड़ा होना जारी है ।
- (ग) यदि समूह कंपनियों में से किसी ने किसी मुकदमे / व्यतिक्रमों / अति देयों या श्रमिक समस्याओं / बंद का सामना किया था / कर रहा है, तो इसे प्रकट किया जायेगा ।
- (घ) संप्रवर्तक के खिलाफ सभी मुकदमों को, जिनमें कानूनी विनियमों का अतिक्रमण अंतर्वलित है या दांडिक अपराध अभिकथित हैं प्रस्ताव दस्तावेज में प्रस्तुत किया जायेगा ।
- (ङ) संप्रवर्तकों के खिलाफ आर्थिक अपराधों के लिए आरंभ की गयी लंबित कार्यवाहियों को उनकी प्रास्थिति उपदर्शित करते हुए प्रकट किया जायेगा ।
- (च) प्रतिभूति विधियों की अनुपालना के संबंध में निर्गमकर्ता / संप्रवर्तक / समूह कंपनियों से संबद्ध व्यक्तियों / सत्ताओं के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष, यदि कोई हो ।
- (छ) पिछले मामलों के ब्यौरे जिनमें संबंधित प्राधिकारियों द्वारा शास्तियाँ अधिरोपित की गयीं थी ।

(4) यदि ऊपर उल्लिखित मुकदमों इत्यादि में से कोई भी प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने के बाद उद्भूत होता है, तो यह तथ्य प्रस्ताव दस्तावेज में समुचित रूप में शामिल किया जायेगा । यदि ऐसा कोई मामला नहीं है, तो प्रस्ताव दस्तावेज में इस संबंध में सुस्पष्ट नकारात्मक कथन किया जाना अपेक्षित है ।

(5) अंतिम तुलनपत्र की तारीख से तात्त्विक उद्घटनाएँ ।

(ख) सरकारी अनुमोदन या अनुज्ञापन (लाइसेंसिंग) इंतजामः

- (1) विनिधान अनुमादेन (एफआइपीबी/ भारतीय रिजर्व बैंक, इत्यादि).
- (2) सभी सरकारी और अन्य अनुमोदन
- (3) तकनीकी अनुमोदन .
- (4) आशय पत्र या औद्योगिक अनुज्ञप्ति और वित्तीय सुदृढ़ता या विवरणों की शुद्धता के लिए जिम्मेदारी न लेने के बारे में केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक या अन्य किसी विनियामक प्राधिकरण की घोषणा ।

(XI) अन्य विनियामक और कानूनी प्रकटीकरणः

(क) निर्गम के लिए प्राधिकार और निर्गम के लिए पारित संकल्प के ब्यौरे

(ख) बोर्ड द्वारा प्रतिषेध : एक विशेष पुष्टिकरण कि निर्गमकर्ता, संप्रवर्तकों, संप्रवर्तक समूह, निदेशकों, समूह कंपनियों पर या निगमित निकाय के पीछे प्राकृत व्यक्तियों पर, यदि संप्रवर्तक निगमित निकाय है, बोर्ड या अन्य किसी प्राधिकरण द्वारा किसी भी कारण में पूँजी बाजार में प्रवेश करने पर कोई प्रतिषेध नहीं है ।

- (ग) पुष्टिकरण कि क्या निर्गमकर्ता के निदेशकों में से कोई किसी भी रीति में प्रतिभूति बाजार से सहयुक्त है, यदि हाँ, तो क्या बोर्ड ने उक्त सत्ताओं (एंटीटी) के खिलाफ कोई कार्रवाई आरंभ की है और उससे संबंधित ब्यौरे।
- (घ) पूँजी बाजार में प्रवेश के लिए निर्गमकर्ता की पात्रता। तीव्र (फास्ट ट्रेक) निर्गम लाने के लिए योग्यता अपेक्षाओं की अनुपालना के ब्यौरे, यदि लागू हो।
- (ङ) यह प्रकट किया जाए कि क्या भारतीय रिज़र्व बैंक या अन्य प्राधिकरणों द्वारा क्या निर्गमकर्ता, संप्रवर्तकों, समूह कंपनियों, संप्रवर्तकों, समूह कंपनियों के नातेदारों (कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुसार), की पहचान जानबूझकर चूक करनेवालों के रूप में की गयी है।
- (च) इस अनुसूची के भाग ख की अनुपालना, यथास्थिति, यदि लागू हो।
- (छ) दावात्याग खंड:

(1) प्रॉस्पेक्टस में सुस्पष्ट अक्षरों में निम्नलिखित दावात्याग खंड अंतर्विष्ट होगा:

"यह स्पष्ट तौर पर समझा जाए कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड में प्रस्ताव दस्तावेज की प्रस्तुति को किसी भी रीति में यह नहीं समझा जाना चाहिए या का यह अर्थ नहीं लगाना चाहिए कि यह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा अनुमत या अनुमोदित किया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड न तो किसी स्कीम या परियोजना जिसके लिए निर्गम किये जाने का प्रस्ताव है की वित्तीय सुदृढ़ता की और न ही प्रस्ताव दस्तावेज में किये गये कथनों या अभिव्यक्त अभिमतों की शुद्धता की जिम्मेदारी लेता है। अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार _____ ने प्रमाणित किया है कि प्रस्ताव दस्तावेज में किये गये प्रकटीकरण सामान्य तौर पर पर्याप्त हैं और तत्समय प्रवृत्त भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के अनुरूप है। यह अपेक्षा विनिधानकर्ता के लिए प्रस्तावित निर्गम में विनिधान करने के लिए सोचसमझ कर निर्णय लेने को सुकर बनाने के लिए है।

यह भी स्पष्ट रूप से समझा जाना चाहिए कि यद्यपि प्रस्ताव दस्तावेज में सभी सुसंगत जानकारी की शुद्धता, पर्याप्तता और प्रकटीकरण के लिए प्राथमिक तौर पर निर्गमकर्ता जिम्मेदार है, अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार से यह सुनिश्चित करने के लिए सम्यक् तत्परता का प्रयोग करना अपेक्षित है कि निर्गमकर्ता ने इस निमित्त और इस प्रयोजन के प्रति इसकी जिम्मेदारी का निर्वहन पर्याप्त रूप से किया है, अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार _____ ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को _____ का सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है, जो निम्नानुसार पठनीय है:

(बोर्ड को प्रस्तुत सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र यहाँ पुनः प्रस्तुत किया जाए।)

तथापि, प्रस्ताव पत्र को दाखिल करने से निर्गमकर्ता कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 63 या 68 के अधीन किसी दायित्व से या ऐसे कानूनी या अन्य अनापत्ति अभिप्राप्त करने की अपेक्षा जैसा कि प्रस्तावित निर्गम के प्रयोजन के लिए अपेक्षित हो मुक्ति नहीं

पा जाता है । इसके अतिरिक्त, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड को प्रस्ताव दस्तावेज में किसी अनियमितताओं या गलतियों के लिए किसी भी समय अग्रणी मर्चेट बैंककार मामले उठाने का अधिकार है ।”

- (2) निर्गमकर्ता और अग्रणी प्रबंधक से दावात्याग कथन : इस आशय का कथन कि निर्गमकर्ता और अग्रणी मर्चेट प्रबंधक निर्गमकर्ता द्वारा जारी प्रॉस्पेक्टस या विज्ञापन या किसी अन्य सामग्री से अन्यथा या किसी अन्य दृष्टांत में किये गये कथनों की जिम्मेदारी नहीं लेते हैं और कोई भी जो जानकारी के किसी अन्य स्रोत का आश्रय लेनेवाला लेता है ऐसा अपने जोखिम पर करेगा ।

(ज) चेतावनी ।

(झ) अधिकारिता के बारे में दावात्याग : अधिकार क्षेत्र जिसके अधीन विधियों तथा नियमों और विनियमों के उपबंध प्रस्ताव दस्तावेज पर लागू हैं ।

(ञ) स्टॉक एक्सचेंजों का दावात्याग खंड ।

(ट) भारतीय रिजर्व बैंक का दावात्याग खंड (यदि लागू हो) ।

(ठ) बोर्ड और कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल या रजिस्टर करना:

(1) इस शीर्ष के अधीन, बोर्ड के कार्यालय का उल्लेख किया जायेगा, जहाँ प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किया गया है ।

(2) कंपनी रजिस्ट्रार का पता, जहाँ प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति, जिससे प्रॉस्पेक्टस में अन्यत्र संदर्भित तात्विक संविदाएँ और दस्तावेज संलग्न हैं, रजिस्टर की गयी है ।

(ड) सूचीबद्धता: नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज और अन्य मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के नाम जिन्हें वर्तमान निर्गम में प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए आवेदन किया गया है ।

(ढ) निदेशकों, लेखापरीक्षकों, सॉलिसिटर्स या अधिवक्ताओं, निर्गम के मर्चेट बैंककारों, निर्गम रजिस्ट्रार, निर्गम बैंककारों, ऋणदाताओं और विशेषज्ञों की सहमति ।

(ण) विशेषज्ञ से अभिप्राप्त राय, यदि कोई हो ।

(त) निर्गम के व्यय, व्यय की प्रत्येक मद के विवरण के साथ और इसमें निम्नलिखित को भुगतान की जानेवाली फीस के (कुल निर्गम व्ययों के प्रतिशत के रूप में और कुल निर्गम आकार के प्रतिशत के रूप में), निम्नानुसार अलग-अलग अलग-अलग ब्यौरे होंगे :

- (1) अग्रणी मर्चेट बैंककार
- (2) सह-अग्रणी मर्चेट बैंककार, यदि कोई हो
- (3) सह-प्रबंधक, यदि कोई हो
- (4) अन्य मर्चेट बैंककार
- (5) निर्गम रजिस्ट्रार.
- (6) सलाहकार
- (7) निर्गम बैंककार
- (8) डिबेंचर लिखत धारकों के न्यासी
- (9) हामीदारी कमीशन, दलाली और बिक्री कमीशन
- (10) अन्य, यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें)

(ध) पिछला सार्वजनिक या साधिकार निर्गम (पिछले पाँच वर्षों के दौरान)

- (1) अंतिम तारीख
- (2) आबंटन की तारीख
- (3) धन लौटाने की तारीख
- (4) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्धता की तारीख
- (5) यदि निर्गम प्रीमियम या डिस्काउंट पर था और उसकी रकम
- (6) प्रत्येक इक्विटी शेयर, जो प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से पूर्ववर्ती दो वर्षों के भीतर जारी की गयी थी या जारी की जानेवाली है, पर प्रीमियम के माध्यम से भुगतान की गयी या की जानेवाली रकम, यदि कोई हो, निर्गम की तारीखों या प्रस्तावित तारीखों का कथन करते हुए और, जहाँ कुछ शेयर प्रीमियम पर और उसी प्रवर्ग के अन्य शेयर न्यूनतर प्रीमियम पर, या सम मूल्य पर या डिस्काउंट पर जारी किये गये हैं या किये जाने हैं, तो अंतर के कारण और किन्हीं प्राप्त प्रीमियमों की व्यवस्था कैसे गयी है या की जानी है।
- (द) प्रतिभूतियों के पिछले निर्गम, नकद से भिन्न।
- (ध) पिछले निर्गमों पर कमीशन या दलाली।
- (न) निर्गमकर्ता और अन्य सूचीबद्ध कंपनियों / समनुषंगियों / सहयुक्तों, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों के दौरान कोई पूँजी निर्गम किया है के बारे में निम्नलिखित विशिष्टियाँ दी जायेंगी:
 - (1) कंपनी का नाम।
 - (2) निर्गम का वर्ष।
 - (3) निर्गम का प्रकार (सार्वजनिक / साधिकार / सम्मिश्र)।
 - (4) निर्गम की रकम।
 - (5) निर्गम की अंतिम तारीख।
 - (6) शेयर / डिबेंचर प्रमाणपत्रों की सुपुर्दगी पूर्ण होने की तारीख।
 - (7) परियोजना पूरी होने की तारीख, जहाँ निर्गम का उद्देश्य परियोजना का वित्तपोषण था।
 - (8) भुगतान किये गये लाभांश की दर।
- (प) वचन के मुकाबले में कार्यनिष्पादन:
 - (1) निर्गमकर्ता:
 - (क) "वचन के मुकाबले में कार्यनिष्पादन - निर्गमकर्ता के अंतिम तीन निर्गम" पर एक पृथक् पैरा दिया जायेगा यह सूचित करते हुए कि क्या बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से ठीक पहले दस वर्षों की कालावधि के दौरान निर्गमकर्ता के अंतिम तीन निर्गमों के संबंधित प्रस्ताव दस्तावेजों में उल्लिखित सभी उद्देश्य पूरे किये गये।
 - (ख) यदि नहीं, तो उद्देश्यों को पूरा न किये जाने को स्पष्ट रूप से बताया जायेगा। कमियों और विलंबों को परिमाणित किया जायेगा।
 - (2) सूचीबद्ध समूह कंपनियाँ / समनुषंगियाँ / सहयुक्त कंपनियाँ:
 - (क) "वचन के मुकाबले में कार्यनिष्पादन - समूह कंपनियों / समनुषंगियों / सहयुक्त कंपनियों का अंतिम एक निर्गम" पर एक पृथक् पैरा दिया जायेगा यह सूचित करते हुए कि क्या बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से ठीक पहले दस वर्षों की कालावधि के दौरान ऐसी प्रत्येक कंपनी के अंतिम एक निर्गम के प्रस्ताव दस्तावेज में उल्लिखित सभी उद्देश्य पूरे किये गये।

- (ख) यदि नहीं, तो उद्देश्यों या प्रक्षेपणों को पूरा न किये जाने को स्पष्ट रूप से बताया जायेगा कमियों और विलंबों को परिमाणित किया जायेगा ।
- (फ) प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख को और निर्गम के निबंधनों के अनुसार परादेय डिबेंचरों या बॉण्डों और निर्गमकर्ता द्वारा जारी मोचनीय अधिमानी शेयरों और अन्य लिखतों की परादेयता ।
- (ब) निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों के लिए स्टॉक बाजार आँकड़े, यदि सूचीबद्ध हैं: निम्नलिखित की विशिष्टियाँ:
- (1) पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्गमकर्ता के शेयर की उच्च, निम्न और औसत कीमतें;
 - (2) बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पूर्ववर्ती छह महीनों के लिए उच्च और निम्न कीमतें जिन्हें कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर करने के समय तक अद्यतन किया जायेगा;
 - (3) उपर्युक्त (क) और (ख) की उक्त अवधि के दौरान उन दिवसों को व्यापारित शेयरों की संख्या जब सुसंगत स्टॉक एक्सचेंजों में उच्च और निम्न कीमतें दर्ज की गयीं और प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पूर्ववर्ती छह महीनों के दौरान व्यापार दिनों की कुल संख्या तथा उस अवधि के दौरान व्यापारित शेयरों का औसत परिमाण उपदर्शित करते हुए और यदि शेयर सक्रिय रूप से व्यापारित नहीं थे, तो ऐसे तथ्य प्रकट किये जायेंगे;
 - (4) ऊपर निर्दिष्ट स्टॉक बाजार आँकड़ों को उन कालावधियों के लिए जब पूँजी बाजार में परिवर्तन हुए, पृथक् रूप से दर्शाया जायेगा, सुसंगत स्टॉक एक्सचेंज द्वारा पूँजी संरचना में परिवर्तन स्वीकार करने की तारीख से आरंभ होनेवाली कालावधियों के साथ (उदाहरणार्थ तब जब शेयर अधिकार रहित या बोनस रहित हो जाते हैं);
 - (5) तारीख जब निदेशक मंडल का निर्गम को अनुमोदित करनेवाला संकल्प अनुमोदित हुआ के तुरंत पश्चात् की बाजार कीमत;
 - (6) तारीख जब कंपनी रजिस्टार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर हुआ से पहले के छह महीनों की कालावधि के दौरान प्रत्येक माह में व्यापारित प्रतिभूतियों का परिमाण; और
 - (7) संबंधित कालावधियों के लिए व्यापारित शेयरों के परिमाण, निर्गमकर्ता के शेयरों की उच्च, निम्न और औसत कीमतों के साथ, का भी कथन किया जायेगा ।
- (भ) विनिधानकर्ता शिकायतों के समाधान के लिए विकसित प्रणालीतंत्र :
- (1) विनिधानकर्ता शिकायतों के समाधान के लिए निर्गमकर्ता द्वारा किये गये इंतजाम और बनाये गये प्रणालीतंत्र ।
 - (1) बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पहले के तीन वर्षों के दौरान प्राप्त विनिधानकर्ता शिकायतों की संख्या और उस कालावधि के दौरान निपटायी गयी शिकायतों की संख्या
 - (2) बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख को लंबित विनिधानकर्ता शिकायतों की संख्या
 - (3) बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख को पाँच सबसे बड़ी (बाजार पूँजीकरण के अनुसार) सूचीबद्ध कंपनियों के बारे में लंबित विनिधानकर्ता शिकायतों की संख्या ।

- (4) विभिन्न प्रकार की विनिधानकर्ता शिकायतों के निपटान के लिए निर्गमकर्ता द्वारा सामान्य तौर पर लिया जानेवाला समय ।
- (5) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्टर करने की तारीख से पूर्व तीन वर्षों की कालावधि के लिए; कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 370 (1ख) के अभिप्राय में समान प्रबंधतंत्र के अधीन सूचीबद्ध कंपनियों के बारे में समान प्रकटीकरण किये जायेंगे ।

(म) पिछले तीन वर्षों के दौरान लेखापरीक्षकों में परिवर्तन, यदि कोई है, और उसके कारण ।

(य) आरक्षितियों या लाभों का पूँजीकरण (पिछले पाँच वर्षों के दौरान) ।

(र) आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन, यदि कोई हो (पिछले पाँच वर्षों के दौरान)

(XII) प्रस्ताव करने संबंधी जानकारी:

(क) निर्गम के निबंधन:

- (1) इक्विटी शेयरों की क्रम स्थापना (रैंकिंग): निर्गम में निर्गमित शेयर लाभांश सहित सभी पहलुओं से विद्यमान शेयरों के साथ समगति से होंगे ।
- (2) विक्रयों के लिए प्रस्ताव के मामले में, पूर्ण वर्ष के लिए लाभांश अंतरितियों को संदेय होंगे । इसके अतिरिक्त, विक्रय के लिए प्रस्ताव करने की लागत वहन करनेवाली सत्ता (एंटीटी) का नाम प्रकट करें, कारणों के साथ ।
- (3) लाभांश के भुगतान की रीति ।
- (4) अंकित मूल्य और निर्गम कीमत / आधार कीमत / कीमत-दायरा
- (5) लिखत धारकों के अधिकार ।
- (6) बाजार लॉट
- (7) विनिधानकर्ताओं को नामांकन सुविधा ।
- (8) सार्वजनिक निर्गम की अभिदान सूची के प्रचालन की कालावधि ।
- (9) न्यूनतम अभिदान:

(क) हामीदारी रहित सार्वजनिक निर्गम: निम्नलिखित कथन प्रकट होगा:

"यदि निर्गमकर्ता निर्गम के बंद होने की तारीख को प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव के नब्बे प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं करता है, या निर्गम बंद होने के बाद चेकों के अदत्त होकर वापस लौट आने या आवेदनों को वापस लेने के कारण अभिदान का स्तर नब्बे प्रतिशत से कम हो जाता है, तो निर्गमकर्ता प्राप्त संपूर्ण अभिदान रकम को तत्काल लौटायेगा । यदि निर्गमकर्ता के रकम के भुगतान के लिए दायी बन जाने के पश्चात् आठ दिनों से अधिक का विलंब होता है तो निर्गमकर्ता कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 73 के अनुसार ब्याज का भुगतान करेगा ।"

(ख) हामीदारी सहित सार्वजनिक निर्गमों के लिए: निम्नलिखित कथन प्रकट होगा:

"यदि निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव के 90 प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं करता है जिसमें निर्गम के बंद होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर हामीदारों का न्यागमन (डिवॉल्वमेंट) भी शामिल है, निर्गमकर्ता प्राप्त संपूर्ण अभिदान रकम को तत्काल लौटायेगा । यदि निर्गमकर्ता के रकम के भुगतान के लिए दायी बन जाने के पश्चात् आठ दिनों से अधिक का विलंब होता है तो

निर्गमकर्ता कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 73 के अनुसार ब्याज का भुगतान करेगा।"

(ग) सम्मिश्र निर्गमों के लिए:

- (i) अग्रणी मर्चेट बैंककार सुनिश्चित करेगा कि "न्यूनतम अभिदान" की अपेक्षा संयुक्त और पृथक्, दोनों रूप में पूरी की जाती है, अर्थात् साधिकार और सार्वजनिक निर्गम, दोनों के लिए स्वतंत्र रूप से।
- (ii) यदि निर्गमकर्ता किसी भी निर्गम में न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं करता है तो निर्गमकर्ता प्राप्त संपूर्ण अभिदान लौटायेगा।

(10) विषम लॉटों के निपटान के लिए इंतजाम:

- (क) विषम लॉटों में धारित शेयरों के लिए अर्थसुलभता उपलब्ध कराने और उनके समेकन के लिए निर्गमकर्ता द्वारा किये गये इंतजाम, विशेषकर तब जब ऐसे लॉट साधिकार, बोनस, डिबेंचरों के संपरिवर्तन या वारंटों इत्यादि के माध्यम से निर्गमों के कारण उत्पन्न होते हैं, शेयरधारकों या विनिधानकर्ताओं को सूचित किये जायेंगे।
- (ख) निर्गमकर्ता किसी विनिधान या वित्त कंपनी, दलाली फर्म के माध्यम से या किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से विषम लॉट शेयरों के बारे में अर्थसुलभता उपलब्ध कराने के लिए इंतजाम करने के लिए स्वतंत्र है और ऐसे इंतजाम की विशिष्टियाँ, यदि कोई हो, पूँजी के संबंधित निर्गम से संबंधित प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की जा सकेंगी।
- (ग) अग्रणी मर्चेट बैंककार यह अभिनिश्चित करेगा कि क्या पूँजी के नये निर्गम के लिए आनेवाला निर्गमकर्ता उसके द्वारा धारित निर्गमकर्ता के विषम लॉट शेयरों के निपटान के मामले में विनिधानकर्ताओं को सेवा उपलब्ध कराने के लिए न्यासों का गठन करने का प्रस्ताव करता है और यदि हाँ, तो न्यास के गठन तथा प्रचालन से संबंधित प्रकटीकरण प्रस्ताव दस्तावेज में अंतर्विष्ट होंगे।
- (घ) जब कभी कोई निर्गम विषम लॉटों में शेयरों के निर्गम के रूप में परिणामित होता है, निर्गमकर्ता यथासंभव, शेयरों के 1-2-5-10-20-50 मूल्यवर्ग में प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(11) शेयरों या डिबेंचरों के अंतरण और पारेषण तथा उनके समेकन और विभाजन पर निर्बंधन, यदि कोई हो।

(12) नयी वित्तीय लिखतें:

- (क) अग्रणी मर्चेट बैंककार किन्हीं नयी वित्तीय लिखतों जैसे डीप डिस्काउंट बॉण्डों, वारंट सहित डिबेंचरों, प्रतिभूति प्रीमियम नोटों इत्यादि के बारे में प्रस्ताव दस्तावेज में पर्याप्त प्रकटीकरण सुनिश्चित करेगा, विशेष तौर पर निबंधनों और शर्तों, मोचन, सुरक्षा, संपरिवर्तन और अन्य कोई सुसंगत जानकारी से संबंधित।

(13) प्रतिभूतियों को गैरकागजी रूप में प्राप्त करने का विकल्प:

- (क) प्रस्ताव दस्तावेज और आवेदन प्ररूप में इस आशय का कथन कि विनिधानकर्ताओं के पास प्रतिभूतियों को या तो कागजी प्रमाणपत्रों के रूप में प्राप्त करने या गैरकागजी रूप में धारित करने का विकल्प है।

(ख) निर्गम प्रक्रिया: निम्नलिखित प्रकटीकरण किये जायेंगे:

- (1) नियत कीमत निर्गम या बही निर्माण प्रक्रिया, यथा लागू, जिसमें बोली प्ररूप / आवेदन प्ररूप, कौन बोली लगा सकते हैं / आवेदन कर सकते हैं, अधिकतम और न्यूनतम बोली / आवेदन आकार, बोली प्रक्रिया, विभिन्न कीमत स्तरों पर बोलियाँ इत्यादि से संबंधित ब्यौरे सम्मिलित हैं।
- (2) निर्गम में अभिदान के लिए विकल्प:
 - (क) प्रतिभूतियों जिनके लिए अभिदान किया जाना है को या तो गैरकागजी रूप में या कागजी रूप में प्राप्त करने के विकल्पों, यदि कोई हो, के ब्यौरे। यदि, सार्वजनिक निर्गम के मामले में, निर्गम आकार दस करोड़ रुपये के बराबर या अधिक का होता है, तो सार्वजनिक निर्गम में निर्गमित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 68ख की अनुपालना में गैरकागजी रूप में ही होंगी। यह प्रकट किया जायेगा कि निक्षेपागार खातों के ब्यौरे प्रस्तुत करना आज्ञापक है और निक्षेपागार खाते के बिना आवेदन को अपूर्ण और नामंजूर समझा जायेगा। विनिधानकर्ता के पास विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को कागजी रूप में प्राप्त करने का विकल्प नहीं होगा। तथापि, वे आबंटन के पश्चात् विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को पुनः गैरकागजी रूप दे सकेंगे।
 - (ख) यह विशेष रूप से प्रकट किया जायेगा कि विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ, आबंटन पर, स्टॉक एक्सचेंजों में गैरकागजी (डीमैट) खंड में ही व्यापारित होंगी।
 - (ग) प्रकटीकरण कि किसी विनिधानकर्ता से एक बोली विनिधानकर्ता सीमा / विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों जो सुसंगत विनियमों / कानूनी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन उसके / इसके द्वारा धारित की जा सकती हैं की न्यूनतम संख्या से अधिक नहीं होगी।
- (3) प्रस्ताव दस्तावेज और आवेदन प्ररूप में निम्नलिखित ब्यौरे अंतर्विष्ट होंगे:
 - (क) हिंदू अविभक्त कुटुंबों द्वारा आवेदनों की सही प्रक्रिया और यह तथ्य कि हिंदू अविभक्त कुटुंबों द्वारा आवेदनों को व्यक्तियों द्वारा आवेदनों के साथ समगति पर माना जायेगा;
 - (ख) कथन कि आवेदन प्ररूप में उपलब्ध स्थान में बैंक खाते संबंधी ब्यौरें उपलब्ध कराना आज्ञापक है और जिन आवेदनों में ऐसे ब्यौरे अंतर्विष्ट नहीं होंगे वे नामंजूर किये जाने के लिए दायी होंगे;
 - (ग) दृष्टांत जब आवेदन को तकनीकी आधार पर (उदाहरणार्थ हस्ताक्षर, आयु इत्यादि का अभाव) नामंजूर किया जायेगा
 - (घ) पारस्परिक निधियों द्वारा आवेदन:
 - (i) "पारस्परिक निधियों द्वारा आवेदनों के लिए प्रक्रिया" और "बहु आवेदन" शीर्षों के अधीन आवश्यक प्रकटीकरण यह उपदर्शित करने के लिए सम्मिलित किये जायेंगे कि बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत भारतीय पारस्परिक निधि की प्रत्येक स्कीम के बारे में पृथक् आवेदन किया जा सकता है और ऐसे आवेदनों को बहु आवेदन नहीं माना जायेगा।
 - (ii) प्रकटीकरण कि पारस्परिक निधि की आस्ति प्रबंध कंपनियों या अभिरक्षकों द्वारा किये गये आवेदनों में संबंधित स्कीम जिसके लिए आवेदन किया जा रहा है का नाम स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जायेगा।
 - (ङ) अनिवासी भारतीयों द्वारा आवेदन: निम्नलिखित प्रकटीकरण किये जायेंगे:

- (i) भारत में कम से कम एक स्थान का नाम और पता जहाँ से वैयक्तिक अनिवासी भारतीय आवेदक आवेदन प्ररूप अभिप्राप्त कर सकते हैं।
- (ii) कथन कि: " अनिवासी भारतीय कृपया ध्यान दें कि केवल उन्हीं आवेदनों को आरक्षित प्रवर्ग के अधीन पर समझा जायेगा जिनसे निर्बंध विदेशी मुद्रा में भुगतान संलग्न हो । अनिवासी साधारण (एनआरओ) खाते के माध्यम से भुगतान करने का आशय रखनेवाले अनिवासी भारतीय निवासी भारतीयों के लिए अभिप्रेत प्ररूप का उपयोग करेंगे और आरक्षित प्रवर्ग के लिए अभिप्रेत प्ररूप का उपयोग नहीं करेंगे ।"
- (च) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों (एसबीए) के विनिधानकर्ताओं द्वारा आवेदन :
 - (i) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन प्रक्रिया के ब्यौरों के संबंध में प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकटीकरण किये जायेंगे जिसके अंतर्गत निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन प्रस्तुत करने के लिए विशेष अनुदेश हैं ।
 - (ii) प्रकटीकरण कि आवेदन प्ररूप पर सिंडिकेट सदस्य / स्वप्रमाणित सिंडिकेट बैंकों की मुहर होगी और यदि नहीं, तो इसे नामंजूर किया जायेगा ।
- (4) निलंब प्रणालीतंत्र:
 - (क) निर्गमकर्ता का निलंब खाता
 - (ख) सिंडिकेट सदस्य का निलंब खाता
- (5) भुगतान के निबंधन और निलंब संग्रहण खाते में भुगतान ।
- (6) बोलियों का इलेक्ट्रानिक रजिस्ट्रीकरण ।
- (7) बही निर्माण और बोलियों का पुनरीक्षण । इस संबंध में, यह विशेष रूप से प्रकट किया जा सकेगा कि अर्हित संस्थागत क्रेताओं को निर्गम बंद होने के पश्चात् अपनी बोलियों को वापस लेने की अनुमति नहीं होगी ।
- (8) कीमत प्रकटीकरण और आबंटन ।
- (9) हामीदारी करार पर हस्ताक्षर करना ।
- (10) कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करना ।
- (11) निर्गम-पूर्व विज्ञापन की घोषणा ।
- (12) आवेदन नोट की पुष्टि ("सीएन") जारी करना और निर्गम में आबंटन ।
- (13) अभिहित तारीख ।
- (14) सामान्य अनुदेश :
 - (क) क्या करें और क्या न करें ।
 - (ख) बोली प्ररूप भरने के लिए अनुदेश ।
 - (ग) बोलीदाताओं के बैंक खाते के ब्यौरे ।
 - (घ) अनिवासी भारतीयों या विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ताओं द्वारा संप्रत्यावर्तन आधार पर बोलियाँ
- (15) भुगतान अनुदेश:
 - (क) निर्गमकर्ता के निलंब खाते में भुगतान ।
 - (ख) सिंडिकेट सदस्य के निलंब खाते में भुगतान ।
 - (ग) निरुद्ध खाते से समर्थित आवेदन के लिए भुगतान संबंधी अनुदेश ।

(16) बोली प्ररूप प्रस्तुत करना ।

(17) अन्य अनुदेश :

(क) व्यक्तियों के मामले में संयुक्त बोलियाँ ।

(ख) बहु बोलियाँ ।

(ग) आवेदकों को आवेदन प्ररूप में स्थायी खाता संख्या प्रकट करने संबंधी अनुदेश, उस रकम का विचार किये बिना जिसके लिए आवेदन किया गया या बोली लगायी गयी, इस अनुदेश के साथ कि स्थायी खाता संख्या के बिना आवेदन नामंजूर किया जायेगा ।

(घ) बोलियों को नामंजूर करना ।

(ङ) बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत निक्षेपागारों में कागजी रूप में इक्विटी शेयर ।

(च) आबंटन पत्र या शेयर प्रमाणपत्रों या धनवापसी आदेशों को प्राप्त न करने इत्यादि जैसी निर्गम से पहले और निर्गम के बाद की समस्याओं के मामले में अनुपालना अधिकारी से संपर्क करने की ओर विनिधानकर्ता का ध्यान आकृष्ट किया जायेगा ।

(18) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों जिनके लिए अभिदान किया जाता है के गैरकागजी और कागजी रूप की संख्या प्ररूप में उपदर्शित करने के लिए आवेदन प्ररूप में स्थान अंतर्विष्ट होगा ।

(19) गैरकागजी और कागजी के लिए अलग आवेदन नहीं किये जाने हैं । यदि ऐसे आवेदन किये जाते हैं तो कागजी शेयरों के आवेदनों को बहु आवेदन माना जायेगा और तदनुसार नामंजूर किया जायेगा ।

(20) आंशिक आबंटन के मामले में, गैरकागजी रूप में माँगी गयी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए गैरकागजी विकल्प में आबंटन किया जायेगा और शेष, यदि कोई हो, को कागजी रूप में आबंटित किया जायेगा ।

(21) आवेदन और आवेदन धनराशियों का निपटान ।

(22) बनावटी आवेदनों के लिए दंड से संबंधित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 68क की उप-धारा के उपबंधों का उल्लेख किया जायेगा, जिनमें यह प्रकटीकरण सम्मिलित होगा कि कोई व्यक्ति जो:

(1) किसी कंपनी को उसमें किन्हीं शेयरों के अर्जन, या के लिए अभिदान करने के लिए कंपनी को काल्पनिक नाम से आवेदन करता है

(2) कंपनी को काल्पनिक नाम से उसे या अन्य किसी व्यक्ति को उसमें शेयरों के आबंटन के लिए, या के अंतरण को रजिस्टर करने के लिए अन्यथा उत्प्रेरित करता है, अवधि जिसे पाँच वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकेगा के कारावास से दंडनीय होगा ।

(23) बोली रकम से अधिक को वापस लौटाने पर ब्याज ।

(24) आबंटन का आधार या आबंटन : उचित और समुचित रीति से आबंटन के आधार को अंतिम रूप देने के लिए जिम्मेदार सत्ताओं (एंटीटी) के नाम प्रकट करें ।

(25) आबंटन तथा प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया और समय अनुसूची ।

(26) समानुपातिक आबंटन की पद्धति ।

(27) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन प्रक्रिया में आबंटन पत्र या धनवापसी (रिफंड) आदेश या स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को अनुदेश । यह सुनिश्चित किया जाए कि निरुद्ध रकम से

समर्थित आवेदन प्रक्रिया से भिन्न आवेदनों के लिए धनवापसी आदेशों को भुनाने के लिए "सम मूल्य पर" सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

(28) धन लौटाने की रीति:

- (क) अत्यभिदान के मामले में निर्गमकर्ता आवेदकों को जिस रीति में धन आवेदन धन लौटायेगा उस रीति को प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जायेगा।
- (ख) यदि निर्गमकर्ता आवेदकों को धन लौटाने के लिए एक से अधिक रीति के उपयोग का प्रस्ताव करता है, संबंधित मामले प्रकट किये जायेंगे जहाँ ऐसी रीति अपनायी जायेगी। धन लौटाने की अनुज्ञेय रीतियाँ निम्नानुसार हैं :

- (i) बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट केंद्रों में से किसी में निवास कर रहे आवेदकों के मामले में: ईसीएस (इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा), प्रत्यक्ष जमा, आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट) या एनईएफटी (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण), जो तत्समय भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत हो, के उपयोग द्वारा आवेदकों के बैंक खातों में लौटाये गये धन को जमा करके;
- (ii) अन्य आवेदकों के मामले में: रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा धनवापसी आदेशों के प्रेषण द्वारा, जहाँ मूल्य 1500/-रु. या अधिक है, या अन्य मामलों में डाक प्रमाणपत्र के अधीन, (तथापि डाक नियमों के अध्याधीन); और
- (iii) बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट आवेदकों के किसी प्रवर्ग के मामले में: तत्समय प्रवृत्त बैंकिंग विधियों के अधीन अनुज्ञेय किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक रीति में आवेदकों को लौटाये गये धन को जमा करना जिसके लिए समय-समय पर बोर्ड द्वारा अनुज्ञा दी जाए।

(29) सार्वजनिक निर्गम के मामले में आबंटन पत्रों या धनवापसी (रिफंड) आदेशों / रजिस्ट्रार द्वारा स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को अनुदेशों के प्रेषण में विलंब के मामले में ब्याज: शीर्षक "सार्वजनिक निर्गम के मामले में आबंटन पत्रों / धनवापसी (रिफंड) आदेशों के विलंब के मामले में ब्याज" प्रकट होगा और उसमें निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा :

(क) जहाँ यह नियत कीमत निर्गम है: "निर्गमकर्ता करार करता है कि जहाँ तक संभव हो जनता को प्रस्तावित प्रतिभूतियों का आबंटन सार्वजनिक निर्गम के बंद होने से पंद्रह दिनों के भीतर किया जायेगा। निर्गमकर्ता यह भी करार करता है कि यदि निर्गम बंद होने की तारीख से तीस दिनों के भीतर आवेदकों को आबंटन पत्र या धनवापसी (रीफंड) आदेश प्रेषित नहीं किये जाते, या जहाँ धन या उसका हिस्सा इलेक्ट्रॉनिक रीति में लौटाया जाता है, वहाँ प्रकट रीति में समाशोधन प्रणाली में धनवापसी (रीफंड) अनुदेश नहीं दिये जाते हैं तो यह प्रति वर्ष पंद्रह प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान करेगा। तथापि, न्यूनतम अभिदान अपेक्षा को पूरा करने के लिए हामीदारी बाध्यताओं को पूरा करने में निर्गम के बंद होने के पश्चात् प्राप्त आवेदन, उक्त ब्याज के लिए हकदार नहीं होंगे।"

(ख) जहाँ यह बही-निर्मित निर्गम है: "निर्गमकर्ता करार करता है कि जनता को प्रस्तावित प्रतिभूतियों का आबंटन सार्वजनिक निर्गम के बंद होने से पंद्रह दिनों के

भीतर किया जायेगा। निर्गमकर्ता यह भी करार करता है कि यदि निर्गम बंद होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर आवेदकों को आबंटन पत्र या धनवापसी (रीफंड) आदेश प्रेषित नहीं किये जाते, या जहाँ धन या उसका हिस्सा इलेक्ट्रॉनिक रीति में लौटाया जाता है, वहाँ प्रकट रीति में समाशोधन प्रणाली में धनवापसी (रीफंड) अनुदेश नहीं दिये जाते हैं तो यह प्रति वर्ष पंद्रह प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान करेगा।"

(30) निर्गमकर्ता द्वारा वचन:

(क) प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गमकर्ता द्वारा निम्नलिखित वचन सम्मिलित किये जायेंगे:

- (i) कि निर्गम के बारे में प्राप्त शिकायतों पर निर्गमकर्ता द्वारा शीघ्र और संतोषप्रद रूप में कार्रवाई की जायेगी;
- (ii) कि सभी स्टॉक एक्सचेंजों में जहाँ प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध की जानी हैं सूचीबद्धता और व्यापार के आरंभ की आवश्यक औपचारिकताओं के लिए आबंटन के आधार के अंतिम निर्धारण से सात कार्य दिवसों के भीतर आवश्यक कदम उठाये जाते हैं;
- (iii) कि निर्गमकर्ता डिबेंचर / बॉण्डों के संपरिवर्तन पर इक्विटियों की सूचीबद्धता के लिए अग्रिम रूप से आवेदन करेगा;
- (iv) कि असफल आवेदकों को प्रकट की गयी रीति (रीतियों) में धन लौटाने के लिए अपेक्षित निधियाँ निर्गमकर्ता द्वारा निर्गम के रजिस्ट्रार को उपलब्ध करायी जायेंगी;
- (v) कि जहाँ निधियों के इलेक्ट्रॉनिक अंतरण के माध्यम से धन लौटाया जाता है, निर्गम के बंद होने की तारीख से पंद्रह दिनों, के भीतर आवेदक को उपयुक्त संसूचना भेजी जायेगी, बैंकों जिनमें लौटाया जा रहा धन जमा किया जायेगा और लौटाये जा रहे धन को इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा करने की संभावित तारीख के ब्यौरे देते हुए;
- (vi) कि संप्रवर्तक का पूरा अंशदान, जहाँ अपेक्षित हो, सार्वजनिक अभिदान के लिए निर्गम खुलने से पहले अग्रिम रूप में लाया जायेगा और शेष, यदि कोई हो, जनता से माँग करने से पहले आनुपातिक आधार पर लाया जायेगा;
- (vii) कि अनिवासी भारतीयों को प्रतिभूतियों के प्रमाणपत्र और धनवापसी आदेश विनिर्दिष्ट समय में प्रेषित किये जायेंगे;
- (viii) प्रतिभूतियों का कोई अतिरिक्त निर्गम नहीं किया जायेगा जब तक कि इस प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध नहीं हो जातीं या जब तक असूचीबद्धता, न्यून अभिदान, इत्यादि के कारण आवेदन धन लौटाये नहीं जाते;
- (ix) कि निरुद्ध रकम से समर्थित सभी आवेदनों को एकत्र करने के लिए और आबंटन के आधार का अंतिम निर्धारण करते समय उन्हें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों से भिन्न आवेदनों के समान समझने के लिए पर्याप्त इंतजाम किये गये हैं;

(ख) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों निर्गम के मामले में, निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में निम्नलिखित आशय का वचन भी देगा:

- (i) कि निर्गमकर्ता प्रत्येक छमाही के अंत में संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के माध्यम से जुटायी गयी निधियों के उपयोग के ब्यौरे, निर्गमकर्ता के कानूनी लेखापरीक्षकों द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित, डिबेंचर न्यासी को अग्रेषित करेगा।
- (ii) कि निर्गमकर्ता वार्षिक रिपोर्ट में डिबेंचर न्यासी का पूरा नाम और पता प्रकट करेगा।
- (iii) कि निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में यथाअंतर्विष्ट संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के निबंधनों और शर्तों की अनुपालना के बारे में संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों को (वार्षिक आधार पर) अनुपालना प्रमाणपत्र, डिबेंचर न्यासी द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित, उपलब्ध करायेगा।
- (iv) कि निर्गमकर्ता पुष्टिकरण प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों के पक्ष में निर्गमकर्ता द्वारा सृजित प्रतिभूति को समुचित रूप से बनाये रखा जा रहा है और यह चूक की दशा में संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों के प्रति भुगतान बाध्यताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।
- (v) कि लिखत के बारे में ऋण बाध्यताओं के बकाया रहने तक की सत्य और पर्याप्त जानकारी उपलब्ध कराने में साख निर्धारण एजेंसियों को पूरा सहयोग दिया जायेगा।

(ग) प्रकटीकरण कि निर्गमकर्ता को बोली के पश्चात् निर्गम में कार्यवाही न करने का अधिकार है और यदि ऐसा होता है, तो निर्गम के बंद होने से दो दिनों के भीतर, इसके कारण सार्वजनिक सूचना के तौर पर दिये जायेंगे। यह सार्वजनिक सूचना उन्हीं समाचारपत्रों में जारी की जायेगी जिनमें निर्गम-पूर्व विज्ञापन दिये गये थे। स्टॉक एक्सचेंज जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किये जाने का प्रस्ताव किया गया, को तत्परता से सूचित किया जायेगा।

(घ) प्रकटीकरण कि यदि निर्गमकर्ता बोली के पश्चात्, निर्गम आहरित करता है, तो निर्गमकर्ता से बोर्ड के पास नया प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करना अपेक्षित होगा।

(31) निर्गम आगमों का उपयोग:

(क) निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल से इस आशय का कथन कि:

- (i) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम से प्राप्त सभी धनराशियों को कंपनी अधिनियम की धारा 73 की उप-धारा (3) में निर्दिष्ट बैंक खाते से भिन्न पृथक् बैंक खाते में अंतरित किया जायेगा;
- (ii) उप-मद (i) में निर्दिष्ट निर्गम में से प्रयुक्त सभी धनराशियों के ब्यौरे निर्गमकर्ता के तुलनपत्र में उपयुक्त पृथक् शीर्ष के अधीन प्रकट किये जायेंगे और निर्गम आगमों के किसी हिस्से के अनुपयोजित रहने तक प्रकट किये जाते रहेंगे, प्रयोजन को जिसके लिए ऐसी धनराशियों का उपयोग किया गया था उपदर्शित करते हुए; और

(iii) उप-मद (i) में निर्दिष्ट विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के निर्गम में से अनुपयोजित धनराशियों के ब्यौरे निर्गमकर्ता के तुलनपत्र में पृथक् शीर्ष के अधीन प्रकट किये जायेंगे, वह रूप उपदर्शित करते हुए जिसमें ऐसी अनुपयोजित धनराशियों का विनिधान किया गया है।

(ख) किसी बैंक या सार्वजनिक वित्त संस्थान द्वारा लाये गये विक्रय - प्रस्ताव या सार्वजनिक निर्गम से भिन्न निर्गम के लिए प्रॉक्सपेक्टस में निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल का निम्नलिखित आशय का कथन अंतर्विष्ट होगा:

(i) संप्रवर्तकों के अंशदान के अधीन और आरक्षणों से प्राप्त धनराशियों के उपयोग निर्गमकर्ता के तुलनपत्र में उपयुक्त पृथक् शीर्ष के अधीन प्रकट किये जायेंगे और निर्गम आगमों के किसी हिस्से के अनुपयोजित रहने तक प्रकट किये जाते रहेंगे, प्रयोजन को जिसके लिए ऐसी धनराशियों का उपयोग किया गया था उपदर्शित करते हुए; और

(ii) संप्रवर्तकों के अंशदान और आरक्षणों से प्राप्त निधियों में से सभी अनुपयोजित धनराशियों के ब्यौरे निर्गमकर्ता के तुलनपत्र में पृथक् शीर्ष के अधीन प्रकट किये जायेंगे, वह रूप उपदर्शित करते हुए जिसमें ऐसी अनुपयोजित धनराशियों का विनिधान किया गया है।

(32) भारतीय प्रतिभूतियों के विदेशी स्वामित्व पर प्रतिबंध, यदि कोई हो:

(क) अनिवासी भारतीयों द्वारा विनिधान।

(ख) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वारा विनिधान

(XIII) इक्विटी शेयरों के प्रकार और संगम-अनुच्छेद के निबंधन:

(क) सदस्यों के शेयरों पर मतदान, लाभांश संबंधी अधिकार और ऐसे अधिकारों के संशोधन तथा शेयरों के समपहरण के लिए प्रक्रिया।

(ख) संगम- अनुच्छेद के मुख्य प्रावधान।

(XIV) अन्य कोई तात्त्विक प्रकटीकरण, जो आवश्यक समझा जाए

(XV) तीव्र (फास्ट ट्रेक) निर्गम के मामले में, इस भाग में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण, जिन्हें भाग ख में उपदर्शित किया गया है, करना आवश्यक नहीं है।

(XVI) अन्य जानकारी:

(क) तात्त्विक संविदाओं की सूची और निरीक्षण के लिए दस्तावेजों का निरीक्षण:

(1) तात्त्विक संविदाएँ।

(2) दस्तावेज:

(3) समय और स्थान जिस पर संविदाएँ, दस्तावेजों के साथ, प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से अभिदान सूची के बंद होने की तारीख तक निरीक्षण के लिए उपलब्ध होंगी।

(4) असूचीबद्ध निर्गमकर्ता द्वारा अभिप्राप्त प्रत्येक ग्रेड के लिए आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव ग्रेडिंग रिपोर्ट।

(ख) घोषणा:

- (1) प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज [तीव्र (फास्ट ट्रैक) निर्गमों से इतर निर्गमों के मामले में] और प्रस्ताव दस्तावेज निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित होगा और सभी निदेशकों, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, अर्थात् कंपनी अधिनियम, 1956 के अभिप्राय में प्रबंध निदेशक या प्रबंधक और मुख्य वित्त अधिकारी, अर्थात् पूर्णकालिक वित्त निदेशक या वित्त संबंधी कृत्य के प्रधान और उस कृत्य का निर्वहन करनेवाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होगा।
- (2) हस्ताक्षरकर्ता आगे प्रमाणित करेंगे कि प्रस्ताव दस्तावेज में किये गये सभी प्रकटीकरण सत्य और सही हैं।

भाग ख

तीव्र (फास्ट ट्रैक) निर्गम के मामले में कतिपय प्रकटीकरण, जो आज्ञापक नहीं हैं

विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का तीव्र (फास्ट ट्रैक) निर्गम करनेवाला निर्गमकर्ता इसमें उपदर्शित और इस अनुसूची के भाग क में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण, प्रस्ताव दस्तावेज में नहीं कर सकेगा:

1. मद (VI) की उप-मद (घ) के पैरा (2) का उप-पैरा (क);
2. मद (VI) की उप-मद (घ) के पैरा (2) का उप-पैरा (ण);
3. मद (VIII) की उप-मद (ङ) का पैरा (8);
4. मद (VIII) की उप-मद (च) के पैरा (1) का उप-पैरा (ख);
5. मद (VIII) की उप-मद (च) के पैरा (2) का उप-पैरा (ग);
6. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 370 (1)(ख) के अधीन न आनेवाली सत्ताओं (एंटीटी) के बारे में, मद (IX) की उप-मद (ग) का पैरा (1);

भाग ग

अतिरिक्त सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में कतिपय प्रकटीकरण जो आज्ञापक नहीं हैं

- (1) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों में अतिरिक्त सार्वजनिक प्रस्ताव करनेवाला निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में इसके अधीन उपदर्शित और इस अनुसूची के भाग क में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण नहीं कर सकेगा, पैरा 2 में विनिर्दिष्ट शर्तों पूरा करने के अधीन:
 - (i) मद (VI) की उप-मद (घ) के पैरा (2) का उप-पैरा (क);
 - (ii) मद (VI) की उप-मद (घ) के पैरा (2) का उप-पैरा (ण);
 - (iii) मद (VIII) की उप-मद (ङ) का पैरा (8);
 - (iv) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 370 (1)(ख) के अधीन न आनेवाली सत्ताओं (एंटीटी) के बारे में, मद (IX) के उप-मद (ग) का पैरा (1);
- (2) उपर्युक्त पैरा (1) में निर्दिष्ट शर्तें निम्नानुसार हैं:
 - (क) निर्गमकर्ता नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास और कंपनी रजिस्ट्रार (सार्वजनिक निर्गम के मामले में) के पास भी पिछले तीन सालों के वित्तीय परिणामों के संबंध में आवधिक विवरण दाखिल करता रहा है और ऐसे विवरण नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइट पर या सामान्य ई-फाइलिंग प्लेटफार्म पर उपलब्ध हैं;
 - (ख) निर्गमकर्ता के पास विनिधानकर्ता शिकायतों पर कार्रवाई करने संबंधी प्रणालीतंत्र है, जिसमें शेयरधारकों / विनिधानकर्ताओं की शिकायत समिति की नियमित अंतरालों पर

बैठकें, शेयर अंतरण के संबंध में निर्गमकर्ता के निदेशक मंडल द्वारा शांकेत का उपयुक्त प्रत्यायोजन सम्मिलित है और जो विनिधानकर्ता शिकायतों के समय पर और संतोषप्रद समाधान के लिए प्रणालियों और प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से पेश करता है;

(ग) अग्रणी मर्चेट बैंककार ने प्रमाणित किया है कि उपर्युक्त (क) और (ख) में विनिर्दिष्ट शर्तों का पालन किया गया है;

(घ) निर्गमकर्ता ने बोर्ड को प्रस्ताव दस्तावेज के साथ निम्नलिखित वचन प्रस्तुत किया है, जिसे प्रॉस्पेक्टस में भी शामिल किया जायेगा :

“हम पुष्टि करते हैं कि वर्तमान प्रस्ताव दस्तावेज में किये गये प्रकटीकरणों के अलावा, को किये गये हमारे पिछले निर्गम के समय हमारे द्वारा किये गये प्रकटीकरणों के बारे में कोई तात्त्विक परिवर्तन नहीं हुआ है।”

(ङ) निर्गमकर्ता ने सार्वजनिक या साधिकार निर्गम के ठीक पहले इसके प्रस्ताव दस्तावेज को विनियम 9 के उप-विनियम (1) और विनियम 61 के उप-विनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में सार्वजनिक किया है और इस दस्तावेज को इस अनुसूची के भाग क की मद (VIII) की उप-मद (घ) के पैरा 4 में के उप-पैरा (ग) में विनिर्दिष्ट रीति में सार्वजनिक निरीक्षण के लिए भी रखा है।

भाग घ

[विनियम 58(1) देखें]

संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में प्रकटीकरण

सामान्य अनुदेशः

- (i) नीचे विनिर्दिष्ट प्रत्येक शीर्ष के अधीन उपलब्ध करायी जानेवाली जानकारी इस अनुसूची के भाग क की अपेक्षाओं के अनुसार होगी, सिवाय अन्यथा विनिर्दिष्ट किये जाने के।
- (ii) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस ऐसे आकार के फॉण्ट में मुद्रित किया जायेगा जो टाइम्स न्यू रोमन के आकार 10 से कम का नहीं दिखेगा।
- (iii) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में मदों को प्रकट किये जाने का क्रम, जहाँ कहीं लागू हो, प्रॉस्पेक्टस में मदों के प्रकट होने के क्रम के अनुरूप होगा।
- (iv) आवेदन प्ररूप इस प्रकार बना होगा कि आवेदन प्ररूप को फाड़ने पर, संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में दिया गया कोई भी हिस्सा विकृत न हो जाए।
- (v) संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस को कम से कम पॉइंट सात के आकार में उचित अंतर (स्पेसिंग) के साथ मुद्रित किया जायेगा। मर्चेट बैंककार यह सुनिश्चित करेगा कि आवेदन प्ररूप में आवेदक का नाम और पता तथा साथ ही अन्य महत्त्वपूर्ण ब्यौरे जैसे बैंक शाखा का नाम, नमूना हस्ताक्षर इत्यादि लिखने के लिए पर्याप्त जगह है। संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में जोखिम कारकों से संबंधित पैरा बॉक्स मद के रूप में शब्दशः प्रकट होगा।

(ii) सामान्य जानकारीः

- (क) निर्गमकर्ता का नाम और निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, ईमेल पता और वेबसाइट पता के साथ, और यदि रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के पते या निर्गमकर्ता के नाम में कोई परिवर्तन है, तो उसके ब्यौरे।
- (ख) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम जिसमें विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के सूचीबद्ध होने का प्रस्ताव है।

- (ग) निर्गम के खुलने, पूर्वतम अंतिम और अंतिम तारीखें ।
- (घ) 'आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव ग्रेडिंग' शीर्ष के अधीन प्रकटीकरण, आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए अभिप्राप्त सभी ग्रेडों का कथन करते हुए, अभिप्राप्त प्रत्येक ग्रेड के लिए साख निर्धारण एजेंसी (एजेंसियों) द्वारा प्रस्तुत औचित्य या वर्णन के साथ ।
- (ङ) बोर्ड का दावात्याग खंड
- (च) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों का समेकित दावात्याग खंड: मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के दावात्याग खंडों को अलग-अलग मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों का उपयुक्त संदर्भ देते हुए एक दावात्याग खंड में मिला दिया जायेगा ।
- (छ) निर्गमकर्ता और मर्चेन्ट बैंककार (बैंककारों) का दावात्याग कथन
- (ज) अग्रणी मर्चेन्ट बैंककारों का नाम और पता, दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, वेबसाइट पता, संपर्क व्यक्ति का नाम और ईमेल पता के साथ
- (झ) दलालों का नाम और पता, दूरभाष संख्या के साथ ।
- (ञ) संग्रहण करनेवाले बैंककारों और/या स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों की नामनिर्दिष्ट शाखाओं का नाम और पता ।
- (ट) निर्गम रजिस्ट्रार का नाम और पता, दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, वेबसाइट पता, संपर्क व्यक्ति के नाम और ईमेल पता के साथ
- (ठ) डिबेंचर न्यास विलेख (डिबेंचर न्यासी के मामले में) के अधीन न्यासी का नाम और पता, दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, वेबसाइट पता, संपर्क व्यक्ति के नाम और ईमेल पता के साथ
- (ड) कानूनी लेखापरीक्षकों का नाम और पता ।
- (ढ) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों या अधिमानी शेयरों, यदि कोई हो, के प्रस्तावित निर्गम के लिए साख निर्धारण एजेंसी से अभिप्राप्त रेटिंग, यदि कोई हो ।
- (ण) हामीदारों का नाम और पता तथा उनके द्वारा दी गयी हामीदारी की राशि, यदि लागू हो ।
- (त) अनुपालन अधिकारी के ब्यौरे:
- (1) अनुपालन अधिकारी का नाम, पता, दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या और ईमेल पता ।
 - (2) निर्गम से पहले या निर्गम के बाद संबंधित समस्याओं जैसे आबंटन पत्र या शेयर प्रमाणपत्र प्राप्त न होना, निक्षेपागारों के हिताधिकारी खाते में प्रतिभूतियों को जमा करना या धनवापसी आदेशों का प्रेषण आदि, के मामले में अनुपालन अधिकारी से संपर्क किये जाने के संबंध में विनिधानकर्ताओं का ध्यान आकृष्ट किया जाना चाहिए ।
- (थ) प्रतिरूपण के लिए दंड के संबंध में कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 68क की उप-धारा (1) के उपबंध ।
- (द) पंद्रह दिनों के भीतर आबंटन पत्र जारी करने या धन लौटाने की और धन लौटाने या आबंटन पत्र भेजने में विलंब के मामले में प्रतिवर्ष पंद्रह प्रतिशत की दर से या यथाविनिर्दिष्ट दर पर ब्याज की घोषणा ।
- (ध) जोखिम कारक और उन्हें नियंत्रित करने संबंधी प्रस्ताव ।
- (III) निर्गमकर्ता की पूँजी संरचना:
- (क) निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत किये जायेंगे:
- (1) प्राधिकृत, निर्गमित, अभिदत्त और संदत्त पूँजी (लिखतों की संख्या, वर्णन, सकल अभिहित मूल्य)।

- (2) वर्तमान निर्गम का आकार । संप्रवर्तकों का अंशदान, विनिर्दिष्ट प्रवर्गों के लिए आरक्षण और जनता को शुद्ध प्रस्ताव अलग-अलग प्रकट किये जायेंगे ।
 - (3) लिखतों की संख्या, वर्णन, सकल अभिहित मूल्य और निर्गम रकम (इस क्रम में प्रकट किया जाए) । समूह कंपनियों का (के) नाम, यदि समूह कंपनियों के शेयरधारकों के लिए आरक्षण किया गया है ।
 - (4) संदत्त पूँजी:
 - (क) निर्गम के पश्चात्
 - (ख) प्रतिभूतियों के संपरिवर्तन के पश्चात् (यदि लागू हो) ।
 - (5) शेयर प्रीमियम खाता (निर्गम के पूर्व और पश्चात्) ।
 - (ख) पूँजी संरचना संबंधी संपूर्ण नोट
 - (ग) इस आशय का प्रकटीकरण कि इस सार्वजनिक / साधिकार निर्गम के माध्यम से प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को पूर्णतः संदत्त बनाया जायेगा या विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों में आबंटन की तारीख से बारह महीनों के भीतर विनियम 7 में विनिर्दिष्ट रीति में समपहृत किया जायेगा ।
- (III) वर्तमान निर्गम के निबंधन :
- (क) निर्गम के लिए प्राधिकार, भुगतान की अवधि और आबंटन एवं प्रमाणपत्र या धनवापसी (रीफंड) आदेश जारी करने की प्रक्रिया तथा समय अनुसूची ।
 - (ख) "आबंटन पत्रों / धनवापसी आदेशों के प्रेषण में विलंब की दशा में ब्याज / सार्वजनिक निर्गम के मामले में रजिस्ट्रार द्वारा स्वप्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को अनुदेश" संबंधी खंड प्रकट होगा ।
 - (ग) आवेदकों के लिए अनुदेश:
 - (1) आवेदन कैसे करें, प्रॉस्पेक्टस की उपलब्धता, संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस और आवेदन प्ररूप , भुगतान की रीति और बही निर्माण प्रक्रिया, यथा लागू, यदि सुसंगत हो ।
 - (2) आवेदक को सलाह दी जायेगी कि वे निर्गम के माध्यम से प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के अभिदान के लिए आवेदन करने से पहले प्रस्ताव दस्तावेज और इस संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में अंतर्विष्ट सामान्य अनुदेश सावधानीपूर्वक पढ़ें और प्रकटीकरणों के बारे में अपना समाधान करें । प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति के लिए, आवेदक निर्गमकर्ता और / या निर्गम के अग्रणी प्रबंधकों या दलालों से निवेदन कर सकते हैं । इसके अतिरिक्त, विनिधानकर्ताओं को सलाह दी जायेगी कि वे अपने भावी संदर्भ के लिए प्रस्ताव दस्तावेज या संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस की प्रति संभाल कर रखें । 'आवेदक को अभिदान के लिए आवेदन करने से पहले प्रस्ताव दस्तावेज और इस संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में अंतर्विष्ट सामान्य अनुदेश सावधानीपूर्वक पढ़ें और प्रकटीकरणों के बारे में अपना समाधान करने की सलाह दी जाती है । प्रॉस्पेक्टस की प्रति के लिए, आवेदक निर्गमकर्ता और / या निर्गम के अग्रणी प्रबंधक / दलाल से निवेदन कर सकते हैं । इसके अतिरिक्त, विनिधानकर्ताओं को उनके भावी संदर्भ के लिए प्रस्ताव दस्तावेज या संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस की प्रति संभाल कर रखने की सलाह दी जाती है ।'
 - (3) निवासी: भारतीय जनता के लिए अभिप्रेत आवेदन प्ररूप में, राष्ट्रीयता और निवासी-हैसियत से संबंधित घोषणा निम्नानुसार प्रमुख रूप से दर्शायी जायेगी:

"राष्ट्रीयता और निवासी-हैसियत (रेजिडेंटशिप) (जो लागू हो उस पर सही का चिह्न लगायें):

- (क) मैं / हम भारत का / के नागरिक हूँ / हैं और मैं / हम भारत से बाहर निवास करनेवाले या विदेशी नागरिकता (नागरिकताओं) वाले किसी व्यक्ति के नामिती (नामितियों) के रूप में उक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन नहीं कर रहा हूँ / रहे हैं ।
- (ख) मैं / हम भारत में निवास करनेवाला / करनेवाले भारतीय नागरिक हूँ / हैं और मैं / हम अ-प्रत्यावर्तन आधार पर नीचे उल्लिखित अनिवासी भारतीय (भारतीयों) के मुख्तारनामा धारक (धारकों) की हैसियत से उक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन कर रहा हूँ / रहे हैं ।
- (ग) मैं / हम भारत से बाहर निवास कर रहा / रहे भारतीय नागरिक हूँ / हैं और मैं / हम अ-प्रत्यावर्तन आधार पर अपनी ओर से उक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन कर रहा हूँ / रहे हैं । "
- (4) अनिवासी भारतीय: अनिवासी भारतीय के लिए अभिप्रेत आवेदन प्ररूप में अनिवासी (सामान्य) [एनआर(ओ)] खातों से भुगतान संबंधी प्रावधान अंतर्विष्ट नहीं होगा । प्ररूप के मुखपृष्ठ पर, बॉक्स में निम्नलिखित सार-वचन मुद्रित होगा:
"अनिवासी भारतीय आवेदक ध्यान रखें: उनके अनिवासी विदेशी (एनआरई) खातों / विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर) खातों से या विदेश से भेजे गये और भारत में संपरिवर्तनीय रुपया खातों में आहरित चेकों / ड्राफ्टों के माध्यम से ही भुगतान किया जाना है । अनिवासी (सामान्य) [एनआर(ओ)] खातों में आहरित चेक संलग्न करनेवाले प्ररूप नामंजूर किये जायेंगे ।"
- (5) अनिवासी भारतीयों का ध्यान निम्नलिखित की ओर आकृष्ट किया जायेगा:
- (क) भारत के कम से कम ऐसे एक स्थान का नाम जहाँ व्यक्ति अनिवासी भारतीय आवेदन प्ररूप प्राप्त कर सकता है;
- (ख) निर्बंध विदेशी मुद्रा में भुगतान सहित आवेदनों को आरक्षित प्रवर्ग के अधीन समझा जायेगा;
- (ग) ऐसे अनिवासी भारतीय जो अनिवासी (सामान्य) [एनआर(ओ)] खाते के माध्यम से भुगतान करना चाहते हैं, वे निवासी भारतीयों के लिए अभिप्रेत प्ररूप का इस्तेमाल करेंगे और आरक्षित प्रवर्ग के लिए अभिप्रेत प्ररूप का इस्तेमाल नहीं करेंगे । अनिवासी भारतीयों के लिए आरक्षण के मामले में आवेदनों के संबंध में, संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में एक प्रकटीकरण किया जायेगा, जिसमें यह तथ्य सम्मिलित होगा कि ऐसे आबंटनों के लिए भुगतान केवल विदेशी स्रोत से ही किया जायेगा और यह कि अनिवासी (सामान्य) [एनआर(ओ)] खाते के जरिये भुगतान की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी ।
- (6) ऐसे दृष्टांत प्रकट किये जायेंगे जब आवेदन तकनीकी आधार पर नामंजूर किये जायेंगे (अर्थात् हस्ताक्षर, आयु इत्यादि के अभाव में) ।
- (7) आवेदन प्ररूप में निम्नलिखित के संबंध में आवश्यक अनुदेश या उपाबंध अंतर्विष्ट होंगे:
- (क) आवेदकों को लिखतों की पिछली ओर आवेदन प्ररूप की संख्या का उल्लेख करने का अनुदेश ताकि सार्वजनिक निर्गमों में शेयरों / डिबेंचरों के लिए आवेदनों के साथ जमा किये गये लिखतों के दुरुपयोग से बचा जा सके;

(ख) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों से भिन्न आवेदनों में बैंक खाता संख्या, और बैंक का नाम जिसमें ऐसा खाता धारित है, से संबंधित विशिष्टियाँ रखने के लिए प्रावधान, ताकि धनवापसी (रिफंड) आदेशों में मुद्रण या इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन प्रणाली के माध्यम से धन लौटाने में इन ब्यौरों को सुलभ बनाया जा सके, विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के निर्गम जिसे पूर्णतः गैरकागजी रूप में किया जाना अपेक्षित है के मामले में निम्नलिखित शर्त के अध्यक्षीनः

- (i) आवेदन प्ररूप में बैंक खाते के ब्यौरों की अपेक्षा आवश्यक नहीं होगी;
- (ii) आवेदन प्ररूप में कथन अंतर्विष्ट होगा कि आवेदक के बैंक खाते ब्यौरे निक्षेपागार में उसके द्वारा उपलब्ध कराये गये आँकड़े से लिये जायेंगे;
- (ग) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों के लिए बैंक खाता संख्या जो निरुद्ध किये जाने के लिए प्राधिकृत है और इस संबंध में बोर्ड द्वारा यथा विनिर्दिष्ट ब्यौरे से संबंधित विशिष्टियाँ रखने के लिए प्रावधान;
- (घ) आवेदन प्ररूप में स्थायी खाता संख्या प्रकट करने के लिए आवेदकों को अनुदेश, उस रकम का विचार किये बिना जिसके लिए आवेदन किया गया है या बोली लगायी गयी है, इस अनुदेश के साथ कि स्थायी खाता संख्या के बिना आवेदनों को नामंजूर किया जायेगा।
- (ङ) अभिदत्त होनेवाली विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों, या तो गैरकागजी रूप में या कागजी रूप में, को प्राप्त करने के लिए विकल्पों के ब्यौरे, यदि कोई हो, और यह कथन कि स्टॉक एक्सचेंजों में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों में कागजी रूप में व्यापार केवल बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट सीमाओं के अध्यक्षीन ही उपलब्ध होगा।
- (च) आवेदन प्ररूप में निक्षेपागारों के पास आवेदकों के डीमैट (गैरकागजी) खाते के ब्यौरों से संबंधित पूर्ण और विशिष्ट प्रकटीकरण और अनुदेश अंतर्विष्ट होंगे। आवेदन प्ररूप में विशेष और स्पष्ट रूप से उपदर्शित होगा कि आवेदक के डीमैट खाता संबंधी ब्यौरे कहाँ भरे जाने हैं। आवेदन प्ररूप में विशिष्ट रूप से और स्पष्ट रूप से उपदर्शित होगा कि डीमैट खाता संबंधी ब्यौरे कहाँ भरे जाएँ। आवेदन प्ररूप में संबंधित डीमैट खाते के ब्यौरे भरने की रीति के संबंध में स्पष्ट और विशिष्ट अनुदेश अंतर्विष्ट होंगे।
- (छ) धन लौटाने के लिए विभिन्न आशयित रीतियों का संक्षिप्त उल्लेख (जैसा प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया गया है)

(8) पारस्परिक निधियों द्वारा आवेदन

(घ) निर्गमकर्ता और इसके शेयरधारकों के लिए कोई विशेष कर लाभ (केवल आय कर अधिनियम की धारा संख्याओं तथा उनके दृष्टांत का उल्लेख किया जाना चाहिए, धाराओं के पाठ को पुनःप्रस्तुत किये बिना)।

(IV) निर्गम की विशिष्टियाँ :

- (क) निर्गम के उद्देश्य
- (ख) परियोजना लागत
- (ग) वित्तपोषण के साधन

- (घ) मूल्यांकक एजेंसी का नाम, यदि कोई हो।
- (ङ) अनुश्रवणकर्ता (मॉनिटरिंग) एजेंसी का नाम, यदि निर्गमकर्ता द्वारा नियुक्त किया गया और प्रकटीकरण कि क्या नियुक्ति इन विनियमों के विनियम 16 के अनुसरण में है।

(V) निर्गमकर्ता, प्रबंधतंत्र और परियोजना :

- (क) निर्गमकर्ता का इतिवृत्त और मुख्य उद्देश्य तथा वर्तमान कारबार।
- (ख) संप्रवर्तक और उनकी पृष्ठभूमि।
- (ग) प्रबंधक, प्रबंध निदेशक, और अन्य निदेशकों (जिनमें नामिती-निदेशक और पूर्णकालिक निदेशक सम्मिलित हैं) के नाम, पता और व्यवसाय, अन्य कंपनियों में उनके निदेशकपद का ब्यौरा देते हुए।
- (घ) परियोजना का अवस्थान।
- (ङ) संयंत्र और मशीनें, प्रौद्योगिकी, प्रक्रिया इत्यादि।
- (च) सहयोग, सहयोगियों द्वारा कार्यनिष्पादन संबंधी कोई गारंटी या विपणन में सहायता।
- (छ) कच्चे माल तथा सुविधाओं जैसे पानी, बिजली इत्यादि के लिए अवसंरचना।
- (ज) परियोजना के कार्यान्वयन की अनुसूची और अब तक की गयी प्रगति, भूमि अर्जन, सिविल कार्य, संयंत्र और मशीनों की संस्थापना, जाँच उत्पाद, वाणिज्यिक उत्पाद की तारीख इत्यादि का ब्यौरा देते हुए।
- (झ) उत्पाद या सेवाएँ:
 - (1) उत्पादों या सेवाओं का स्वरूप और अंतिम उपयोगकर्ता
 - (2) विद्यमान, उत्पाद की अनुज्ञप्त और संस्थापित क्षमता, उत्पाद की माँग, विद्यमान और आनेवाले वर्षों में अनुमानित जैसा कि सरकारी प्राधिकरण द्वारा या किसी अन्य विश्वसनीय संस्था द्वारा अनुमान लगाया जाता है, जानकारी का स्रोत देते हुए। यदि निर्गमकर्ता सेवा प्रदाता है तो सेवाओं के स्वरूप इत्यादि के संबंध में सुसंगत जानकारी प्रस्तुत की जानी है।
 - (3) विपणन के प्रति पहुँच और प्रस्तावित विपणन सेट अप।
 - (4) निर्यात संभाव्यताएँ और निर्यात बाध्यताएँ, यदि कोई है।
 - (5) स्टॉक बाजार आँकड़े: निम्नलिखित की विशिष्टियाँ:
 - (क) पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों की उच्च, निम्न और औसत बाजार कीमतें;
 - (ख) प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने से पहले छह महीनों के लिए मासिक उच्च और निम्न कीमतें;
 - (ग) उन दिनों व्यापारित शेयरों की संख्या जब उपर्युक्त खंड (क) और (ख) में विनिर्दिष्ट कालावधि के दौरान सुसंगत स्टॉक एक्सचेंज में उच्च और निम्न कीमतें दर्ज हुईं और उन तारीखों को व्यापारित कुल परिमाण;
 - (घ) ऊपर निर्दिष्ट स्टॉक बाजार आँकड़ों को उन कालावधियों के लिए जब पूँजी बाजार में परिवर्तन हुए, पृथक् रूप से दर्शाया जायेगा, संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा पूँजी बाजार में परिवर्तन स्वीकार करने की तारीख से आरंभ होनेवाली कालावधि के साथ (उदाहरणार्थ जब शेयर अधिकार रहित या बोनस रहित हो गये);

- (ड) उस तारीख के ठीक बाद बाजार कीमत जब निर्गम को अनुमोदित करनेवाले निदेशक मंडल का संकल्प अनुमोदित हुआ;
 - (च) तारीख जब कंपनी रजिस्टार के पास प्रस्ताव दस्तावेज रजिस्ट्रीकृत हुआ से पहले छह महीनों के दौरान प्रत्येक माह में व्यापारित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का परिमाण;
 - (छ) निर्गमकर्ता के शेयरों की उच्च, निम्न और औसत कीमतों के साथ, संबंधित कालावधियों के लिए किये गये कारबार के परिमाण से संबंधित व्यौरों का भी कथन किया जायेगा
- (VI) उसी प्रबंधन के अधीन सूचीबद्ध कंपनियों जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कोई पूँजी निर्गम किया था के संबंध में निम्नलिखित विशिष्टियाँ:
- (क) निर्गमकर्ता का नाम
 - (ख) निर्गम का वर्ष
 - (ग) निर्गम का प्रकार (सार्वजनिक / साधिकार / सम्मिश्र)
 - (घ) निर्गम की रकम
 - (ड) निर्गम बंद होने की तारीख
 - (च) शेयर / डिबेंचर प्रमाणपत्रों का प्रेषण पूर्ण होने की तारीख
 - (छ) परियोजना पूर्ण होने की तारीख, जहाँ निर्गम का उद्देश्य परियोजना का वित्तपोषण था
 - (ज) संदत्त लाभांश की दर, यदि कोई हो
- (VII) निर्गम कीमत का आधार:
- (क) प्रति शेयर उपार्जन और हलके किये गये (डाइल्यूटेड) प्रति शेयर उपार्जन, निर्गम-पूर्व, पिछले तीन वर्षों के लिए (पूँजी में परिवर्तनों के लिए यथासमायोजित);
 - (ख) निर्गम-पूर्व कीमत / उपार्जन
 - (ग) पिछले तीन वर्षों में शुद्ध मालियत पर औसत प्रतिफल
 - (घ) प्रतिशेयर उपार्जन को बनाये रखने के लिए अपेक्षित वर्धित शुद्ध मालियत पर न्यूनतम प्रतिफल;
 - (ड) पिछले तुलन पत्र पर आधारित प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य;
 - (च) शुद्ध आस्ति मूल्य प्रति शेयर, निर्गम और निर्गम कीमत के साथ उसकी की तुलना के पश्चात् ।
 - (छ) ऊपर यथाउल्लिखित निर्गमकर्ता के सभी लेखा अनुपातों की उद्योग औसत के साथ और समतुल्य समूह (अर्थात् उसी उद्योग में तुलनीय आकार की कंपनियाँ) के लेखा अनुपातों के साथ तुलना । (स्रोत जिससे समतुल्य समूह के उद्योग औसत और लेखा अनुपात लिये गये हैं, उपदर्शित करें), निम्नलिखित के अध्यक्षीन :
 - (1) परिकल्पित उपार्जनों का उपयोग प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गम कीमत के औचित्य के लिए नहीं किया जायेगा ।
 - (2) निर्गम कीमत के आधार के समर्थन में प्रस्ताव दस्तावेजों में प्रकट किये गये लेखा अनुपातों की संगणना बकाया अनिवार्य संपरिवर्तनों के कारण पूँजी में परिणामस्वरूप वृद्धि को कार्यान्वित करने के पश्चात् तथा इस धारणा पर की जायेगी कि अतिरिक्त पूँजी के लिए अभिदान करने के लिए बकाया विकल्पों, यदि कोई हो, का प्रयोग किया जायेगा ।
 - (ज) शेयरों का अंकित मूल्य (जिसमें निर्गम कीमत के अंकित मूल्य के "X" गुना होने के बारे में कथन सम्मिलित है)

- (VIII) बकाया मुकदमे और चूकें: क्या अब तक सभी भुगतान / प्रतिफलों, डिबेंचरों, बैंकों या कंपनियों की जमाराशियों, जमाराशियों पर ब्याज, डिबेंचर ब्याज, संस्थागत देयों का संदाय किया गया है। यदि नहीं, तो बकाया के ब्यौरे, यदि कोई हो, का कथन किया जाए।
- (IX) तात्विक उद्घटना: अंतिम तुलन पत्र के पश्चात् कोई तात्विक उद्घटना और निर्गमकर्ता के कार्यनिष्पादन तथा संभाव्यताओं पर इसका प्रभाव।
- (X) अभिप्राप्त विशेषज्ञ राय, यदि कोई हो।
- (XI) अंतिम तीन वर्षों के दौरान निदेशकों और लेखापरीक्षकों में परिवर्तन, यदि कोई हो और उसके कारण।
- (XII) तात्विक संविदाओं के निरीक्षण का समय और स्थान (तात्विक संविदाओं की सूची अपेक्षित नहीं है)
- (XIII) अंतिम पाँच वर्षों के लिए निर्गमकर्ता का वित्तीय कार्यनिष्पादन (आँकड़े सारणीबद्ध रूप में लेखापरीक्षित वार्षिक लेखों में से लिये जाएँ)
- (क) तुलनपत्र आँकड़ा: इक्विटी पूँजी, आरक्षितियाँ (पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति, पुनर्मूल्यांकन का वर्ष और आस्तियों पर इसके आर्थिक प्रभाव का कथन करें) और उधार।
- (ख) लाभ और हानि आँकड़े : विक्रय, सकल लाभ, शुद्ध लाभ, संदत्त लाभांश, यदि कोई हो
- (ग) अंतिम तीन वर्षों के दौरान लेखा नीतियों में कोई परिवर्तन और निर्गमकर्ता के लाभों और आरक्षितियों पर उनका प्रभाव
- (घ) उपर्युक्त खंड ख के अनुसार मुख्य प्रस्ताव दस्तावेज में पुनःप्रस्तुत निम्नलिखित जानकारी जैसी कि लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट से निकाली गयी:
- (1) असाधारण मदों के लेखाकरण से पहले शुद्ध लाभ
 - (2) असाधारण मदें
 - (3) असाधारण मदों के लेखाकरण के पश्चात् शुद्ध लाभ
- (ङ) प्रबंधन चर्चाएँ और लेखों का विश्लेषण
- (XIV) संप्रवर्तकों के सूचीबद्ध उद्यम
- (XV) अंतिम पाँच वर्षों के दौरान पिछले सार्वजनिक या साधिकार निर्गम, यदि कोई हो
- (XVI) विनिधानकर्ता शिकायतें और समाधान प्रणाली पर प्रकटीकरण
- (XVII) न्यूनतम अभिदान खंड के संबंध में कथन: निर्गम के प्रकार के आधार पर निम्नलिखित कथन प्रकट होंगे:
- (क) हामीदारी रहित सार्वजनिक निर्गमों के लिए:
- “यदि निर्गमकर्ता निर्गम के बंद होने की तारीख को प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव के नब्बे प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं करता है, या निर्गम बंद

होने के बाद चेकों के अदत्त होकर वापस लौट आने या आवेदनों को वापस लेने के कारण अभिदान का स्तर नब्बे प्रतिशत से कम हो जाता है, तो निर्गमकर्ता प्राप्त संपूर्ण अभिदान रकम को तत्काल लौटायेगा। यदि निर्गमकर्ता के रकम के भुगतान के लिए दायी बन जाने के पश्चात् 8 दिनों से अधिक का विलंब होता है तो निर्गमकर्ता कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 73 के अनुसार ब्याज का भुगतान करेगा।"

(ख) हामीदारी सहित सार्वजनिक निर्गमों के लिए:

"यदि निर्गमकर्ता निर्गम के बंद होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव के 90 प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं करता है जिसमें हामीदारों का न्यागमन भी शामिल है, निर्गमकर्ता प्राप्त संपूर्ण अभिदान रकम को तत्काल लौटायेगा। यदि निर्गमकर्ता के रकम के भुगतान के लिए दायी बन जाने के पश्चात् 8 दिनों से अधिक का विलंब होता है तो निर्गमकर्ता कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 73 के अनुसार ब्याज का भुगतान करेगा।"

(XVIII) प्रस्ताव दस्तावेज के हस्ताक्षरकर्ता

भाग ड

[विनियम 57(2)(ख) देखें]

प्रस्ताव पत्र में प्रकटीकरण

- (1) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की साधिकार निर्गम लानेवाला सूचीबद्ध निर्गमकर्ता प्रस्ताव पत्र में प्रकटीकरण करेगा, जैसा कि इस भाग के खंड (4) में विनिर्दिष्ट है, यदि यह निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है:
 - (क) निर्गमकर्ता नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख से, तीव्र-पथीय (फास्ट ट्रैक) निर्गम के मामले में, और अन्य किसी मामले में, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख से, ठीक पहले के अंतिम तीन वर्षों के लिए सूचीबद्धता करारनामे का अनुपालन करने हेतु आवधिक रिपोर्टें, विवरण और जानकारी दाखिल करता रहा है;
 - (ख) उपर्युक्त उप-खंड (क) में निर्दिष्ट रिपोर्टें, विवरण और जानकारी राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट पर या बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट सामान्य ई-फाइलिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं;

- (ग) निर्गमकर्ता के पास विनिधानकर्ता शिकायत-निपटान तंत्र है जिसमें बारम्बार अंतरालों पर शेयरधारक या विनिधानकर्ता शिकायत समिति की बैठकें, शेयर अंतरण के विषय में निर्गमकर्ता के निदेशक बोर्ड द्वारा शक्ति का समुचित प्रत्यायोजन सम्मिलित है और स्पष्ट रूप से विनिधानकर्ता शिकायतों के सामयिक और उन्हें समाधानप्रद रूप में दूर किये जाने हेतु प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ अधिकथित हैं।
- (2) यदि सूचीबद्ध निर्गमकर्ता खंड (1) में विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा नहीं करता है, तो यह प्रस्ताव पत्र में प्रकटीकरण करेगा :
- (क) भाग क में यथा विनिर्दिष्ट, खंड (4) में यथा विनिर्दिष्ट प्रकटीकरणों को छोड़कर;
- (ख) इस भाग के खंड (5) में मद (XVI) (ख) (4), (5) और (6) में यथा विनिर्दिष्ट।
- (3) यह विचार किये बिना कि खंड (1) में विनिर्दिष्ट शर्तें पूरी की या नहीं, निम्नलिखित सूचीबद्ध निर्गमकर्ता भाग क में यथा विनिर्दिष्ट प्रस्ताव पत्र में प्रकटीकरण करेंगे, खंड (4) में यथा विनिर्दिष्ट प्रकटीकरणों को छोड़कर:
- (क) सूचीबद्ध निर्गमकर्ता जिसके प्रबंध मंडल में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के अपबंधों के अनुसार नियंत्रण के अर्जन के अनुसरण में परिवर्तन हुआ है और जो ऐसे परिवर्तन के बाद पहली बार विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का साधिकार निर्गम ला रहा है;
- (ख) निर्गमकर्ता जिसकी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391 से 394 के अधीन उच्च न्यायालय द्वारा मंजूर की गयी स्कीम के अनुसरण में इसकी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (7) के अधीन बोर्ड द्वारा प्रदान किये गये शिथिलिकरण के परिणामस्वरूप सूचीबद्ध की गयी हैं और जो ऐसी सूचीबद्धता के बाद पहली बार विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का साधिकार निर्गम ला रहा है।
- (4) उपरोक्त खंड(2) और (3) के निबंधनों के अनुसार प्रकटीकरण करनेवाले निर्गमकर्ता के बारे में भाग (क) में निम्नलिखित मदों में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण लागू नहीं होंगे:
- (क) मद (V) की उप-मद (ग) ;
- (ख) मद (XII) की उप-मद (ख) के पैरा (2) का उप-पैरा (ख);
- (ग) मद (XII) की उप-मद (ख) के पैरा (3) का उप-पैरा (क);
- (घ) मद (XII) की उप-मद (ख) के पैरा (3) का उप-पैरा (ख);
- (ङ) मद (XII) की उप-मद (ख) के पैरा (3) का उप-पैरा (ग);
- (च) मद (XII) की उप-मद (ख) का पैरा (18);
- (छ) मद (XII) की उप-मद (ख) का पैरा (19)।

- (5) खंड (1) में निर्दिष्ट सूचीबद्ध निर्गमकता प्रस्ताव पत्र में निम्नलिखित प्रकटीकरण करेगा, यथासंभव, उस क्रम में जिसमें प्रकटीकरण इस खंड में विनिर्दिष्ट हैं:

(IV) **मुख कवर पृष्ठ :** मुख पृष्ठ के कागज की मोटाई पर्याप्त होगी (अधिमानतः न्यूनतम सौ जीसीएम क्वालिटी वाला) ।

(क) **अग्र मुख पृष्ठ :**

- (3) प्रस्ताव पत्र के बाहरी और भीतरी मुख पृष्ठ सफेद होंगे और इन पृष्ठों पर कोई पैटर्न या चित्र मुद्रित नहीं होंगे ।

- (4) प्रस्ताव पत्र के बाहरी मुख पृष्ठ पर केवल निम्नलिखित ब्यौरे होंगे :

(क) शब्द "प्रस्ताव पत्र"

(ख) निर्गमकर्ता का नाम, इसका लोगो, इसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, इसकी दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट का पता, ई-मेल का पता

(ग) प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का स्वरूप, की संख्या, कीमत और राशि तथा निर्गम का आकार, जो भी लागू हो ।

(घ) सामान्य जोखिम पर निम्नलिखित खंड :

"इक्विटी और इक्विटी संबंध प्रभूतियों में विनिधान (निवेश) में जोखिम निहित होता है और विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को इस प्रस्ताव में किसी निधि का तब तक विनिधान नहीं करना चाहिए जब तक कि वे अपने विनिधान को गँवाने का जोखिम न उठा सकें । विनिधानकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे इस प्रस्ताव में विनिधान संबंधी निर्णय लेने से पहले जोखिम कारकों को सावधानीपूर्वक पढ़ें । विनिधान संबंधी निर्णय लेने के लिए, विनिधानकर्ताओं को निर्गमकर्ता और निहित जोखिमों सहित प्रस्ताव के संबंध में स्वयं द्वारा की गयी जाँच-पड़ताल पर विश्वास करना चाहिए । निर्गम में प्रस्तावित की जा रही प्रतिभूतियों के संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा सिफारिश नहीं की गयी है या इनका अनुमोदन नहीं किया गया है और न ही भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड इस दस्तावेज की यथार्थता और पर्याप्तता की गारंटी देता है। "

खंड "सामान्य जोखिम" के अधीन पृष्ठ संख्या पर दिये गये "जोखिम कारकों" के कथन की तरफ विनिधानकर्ताओं का ध्यान विशेष रूप से आकृष्ट किया जायेगा ।

- (ङ) "निर्गमकर्ता की पूर्ण जिम्मेदारी" संबंधी निम्नलिखित खंड को बॉक्स रूप में सम्मिलित किया जायेगा:

"निर्गमकर्ता, जिसने सभी समुचित जाँच कर ली है, इसकी जिम्मेदारी स्वीकारता है और यह पुष्टि करता है कि इस प्रस्ताव पत्र में निर्गमकर्ता और निर्गम से संबंधित वह समस्त जानकारी अंतर्विष्ट है जो निर्गम के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, यह कि प्रस्ताव पत्र में अंतर्विष्ट जानकारी समस्त तात्विक पहलुओं से सत्य और सही है और किसी भी तात्विक प्रकार से भ्रामक नहीं है, यह कि इसमें अभिव्यक्त राय और आशय ईमानदारी से प्रस्तुत किये गये हैं और यह कि ऐसे कोई तथ्य नहीं हैं, जिनका लोप इस दस्तावेज को समग्र रूप से या ऐसी किसी जानकारी या ऐसी किसी राय या आशय की अभिव्यक्ति को किसी तात्विक प्रकार में भ्रामक बना देता है।"

- (च) सभी अग्रणी मर्चेट बैंककारों के नाम, लोगो तथा पते, उनके पदनामों के साथ, जिन्होंने सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किये हैं और बोर्ड के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल किया है, उनकी दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, वेबसाइट के पतों और ई-मेल के पतों के साथ।
- (छ) निर्गम रजिस्ट्रार का नाम, लोगो और पता, उसकी दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, वेबसाइट के पते और ई-मेल के पते के साथ।
- (ज) निर्गम अनुसूची:
 - (iv) निर्गम के खुलने की तारीख।
 - (v) निर्गम के बंद होने की तारीख।
 - (vi) विभाजन के लिए अनुरोध हेतु अंतिम तारीख।
- (झ) उन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के नाम, जहाँ निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं, और साधिकार निर्गम में प्रस्तावित किये जाने के लिए प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता हेतु सैद्धांतिक अनुमोदन के ब्यौरे।

(ख) पिछला मुख पृष्ठ : पिछला भीतरी मुख पृष्ठ और पिछला बाहरी मुख पृष्ठ सफेद होंगे।

- (V) विषयवस्तु की सारणी : अग्र भीतरी मुख पृष्ठ के ठीक बाद विषयवस्तु की सारणी प्रकट होगी।
- (VI) परिभाषाएँ और संक्षेपाक्षर:
 - (क) परंपरागत या सामान्य शब्द।

- (ख) निर्गम संबंधी शब्द ।
- (ग) निर्गमकर्ता तथा उद्योग संबंधी शब्द ।
- (घ) संक्षेपाक्षर ।

(VII) जोखिम कारक:

- (क) जोखिम कारक स्पष्ट पठनीय फॉण्ट में (अधिमानतः कम से कम दस पॉइंट के आकार का) मुद्रित किये जायेंगे ।
- (ख) जोखिम कारक निम्नलिखित के संबंध में होंगे:
 - (1) निर्गम और निर्गम के उद्देश्य;
 - (2) निर्गमकर्ता और इसके जारी कारबार क्रियाकलाप;
 - (3) महत्त्वपूर्ण मुकदमे जिनका निर्गमकर्ता के कारबार पर प्रभाव पड़ता हो ।
- (ग) जोखिम कारकों का अवधारण उनकी महत्ता के आधार पर किया जायेगा । जोखिम कारकों की महत्ता के अवधारण में, निम्नलिखित पर विचार किया जायेगा:
 - (4) कुछ घटनाएँ अकेले महत्त्व नहीं रखतीं परंतु सामूहिक रूप से उन्हें महत्त्वपूर्ण पाया जा सकता है।
 - (5) कुछ जोखिमों का ऐसा प्रभाव हो सकता है जो गुणात्मक हो मात्रात्मक नहीं ।
 - (6) कुछ जोखिम प्रस्ताव पत्र में प्रकटीकरण करते समय महत्त्वपूर्ण नहीं हो सकते हैं, परंतु जिनका भविष्य में महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है ।
- (घ) प्रस्ताव पत्र में जोखिम कारक निम्नलिखित रीति में प्रकट किये जायेंगे:
 - (3) प्रबंध मंडल द्वारा परिकल्पित जोखिम ।
 - (4) जोखिमों से निपटने के लिए प्रस्ताव, यदि कोई हों और वह रीति जिनमें इससे निपटने का प्रस्ताव किया जाता है।
- (ङ) जोखिमों से निपटने के प्रस्तावों में किसी मुकदमे के निश्चयात्मक परिणाम के संबंध में कोई आनुमानिक कथन इत्यादि अंतर्विष्ट नहीं होगा ।
- (च) जोखिमों से निपटने के प्रस्ताव किसी ऐसे मामले के लिए नहीं दिये जायेंगे जो न्यायालय या अधिकरण के समक्ष न्यायाधीन है ।
- (छ) जोखिम कारकों को महत्ता के अवरोही क्रम में प्रकट किया जायेगा । जहाँ महत्त्वपूर्ण प्रभाववाले जोखिमों के बारे में कथन किया जाता है, इसके वित्तीय और अन्य विवक्षाओं को भी प्रकट किया जायेगा । यदि इसकी मात्रा निश्चित नहीं की जा सकती, तो इस तथ्य के बारे में सुस्पष्ट कथन किया जायेगा कि इसकी विवक्षाओं की मात्रा को निश्चित नहीं किया जा सकता है ।

(VIII) प्रमुख टिप्पणियाँ: इस खंड में वे टिप्पणियाँ अंतर्विष्ट होंगी जिन्हें प्रमुखता दी जानी अपेक्षित हो और जिनमें निम्नलिखित भी सम्मिलित होगा:

- (क) निर्गम से पहले की शुद्ध मालियत (प्रस्ताव पत्र में प्रकट किये गये सबसे अंत के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण के अनुसार) और निर्गम का आकार ।
- (ख) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख से ठीक पहले के एक वर्ष के दौरान समूह या समनुषंगी कंपनियों के साथ निर्गमकर्ता के संव्यवहारों के ब्यौरे, तीव्र-पथीय निर्गम के मामले में, और किसी अन्य मामले में,

बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख, संव्यवहारों का स्वरूप और संव्यवहारों का संचयी मूल्य ।

- (ग) सभी वित्तपोषण इंतजामों के ब्यौरे जिनके द्वारा संप्रवर्तक समूह, कंपनी जो निर्गमकर्ता की संप्रवर्तक है के निदेशकों, निर्गमकर्ता के निदेशकों और उनके नातेदारों ने नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख, तीव्र-पथीय (फास्ट ट्रैक) निर्गम के मामले में, और किसी अन्य मामले में, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख से ठीक पहले के छह मास की कालावधि के दौरान, वित्तपोषण करनेवाली सत्ता (एंटीटी) के कारबार के सामान्य अनुक्रम से भिन्न, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा निर्गमकर्ता की प्रतिभूतियों के क्रय का वित्तपोषण किया है ।

(IX) परिचय:

(क). सारांश:

- (1) निर्गम संबंधी ब्यौरे, संक्षेप में ।
- (2) सारांश - समेकित वित्तीय, परिचालन संबंधी और अन्य आँकड़े ।

(ख) सामान्य जानकारी:

- (1) निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का नाम और पता तथा रजिस्ट्रीकरण संख्या, कंपनी रजिस्ट्रार का पता जहाँ निर्गमकर्ता रजिस्ट्रीकृत है ।
- (2) निर्गमकर्ता के कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ और ई-मेल के पते ।
- (3) निर्गमकर्ता के निर्गमन बैंककार, स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंककारों और विधि सलाहकारों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट के पते और ई-मेल के पते ।
- (4) अग्रणी प्रबंधकों के बीच जिम्मेदारियों के परस्पर आबंटन का विवरण, जहाँ एक से अधिक मर्चेन्ट बैंककार निर्गम से सहयुक्त हों ।
- (5) साख निर्धारण के निम्नलिखित ब्यौरे, संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के साधिकार निर्गम के मामले में:
 - (क) सभी साख निर्धारणों के ब्यौरे जिनमें संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के निर्गम के लिए अभिप्राप्त अस्वीकृत रेटिंग सम्मिलित है ।
 - (ख) संपरिवर्तनीय ऋण लिखत के माध्यम से बाजार में पहुंच रखते समय इसकी किन्हीं सूचीबद्ध संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के लिए प्रस्ताव पत्र दाखिल करने से पहले तीन पिछले वर्षों के दौरान अभिप्राप्त समस्त साख निर्धारण ।
- (6) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के साधिकार निर्गम के मामले में, डिबेंचर न्यास विलेख के अधीन न्यासियों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ, वेबसाइट के पते और ई-मेल के पते ।
- (7) अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) एजेंसी का नाम, यदि नियुक्त हो, और यह प्रकटीकरण कि क्या नियुक्ति इन विनियमों के विनियम 16 के अनुसरण में है ।

- (8) अंकक सत्ता (एंटीटी) का नाम, पता, दूरभाष संख्या और ई-मेल का पता, यदि परियोजना को आंका गया हो ।
- (9) हामीदारी के ब्यौरे, यदि कोई हों :
 - (क) हामीदारों के नाम, पते, दूरभाष संख्याएँ, फैक्स संख्याएँ और ई-मेल के पते तथा उनके द्वारा की गयी हामीदारी की रकम ।
 - (ख) निर्गमकर्ता के निदेशक बोर्ड द्वारा यह घोषणा कि हामीदारों के पास अपनी-अपनी बाध्यताओं के निर्वहन के लिए पर्याप्त संसाधन हैं ।
 - (ग) निर्गम की आंशिक हामीदारी के मामले में, हामीदारी की सीमा ।
 - (घ) नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल किये गये प्रस्ताव पत्र में हामीदारी के अंतिम इंतजाम के ब्यौरे, उन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की वास्तविक संख्या को इंगित करते हुए जिनकी हामीदारी की गयी है ।
- (10) उधार की मुख्य शर्तें और प्रतिभूति के रूप में प्रभारित आस्तियाँ ।

(ग) पूँजी संरचना:

- (1) बकाया संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों को उपयुक्त रूप से सम्मिलित किये जाने के पश्चात् प्राधिकृत, निर्गमित और अभिदत्त पूँजी (प्रतिभूतियों की संख्या, वर्णन और सकल अभिहित मूल्य) ।
- (2) समादत्त पूँजी ।
- (3) बकाया लिखतों के निम्नलिखित ब्यौरे :
 - (क) विकल्पों के ब्यौरे, यदि कोई हों ।
 - (ख) संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के ब्यौरे, यदि कोई हों ।
- (4) संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह द्वारा धारित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के ब्यौरे, जिनमें ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों पर अवरुद्धता, की गिरवी और के विल्लंगम के ब्यौरे सम्मिलित हैं ।
- (5) तीव्र-पथीय (फास्ट ट्रैक) निर्गम के मामले में, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख और किसी अन्य मामले में, बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख से ठीक पहले के अंतिम एक वर्ष में संप्रवर्तकों और संप्रवर्तक समूह द्वारा अर्जित शेयरों के ब्यौरे ।
- (6) निम्नलिखित के बारे में निर्गम में संप्रवर्तकों और संप्रवर्तक समूह द्वारा सहभागिता का आशय और दायरा:
 - (क) उनकी अधिकारों संबंधी हकदारी ।
 - (ख) उनकी अधिकारों संबंधी हकदारी से अधिक अनभिदत्त हिस्सा ।
- (7) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में सबसे अंत में दाखिल किये गये अनुसार शेयरधारिता स्वरूप ।
- (8) निर्गमकर्ता की शेयर पूँजी के एक प्रतिशत से अधिक धारण करनेवाले शेयरधारकों के ब्यौरे ।

(X) निर्गम की विशिष्टियाँ

(क) निर्गम के उद्देश्य :

- (1) निर्गम के उद्देश्यों को प्रकट किया जायेगा ।
- (2) यदि एक उद्देश्य संयुक्त उद्यम या समनुषंगी में विनिधान या अर्जन है, तो निम्नलिखित अतिरिक्त प्रकटीकरण किये जायेंगे:
 - (क) विनिधान के रूप के ब्यौरे, अर्थात् इक्विटी, ऋण या अन्य कोई लिखत ।
 - (ख) यदि विनिधान का रूप का विनिश्चय नहीं किया गया है, तो उस भाव का कथन;
 - (ग) यदि विनिधान ऋण लिखतों में है, तो ब्याज दर, प्रतिभूति के स्वरूप, चुकौती की शर्तों, अधीनस्थता इत्यादि के संबंध में पूरे ब्यौरे ।
 - (घ) यदि विनिधान इक्विटी में है, तो क्या किसी लाभांश का आश्वासन है;
 - (ङ) उस फायदे का स्वरूप जिसके संबंध में यह प्रत्याशित है कि वह विनिधान (निवेश) के परिणामस्वरूप निर्गमकर्ता को प्रोद्भूत हो सकता हो;
- (3) यदि निर्गम का एक उद्देश्य किसी सत्ता (एंटिटी) को ऋण प्रदान करना है, तो ऋण संबंधी करारनामों के ब्यौरे, जिनमें ब्याज की दर, प्रतिभूत है या अप्रतिभूत, अवधि, प्रतिभूति का स्वरूप, चुकौती की शर्तें, अधीनस्थता इत्यादि सम्मिलित हैं, और उस फायदे का स्वरूप जिसके संबंध में यह प्रत्याशित है कि वह विनिधान (निवेश) के परिणामस्वरूप निर्गमकर्ता को प्रोद्भूत हो सकता हो । यदि समनुषंगी, समूह या सहयुक्त कंपनी को ऐसा ऋण प्रदान किया जाना है, तो उसके ब्यौरे ।
- (4) यदि निर्गम का एक उद्देश्य निर्गम आगमों का दीर्घकालिक कार्यशील पूँजी (वर्किंग कैपिटल) के लिए उपयोग करना है, तो निम्नलिखित अतिरिक्त प्रकटीकरण किये जायेंगे ।
 - (क) कार्यशील पूँजी अपेक्षा के प्राक्कलन का आधार, सुसंगत अनुमानों के साथ ।
 - (ख) अतिरिक्त कार्यशील पूँजी जुटाने के कारण, उन्हें सुसंगत तथ्यों एवं आँकड़ों से सिद्ध करते हुए ।
 - (ग) अनुमानित कार्यशील पूँजी की अपेक्षा संबंधी ब्यौरे जिनमें, यथास्थिति, परियोजना के कार्यान्वयन या निर्गम के उद्देश्यों की प्राप्ति के पश्चात् कार्यशील पूँजी का विस्तृत मूल्यांकन, क्षमता के उपयोग संबंधी अनुमान, प्रत्येक प्रकार की चालू आस्ति के लिए धारण संबंधी मानदंडों के बारे में पूर्वानुमान के साथ प्रत्याशित चालू आस्तियों का कच्चे माल, तैयार माल, जारी कार्य, विविध देनदारों, इत्यादि में अलग-अलग विवरण, कुल चालू देयताएँ, शुद्ध चालू आस्तियाँ और शुद्ध चालू आस्तियों के वित्तपोषण के परिकल्पित स्रोत अर्थात् बैंक वित्त, संस्थागत वित्त, स्व निधियाँ इत्यादि के ब्यौरे ।
 - (घ) सारणी रूप में कुल परिकल्पित कार्यशील पूँजी अपेक्षा, उसकी मार्जिन धनराशि और बैंक (बैंकों) द्वारा या अन्यथा वित्तपोषित किया जाने वाला हिस्सा ।

- (ड) अनुमानित कार्यशील पूँजी स्थिति के मुकाबले में वर्तमान कार्यशील पूँजी स्थिति के संबंध में संपूर्ण परिपेक्ष्य जिसके आधार पर सार्वजनिक निर्गम में धनराशि जुटाये जाने का प्रस्ताव है ।
- (च) निर्गमकर्ता के पास उपलब्ध विद्यमान कार्यशील पूँजी, कुल चालू आस्तियों के कच्चे माल, तैयार माल, जारी कार्य, विविध देनदारों, इत्यादि में अलग-अलग विवरण के साथ, कुल चालू देयताओं, शुद्ध चालू आस्तियों और शुद्ध चालू आस्तियों के वित्तपोषण के स्रोतों, अर्थात् बैंक वित्त, संस्थागत वित्त, स्व निधियाँ इत्यादि, के ब्यौरे ।
- (छ) यदि उस परियोजना के भाग के रूप में किसी कार्यशील पूँजी को नहीं दर्शाया जाता है जिसके लिए निर्गम लाया जा रहा है, तो इसके कारण ।

(ख) निधियों की अपेक्षा:

- (1) निर्गम के माध्यम से जुटाये जाने के लिए प्रस्तावित निधियों की अपेक्षा ।
- (2) जहाँ निर्गमकर्ता एक से अधिक क्रियाकलाप या परियोजना का प्रस्ताव करता है अर्थात् विविधीकरण, आधुनिकीकरण, विस्तार इत्यादि, तो वहाँ परियोजना की कुल लागत यथास्थिति, क्रियाकलाप के अनुसार या प्रोजेक्ट के अनुसार दी जायेगी ।
- (3) जहाँ निर्गमकर्ता चरणबद्ध रीति में परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है, तो वहाँ प्रत्येक चरण की लागत अलग-अलग दी जायेगी, जिसमें वह चरण, यदि कोई हो, सम्मिलित है जिसका पहले ही कार्यान्वयन किया जा चुका है ।
- (4) निर्गम आगमों के उपयोग या परियोजना लागत के संबंध में संप्रवर्तकों, निदेशकों, प्रमुख प्रबंधन कार्मिक, सहयुक्तों और समूह कंपनियों के साथ विद्यमान या अनुमानित सभी तात्त्विक संव्यवहारों के ब्यौरे । सुसंगत दस्तावेजों को निरीक्षण के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सूची में शामिल किया जायेगा ।
- (5) यदि निर्गम का उद्देश्य परियोजना का निधीयन करना है, तो निम्नलिखित ब्यौरे दिये जायेंगे:
 - (क) परियोजना का स्थान
 - (ख) संयंत्र और मशीनरी, प्रौद्योगिकी, प्रक्रिया, इत्यादि
 - (ग) सहयोगियों द्वारा सहयोग, कार्यनिष्पादन गारंटी यदि कोई हो, या विपणन में सहायता ।
 - (घ) कच्चे माल के लिए अवसंरचना (बुनियादी) सुविधाएँ और जल, विद्युत इत्यादि जैसी उपयोगिताएँ इत्यादि ।
- (6) यदि निर्गम के आगमों, या आगमों के किसी हिस्से का प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः लगाया जाना है:
 - (क) किसी कारबार के क्रय में; या
 - (ख) किसी कारबार में हित की खरीद में और उस खरीद, या उसके परिणामस्वरूप या उसके संबंध में की जानेवाली किसी बात, के कारण से; निर्गमकर्ता या तो पूँजी या लाभों और हानियों या दोनों के बारे में हित के प्रति हकदार बन जायेगा, ऐसे कारबार में, उसके पचास प्रतिशत से अधिक

तो निम्नलिखित पर लेखाकारों (जिनका नाम प्रस्ताव पत्र में दिया जायेगा) द्वारा तैयार की गयी रिपोर्ट:

- (i) प्रस्ताव पत्र जारी करने से ठीक पहले के पाँच वित्तीय वर्षों में से प्रत्येक वर्ष हेतु कारबार के लाभ या हानि; और
- (ii) उस अंतिम तारीख को कारबार की आस्तियाँ और दायित्व जिस तारीख को कारबार के लेखे तैयार किये गये, जो प्रस्ताव पत्र जारी किये जाने की तारीख से छह मास पहले से अधिक की तारीख न हो।

(7) यदि :

- (क) शेयरों या डिबेंचरों के निर्गम के आगमों, या आगमों के किसी हिस्से, का उपयोजन प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी भी प्रकार से किया जाना है जिसका परिणाम शेयरों के निर्गमकर्ता द्वारा किसी अन्य निगमित निकाय में अर्जन के रूप में होता है; और
- (ख) उस अर्जन के या उसके परिणामस्वरूप या उसके संबंध में की जाने वाली किसी भी बात के कारण से, वह निगमित निकाय निर्गमकर्ता का समुनषंगी बन जायेगा;

तो लेखाकारों (जिनके नाम प्रस्ताव पत्र में दिये जायेंगे) द्वारा निम्नलिखित पर तैयार की गयी रिपोर्ट :

- (i) प्रस्ताव पत्र जारी करने से ठीक पहले के पाँच वित्तीय वर्षों में से प्रत्येक वर्ष हेतु अन्य निगमित निकाय के लाभ या हानि; और
 - (ii) उस अंतिम तारीख को अन्य निगमित निकाय की आस्तियाँ और दायित्व जिस तारीख को इसके लेखे तैयार किये गये।
- (8) निर्गम की परियोजना या उद्देश्यों के स्ट्रैटेजिक भागीदार, यदि लागू हो।
- (9) निर्गम की परियोजना या उद्देश्यों के वित्तीय भागीदार, यदि लागू हो।

(ग) निधीयन योजना (वित्तपोषण के साधन):

- (1) निर्गमकर्ता द्वारा प्रस्ताव पत्र में यह पुष्टि करते हुए वचन दिया जायेगा कि वित्तपोषण के कथित साधनों, प्रस्तावित निर्गम तथा मौजूदा आंतरिक प्रोद्भवन (जिनकी पहचान हो सके) के माध्यम से जुटायी जाने वाली रकम को छोड़कर, के पचहत्तर प्रतिशत हेतु सत्यापन-योग्य साधनों के माध्यम से वित्तपोषण के पक्के इंतजाम कर लिये गये हैं।
- (2) वित्तपोषण के साधनों के शेष हिस्से, जिसके लिए कोई पक्का इंतजाम न किया गया हो, का विशिष्ट उल्लेख नहीं किया जायेगा।
- (3) निधियों (जिनका इंतजाम हो गया हो) और अधिक आगमों, यदि कोई हों, को लगाये जाने के अवसर।

(घ) आंकना :

- (1) आंकने के दायरे तथा प्रयोजन, यदि कोई हो, आंकने की तारीख के साथ।
- (2) अंकक की रिपोर्ट के अनुसार परियोजना की लागत और वित्तपोषण के साधन।

- (3) अंकक की रिपोर्ट जारी होने की तारीख के बाद परियोजना लागत और वित्तपोषण के साधनों में संशोधन, यदि कोई हो, संबंधी स्पष्टीकरण।
- (4) अंकक की रिपोर्ट में उल्लिखित दुर्बलताएँ और आशंकाएँ, यदि कोई हों, जोखिम कारकों के माध्यम से।
- (ड) कार्यान्वयन-सूची: सारणी रूप में परियोजना के कार्यान्वयन की सूची और अब तक हुई प्रगति, जिसके अंतर्गत भूमि अर्जन, सिविल कार्यों, संयंत्र एवं मशीनरी को लगाया जाना, उत्पादन का परीक्षण, वाणिज्यिक उत्पादन की तारीख और देरी के कारणों, यदि कोई हों, के ब्यौरे होंगे।
- (च) निधियों का अभिनियोजन :
- (1) निधियों के स्रोतों और परियोजना (जहाँ निर्गमकर्ता परियोजना के लिए पूँजी जुटा रहा है) पर इन निधियों के अभिनियोजन के ब्यौरे, उस तारीख तक जो नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख से पहले दो महीने से पहले की न हो, सनदी लेखाकार (चार्टर्ड एकाउंटेंट) द्वारा यथा प्रमाणित, सनदी लेखाकार के नाम और प्रमाणपत्र की तारीख सहित।
- (2) जहाँ संप्रवर्तकों द्वारा अग्रिम रूप में लायी गयी शेयर आवेदन धनराशि को परियोजना में लगाया जाता है किया जाता है और उसे साधिकार निर्गम में उनकी अधिकारों संबंधी हकदारी के प्रति समायोजित किया जा रहा है, तो संप्रवर्तकों द्वारा लायी गयी निधियों के अभिनियोजन की सीमा तथा उपयोग प्रकट किया जायेगा।
- (छ) पहले से ही अभिनियोजित निधियों के वित्तपोषण के स्रोत: वित्तपोषण के साधन और स्रोत, जिनमें "ब्रिज ऋण" और अन्य वित्तीय इंतजाम के ब्यौरे शामिल हैं, जिन्हें निर्गम के आगमों से चुकाया जा सकेगा।
- (ज) शेष निधि अभिनियोजन के ब्यौरे: वर्ष के अनुसार उस व्यय के अलग-अलग विवरण, जिसे उक्त परियोजना पर उपगत किये जाने का प्रस्ताव है।
- (झ) निधियों का अंतरिम उपयोग: विनिधान अवसर, जिनमें प्रबंध मंडल निर्गम आगमों के अभिनियोजन का प्रस्ताव करता है, प्रस्तावित परियोजना में इनका उपयोग किये जाने तक।
- (ञ) निर्गमकर्ता और इसके शेयरधारकों के लिए कोई विशेष कर लाभ।
- (ट) निर्गम के प्रस्तावित उद्देश्यों के लिए मूल उद्योग विनियम (यदि निर्गमकर्ता के विद्यमान कारबार से भिन्न हो)
- (ठ) संप्रवर्तकों और निदेशकों का हित, जैसा निर्गम की परियोजना या उद्देश्यों के लिए लागू हो
- (XI) निर्गमकर्ता के बारे में इतिहास और कंपनी (कॉर्पोरेट) संरचना: यदि निर्गमकर्ता बीते समय में पिछले दस वर्षों या उससे अधिक समय से कोई निर्गम नहीं लाया है, तो निर्गमकर्ता के इतिहास और कंपनी संरचना के बारे में संक्षिप्त विवरण, निर्गमकर्ता के मुख्य उद्देश्य और बीते समय में घटी प्रमुख घटनाएँ।
- (XII) प्रबंध मंडल (निदेशक बोर्ड):

- (क) प्रबंधक, प्रबंध निदेशक, और अन्य निदेशकों (जिनमें नामनिर्देशिनी [नॉमिनी] निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक सम्मिलित हैं) का नाम, आयु, अर्हताएँ, निदेशक पहचान संख्या, अनुभव, पता, व्यवसाय और वर्तमान पदावधि की समाप्ति की तारीख, अन्य कंपनियों में उनके निदेशक पद की जानकारी देते हुए।
- (ख) किन्हीं निदेशकों के बीच किसी पारिवारिक नातेदारी का स्वरूप।
- (ग) प्रमुख शेयरधारकों, ग्राहकों, पूर्तिकारों या अन्यो के बीच कोई इंतजाम या समझौता, जिसके अनुसरण में निदेशकों को वरिष्ठ प्रबंध मंडल के निदेशक या सदस्य के रूप में चुना गया।
- (घ) निर्गमकर्ता के साथ निदेशकों द्वारा की गयी सेवा संबंधी संविदाओं (सर्विस कॉन्ट्रैक्ट) के ब्यौरे जिनमें नियोजन की समाप्ति पर लाभों का उपबंध किया गया है, और ऐसी संविदा के अभाव में सुस्पष्ट नकारात्मक कथन।

(XIII) निर्गमकर्ता की वित्तीय जानकारी:

- (क) निर्गमकर्ता के एकल और समेकित वित्तीय विवरण:
 - (1) अंतिम पूर्ण लेखा वर्ष जिसके लिए लेखापरीक्षा पूर्ण की गयी है के बारे में लाभ या हानि और आस्तियों तथा दायित्वों के बारे में लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट (लेखा नीतियों में परिवर्तनों को उपदर्शित करते हुए, यदि कोई हों)।
 - (2) उस तारीख को जो निर्गम के खुलने की तारीख से पहले छह महीनों से पूर्व की न हो, को लाभ या हानि और आस्तियों तथा दायित्वों के सीमित समीक्षा के संबंध में निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षकों द्वारा रिपोर्ट (लेखा नीतियों में परिवर्तनों को उपदर्शित करते हुए, यदि कोई हों), जहाँ ऐसी तारीख को लेखापरीक्षित लेखे उपलब्ध न हों।
 - (3) उपर्युक्त खंड (1) और (2) के प्रयोजन के लिए, यह पर्याप्त होगा यदि:
 - (क) आस्तियों और दायित्वों के विवरण में, कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची VI के भाग I में किये गये उपबंध के अनुसार आस्तियों और दायित्वों के मुख्य शीर्ष दिये गये हैं। यदि निर्गमकर्ता कंपनी अधिनियम, 1956 से भिन्न किसी कानून द्वारा विनियमित है, तो ऐसे कानून में यथाविनिर्दिष्ट आस्तियों और दायित्वों के शीर्ष आस्तियों और दायित्वों के विवरण में दिये जायेंगे।
 - (ख) लाभ या हानि के विवरण में, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल की जानेवाली तिमाही वित्तीय जानकारी के बारे में इक्विटी सूचीबद्धता करारनामे के खंड 41 के अनुसार आय और व्यय के शीर्षों के अधीन प्रकट किये जाने हेतु अपेक्षित जानकारी, उपलब्ध करा दी गयी है।
- (ख) इसके अतिरिक्त, तारीख 5 फरवरी 1977 के वित्त मंत्रालय के परिपत्र सं. एफ.2/5/एसई/76, और जो बाद में 8 मार्च 1977 को संशोधित हुआ था, के अनुसार शेयरधारकों को भेजे गये तुलनपत्र तथा लाभ-हानि लेखे की अंतिम तारीख और प्रस्ताव पत्र की तारीख से पहले के पिछले महीने के अंत तक के बीच की कालावधि हेतु निम्नलिखित जानकारी दी जायेगी।
 - (1) निम्नलिखित शीर्षों के अधीन निर्गमकर्ता की कार्यचालन परिणाम :

- (क) (i) विक्रय / व्यापारावर्त
(ii) अन्य आय
- (ख) अनुमानित सकल लाभ / हानि (मूल्यह्रास और करों को छोड़कर)
- (ग) (i) मूल्यह्रास के लिए प्रावधान
(ii) करों के लिए प्रावधान
- (घ) अनुमानित शुद्ध लाभ / हानि
- (2) महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रतिबद्धताएँ, यदि कोई निर्गमकर्ता की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करती हों।
- (3) अंतिम चार सप्ताहों की सप्ताहांत कीमतें; वर्तमान बाजार कीमत; और संबंधित तारीखों के साथ कालावधि के दौरान इक्विटी शेयरों की उच्चतम और निम्नतम कीमतें
- (ग) कंपनी के शेयरों / संपरिवर्तनीय लिखतों के स्टॉक बाजार भाव (अंतिम तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष की उच्च / निम्न कीमतें और अंतिम छह महीनों के दौरान मासिक उच्च / निम्न कीमतें)।
- (घ) लेखा और अन्य अनुपात : जिन लेखा कालावधियों हेतु वित्तीय जानकारी दी है, उनमें से प्रत्येक लेखा कालावधि के लिए निम्नलिखित लेखा अनुपात दिये जायेंगे:
- (1) आमदनी प्रति शेयर : इस अनुपात की गणना असाधारण मदों को छोड़कर की जायेगी।
- (2) शुद्ध मालियत पर प्रतिफल: इस अनुपात की गणना पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को छोड़कर की जायेगी।
- (3) शुद्ध आस्ति मूल्य प्रति शेयर: इस अनुपात की गणना पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को छोड़कर की जायेगी।
- (4) लेखा और अन्य अनुपात भारतीय लेखा मानकों के आधार पर तैयार किये गये वित्तीय विवरणों पर आधारित होंगे।
- (ङ) पूँजीकरण विवरण:
- (1) निर्गम लाये जाने से पहले और पश्चात् कुल ऋण (डैट), शुद्ध मालियत, और ऋण / इक्विटी अनुपात दर्शाने वाला पूँजीकरण विवरण सम्मिलित किया जायेगा।
- (2) प्रॉस्पेक्टस में वित्तीय जानकारी प्रकट किये जाने की तारीख से शेयर पूँजी में किसी परिवर्तन के मामले में, परिवर्तन के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए एक टिप्पणी दी जायेगी।
- (3) पूँजीकरण विवरण का उदाहरणस्वरूप फॉर्मेट इसके नीचे विनिर्दिष्ट है:

विवरण	30-6-1995 को निर्गम से पूर्व	निर्गम के लिए यथा समायोजित
(लाख रुपये)		
अल्पावधि ऋण (डैट)	1870	1870
दीर्घावधि ऋण	4370	4370
शेयरधारकों की निधियाँ		

शेयर पूँजी	4000	4450
आरक्षितियाँ	14570	37520
शेयरधारकों की कुल निधि	18570	41940
दीर्घविधि ऋण / इक्विटी	0.24:1	0.10:1
टिप्पणी: 31-3-1995 (जो वह अंतिम तारीख है जब इस दस्तावेज के पैरा..... में वित्तीय जानकारी दी गयी है) से, शेयर पूँजी प्रत्येक 3 शेयरों के लिए 1 शेयर के अनुपात में बोनस शेयरों के निर्गम द्वारा शेयर पूँजी 3000 लाख रु. से 4000 लाख रु. तक बढ़ा दी गयी।		

(च) प्रस्ताव पत्र में एक मानक वित्तीय इकाई का उपयोग किया जायेगा

(XIV) इस भाव का कथन कि निर्गमकर्ता और मर्चेन्ट बैंकर के बीच परामर्श से कीमत का निर्धारण किया गया है।

(XV) बकाया मुकदमे और चूकें : निर्गमकर्ता द्वारा निम्नलिखित ब्यौरे प्रकट किये जायेंगे:

(क) लंबित मामले, यदि उनका परिणाम प्रतिकूल होता है, तो निर्गमकर्ता के कामकाज या उसकी वित्तीय स्थिति तात्त्विक रूप से और प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगी।

(ख) मामले, जो लंबित हैं या जो तत्काल ठीक पहले के दस वर्षों में उत्पन्न हुए हैं, में निम्नलिखित अंतर्लित हैं:

- (1) निर्गमकर्ता की ओर से नैतिक अधमता या आपराधिक दायित्व के मुद्दे
- (2) निर्गमकर्ता द्वारा कानूनी विनियमों के तात्त्विक अतिक्रमण
- (3) आर्थिक अपराध जहाँ निर्गमकर्ता के विरुद्ध कार्यवाहियाँ आरंभ की गयी हैं।

(ग) महत्ता का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए, निम्नलिखित परिक्षण या मानदंड लागू किये जायेंगे :

(1) बकाया मुकदमों के लिए, जिनका भावी आमदनियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सकेगा, प्रकटीकरण अपेक्षित है :

(क) जहाँ ऐसे अकेले मुकदमे में निहित कुल रकम अंतिम पूर्ण वित्तीय वर्ष के अनुसार निर्गमकर्ता की शुद्ध मालियत के एक प्रतिशत से अधिक हो; या

(ख) जहाँ ऐसी संभावना हो कि एक मामले में लिये गये विनिश्चय का प्रभाव वैसे ही मामलों संबंधी विनिश्चय पर पड़ सकता हो, फिर भले ही एक मामले में निहित रकम अंतिम पूर्ण वित्तीय वर्ष के अनुसार निर्गमकर्ता की शुद्ध मालियत के एक प्रतिशत से अधिक न हो।

(2) बकाया मुकदमों के लिए, जिनका भावी आमदनियों पर कोई प्रभाव पड़ सकेगा, प्रकटीकरण अपेक्षित है:

(क) जहाँ ऐसी संभावना हो कि ऐसे अकेले मुकदमे में निहित कुल रकम अंतिम पूर्ण वित्तीय वर्ष के अनुसार निर्गमकर्ता की कुल आमदनी के एक प्रतिशत से अधिक हो सकती है; या

(ख) जहाँ ऐसी संभावना हो कि एक मामले में लिये गये विनिश्चय का प्रभाव वैसे ही मामलों संबंधी विनिश्चय पर पड़ सकता हो, फिर भले ही एक मामले में निहित रकम निर्गमकर्ता की कुल आमदनी के एक प्रतिशत से अधिक न हो, यदि वैसे ही मामले कुल मिलाकर सामुहिक रूप से अंतिम पूर्ण वित्तीय वर्ष के अनुसार निर्गमकर्ता की कुल आमदनी के एक प्रतिशत अधिक हों।

(घ) ये प्रकटीकरण निर्गमकर्ता और निर्गमकर्ता की समनुषंगी कंपनियों के बारे में जिनके वित्तीय विवरण प्रस्ताव दस्तावेज में सम्मिलित किये जाते हैं, चाहे अलग-अलग या समेकित रूप में, किये जायेंगे।

(XVI) सरकारी अनुमोदन या लाइसेंसिंग इंतजाम: नये क्रियाकलाप / नयी परियोजना के मामले में, सभी लंबित सरकारी और विनियामक अनुमोदन; मौजूदा क्रियाकलाप / परियोजना के मामले में, सभी लंबित विनियामक और सरकारी अनुमोदन तथा लाइसेंसों के लंबित नवीकरण।

(XVII) तात्त्विक विकास: अंतिम तुलन पत्र की तारीख के पश्चात् कोई तात्त्विक विकास और निर्गमकर्ता के कार्यनिष्पादन तथा संभाव्यताओं पर इसका प्रभाव।

(XVIII) अन्य विनियामक और कानूनी प्रकटीकरण:

(क) निर्गम के लिए प्राधिकार और निर्गम के लिए पारित संकल्प के ब्यौरे।

(ख) निर्गमकर्ता द्वारा यह कथन कि निर्गमकर्ता, संप्रवर्तकों, संप्रवर्तक समूह, संप्रवर्तक के निदेशकों या नियंत्रणधारी व्यक्ति (व्यक्तियों) को बोर्ड द्वारा पारित किसी आदेश या निदेश के अधीन पूँजी बाजारों में पहुँच रखने या परिचालन करने से प्रतिषिद्ध नहीं किया गया है या प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या में लेनदेन करने से अवरुद्ध नहीं किया गया है।

(ग) यह पुष्टीकरण कि क्या निर्गमकर्ता का कोई निदेशक प्रतिभूति बाजार से किसी भी प्रकार से में सहयुक्त है, यदि हाँ, तो क्या बोर्ड ने उक्त सत्ताओं (एंटीटी) के खिलाफ कोई कार्रवाई आरंभ की है और संबंधित ब्यौरे।

(घ) यह प्रकट किया जाए कि क्या निर्गमकर्ता, संप्रवर्तकों, समूह कंपनियों; संप्रवर्तकों, समूह कंपनियों के नातेदारों (कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुसार) की पहचान भारतीय रिज़र्व बैंक या अन्य प्राधिकरणों द्वारा जानबूझकर चूक करने वालों के रूप में की गयी है।

(ङ) इस भाव का कथन कि निर्गमकर्ता इस अनुसूची के भाग ड में विनिर्दिष्ट उपबंधों का अनुपालन कर रहा है।

(च) तीव्र-पथीय (फास्ट ट्रैक) निर्गम लाने की पात्रता अपेक्षाओं की अनुपालना के ब्यौरे, यदि लागू हो।

(छ) दावात्याग खंड:

(1) प्रस्ताव पत्र में गाढ़े सुस्पष्ट अक्षरों में निम्नलिखित दावात्याग खंड अंतर्विष्ट होगा:

"यह स्पष्ट तौर पर समझा जाना है कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को प्रस्ताव पत्र प्रस्तुत किये जाने को किसी भी प्रकार से यह नहीं समझा जाना चाहिए या इसका यह अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा इसकी मंजूरी आदि दी गयी है या इसे अनुमोदित किया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड न तो किसी स्कीम या परियोजना जिसके लिए निर्गम लाये जाने का प्रस्ताव है की वित्तीय सुदृढ़ता की और न ही प्रस्ताव पत्र में किये गये कथनों या अभिव्यक्त राय की शुद्धता की कोई जिम्मेदारी लेता है। अग्रणी मर्चेट बैंककार, ने यह प्रमाणित किया है कि प्रस्ताव पत्र में किये गये प्रकटीकरण सामान्य तौर पर पर्याप्त हैं और तत्समय प्रवृत्त भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के अनुरूप हैं। यह अपेक्षा इसलिये है कि विनिधानकर्ता(निवेशक) प्रस्तावित निर्गम में विनिधान (निवेश) करने के लिए सोचसमझ कर निर्णय लेने में सुगम हो सकें।

यह भी स्पष्ट रूप से समझा जाना चाहिए कि यद्यपि निर्गमकर्ता प्रस्ताव पत्र में दी गयी समस्त संबंधित जानकारी की शुद्धता, पर्याप्तता और प्रकटीकरण के लिए प्राथमिक तौर पर जिम्मेदार है, अग्रणी मर्चेट बैंककार से यह प्रत्याशित है कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए सम्यक् तत्परता बरते कि निर्गमकर्ता ने इस निमित्त और इस प्रयोजन हेतु पर्याप्त रूप से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है, अग्रणी मर्चेट बैंककार ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को तारीख का सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है, जो कि निम्नानुसार है :

(बोर्ड को प्रस्तुत किये गये सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र को यहाँ पुनः प्रस्तुत किया जाए।)

तथापि, प्रस्ताव पत्र को दाखिल करने से निर्गमकर्ता को कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 63 या 68 के अधीन किसी दायित्व से या ऐसे कानूनी या अन्य मंजूरी आदि अभिप्राप्त करने की अपेक्षा से, जैसा कि प्रस्तावित निर्गम के प्रयोजन के लिए अपेक्षित हो, मुक्ति नहीं मिल जाती है। इसके अतिरिक्त, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के पास यह अधिकार है कि वह प्रस्ताव पत्र में किन्हीं अनियमितताओं या गलतियों के लिए किसी भी समय अग्रणी मर्चेट बैंककार के यहाँ मामले को उठा सके।"

(2) निर्गमकर्ता और अग्रणी मर्चेट बैंककार से दावात्याग कथन :

इस भाव का कथन कि निर्गमकर्ता और अग्रणी मर्चेट बैंककार निर्गमकर्ता द्वारा या के कहने पर जारी प्रस्ताव पत्र में या विज्ञापन या किसी अन्य सामग्री में किये गये कथनों से अन्यथा किये गये कथनों की जिम्मेदारी नहीं लेते हैं और यह कि किसी अन्य स्रोत से प्राप्त जानकारी पर निर्भर होने वाला कोई व्यक्ति ऐसा अपने जोखिम पर करेगा।

जो विनिधानकर्ता (निवेशक) निर्गम में विनिधान (निवेश) करते हैं, उनके बारे में यह समझा जायेगा कि उनका प्रतिनिधित्व निर्गमकर्ता तथा अग्रणी प्रबंधक और उनके संबंधित निदेशकों, अधिकारियों, एजेंटों, सहबद्ध व्यक्तियों तथा प्रतिनिधियों द्वारा किया गया है कि वे सभी कानूनी विधियों, नियमों, विनियमों, मार्गदर्शक सिद्धांतों तथा अनुमोदनों के अधीन हमारी कंपनी के इक्विटी शेयरों को अर्जित करने के पात्र हैं, और वे इस निर्गम में अपनी

योग्यता तथा विनिधान (निवेश) की मात्रा के विषय में स्वतंत्र सलाह / मूल्यांकन पर निर्भर रहे हैं।

- (3) अधिकारिता के बारे में दावात्याग: अधिकारिता का उल्लेख करनेवाला संक्षिप्त पैरा जिसके अधीन विधि और नियमों तथा विनियमों के उपबंध प्रस्ताव पत्र पर लागू हैं।
- (4) स्टॉक एक्सचेंजों का दावात्याग खंड, यदि कोई हो
- (5) भारतीय रिज़र्व बैंक का दावात्याग खंड (यदि लागू हो)।
- (ज) बोर्ड और स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने का तथ्य और बोर्ड का कार्यालय जहाँ प्रस्ताव पत्र दाखिल किया गया है
- (झ) निम्नलिखित को देय फीस (रकम के अनुसार; कुल निर्गम व्ययों के प्रतिशत के रूप में और कुल निर्गम आकार के प्रतिशत के रूप में):
 - (1) अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार
 - (2) सह-अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार, यदि कोई हों
 - (3) सह-प्रबंधक, यदि कोई हों
 - (4) अन्य मर्चेन्ट बैंककार
 - (5) निर्गम रजिस्ट्रार
 - (6) सलाहकार
 - (7) निर्गमन बैंककार
 - (8) ऋण लिखत धारकों हेतु न्यासी
 - (9) अन्य
 - (10) हामीदारी कमीशन, दलाली और बिक्री कमीशन
- (ञ) विनिधानकर्ता शिकायतों के समाधान के लिए निर्गमकर्ता द्वारा विकसित कोई इंतजाम या व्यवस्था और विभिन्न प्रकार की विनिधानकर्ता शिकायतों के निपटान के लिए इसके द्वारा सामान्यतः लिया जाने वाला समय।

(XIX) प्रस्ताव संबंधी जानकारी:

- (क) भुगतान की शर्तें और आबंटन तथा प्रमाणपत्र जारी किये जाने की प्रक्रिया तथा समय-सूची, विनिधानकर्ताओं के डिमैट खाते में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को जमा करना।
- (ख) आवेदन कैसे करें, आवेदन प्ररूपों तथा प्रस्ताव पत्र की उपलब्धता और भुगतान का तरीका, जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:
 - (1) पारस्परिक निधियों द्वारा आवेदन:
 - (क) "पारस्परिक निधियों द्वारा आवेदनों के लिए प्रक्रिया" तथा "अनेक आवेदन" शीर्षों के अधीन आवश्यक प्रकटीकरण यह इंगित करने के लिए सम्मिलित किये जायेंगे कि बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत भारतीय पारस्परिक निधि की प्रत्येक स्कीम के बारे में पृथक् आवेदन किया जा सकता है और ऐसे आवेदनों को अनेक आवेदन नहीं माना जायेगा।
 - (ख) यह प्रकटीकरण कि पारस्परिक निधि की आस्ति प्रबंध कंपनियों या अभिरक्षकों द्वारा किये गये आवेदनों में उस संबंधित स्कीम का नाम स्पष्ट रूप से उल्लिखित होगा जिसके लिए आवेदन किया जा रहा है।

- (2) अनिवासी भारतीयों द्वारा आवेदन: निम्नलिखित प्रकटीकरण किये जायेंगे:
- (क) भारत में कम से कम एक ऐसे स्थान का नाम और पता जहाँ व्यक्तिगत अनिवासी भारतीय आवेदक आवेदन प्ररूप अभिप्राप्त कर सकते हैं।
- (ख) यह कथन कि : "अनिवासी भारतीय आवेदक कृपया ध्यान दें कि केवल ऐसे आवेदनों पर आरक्षित प्रवर्ग के अधीन आबंटन के लिए विचार किया जायेगा जिनके साथ मुक्त विदेशी मुद्रा में भुगतान संलग्न हो। जिन अनिवासी भारतीयों का इरादा अनिवासी साधारण खातों के माध्यम से भुगतान करने का है, वे उस प्ररूप का इस्तेमाल करेंगे जो निवासी भारतीयों के लिए हैं और वे उन प्ररूपों का इस्तेमाल नहीं करेंगे जो आरक्षित प्रवर्ग के लिए उपलब्ध हैं।"
- (3) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन (एएसबीए) के अंतर्गत विनिधानकर्ताओं द्वारा आवेदन : निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन के अंतर्गत पात्र विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) तथा निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन की प्रक्रिया से संबंधित प्रकटीकरण, जिनमें निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन को प्रस्तुत किये जाने संबंधी विशेष अनुदेश सम्मिलित हैं।
- (4) यह कथन कि शेयरधारकों जिन्हें आवेदन प्ररूप प्राप्त नहीं हुए हैं, वे अपेक्षित आवेदन धनराशि के साथ, सादे कागज पर लिखित रूप में, आवेदन कर सकेंगे।
- (5) वह फॉर्मेट जो शेयरधारकों को सादे कागज पर आवेदन करने में समर्थ बनाये जिसके अंतर्गत आवश्यक विवरणों का उल्लेख होगा, जैसे कि नाम, पता, साधिकार निर्गम का अनुपात, निर्गम कीमत, धारित इक्विटी शेयरों की संख्या, लेजर फोलियो संख्याएँ, निक्षेपागार सहभागी का आई.डी., ग्राहक का आई.डी., उन इक्विटी शेयरों की संख्या जिसके लिए हकदार हों या आवेदन किया हो, अतिरिक्त शेयर यदि कोई हों, आवेदन के साथ अदा की जाने वाली रकम, और निर्गमकर्ता के खाते के पक्ष में लिखे जाने वाले बैंक के विवरण आदि।
- (6) यह कथन कि आवेदन प्ररूप के बिना आवेदन करने वाले शेयरधारक अपने अधिकारों का त्याग नहीं करेंगे और किसी प्रयोजन जिसमें त्याग सम्मिलित है के लिए आवेदन प्ररूप का उपयोग नहीं करेंगे, फिर भले ही यह बाद में प्राप्त हुआ हो।
- (ग) कल्पित आवेदनों के लिए दंड से संबंधित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 68क की उप-धारा (1) के उपबंध, प्रकटीकरणों सहित कि कोई व्यक्ति जो:
- (1) कंपनी को कल्पित नाम से आवेदन करता है, उसमें किन्हीं शेयरों के अर्जन के लिए, या में अभिदान के लिए, अथवा
- (2) अन्यथा कंपनी को उत्प्रेरित करता है कि वह उस कंपनी के शेयरों को उसे या किसी अन्य व्यक्ति को कल्पित नाम से आबंटित कर दे, या उनके किसी

अंतरण को रजिस्ट्रीकृत कर दे, तो वह कारावास से दंडनीय होगा जिसकी अवधि पाँच वर्षों तक की हो सकेगी।

(घ) डीमैट खाते में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को जमा करने / पंद्रह दिनों की कालावधि में धन लौटाने और धन लौटाने में विलंब के मामले में विनिर्दिष्ट दर पर ब्याज संबंधी घोषणा।

(ङ) धन लौटाने की रीति:

(1) वह रीति जिसमें निर्गमकर्ता अति-अभिदान के मामले में आवेदकों को धन लौटायेगा।

(2) यदि निर्गमकर्ता आवेदकों को धन लौटाने के लिए एक से अधिक रीति के उपयोग का प्रस्ताव करता है, संबंधित मामले प्रकट किये जायेंगे जहाँ ऐसी हर रीति अपनायी जायेगी।

(3) धन लौटाने की अनुज्ञेय रीतियाँ निम्नानुसार हैं:

(क) बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट केंद्रों में से किसी में निवास कर रहे आवेदकों के मामले में - ईसीएस (इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा), प्रत्यक्ष जमा, आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट) या एनईएफटी (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण), जो भी तत्समय भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमत हो, के उपयोग द्वारा निधियों के इलेक्ट्रॉनिक अंतरण (ट्रांसफर) के जरिये आवेदकों के बैंक खातों में लौटाये गये धन को जमा करके;

(ख) अन्य आवेदकों के मामले में - रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा धनवापसी आदेशों के प्रेषण द्वारा, जहाँ मूल्य 1500/-रु. या अधिक है, या अन्य मामलों में डाक में डाले जाने के प्रमाणपत्र के अधीन, (तथापि डाक नियमों के अधधीन); और

(ग) बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट आवेदकों के किसी प्रवर्ग के मामले में - तत्समय प्रवृत्त बैंकिंग विधि के अधीन किसी अन्य अनुज्ञेय इलेक्ट्रॉनिक रीति में आवेदकों को लौटाये गये धन को जमा करना, जिसके लिए समय-समय पर बोर्ड द्वारा अनुज्ञा दी जाए।

(XX) निर्गम के संबंध में निर्गमकर्ता द्वारा वचन : निर्गमकर्ता वचन देगा कि:

(क) निर्गम के बारे में प्राप्त शिकायतों पर निर्गमकर्ता द्वारा शीघ्र और समाधानप्रद रूप में कार्रवाई की जायेगी।

(ख) कि सभी स्टॉक एक्सचेंजों में जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध की जानी हैं, में सूचीबद्धता और व्यापार के आरंभ के लिए आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिये जाने के सात कार्य दिवसों के भीतर कदम उठाये जाते हैं।

(ग) असफल आवेदकों को प्रकट की गयी रीति (रीतियों) में धन लौटाने के लिए अपेक्षित निधियों को निर्गमकर्ता द्वारा निर्गम के रजिस्ट्रार को उपलब्ध कराया जायेगा।

(घ) कि जहाँ निधियों के इलेक्ट्रॉनिक अंतरण के माध्यम से धन लौटाये जाते हैं, निर्गम के बंद होने के 15 दिनों के भीतर आवेदक को उपयुक्त संसूचना भेजी जायेगी, उन बैंकों के ब्यौरे जहाँ लौटाने वाला धन जमा किया जायेगा, रकम और लौटाये जाने

वाले धन को इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा किये जाने की संभावित तारीख के ब्यौरों सहित ।

- (ड) कि निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन के रूप में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों को एकत्र करने के लिए और आबंटन के आधार को अंतिम रूप देते समय उन पर उसी प्रकार विचार करने के लिए, जिस तरह से निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन के अंतर्गत प्राप्त न होने वाले आवेदनों के संबंध में किया जाता है, पर्याप्त इंतजाम किये गये हैं ।
 - (च) संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के मामले में, निर्गमकर्ता निम्नलिखित अतिरिक्त वचन देगा कि:
 - (1) निर्गमकर्ता प्रत्येक छमाही के अंत में, निर्गमकर्ता के कानूनी लेखापरीक्षकों द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संपरिवर्तनीय ऋण लिखतों के माध्यम से जुटायी गयी निधियों के उपयोग के ब्यौरे डिबेंचर न्यासीयों को अग्रेषित करेगा ।
 - (2) निर्गमकर्ता वार्षिक रिपोर्ट में डिबेंचर न्यासी का पूरा नाम और पता प्रकट करेगा।
 - (3) निर्गमकर्ता प्रस्ताव पत्र में यथा उल्लिखित डिबेंचरों के निर्गम के निबंधनों और शर्तों की अनुपालना के बारे में संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों को (वार्षिक आधार पर) अनुपालना प्रमाणपत्र, डिबेंचर न्यासी द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित, उपलब्ध करायेगा।
 - (4) निर्गमकर्ता पुष्टीकरण प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों के पक्ष में कंपनी द्वारा सृजित प्रतिभूति को उपयुक्त रूप से बनाये रखा जा रहा है और यह चूक की दशा में संपरिवर्तनीय ऋण लिखत धारकों के प्रति भुगतान बाध्यताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है ।
 - (5) लिखत के बारे में ऋण बाध्यताओं के बकाया रहने तक, सत्य और पर्याप्त जानकारी उपलब्ध कराने में साख निर्धारण एजेंसियों को आवश्यक सहयोग दिया जायेगा ।
- (XXI) निर्गम आगमों का उपयोग: किसी बैंक या लोक वित्तीय संस्था द्वारा लाये गये साधिकार निर्गम से भिन्न निर्गम के प्रस्ताव पत्र में निर्गमकर्ता के निदेशक बोर्ड का इस भाव का कथन अंतर्विष्ट होगा कि:
- (क) जनता को शेयरों या विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के निर्गम से प्राप्त सभी धनराशियाँ पृथक् बैंक खाते में अंतरित की जायेंगी ।
 - (ख) खंड (क) में निर्दिष्ट निर्गम में से प्रयुक्त सभी धनराशियों के ब्यौरे निर्गमकर्ता के तुलनपत्र में पृथक् शीर्ष के अधीन प्रकट किये जायेंगे, उस प्रयोजन को सूचित करते हुए जिसके लिए ऐसी धनराशियों का उपयोग किया गया था; और
 - (ग) खंड (क) में उल्लिखित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के निर्गम में से अनुप्रयुक्त धनराशियों के ब्यौरे निर्गमकर्ता के तुलनपत्र में पृथक् शीर्ष के अधीन प्रकट किये जायेंगे, उस स्वरूप का उल्लेख करते हुए जिसमें ऐसी अनुप्रयुक्त धनराशियों का विनिधान किया गया है ।

(XXII) भारतीय प्रतिभूतियों के विदेशी स्वामित्व पर निर्बधन, यदि कोई हो:

- (क) अनिवासी भारतीयों द्वारा विनिधान ।
- (ख) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ताओं द्वारा विनिधान

(XXIII) न्यूनतम अभिदान खंड के बारे में कथन: प्रस्ताव पत्र में निम्नलिखित कथन प्रकट होगा :

- (क) "यदि निर्गमकर्ता को निर्गम के नब्बे प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं होता है (जिसमें हामीदारों का न्यागमन सम्मिलित है, जहाँ लागू हो), तो पूरा अभिदान निर्गम के बंद होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर आवेदकों को लौटा दिया जायेगा ।"
- (ख) "यदि कंपनी के अभिदान राशि अदा करने के लिए दायी हो जाने के बाद (अर्थात् निर्गम के बंद होने के पश्चात् पंद्रह दिन) 8 दिनों से अधिक दिनों तक अभिदान का धन लौटाने में विलंब होता है, तो निर्गमकर्ता विलंब की अवधि के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 73 की उप-धारा (2) और (2क) के अधीन विहित दरों पर ब्याज अदा करेगा ।"

(XXIV) कानूनी और अन्य जानकारी:

- (क) निर्गम में अभिदान के लिए विकल्प:
 - (1) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों जिनके लिए अभिदान किया गया है को या तो गैरकागजी रूप में या कागजी रूप में प्राप्त करने के विकल्पों, यदि कोई हों, के ब्यौरे ।
 - (2) अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार प्रस्ताव दस्तावेज में और आवेदन प्ररूप में इस भाव का कथन सम्मिलित करेगा कि विनिधानकर्ता के पास या तो प्रतिभूति प्रमाणपत्रों को प्राप्त करने या निक्षेपागार में गैरकागजी रूप में प्रतिभूतियों को धारण करने का विकल्प होगा ।
- (ख) तात्विक संविदाएँ और निरीक्षण का समय तथा स्थान जिसमें अंतिम पाँच वर्षों के लिए निर्गमकर्ता की वार्षिक रिपोर्टों की प्रतियाँ सम्मिलित होंगी ।

(XXV) अन्य कोई तात्विक प्रकटीकरण, जैसा आवश्यक समझा जाए ।

(XXVI) घोषणा :

- (क) प्रारूप प्रस्ताव पत्र (तीव्र-पथीय) निर्गमों से भिन्न निर्गमों के मामले में) और प्रस्ताव पत्र निर्गमकर्ता के निदेशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित होगा और सभी निदेशकों, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, अर्थात् कंपनी अधिनियम, 1956 के अर्थ के भीतर प्रबंध निदेशक या प्रबंधक और मुख्य वित्तीय अधिकारी, अर्थात् पूर्णकालिक वित्त निदेशक या वित्त संबंधी कृत्य का प्रमुख और उस कृत्य का निर्वहन करने वाले अन्य किसी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होगा ।
- (ख) निम्नलिखित कथन प्रकट किया जायेगा:

"इस प्रस्ताव पत्र में किया गया कोई कथन कंपनी अधिनियम, 1956 और उसके अधीन बनाये गये नियमों के किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन नहीं करता है । निर्गम से संबंधित सभी कानूनी अपेक्षाओं और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, सरकार

तथा किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि का सम्यक् रूप से पालन किया गया है।”

(ग) हस्ताक्षरकर्ता यह भी प्रमाणित करेंगे कि प्रस्ताव पत्र में किये गये सभी प्रकटीकरण सत्य और सही हैं।

- (6) इस भाग के अनुसार प्रस्ताव पत्र में प्रकटीकरण करने वाला सूचीबद्ध निर्गमकर्ता ठीक पहले वाले सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम के प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति विनियम 61 के उप-विनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में जनता को उपलब्ध करायेगा और ऐसे दस्तावेज को निरीक्षण के लिए तात्त्विक दस्तावेज के तौर पर भी उपलब्ध करायेगा।

भाग च [विनियम 58(2) देखें]

संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में प्रकटीकरण

- (1) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का साधिकार निर्गम लाने वाला सूचीबद्ध निर्गमकर्ता, संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में, इस अनुसूची के भाग घ में यथा विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण करेगा।
- (2) तथापि, यदि इस अनुसूची के भाग ड के खंड (1) में विनिर्दिष्ट शर्तें पूरी कर दी जाती हैं, तो इस अनुसूची के भाग घ में निम्नलिखित खंडों में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण अपेक्षाएँ, ऐसे निर्गमकर्ता के लिए लागू नहीं होंगी:
 - (क) मद VII की उप-मद (ख);
 - (ख) मद VIII की उप-मद (घ);
 - (ग) मद X;
 - (घ) मद XI;
 - (ङ) मद XII;
 - (च) मद XV;
 - (छ) मद XVI;
 - (ज) मद XIX;
 - (झ) मद XX; और
 - (ञ) मद XXI
- (3) वह क्रम जिसमें मदें संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में प्रकट होंगी, उस क्रम के अनुरूप होगा, जहाँ लागू हो, जिसमें मदें प्रस्ताव पत्र में प्रकट होती हैं।
- (4) संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में निम्नलिखित प्रकटीकरण भी सम्मिलित होंगे:
 - (क) विनियम 54 के उप-विनियम (2), (3) और (4) में निर्दिष्ट आवेदनों से संबंधित उपबंध;
 - (ख) अधिकारों संबंधी हकदारी अनुपात;
 - (ग) प्रैक्शनल हकदारी;
 - (घ) त्याग;
 - (ङ) अतिरिक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन;
 - (च) संप्रवर्तकों का उनकी अधिकारों संबंधी हकदारी में अभिदान करने का आशय;
 - (छ) यह कथन कि ठीक पहले वाले सार्वजनिक या साधिकार निर्गम के प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति जनता को उपलब्ध करायी है, जैसा विनियम 61 के उप-विनियम (1) के अधीन विनिर्दिष्ट है और जनता के निरीक्षण के लिए दस्तावेज के तौर पर भी।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी निर्गम एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009
अनुसूची IX
[विनियम 16(2) देखें]

अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) एजेंसी द्वारा प्रस्तुत की जानेवाली रिपोर्ट का फार्मेट

अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) एजेंसी का नाम :

_____ को समाप्त छमाही के लिए अनुश्रवण रिपोर्ट

1. निर्गमकर्ता का नाम :
2. निर्गम के बारे में जिसके आगमों का अनुश्रवण किया जाना है :
 - क) निर्गम की तारीख :
 - ख) निर्गम का प्रकार (सार्वजनिक / साधिकार) :
 - ग) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्रकार :
 - घ) निर्गम आकार : (रु.-----)(करोड़)
 - ङ) संग्रहित राशि: (रु. -----)(करोड़)
3. निर्गम आगमों के अनुश्रवण को सुनिश्चित करने के लिए किये गये इंतजाम के ब्यौरे ।
4. परियोजना संबंधी ब्यौरे (अनुश्रवण किया जाए) :
 - क) परियोजना का नाम (ब्यौरे और अवस्थान) :
 - ख) परियोजना ब्यौरों की लागत : (रु. -----)(करोड़)

(प्रस्ताव दस्तावेज में यथा उल्लिखित)

मद शीर्ष	मूल लागत	संशोधित	टिप्पणियाँ

बढ़ी हुई लागत के वित्तपोषण के लिए प्रस्ताव, यदि कोई हो ।

ग) परियोजना में प्रगति:

i) छह माह की अवधि के दौरान उपगत व्यय (करोड़ रु.)

मद शीर्ष	छह माह के दौरान	संचयी

ii) छह माह की अवधि के दौरान जुटाये गये वित्त के साधन (करोड़ रु.)

घ) यदि जुटायी गयी कुल संचयी राशि परियोजना पर उपगत व्ययसे अधिक है, तो स्पष्ट करें कि अतिरिक्त निधियाँ किस प्रकार उपयोग में लायी जाती हैं / उपयोग में लाये जाने के लिए प्रस्तावित है । विनिधान जैसे लिखतों, परिपक्वता, उपार्जन और अन्य शर्तों के ब्यौरे दें । उस पक्ष / कंपनी का नाम उपदर्शित करें जिसमें राशियों का विनिधान किया गया है । समूह कंपनियों और अन्यो में विनिधान के लिए निम्नलिखित आँकड़े अलग से दिये जायेंगे:

लिखत का प्रकार/	विनिधान की गयी राशि	परिपक्वता की तारीख
उपार्जन		
लिखत	लाख रुपये	

- ड) निधियों के उपयोग पर अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) एजेंसी की टिप्पणियाँ ।
- च) यदि परियोजना के कार्यान्वयन में कोई विलंब होता है, तो इसे इसके कारण और प्रस्तावित कार्रवाई के साथ विनिर्दिष्ट किया जाए । (कृपया विभिन्न क्रियाकलापों की अनुसूची का तुलनात्मक विवरण दें जैसा कि प्रस्ताव दस्तावेज में दिया गया है और उनका वास्तविक कार्यान्वयन ।)
- छ) परियोजना जैसी कि प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की गयी संबंधी सरकारी / सांविधिक अनुमोदनों की प्राप्ति ।
- ज) तकनीकी सहायता / सहयोग (कृपया निर्गम के समय अवेक्षित इंतजाम और तत्पश्चात् प्रगति का उल्लेख करें)
- झ) पूर्ववर्ती प्रगति रिपोर्टों से मुख्य विचलन ।
- ञ) परियोजना की व्यवहार्यता को उन्नत बनानेवाली / प्रभावित करनेवाली कोई अनुकूल / प्रतिकूल घटनाएँ ।
- ट) अन्य कोई सुसंगत जानकारी ।

प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर:

नाम:

पदनाम:

तारीख:

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी निर्गम एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009
अनुसूची X
[विनियम 26(6), 31, 33(1)(ख) और 41(2)(ख) का स्पष्टीकरण देखें]

“अवसंरचना क्षेत्र” शब्द में सम्मिलित सुविधाएँ या सेवाएँ

इन विनियमों के प्रयोजन के लिए, पद “अवसंरचना क्षेत्र” में निम्नलिखित सुविधाएँ / सेवाएँ सम्मिलित होंगी:

- (i) परिवहन (जिसमें इंटर माडल परिवहन शामिल है), में निम्नलिखित सम्मिलित हैं:
- (क) सड़कें, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, प्रमुख जिला सड़कें, अन्य जिला सड़कें और ग्रामीण सड़कें, जिसमें चुंगी मार्ग, पुल, राजमार्ग, सड़क परिवहन सेवाप्रदाता और मार्ग संबंधी अन्य सेवाएँ;
 - (ख) रेल प्रणाली, रेल परिवहन प्रदाता, मेट्रो रेल मार्ग और रेल संबंधी अन्य सेवाएँ;
 - (ग) पत्तन (पोर्ट) (छोटे पत्तनों तथा बंदरगाहों सहित), अंतर्देशीय जलमार्ग, तटीय नौपरिवहन जिसमें नौपरिवहन व्यवसाय और अन्य पत्तन संबंधी सेवाएँ शामिल हैं;
 - (घ) विमानन, जिसमें विमानपत्तन, हेलिकॉप्टर, एयरलाइन और विमानपत्तन संबंधी अन्य सेवाएँ शामिल हैं;
 - (ङ) लॉजिस्टिक सेवाएँ;
- (ii) कृषि, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:
- (क) भंडारण सुविधा से संबंधित अवसंरचना;

- (ख) परियोजनाओं से संबंधित निर्माण जिनमें कृषि-प्रक्रमण और कृषि की निविष्टियाँ अंतर्बलित हैं;
- (ग) संसाधित कृषि-उत्पादों, खराब होनेवाले (पेरिशेबल) माल जैसे फल, सब्जियाँ और फूल, के परिरक्षण और भंडारण के लिए निर्माण, जिसमें गुणवत्ता के परीक्षण की सुविधा भी सम्मिलित है;
- (iii) जल प्रबंधन, जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:
 - (क) जल आपूर्ति या संवितरण;
 - (ख) सिंचाई;
 - (ग) जल सुविधाएँ, इत्यादि ।
- (iv) दूरसंचार, जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:
 - (क) आधारभूत या सेल्यूलर, जिनमें रेडियो पेजिंग सम्मिलित है;
 - (ख) देशी उपग्रह सेवा (अर्थात् दूरसंचार सेवा प्रदान करने के लिए भारतीय कंपनी द्वारा स्वाधिकृत और परिचालित उपग्रह);
 - (ग) ट्रकिंग नेटवर्क, ब्रॉडबैंड नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएँ;
- (v) औद्योगिक, वाणिज्य और सामाजिक विकास और रखरखाव, जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:
 - (क) स्थावर संपदा विकास, जिनमें औद्योगिक पार्क या विशेष आर्थिक क्षेत्र सम्मिलित हैं;
 - (ख) पर्यटन, जिनमें होटल, कन्वेंशन केंद्र और मनोरंजन केंद्र सम्मिलित हैं;
 - (ग) सार्वजनिक बाजार और भवन, व्यापार मेला, कन्वेंशन, प्रदर्शनी, सांस्कृतिक केंद्र, क्रीड़ा और मनोविनोद अवसंरचना, सार्वजनिक बाग और उद्यान;
 - (घ) शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों का निर्माण;
 - (ङ) अन्य शहरी विकास, जिनमें ठोस उत्सर्ग प्रबंधन प्रणाली, सफाई और परनीली व्यवस्था, इत्यादि;
- (vi) बिजली, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:
 - (क) थर्मल (ताप), हाइड्रो (जल उत्सर्ग), आणविक (न्यूक्लीयर), जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल), वायु और नवीकरणीय स्रोतों से बिजली की उत्पत्ति;
 - (ख) नयी संचारण या वितरण लाइनों का नेटवर्क बिछाकर बिजली का संचारण, वितरण या व्यापार;
- (vii) पेट्रोलियम और प्राकृत गैस, जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:
 - (क) खोज और उत्पादन;
 - (ख) आयात टर्मिनल;
 - (ग) लिक्विफैक्शन और रि-गैस्ट्रिफिकेशन;
 - (घ) भंडारण टर्मिनल;
 - (ङ) संचारण नेटवर्क और वितरण नेटवर्क जिनमें सिटी गैस अवसंरचना सम्मिलित है;
- (viii) आवास, जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:
 - (क) शहरी और ग्रामीण गृह-निर्माण जिसमें लोक / जन आवास-निर्माण, बस्ती पुनर्वास इत्यादि सम्मिलित हैं;
 - (ख) अन्य संबद्ध क्रियाकलाप जैसे जल-निकास, प्रकाश व्यवस्था, मार्ग निर्माण, स्वच्छता संबंधी सुविधाएँ इत्यादि;

(ix) अन्य विविध सुविधाएँ / सेवाएँ, जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

(क) खनन और संबद्ध क्रियाकलाप;

(ख) प्रौद्योगिकी संबद्ध अवसंरचना;

(ग) घटकों और सामग्री का निर्माण या अवसंरचना क्षेत्र द्वारा अपेक्षित कोई अन्य उपयोगिताएँ या सुविधाएँ जैसे ऊर्जा बचत उपकरण और नापनेवाला उपकरण इत्यादि;

(घ) पर्यावरण संबंधी अवसंरचना;

(ङ) संकट प्रबंधन सेवा;

(च) स्मारकों और मूर्तियों के आरक्षण;

(छ) आपातकालीन सेवाएँ (चिकित्सा, पुलिस, अग्नि, और बचाव सहित);

(x) ऐसी अन्य सुविधा / सेवा, जो बोर्ड की राय में, अवसंरचना क्षेत्र होती है।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी निर्गम और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची XI

[विनियम 28(3) और 102 देखें]

बही निर्माण प्रक्रिया

भाग क

1. बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के निर्गम का प्रस्ताव करनेवाला निर्गमकर्ता इस अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

2. अग्रणी बही संचालक (बुक रनर)

(क) निर्गमकर्ता एक या अधिक मर्चेट बैंककार (बैंककारों) को बही संचालक (बुक रनर) के रूप में नियुक्त करेगा और उसका (उनके) नाम प्रारूप रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किये जायेंगे।

(ख) अग्रणी मर्चेट बैंककार अग्रणी बही संचालक की भूमिका निभायेगा और बही निर्माण के लिए मुख्य तौर पर जिम्मेदार होगा।

(ग) अग्रणी बही संचालक (बुक रनर) केवल एक होगा और नियुक्त अन्य मर्चेट बैंककार, यदि कोई हों, या तो सह-बही संचालक या सिंडिकेट सदस्य होंगे।

(घ) अन्य पद जैसे संयुक्त अग्रणी मर्चेट बैंककार इत्यादि का प्रयोग नहीं किया जायेगा।

(ङ) एक से अधिक अग्रणी मर्चेट बैंककार या बही संचालक की नियुक्ति के मामले में, प्रत्येक के अधिकार, बाध्यताएँ और जिम्मेदारियाँ अनुसूची I में यथाविनिर्दिष्ट जिम्मेदारियों के परस्पर आबंटन में अंकित की जायेंगी।

3. सिंडिकेट सदस्य

(क) बही रनर सिंडिकेट सदस्यों की नियुक्ति कर सकेंगे।

4. हामीदारी

(क) अग्रणी बही संचालक और सह-बही संचालक अनिवार्य रूप में निर्गम की हामीदारी करेगा और सिंडिकेट सदस्य अग्रणी बही संचालक / सह-बही संचालक के साथ सह-हामीदार होगा।

(ख) अग्रणी बही संचालक / सिंडिकेट सदस्य आबंटन की तारीख को हामीदारी करार करेंगे बोर्ड के पास तुरंत ब्यौरे प्रस्तुत करेंगे।

(ग) हामीदारी किये गये शेयरों की वास्तविक संख्या दर्शाते हुए अंतिम हामीदारी इंतजाम के ब्यौरे कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्टर करने से पहले प्रकट और प्रॉस्पेक्टस में मुद्रित किये जायेंगे।

(घ) निर्गम में न्यून अभिदान के मामले में, निर्गम के बही संचालक (संचालकों) को कमी दूर करनी होगी और इसे अनुसूची II में यथाविनिर्दिष्ट जिम्मेदारियों के परस्पर आबंटन में सम्मिलित किया जायेगा।

5. स्टॉक एक्सचेंजों के साथ करार

- (क) निर्गमकर्ता एक या अधिक स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के साथ करार करेगा जिसके (जिनके) पास प्रतिभूतियों के ऑनलाइन प्रस्ताव की प्रणाली हो।
- (ख) करारनामे में अन्य बातों के साथ, निर्गमकर्ता और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के परस्पर अधिकार, कर्तव्य, दायित्व और बाध्यताएँ विनिर्दिष्ट होंगी।
- (ग) करारनामे में निर्गमकर्ता और स्टॉक एक्सचेंज के बीच विवाद समाधान प्रणालीतंत्र के लिए उपबंध होगा।

6. बोली / संग्रहण केंद्रों के रूप में स्टॉक दलालों की नियुक्ति

- (क) बही संचालक / सिंडिकेट सदस्य बोलियों, आवेदनों को स्वीकारने और निर्गमकर्ता को आदेश प्रस्तुत करने के लिए उन स्टॉक दलालों की नियुक्ति करेंगे, जो स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य हैं और बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हैं, और यह सुनिश्चित करेंगे कि इस प्रकार नियुक्त स्टॉक दलाल उनके ग्राहकों / विनिधानकर्ताओं, यदि कोई हो, के व्यतिक्रमों से उद्भूत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय रूप से सक्षम हैं।

परंतु यह कि निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन के मामले में, स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंक भी ऐसे आवेदनों को स्वीकार करेगा और उनके ब्यौरे स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के इलेक्ट्रॉनिक बोली प्रणाली में अपलोड करेगा।

- (ख) आवेदन और आवेदन धन स्वीकार करनेवाले स्टॉक दलालों और स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को "बोली / संग्रहण केंद्र" के तौर पर समझा जायेगा।
- (ग) निर्गमकर्ता बही संचालकों / सिंडिकेट सदस्यों / स्टॉक दलालों / स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को उनके द्वारा प्रदान की गयी सेवाओं के लिए कमीशन / फीस अदा करेगा।
- (घ) स्टॉक एक्सचेंज सुनिश्चित करेंगे कि कोई स्टॉक दलाल इस संबंध में अपनी सेवाओं के बदले में अपने ग्राहक / विनिधानकर्ता पर सेवा फीस नहीं लगाता है।

7. रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस में प्रकट न की जानेवाली कीमत

- (क) जहाँ निर्गम आकार विनिर्दिष्ट है, वहाँ रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कीमत और संख्या अंतर्विष्ट नहीं हो सकेगी।
- (ख) सभी प्रकटीकरण जिनमें कुल निर्गम आकार सम्मिलित हैं, अंतर्विष्ट करनेवाला रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस, यदि लागू हो, अनुसूची VIII में विनिर्दिष्ट अनुसार, इसके माध्यम से प्रस्तावित की जानेवाली विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कीमत और संख्या के सिवाय, अग्रणी मर्चेट बैंककार द्वारा बोर्ड के पास दाखिल किया जायेगा;
- परंतु यह कि फास्ट ट्रैक निर्गम के मामले में प्रारूप रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस को बोर्ड के पास दाखिल नहीं किया जायेगा।

8. न्यूनतम कीमत और कीमत दायरा (प्राइस बैंड)

विनियम 30 के उपबंधों और इस खंड के उपबंधों के अध्याधीन, निर्गमकर्ता रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस में न्यूनतम कीमत या कीमत दायरे का उल्लेख कर सकेगा।

- (क) जहाँ निर्गमकर्ता रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस में कीमत दायरे या न्यूनतम कीमत को प्रकट न करने का विकल्प चुनते हैं, रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित भी प्रकट किया जायेगा:

- (i) कथन कि न्यूनतम कीमत या कीमत दायरा, यथास्थिति, बोली के खुलने से कम से कम दो कार्यदिवस (आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में) और कम से कम एक कार्यदिवस (अतिरिक्त सार्वजनिक निर्गम के मामले में) पहले प्रकट किया जायेगा;
 - (ii) कथन कि इस बीच विनिधानकर्ता का द्वितीयक बाजार कीमतों द्वारा मार्गदर्शन कर सकते हैं (अतिरिक्त सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में); उन समाचारपत्रों के नाम और अंक जिनमें न्यूनतम कीमत या कीमत दायरे की घोषणा की जायेगी;
 - (iii) वेबसाइट (पते के साथ), जर्नल या अन्य मीडिया के नाम जिसमें उक्त घोषणा की जायेगी।
- (ख) जहाँ निर्गमकर्ता न्यूनतम कीमत के बजाय कीमत दायरे का विकल्प चुनने का निर्णय लेते हैं, निर्गमकर्ता निम्नलिखित शर्तों की भी अनुपालना सुनिश्चित करेगा:
- (i) कीमत दायरे की उच्चतम सीमा दायरे के न्यूनतम के 20% से अधिक नहीं होनी चाहिए, अर्थात् कीमत दायरे की उच्चतम सीमा कीमत दायरे के न्यूनतम के 120% से कम या के बराबर होगी;
 - (ii) कीमत दायरे को बोली लगाने की अवधि के दौरान संशोधित किया जा सकता है इस मामले में दोनों तरह से अधिकतम संशोधन 20% से अधिक नहीं होगा अर्थात् कीमत दायरे का न्यूनतम रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस में प्रकट कीमत दायरे के न्यूनतम से 20% की सीमा तक बढ़ या घट सकता है और संशोधित कीमत दायरे के उच्चतम का निर्धारण उपर्युक्त खंड (i) के अनुसार नियत किया जायेगा;
 - (iii) कीमत दायरे में किसी भी संशोधन का स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित करके, प्रेस विज्ञप्ति जारी करके और सुसंगत वेबसाइट तथा सिंडिकेट सदस्यों के टर्मिनलों पर परिवर्तन को भी सूचित करके व्यापक प्रसार किया जायेगा।
 - (iv) यदि कीमत दायरा संशोधित होता है, तो बोली अवधि को विनियम 46 के उप-विनियम (2) के उपबंधों के अनुसार बढ़ाया जायेगा।
 - (v) रीति, जिसमें कीमत दायरे के 20% तक कम हो जाने के कारण उद्भूत कमी, यदि कोई हो, को पूरा किया जायेगा, रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस में प्रकट की जायेगी। यह भी प्रकट किया जायेगा कि आबंटन तब तक नहीं किया जायेगा जब तक वित्तपोषण शर्तबद्ध नहीं होता।

9. आवेदन-सह-बोली प्रपत्र

- (क) निर्गमकर्ता सिंडिकेट सदस्यों और स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों को आवेदन-सह-बोली फार्म उपलब्ध करायेगा।
- (ख) निर्गमकर्ता विनियम 5 के उप-विनियम 6 में यथा उपबंधित आज्ञापक संग्रहण केंद्रों से आवेदन-सह-बोली प्ररूप के संग्रहण के लिए इंतजाम करेगा।
- (ग) "बोली लगाने" के प्रयोजन के लिए दस्तावेज का मुद्रण किया जायेगा और "रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस" के रूप में परिचालित किया जायेगा। दस्तावेज में हर जगह एक ही नामपद्धति का इस्तेमाल किया जायेगा।
- (घ) "रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस" के अधीन "कृपया कंपनी अधिनियम, 1956 का खंड 60ख पढ़ें" जोड़ें।
- (ङ) "बोली" को "प्रस्ताव करने का उपदर्शन" के रूप में परिभाषित किया जाना चाहिए न कि "प्रस्ताव" के रूप में।

- (च) निगमित निकायों द्वारा बोली लगाने और बोली के समय समर्थक दस्तावेजों को प्रस्तुत करने / जमा करने की रीति का कथन करें। हिंदू अविभक्त कुटुंब द्वारा बोलियों/ आवेदनों के मामले में, आवेदन करने की रीति का और कि एचयूएफ को 'व्यक्ति' समझा जायेगा, का कथन करें।
- (छ) सुनिश्चित करें कि निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों या अन्यथा के लिए अभिप्रेत आवेदन-सह-बोली प्ररूप सभी सुसंगत जानकारी उपलब्ध कराता है, जिसमें वह भी सम्मिलित है जो सुसंगत अधिनियमों / विनियमों में इस संबंध में विनिर्दिष्ट है।
- (ज) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों से भिन्न आवेदन-सह-बोली प्ररूप निम्नलिखित शर्तों को पूरा करेंगे:-
- (i) बोली प्ररूप का स्वरूप मानक होगा ताकि बोली में समरूपता और शुद्धता सुनिश्चित हो सके;
 - (ii) बोली प्ररूप में विनिधानकर्ता के बारे में जानकारी, उन प्रतिभूतियों की कीमत और संख्या अंतर्विष्ट होगी जिस पर विनिधानकर्ता बोली लगाना चाहता है;
 - (iii) विनिधानकर्ताओं को जारी करने से पहले, बोली प्ररूप को क्रमानुसार संख्यांकित किया जायेगा और बोली केंद्रों में उन पर तारीख और समय की मुहर लगायी जायेगी;
 - (iv) यह क्रमसंख्या प्रणाली जनित होगी या स्वचालित संख्यांकन मशीन के जरिये मुहर लगायी जायेगी;
 - (v) बोली प्ररूप दो प्रतियों में जारी किये जायेंगे जो विनिधानकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित और सिंडिकेट सदस्य द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किये जायेंगे, एक प्ररूप विनिधानकर्ता के लिए और दूसरा सिंडिकेट सदस्य (सदस्यों) / बही संचालक (संचालकों) के लिए;
 - (vi) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों के लिए बोली प्ररूप में विनियम _____ में यथाविनिर्दिष्ट ब्यौरे अंतर्विष्ट होंगे और ये एएसबीए विनिधानकर्ता के लिए एकसमान होंगे।
- (झ) निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों के लिए आवेदन-सह-बोली प्ररूप में सुसंगत ब्यौरे अंतर्विष्ट होंगे और यह निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों के सभी विनिधानकर्ताओं के लिए एकसमान होंगे।

10. एंकर विनिधानकर्ता

- (क) एंकर विनिधानकर्ता सार्वजनिक निर्गम में कम से कम 10 करोड़ रु. के मूल्य का आवेदन करेगा।
- (ख) एंकर विनिधानकर्ता को आबंटन वैवेकिक आधार पर किया जायेगा और 250 करोड़ रु. तक के आबंटन के लिए ऐसे 2 विनिधानकर्ताओं की और 250 करोड़ रु. से अधिक के आबंटन के लिए ऐसे 5 विनिधानकर्ताओं की न्यूनतम संख्या के अध्यक्षीन होगा।
- (ग) अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटन के लिए उपलब्ध हिस्से के तीस प्रतिशत तक एंकर विनिधानकर्ता (विनिधानकर्ताओं) के लिए विनियोजनों / आबंटनों के लिए उपलब्ध होगा ("एंकर विनिधानकर्ता हिस्सा")।
- (घ) एंकर विनिधानकर्ता हिस्से का एक तिहाई घरेलू पारस्परिक निधियों के लिए आरक्षित होगा।
- (ङ) एंकर विनिधानकर्ता के लिए बोली निर्गम खुलने की तारीख से एक दिन पहले खुलेगी।
- (च) एंकर विनिधानकर्ता आवेदन पर कम से कम 25% मार्जिन का भुगतान करेगा। शेष का भुगतान निर्गम के बंद होने की तारीख के दो दिनों के भीतर।

- (छ) एंकर विनिधानकर्ताओं को आबंटन एंकर विनिधानकर्ताओं द्वारा बोली की तारीख को पूर्ण किया जायेगा ।
- (ज) यदि बही निर्माण के परिणाम के तौर पर निर्धारित कीमत उस कीमत से उच्चतर है जिस पर एंकर विनिधानकर्ताओं को आबंटन किया जाता है, एंकर विनिधानकर्ता अतिरिक्त राशि प्रस्तुत करेगा, हालाँकि, यदि बही निर्माण के परिणाम के तौर पर निर्धारित कीमत उस कीमत से निम्नतर है जिस पर एंकर विनिधानकर्ताओं को आबंटन किया जाता है, तो एंकर विनिधानकर्ता को अधिक राशि वापस नहीं लौटायी जायेगी और एंकर विनिधानकर्ता उस कीमत पर आबंटन लेगा जिस पर इसे आबंटन किया गया ।
- (झ) एंकर विनिधानकर्ताओं को आबंटित शेयरों की संख्या और कीमत जिस पर आबंटन किया जाता है, को निर्गम खुलने से पहले मर्चेट बैंककार द्वारा सार्वजनिक पहुँच में उपलब्ध कराया जायेगा ।
- (ञ) एंकर विनिधानकर्ता को आबंटित शेयरों पर सार्वजनिक निर्गम के आबंटन की तारीख से 30 दिनों की रुद्धता (लॉक इन) होगी ।
- (ट) संबंधित सार्वजनिक निर्गम में न तो मर्चेट बैंककार और न ही संप्रवर्तक / संप्रवर्तक समूह / मर्चेट बैंककारों से संबंधित कोई व्यक्ति एंकर विनिधानकर्ता प्रवर्ग के अधीन आवेदन कर सकता है । मर्चेट बैंककार द्वारा एंकर विनिधानकर्ता के चयन के लिए मानदंड स्पष्ट रूप से निर्धारित किये जायेंगे और बोर्ड द्वारा निरीक्षण के लिए मर्चेट बैंककार के रिकार्डों के भाग के रूप में उपलब्ध होंगे ।
- (ठ) अर्हित संस्थागत क्रेता द्वारा एंकर विनिधानकर्ता प्रवर्ग के अधीन और गैर एंकर विनिधानकर्ता प्रवर्ग के अधीन किये गये आवेदनों को बहु आवेदन नहीं माना जायेगा ।

11. मार्जिन राशि

- (क) अर्हित संस्थागत क्रेताओं से भिन्न प्रवर्गों से एकत्रित मार्जिन बही संचालक (संचालकों) / सिंडिकेट सदस्यों / स्व प्रमाणित बैंकों प्रत्येक ऐसे विनिधानकर्ता प्रवर्ग के लिए एकसमान होगा ।
- (ख) अर्हित संस्थागत क्रेताओं द्वारा लगायी गयी बोलियों के बारे में आवेदन धन के कम से कम दस प्रतिशत की और एंकर विनिधानकर्ताओं से आवेदन धन के कम से कम पच्चीस प्रतिशत की मार्जिन राशि ली जायेगी ।
- (ग) आवेदकों से उनकी ओर से आदेश देने से पहले मार्जिन राशि के तौर पर संपूर्ण आवेदन धन की सीमा तक की रकम एकत्र की जा सकेगी ।
- (ङ) विनिधानकर्ता से प्रभारित मार्जिन की राशि टीआरएस में प्रविष्ट और मुद्रित की जायेगी ।
- (च) बोली के किसी संशोधन से संलग्न भुगतान, मूल बोली या पिछली संशोधित बोली के समय किये गये भुगतान के प्रति समायोजित की जायेगी ।
- (छ) सुसंगत विधियों के अधीन निर्दिष्ट विनिधान सीमाओं से परे विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की बोलियों को सिंडिकेट सदस्यों / स्टॉक दलालों द्वारा ग्राहकों / विनिधानकर्ताओं के किसी भी प्रवर्ग से स्वीकार नहीं किया जायेगा ।
- (ज) स्टॉक दलाल स्वयं द्वारा किये प्रत्येक आदेश के लिए अपने ग्राहक से धन एकत्रित करेंगे और यदि ग्राहक / किये गये विनिधानकर्ता इन विनियमों के अनुसार आबंटित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो स्टॉक दलाल ऐसी राशि अदा करेगा:

परंतु यह कि निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों के मामले में, स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंक इस संबंध में बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण करेंगे।

12. बोली प्रक्रिया

- (क) बोली प्रक्रिया केवल मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा उपलब्ध कराये गये इलेक्ट्रॉनिक रूप से संबद्ध पारदर्शी बोली सुविधा के माध्यम से ही होगी।
- (ख) अग्रणी बही संचालक समयनिष्ठ रीति में बोलियों के ऑकड़ों की प्रविष्टि के लिए सिंडिकेट सदस्यों के पास पर्याप्त अवसंरचना की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।
- (ग) सिंडिकेट सदस्य बोली केंद्रों पर उपस्थित रहेंगे ताकि सभी बोली केंद्रों पर कम से कम एक इलेक्ट्रॉनिक रूप से संबद्ध कंप्यूटर टर्मिनल बोली के प्रयोजन के लिए उपलब्ध हो सके।
- (घ) बोली के लिए जनता हेतु निर्गम के खुले रहने की अवधि के दौरान, आवेदक विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए बोली के आदेश देने के लिए स्टॉक एक्सचेंज / एक्सचेंजों के स्टॉक दलालों से संपर्क कर सकेंगे जिनके माध्यम से प्रतिभूतियों का प्रस्ताव यथास्थिति ऑनलाइन प्रणाली द्वारा या स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों के अधीन किया जाता है।
- (ङ) प्रत्येक स्टॉक दलाल सभी ग्राहकों / विनिधानकर्ताओं से आदेश स्वीकार करेगा जो उसके माध्यम से आदेश देते हैं और प्रत्येक स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंक निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों के विनिधानकर्ताओं से निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों को स्वीकार करेगा।
- (च) आवेदक जो अर्हित संस्थागत क्रेता हैं अपनी बोलियाँ केवल उन स्टॉक दलालों के माध्यम से रखेंगे जिनके पास बोलियों के पुनरीक्षण करने का अधिकार होगा;
- (छ) बोली टर्मिनलों में माँग और बोली कीमतों का ऑनलाइन ग्राफ रूप में प्रदर्शन अंतर्विष्ट होगा जो आवधिक अंतरालों पर, अधिक से अधिक तीस मिनटों में, अद्यतन किया जायेगा।
- (ज) बोली अवधि के प्रत्येक दिवस की समाप्ति पर, माँग को, जिसमें एंकर विनिधानकर्ता को किये गये आबंटन सम्मिलित हैं, इलेक्ट्रॉनिक रूप से संबद्ध पारदर्शी बोली सुविधा प्रदान करनेवाले सिंडिकेट सदस्यों के बोली टर्मिनलों पर और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइटों पर, जनता की जानकारी के लिए ग्राफ रूप में दर्शाया जायेगा।
- (झ) विनिधानकर्ता (निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदनों के विनिधानकर्ताओं को छोड़कर) अपनी बोलियों में संशोधन कर सकेंगे;
- (ञ) अर्हित संस्थागत क्रेता बोली बंद होने के बाद अपनी बोलियों को वापस नहीं लेंगे।
- (ट) बोली लगानेवाले अर्हित संस्थागत क्रेताओं की पहचान को सार्वजनिक नहीं किया जायेगा।
- (ज) स्टॉक एक्सचेंज बोलियों के बंद होने के बाद कम से कम तीन दिनों के लिए अपनी वेबसाइट पर, बही निर्मित निर्गमों से संबंधित ऑकड़ों को एकसमान फॉर्मेट में प्रदर्शित करना जारी रखेंगे, अन्य बातों के साथ प्राप्त बोलियों का प्रवर्ग के अनुसार ब्यौरा देते हुए। ऐसा प्रदर्शन अनुसूची XI के भाग ख में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट के अनुसार होगा।

13. कीमत अवधारण

- (क) निर्गमकर्ता अग्रणी बही संचालक के परामर्श से, निर्गम कीमत का अवधारण संशोधित बोलियों के आधार पर करेंगे।

- (ख) कीमत के अवधारण पर, प्रस्तावित की जानेवाली विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की संख्या का अवधारण किया जायेगा (अर्थात् अवधारित किये जानेवाले कीमत से विभाजित निर्गम आकार) ।
- (ग) एक बार अंतिम कीमत [निर्धारित(कट-ऑफ) कीमत] का अवधारण होने के बाद वे सभी बोलीदाता जिनकी बोलियाँ सफल हुई हैं (अर्थात् अंतिम कीमत या निर्धारित (कट-ऑफ) कीमत पर और अधिक) विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आबंटन के लिए पात्र होंगे ।
- (घ) छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ता बोली प्रपत्रों में विनिर्दिष्ट बोली कीमत लिखने के बजाय “ निर्धारित (कट-ऑफ) ” कीमत पर बोली लगा सकते हैं ।
- (ङ) अग्रणी बही संचालक अर्हित संस्थागत विनिधानकर्ताओं द्वारा लगायी गयी बोली को लिखित में कारण दर्ज करते हुए नामंजूर कर सकते हैं परंतु यह कि ऐसी नामंजूरी बोली की स्वीकृति के समय की जायेगी और उसके कारण बोली लगानेवालों को प्रकट किये जायेंगे । इस संबंध में आवश्यक प्रकटीकरण रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस में किये जायेंगे ।

14. कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस का रजिस्ट्रीकरण

इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार सभी प्रकटीकरण अंतर्विष्ट करनेवाले अंतिम प्रॉस्पेक्टस जिसमें विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कीमत और संख्या सम्मिलित है को कंपनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रीकृत किया जायेगा ।

15. आबंटन / विनियोजन की रीति

- (क) छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं, गैर संस्थागत विनिधानकर्ताओं और अर्हित संस्थागत क्रेताओं, एंकर विनिधानकर्ताओं से भिन्न, को इस अनुसूची में दिये गये दृष्टांत के अनुसार आनुपातिक रूप में आबंटन किया जायेगा ।
- (ख) किसी प्रवर्ग में अल्प अभिदान के मामले में, उस प्रवर्ग के अनभिदत्त हिस्से को रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस में किये गये प्रकटीकरण के अनुसार बोलीदाताओं को आबंटित किया जायेगा; परंतु यह कि अर्हताप्राप्त संस्थागत क्रेता प्रवर्ग में अनभिदत्त हिस्सा अन्य प्रवर्गों के लिए उपलब्ध नहीं होगा, यदि सार्वजनिक निर्गम के लिए पात्रता शर्तों के अनुपालन के प्रयोजन के लिए वहीं निर्माण प्रक्रिया की जाती है ।
- (ग) न्यूनतम अभिदान के प्रति राशि के लिए आवेदन पर संदेय राशि की प्राप्ति पर, निर्गमकर्ता इन विनियमों के अनुसार आवेदकों को विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ आबंटित करेगा ।
- (घ) आवेदन नोट की पुष्टि (सीएन) की परिभाषा को इस कथन के प्रति संशोधित किया जाना है कि यह “शेयरों के आबंटन” के लिए है और “शेयरों की पुष्टि” नहीं है ।

सूचीबद्धता के लिए आवेदन

इन विनियमों के उपबंधों के अध्यक्षीन, निर्गमकर्ता स्टॉक एक्सचेंज, जिसके माध्यम से यह ऑनलाइन प्रणाली के जरिये जनता को इसकी प्रतिभूतियों का प्रस्ताव करता है, से भिन्न स्टॉक एक्सचेंज में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए आवेदन करेगा ।

16. बहियों और रिकार्डों को बनाये रखना

- (क) आबंटन प्रक्रिया के परिणाम को दर्शानेवाली माँग की अंतिम बही को अग्रणी बही संचालक द्वारा बनाये रखा जायेगा।
- (ख) बही निर्माण प्रक्रिया में सहयुक्त बही संचालक और अन्य मध्यवर्ती बही निर्माण कीमतों के रिकार्ड बनाये रखेगा / रखेंगे।
- (ग) बोर्ड को बही निर्माण प्रक्रिया से संबंधित रिकार्डों, बहियों और दस्तावेजों के निरीक्षण का अधिकार होगा और ऐसा व्यक्ति पूरा सहयोग देगा।

17. तीव्र (फास्ट ट्रैक) निर्गमों की प्रयोज्यता

जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, फास्ट ट्रैक निर्गमों के संबंध में इस अनुसूची में "प्रारूप प्रॉस्पेक्टस" में सभी संदर्भों को "रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस" में किया गया समझा जायेगा।

भाग ख**स्टॉक एक्सचेंज पर प्रदर्शित बोली आँकड़ों का फार्मेट**

<निर्गम का नाम> - बोली संबंधी ब्यौरे

(1) एंकर विनिधानकर्ताओं को आबंटन के ब्यौरे

क्र.सं.	एंकर विनिधानकर्ता का नाम	एंकर विनिधाकर्ता हिस्से के अधीन उपलब्ध इक्विटी शेयरों की संख्या	आबंटन के ब्यौरे	
			इक्विटी शेयरों की संख्या	एंकर विनिधानकर्ता हिस्से के अधीन इक्विटी शेयरों के संख्या के प्रतिशत के तौर पर आबंटित इक्विटी शेयरों की संख्या
(क)	एआइ 1			
(ख)	एआइ 2			
	कुल (क) + (ख)			

(2) एंकर विनिधानकर्ताओं से भिन्न विनिधानकर्ताओं को विनियोजन के ब्यौरे

क्र. सं.	विनिधानकर्ताओं का प्रवर्ग	प्रस्तावित / आरक्षित शेयरों की सं.	बोली लगाये गये इक्विटी शेयरों की सं.	प्रवर्ग के लिए अभिप्रेत कुल का कितना गुना No of times of the total meant for the category
1.	अर्हित संस्थागत क्रेता			
(क)	विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता			
	देशी वित्तीय संस्थाएँ (बैंक / वित्त संस्थान / बीमा कंपनियाँ इत्यादि)			
(ख)	पारस्परिक निधियाँ			
(ग)	अन्य			
2.	गैर संस्थागत विनिधानकर्ता			
(क)	कंपनियाँ			
(ख)	व्यक्ति (छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं से भिन्न)			
(ग)	अन्य			
3.	छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ता			
(क)	निर्धारित (कट ऑफ)			
ख)	कीमत बोलियाँ			
4.	आरक्षण प्रवर्ग, यदि कोई हो			
(क)	निर्धारित (कट ऑफ)			
ख)	कीमत बोलियाँ			

टिप्पणियाँ:

1. ग्राफ का शीर्षक "प्राप्त बोलियों का ग्राफ रूप में प्रदर्शन" होना चाहिए ।
2. इस आशय का विवरण कि ऊपर सूचित स्थिति केवल बोलियों की स्थिति है और यह आवश्यक नहीं कि वे निर्गम के अभिदान की सूचना देती हों ।
3. कथन कि आँकड़े और ग्राफ में बहु बोलियों की गणना कैसे की गयी है ।
4. अद्यतनीकरण का समय
5. अतिरिक्त टिप्पणियाँ, यदि कोई हो

भाग ग

एंकर विनिधानकर्ताओं से भिन्न अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटन के संबंध में उदाहरण

1. निर्गम ब्यौरे

	ब्यौरे	निर्गम संबंधी ब्यौरे
1	निर्गम आकार	200 करोड़ इक्विटी शेयर
2	अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए उपलब्ध हिस्सा	100 करोड़ इक्विटी शेयर
3	एंकर विनिधानकर्ता का हिस्सा*	30 करोड़
4	एंकर विनिधानकर्ताओं से भिन्न अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए उपलब्ध हिस्सा* [(2)-(3)]	70 करोड़ इक्विटी शेयर
	जिनमें से	
क.	पारस्परिक निधि को आरक्षण (5%)	3.5 करोड़ इक्विटी शेयर
ख	सभी अर्हित संस्थागत क्रेताओं जिनमें पारस्परिक निधियाँ सम्मिलित हैं के लिए शेष	66.5 करोड़ इक्विटी शेयर
5	अर्हित संस्थागत क्रेताओं के आवेदनों की संख्या	10
6	आवेदित शेयरों की संख्या	500 करोड़ इक्विटी शेयर

* जब निर्गम आकार के 50% का आबंटन अर्हित संस्थागत क्रेताओं को किया जाना अपेक्षित हो।

2. अर्हित संस्थागत क्रेता बोलियों के ब्यौरे

क्र. सं.	अर्हित संस्थागत क्रेता बोलीदाताओं के प्रकार	शेयरों की संख्या जिनके लिए बोलियाँ लगायी गयी (करोड़ में)
1.	ए1	50
2.	ए2	20
3.	ए3	130
4.	ए4	50
5.	ए5	50
6.	एमएफ1	40
7.	एमएफ2	40

8.	एमएफ3	80
9.	एमएफ4	20
10.	एमएफ5	20
	कुल	500

ए1-ए5 (पारस्परिक निधियों से इतर अर्हित संस्थागत क्रेता बोलीदाता)
 एमएफ1-एमएफ5 (अर्हित संस्थागत क्रेता बोलीदाता जो पारस्परिक निधियाँ हैं)

3. अर्हित संस्थागत क्रेता बोलीदाताओं / आवेदकों को आबंटन के ब्यौरे

(इक्विटी शेयरों की संख्या करोड़ में)

अर्हित संस्थागत क्रेता बोलीदाताओं के प्रकार	इक्विटी शेयर जिनमें 5 लिए बोली लगाया गया	पारस्परिक निधियों को आनुपातिक रूप में 3.5 करोड़ शेयरों का आबंटन (टिप्पणी 2 देखें)	अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आनुपातिक रूप में 66.5 शेयरों का आबंटन (टिप्पणी 4 देखें)	पारस्परिक निधियों को सकल आबंटन
ए1	50	0	6.65	0
ए2	20	0	2.66	0
ए3	130	0	17.29	0
ए4	50	0	6.65	0
ए5	50	0	6.65	0
एमएफ1	40	0.7	5.32	6.02
एमएफ2	40	0.7	5.32	6.02
एमएफ3	80	1.4	10.64	12.04
एमएफ4	20	0.35	2.66	3.01
एमएफ5	20	0.35	2.66	3.01
	500	35	66.5	30.1

टिप्पणियाँ:

- उदाहरण में न्यूनतम आबंटन से संबंधित विनियम 53(1) के उपबंधों की अनुपालना की उपधारणा की गयी है।

2. अर्हित संस्थागत क्रेताओं को आबंटित 70 करोड़ इक्विटी शेयरों में से, 3.5 करोड़ (अर्थात् 5%) का आबंटन आनुपातिक आधार पर उन 5 पारस्परिक निधि आवेदकों के बीच किया जायेगा जिन्होंने अर्हित संस्थागत क्रेता प्रवर्ग में 200 शेयरों के लिए आवेदन किया था।
3. शेष 66.5 करोड़ इक्विटी शेयरों [अर्थात् 70-3.5 (पारस्परिक निधियों के लिए उपलब्ध)] का आबंटन आनुपातिक आधार पर उन 10 अर्हित संस्थागत क्रेता आवेदकों के बीच किया जायेगा जिन्होंने 500 शेयरों के लिए आवेदन किया। (उन 5 पारस्परिक निधि आवेदकों को सम्मिलित करते हुए जिन्होंने 200 शेयरों के लिए आवेदन किया।)
4. स्तंभ सं. IV के आँकड़े निम्नानुसार प्राप्त किये हैं :
 - क. पारस्परिक निधियों से इतर अर्हित संस्थागत क्रेताओं के लिए (ए1 से ए5)=बोली लगायी गयी शेयरों की सं.(अर्थात् स्तंभ II) X 66.5 / 496.5
 - ख. पारस्परिक निधियों के लिए (एमएफ1 से एमएफ5) = {(बोली लगायी गयी शेयरों की सं. (अर्थात् स्तंभ II) से आबंटित शेयरों की संख्या (अर्थात् स्तंभ III) घटायें} X 66.5 / 496.5
 - ग. 10 अर्हित संस्थागत क्रेताओं को 66.5 करोड़ शेयरों के आबंटन का निर्धारण करने के लिए अंश (न्यूमरेटर) और हर (डिनॉमिनेटर) को 3.5 करोड़ शेयरों तक घटा दिया है, जिन्हें स्तंभ सं. (III) में पारस्परिक निधियों को पहले से ही आबंटित किया गया है।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी निर्गम और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची XII

[विनियम 45(10) देखें]

ग्रीन शू विकल्प के लिए रिपोर्ट का फार्मेट

ग्रीन शू ऑप्शन के लिए रिपोर्ट निम्नलिखित फार्मेट में दाखिल किया जायेगा:-

1. निर्गमकर्ता का नाम:
2. स्थरीकरण एजेंट का नाम (भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के पास मर्चेन्ट बैंककार के रूप में रजिस्ट्रीकरण सं.):
3. निर्गम आकार (इक्विटी शेयरों की संख्या) :
4. निर्गम खुलने की तारीख :
5. निर्गम बंद होने की तारीख :
6. निर्गम में अति-आबंटन (%):
7. व्यापार आरंभ करने की तारीख :
8. "ग्रीन शू विकल्प बैंक खाते" में राशि (रुपये में) :
9. उन संप्रवर्तकों के ब्यौरे जिनसे शेयर उधार लिये गये (नाम और उधार लिये गये शेयरों की संख्या):
10. वह तारीख जब स्थरीकरण अवधि समाप्त होती है :
11. स्थरीकरण अवधि के दौरान लाये गये शेयरों की संख्या :
12. तारीख जब निर्गमकर्ता ने कमी की सीमा तक अतिरिक्त शेयर आबंटित किये:
13. तारीख जब ग्रीन शू विकल्प गैरकागजी खाते में रखे शेयर संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) को लौटा दिये गये:
14. तारीख जब ग्रीन शू विकल्प बैंक खाते में रखी गयी धनराशि निर्गमकर्ता को विप्रेषित की गयी:

15. निक्षेपागार खाते (ग्रीन शू विकल्प के लिए विशेष खाता) जहाँ बाजार से खरीदे गये शेयर रखे गये हैं, के साथ निम्नलिखित ब्यौरे:

- (i) निक्षेपागार सहभागी
- (ii) खाता सं.
- (iii) खरीदे गये शेयरों की संख्या, तारीख के अनुसार
- (iv) बाहर लिये गये शेयरों की संख्या, तारीख के अनुसार

16. बोर्ड द्वारा स्थापित विनिधानकर्ता संरक्षण एवं शिक्षण निधि में अंतरित रकम के ब्यौरे

राशि (रुपये में)	चेक/ भुगतान आदेश संबंधी ब्यौरे

स्थान:
तारीख

स्थिरीकरण एजेंट प्राधिकारिक मुद्रा सहित

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी निर्गम और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009
अनुसूची XIII
सार्वजनिक निर्गम के लिए विज्ञापनों का फार्मेट

भाग क

[विनियम 47 (2), 60(7)(ड) और 60(7)(ढ) देखें]

सार्वजनिक निर्गम के लिए निर्गम पूर्व विज्ञापन का फार्मेट
(निर्धारित कीमत / बही निर्मित)

यह विज्ञापन केवल जानकारी के लिए है और प्रॉस्पेक्टस की घोषणा नहीं है।

एबीसी लि. (निर्गमकर्ता का नाम)

(_____ अधिनियम के अधीन _____ को _____ के रूप में निगमित और तदनंतर _____ को _____ के रूप में पुनःनामित (यदि लागू हो)

रजिस्ट्रीकृत कार्यालय: _____ दूरभाष: _____

_____ फैक्स _____

निगम कार्यालय:

दूरभाष: _____ फैक्स: _____ ई-मेल: _____ वेबसाइट: _____

निर्गम

_____ रु. (बही निर्मित निर्गम के लिए उपयुक्त प्रकटीकरण) की सकल नकदी के लिए
_____ रु. (न्यूनतम कीमत या कीमत दायरा या बही निर्मित निर्गम के मामले में यथास्थिति) की कीमत पर _____ रु. प्रत्येक की _____ (विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का स्वरूप बतायें) का सार्वजनिक निर्गम

विनियम 31 के उप-विनियम (2) के अनुसार शेयरों के अंकित मूल्य के बारे में प्रकटीकरण
(बही निर्मित निर्गमों के मामले में आबंटन के व्यौरों के संबंध में प्रकटीकरण इसी प्रकार किया जायेगा)

यह निर्गम बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है जिसमें निर्गम के कम से कम _____ % का आबंटन अर्हित संस्थागत क्रेताओं को किया जायेगा जिसमें एंकर विनिधानकर्ताओं को निर्गम के _____ % तक का आबंटन सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त, निर्गम के कम से कम _____ % का आबंटन असमानुपातिक आधार पर गैर संस्थागत विनिधानकर्ताओं को किया जायेगा और निर्गम का शेष _____ % छोटे वैयक्तिक विनिधानकर्ताओं को विनियम में विनिर्दिष्ट आबंटन प्रक्रिया के अनुसार आबंटन के लिए उपलब्ध कराया जायेगा, निर्गम कीमत पर या से अधिक पर प्राप्त होनेवाली वैध बोलियों के अध्यधीन।

सप्रवर्तक

[_कखग_]

प्रस्तावित सूचीबद्धता

स्टॉक एक्सचेंजों के नाम

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड का दावात्याग खंड:

“भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड प्रस्ताव दस्तावेजों पर केवल अपने अभिमत देता है और यह न तो निर्गम के लिए और न ही प्रस्ताव दस्तावेज में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए अनुमोदन होता है।”

अग्रणी मर्चेट बैंककार/ बही संचालक अग्रणी मर्चेट बैंककार / सह-बही संचालक अग्रणी मर्चेट बैंककार
(यथास्थिति)

नाम, पता, दूरभाष और फैक्स संख्याएँ, ईमेल आइडी, वेबसाइट पता और संपर्क व्यक्ति

निर्गमकर्ता का अनुपालना अधिकारी

नाम, पता, दूरभाष और फैक्स संख्याएँ, ईमेल आइडी,

वेबसाइट पता

साख निर्धारण (यदि लागू हो तो ही) डिबेंचर न्यासी (यदि लागू हो) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव ग्रेडिंग

आवेदन प्रपत्रों की उपलब्धता

निर्गमकर्ता, अग्रणी मर्चेट बैंककारों, बही संचालकों, सिंडिकेट सदस्यों, स्टॉक दलालों और निर्गम बैंककारों, स्वप्रमाणित सिंडिकेट बैंकों (यथास्थिति) के नाम (पता वैकल्पिक)

निरुद्ध रकम से समर्थित आवेदन का प्ररूप स्व प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों की नामनिर्दिष्ट शाखाओं में उपलब्ध होंगे, जिनकी सूची स्टॉक एक्सचेंजों और बोर्ड की वेबसाइटों पर उपलब्ध होंगी।

प्रॉस्पेक्टस की उपलब्धता

विनिधानकर्ताओं को निर्गम में आवेदन करने से पहले प्रॉस्पेक्टस, और उसमें अंतर्विष्ट जोखिम कारको पर विचार करने की सलाह दी जाती है। प्रॉस्पेक्टस की पूर्ण प्रति www.sebi.gov.in पर और

निर्गमकर्ता / अग्रणी मर्चेट बैंककारों / स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइट WWW. _____ पर उपलब्ध है।

निर्गम / बोली खुलने की तारीख :
निर्गम / बोली बंद होने की तारीख:

निर्गमकर्ता के निदेशक
द्वारा जारी
भाग ख
[विनियम 48, 60(7)(ड) और 60(7)(ढ) देखें]

सार्वजनिक निर्गम के लिए निर्गम खुलने संबंधी विज्ञापन का फार्मेट
(निर्धारित कीमत / बही निर्मित)

यह विज्ञापन केवल जानकारी के लिए और प्रॉस्पेक्टस की घोषणा नहीं है।

एबीसी लि. (निर्गमकर्ता का नाम)
(कंपनी अधिनियम के अधीन _____ को _____ के रूप में निर्गमित
और तदनंतर _____ को _____ के रूप में पुनःनामित)
रजिस्ट्रीकृत कार्यालय: _____ दूरभाष: _____ फैक्स
_____ निगम
कार्यालय: _____
दूरभाष: _____ फैक्स: _____ ई-मेल: _____ वेबसाइट:

निर्गम
_____ रु. (बही निर्मित निर्गम के लिए उपयुक्त प्रकटीकरण) की सकल नकदी के लिए
_____ रु. (न्यूनतम कीमत या कीमत दायरा या बही निर्मित निर्गम के लिए यथास्थिति) की
कीमत पर _____ रु. प्रत्येक के _____ इक्विटी शेयरों/ डिबेंचरों (यदि लागू हो) का
सार्वजनिक निर्गम

विनियम 31 के उप-विनियम (2) के अनुसार शेयरों के अंकित मूल्य के बारे में प्रकटीकरण
(बही निर्मित निर्गमों के मामले में आबंटन के ब्याँरों के संबंध में प्रकटीकरण इसी प्रकार किया जायेगा)

यह निर्गम बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है जिसमें निर्गम के कम से कम _____
% का आबंटन अर्हित संस्थागत क्रेताओं को किया जायेगा जिसमें एंकर विनिधानकर्ताओं को निर्गम के
_____ % तक का आबंटन सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त, निर्गम के कम से कम _____ % का
आबंटन असमानुपातिक आधार पर गैर संस्थागत विनिधानकर्ताओं को किया जायेगा और निर्गम का

शेष _____ % छोटे वैयक्तिक विनिधानकर्ताओं को विनियम में विनिर्दिष्ट आबंटन प्रक्रिया के अनुसार आबंटन के लिए उपलब्ध कराया जायेगा, निर्गम कीमत पर या से अधिक पर प्राप्त होनेवाली वैध बोलियों के अध्यधीन ।

संप्रवर्तक

[_____ कखग _____]

प्रस्तावित सूचीबद्धता

स्टॉक एक्सचेंजों के नाम

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड का दावात्याग खंडः

“भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड प्रस्ताव दस्तावेजों पर केवल अपने अभिमत देता है और यह न तो निर्गम के लिए और न ही प्रस्ताव दस्तावेज के लिए अनुमोदन होता है ।”

अग्रणी मर्चेट बैंककार/ बही संचालन अग्रणी मर्चेट बैंककार / सह-बही संचालन अग्रणी मर्चेट बैंककार
(यथास्थिति)

नाम, पता, दूरभाष और फैक्स संख्याएँ, ईमेल आइडी, वेबसाइट पता और संपर्क व्यक्ति

निर्गमकर्ता का अनुपालना अधिकारी

नाम, पता, दूरभाष और फैक्स संख्याएँ, ईमेल आइडी,
वेबसाइट पता

साख निर्धारण (यदि लागू हो तो ही)

डिबेंचर न्यासी (यदि लागू होतो ही)

आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव ग्रेडिंग

आवेदन प्रपत्रों की उपलब्धता

निर्गमकर्ता, अग्रणी मर्चेट बैंककारों, बही संचालकों और निर्गम बैंककारों, स्वप्रमाणित सिंडिकेट सदस्यों (यथास्थिति) के नाम (पता वैकल्पिक)

प्रॉस्पेक्टस की उपलब्धता

विनिधानकर्ताओं को निर्गम में आवेदन करने से पहले प्रॉस्पेक्टस, और उसमें अंतर्विष्ट जोखिम कारको पर विचार करने की सलाह दी जाती है । प्रॉस्पेक्टस की पूर्ण प्रति www.sebi.gov.in पर और निर्गमकर्ता / अग्रणी मर्चेट बैंककारों / स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइट www._____ पर उपलब्ध है ।

निर्गम / बोली आज खुलती हैं

निर्गमकर्ता के निदेशक

द्वारा जारी

भाग ग
[विनियम 48, 60(7)(ड) और 60(7)(ढ)]

सार्वजनिक निर्गम के लिए निर्गम बंद होने संबंधी विज्ञापन के लिए फार्मेट
(निर्धारित कीमत / बही निर्मित)

यह विज्ञापन केवल जानकारी के लिए और प्रॉस्पेक्टस की घोषणा नहीं है।

एबीसी लि. (निर्गमकर्ता का नाम)
 (कंपनी अधिनियम के अधीन _____ को _____ के रूप में निगमित
 और तदनंतर _____ को _____ के रूप में पुनःनामित)
 रजिस्ट्रीकृत कार्यालय: _____ दूरभाष: _____ फैक्स

निगम

कार्यालय: _____

दूरभाष: _____ फैक्स: _____ ई-मेल: _____ वेबसाइट: _____

निर्गम

_____ रु. (बही निर्मित निर्गम के लिए उपयुक्त प्रकटीकरण) की सकल नकदी के लिए
 _____ रु. (न्यूनतम कीमत या कीमत दायरा या बही निर्मित निर्गम के लिए यथास्थिति) की
 कीमत पर _____ रु. प्रत्येक के _____ इक्विटी शेयरों (यदि लागू हो) का सार्वजनिक
 निर्गम

विनियम 31 के उप-विनियम (2) के अनुसार शेयरों के अंकित मूल्य के बारे में प्रकटीकरण
(बही निर्मित निर्गमों के मामले में आबंटन के ब्याजों के संबंध में प्रकटीकरण इसी प्रकार किया जायेगा)

यह निर्गम बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है जिसमें निर्गम के कम से कम _____
 % का आबंटन अर्हित संस्थागत क्रेताओं को किया जायेगा जिसमें एंकर विनिधानकर्ताओं को निर्गम के
 _____ % तक का आबंटन सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त, निर्गम के कम से कम _____ % का
 आबंटन असमानुपातिक आधार पर गैर संस्थागत विनिधानकर्ताओं को किया जायेगा और निर्गम का
 शेष _____ % छोटे वैयक्तिक विनिधानकर्ताओं को विनियम में विनिर्दिष्ट आबंटन प्रक्रिया के अनुसार
 आबंटन के लिए उपलब्ध कराया जायेगा, निर्गम कीमत पर या से अधिक पर प्राप्त होनेवाली वैध
 बोलियों के अधधीन।

संप्रवर्तक

[कखग]

प्रस्तावित सूचीबद्धता

स्टॉक एक्सचेंजों के नाम

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड का दावात्याग खंड:

“भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड प्रस्ताव दस्तावेजों पर केवल अपने अभिमत देता है और यह न तो निर्गम के लिए और न ही प्रस्ताव दस्तावेज के लिए अनुमोदन होता है।”

अग्रणी मर्चेट बैंककार/ अग्रणी बही संचालक / सह-बही संचालक (यथास्थिति)
नाम, पता, दूरभाष और फैक्स संख्याएँ, ईमेल आइडी, वेबसाइट पता और संपर्क व्यक्ति

निर्गमकर्ता का अनुपालना अधिकारी
नाम, पता, दूरभाष और फैक्स संख्याएँ, ईमेल आइडी,
वेबसाइट पता

साख निर्धारण (यदि लागू हो तो ही)
डिबेंचर न्यासी (यदि लागू होतो ही)
आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव प्रेडिंग

आवेदन प्रपत्रों की उपलब्धता
निर्गमकर्ता, अग्रणी मर्चेट बैंककारों, बही संचालकों और निर्गम बैंककारों, स्वप्रमाणित सिंडिकेट सदस्यों
(यथास्थिति) के नाम (पता वैकल्पिक)

प्रॉस्पेक्टस की उपलब्धता
विनिधानकर्ताओं को निर्गम में आवेदन करने से पहले प्रॉस्पेक्टस, और उसमें अंतर्विष्ट जोखिम कारकों
पर विचार करने की सलाह दी जाती है। प्रॉस्पेक्टस की पूर्ण प्रति www.sebi.gov.in पर और
निर्गमकर्ता / अग्रणी मर्चेट बैंककारों / स्टॉक एक्सचेंजों के वेबसाइट www. पर
उपलब्ध है।

निर्गम / बोली आज खुलती हैं

निर्गमकर्ता के निदेशक
द्वारा जारी

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची XIV

[विनियम 49(2)देखें]

न्यूनतम आवेदन आकार की व्याख्या करनेवाला उदाहरण

विनियम 49 के उप-विनियम में यथा विनिर्दिष्ट न्यूनतम कीमत के गुणकों में आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया को निम्नलिखित उदाहरण से स्पष्ट किया जाता है:

यह कल्पना करते हुए कि 390 रु. प्रति शेयर की कीमत पर निर्गम किया जा रहा है। इस मामले में, निर्गमकर्ता अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से 13-17 इक्विटी शेयरों की सीमा के भीतर न्यूनतम आवेदन लॉट का अवधारण कर सकता है (5000 रु. -7000 रु. के बीच के मूल्य के संदर्भ में), जैसा इसके नीचे स्पष्ट किया गया है:

विकल्प	I	II	III	IV	V
लॉट का आकार - रु.390/- प्रति शेयर की दर पर	13 शेयर	14 शेयर	15 शेयर	16 शेयर	17 शेयर
1 लॉट के लिए आवेदन / बोली राशि	5070	5469	5850	6240	6630
2 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	10140	10920	11700	12480	13260
4 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	20280	21840	23400	24960	26520
8 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	40560	43680	46800	49920	---
9 लॉटों के लिए आवेदन / बोली राशि	45630	49140	---	---	--

ऊपर दिये गये विकल्प केवल दृष्टांत के लिए हैं और सर्वांगपूर्ण नहीं हैं।

जहाँ निर्गमकर्ता अग्रणी मर्चेट बैंककार के परामर्श से न्यूनतम आवेदन / बोली आकार को 14 पर निर्धारित करने का निर्णय लेता है (विकल्प II), प्रस्ताव दस्तावेज में इस आशय का आवश्यक प्रकटीकरण किया जायेगा कि आवेदक 14 शेयरों तथा उनके गुणकों के लिए आवेदन कर सकता है।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009
अनुसूची XV

[विनियम 50(2), 107 और अनुसूची XI देखें]

आबंटन की प्रक्रिया की व्याख्या करनेवाला उदाहरण

1. 600 रु. प्रति शेयर की दर पर प्रस्ताव पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कुल संख्या: 10 करोड़ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ
2. छोटे वैयक्तिक विनिधानकर्ताओं के प्रवर्ग के लिए प्रस्ताव पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ : 2.5 करोड़ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ
3. निर्गम 4 गुना अति अभिदत्त है जबकि छोटे विनिधानकर्ताओं का प्रवर्ग 8.25 गुना अति अभिदत्त है।
4. निर्गमकर्ता न्यूनतम आवेदन / बोली आकार 9 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों (5000-7000 की सीमा के भीतर आनेवाली) के तौर पर निर्धारित करने का निश्चय करता है। कम से कम 9 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों और उनके गुणकों में आवेदन किया जा सकता है।
5. कल्पना करें कि तीन छोटे वैयक्तिक विनिधानकर्ता हैं क, ख और ग। क ने 81 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है। ख ने 72 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है और ग ने 45 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन किया है। आबंटन प्रक्रिया के अनुसार, छोटे वैयक्तिक विनिधानकर्ताओं को आबंटन आनुपातिक आधार पर किया जायेगा अर्थात् आवेदित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कुल संख्या का $1/8.25$ वाँ। वास्तविक पात्रता निम्नानुसार होगी:

क्र. सं.	विनिधानकर्ता का नाम	आवेदित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कुल संख्या	आबंटित की जानेवाली पात्र विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कुल संख्या (आवेदित प्रतिभूतियों की कुल संख्या / 8.25)
1	क	81	$81/8.25 = 9.82$ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ 10 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों में पूर्णांकित
2	ख	72	$72/8.25 = 8.73$ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ 9 विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों में पूर्णांकित (अर्थात् न्यूनतम आवेदन आकार)
3	ग	45	$45/8.25=5.45$ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ आवेदन नामंजूर किये जाने योग्य है (क्योंकि पात्रता न्यूनतम आवेदन आकार से कम है)। तथापि, कुल आवेदकों में सफल आवेदकों का अवधारण लॉटों के आहरण द्वारा किया जायेगा।

टिप्पणी : भारतीय निक्षेपागार रसीदों के प्रयोजनों के लिए, न्यूनतम आवेदन आकार बीस हजार रुपये होगा।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची XVI

निर्गम-पश्चात् रिपोर्टों का फार्मेट

भाग क

[विनियम 65(2)(क) और 104(2)क देखें]

सार्वजनिक निर्गम के लिए आरंभिक निर्गम-पश्चात् रिपोर्ट का फार्मेट

अभिदान की स्थिति: (अभिदत्त/ अनभिदत्त)

टिप्पणी: यह अग्रणी मर्चेट बैंककार का दायित्व होगा कि निर्गमकर्ता और निर्गम रजिस्ट्रार से सत्यापन करने के पश्चात् सही जानकारी दे।

1. निर्गमकर्ता का नाम :
2. निर्गम खुलने की तारीख :
3. बंद होने की सबसे पहली तारीख :
4. बंद होने की वास्तविक तारीख :
5. कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रास्पेक्टस दाखिल करने की तारीख :
6. निर्गम संबंधी ब्यौरे (प्रॉस्पेक्टस के अनुसार)

क. विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का स्वरूप : (इक्विटी

शेयर/पूर्णतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर/अंशतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर, इत्यादि)

ख. विभिन्न प्रवर्गों के लिए प्रति प्रतिभूति प्रस्ताव कीमत :

ग. विभिन्न प्रवर्गों के लिए आवेदन पर प्रति प्रतिभूति राशि :

घ. निर्गम आकार : (लाख

रु.)

(i) संप्रवर्तक का अंशदान

(ii) संप्रवर्तकों के अंशदान की प्राप्ति के लिए लेखपरीक्षकों का प्रमाणपत्र बोर्ड प्रस्तुत करने की तारीख :

(iii) प्रस्ताव दस्तावेज (जिसमें आरक्षित प्रवर्ग और शुद्ध सार्वजनिक प्रस्ताव सम्मिलित हैं) के माध्यम से राशि) :

(iv) आरक्षित प्रवर्ग प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर आरक्षित राशि (लाख रु.)

कर्मचारी

अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)

(v) शुद्ध सार्वजनिक प्रस्ताव :

7 क. शुद्ध सार्वजनिक प्रस्ताव (जिसमें आरक्षित प्रवर्गों का अनभिदत्त हिस्सा शामिल है) के अनंतिम अभिदान के ब्यौरे

i) आवेदन पर संग्रहित की जानेवाली कुल राशि : लाख रु.

ii) आवेदन पर संग्रहित राशि

- iii) % अभिदत्त अर्थात् (ii) का (i) से %
- ख. आरक्षित प्रवर्गों द्वारा अभिदत्त राशि :
लाख रु.
8. कृपया सही का चिह्न लगायें कि क्या प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से राशि का 90% न्यूनतम अभिदान संग्रहित किया गया है
- (i) हाँ (ii) नहीं

निर्गम रजिस्ट्रार
द्वारा हस्ताक्षरित

निर्गमकर्ता
द्वारा हस्ताक्षरित

अग्रणी मर्चेट बैंककार
(बैंककारों)
द्वारा हस्ताक्षरित

स्थान:

तारीख:

भाग ख
[विनियम 65(2)(क) और 104(2)(क) देखें]

साधिकार निर्गम के लिए आरंभिक निर्गम-पश्चात् रिपोर्ट का फार्मेट

अभिदान की स्थिति: (अभिदत्त / अनभिदत्त)

टिप्पणी: यह अग्रणी मर्चेट बैंककार का दायित्व होगा कि निर्गमकर्ता और निर्गम रजिस्ट्रार से सत्यापन करने के पश्चात् सही जानकारी दे।

1. निर्गमकर्ता का नाम :
 2. निर्गम खुलने की तारीख :
 3. बंद होने की वास्तविक तारीख :
 4. स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख :
 5. निर्गम संबंधी ब्यौरे (प्रस्ताव पत्र के अनुसार)
- क. प्रस्ताव का आधार (अनुपात)
- ख. विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का स्वरूप : (इक्विटी)
- शेयर/पूर्णतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर/अंशतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर, इत्यादि
- ग. प्रति लिखत प्रस्ताव कीमत :

घ. आवेदन पर प्रति लिखत राशि :

ङ. निर्गम आकार : (लाख रु.)

 1. रिकार्ड की तारीख :
 2. निर्गम के ब्यौरे का अनंतिम अभिदान :
 - i) आवेदन पर संग्रहित की जानेवाली कुल राशि : लाख रु.
 - ii) आवेदन पर संग्रहित राशि : लाख रुपये

- iii) % अभिदत्त अर्थात् (ii) का (i)से %: (%)
 iv) कृपया सही का चिह्न लगायें कि क्या न्यूनतम 90% का अभिदान संग्रहित किया गया है
 (i) हाँ (ii) नहीं

निर्गम रजिस्ट्रार
द्वारा हस्ताक्षरित

निर्गमकर्ता
द्वारा हस्ताक्षरित

अग्रणी मर्चेट बैंककार
(बैंककारों)
द्वारा हस्ताक्षरित

स्थान:

तारीख:

भाग ग

[विनियम 65(2)(ख) और 104(2)(ख) देखें]

सार्वजनिक निर्गम के लिए निर्गम पश्चात् अंतिम वित्तीय रिपोर्ट का फार्मेट
अभिदान स्थिति: (अभिदत्त / अनभिदत्त)

टिप्पणियाँ:

- (i) यह अग्रणी मर्चेट बैंककार का दायित्व होगा कि निर्गमकर्ता और निर्गम रजिस्ट्रार से सत्यापन करने के पश्चात् सही जानकारी दे।
 (ii) अग्रणी मर्चेट बैंककार निर्गमकर्ता और निर्गम रजिस्ट्रार से प्रमाणपत्र संलग्न करेगा कि विनिधानकर्ताओं को निर्गमकर्ता द्वारा देय प्रतिदाय की राशि को पृथक् खाते में जमा किया गया है, खाते में जमा की गयी कुल राशि और जमा करने की तारीख के ब्यौरे देते हुए।

1. अभिदत्त निर्गम के मामले में:

1. निर्गमकर्ता का नाम:
2. निर्गम खुलने की तारीख:
3. बंद होने की वास्तविक तारीख :
4. निर्गम संबंधी ब्यौरे (प्रस्ताव पत्र के अनुसार):
 (क) लिखत का स्वरूप: (इक्विटी शेयर/पूर्णतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर/अंशतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर, इत्यादि)

(ख)

प्रति

लिखत प्रस्ताव कीमत:

(ग) आवेदन पर प्रति लिखत राशि:

(घ) निर्गम आकार : लाख रुपये में

5. 3-दिवसीय रिपोर्ट

(क) किस तारीख को देय :

(ख)

किस

तारीख को प्रस्तुत :

6. संग्रहकर्ता बैंकों की सं. :

(बैंक शाखाओं की संख्या का भी उल्लेख करें)

7. उन शाखाओं के बैंकवार नाम जिन्होंने निर्गम के बंद होने की तारीख से अंतिम समेकित प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया और उस तारीख का उल्लेख करें जब उन्होंने वास्तव में प्रस्तुत किया

8. अभिदान संबंधी ब्यौरे

क) सार्वजनिक प्रस्ताव (शुद्ध) (जिसमें आरक्षित प्रवर्ग का अनभिदत्त हिस्सा शामिल है जिसे शुद्ध सार्वजनिक प्रस्ताव में वापस जोड़ा गया)

(i) प्राप्त आवेदनों की संख्या:

(ii) आवेदित लिखतों की सं.:

(iii) प्राप्त अभिदान की राशि : रु.

(iv) निर्गम कितनी बार अभिदत्त हुआ :

ख) आरक्षित प्रवर्गों से संबंधित जानकारी

आरक्षण आवेदकों की सं. आवेदित लिखतों की सं. अभिदान की गयी राशि

कर्मचारी

अन्य

(विनिर्दिष्ट करें)

9. आबंटन के आधार को अंतिम रूप देने की वास्तविक तारीख (प्रति संलग्न करें)

10. आबंटन संबंधी ब्यौरे

क. सफल आबंटितियों की संख्या प्रति 1 लाख शेयर

ख. असफल आबंटितियों की सं. :

11. निम्न का प्रेषण पूर्ण होने की वास्तविक तारीख (तारीखें):

(क) प्रतिदाय आदेश :

(ख) प्रमाणपत्र / आबंटन पत्र

(ग) प्रेषण में विलंब, यदि कोई हो, के कारण

(घ) क्या विलंब की अवधि के लिए ब्याज अदा किया गया, यदि हाँ तो किस अवधि के लिए :

12. बकाया प्रतिदाय की राशि : रु.

13. प्रतिदाय बैंकर (नाम और पता):

14. प्रतिदाय बैंकर को प्रतिदाय राशि के अंतरण की तारीख, यदि कोई हो

15. प्रतिदाय आदेशों का प्रेषण पूर्ण होने की तारीख :

16. नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज का नाम :

17. उन अन्य स्टॉक एक्सचेंजों के नाम जहाँ सूचीबद्धता की माँग की गयी :

18. लिखतों की सूचीबद्धता के लिए प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज के पास आवेदन दाखिल करने की तारीख :

19. प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सूचीबद्धता और व्यापार अनुमति दिये जाने की तारीख (स्टॉक एक्सचेंजों के अनुमति-पत्र की प्रति संलग्न करें) :

20. व्यापार के लिए सूचीबद्धता में विलंब के कारण, यदि कोई हो :

II. न्यून अभिदत्त निर्गम के मामले में:

1. यदि निर्गम की हामीदारी की गयी है, तो निर्गम हामीदारी की राशि का उल्लेख करें :

2. निर्गम के बंद होने की तारीख को न्यून अभिदान का विस्तार

क) प्रतिशत

ख) राशि

3. हामीदारों की कुल सं.:
4. यदि न्यागमन (डिवॉल्वमेंट) सूचनाएँ जारी नहीं की गयी थीं, तो उल्लेख करें कि कमी को कैसे पूरा किया गया :
5. हामीदारों की सं., जिन्हें न्यागमन सूचनाएँ जारी की गयी थीं :
6. न्यागमन सूचनाएँ जारी करने की तारीख :
7. हामीदारों की सं. जिन्होंने न्यागमन अदा नहीं किया
(कृपया नाम, हामीदारी की राशि और अदा न किये जाने के कारण दें) :
8. हामीदारों से चूक की दशा में, उल्लेख करें कि कमी कैसे पूरी की गयी :
9. उस मामले में जहाँ वित्तीय संस्थानों / पारस्परिक निधियों ने कमी को पूरा करने के लिए अभिदान किया परंतु हामीदार के तौर पर नहीं :
- क) वित्तीय संस्थान / पारस्परिक निधि का नाम
- ख) आवेदित प्रतिभूतियों की सं.:
- ग) प्राप्त राशि :

प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर और संलग्नकों में भी दी गयी जानकारी हमारी सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार सत्य है और निर्गम के बारे में प्रेषण के लिए कोई प्रतिदाय आदेश / आबंटन पत्र / प्रमाणपत्र लंबित नहीं है।

प्रमाणित किया जाता है कि रुद्ध की जानेवाली विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को शब्दों "..... तक विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का आडमान / को अंतरित नहीं किया जा सकता / बेचा नहीं जा सकता) से सम्यक् रूप से अंतर्लिखित हैं।

निर्गम रजिस्ट्रार
द्वारा हस्ताक्षरित

निर्गमकर्ता
द्वारा हस्ताक्षरित

अग्रणी मर्चेट बैंककार
(बैंककारों)
द्वारा हस्ताक्षरित

स्थान:

तारीख:

भाग घ

[विनियम 65(2)(ख) और 104(2)(ख) देखें]

साधिकार निर्गम के लिए अंतिम निर्गम-पश्चात् रिपोर्ट का फार्मेट
अभिदान स्थिति: (अभिदत्त / अनभिदत्त)

टिप्पणियाँ:

- (i) यह अग्रणी मर्चेट बैंककार का दायित्व होगा कि निर्गमकर्ता और निर्गम रजिस्ट्रार से इसका सत्यापन करने के पश्चात् सही जानकारी दे।
- (ii) अग्रणी मर्चेट बैंककार निर्गम बैंककार से प्रमाणपत्र संलग्न करेगा कि विनिधानकर्ताओं को निर्गमकर्ता द्वारा देय प्रतिदाय की राशि को पृथक् खाते में जमा किया गया है, खाते में जमा की गयी कुल राशि और जमा करने की तारीख के ब्यौरे देते हुए।

I. अभिदत्त निर्गम के मामले में:

1. निर्गमकर्ता का नाम
2. निर्गम खुलने की तारीख
3. बंद होने की वास्तविक तारीख :
4. निर्गम संबंधी ब्यौरे (प्रस्ताव पत्र के अनुसार):
 - (क) प्रस्ताव का आधार
 - (ख) लिखत का स्वरूप: (इक्विटी शेयर/पूर्णतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर/अंशतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर, इत्यादि)
 - (ग) प्रति लिखत प्रस्ताव कीमत :
 - (ङ) आवेदन पर प्रति लिखत राशि:
 - (घ) निर्गम आकार : लाख रुपये में
5. 3-दिवसीय रिपोर्ट
 - (क) किस तारीख को देय :
 - (ख) किस तारीख को प्रस्तुत
6. संग्रहकर्ता बैंकों की सं. :
(बैंक शाखाओं की संख्या का भी उल्लेख करें)
7. उन शाखाओं के बैंक के अनुसार नाम जिन्होंने निर्गम के बंद होने की तारीख से अंतिम समेकित प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया और उस तारीख का उल्लेख करें जब उन्होंने वास्तव में प्रस्तुत किया
8. अभिदान के ब्यौरे
 - (i) निम्नलिखित द्वारा लिये गये अधिकारों का प्रतिशत:
 - क) संप्रवर्तक
 - ख) अन्य शेयरधारक
 - (ii) निम्नलिखित द्वारा त्यजित अधिकारों का प्रतिशत:
 - क) संप्रवर्तक
 - ख) शेयरधारक
 - (iii) शेयरधारकों द्वारा लिये गये / त्यजित अधिकारों का प्रतिशत
 - (iv) बोर्ड के निर्णय पर प्रतिशत :
 - (v) उपर्युक्त अनुसार अनभिदत्त हिस्से में से निम्नलिखित द्वारा लिये गये :
 - क) संप्रवर्तक
 - ख) शेयरधारक:
9. संप्रवर्तक शेयरधारिता : शेयर प्रतिशतता की सं.
 - (क) निर्गम से पूर्व
 - (ख) साधिकार निर्गम के पश्चात् विस्तारित पूँजी पर :
10. आबंटन को अंतिम रूप देने की तारीख (आबंटन के आधार की प्रति संलग्न करें) :
11. (क) धन लौटानेवाले बैंककार का नाम और पता
(ख) लौटाये जानेवाले धन की बकाया रकम

- (ग) धन लौटानेवाले बैंककार को लौटाये जानेवाले धन की रकम के अंतरण की तारीख, यदि कोई हो :
12. निम्नलिखित का प्रेषण पूरा होने की वास्तविक तारीख (तारीखें) :
- (क) धनवापसी आदेश :
- (ख) प्रमाणपत्र/ आबंटन पत्र/ गैरकागजी जमा
- (ग) प्रेषण में विलंब के कारण, यदि कोई हो
- (घ) क्या विलंब की अवधि के लिए ब्याज अदा किया गया, यदि हाँ तो किस अवधि के लिए
13. नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज का नाम
14. अन्य स्टॉक एक्सचेंजों के नाम जहाँ सूचीबद्धता की माँग की गयी है:
15. निर्गम बंद होने की तारीख से 15वाँ दिन :
16. तारीख जब लिखतों की सूचीबद्धता के लिए आवेदन का प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल किया गया:
17. तारीख जब प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सूचीबद्धता और व्यापार की अनुमति दी गयी (स्टॉक एक्सचेंजों के अनुमति-पत्रों की प्रतियाँ संलग्न करें) :
18. व्यापार के लिए सूचीबद्धता में विलंब के कारण, यदि कोई हो :

II. न्यून अभिदत्त निर्गम के मामले में :

1. निर्गम के बंद होने की तारीख को न्यून अभिदान की सीमा
- (क) प्रतिशत
- (ख) राशि
2. आपाती सहायता के ब्यौरे, यदि कोई हो
- क. हामीदारों की सं.
- ख. हामीदारों की सं. जिन्होंने न्यागमन (डिवॉल्वमेंट) अदा नहीं किया (कृपया नाम, हामीदारी की राशि और भुगतान न करने के कारण दें) :
3. उस मामले में जहाँ वित्तीय संस्थानों / पारस्परिक निधियों ने कमी को पूरा करने के लिए हामीदार के रूप में अभिदान नहीं किया था ।
- (क) वित्तीय संस्थान / पारस्परिक निधि का नाम
- (ख) आवेदित प्रतिभूतियों की सं.
- (ग) प्राप्त राशि

प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर और संलग्नकों में भी दी गयी जानकारी हमारी सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार सत्य है और निर्गम के बारे में प्रेषण के लिए कोई प्रतिदाय आदेश / आबंटन पत्र / प्रमाणपत्र लंबित नहीं है ।

प्रमाणित किया जाता है कि अवरुद्ध किये जाने के लिए विनिर्दिष्ट को शब्दों “..... तक विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का आडमान / को अंतरित नहीं किया जा सकता / बेचा नहीं जा सकता) से सम्यक् रूप से अंतर्लिखित हैं ।

निर्गम रजिस्ट्रार
द्वारा हस्ताक्षरित

निर्गमकर्ता
द्वारा हस्ताक्षरित

अग्रणी मर्चेट बैंककार
(बैंककारों)
द्वारा हस्ताक्षरित

स्थान:

तारीख:

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची XVII

[विनियम 67(4) और 105 देखें]

हामीदारी न्यागमन विवरण का फार्मेट

मर्चेट बैंककार का नाम :

निर्गमकर्ता का नाम :

निर्गम का आकार :

हामीदारी न्यागमन की अस्वीकृति का निर्गम के अनुसार विवरण :

क्र.सं.	हामीदार का नाम	हामीदारी की राशि	न्यागमित राशि	न्यागमन की सूचना जारी करने की तारीख, यदि कोई हो	न्यागमन न स्वीकारने के कारण

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ)

विनियम, 2009

अनुसूची XVIII

[विनियम 84 (1) देखें]

नियोजन संबंधी दस्तावेज में प्रकटीकरण

1. इस आशय का दावा-त्याग कि ज्ञापन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी निर्गमन एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के अध्याय VIII के अधीन अर्हित संस्थागत क्रेताओं को किये गये निर्गमन से संबंधित है और यह कि जनता या विनिधानकर्ताओं के किसी अन्य वर्ग के लिए कोई प्रस्ताव नहीं किया जा रहा है।
2. पदों / संक्षेपाक्षरों की शब्दावली
3. इसमें अंतर्विष्ट वित्तीय विवरण
4. मर्चेन्ट बैंककार / नियोजन के लिए मर्चेन्ट बैंककार और अन्य सलाहकार
5. प्रस्ताव का सारांश और पात्र प्रतिभूति
6. जोखिम कारक
7. बाजार कीमत जानकारी
निम्नलिखित के ब्यौरे प्रकट करे:-
 - क. पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों के उच्च, निम्न और औसत बाजार कीमत;
 - ख. प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने की तारीख से पूर्व छह महीनों के लिए मासिक उच्च और न्यून कीमतें;
 - ग. उन दिवसों को व्यापारित इक्विटी शेयरों की संख्या जब उपर्युक्त (i) और (ii) की अवधि के दौरान सुसंगत स्टॉक एक्सचेंज में उच्च और न्यून कीमतें दर्ज की गयीं, और उन तारीखों को व्यापारित कुल परिमाण;
 - घ. उपर्युक्त में संदर्भित स्टॉक बाजार आँकड़ों को पूँजी संरचना में परिवर्तन द्वारा चिह्नित अवधियों के लिए अलग से दर्शाया जायेगा, उस तारीख से शुरू होनेवाली अवधि के साथ जब संबंधित स्टॉक एक्सचेंज ने पूँजी संरचना में परिवर्तन को मान्यता दी (अर्थात् जब इक्विटी शेयर अधिकार रहित या बोनस रहित बन गया हो)
 - ङ. उस तारीख के तुरंत बाद की बाजार कीमत जब निदेशक मंडल के निर्गमन का अनुमोदन करनेवाले संकल्प का अनुमोदन किया गया
 - च. तारीख, जब कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किया गया, से पहले के छह महीनों के दौरान प्रत्येक महीने में व्यापारित प्रतिभूतियों का परिमाण;
 - छ. निर्गमकर्ता के शेयरों के उच्च, निम्न और औसत मूल्य के साथ, लेनदेन किये गये कारबार के परिमाण से संबंधित ब्यौरों को संबंधित अवधियों के लिए कथित किया जाना चाहिए
8. आगमों का उपयोग
 - क. निर्गम का प्रयोजन;

- ख. उस परियोजना की लागत का विवरण जिसके लिए निर्गम के माध्यम से धन जुटाया गया;
- ग. ऐसी परियोजना के वित्तपोषण के साधन; और
- घ. परियोजना के प्रत्येक चरण में आगमों की प्रस्तावित अभिनियोजन स्थिति

9. पूँजीकरण विवरण

10. लाभांश

11. चयनित वित्तीय और अन्य जानकारी

भारतीय जीएपी के अनुसार लेखापरीक्षित समेकित या असमेकित वित्तीय विवरणों में निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा:

- क. वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट
- ख. तुलनपत्र
- ग. आय के विवरण
- घ. खातों की अनुसूचियाँ
- ङ. स्टॉकधारकों की इक्विटी में परिवर्तनों के विवरण
- च. नकदी प्रवाहों के विवरण
- छ. लेखानीतियों के विवरण
- ज. वित्तीय विवरणों की टिप्पणियाँ
- झ. समनुषंगी कंपनियों से संबंधित विवरण (असमेकित वित्तीय विवरणों के मामले में)

12. वित्तीय दशा और प्रचालनों के परिणामों पर प्रबंधतंत्र की चर्चा और विश्लेषण

13. उद्योग वर्णन

14. कारबार वर्णन

15. संगठनात्मक अवसंरचना और प्रमुख शेयरधारक

16. निदेशक मंडल और वरिष्ठ प्रबंधतंत्र

17. पात्र प्रतिभूतियों से संबंधित कराधान पहलू

18. कानूनी कार्यवाहियाँ

19. लेखाकार

20. सामान्य जानकारी -

- क. ऐसी अन्य जानकारी विनिधानकर्ताओं को सोच-समझकर निर्णय लेने में समर्थ बनाने के लिए महत्वपूर्ण और उपयुक्त है।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची XIX

[विनियम 103 (2)(ख) और 103(3) देखें]

भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के लिए प्रॉस्पेक्टस और संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में प्रकटीकरण

भाग क

[विनियम 103(2)(ख) देखें]

भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के लिए प्रॉस्पेक्टस में प्रकटीकरण

भारतीय निक्षेपागार रसीद के निर्गम के लिए प्रॉस्पेक्टस में वे सभी ब्यौरे अंतर्विष्ट होंगे जो इसमें विनिर्दिष्ट हैं ।

(1). प्रॉस्पेक्टस की विषय-वस्तु के बारे में सामान्य अनुदेशः

- (क) मर्चेन्ट बैंककार के पास प्रारूप दस्तावेज को कंपनी (भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गम) नियम, 2004 के नियम 5(1) में यथाविहित आरंभिक फीस के साथ सार्वजनिक फाइलिंग या गोपनीय फाइलिंग के रूप में दाखिल करने का विकल्प है ।
- (ख) जहाँ मर्चेन्ट बैंककार प्रस्ताव दस्तावेज की गोपनीय फाइलिंग का विकल्प अपनाता है, वह तत्पश्चात् बोर्ड के पास अद्यतन प्रारूप प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगा (किसी अतिरिक्त फीस के बिना), उसमें बोर्ड द्वारा सुझाये गये या विनिर्दिष्ट परिवर्तन, यदि कोई है, सम्मिलित करने के पश्चात् । अद्यतन प्रारूप प्रॉस्पेक्टस को इसे बोर्ड के पास दाखिल करने की तारीख से इक्कीस दिनों की कालावधि के लिए सार्वजनिक किया जायेगा ।
- (ग) प्रॉस्पेक्टस की विषय-वस्तु जिसमें निर्गमकर्ता, इसकी समनुषंगियों और सहयुक्तों के वित्तीय विवरण शामिल हैं, सरल अंग्रेजी में होगी ।
- (घ) अनुसूची के प्रयोजन के लिए "सहयुक्त" शब्द से भारतीय जीएएपी, या आइएफआरएस या यूएस जीएएपी जिसमें निर्गमकर्ता के वित्तीय विवरण प्रकट किये जाते हैं में यथापरिभाषित "सहयुक्त" अभिप्रेत होगा ।
- (ङ) इस प्रॉस्पेक्टस में सभी महत्वपूर्ण जानकारी अंतर्विष्ट होगी जो सत्य और पर्याप्त होगी ताकि विनिधानकर्ताओं को निर्गम में विनिधान पर सोच-समझकर निर्णय लेने में समर्थ बना सके ।
- (च) प्रॉस्पेक्टस में इसमें विनिर्दिष्ट जानकारी और विवरण भी अंतर्विष्ट होंगे ।
- (छ) निर्गम करनेवाली कंपनी, मर्चेन्ट बैंककार के माध्यम से निर्गमकर्ता के दो प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता, जिसमें से एक पूर्णकालिक निदेशक होगा और दूसरा मुख्य लेखा अधिकारी या मुख्य वित्तीय अधिकारी होगा, द्वारा प्रमाणित प्रॉस्पेक्टस बोर्ड या शेयरधारकों जिनके द्वारा यह अनुमत किया गया के संकल्प की विशिष्टियों का कथन करते हुए ऐसे निर्गम से पहले बोर्ड और कंपनी रजिस्ट्रार, नयी दिल्ली के पास दाखिल करेगा । वे यह भी प्रमाणित करेंगे कि प्रॉस्पेक्टस में किये गये सभी प्रकटीकरण सत्य और पर्याप्त हैं ।
- (ज) प्रॉस्पेक्टस के साथ देशी निक्षेपागार के साथ किये गये करार भी प्रस्तुत किये जायेंगे ।

- (झ) अग्रणी मर्चेट बैंककार जो प्रस्ताव दस्तावेज की विषयवस्तु के बारे में सम्यक् तत्परता का पालन करने के लिए जिम्मेदार है, जिम्मेदारियों के परस्पर आबंटन के अनुसार, सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करेगा ।
- (ज) भाग ग में विनिर्दिष्ट फॉर्मेट में यथाविनिर्दिष्ट फॉर्मेट में प्रॉस्पेक्टस में (जिसमें सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र सम्मिलित है) मर्चेट बैंककार द्वारा कथन किया जायेगा ।
- (ट) निर्गमकर्ता द्वारा कथन किया जायेगा जिसमें प्रॉस्पेक्टस में किये गये कथनों से इतर कथनों के लिए दायित्व के प्रति निम्नानुसार दावात्याग होगा:
 “निर्गमकर्ता, इसके निदेशक और मर्चेट बैंककार प्रॉस्पेक्टस में या विज्ञापनों या हमारे अनुरोध पर और हमारे वेबसाइट _____ सहित जानकारी के किसी अन्य स्रोत का आश्रय लेनेवाले द्वारा जारी किसी अन्य सामग्री से इतर के संबंध में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते हैं ।”

2. निर्गमःप्रस्ताव के निबंधनों का सारांश अंतःस्थापित किया जायेगा, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित होगा:

- (क) प्रस्ताव और सूचीबद्धता ब्यौरे
- (ख) संवितरण की योजना
- (ग) बाजार
- (घ) विक्रेता शेयरधारक, यदि कोई हो
- (ङ) हलका करना (डाइल्यूशन)
- (च) निर्गम के व्यय

3. आशावादी कथन

उन कथनों पर एक पैरा अंतर्वर्लित किया जायेगा, जो आशावादी कथन हैं और ऐतिहासिक तथ्यों के विषय नहीं हैं । प्रॉस्पेक्टस में इस्तेमाल किये गये आँकड़ों के स्रोत और उनकी यथार्थता पर कथन भी सम्मिलित किया जायेगा । एक पंक्ति कि क्या इनका स्वतंत्र रूप सत्यापन किया गया है, भी सम्मिलित की जायेगी

4. सामान्य अनुदेश

- (क) प्रॉस्पेक्टस में इस्तेमाल की गयी परिभाषाएँ / शब्द
- (ख) निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी;
- (ग) देशी निक्षेपागार, विदेशी अभिरक्षक बैंक, भारत में इसके कार्यालय के साथ, मर्चेट बैंककार, निर्गम का हामीदार, निर्गम का सलाहकार और अन्य कोई मध्यवर्ती जिसे भारतीय निक्षेपागार रसीद के निर्गम के संबंध में नियुक्त किया जाए, का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी;
- (घ) विशेषज्ञों और काउंसल के नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी;
- (ङ) भारतीय निक्षेपागार रसीद के निर्गम के संबंध में अनुपालना अधिकारी का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी । [अनुपालना अधिकारी को भारत में नियोजित होना चाहिए] ।
- (च) उन स्टॉक एक्सचेंजों के नाम, पते और संपर्क संबंधी जानकारी जहाँ भारतीय निक्षेपागार रसीद की सूचीबद्धता के लिए आवेदन किये जाते हैं या आवेदन किया जाना प्रस्तावित है;
- (छ) संदिग्ध आवेदनों के लिए दंड से संबंधित उपबंधों के बारे में प्रकटीकरण;
- (ज) अधिक अभिदान के प्रतिदाय के लिए कथन / घोषणा

- (झ) कथन कि यदि सार्वजनिक निर्गम के बंद होने से पंद्रह दिनों के भीतर आबंटन पत्रों / प्रतिदाय आदेशों को प्रेषित नहीं किया जाता है तो 15% प्रति वर्ष का ब्याज अदा किया जायेगा।
- (ञ) निर्धारित अवधि में आबंटन पत्रों / प्रमाणपत्रों / भारतीय निक्षेपागार रसीद जारी करने के बारे में घोषणा;
- (ट) निर्गम खुलने की तारीख;
- (ठ) निर्गम बंद होने की तारीख;
- (ड) निर्गम की पद्धति और प्रत्याशित समयसारणी
- (ढ) कथन कि निर्गम का अभिदान कम से कम तीन कार्यदिवसों के लिए और अधिक से अधिक दस कार्यदिवसों के लिए खुला रखा जायेगा
- (ण) निर्गम के जल्दी बंद होने की तारीख;
- (त) हामीदारों के उनकी संबंधित बाध्यताओं के निर्वहन में, यदि ऐसा करना अपेक्षित है, स्रोतों की पर्याप्तता के संबंध में मर्चेन्ट बैंककार द्वारा घोषणा, यदि ऐसा करना अपेक्षित है;
- (थ) निर्गमकर्ता द्वारा कथन कि भारतीय निक्षेपागार रसीद के निर्गम से प्राप्त सभी धनराशियों को पृथक् देशी बैंक खाते में अंतरित किया जायेगा, बैंक का नाम और पता तथा उस खाते का स्वरूप और संख्या जिसमें राशि जमा की जायेगी;
- (द) प्रॉस्पेक्टस और प्रपत्रों की उपलब्धता संबंधी ब्यौरे, अर्थात् तारीख, समय, स्थान इत्यादि;
- (ध) भारतीय निक्षेपागार रसीद के निर्गम के लिए राशि और भुगतान की रीति
- (न) विनिधानकर्ता शिकायत और समाधान प्रणाली पर प्रकटीकरण:
- (i) विनिधानकर्ता शिकायतों के समाधान के लिए निर्गमकर्ता द्वारा इंतजाम या विकसित कोई प्रणाली।
 - (ii) निर्गमकर्ता और इसके सूचीबद्ध समनुषंगियों / सहयुक्तों के विनिधानकर्ता शिकायत समाधान का पिछला रिकार्ड (प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले तीन वर्षों की न्यूनतम अवधि के लिए) जिसमें विनिधानकर्ता शिकायतों के विभिन्न प्रकारों के निपटान के लिए इसके द्वारा समान्यतः लिया जानेवाला समय जैसे ब्यौरे सम्मिलित हैं।
 - (iii) कि कंपनी भारतीय निक्षेपागार रसीद के लिए आवेदकों के शिकायत के संबंध में स्वयं को उन भारतीय न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र के अध्यक्षीन रखने का वचन देती है जिनके अधिकार क्षेत्र में वह स्थान है जहाँ स्टॉक एक्सचेंज स्थित है।

5. जोखिम कारक एवं प्रबंधन प्रतिबोधन, यदि कोई हो

- (क) जोखिम कारकों को निम्नानुसार प्रकट किया जायेगा:
- (i) निर्गमकर्ता के कारबार से जुड़े जोखिम कारक
 - (ii) भारतीय निक्षेपागार रसीद जारी करने का प्रस्ताव करनेवाले निर्गमकर्ता के देश से जुड़े जोखिम कारक
 - (iii) भारतीय निक्षेपागार रसीद / संबद्ध (अंडरलाइंग) शेयरों से जुड़े जोखिम कारक
- (ख) जोखिम कारकों को, जो परियोजना के लिए विशेष रूप हों और निर्गमकर्ता के लिए आंतरिक हों और वे जो बाहरी हैं और निर्गमकर्ता के नियंत्रण से परे हैं के तौर पर वर्गीकृत किया जायेगा,
- (ग) जोखिम कारकों को उनकी महत्ता के आधार पर अवधारित किया जायेगा।
- (घ) निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखकर महत्ता का निर्धारण किया जायेगा:

- (i) कुछ घटनाएँ अकेले महत्त्व नहीं रखती पर संयुक्त रूप से उनका महत्त्व हो सकता है ।
- (ii) कुछ घटनाओं का परिमाण के बजाय गुणवत्ता के लिहाज से ज्यादा महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है ।
- (iii) कुछ घटनाएँ वर्तमान में महत्त्वपूर्ण नहीं हो सकती हैं, परंतु भविष्य में उनका महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है ।
- (ड) जोखिम कारक प्रॉस्पेक्टस में निम्न रीति से प्रकट होंगे:
 - (i) निर्गमकर्ता के प्रबंधन द्वारा परिकल्पित जोखिम ।
 - (ii) जोखिमों के निवारण के लिए प्रस्ताव, यदि कोई हो ।
 - (iii) जोखिम कारकों के तुरंत बाद ऐसी कोई "टिप्पणी" जिसे प्रमुखता देना अपेक्षित है प्रकट की जायेगी ।

6. हाल की उद्घटनाएँ : तीन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों : प्रचालन और प्रबंधन, शेयरधारिता पैटर्न और कारबार परिवेश की महत्त्वपूर्ण उद्घटनाओं का ब्यौरा उपलब्ध कराते हुए हाल में (निर्गम से पहले दो वित्तीय वर्षों में) हुई महत्त्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख किया जायेगा ।

7. निर्गमकर्ता के देशी बाजार में शेयरों से संबंधित बाजार कीमत जानकारी और अन्य जानकारी : यदि प्रतिभूतियाँ एक से अधिक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं तो निम्नलिखित जानकारी एक्सचेंजवार उपलब्ध करायी जानी चाहिए । इस जानकारी को प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले उपलब्ध अंतिम तारीख को अद्यतन किया जाना चाहिए । यदि यह भारतीय निक्षेपागार रसीद जो भारत में पहले से ही सूचीबद्ध है, का अतिरिक्त निर्गम है तो यह जानकारी दी जानी चाहिए ।
- (क) प्रॉस्पेक्टस जारी करने के वर्ष से पहले कैलेंडर वर्ष से पहले के अंतिम तीन कैलेंडर वर्षों के प्रत्येक तिमाही के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
 - (ख) प्रॉस्पेक्टस जारी करने के वर्ष से पहले के कैलेंडर वर्ष के प्रत्येक माह के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
 - (ग) प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले के माह के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
 - (घ) प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले महीने के अंतिम दिवस को खुलने और बंद होने की कीमत, परिमाण के साथ ।

8. लाभांश :

- (क) निर्गमकर्ता की लाभांश नीति
- (ख) पिछले पाँच वित्तीय वर्षों के लिए अदा किये गये लाभांश की दर और लाभांश की राशि
- (ग) निगमन / शेयर सूचीबद्धता के देश में विनियामक ढाँचा, लाभांशों के लिहाज से
- (घ) आइडीआर धारकों को लाभांश की अदायगी के लिए निक्षेपागारों के साथ इंतजाम के ब्यौरे
- (ड) घोषित लाभांशों और अदा किये गये लाभांशों परिवर्तनों, यदि कोई हो, के बारे में जानकारी और घोषित लाभांशों तथा अदा किये गये लाभांशों के बीच समय अंतराल ।
- (च) लाभांश प्रतिफल के बारे में जानकारी
- (छ) लाभांश वितरण के कराधान संबंधी पहलू

9. विनियम दरें

- (क) निगमन के देश / जहाँ शेयर सूचीबद्ध हैं और भारत के बीच विनियम दर की पद्धति का संक्षिप्त इतिहास
 (ख) पिछले पाँच सालों के लिए उच्च, निम्न, औसत दरें
 (ग) पिछले बारह महीनों के लिए उच्च, निम्न, औसत दरें

10. निगमन के देश / जहाँ शेयर सूचीबद्ध हैं के विदेशी विनिधान और विदेशी मुद्रा नियंत्रण : सुसंगत विदेशी विनिधान विधियों और निगमन के देश या उस देश के विदेशी मुद्रा नियंत्रण विनियमों से संबंधित जानकारी जहाँ संबद्ध (अंडरलाइंग) इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हैं।**11. निर्गम के उद्देश्य / आगमों का उपयोग : निम्नलिखित को प्रकट किया जायेगा:**

- (क) निर्गम का उद्देश्य
 (ख) उस परियोजना के लागत का ब्यौरा जिसके लिए आइडीआर निर्गम के माध्यम से धन जुटाया गया
 (ग) ऐसी परियोजना के वित्तपोषण के साधन और
 (घ) परियोजना के प्रत्येक चरण में आगमों की प्रस्तावित अभिनियोजन स्थिति

12. पूँजीकरण विवरण

विशिष्टियाँ	भिन्नानुसार निर्गम-पूर्व (करोड़ रु. में अंक)
अल्पावधि ऋण	
दीर्घावधि ऋण	
शेयरधारक निधियाँ - शेयर पूँजी - आरक्षितियाँ	
कुल शेयरधारित निधियाँ	
दीर्घावधि ऋण / इक्विटी	

13. पूँजी संरचना

- (क) प्राधिकृत, निर्गमित, अभिदत्त और संदत्त पूँजी (लिखतों की संख्या, प्रकार, कुल अभिहित मूल्य)
 (ख) वर्तमान निर्गम का आकार
 (ग) समादत्त पूँजी
 (i) निर्गम से पूर्व;
 (ii) निर्गम के पश्चात् (यदि आइडीआर निर्गम में नये इक्विटी शेयरों का निर्गम अंतर्वर्तित है); और
 (iii) शेयर प्रीमियम खाता (निर्गम से पूर्व और के पश्चात्)

(घ) पूँजी संरचना के प्रति विस्तृत टिप्पणियाँ

(ङ) पूँजी संरचना के बारे में जानकारी में प्रमुख शेयरधारकों की धारिताओं के संबंध में ब्यौरे समाविष्ट होंगे अर्थात् व्यक्ति जो कंपनी के समग्र नियंत्रण में है या हैं।

14. वित्तीय जानकारी

(क) प्रॉस्पेक्टस की तारीख से ठीक पहले के तीन वित्तीय वर्षों की अवधि के लिए भारतीय जीएपी (जिसमें भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी सभी लेखा मानक सम्मिलित हैं) या अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों या यूएस जीएपी, के अनुसार तैयार की गयी लेखापरीक्षित समेकित या असमेकित वित्तीय विवरण में निम्नलिखित समाविष्ट होंगे:

- (i) वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट
- (ii) तुलन पत्र
- (iii) आय संबंधी विवरण
- (iv) लेखाओं की अनुसूचियाँ
- (v) स्टॉक धारकों की इक्विटी में परिवर्तन संबंधी विवरण
- (vi) नकदी प्रवाहों के विवरण
- (vii) लेखा नीतियों के विवरण
- (viii) वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ
- (ix) समनुषंगी कंपनियों से संबंधित विवरण (असमेकित वित्तीय विवरणों के मामले में)
- (x) संबंधित पक्षकार (पार्टी) के संव्यवहार
- (xi) अर्थसुलभता (लिविबिलिटी) और पूँजी संसाधन

(ख) प्रॉस्पेक्टस में वित्तीय जानकारी में निर्गमकर्ता कंपनी की कामकाजी (फंक्शनल) मुद्रा/रिपोर्टिंग मुद्रा / राष्ट्रीय मुद्रा प्रकट की जायेगी और रिपोर्टिंग मुद्रा स्टर्लिंग पाउंड / यूरो/येन/ अमरीकी डॉलर तक निर्बंधित होगी।

(ग) यदि वित्तीय परिणाम आइएफआरएस या यूएस जीएपी के अनुसार तैयार किये जाते हैं, तो व्यावसायिक लेखाकार या प्रमाणित लोक लेखापाल या समकक्ष (लेखापरीक्षा संबंधी अंतरराष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुसार अपने देश में चाहे जिस नाम से पुकारा जाए) द्वारा वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा की जायेगी।

(घ) जहाँ अपने देश (होम कण्ट्री) की विधि के अनुसार निर्गमकर्ता कंपनी के लेखों की वार्षिक कानूनी लेखापरीक्षा अपेक्षित है, प्रॉस्पेक्टस की तारीख से तुरंत पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्षों में से प्रत्येक के लिए निर्गमकर्ता कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर कानूनी लेखापरीक्षक की रिपोर्ट जिसमें उस अंतिम तारीख को जब निर्गमकर्ता कंपनी के लेखा विनिर्दिष्ट रूप में बनाये गये निर्गमकर्ता कंपनी के लाभ या हानियाँ, आस्तियाँ, देयताएँ और नकदी-प्रवाह विवरण सम्मिलित हैं:

परंतु यह कि निर्गम के खुलने की तारीख और रिपोर्ट की तारीख के बीच का अंतराल 120 दिनों से अधिक नहीं होगा।

- (ड) निर्गमकर्ता कंपनी के कानूनी लेखापरीक्षकों द्वारा तैयार की गयी रिपोर्ट में सारणीबद्ध रूप में संकलित वित्तीय विवरण (वार्षिक रिपोर्ट में सुसंगत अवधि के अनुसार) भारतीय रुपयों में (विनिमय की अंतिम दर पर, उस तारीख को जब वित्तीय जानकारी प्रस्तुत की गयी) प्रकट किये जाने चाहिए और इसमें मद (12) के अधीन अपेक्षित समेकित या असमेकित आय विवरण, समेकित या असमेकित नकदी प्रवाह विवरण, समेकित या असमेकित तुलनपत्र और पूँजीकरण विवरण सम्मिलित होने चाहिए।
- (च) रिपोर्ट में तारीख जो निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम 180 दिन से कम पूर्व की हो, को समाप्त होनेवाली कालावधि के बारे में अंतरिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण सम्मिलित की जानी होगी, यदि उपर्युक्त अनुसार प्रकट किये गये अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की समापन तारीख और निर्गम के खुलने की तारीख के बीच का अंतराल 180 दिनों से अधिक का है:

परंतु यह कि यदि नवीनतम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की ऐसी तारीख और निर्गम के खुलने की तारीख के बीच का अंतराल 180 दिनों या उससे कम का है, तो उपर्युक्त अपेक्षा को पूरा किया गया समझा जायेगा, यदि ऐसे अंतराल के लिए निर्गमकर्ता कंपनी की वित्तीय स्थिति में महत्वपूर्ण परिवर्तनों के बारे में प्रकटीकरण प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किया जाता है:

परंतु यह और कि निर्गमकर्ता कंपनी जो भारत से बाहर निगमित विदेशी बैंक है और जो बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट के सदस्य या इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ सिव्योरिटीज कमीशन्स के सदस्य जो बहुपक्षीय बोधज्ञापन का हस्ताक्षरकर्ता है द्वारा विनियमित है के मामले में, उस अवधि की अंतिम तारीख से शुरू होनेवाली अवधि के बारे में जिसके लिए नवीनतम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण तैयार किये गये और निर्गम के खुलने की तारीख से उपर्युक्त अपेक्षा पूरी की जायेगी, यदि सुसंगत वित्तीय विवरण ऐसे कानूनी लेखापरीक्षक की मर्यादित पुनर्विलोकन रिपोर्ट पर आधारित है।

- (छ) यदि निर्गमकर्ता कंपनी यूएस जीएपी के अनुसार वित्तीय परिणाम तैयार करने और प्रकट करने का विकल्प चुनती है, भारतीय जीएपी की तुलना में एक समाधान विवरण और भारतीय जीएपी तथा यूए जीएपी के बीच महत्वपूर्ण अंतरों के सारांश को रिपोर्ट से उपाबद्ध किया जाना होगा। यदि वित्तीय परिणाम आइएफआरएस के अनुसार तैयार किये जाते हैं, तो निर्गमकर्ता कंपनी भारतीय जीएपी और आइएफआरएस के बीच के केवल महत्वपूर्ण अंतरों के सारांश को उपाबद्ध करेगी।
- (ज) जहाँ अपने देश की विधि द्वारा निर्गमकर्ता कंपनी के लेखों की वार्षिक कानूनी लेखापरीक्षा अपेक्षित नहीं है, भारतीय जीएपी के अनुसार तैयार की गयी, प्रॉस्पेक्टस की तारीख से तुरंत पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्षों में से प्रत्येक के लिए निर्गमकर्ता कंपनी के वित्तीय विवरणों / परिणामों पर चार्टर्ड अकाउण्टेण्ट अधिनियम, 1949 के निबंधनों और अर्थ में व्यवसाय में सनदी लेखाकारों द्वारा प्रमाणित रिपोर्ट जिसमें अंतिम तारीख को जब निर्गमकर्ता कंपनी के लेखे विनिर्दिष्ट रूप में तैयार किये गये निर्गमकर्ता कंपनी के लाभ या हानियाँ, आस्तियाँ, देयताएँ और नकदी-प्रवाह विवरण सम्मिलित हैं:

परंतु यह कि निर्गम खुलने की तारीख और रिपोर्ट की तारीख के बीच का अंतराल 120 दिनों से अधिक का नहीं होगा।

- (झ) सनदी लेखाकारों द्वारा तैयार की गयी रिपोर्ट में सारणीबद्ध रूप में संकलित वित्तीय विवरण भारतीय रुपये (विनिमय की अंतिम दर पर, उस तारीख को जब वित्तीय जानकारी प्रस्तुत की जाती है) में प्रकट किये जाने चाहिए और इसमें मद (12) के अधीन अपेक्षित समेकित या असमेकित आय विवरण, समेकित या असमेकित नकदी प्रवाह विवरण, समेकित या असमेकित तुलनपत्र और पूँजीकरण विवरण सम्मिलित होने चाहिए।
- (ञ) रिपोर्ट में तारीख जो निर्गम के खुलने की तारीख से कम से कम 180 दिन से कम पूर्व की हो, को समाप्त होनेवाली कालावधि के बारे में अंतरिम वित्तीय विवरण सम्मिलित की जानी होगी, यदि उपर्युक्त अनुसार प्रकट किये गये नवीनतम वित्तीय विवरणों की समापन तारीख और निर्गम के खुलने की तारीख के बीच का अंतराल 180 दिनों से अधिक का है।

परंतु यह कि यदि नवीनतम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की ऐसी तारीख और निर्गम खुलने की तारीख के बीच का अंतराल 180 दिनों या उससे कम का है, तो उपर्युक्त अपेक्षा को पूरा किया गया समझा जायेगा, यदि ऐसे अंतराल के लिए निर्गमकर्ता कंपनी की वित्तीय स्थिति में महत्वपूर्ण परिवर्तनों के बारे में प्रकटीकरण प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किया जाता है।

- (ट) यदि भारतीय निक्षेपागार रसीद निर्गम के आगमों का उपयोग अन्य कंपनी निकाय (निकायों) में विनिधान करने के लिए किया जाता है, तो ऐसे निगमित निकाय (निकायों) के निम्नलिखित ब्यौरे दिये जायेंगे:

- (i) निगमित निकाय (निकायों) के नाम तथा पते;
- (ii) उन निगमित निकाय (निकायों) के बारे में भी ऊपर कथित रिपाटें

15. अंतिम वित्तीय विवरणों की तारीख से पश्चात्वर्ती महत्वपूर्ण उद्घटनाओं जैसा कि प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किया गया है पर कथन : निदेशकों द्वारा कथन कि क्या उनकी राय में प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किये गये अंतिम वित्तीय विवरणों की तारीख से ऐसी कोई परिस्थिति उद्भूत हुई है जो निर्गमकर्ता के व्यापार या लाभप्रदता, या इसके आस्तियों के मूल्य, या अगले बारह महीनों के भीतर इसके दायित्व का भुगतान करने की इसकी योग्यता को तात्त्विक रूप से और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है या प्रभावित करने की संभावना है और यदि ऐसा है, तो ऐसी परिस्थितियों की रूपरेखा और उनके संभाव्य प्रभाव का निर्धारण।

16. प्रबंधन संबंधी चर्चा और वित्तीय विवरणों का विश्लेषण (हाल के वित्तीय वर्ष के साथ पिछले तीन वित्तीय वर्ष की तुलना करते हुए)

- (क) पिछले तीन वर्षों के लेखापरीक्षक रिपोर्ट में दिये गये समायोजनों के पश्चात् पिछले वित्तीय परिणामों जिसमें आय और व्यय की महत्वपूर्ण मदें समाविष्ट हैं का सारांश दिया जायेगा।
- (ख) निर्गमकर्ता के कारबार का पुनर्विलोकन।
- (ग) कारक जो परिचालनों के परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं।

- (घ) आय और व्यय के महत्त्वपूर्ण मदों में परिवर्तनों के कारणों का विश्लेषण भी दिया जायेगा, जिसमें अन्य बातों के साथ, निम्नलिखित समाविष्ट होगा:
- (i) अनियत या अनित्य घटनाएँ या संव्यवहार;
 - (ii) महत्त्वपूर्ण आर्थिक परिवर्तन जिन्होंने निरंतर प्रचालनों से आय को काफी प्रभावित किया या प्रभावित कर सकते हैं;
 - (iii) ज्ञात प्रवृत्तियाँ और अनिश्चितताएँ जिनका विक्रयों, निरंतर प्रचालनों से राजस्व या आय पर काफी प्रतिकूल प्रभाव हुआ था या होने की प्रत्याशा है;
 - (iv) लागतों और राजस्वों के बीच संबंध में भावी परिवर्तन, ऐसी घटनाओं के मामले में जैसे श्रम या सामग्री लागतों या कीमतों में भावी वृद्धि जिनसे महत्त्वपूर्ण परिवर्तन होगा, ज्ञात है;
 - (v) वह सीमा जिस तक शुद्ध बिक्रियों या राजस्व में महत्त्वपूर्ण बढ़ोतरी होती है, जो बढ़ी हुई बिक्रियों के परिमाण, नये उत्पादों या सेवाओं के आरंभ या बढ़ी हुई क्रय कीमतों के आरंभ के कारण हैं;
 - (vi) प्रत्येक प्रमुख औद्योगिक खंड जिसमें निर्गमकर्ता प्रचालन करता है का कुल व्यापारावर्त
 - (vii) सार्वजनिक रूप से घोषित नये उत्पादों या कारबार खंड की स्थिति;
 - (viii) वह सीमा जिस तक कारबार मौसमी है;
 - (ix) एकल या कुछेक आपूर्तिकर्ता या ग्राहकों पर कोई महत्त्वपूर्ण निर्भरता;
 - (x) प्रतिस्पर्धात्मक परिस्थितियाँ

17. उद्योग और कारबार पुनर्विलोकन

बाजार जिसमें प्रतिस्पर्धा के ब्यौरे सम्मिलित हैं, उद्योग के लिए पिछले उत्पाद आँकड़े, विद्यमान औद्योगिक क्षमता, पिछली प्रवृत्तियाँ और निर्यातों (यदि लागू हो) से संबंधित भावी संभावनाएँ, माँग और आपूर्ति अनुमान (यदि दिये गये तो इसे आवश्यक रूप से ऐसे अनुमानों के साथ ही होना चाहिए जिनका स्रोत प्रतिष्ठित बाजार अनुसाधन एजेंसी हो) इत्यादि दिये जाएँ। आँकड़ों के स्रोत का उल्लेख किया जायेगा।

18. निर्गमकर्ता के ब्यौरे

- (क) मुख्य उद्देश्य, इतिवृत्त और निर्गमकर्ता के वर्तमान कारबार
- (ख) परियोजना का स्थान, यदि कोई हो
- (ग) संस्थापित क्षमता और संयंत्र तथा मशीन, अवसंरचना सुविधाओं, प्रौद्योगिकी के ब्यौरे इत्यादि, जहाँ लागू हैं
- (घ) परियोजना के कार्यान्वयन की समयसूची और अब तक हुई प्रगति, यदि लागू है;
- (ङ) उत्पाद(उत्पादों), उपभोक्ता (उपभोक्ताओं), औद्योगिकी उपयोगकर्ताओं का स्वरूप
- (च) अनुसंधान और विकास, पेटेंट और लाइसेंस इत्यादि
- (छ) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण
- (ज) वित्तीय और अन्य चूकों के ब्यौरे, यदि कोई हो
- (झ) हामीदारी
- (ञ) विशेषज्ञ
- (ट) जहाँ आप अतिरिक्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं

(छ) विदेशी व्यक्तियों के प्रति सिविल देयताओं का प्रवर्तन

19. निर्गमकर्ता की समनुषंगियों और सहयुक्त

(क) निर्गमकर्ता की समनुषंगियों और सहयुक्तों के बारे में लेखापरीक्षित विवरणों पर आधारित पिछले तीन सालों के लिए निम्नलिखित जानकारी:

- (i) निगमन की तारीख
- (ii) क्रियाकलापों का स्वरूप
- (iii) इक्विटी पूँजी
- (iv) आरक्षितियाँ (पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति को छोड़कर)
- (v) विक्रय
- (vi) करोपरांत लाभ
- (vii) प्रति शेयर उपार्जन और
- (viii) शुद्ध आस्ति मूल्य

(ख) यदि समनुषंगी और सहयुक्तों से उन देशों में प्रचलित विधियों के अनुसार ऐसे लेखापरीक्षित विवरणों को तैयार करना अपेक्षित नहीं है तो इसे ऐसी कंपनियों के निदेशक मंडल और प्रबंध तंत्र द्वारा सत्य एवं सही के तौर पर प्रमाणित किया जाए, परंतु यह कि संबंधित देश में व्यवसायरत प्रमाणित लोक लेखापाल या समकक्ष से प्रमाण पत्र बोर्ड को प्रस्तुत किया जाए।

20. प्रबंधन

- (क) संप्रवर्तकों के ब्यौरे और उनकी पृष्ठभूमि के ब्यौरे। यदि कोई निश्चित संप्रवर्तक नहीं है तो उन सभी व्यक्तियों के ब्यौरे और पृष्ठभूमि जो निर्गमकर्ता की पूँजी में 5% या अधिक इक्विटी शेयर धारण करते हैं।
- (ख) निदेशक मंडल और प्रमुख प्रबंध कार्मिकों के ब्यौरे (अर्थात् निदेशकों, प्रबंधक, प्रबंध निदेशक और निर्गमकर्ता के अन्य प्रधान अधिकारियों के नाम, पते, आयु, अर्हता, उद्योग संबंधी अनुभव, अन्य निदेशक पद)
- (ग) निदेशकों और प्रमुख प्रबंध कार्मिकों का पारिश्रमिक, विस्तृत विवरण के साथ, वर्तमान फीस, संप्रवर्तकों / नियंत्रक शेयरधारक (शेयरधारकों), यदि कोई हो, के साथ उनका नाता निर्गमकर्ता में उनकी शेयरधारिता, निर्गमकर्ता के साथ उनके सहयोजन की अवधि।
- (घ) संगठनात्मक संरचना
- (ङ) निदेशक मंडल की परिपाटी
- (च) कर्मचारी

21. निगमन के देश का जहाँ शेयर सूचीबद्ध हैं प्रतिभूति बाजार

- (क) संक्षिप्त इतिवृत्त
- (ख) स्टॉक एक्सचेंज विनियम
- (ग) सूचीबद्ध विनियम
- (घ) निर्गमकर्ता के देश के प्रतिभूति बाजार विनियामक के ब्यौरे

- (ड) क्या निर्गमकर्ता के देश के प्रतिभूति बाजार विनियामक ने बोर्ड / आइओएससीओ के साथ बोध ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं ।
- (च) कंपनी अधिनियम और प्रतिभूति विनियम (या उसके समकक्ष) के अधीन प्रकटीकरण
- (छ) स्टॉक एक्सचेंज
- (ज) अधिग्रहण संहिता / क्रय द्वारा वापस लेने संबंधी संहिता
- (झ) अर्थव्यवस्था के कुछ महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सुधार
- (ञ) प्रतिभूतियों के विदेशी स्वामित्व पर प्रतिबंध
- (ट) वित्तीय क्षेत्र का पुनर्विलोकन
- (ठ) उस देश के प्रतिभूति व्यापार बाजार का स्वरूप
- (ड) कथन कि भारतीय प्रतिभूति विधियों के प्रवर्तन पर इस तथ्य का क्या प्रभाव पड़ेगा कि निर्गमकर्ता भारत से बाहर स्थित है ।
- (ढ) कंपनी शासन उपबंधों का तुलनात्मक विश्लेषण जिसका निर्गमकर्ता द्वारा अनुसरण किया जायेगा और जो भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों के लिए लागू है, के मुकाबले में ।

22. भारतीय निक्षेपागार रसीद का वर्णन और भारतीय निक्षेपागार रसीद धारकों के अधिकार

- (क) भारतीय निक्षेपागार रसीद का संक्षिप्त वर्णन
- (ख) लाभांश, अन्य संवितरण और भारतीय निक्षेपागार रसीद धारकों के अधिकार
- (ग) मताधिकार यदि कोई हो और भारतीय निक्षेपागार रसीद धारकों द्वारा पालन की जानेवाली रीति, यदि कोई हो
- (घ) रिकार्ड तारीखें और इन्हें कैसे प्रकट किया जायेगा
- (ङ) रिपोर्ट और अन्य संसूचनाएँ जिसके भारतीय निक्षेपागार धारक हकदार होंगे
- (च) भारतीय निक्षेपागार रसीद की शेयरों में संपरिवर्तन की प्रक्रिया
- (छ) भारतीय निक्षेपागार रसीद और उनमें संव्यवहार के विभिन्न पहलुओं से संबंधित शासी विधि

23. शेयरों और निक्षेपागार रसीदों के अंतरण संबंधी उपबंध

- (क) भारतीय निक्षेपागार रसीद के अंतरण से संबंधित उपबंध
- (ख) परिवर्तन के बाद संबद्ध (अंडरलाइंग) शेयरों के अंतरण से संबंधित उपबंधों की रूपरेखा

24. निक्षेपागार - भारतीय और अंतरराष्ट्रीय से संबंधित जानकारी

देशी निक्षेपागार, विदेशी अभिरक्षक बैंक और निक्षेपागार करारनामा संबंधी संक्षिप्त ब्यौरे

25. सरकारी / विनियामक प्राधिकरणों के अनुमोदन

निर्गम के लिए अपने देश में अपेक्षित सांविधिक और विनियामक अनुमोदनों से संबंधित जानकारी और संबंधित पहलू तथा उनकी प्रास्थिति, और भारतीय विनियामक प्राधिकरणों से अनुमोदन

26. भारत और निगमन के / उस देश का जिसमें शेयर सूचीबद्ध हैं कर निर्धारण ढाँचा

कराधान विधि के सुसंगत उपबंधों, कर संधियों और भारतीय निक्षेपागार रसीद धारकों पर उनके प्रभाव से संबंधित जानकारी

27. बकाया मुकदमे और व्यतिक्रम

- (क) महत्त्वपूर्ण मुकदमे / देयताएँ / व्यतिक्रम जिनमें निर्गमकर्ता, इसके संप्रवर्तकों / नियंत्रक शेयरधारकों / निदेशकों और इसके समनुषंगी और सहयुक्तों की बकाया / संभाव्य देयताएँ सम्मिलित हैं
- (ख) महत्ता का अवधारण उन कारकों के आधार पर किया जायेगा जो परियोजना और निर्गमकर्ता, इसके संप्रवर्तकों / नियंत्रक शेयरधारकों / निदेशकों, इसके समनुषंगियों और सहयुक्तों के लिए विशिष्ट हैं, जो निर्गमकर्ता के कार्यनिष्पादन से संबंधित हों ।
- (ग) निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखते हुए महत्ता का विनिश्चय किया जायेगा:
- (i) कुछ मुकदमे / व्यतिक्रम अकेले महत्त्व नहीं रखते हो, परंतु एक साथ महत्त्वपूर्ण हो सकते हैं ।
 - (ii) कुछ मुकदमों / व्यतिक्रमों का परिमाण के बजाय गुणअवगुण के लिहाज से ज्यादा महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता हो ।
 - (iii) कुछ मुकदमे / व्यतिक्रम वर्तमान में महत्त्वपूर्ण नहीं हों, परंतु भविष्य में उनका महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है ।

28. निर्गम कीमत का आधार

- (क) उपार्जन प्रति शेयर अर्थात् पिछले तीन वर्षों के लिए निर्गम-पूर्व उपार्जन प्रति शेयर (पूँजी में परिवर्तनों के लिए यथासमायोजित)
- (ख) निर्गम-पूर्व उपार्जन प्रति शेयर
- (ग) पिछले तीन वर्षों में शुद्ध मालियत पर औसत प्रतिफल
- (घ) निर्गम-पूर्व उपार्जन प्रति शेयर बनाये रखने के लिए अपेक्षित वर्धित शुद्ध मालियत पर न्यूनतम प्रतिफल
- (ङ) अंतिम तुलन पत्र पर आधारित प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य
- (च) निर्गम के पश्चात् प्रति शेयर शुद्ध आस्ति मूल्य और निर्गम कीमत से उसकी तुलना
- (छ) ऊपर उल्लिखित अनुसार निर्गमकर्ता के सभी लेखा अनुपातों की उद्योग औसत और समतुल्य समूह (अर्थात् उसी उद्योग में सदृश आकार की कंपनियाँ) के लेखा अनुपातों से तुलना [उस स्रोत को सूचित किया जाना चाहिए जिससे उद्योग औसत और समतुल्य समूह के लेखा अनुपात लिये गये हैं]
- (ज) भारतीय निक्षेपागार रसीदों का अंकित मूल्य भी दिया जायेगा ।

परंतु यह कि प्रॉस्पेक्टस में निर्गम कीमत के लिए न्यायोचित्य के तौर पर अनुमानित उपार्जनों का उपयोग नहीं किया जायेगा ।

परंतु यह और कि निर्गम कीमत के आधार के समर्थन में प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किये गये लेखा अनुपातों की गणना अनिवार्य संपरिवर्तन शेष के कारण पूँजी में परिणामी वृद्धि को प्रभावी करते हुए और इस अनुमान पर भी की जायेगी कि अतिरिक्त पूँजी के लिए अभिदान हेतु शेष विकल्पो, यदि कोई हो का प्रयोग किया जायेगा ।

29. निर्गमकर्ता के संगम-अनुच्छेदों और मुख्य चार्टर के मुख्य उपबंध**30. निरीक्षण के लिए महत्त्वपूर्ण संविदाएँ और दस्तावेज**

स्थान जहाँ कंपनी (भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गमन) नियम, 2004 के अधीन विनिर्दिष्ट दस्तावेजों, प्रॉस्पेक्टस, वित्तीय विवरणों और उसके लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का सामान्य कारबार घंटों के दौरान निरीक्षण की अनुज्ञा होगी ।

31. अन्य जानकारी

- (क) निर्गमकर्ता के विधिक काउंसल, जो उस स्थान से क्रियाशील हैं जहाँ निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित है, द्वारा प्रॉस्पेक्टस की आज्ञापक जाँच का प्रकटीकरण।
- (ख) मर्चेन्ट बैंककार, विदेशी अभिरक्षक बैंक, देशी निक्षेपागार और भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम से सहयुक्त अन्य मध्यवर्ती।
- (ग) भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम में अंतर्निहित मध्यवर्तियों को संदेय फीस और व्यय।

भाग छ
[विनियम 103(3)]

भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के लिए संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में प्रकटीकरण
भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गम के लिए संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित प्रकटीकरण समाविष्ट होंगे:

1. सामान्य अनुदेश: नीचे विनिर्दिष्ट प्रत्येक शीर्ष के अधीन प्रदान की जानेवाली जानकारी इस अनुसूची के भाग क की अपेक्षाओं के अनुसार होगी, सिवाय तब के जब अन्यथा विनिर्दिष्ट हो।
2. संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस को ऐसे फॉण्ड में मुद्रित किया जाएगा जो दिखने में हाइम्स न्यू रोमन आकार 10 से छोटा न हो।
3. संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में प्रकट होनेवाले मदों का क्रम, जहाँ तक लागू हो, प्रॉस्पेक्टस में प्रकट होनेवाले मदों के क्रम के अनुरूप होगा।
4. आवेदन प्ररूप इस प्रकार बना होगा कि आवेदन प्ररूप के फटने पर संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में दी गयी जानकारी का कोई भी हिस्सा विकृत नहीं हो।

1. सामान्य जानकारी

1. निर्गमकर्ता का नाम और निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, ई-मेल पता और वेबसाइट पता के साथ, और जहाँ निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के पते या नाम में परिवर्तन हुआ है, वहाँ उसके ब्यौरे।
2. निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी;
3. देशी निक्षेपागार, विदेशी अभिरक्षक बैंक भारत में इसके कार्यालय के पते सहित, मर्चेन्ट बैंककार, निर्गम का हामीदार, निर्गम का सलाहकार और अन्य कोई मध्यवर्ती जिसे भारतीय निक्षेपागार रसीद के निर्गम के संबंध में नियुक्त किया जा सकेगा, का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी;
4. विशेषज्ञों और काउंसल के नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी;
5. भारतीय निक्षेपागार रसीद के निर्गम के संबंध में अनुपालना अधिकारी का नाम, पता और संपर्क संबंधी जानकारी। अनुपालना अधिकारी को भारत में नियोजित होना चाहिए।
6. उन स्टॉक एक्सचेंजों के नाम, पते और संपर्क संबंधी जानकारी जहाँ भारतीय निक्षेपागार रसीद की सूचीबद्धता के लिए आवेदन किये जाते हैं या किये जाने का प्रस्ताव है;
7. बनावटी आवेदनों के लिए दंड से संबंधित उपबंधों के बारे में प्रकटीकरण;
8. अधिक अभिदान के प्रतिदाय के लिए कथन।
9. कथन कि यदि सार्वजनिक निर्गम के बंद होने से 15/30 दिनों के भीतर, यथास्थिति, आबंटन पत्रों / प्रतिदाय आदेशों को प्रेषित नहीं किया जाता है तो 15% प्रतिशत का ब्याज अदा किया जाएगा
10. निर्धारित अवधि में आबंटन पत्रों / प्रमाणपत्रों / भारतीय निक्षेपागार रसीद जारी करने के बारे में घोषणा;
11. निर्गम खुलने की तारीख;
12. निर्गम बंद होने की तारीख;

13. निर्गम की पद्धति और प्रत्याशित समयसारणी;
14. कथन कि निर्गम का अभिदान कम से कम 3 कार्यदिवसों के लिए और अधिक से अधिक 10 कार्यदिवसों के लिए खुला रखा जायेगा;
15. निर्गम के बंद होने की पूर्वतम तारीख;
16. हामीदारों की संबंधित बाध्यताओं के निर्वहन में ऐसा करना अपेक्षित होने के मामले में उनके संसाधनों की पर्याप्तता के संबंध में सर्वोच्च बैंककार द्वारा घोषणा;
17. निर्गमकर्ता द्वारा कथन कि भारतीय निक्षेपागार रसीद के निर्गम से प्राप्त सभी धनराशियों को पृथक् देशी बैंक खाते में अंतरित किया जायेगा, बैंक का नाम और पता तथा उस खाते का स्वरूप और संख्या जिसमें राशि जमा की जायेगी;
18. प्रॉस्पेक्टस और प्रपत्रों की उपलब्धता संबंधी ब्यौरे, अर्थात् तारीख, समय, स्थान इत्यादि;
19. भारतीय निक्षेपागार रसीद के निर्गम के लिए राशि और भुगतान की रीति
20. विनिधानकर्ता शिकायतें और समाधान प्रणाली पर प्रकटीकरण:
21. यह कि कंपनी भारतीय निक्षेपागार रसीद के लिए आवेदनों के शिकायत के संबंध में स्वयं को उन भारतीय न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र जिनके अधिकार क्षेत्र में वह स्थान है जहाँ स्टॉक एक्सचेंज स्थित है के अधीन रखने का वचन देती है

II. निर्गमकर्ता की पूँजी संरचना

निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत किये जाएँ

1. प्राधिकृत, निर्गमित, अभिदत्त और संदत्त पूँजी (लिखतों की संख्या, प्रकार, कुल अभिहित मूल्य)
2. वर्तमान निर्गम का आकार
3. संदत्त पूँजी
 - निर्गम से पूर्व;
 - निर्गम के पश्चात् (यदि भारतीय निक्षेपागार रसीद निर्गम में नये इक्विटी शेयरों का निर्गम अंतर्वर्तित है); और
 - शेयर प्रीमियम खाता (निर्गम से पूर्व और के पश्चात्)
4. पूँजी संरचना के प्रति विस्तृत टिप्पणियाँ

III. वर्तमान निर्गम संबंधी निबंधन

1. निर्गम के लिए प्राधिकार, भुगतान की शर्तें और प्रक्रिया तथा आबंटन एवं प्रमाणपत्र / धनवापसी आदेश जारी करने के लिए समय अनुसूची ।
2. सार्वजनिक निर्गमों के मामले में "आबंटन पत्रों / धनवापसी आदेशों के प्रेषण में विलंब की दशा में ब्याज" प्रकट होगा ।

IV. आवेदकों के लिए अनुदेश:

1. आवेदन कैसे करे, प्रॉस्पेक्टस की उपलब्धता, संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस और आवेदन प्रपत्र, भुगतान की रीति और बही निर्माण प्रक्रिया, यदि सुसंगत हो ।
2. आवेदन प्ररूप में, राष्ट्रीयता और निवासी हैसियत (रेजिडेंटशिप) से संबंधित घोषणा निम्नानुसार प्रमुखता से दर्शायी जायेगी:

"राष्ट्रीयता और निवासी हैसियत (जो लागू हो उस पर सही का चिह्न लगायें):

- i. मैं / हम भारत का / के नागरिक हूँ / हैं और मैं / हम भारत से बाहर निवास करनेवाले या विदेशी नागरिकतावाले किसी व्यक्ति के नामिती (नामितियों) के रूप में उक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन नहीं कर रहा हूँ / रहे हैं ।
- ii. मैं / हम भारत में निवास करनेवाला / करनेवाले भारतीय नागरिक हूँ / हैं और मैं / हम अ-प्रत्यावर्तन आधार पर नीचे उल्लिखित अनिवासी भारतीय (भारतीयों) के मुख्तारनामा धारक (धारकों) की हैसियत से उक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन कर रहा हूँ / रहे हैं ।
- iii. मैं / हम भारत से बाहर निवास कर रहा / रहे भारतीय नागरिक हूँ / हैं और मैं / हम अ-प्रत्यावर्तन आधार पर अपनी/हमारी ओर से उक्त इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन कर रहा हूँ / रहे हैं । "

3. आवेदन प्ररूप में निम्नलिखित के लिए आवश्यक अनुदेश / उपबंध अंतर्विष्ट होने चाहिए:

- i. आवेदकों को सार्वजनिक निर्गमों के शेयरों / डिबेंचरों के लिए आवेदनों के साथ प्रस्तुत लिखतों के दुरुपयोग से बचने के लिए लिखतों की दूसरी ओर आवेदन प्ररूप की संख्या का उल्लेख करने का निदेश दें ।
 - ii. बैंक खाता संख्या और उस बैंक का नाम जिसमें खाता धारित है से संबंधित ब्यौरे भरने के लिए आवेदन प्ररूप में प्रावधान ताकि इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन प्रणाली के माध्यम से प्रतिदाय आदेशों में कथित ब्यौरों का मुद्रण हो सके ।
 - iii. आवेदकों को आवेदन प्ररूप में स्थायी खाता संख्या प्रकट करने का अनुदेश, उस राशि का खयाल किये बिना जिसके लिए आवेदन किया गया है / बोली लगायी गयी है, इस अनुदेश के साथ कि स्थायी खाता संख्या के बिना आवेदन प्ररूप नामंजूर किया जायेगा ।
 - iv. स्थायी खाता संख्या / जीआइआर संख्या का प्रकटीकरण
 - v. अभिदत्त प्रतिभूतियों को प्राप्त करने के लिए विकल्पों के ब्यौरे, यदि कोई है, और कथन कि स्टॉक एक्सचेंजों में प्रतिभूतियों में कागजी रूप में व्यापार केवल बोर्ड द्वारा समय समय पर विहित सीमाओं के अध्यक्षीन ही उपलब्ध होगा ।
4. निर्गमकर्ता और इसके शेयरधारकों के लिए विशेष कर लाभ (केवल आयकर अधिनियम की धारा संख्या और उनके सार का उल्लेख किया जाना चाहिए, धारा का पाठ पुनःप्रस्तुत किये बिना)
5. भारतीय निक्षेपागार रसीद में विनिधान पर प्रतिबंध / भारतीय निक्षेपागार रसीद की समरूपता

IV. निर्गम के ब्यौरे

1. निर्गम के उद्देश्य
2. परियोजना लागत
3. वित्तपोषण के साधन
4. मूल्यांकक एजेंसी का नाम, यदि कोई हो
5. अनुश्रवणकर्ता एजेंसी का नाम, यदि कोई हो

VI. भारतीय निक्षेपागार रसीद का वर्णन और आइडीआर धारकों के अधिकार

- 1 भारतीय निक्षेपागार रसीद का संक्षिप्त वर्णन
- 2 लाभांश, अन्य संवितरण और भारतीय निक्षेपागार रसीद धारकों के अधिकार
- 3 भारतीय निक्षेपागार रसीद धारकों के मताधिकार और उनके द्वारा पालन की जानेवाली रीति, यदि कोई हो
- 4 रिकार्ड की तारीखें और इन्हें कैसे प्रकट किया जायेगा
- 5 रिपोर्ट और अन्य संसूचनाएँ जिसके प्रति भारतीय निक्षेपागार रसीद धारक हकदार होंगे
- 6 भारतीय निक्षेपागार रसीद की शेयरों में परिवर्तन की प्रक्रिया
- 7 भारतीय निक्षेपागार रसीद और उनमें संव्यवहार के विभिन्न पहलू से संबंधित शासी विधि

VII. कंपनी, प्रबंधतंत्र और परियोजना

1. कंपनी का इतिवृत्त और मुख्य उद्देश्य तथा वर्तमान कारबार
2. संप्रवर्तक / नियंत्रक शेयरधारक और उनकी पृष्ठभूमि
3. प्रबंधक, प्रबंध निदेशक, और अन्य निदेशकों (नामिती-निदेशकों और पूर्णकालिक निदेशकों सहित) के नाम, पते और व्यवसाय, दूसरी कंपनियों में उनके निदेशक पद की जानकारी देते हुए
4. परियोजना का अवस्थान
5. संयंत्र, मशीन, तकनीक, प्रक्रिया इत्यादि
6. सहयोग (कॉलेबोरेशन), सहयोगियों (कॉलेबॉरेटर्स) द्वारा कार्यनिष्पादन संबंधी कोई गारंटी या विपणन में सहायता
7. कच्चे माल और सुविधाओं जैसे पानी, बिजली इत्यादि के लिए अवसंरचना
8. परियोजना के कार्यान्वयन की समयसूची और अब तक की गयी प्रगति, भूमि अर्जन, सिविल कार्य, संयंत्र और मशीनरी स्थापना, परीक्षण-उत्पाद (ट्रायल प्रोडक्ट), वाणिज्यिक उत्पाद की तारीख इत्यादि ब्यौरे देते हुए
9. उत्पादों / सेवाओं का स्वरूप और अंतिम उपयोगकर्ता
10. उत्पाद की विद्यमान, लाइसेंसीकृत और स्थापित क्षमता, उत्पाद की मौजूदा और आनेवाले वर्षों में अनुमानित माँग, जैसा कि सरकारी प्राधिकरण द्वारा या किसी अन्य विश्वसनीय संस्थान द्वारा अनुमान किया जाए, जानकारी का स्रोत देते हुए। यदि कंपनी सेवा प्रदाता है तो सेवाओं के स्वरूप/विस्तार इत्यादि से सुसंगत जानकारी प्रस्तुत की जानी है।
11. विपणन के प्रति दृष्टिकोण और प्रस्तावित विपणन ढाँचा
12. निर्यात संभावनाएँ और निर्यात बाध्यताएँ, यदि कोई हो
13. स्टॉक बाजार आँकड़ा : निम्नलिखित के ब्यौरे प्रकट करें:-
 - क. प्रॉस्पेक्टस जारी करने के वर्ष से पहले कैलेंडर वर्ष से पहले के अंतिम तीन कैलेंडर वर्षों के प्रत्येक तिमाही के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
 - ख. प्रॉस्पेक्टस जारी करने के वर्ष से पहले के कैलेंडर वर्ष के प्रत्येक माह के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
 - ग. प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले के माह के लिए शेयरों की बाजार कीमत (उच्च, निम्न, औसत दैनिक व्यापार परिमाण)
 - घ. प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले महीने के अंतिम दिवस को खुलने और बंद होने की कीमत, परिमाण के साथ।

- इ. यदि प्रतिभूतियाँ एक से अधिक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं तो उपर्युक्त जानकारी एक्सचेंजवार उपलब्ध करायी जानी चाहिए।
- च. इस जानकारी को प्रॉस्पेक्टस की तारीख से पहले उपलब्ध अंतिम तारीख को अद्यतन किया जाना चाहिए।
- छ. यदि यह भारतीय निक्षेपागार रसीद का अतिरिक्त निर्गम है जो भारत में पहले से ही सूचीबद्ध है, तो ऐसे आइडीआर के लिए भी उपर्युक्त जानकारी दी जानी चाहिए।

VIII. निर्गमकर्ता की समनुषंगियों और सहयुक्तों के बारे में ब्यौरे

निर्गमकर्ता की समनुषंगियों और सहयुक्तों के बारे में लेखापरीक्षित विवरणों पर आधारित पिछले तीन सालों के लिए निम्नलिखित जानकारी:

1. निगमन की तारीख
2. क्रियाकलापों का स्वरूप
3. इक्विटी पूँजी
4. आरक्षितियाँ (पुनर्मूल्यांकन आरक्षिति को छोड़कर)
5. विक्रय
6. करोपरांत लाभ
7. प्रति शेयर उपार्जन और
8. शुद्ध आस्ति मूल्य

IX. निर्गम कीमत का आधार

1. पिछले तीन सालों के लिए निर्गम-पूर्व उपार्जन प्रति शेयर अर्थात् ईपीएस (पूँजी में परिवर्तनों के लिए यथासमायोजित)
2. निर्गम-पूर्व कीमत/उपार्जन
3. अंतिम तीन वर्षों में शुद्ध मालियत पर औसत प्रतिफल
4. निर्गम-पूर्व ईपीएस बनाये रखने के लिए अपेक्षित वर्धित शुद्ध मालियत न्यूनतम प्रतिफल
5. अंतिम तुलनपत्र के आधार पर शुद्ध आस्ति मूल्य प्रति शेयर
6. निर्गम के पश्चात् शुद्ध आस्ति मूल्य प्रति शेयर और निर्गम कीमत से उसकी तुलना
7. ऊपर उल्लिखित अनुसार निर्गमकर्ता के सभी लेखा अनुपातों की उद्योग औसत और समतुल्य समूह (अर्थात् उसी उद्योग की तुलनीय आकार की कंपनियाँ) के लेखा अनुपातों से तुलना (वह स्रोत सूचित किया जाना चाहिए जहाँ से उद्योग औसत और समतुल्य समूह के लेखा अनुपात लिये गये हैं)।

परंतु यह कि संभावित (प्रोजेक्टेड) उपार्जन का प्रॉस्पेक्टस में निर्गम कीमत के लिए औचित्य के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जायेगा।

परंतु यह और कि निर्गम कीमत के आधार के समर्थन में प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किये गये लेखा अनुपातों की गणना अनिवार्य संपरिवर्तन शेष के कारण पूँजी में परिणामी वृद्धि को

प्रभावशील करते हुए और इस अनुमान पर की जायेगी कि अतिरिक्त पूँजी के लिए अभिदान हेतु शेष विकल्पों, यदि कोई हो का प्रयोग किया जायेगा।

8. शेयरों का (अंकित मूल्य के "X" गुना होनेवाली निर्गम कीमत के बारे में कथन सहित) और आइडीआरएस का भी अंकित मूल्य। एकल भारतीय निक्षेपागार रसीद संबद्ध (अंडरलाइंग) कुल इक्विटी शेयरों का सकल अंकित मूल्य भी दिया जायेगा।
- X. विद्यमान तात्त्विक मुकदमे और व्यतिक्रम (संक्षिप्त सारणीबद्ध रूप में)
निर्गमकर्ता, इसके संप्रवर्तकों / नियंत्रक शेयरधारकों / निदेशकों और इसकी समनुषंगियों और सहयुक्तों के महत्त्वपूर्ण मुकदमे / देयताएँ जिनमें बकाया राशियाँ / संभाव्य देयताएँ सम्मिलित हैं।
- XI. महत्त्वपूर्ण उद्घटनाएँ :
नवीनतम तुलनपत्र की तारीख के पश्चात् कोई महत्त्वपूर्ण उद्घटना और कंपनी के कार्यनिष्पाद तथा भविष्य पर इसका प्रभाव
- XII. अभिप्राप्त विशेषज्ञ की राय, यदि कोई हो
- XIV. पिछले तीन सालों के दौरान निदेशकों और लेखापरीक्षकों में परिवर्तन, यदि कोई हो और उसके कारण
- XV. महत्त्वपूर्ण संविदाओं के निरीक्षण का समय और स्थान (महत्त्वपूर्ण संविदाओं की सूची अपेक्षित नहीं है)
- XVI. पिछले तीन सालों के लिए निर्गमकर्ता के वित्तीय कार्यनिष्पादन (आँकड़े लेखापरीक्षित वार्षिक लेखों से सारणीबद्ध रूप में लिये जाएँ)
 - (i) तुलन पत्र आँकड़ा : इक्विटी पूँजी, आरक्षित (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित, पुनर्मूल्यांकन का वर्ष और आस्तियों पर इसके मौद्रिक प्रभाव का कथन करें) तथा उधार
 - (ii) लाभ और हानि आँकड़ा : विक्रय, सकल लाभ, शुद्ध लाभ, संदत्त लाभांश, यदि कोई हो
 - (iii) पिछले तीन सालों के दौरान लेखा नीतियों में कोई परिवर्तन और निर्गमकर्ता के लाभों तथा आरक्षितियों पर उनका प्रभाव
 - (iv) लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट से उद्धृत निम्नलिखित जानकारी मुख्य प्रॉस्पेक्टस में पुनःप्रस्तुत की जाए:
 - क. असाधारण मदों के लिए लेखांकन से पहले शुद्ध लाभ
 - ख. असाधारण मदें
 - ग. असाधारण मदों के लिए लेखांकन के पश्चात् शुद्ध लाभ
- XVII. लेखों पर प्रबंध तंत्र की चर्चाएँ और विश्लेषण

XVIII. संप्रवर्तकों / नियंत्रक शेयरधारकों के सूचीबद्ध उद्यम

XIX. निवेशक शिकायत और समाधान प्रणाली पर प्रकटीकरण

XX. न्यूनतम अभिदान खंड के बारे में कथन:

- (क) हामीदारी रहित भारतीय निक्षेपागार रसीद निर्गमों के लिए निम्नलिखित कथन प्रकट किया जायेगा :

यदि निर्गमकर्ता कंपनी निर्गम के बंद होने की तारीख को प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव के 90 प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं करती है, या निर्गम बंद होने के बाद चेकों के अदत्त होकर वापस लौट आने या आवेदनों को वापस लेने के कारण अभिदान का स्तर 90 प्रतिशत से कम हो जाता है, तो निर्गमकर्ता कंपनी प्राप्त संपूर्ण अभिदान रकम को तत्काल लौटायेगी। निर्गमकर्ता कंपनी वचन देती है कि यदि यह निर्गमकर्ता कंपनी के राशि अदा करने के लिए दायी हो जाने के बाद 8 दिनों के भीतर संपूर्ण अभिदान राशि लौटाने में असफल रहती है तो यह अभिदाताओं को विलंब की अवधि के लिए प्रति वर्ष 15 प्रतिशत की दर से ब्याज अदा करेगी।

- (ख) हामीदारी किये गये भारतीय निक्षेपागार रसीद निर्गमों के लिए निम्नलिखित कथन प्रकट होगा:

"यदि निर्गमकर्ता कंपनी प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्ताव के 90 प्रतिशत का न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं करती है जिसमें निर्गम के बंद होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर हामीदारों का न्यागमन भी शामिल है, निर्गमकर्ता कंपनी प्राप्त संपूर्ण अभिदान रकम को तत्काल लौटायेगी। निर्गमकर्ता कंपनी वचन देती है कि यदि यह निर्गमकर्ता कंपनी के रकम अदा करने के लिए दायी हो जाने के बाद 8 दिनों के भीतर संपूर्ण अभिदान रकम लौटाने में असफल रहती है तो यह अभिदाताओं को विलंब की अवधि के लिए प्रति वर्ष 15 प्रतिशत की दर से ब्याज अदा करेगी। कराधान विधि, कर संधियों के सुसंगत उपबंधों और भारतीय निक्षेपागार रसीद धारकों पर उनके प्रभाव से संबंधित जानकारी

XXI. देशी निक्षेपागार, विदेशी अभिरक्षक बैंक और निक्षेपागार करारनामे के संक्षिप्त ब्यौरे

XXII. निर्गम के लिए अपने देश में अपेक्षित कानूनी और विनियामक अनुमोदनों से संबंधित जानकारी और संबंधित पहलू तथा उनकी प्रास्थिति, और भारतीय विनियामक प्राधिकरणों से अनुमोदन

XXIII. प्रॉस्पेक्टस के हस्ताक्षरकर्ता

भाग-ग

[विनियम 101 (6) देखें]

भारतीय निक्षेपागार रसीदों के निर्गमों के लिए अग्रणी प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा दाखिल किये जाने वाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का फॉर्मेट

प्रति,

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रिय महोदय,

विषय: _____ (इसमें इसके पश्चात् "निर्गमकर्ता कंपनी" के रूप में निर्दिष्ट) द्वारा
 _____ का निर्गम (इसमें इसके पश्चात् "भारतीय निक्षेपागार रसीदों" के रूप में निर्दिष्ट)

हमें (अधोलिखित) निर्गमकर्ता कंपनी द्वारा भारतीय निक्षेपागार रसीदों के प्रस्तावित निर्गम के मर्चेट बैंककार (इसमें इसके पश्चात् "अग्रणी मर्चेट बैंककार" के रूप में निर्दिष्ट) के रूप नियुक्त किया गया है और हम निम्नानुसार कथन करते हैं:

1. प्रारूप प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस को कंपनी (भारतीय निक्षेपागार रसीदों का निर्गमन) नियम, 2004 (इसमें इसके पश्चात् "भारतीय निक्षेपागार रसीदों संबंधी नियमों" के रूप में निर्दिष्ट) के साथ पठित, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 (इसमें इसके पश्चात् "विनियमों" के रूप में निर्दिष्ट) या उसके किसी कानूनी उपांतर या उसकी पुनःअधिनियमिति का अनुपालन करते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् "बोर्ड" के रूप में विनिर्दिष्ट) के पास, सार्वजनिक आधार पर, अनुमोदन के लिए दाखिल किया जा रहा है।
2. हमने निर्गमकर्ता द्वारा उन देशों, जहाँ इसके अंडरलाइंग इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हैं में किये गये प्रकटीकरणों की जाँच-पड़ताल कर ली है, ताकि विनियमन करने वाले विभिन्न देशों में विनिधानकर्ताओं के बीच बाँटी गयी जानकारी (इसमें इसके पश्चात् 'सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी' के रूप में निर्दिष्ट) की एकरूपता और समानता सुनिश्चित हो सके और हमने प्रारूप प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में निर्गमकर्ता कंपनी संबंधी प्रकटीकरणों को तैयार करने के प्रयोजनार्थ निर्गमकर्ता कंपनी के वरिष्ठ प्रबंध मंडल के साथ चर्चाओं में भाग लिया है।
3. हमने उक्त निर्गम से संबंधित प्रारूप प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस को अंतिम रूप दिये जाने के संबंध में, विभिन्न दस्तावेजों (खासकर उन दस्तावेजों को जो इसके संलग्नक में निर्दिष्ट हैं) की जाँच-पड़ताल कर ली है।
4. ऐसी जाँच-पड़ताल और निर्गमकर्ता कंपनी, इसके निदेशकों तथा अन्य अधिकारियों तथा अन्य स्वतंत्र एजेंसियों / विशेषज्ञों के साथ हुई चर्चाओं / रिपोर्टों के आधार पर हम यह पुष्टि करते हैं कि: (क) बोर्ड को भेजा गया प्रारूप प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी और निर्गमकर्ता कंपनी के वरिष्ठ प्रबंध मंडल द्वारा किये गये अभ्यावेदनों पर आधारित जानकारी के अनुरूप है;

(ख) भारतीय निक्षेपागार रसीदों संबंधी नियमों और विनियमों तथा इस बारे में बोर्ड, सरकार तथा किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा बनायी गयी अन्य संबंधित विधियों के अधीन उल्लिखित अपेक्षाओं का सम्यक् रूप से अनुपालन किया गया है; और

(ग) सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी और निर्गमकर्ता कंपनी के वरिष्ठ प्रबंध मंडल द्वारा किये गये अभ्यावेदनों के आधार पर, प्रारूप प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में किये गये प्रकटीकरण सत्य रूप में प्रमाणित हैं और पर्याप्त हैं, ताकि विनिधानकर्ता (निवेशक) प्रस्तावित निर्गम में विनिधान (निवेश) के विषय में सोच-समझकर निर्णय लेने में समर्थ हो सकें।

5. हम यह पुष्टि करते हैं कि हमारे अलावा, प्रारूप प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में उल्लिखित अन्य सभी मध्यवर्ती, [] के सिवाय, बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हैं और यह कि आज की तारीख तक ऐसा रजिस्ट्रीकरण विधिमान्य है।
6. हमने हामीदारी प्रतिबद्धताएँ पूरी किये जाने संबंधी हामीदारों की योग्यता के बारे में अपना समाधान कर लिया है।
7. हम यह प्रमाणित करते हैं कि निर्गमकर्ता कंपनी के प्रस्तावित क्रियाकलाप, जिनके लिए वर्तमान निर्गम में निधियाँ जुटायी जा रही हैं, निर्गमकर्ता कंपनी के संगम ज्ञापन या अन्य चार्टर के उद्देश्य खंड में सूचीगत "मुख्य उद्देश्यों" के भीतर आते हैं, और यह कि जो क्रियाकलाप अब तक किये गये हैं वे इसके संगम ज्ञापन के उद्देश्य खंड के अनुसार विधिमान्य हैं।
8. हम यह पुष्टि करते हैं कि यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक इंतजाम कर लिये गये हैं कि निर्गम के अनुसरण में प्राप्त धनराशियाँ पृथक् बैंक खाते में रखी जाती हैं और यह कि ऐसी धनराशियाँ उक्त बैंक द्वारा तभी सौंपी जायेंगी, जब प्रॉस्पेक्टस में उल्लिखित सभी स्टॉक एक्सचेंजों से भारतीय निक्षेपागार रसीदों की सूचीबद्धता के लिए अनुमति प्राप्त कर ली जाये। हम यह भी पुष्टि करते हैं कि निर्गम बैंककारों और निर्गमकर्ता कंपनी के बीच किये गये करारनामे में इस शर्त का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है।
9. हम यह प्रमाणित करते हैं कि निर्गमकर्ता कंपनी या संप्रवर्तकों द्वारा, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी व्यक्ति जो निर्गम के पक्के आबंटन के जरिये प्रतिभूतियाँ प्राप्त करता है, छूट (डिस्काउंट), कमीशन, भत्ते के स्वरूप में या अन्य प्रकार से कोई भुगतान नहीं किया जायेगा।
10. हम यह प्रमाणित करते हैं कि प्रॉस्पेक्टस में यह प्रकटीकरण कर दिया गया है कि विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को यह विकल्प दिया जायेगा कि वे भारतीय निक्षेपागार रसीदें या तो गैरकागजी रूप में प्राप्त करें या कागजी रूप में।
11. हम यह प्रमाणित करते हैं कि प्रारूप प्रॉस्पेक्टस में निम्नलिखित प्रकटीकरण किये गये हैं:
 (क) निर्गमकर्ता कंपनी से यह वचन कि दिये गये किसी भी नियत समय में निर्गमकर्ता कंपनी की भारतीय निक्षेपागार रसीदों के लिए केवल एक अंकित मूल्य होगा और
 (ख) निर्गमकर्ता कंपनी से यह वचन कि यह बोर्ड द्वारा समय समय पर विनिर्दिष्ट ऐसे प्रकटीकरणों तथा लेखा मानकों का अनुपालन करेगी।
12. हम यह पुष्टि करते हैं कि प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस / प्रॉस्पेक्टस में उल्लिखित मध्यवर्तियों में से किसी मध्यवर्ती को भी किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा कार्य करने से विवर्जित नहीं किया गया है।
13. हम यह पुष्टि करते हैं कि निर्गमकर्ता कंपनी के बारे में समस्त महत्वपूर्ण प्रकटीकरण प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस / प्रॉस्पेक्टस में कर दिये गये हैं और यह प्रमाणित करते हैं कि निर्गमकर्ता कंपनी

में या निर्गम से संबंधित कोई महत्वपूर्ण उद्घटना, इस निर्गम के माध्यम से प्रस्तावित भारतीय निक्षेपागार रसीदों की सूचीबद्धता और व्यापार के प्रारंभ तक, उन सभी समाचारपत्रों में सार्वजनिक सूचनाओं / विज्ञापनों के माध्यम से सूचित की जायेगी जिनमें निर्गम से पूर्व विज्ञापन और निर्गम खुलने या बंद होने संबंधी विज्ञापन दिये गये हैं।

14. हम यह पुष्टि करते हैं कि संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस में विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट समस्त प्रकटीकरणों का उल्लेख है।
15. हम यह पुष्टि करते हैं कि निर्गमकर्ता कंपनी की भारतीय निक्षेपागार रसीदों की गैरकागजी रूपी प्रक्रिया के लिए दोनों निक्षेपागारों के साथ करार किये गये हैं।

स्थान:

निर्गम का (के) अग्रणी मर्चेट बैंककार, उसकी/ उनकी मुहर (मुहरों) सहित

तारीख:

_____ द्वारा _____ के निर्गम के लिए
सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र का संलग्नक

1. निर्गमकर्ता कंपनी का संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद।
2. परियोजना के कार्यान्वयन के लिए सरकारी, कानूनी, नगरपालिका प्राधिकारियों इत्यादि से आवश्यक अनुमति, जहाँ लागू हो।
3. संप्रवर्तकों के पिछले रिकार्ड (ट्रैक रिकॉर्ड) एवं अनुभव तथा उनकी वृत्तिक क्षमता के समर्थन में दस्तावेज।
4. स्टॉक एक्सचेंजों में विद्यमान प्रतिभूतियों के लिए निर्गमकर्ता कंपनी का सूचीबद्धता करारनामा।
5. निर्गमकर्ता कंपनी के लेखापरीक्षकों, निर्गम बैंककारों, निर्गमकर्ता कंपनी के बैंककारों, अग्रणी मर्चेट बैंककारों, दलालों और जहाँ लागू हो, वहाँ प्रस्तावित न्यासियों से सहमति पत्र।
6. निर्गमकर्ता कंपनी द्वारा निर्गम के उद्देश्य के अनुसार वित्तीय सहायता के लिए वित्तीय संस्थाओं / बैंकों को किये गये आवेदन और संबंधित मंजूरी-पत्रों की प्रतियाँ।
7. निर्गम के प्रस्तावित हामीदारों से हामीदारी पत्र।
8. संबंधित कालावधियों के लिए निर्गमकर्ता कंपनी / संप्रवर्तक कंपनियों के लेखापरीक्षित तुलनपत्र।
9. निर्गमकर्ता कंपनी, शेयरधारकों और डिबेंचर धारकों को उपलब्ध कर-लाभों के संबंध में लेखापरीक्षकों का प्रमाणपत्र।
10. निर्गमकर्ता कंपनी द्वारा प्रस्तुत की गयी परियोजना की कार्यान्वयन अनुसूची के संबंध में वास्तुविदों या किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी से प्रमाणपत्र, यदि लागू हो।
11. उत्पाद की बाजार माँग और आपूर्ति, उद्योग के परिदृश्य, विदेशी सहयोगियों की अवस्थिति इत्यादि के संबंध में सरकारी एजेंसियों / विशेषज्ञ एजेंसियों / परामर्शदाताओं / निर्गमकर्ता कंपनी से रिपोर्टें।
12. बुनियादी (अवसंरचना) सुविधाओं, कच्चे माल की उपलब्धता, इत्यादि के समर्थन में दस्तावेज।
13. उस कालावधि के लिए लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट, जिसके लिए लेखों को प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जाता है, निर्गमकर्ता कंपनी के लेखापरीक्षित लेखों का सारांश दर्शाते हुए और निर्गमकर्ता कंपनी की समनुषंगियों (सब्सीडियरीज) के लेखापरीक्षित लेखों का सारांश दर्शाते हुए भी।

14. पिछले 3 सालों के स्टॉक एक्सचेंज भाव, नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित।
15. उन मामलों हेतु निर्गमकर्ता कंपनी की साधारण निकाय की बैठकों और बोर्ड की बैठकों के कार्यवृत्त जिनका उल्लेख प्रॉस्पेक्टस में है।
16. सरकारी मूल्यांकक या किसी अन्य अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा दिया गया निर्गमकर्ता कंपनी की आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन प्रमाणपत्र।
17. प्रॉस्पेक्टस के कानूनी उपबंधों के अनुपालन के संबंध में निर्गमकर्ता कंपनी के सॉलिसिटर्स से प्रमाणपत्र।
18. निर्गमकर्ता कंपनी के विधिक काउंसल, जो इसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के स्थान पर कार्यरत हो, से यह पुष्टि करते हुए प्रमाणपत्र कि विधिक काउंसल ने प्रॉस्पेक्टस की अनिवार्य जाँच कर ली है।
19. एक विस्तृत जाँच-सूची, जिसके अंतर्गत विनियमों के प्रत्येक लागू विनियम के संबंध में अनुपालना को इंगित किया जाये।

स्थान: निर्गम का (के) अग्रणी मर्चेट बैंककार, उसकी/ उनकी मुहर (मुहरों) सहित
 तारीख: "

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009

अनुसूची XX
 [विनियम 110 देखें]

अन्य विनियमों में संशोधन

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993 का संशोधन

(i) विनियम 15 में, उप-विनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(1क) डिबेंचर न्यासी :

(क) परियोजना (प्रोजेक्ट) की प्रगति के संबंध में अग्रणी बैंक से रिपोर्टें अभिप्राप्त करेगा ;

(ख) निर्गम में जुटायी गयी निधियों के उपयोग का अनुश्रवण करेगा ;

(ग) निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षकों से प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा:

(i) परियोजना की कार्यान्वयन कालावधि के दौरान निधियों के उपयोग के बारे में;

(ii) कार्यशील पूँजी (वर्किंग कैपिटल) का वित्तपोषण करने के लिए निर्गमित डिबेंचरों के मामले में, प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में।

(ii) डिबेंचर न्यासी डिबेंचरों और डिबेंचर मोचन आरक्षिति के लिए प्रतिभूति के सृजन संबंधी शर्तों के कार्यान्वयन का पर्यवेक्षण करेगा, जहाँ भी लागू हो।

2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 में संशोधन

- (i) विनियम 9 में, उप-विनियम (1क) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-
 “(1ख) उप-विनियम (1) के अधीन नवीकरण के लिए आवेदन के साथ उन परिवर्तनों के ब्यौरे संलग्न होंगे जो उस जानकारी में हुए हैं जिसे, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकरण या पिछले नवीकरण की माँग करते समय बोर्ड को प्रस्तुत किया गया था और यह कथन करते हुए घोषणा कि ऐसे ब्यौरों में यथा उल्लिखित परिवर्तनों से भिन्न कोई भी परिवर्तन नहीं हुए हैं।”
- (ii) विनियम 18 का लोप हो जायेगा।
- (iii) विनियम 20 में, उप-विनियम (2) का लोप हो जायेगा।
- (iv) विनियम 21 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-
 “21क. मर्चेन्ट बैंककार का ऐसी हैसियत से सहयुक्त के लिए कार्य न करना
 (1) मर्चेन्ट बैंककार किसी निर्गम का अग्रणी प्रबंध नहीं करेगा या बोर्ड द्वारा बनाये गये विनियमों में से किसी विनियम के अधीन किये गये किसी क्रियाकलाप से सहयुक्त नहीं होगा, यदि वह प्रतिभूतियों के निर्गमकर्ता का या बोर्ड द्वारा बनाये गये विनियमों में से किसी विनियम के निबंधनों के अनुसार प्रतिभूतियों के विक्रय या क्रय का प्रस्ताव करने वाले किसी व्यक्ति का संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त है :
 परंतु यह कि मर्चेन्ट बैंककार जो ऐसे निर्गमकर्ता या व्यक्ति का सहयुक्त है को नियुक्त किया जा सकेगा, यदि वह केवल निर्गम या प्रस्ताव के विपणन में अंतर्वलित है ;
 स्पष्टीकरण: इस विनियम के प्रयोजनों के लिए, मर्चेन्ट बैंककार को “निर्गमकर्ता या व्यक्ति का सहयुक्त” समझा जायेगा यदि :
 (i) उनमें से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः इसकी सहयोगी या नियंत्री (होल्टिंग) कंपनी के माध्यम से, अन्य में कम से कम पंद्रह प्रतिशत मताधिकारों का नियंत्रण रखता है ; या
 (ii) उनमें से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, इसके स्वयं द्वारा या अन्य व्यक्तियों के संयोजन से, अन्य पर नियंत्रण रखता है ; या
 (iii) निर्गमकर्ता, इसकी समनुषंगी या नियंत्री कंपनी और मर्चेन्ट बैंककार में एक सामान्य निदेशक है, नामनिर्देशिनी (नॉमिनी) निदेशक को छोड़कर।
- (v) विनियम 23, 24, 24क और 24ख का लोप हो जायेगा ;
- (vi) विनियम 28 को “28.(1)” के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जायेगा और पुनःसंख्यांकित उप-विनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(2) मर्चेट बैंककार प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च और 30 सितम्बर को समाप्त होने वाली कालावधि के लिए अर्धवार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, अनुसूची IV में विनिर्दिष्ट फार्मेट में, कालावधि की समाप्ति से तीन महीनों के भीतर, जिससे यह संबंधित है।”

(vii) अनुसूची I में, प्ररूप ग का लोप हो जायेगा :

(viii) अनुसूची IV को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“अनुसूची IV
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेट बैंककार) विनियम, 1992
[विनियम 28 (2)]

मर्चेट बैंककारों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अर्धवार्षिक रिपोर्ट के लिए फार्मेट

(सितम्बर / मार्च, 20__ को समाप्त होने वाली कालावधि के लिए)

1. नाम / रजिस्ट्रीकरण का प्रवर्ग
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड की रजिस्ट्रीकरण सं.
3. अनुपालन अधिकारी का नाम
4. पिछली बार प्रस्तुत की गयी रिपोर्ट के बाद से, शाखा कार्यालयों के पते आदि में कुछ जुड़ जाना / कुछ हट जाना / परिवर्तन हो जाना
5. संगठन की संरचना (प्राइवेट लिमिटेड, पब्लिक लिमिटेड, भागीदारी, विलयन (मर्जर), अर्जन इत्यादि) में परिवर्तन, यदि कोई हो
6. पिछली रिपोर्ट के बाद से, निदेशकपद में परिवर्तन, यदि कोई हो

नाम	प्रवेश/सेवानिवृत्ति/पदत्याग	कारण	प्रभावी	अर्हता	तारीख	संक्षिप्त अनुभव	कंपनी में शेयर
(प्रवेश के मामले में)							

7. पिछली रिपोर्ट के बाद से (पहली रिपोर्ट के मामले में रजिस्ट्रीकरण प्रदान करने के बाद से) मूल प्रबंध कार्मिक में परिवर्तन

नाम	नियुक्ति / रजिस्ट्रीकरण / समाप्ति की तारीख	अर्हता	अनुभव

8. सहयोगी संस्थाओं में परिवर्तन (किसी भी तरह का)

कंपनी / फर्म का नाम	परिवर्तन का स्वरूप	संभाले गये क्रियाकलाप	मर्चेट बैंककार से हित का स्वरूप

9. किये गये नये क्रियाकलाप / किसी विद्यमान क्रियाकलाप को बंद करना

क्रियाकलाप	कब आरंभ किया / कब बंद किया	नये क्रियाकलापों का उद्देश्य / बंद करने के कारण
------------	-------------------------------	---

10. सभी लंबित मुकदमों, जिनमें मर्चेट बैंककार शामिल हैं, के ब्यौरे

11. निर्गम प्रबंधन संबंधी क्रियाकलाप (यदि अपेक्षित हो तो पृथक् पन्ना संलग्न करें):

निर्गमकर्ता कंपनियों का नाम	निर्गम का प्रकार (सार्वजनिक / साधिकार / संयुक्त)	लिखत
-----------------------------	---	------

प्रस्ताव राशि (लाख रु. में)	निर्गम कीमत/ संपरिवर्तन कीमत	निर्गम खुलने की तारीख
--------------------------------	---------------------------------	-----------------------

निर्गम बंद होने की तारीख	कितनी बार अति-अभिदत्त हुआ	कार्यात्मक जिम्मेदारी
--------------------------	---------------------------	-----------------------

स्टॉक एक्सचेंज जहाँ लिखतें सूचीबद्ध की जानी थीं	सूचीबद्धता में देरी के कारण	संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों में व्यापार की पहली तारीख
--	-----------------------------	---

संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों में आरंभिक व्यापार कीमत	वर्तमान बाजार कीमत	टिप्पणियाँ
---	--------------------	------------

12. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा लगायी गयी शास्ति (पेनल्टी) / दी गयी चेतावनी, यदि कोई हो

13. हामीदारी क्रियाकलाप

13.1 उन निर्गमों की कुल संख्या जिनकी हामीदारी कालावधि के दौरान की गयी

13.2 कालावधि के दौरान हामीदारी की कुल रकम (लाख रु. में)

13.3 कालावधि की समाप्ति पर हामीदारी की बकाया प्रतिबद्धता (लाख रु. में)

13.4 विवादग्रस्त / न्यागमन किये गये मामलों के ब्यौरे

क्र.सं. निर्गमकर्ता का नाम लिखत हमीदारी की रकम (लाख रु. में) न्यायन की रकम (लाख रु. में)

न्यायन किया गया है / नहीं

यदि नहीं किया गया, तो उसके कारण और विवाद कैसे निपटाया गया

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा लगायी गयी शास्ति / चेतावनी

14. विनिधानकर्ता शिकायतों को दूर किया जाना

14.1 विनिधानकर्ता शिकायतों को दूर किये जाने संबंधी (संक्षिप्त टिप्पणी)

(i) कालावधि के दौरान प्राप्त विनिधानकर्ता शिकायतों की संख्या

(ii) शिकायतों का स्वरूप

(iii) दूर की गयी शिकायतों की संख्या

(iv) लंबित शिकायतों की संख्या

(v) सबसे पुरानी शिकायत की तारीख

15. वित्तीय जानकारी

पूँजी संरचना

समाप्त वर्ष
(लाख रु. में)

पिछला समाप्त वर्ष
(लाख रु. में)

i) समादत्त पूँजी

ii) खुली आरक्षितियाँ

iii) प्रतिभूत ऋण

iv) अप्रतिभूत ऋण

v) अन्य

कुल

i) स्थिर आस्तियाँ (शुद्ध ब्लॉक)

ii) लागत / बाजार कीमत, जो भी कम हो, पर उत्कथित विनिधान (निवेश)

iii) अनुत्कथित विनिधान

iv) चालू आस्तियाँ

v) विविध व्यय, जिसे बट्टे खाते नहीं डाला गया

vi) अन्य

कुल

(कृपया अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की प्रति अनुसूचियों के साथ संलग्न करें)

16. प्रमुख शेयरधारिता में परिवर्तन, यदि कोई हो (5% से अधिक)

शेयरधारक का नाम	विनिधान (निवेश) / विनिवेश	कुल समादत्त पूँजी का प्रतिशत
-----------------	---------------------------	------------------------------

17. 5% से अधिक धारण करने वाले प्रमुख शेयरधारकों के नाम

18. कालावधि के दौरान कोई पूँजी निर्गम (साधिकार या सार्वजनिक)। यदि हाँ, तो उसके ब्यौरे, विनिधानकर्ताओं से प्राप्त शिकायतों और उन्हें दूर किये जाने संबंधी स्थिति सहित।

19. कालावधि के दौरान मर्चेट बैंककार या उनके निदेशकों या प्रधान अधिकारी द्वारा किसी आर्थिक अपराध का अभ्यारोपण या किसी आर्थिक अपराध में लिप्तता, यदि कोई हो।

स्थान:

तारीख:

प्राधिकृत हस्ताक्षकर्ता

3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गम रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता) विनियम, 1993 में संशोधन

(i) विनियम 13क में, खंड (ख) के स्पष्टीकरण में, शब्द "निदेशक" के पश्चात् शब्द "या संप्रदर्शक" अंतःस्थापित किये जायेंगे।

सी. बी. भावे, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69-जेडबी/09-असा.]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**NOTIFICATION**

Mumbai, the 26th August, 2009

Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009

No. LAD-NRO/GN/2009-10/15/174471.—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations, namely :—

**CHAPTER I
PRELIMINARY**

Short title and commencement.

1. (1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Definitions.

2. (1) In these regulations, unless the context otherwise requires:

- (a) “Act” means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (b) “advertisement” includes notices, brochures, pamphlets, show cards, catalogues, hoardings, placards, posters, insertions in newspaper, cover pages of offer documents, pictures and films in any print media or electronic media, radio, television programme;
- (c) “anchor investor” means a qualified institutional buyer an application for a value of ten crore rupees or more in a public issue made through the book building process in accordance with these regulations;
- (d) “Application Supported by Blocked Amount (ASBA)” means an application for subscribing to a public issue or rights issue, along with an authorisation to Self Certified Syndicate Bank to block the application money in a bank account;
- (e) “Board” means the Securities and Exchange Board of India established under section 3 of the Act;
- (f) “book building” means a process undertaken to elicit demand and to assess the price for determination of the quantum or value of specified securities or Indian Depository Receipts, as the case may be, in accordance with these regulations;
- (g) “book runner” means a merchant banker appointed by the issuer to undertake the book building process;
- (h) “composite issue” means an issue of specified securities by a listed issuer on public-cum-rights basis, wherein the allotment in both public issue and rights issue is proposed to be made simultaneously;

- (i) "control" shall have the same meaning as assigned to it under clause (c) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisitions of Shares and Takeovers) Regulations, 1997;
- (j) "convertible debt instrument" means an instrument which creates or acknowledges indebtedness and is convertible into equity shares of the issuer at a later date at or without the option of the holder of the instrument, whether constituting a charge on the assets of the issuer or not;
- (k) "convertible security" means a security which is convertible into or exchangeable with equity shares of the issuer at a later date with or without the option of the holder of the security and includes convertible debt instrument;
- (l) "designated stock exchange" means a recognised stock exchange in which securities of an issuer are listed or proposed to be listed and which is chosen by the issuer as a designated stock exchange for the purpose of a particular issue of specified securities under these regulations:

Provided that where one or more of such stock exchanges have nationwide trading terminals, the issuer shall choose one of them as the designated stock exchange:

Provided further that subject to the provisions of this clause, the issuer may choose a different recognised stock exchange as a designated stock exchange for any subsequent issue of specified securities under these regulations;

- (m) "employee" means a permanent and full-time employee of the issuer, working in India or abroad or a director of the issuer, whether whole time or part time and does not include promoters and an immediate relative of the promoter (i.e., any spouse of that person, or any parent, brother, sister or child of the person or of the spouse);
- (n) "further public offer" means an offer of specified securities by a listed issuer to the public for subscription and includes an offer for sale of specified securities to the public by any existing holders of such securities in a listed issuer;
- (o) "green shoe option" means an option of allotting equity shares in excess of the equity shares offered in the public issue as a post-listing price stabilizing mechanism;
- (p) "initial public offer" means an offer of specified securities by an unlisted issuer to the public for subscription and includes an offer for sale of specified securities to the public by any existing holders of such securities in an unlisted issuer;
- (q) "issue size" includes offer through offer document and promoters' contribution;
- (r) "issuer" means any person making an offer of specified securities;
- (s) "key management personnel" means the officers vested with executive powers and the officers at the level immediately below the board of directors of the issuer and includes any other person whom the issuer may declare as a key management personnel;
- (t) "listed issuer" means an issuer whose equity shares are listed in a recognised stock exchange;
- (u) "net offer to public" means an offer of specified securities to the public but does not include reservations;
- (v) "net worth" means the aggregate of the paid up share capital, share premium account, and reserves and surplus (excluding revaluation reserve) as reduced by the aggregate of miscellaneous expenditure (to the extent not adjusted or written off) and the debit balance of the profit and loss account;
- (w) "non institutional investor" means an investor other than a retail individual investor and qualified institutional buyer;

- (x) "offer document" means a red herring prospectus, prospectus or shelf prospectus and information memorandum in terms of section 60A of the Companies Act, 1956 in case of a public issue and letter of offer in case of a rights issue;
- (y) "offer through offer document" means net offer to public and reservations;
- (z) "preferential issue" means an issue of specified securities by a listed issuer to any select person or group of persons on a private placement basis and does not include an offer of specified securities made through a public issue, rights issue, bonus issue, employee stock option scheme, employee stock purchase scheme or qualified institutions placement or an issue of sweat equity shares or depository receipts issued in a country outside India or foreign securities;

(za) "promoter" includes:

- (i) the person or persons who are in control of the issuer;
- (ii) the person or persons who are instrumental in the formulation of a plan or programme pursuant to which specified securities are offered to public;
- (iii) the person or persons named in the offer document as promoters:

Provided that a director or officer of the issuer or a person, if acting as such merely in his professional capacity, shall not be deemed as a promoter:

Provided further that a financial institution, scheduled bank, foreign institutional investor and mutual fund shall not be deemed to be a promoter merely by virtue of the fact that ten per cent. or more of the equity share capital of the issuer is held by such person;

Provided further that such financial institution, scheduled bank and foreign institutional investor shall be treated as promoter for the subsidiaries or companies promoted by them or for the mutual fund sponsored by them;

(zb) "promoter group" includes:

- (i) the promoter;
- (ii) an immediate relative of the promoter (i.e., any spouse of that person, or any parent, brother, sister or child of the person or of the spouse); and
- (iii) in case promoter is a body corporate:
 - (A) a subsidiary or holding company of such body corporate;
 - (B) any body corporate in which the promoter holds ten per cent. or more of the equity share capital or which holds ten per cent. or more of the equity share capital of the promoter;
 - (C) any body corporate in which a group of individuals or companies or combinations thereof which hold twenty per cent. or more of the equity share capital in that body corporate also holds twenty per cent. or more of the equity share capital of the issuer; and
- (iv) in case the promoter is an individual:
 - (A) any body corporate in which ten per cent. or more of the equity share capital is held by the promoter or an immediate relative of the promoter or a firm or Hindu Undivided Family in which the promoter or any one or more of his immediate relative is a member;
 - (B) any body corporate in which a body corporate as provided in (A) above holds ten per cent. or more, of the equity share capital;
 - (C) any Hindu Undivided Family or firm in which the aggregate shareholding of the promoter and his immediate relatives is equal to or more than ten per cent. of the total; and

- (v) all persons whose shareholding is aggregated for the purpose of disclosing in the prospectus under the heading "shareholding of the promoter group":
 Provided that a financial institution, scheduled bank, foreign institutional investor and mutual fund shall not be deemed to be promoter group merely by virtue of the fact that ten per cent. or more of the equity share capital of the issuer is held by such person:
 Provided further that such financial institution, scheduled bank and foreign institutional investor shall be treated as promoter group for the subsidiaries or companies promoted by them or for the mutual fund sponsored by them;
- (zc) "public issue" means an initial public offer or further public offer;
- (zd) "qualified institutional buyer" means:
- (i) a mutual fund, venture capital fund and foreign venture capital investor registered with the Board;
 - (ii) a foreign institutional investor and sub-account (other than a sub-account which is a foreign corporate or foreign individual), registered with the Board;
 - (iii) a public financial institution as defined in section 4A of the Companies Act, 1956;
 - (iv) a scheduled commercial bank;
 - (v) a multilateral and bilateral development financial institution;
 - (vi) a state industrial development corporation;
 - (vii) an insurance company registered with the Insurance Regulatory and Development Authority;
 - (viii) a provident fund with minimum corpus of twenty five crore rupees;
 - (ix) a pension fund with minimum corpus of twenty five crore rupees;
 - (x) National Investment Fund set up by resolution no. F. No. 2/3/2005-DDII dated November 23, 2005 of the Government of India published in the Gazette of India;
- (ze) "retail individual investor" means an investor who applies or bids for specified securities for a value of not more than one lakh rupees;
- (zf) "retail individual shareholder" means a shareholder of a listed issuer, who:
- (i) as on the date fixed for the purpose of determining shareholders eligible for reservation in terms of regulation 41 of these regulations, is holding equity shares which, on the basis of the closing price of the equity shares on the recognised stock exchange in which highest trading volume in respect of the equity shares of the issuer was recorded as on the previous day, are worth up to one lakh rupees; and
 - (ii) applies or bids for specified securities for a value of not more than one lakh rupees;
- (zg) "rights issue" means an offer of specified securities by a listed issuer to the shareholders of the issuer as on the record date fixed for the said purpose;
- (zh) "Schedule" means schedule annexed to these regulations;
- (zi) "Self Certified Syndicate Bank" means a banker to an issue registered with the Board, which offers the facility of Application Supported by Blocked Amount;
- (zj) "specified securities" means equity shares and convertible securities;
- (zk) "stabilising agent" means a merchant banker who is responsible for stabilising the price of equity shares under a green shoe option, in terms of these regulations;
- (zl) "syndicate member" means an intermediary registered with the Board and who is permitted to carry on the activity as an underwriter;
- (zm) "unlisted issuer" means an issuer which is not a listed issuer.

(2) All other words and expressions used but not defined in these regulations, but defined in the Act or the Companies Act, 1956, the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996 and/or the rules and regulations made thereunder shall have the same meaning as respectively assigned to them in such Acts or rules or regulations or any statutory modification or re-enactment thereto, as the case may be.

Applicability of the regulations.

3. Unless otherwise provided, these regulations shall apply to the following:

- (a) a public issue;
- (b) a rights issue, where the aggregate value of specified securities offered is fifty lakh rupees or more;
- (c) a preferential issue;
- (d) an issue of bonus shares by a listed issuer;
- (e) a qualified institutions placement by a listed issuer;
- (f) an issue of Indian Depository Receipts.

CHAPTER II**COMMON CONDITIONS FOR PUBLIC ISSUES AND RIGHTS ISSUES****General conditions.**

4. (1) Any issuer offering specified securities through a public issue or rights issue shall satisfy the conditions of this Chapter at the time of filing draft offer document with the Board (unless stated otherwise in this Chapter) and at the time of registering or filing the final offer document with the Registrar of Companies or designated stock exchange, as the case may be.

(2) No issuer shall make a public issue or rights issue of specified securities:

- (a) if the issuer, any of its promoters, promoter group or directors or persons in control of the issuer are debarred from accessing the capital market by the Board;
- (b) if any of the promoters, directors or persons in control of the issuer was or also is a promoter, director or person in control of any other company which is debarred from accessing the capital market under any order or directions made by the Board;
- (c) if the issuer of convertible debt instruments is in the list of wilful defaulters published by the Reserve Bank of India or it is in default of payment of interest or repayment of principal amount in respect of debt instruments issued by it to the public, if any, for a period of more than six months;
- (d) unless it has made an application to one or more recognised stock exchanges for listing of specified securities on such stock exchanges and has chosen one of them as the designated stock exchange:

Provided that in case of an initial public offer, the issuer shall make an application for listing of the specified securities in at least one recognised stock exchange having nationwide trading terminals;

- (e) unless it has entered into an agreement with a depository for dematerialisation of specified securities already issued or proposed to be issued;
- (f) unless all existing partly paid-up equity shares of the issuer have either been fully paid up or forfeited;
- (g) unless firm arrangements of finance through verifiable means towards seventy five per cent. of the stated means of finance, excluding the amount to be raised through the proposed public issue or rights issue or through existing identifiable internal accruals, have been made.

Appointment of merchant banker and other intermediaries.

5. (1) The issuer shall appoint one or more merchant bankers, at least one of whom shall be a lead merchant banker and shall also appoint other intermediaries, in consultation with the lead merchant banker, to carry out the obligations relating to the issue.

(2) The issuer shall, in consultation with the lead merchant banker, appoint only those intermediaries which are registered with the Board.

(3) Where the issue is managed by more than one merchant banker, the rights, obligations and responsibilities, relating *inter alia* to disclosures, allotment, refund and underwriting obligations, if any, of each merchant banker shall be predetermined and disclosed in the offer document as specified in **Schedule I**.

(4) The lead merchant banker shall, only after independently assessing the capability of other intermediaries to carry out their obligations, advise the issuer on their appointment.

(5) The issuer shall enter into an agreement with the lead merchant banker in the format specified in **Schedule II** and with other intermediaries as required under the respective regulations applicable to the intermediary concerned:

Provided that such agreements may include such other clauses as the issuer and the intermediary may deem fit without diminishing or limiting in any way the liabilities and obligations of the merchant bankers, other intermediaries and the issuer under the Act, the Companies Act, 1956, the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996 and the rules and regulations made thereunder or any statutory modification or statutory enactment thereof:

Provided further that in case of ASBA process, the issuer shall take cognisance of the deemed agreement of the issuer with Self Certified Syndicate Banks.

(6) An issuer shall, in case of an issue made through the book building process, appoint syndicate members and in the case of any other issue, appoint bankers to issue, at all mandatory collection centres as specified in **Schedule III** and such other collection centres as it may deem fit.

(7) The issuer shall appoint a registrar which has connectivity with all the depositories:

Provided that if issuer itself is a registrar to an issue registered with the Board, then another registrar to an issue shall be appointed as registrar to the issue:

Provided further that the lead merchant banker shall not act as a registrar to the issue in which it is also handling the post issue responsibilities.

Explanation: For the purpose of this regulation, in case of a book built issue, the lead merchant banker appointed by the issuer shall act as the lead book runner.

Filing of offer document.

6. (1) No issuer shall make,

(a) a public issue; or

(b) a rights issue, where the aggregate value of the specified securities offered is fifty lakh rupees or more,

unless a draft offer document, along with fees as specified in **Schedule IV**, has been filed with the Board through the lead merchant banker, at least thirty days prior to registering the prospectus, red herring prospectus or shelf prospectus with the Registrar of Companies or filing the letter of offer with the designated stock exchange, as the case may be.

(2) The Board may specify changes or issue observations, if any, on the draft offer document within thirty days from the later of the following dates:

(a) the date of receipt of the draft offer document under sub-regulation (1); or

(b) the date of receipt of satisfactory reply from the lead merchant bankers, where the Board has sought any clarification or additional information from them; or

(c) the date of receipt of clarification or information from any regulator or agency, where the Board has sought any clarification or information from such regulator or agency; or

(d) the date of receipt of a copy of in-principle approval letter issued by the recognised stock exchanges.

(3) If the Board specifies changes or issues observations on the draft offer document, the issuer and lead merchant banker shall carry out such changes in the draft offer document and comply with the observations issued by the Board before registering the prospectus, red-herring prospectus or shelf prospectus, as the case may be, with the Registrar of Companies or filing the letter of offer with the designated stock exchange.

(4) The issuer shall, simultaneously while registering the prospectus, red herring prospectus or shelf prospectus with the Registrar of Companies or filing the letter of offer with the designated stock exchange or before the opening of the issue, file a copy thereof with the Board through the lead merchant banker.

(5) The lead merchant banker shall, while filing the offer document with the Board in terms of sub-regulation (1) and sub-regulation (4), file a copy of such document with the recognised stock exchanges where the specified securities are proposed to be listed.

(6) The offer document filed with the Board under this regulation shall also be furnished to the Board in a soft copy in the manner specified in **Schedule V**.

In-principle approval from recognised stock exchanges.

7. The issuer shall obtain in-principle approval from recognised stock exchanges as follows:

- (a) in case of an initial public offer, from all the recognised stock exchanges in which the issuer proposes to get its specified securities listed; and
- (b) in case of a further public offer and rights issue:
 - (i) where the specified securities are listed only on recognised stock exchanges having nationwide trading terminals, from all such stock exchanges;
 - (ii) where the specified securities are not listed on any recognised stock exchange having nationwide trading terminals, from all the stock exchanges in which the specified securities of the issuer are proposed to be listed;
 - (iii) where the specified securities are listed on recognised stock exchanges having nationwide trading terminals as well as on the recognised stock exchanges not having nationwide trading terminals, from all recognised stock exchanges having nationwide trading terminals.

Documents to be submitted before opening of the issue.

8. (1) The lead merchant bankers shall submit the following to the Board along with the draft offer document:

- (a) a copy of the agreement entered into between the issuer and the lead merchant bankers;
- (b) a copy of inter-se allocation of responsibilities of each merchant banker, in case the issue is managed by more than one merchant banker;
- (c) a due diligence certificate as per **Form A of Schedule VI**;
- (d) in case of an issue of convertible debt instruments, a due diligence certificate from the debenture trustee as per **Form B of Schedule VI**;
- (e) a certificate in the format specified in **Part D of Schedule VII**, confirming compliance of the conditions mentioned therein.

(2) The lead merchant bankers shall submit the following documents to the Board after issuance of observations by the Board or after expiry of the period stipulated in sub-regulation (2) of regulation 6 if the Board has not issued observations:

- (a) a statement certifying that all changes, suggestions and observations made by the Board have been incorporated in the offer document;
- (b) a due diligence certificate as per **Form C of Schedule VI**, at the time of registering the prospectus with the Registrar of Companies;
- (c) a copy of the resolution passed by the board of directors of the issuer for allotting specified securities to promoters towards amount received against promoters' contribution, before opening of the issue;
- (d) a certificate from a Chartered Accountant, before opening of the issue, certifying that promoters' contribution has been received in accordance with these regulations, accompanying therewith the names and addresses of the promoters who have contributed to the promoters' contribution and the amount paid by each of them towards such contribution;

- (e) a due diligence certificate as per **Form D of Schedule VI**, immediately before the opening of the issue, certifying that necessary corrective action, if any, has been taken;
- (f) a due diligence certificate as per **Form E of Schedule VI**, after the issue has opened but before it closes for subscription.

(3) The issuer shall, at the time of filing draft offer document with the recognised stock exchange where the specified securities are proposed to be listed, submit the Permanent Account Number, bank account number and passport number of its promoters to such stock exchange.

Draft offer document to be made public.

9. (1) The draft offer document filed with the Board shall be made public, for comments, if any, for a period of at least twenty one days from the date of such filing, by hosting it on the websites of the Board, recognised stock exchanges where specified securities are proposed to be listed and merchant bankers associated with the issue.

(2) The lead merchant bankers shall, after expiry of the period stipulated in sub-regulation (1), file with the Board a statement giving information of the comments received by them or the issuer on the draft offer document during that period and the consequential changes, if any, to be made in the draft offer document.

Fast Track Issue.

10. (1) Nothing contained in sub-regulations (1), (2) and (3) of regulation 6 and regulations 7 and 8 shall apply to a public issue or rights issue if the issuer satisfies the following conditions:

- (a) the equity shares of the issuer have been listed on any recognised stock exchange having nationwide trading terminals for a period of at least three years immediately preceding the reference date;
- (b) the average market capitalisation of public shareholding of the issuer is at least ten thousand crore rupees;
- (c) the annualised trading turnover of the equity shares of the issuer during six calendar months immediately preceding the month of the reference date has been at least two per cent. of the weighted average number of equity shares listed during such six months' period;
- (d) the issuer has redressed at least ninety five per cent. of the complaints received from the investors till the end of the quarter immediately preceding the month of the reference date;
- (e) the issuer has been in compliance with the equity listing agreement for a period of at least three years immediately preceding the reference date;
- (f) the impact of auditors' qualifications, if any, on the audited accounts of the issuer in respect of those financial years for which such accounts are disclosed in the offer document does not exceed five per cent. of the net profit or loss after tax of the issuer for the respective years;
- (g) no show-cause notices have been issued or prosecution proceedings initiated or pending against the issuer or its promoters or whole time directors as on the reference date;
- (h) the entire shareholding of the promoter group of the issuer is held in dematerialised form on the reference date.

(2) The issuer shall file the offer document with the Board and the recognised stock exchanges in accordance with sub-regulations (4), (5) and (6) of regulation 6 and shall pay fees to the Board as specified in **Schedule IV**.

(3) The lead merchant bankers shall submit to the Board, the following documents along with the offer document:

- (a) a due diligence certificate as per **Form A of Schedule VI** including additional confirmations as specified in **Form F of Schedule VI**;
- (b) in case of a fast track issue of convertible debt instruments, a due diligence certificate from the debenture trustee as per **Form B of Schedule VI**.

Explanation: For the purposes of this regulation:

- (I) "reference date" means:
 - (a) in case of a public issue by a listed issuer, the date of registering the red herring prospectus (in case of a book built issue) or prospectus (in case of a fixed price issue) with the Registrar of Companies; and
 - (b) in case of a rights issue by a listed issuer, the date of filing the letter of offer with the designated stock exchange.
- (II) "average market capitalisation of public shareholding" means the sum of daily market capitalisation of public shareholding for a period of one year up to the end of the quarter preceding the month in which the proposed issue was approved by the shareholders or the board of the issuer, as the case may be, divided by the number of trading days.
- (III) "public shareholding" shall have the same meaning as assigned to it in the equity listing agreement.

Opening of an issue.

11. (1) Subject to the compliance with sub-section (4) of section 60 of the Companies Act, 1956, a public issue or rights issue may be opened:

- (a) within twelve months from the date of issuance of the observations by the Board under regulation 6; or
- (b) within three months of expiry of the period stipulated in sub-regulation (2) of regulation 6, if the Board has not issued observations:

Provided that in case of a fast track issue, the issue shall open within the period stipulated in sub-section (4) of section 60 of the Companies Act, 1956.

(2) In case of shelf prospectus, the first issue may be opened within three months of issuance of observations by the Board.

(3) The issuer shall, before registering the red herring prospectus (in case of a book built issue) or prospectus (in case of a fixed price issue) with the Registrar of Companies or filing the letter of offer with the designated stock exchange, as the case may be, file with the Board through the lead merchant bankers, an updated offer document highlighting all changes made in the offer document.

(4) Notwithstanding anything contained in this regulation, if there are changes in the offer document in relation to the matters specified in **Schedule VII**, the updated offer document or new draft offer document, as the case may be, shall be filed with the Board along with fees specified in **Schedule IV**.

Dispatch of issue material.

12. The lead merchant bankers shall dispatch the offer document and other issue material including forms for ASBA to the designated stock exchange, syndicate members, underwriters, bankers to the issue, investors' associations and Self Certified Syndicate Banks in advance.

Underwriting.

13. (1) Where the issuer making a public issue (other than through the book building process) or rights issue, desires to have the issue underwritten, it shall appoint the underwriters in accordance with Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations, 1993.

(2) Where the issuer makes a public issue through the book building process, such issue shall be underwritten by book runners or syndicate members:

Provided that fifty per cent. [sixty per cent, if public issue is made with at least ten per cent. public offer under clause (b) of sub-rule (2) of rule 19 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957] of the net offer to public proposed to be compulsorily allotted to qualified institutional

buyers for the purpose of compliance of the eligibility conditions specified in sub-regulation (2) of regulation 26 and regulation 28 cannot be underwritten.

(3) The issuer shall enter into underwriting agreement with the book runner, who in turn shall enter into underwriting agreement with syndicate members, indicating therein the number of specified securities which they shall subscribe to at the predetermined price in the event of under-subscription in the issue.

(4) If syndicate members fail to fulfil their underwriting obligations, the lead book runner shall fulfil the underwriting obligations.

(5) The book runners and syndicate members shall not subscribe to the issue in any manner except for fulfilling their underwriting obligations.

(6) A copy of the syndicate agreement shall be filed with the Board before the opening of bids.

(7) In case of every underwritten issue, the lead merchant banker or the lead book runner shall undertake minimum underwriting obligations as specified in the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992.

(8) Where hundred per cent. of the offer through offer document is underwritten, the underwriting obligations shall be for the entire hundred per cent. of the offer through offer document and shall not be restricted upto the minimum subscription level.

Minimum subscription.

14. (1) The minimum subscription to be received in an issue shall not be less than ninety per cent. of the offer through offer document.

(2) In the event of non-receipt of minimum subscription referred to in sub-regulation (1), all application moneys received shall be refunded to the applicants forthwith, but not later than:

- (a) fifteen days of the closure of the issue, in case of a non-underwritten issue; and
- (b) seventy days of the closure of the issue, in the case of an underwritten issue where minimum subscription including devolvement obligations paid by the underwriters is not received within sixty days of the closure of the issue.

(3) The offer document shall contain adequate disclosures regarding minimum subscription as specified in **Part A of Schedule VIII**.

(4) Nothing contained in this regulation shall apply to:

- (a) offer for sale of specified securities;
- (b) public issue by infrastructure companies if the disclosures regarding the alternate source of funding of the objects of the issue have been made in the offer document.

Explanation: For the purpose of clause (b) of sub-regulation (4), the term "infrastructure company" means, an enterprise wholly engaged in the business of (i) developing or (ii) operating and maintaining or (iii) developing, operating and maintaining any infrastructure facility.

Oversubscription.

15. No allotment shall be made by the issuer in excess of the specified securities offered through the offer document:

Provided that in case of oversubscription, an allotment of not more than ten per cent. of the net offer to public may be made for the purpose of making allotment in minimum lots.

Monitoring agency.

16. (1) If the issue size exceeds five hundred crore rupees, the issuer shall make arrangements for the use of proceeds of the issue to be monitored by a public financial institution or by one of the scheduled commercial banks named in the offer document as bankers of the issuer:

Provided that nothing contained in this clause shall apply to an offer for sale or an issue of specified securities made by a bank or public financial institution.

(2) The monitoring agency shall submit its report to the issuer in the format specified in **Schedule IX** on a half yearly basis, till the proceeds of the issue have been fully utilised.

Manner of calls.

17. If the issuer proposes to receive subscription monies in calls, it shall ensure that the outstanding subscription money is called within twelve months from the date of allotment in the issue and if any applicant fails to pay the call money within the said twelve months, the equity shares on which there are calls in arrear along with the subscription money already paid on such shares shall be forfeited:

Provided that it shall not be necessary to call the outstanding subscription money within twelve months, if the issuer has appointed a monitoring agency in terms of regulation 16.

Allotment, refund and payment of interest.

18. (1) The issuer and merchant bankers shall ensure that specified securities are allotted and/or application moneys are refunded within fifteen days from the date of closure of the issue.

(2) Where specified securities are not allotted and/or application moneys are not refunded within the period stipulated in sub-regulation (1), the issuer shall undertake to pay interest at such rate and within such time as disclosed in the offer document.

Restriction on further capital issues.

19. No issuer shall make any further issue of specified securities in any manner whether by way of public issue, rights issue, preferential issue, qualified institutions placement, issue of bonus shares or otherwise:

- (a) in case of a fast track issue, during the period between the date of registering the red herring prospectus (in case of a book built issue) or prospectus (in case of a fixed price issue) with the Registrar of Companies or filing the letter of offer with the designated stock exchange and the listing of the specified securities offered through the offer document or refund of application moneys; or
- (b) in case of other issues, during the period between the date of filing the draft offer document with the Board and the listing of the specified securities offered through the offer document or refund of application moneys;

unless full disclosures regarding the total number of specified securities and amount proposed to be raised from such further issue are made in such draft offer document or offer document, as the case may be.

Additional requirements for issue of convertible debt instruments.

20. (1) In addition to other requirements laid down in these regulations, an issuer making a public issue or rights issue of convertible debt instruments shall comply with the following conditions:

- (a) it has obtained credit rating from one or more credit rating agencies;
- (b) it has appointed one or more debenture trustees in accordance with the provisions of section 117B of the Companies Act, 1956 and Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) Regulations, 1993;
- (c) it has created debenture redemption reserve in accordance with the provisions of section 117C of the Companies Act, 1956;
- (d) if the issuer proposes to create a charge or security on its assets in respect of secured convertible debt instruments, it shall ensure that:
 - (i) such assets are sufficient to discharge the principal amount at all times;

- (ii) such assets are free from any encumbrance;
- (iii) where security is already created on such assets in favour of financial institutions or banks or the issue of convertible debt instruments is proposed to be secured by creation of security on a leasehold land, the consent of such financial institution, bank or lessor for a second or pari passu charge has been obtained and submitted to the debenture trustee before the opening of the issue;
- (iv) the security/asset cover shall be arrived at after reduction of the liabilities having a first/prior charge, in case the convertible debt instruments are secured by a second or subsequent charge.

(2) The issuer shall redeem the convertible debt instruments in terms of the offer document.

Roll over of non convertible portion of partly convertible debt instruments.

21. (1) The non-convertible portion of partly convertible debt instruments issued by a listed issuer, the value of which exceeds fifty lakh rupees, may be rolled over without change in the interest rate, subject to compliance with the provisions of section 121 of the Companies Act, 1956 and the following conditions:

- (a) seventy five per cent. of the holders of the convertible debt instruments of the issuer have, through a resolution, approved the rollover through postal ballot;
- (b) the issuer has, along with the notice for passing the resolution, sent to all holders of the convertible debt instruments, an auditors' certificate on the cash flow of the issuer and with comments on the liquidity position of the issuer;
- (c) the issuer has undertaken to redeem the non-convertible portion of the partly convertible debt instruments of all the holders of the convertible debt instruments who have not agreed to the resolution;
- (d) credit rating has been obtained from at least one credit rating agency registered with the Board within a period of six months prior to the due date of redemption and has been communicated to the holders of the convertible debt instruments, before the roll over;

(2) The creation of fresh security and execution of fresh trust deed shall not be mandatory if the existing trust deed or the security documents provide for continuance of the security till redemption of secured convertible debt instruments;

Provided that whether the issuer is required to create fresh security and to execute fresh trust deed or not shall be decided by the debenture trustee.

Conversion of optionally convertible debt instruments into equity share capital.

22. (1) An issuer shall not convert its optionally convertible debt instruments into equity shares unless the holders of such convertible debt instruments have sent their positive consent to the issuer and non-receipt of reply to any notice sent by the issuer for this purpose shall not be construed as consent for conversion of any convertible debt instruments.

(2) Where the value of the convertible portion of any convertible debt instruments issued by a listed issuer exceeds fifty lakh rupees and the issuer has not determined the conversion price of such convertible debt instruments at the time of making the issue, the holders of such convertible debt instruments shall be given the option of not converting the convertible portion into equity shares:

Provided that where the upper limit on the price of such convertible debt instruments and justification thereon is determined and disclosed to the investors at the time of making the issue, it shall not be necessary to give such option to the holders of the convertible debt instruments for converting the convertible portion into equity share capital within the said upper limit.

(3) Where an option is to be given to the holders of the convertible debt instruments in terms of sub-regulation (2) and if one or more of such holders do not exercise the option to convert the instruments into equity share capital at a price determined in the general meeting of the shareholders, the issuer shall redeem that part of the instruments within one month from the last date by which option is to be exercised, at a price which shall not be less than its face value.

(4) The provision of sub-regulation (3) shall not apply if such redemption is in terms of the disclosures made in the offer document.

Issue of convertible debt instruments for financing.

23. No issuer shall issue convertible debt instruments for financing replenishment of funds or for providing loan to or for acquiring shares of any person who is part of the same group or who is under the same management:

Provided that an issuer may issue fully convertible debt instruments for these purposes if the period of conversion of such debt instruments is less than eighteen months from the date of issue of such debt instruments.

Explanation: For the purpose of this regulation:

- (I) Two persons shall be deemed to be "part of the same group" if they belong to the group within the meaning of clause (ef) of section 2 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969) or if they own "inter connected undertakings within the meaning of clause (g) of section 2 of the said Act;
- (II) The expression "under the same management" shall have the same meaning as assigned to it in sub-section (1B) of section 370 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Alteration of rights of holders of specified securities.

24. No issuer shall alter the terms (including the terms of issue) of specified securities which may adversely affect the interests of the holders of that specified securities, except with the consent in writing of the holders of not less than three-fourths of the specified securities of that class or with the sanction of a special resolution passed at a meeting of the holders of the specified securities of that class.

CHAPTER III PROVISIONS AS TO PUBLIC ISSUE

PART I - ELIGIBILITY REQUIREMENTS

Reference date.

25. Unless otherwise provided in this Chapter, an issuer making a public issue shall satisfy the conditions of this Chapter as on the date of filing draft offer document with the Board and also as on the date of registering the offer document with the Registrar of Companies.

Conditions for initial public offer.

26. (1) An issuer may make an initial public offer, if:

- (a) it has net tangible assets of at least three crore rupees in each of the preceding three full years (of twelve months each), of which not more than fifty per cent. are held in monetary assets:

Provided that if more than fifty per cent. of the net tangible assets are held in monetary assets, the issuer has made firm commitments to utilise such excess monetary assets in its business or project;

- (b) it has a track record of distributable profits in terms of section 205 of the Companies Act, 1956, for at least three out of the immediately preceding five years:

Provided that extraordinary items shall not be considered for calculating distributable profits;

- (c) it has a net worth of at least one crore rupees in each of the preceding three full years (of twelve months each);
- (d) the aggregate of the proposed issue and all previous issues made in the same financial year in terms of issue size does not exceed five times its pre-issue net worth as per the audited balance sheet of the preceding financial year;
- (e) if it has changed its name within the last one year, at least fifty per cent. of the revenue for the preceding one full year has been earned by it from the activity indicated by the new name.

(2) An issuer not satisfying any of the conditions stipulated in sub-regulation (1) may make an initial public offer if:

- (a) (i) the issue is made through the book building process and the issuer undertakes to allot at least fifty per cent. of the net offer to public to qualified institutional buyers and to refund full subscription monies if it fails to make allotment to the qualified institutional buyers ;

or

- (ii) at least fifteen per cent. of the cost of the project is contributed by scheduled commercial banks or public financial institutions, of which not less than ten per cent. shall come from the appraisers and the issuer undertakes to allot at least ten per cent. of the net offer to public to qualified institutional buyers and to refund full subscription monies if it fails to make the allotment to the qualified institutional buyers;

- (b) (i) the minimum post-issue face value capital of the issuer is ten crore rupees;

or

- (ii) the issuer undertakes to provide market-making for at least two years from the date of listing of the specified securities, subject to the following:

(A) the market makers offer buy and sell quotes for a minimum depth of three hundred specified securities and ensure that the bid-ask spread for their quotes does not, at any time, exceed ten per cent.;

(B) the inventory of the market makers, as on the date of allotment of the specified securities, shall be at least five per cent. of the proposed issue.

(3) An issuer may make an initial public offer of convertible debt instruments without making a prior public issue of its equity shares and listing thereof.

(4) An issuer shall not make an allotment pursuant to a public issue if the number of prospective allottees is less than one thousand.

(5) No issuer shall make an initial public offer if there are any outstanding convertible securities or any other right which would entitle any person any option to receive equity shares after the initial public offer:

Provided that the provisions of this sub-regulation shall not apply to:

- (a) a public issue made during the currency of convertible debt instruments which were issued through an earlier initial public offer, if the conversion price of such convertible debt instruments was determined and disclosed in the prospectus of the earlier issue of convertible debt instruments;
- (b) outstanding options granted to employees pursuant to an employee stock option scheme framed in accordance with the relevant Guidance Note or Accounting Standards, if any, issued by the Institute of Chartered Accountants of India in this regard.

(6) Subject to provisions of the Companies Act, 1956 and these regulations, equity shares may be offered for sale to public if such equity shares have been held by the sellers for a period of at least

one year prior to the filing of draft offer document with the Board in accordance with sub-regulation (1) of regulation 6:

Provided that in case equity shares received on conversion or exchange of fully paid-up compulsorily convertible securities including depository receipts are being offered for sale, the holding period of such convertible securities as well as that of resultant equity shares together shall be considered for the purpose of calculation of one year period referred in this sub-regulation:

Provided further that the requirement of holding equity shares for a period of one year shall not apply:

- (a) in case of an offer for sale of specified securities of a government company or statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up and controlled by any one or more of them, which is engaged in infrastructure sector;
- (b) if the specified securities offered for sale were acquired pursuant to any scheme approved by a High Court under sections 391-394 of the Companies Act, 1956, in lieu of business and invested capital which had been in existence for a period of more than one year prior to such approval.

(7) No issuer shall make an initial public offer, unless as on the date of registering prospectus or red herring prospectus with the Registrar of Companies, the issuer has obtained grading for the initial public offer from at least one credit rating agency registered with the Board.

Explanation: For the purposes of this regulation:

- (I) "net tangible assets" mean the sum of all net assets of the issuer, excluding intangible assets as defined in Accounting Standard 26 (AS 26) issued by the Institute of Chartered Accountants of India;
- (II) "project" means the object for which monies are proposed to be raised to cover the objects of the issue;
- (III) In case of an issuer which had been a partnership firm, the track record of distributable profits of the partnership firm shall be considered only if the financial statements of the partnership business for the period during which the issuer was a partnership firm, conform to and are revised in the format prescribed for companies under the Companies Act, 1956 and also comply with the following:
 - (a) adequate disclosures are made in the financial statements as required to be made by the issuer as per Schedule VI of the Companies Act, 1956;
 - (b) the financial statements are duly certified by a Chartered Accountant stating that:
 - (i) the accounts and the disclosures made are in accordance with the provisions of Schedule VI of the Companies Act, 1956;
 - (ii) the accounting standards of the Institute of Chartered Accountants of India have been followed;
 - (iii) the financial statements present a true and fair view of the firm's accounts;
- (IV) In case of an issuer formed out of a division of an existing company, the track record of distributable profits of the division spun-off shall be considered only if the requirements regarding financial statements as provided for partnership firms in Explanation III are complied with;
- (V) "bid-ask spread" means the difference between quotations for sale and purchase;
- (VI) The term "infrastructure sector" includes the facilities or services as specified in **Schedule X**.

Conditions for further public offer.

27. An issuer may make a further public offer if it satisfies the conditions specified in clauses (d) and (e) of sub-regulation (1) of regulation 26 and if it does not satisfy those conditions, it may make a further public offer if it satisfies the conditions specified in sub-regulation (2) of regulation 26.

PART II - PRICING IN PUBLIC ISSUE**Pricing.**

28. (1) An issuer may determine the price of specified securities in consultation with the lead merchant banker or through the book building process.

(2) An issuer may determine the coupon rate and conversion price of convertible debt instruments in consultation with the lead merchant banker or through the book building process.

(3) The issuer shall undertake the book building process in a manner specified in **Schedule XI**.

Differential pricing.

29. An issuer may offer specified securities at different prices, subject to the following:

- (a) retail individual investors or retail individual shareholders may be offered specified securities at a price lower than the price at which net offer is made to other categories of applicants:
Provided that such difference shall not be more than ten per cent. of the price at which specified securities are offered to other categories of applicants;
- (b) in case of a book built issue, the price of the specified securities offered to an anchor investor shall not be lower than the price offered to other applicants;
- (c) in case of a composite issue, the price of the specified securities offered in the public issue may be different from the price offered in rights issue and justification for such price difference shall be given in the offer document.

Price and price band.

30. (1) The issuer may mention a price or price band in the draft prospectus (in case of a fixed price issue) and floor price or price band in the red herring prospectus (in case of a book built issue) and determine the price at a later date before registering the prospectus with the Registrar of Companies:

Provided that the prospectus registered with the Registrar of Companies shall contain only one price or the specific coupon rate, as the case may be.

(2) If the floor price or price band is not mentioned in the red herring prospectus, the issuer shall announce the floor price or price band at least two working days before the opening of the bid (in case of an initial public offer) and at least one working day before the opening of the bid (in case of a further public offer), in all the newspapers in which the pre issue advertisement was released.

(3) The announcement referred to in sub-regulation (2) shall contain relevant financial ratios computed for both upper and lower end of the price band and also a statement drawing attention of the investors to the section titled "basis of issue price" in the prospectus.

(4) The cap on the price band shall be less than or equal to one hundred and twenty per cent. of the floor price.

(5) The floor price or the final price shall not be less than the face value of the specified securities.

Explanation: For the purposes of sub-regulation (4), the "cap on the price band" includes cap on the coupon rate in case of convertible debt instruments.

Face value of equity shares.

31. (1) Subject to the provisions of the Companies Act, 1956, the Act and these regulations, an issuer making an initial public offer may determine the face value of the equity shares in the following manner:

- (a) if the issue price per equity share is five hundred rupees or more, the issuer shall have the option to determine the face value at less than ten rupees per equity share:
Provided that the face value shall not be less than one rupee per equity share;

- (b) if the issue price per equity share is less than five hundred rupees, the face value of the equity shares shall be ten rupees per equity share:

Provided that nothing contained in this sub-regulation shall apply to initial public offer made by any government company, statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up by any of them, which is engaged in infrastructure sector.

- (2) The disclosure about the face value of equity shares (including the statement about the issue price being "X" times of the face value) shall be made in the advertisements, offer documents and application forms in identical font size as that of issue price or price band.

Explanation: For the purposes of this regulation, the term "infrastructure sector" includes the facilities or services as specified in Schedule X.

PART III - PROMOTERS' CONTRIBUTION

Minimum promoters' contribution.

32. (1) The promoters of the issuer shall contribute in the public issue as follows:

- (a) in case of an initial public offer, not less than twenty per cent. of the post issue capital;
- (b) in case of a further public offer, either to the extent of twenty per cent. of the proposed issue size or to the extent of twenty per cent. of the post-issue capital;
- (c) in case of a composite issue, either to the extent of twenty per cent. of the proposed issue size or to the extent of twenty per cent. of the post-issue capital excluding the rights issue component.

- (2) In case of a public issue or composite issue of convertible securities, minimum promoters' contribution shall be as follows:

- (a) the promoters shall contribute twenty per cent. as stipulated in clauses (a), (b) or (c) of sub-regulation (1), as the case may be, either by way of equity shares or by way of subscription to the convertible securities:

Provided that if the price of the equity shares allotted pursuant to conversion is not pre-determined and not disclosed in the offer document, the promoters shall contribute only by way of subscription to the convertible securities being issued in the public issue and shall undertake in writing to subscribe to the equity shares pursuant to conversion of such securities.

- (b) in case of any issue of convertible securities which are convertible or exchangeable on different dates and if the promoters' contribution is by way of equity shares (conversion price being pre-determined), such contribution shall not be at a price lower than the weighted average price of the equity share capital arising out of conversion of such securities.
- (c) subject to the provisions of clause (a) and (b) above, in case of an initial public offer of convertible debt instruments without a prior public issue of equity shares, the promoters shall bring in a contribution of at least twenty per cent. of the project cost in the form of equity shares, subject to contributing at least twenty per cent. of the issue size from their own funds in the form of equity shares:

Provided that if the project is to be implemented in stages, the promoters' contribution shall be with respect to total equity participation till the respective stage vis-à-vis the debt raised or proposed to be raised through the public issue.

- (3) In case of a further public offer or composite issue where the promoters contribute more than the stipulated minimum promoters' contribution, the allotment with respect to excess contribution shall be made at a price determined in terms of the provisions of regulation 76 or the issue price, whichever is higher.

(4) The promoters shall satisfy the requirements of this regulation at least one day prior to the date of opening of the issue and the amount of promoters' contribution shall be kept in an escrow account with a scheduled commercial bank and shall be released to the issuer along with the release of the issue proceeds:

Provided that where the promoters' contribution has already been brought in and utilised, the issuer shall give the cash flow statement disclosing the use of such funds in the offer document;

Provided further that where the minimum promoters' contribution is more than one hundred crore rupees, the promoters shall bring in at least one hundred crore rupees before the date of opening of the issue and the remaining amount may be brought on pro-rata basis before the calls are made to public.

Explanation: For the purpose of this regulation:

- (I) Promoters' contribution shall be computed on the basis of the post-issue expanded capital:
 - (a) assuming full proposed conversion of convertible securities into equity shares;
 - (b) assuming exercise of all vested options, where any employee stock options are outstanding at the time of initial public offer in terms of proviso (b) to sub-regulation (5) of regulation 26.
- (II) For computation of "weighted average price":
 - (a) "weights" means the number of equity shares arising out of conversion of such specified securities into equity shares at various stages;
 - (b) "price" means the price of equity shares on conversion arrived at after taking into account predetermined conversion price at various stages.

Securities ineligible for minimum promoters' contribution.

33. (1) For the computation of minimum promoters' contribution, the following specified securities shall not be eligible:

- (a) specified securities acquired during the preceding three years, if they are:
 - (i) acquired for consideration other than cash and revaluation of assets or capitalisation of intangible assets is involved in such transaction; or
 - (ii) resulting from a bonus issue by utilisation of revaluation reserves or unrealised profits of the issuer or from bonus issue against equity shares which are ineligible for minimum promoters' contribution;
- (b) specified securities acquired by promoters during the preceding one year at a price lower than the price at which specified securities are being offered to public in the initial public offer:

Provided that nothing contained in this clause shall apply:

- (i) if promoters pay to the issuer, the difference between the price at which specified securities are offered in the initial public offer and the price at which the specified securities had been acquired;
- (ii) if such specified securities are acquired in terms of the scheme under sections 391-394 of the Companies Act, 1956, as approved by a High Court, by promoters in lieu of business and invested capital that had been in existence for a period of more than one year prior to such approval;
- (iii) to an initial public offer by a government company, statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up by any of them, which is engaged in infrastructure sector;

- (c) specified securities allotted to promoters during the preceding one year at a price less than the issue price, against funds brought in by them during that period, in case of an issuer formed by conversion of one or more partnership firms, where the partners of the erstwhile partnership firms are the promoters of the issuer and there is no change in the management:

Provided that specified securities, allotted to promoters against capital existing in such firms for a period of more than one year on a continuous basis, shall be eligible;

- (d) specified securities pledged with any creditor.

(2) Specified securities referred to in clauses (a) and (c) of sub-regulation (1) shall be eligible for the computation of promoters' contribution, if such securities are acquired pursuant to a scheme which has been approved under sections 391-394 of the Companies Act, 1956.

-Explanation: For the purposes of clause (b) of sub-regulation (1), the term "infrastructure sector" includes the facilities or services as specified in Schedule X.

Requirement of minimum promoters' contribution not applicable in certain cases.

34. The requirements of minimum promoters' contribution shall not apply in case of:

- (a) an issuer which does not have any identifiable promoter;
- (b) a further public offer, where the equity shares of the same class which are proposed to be allotted pursuant to conversion or exchange of convertible securities offered through the offer or are proposed to be allotted in the offer have been listed and are not infrequently traded in a recognised stock exchange for a period of at least three years and the issuer has a track record of dividend payment for at least immediately preceding three years:

Provided that where promoters propose to subscribe to the specified securities offered to the extent greater than higher of the two options available in clause (b) of sub-regulation (1) of regulation 32, the subscription in excess of such percentage shall be made at a price determined in terms of the provisions of regulation 76 or the issue price, whichever is higher.

- (c) rights issues.

Explanation: For the purpose of clause (b), the words "infrequently traded" have the same meaning as assigned to them in Explanation to sub-regulation (5) of regulation 20 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997 and the reference date for the purpose of computing the annualised trading turnover referred to in the said Explanation shall be the date of filing the draft offer document with the Board and in case of a fast track issue, the date of filing the offer document with the Registrar of Companies before opening of the issue.

PART IV - RESTRICTION ON TRANSFERABILITY (LOCK-IN) OF PROMOTERS' CONTRIBUTION, ETC.

Date of commencement of lock in and inscription of non-transferability.

35. (1) Save as otherwise provided in this Chapter, specified securities held by promoters and persons other than promoters shall not be transferable (hereinafter referred to as "lock-in") from the date of allotment of the specified securities in the proposed public issue for the period stipulated in this Chapter.

(2) The certificate of specified securities which are subject to lock-in shall contain the inscription "non transferable" and the lock-in period and in case such specified securities are dematerialised, the issuer shall ensure that lock-in is recorded by the depository.

(3) Where the specified securities which are subject to lock-in are partly paid-up and the amount called-up on such specified securities is less than the amount called-up on the specified securities issued to the public, the "lock-in" shall end only on the expiry of three years after such specified securities have become pari-passu with the specified securities issued to the public.

Lock-in of specified securities held by promoters.

36. In a public issue, the specified securities held by promoters shall be locked-in for the period stipulated hereunder:

- (a) minimum promoters' contribution shall be locked-in for a period of three years from the date of commencement of commercial production or date of allotment in the public issue, whichever is later;
- (b) promoters' holding in excess of minimum promoters' contribution shall be locked-in for a period of one year:

Provided that excess promoters' contribution as provided in proviso to clause (b) of regulation 34 shall not be subject to lock-in.

Explanation: For the purposes of this clause, the expression "date of commencement of commercial production" means the last date of the month in which commercial production in a manufacturing company is expected to commence as stated in the offer document.

Lock-in of specified securities held by persons other than promoters.

37. In case of an initial public offer, the entire pre-issue capital held by persons other than promoters shall be locked-in for a period of one year:

Provided that nothing contained in this regulation shall apply to:

- (a) equity shares allotted to employees under an employee stock option or employee stock purchase scheme of the issuer prior to the initial public offer, if the issuer has made full disclosures with respect to such options or scheme in accordance with Part A of Schedule VIII;
- (b) equity shares held by a venture capital fund or a foreign venture capital investor for a period of at least one year prior to the date of filing the draft prospectus with the Board:

Explanation: For the purpose of clause (b), in case such equity shares have resulted pursuant to conversion of fully paid-up compulsorily convertible securities, the holding period of such convertible securities as well as that of resultant equity shares together shall be considered for the purpose of calculation of one year period and convertible securities shall be deemed to be fully paid-up, if the entire consideration payable thereon has been paid and no further consideration is payable at the time of their conversion.

Lock-in of specified securities lent to stabilising agent under green shoe option.

38. The lock-in provisions of this Chapter shall not apply with respect to the specified securities lent to stabilising agent for the purpose of green shoe option, during the period starting from the date of lending of such specified securities and ending on the date on which they are returned to the lender in terms of sub-regulation (5) or (6) of regulation 45:

Provided that the specified securities shall be locked-in for the remaining period from the date on which they are returned to the lender.

Pledge of locked-in specified securities.

39. Specified securities held by promoters and locked-in may be pledged with any scheduled commercial bank or public financial institution as collateral security for loan granted by such bank or institution, subject to the following:

- (a) if the specified securities are locked-in in terms of clause (a) of regulation 36, the loan has been granted by such bank or institution for the purpose of financing one or more of the objects of the issue and pledge of specified securities is one of the terms of sanction of the loan;
- (b) if the specified securities are locked-in in terms of clause (b) of regulation 36 and the pledge of specified securities is one of the terms of sanction of the loan.

Transferability of locked-in specified securities.

40. Subject to the provisions of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of shares and Takeovers) Regulations, 1997, the specified securities held by promoters and locked-in as per regulation 36 may be transferred to another promoter or any person of the promoter group or a new promoter or a person in control of the issuer and the specified securities held by persons other than promoters and locked-in as per regulation 37 may be transferred to any other person holding the specified securities which are locked-in along with the securities proposed to be transferred:

Provided that lock-in on such specified securities shall continue for the remaining period with the transferee and such transferee shall not be eligible to transfer them till the lock-in period stipulated in these regulations has expired.

PART V - MINIMUM OFFER TO PUBLIC, RESERVATIONS, ETC.

Minimum offer to public.

41. (1) Subject to the provisions of sub-clause (b) of clause (2) of rule 19 of Securities Contracts (Regulations) Rules, 1957, the net offer to public:

- (a) in case of an initial public offer, shall be at least ten per cent. or twenty five per cent. of the post-issue capital, as the case may be; and
- (b) in case of a further public offer, shall be at least ten per cent. or twenty five per cent. of the issue size, as the case may be.

(2) Nothing contained in sub-regulation (1) shall apply if the issuer is:

- (a) a government company or statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up and controlled by any one or more of them, which is engaged in infrastructure sector;
- (b) an infrastructure company fulfilling the following conditions:
 - (i) its project has been appraised by one or more public financial institutions;
 - (ii) not less than fifty per cent. of the project cost is financed by one or more such institutions, jointly or severally, by way of loan or subscription to equity shares or a combination of both, irrespective of whether they appraise the project or not.

Explanation: For the purpose of this regulation:

- (I) The term "infrastructure company" means, an enterprise wholly engaged in the business of (i) developing or (ii) operating and maintaining or (iii) developing, operating and maintaining any infrastructure facility;
- (II) The term "infrastructure sector" includes the facilities or services as specified in **Schedule X**.

Reservation on competitive basis.

42. (1) In case of an issue made through the book building process, the issuer may make reservation on competitive basis out of the issue size excluding promoters' contribution and net offer to public in favour of the following categories of persons:

- (a) employees of the issuer including employees of the promoting companies in case of a new issuer;
- (b) shareholders (other than promoters) of:
 - (i) listed promoting companies, in case of a new issuer; and
 - (ii) listed group companies, in case of an existing issuer:

Provided that if the promoting companies are designated financial institutions or state and central financial institutions, the shareholders of such promoting companies shall not be eligible for the reservation on competitive basis;

- (c) persons who, as on the date of filing the draft offer document with the Board, are associated with the issuer as depositors, bondholders or subscribers to services of the issuer making an initial public offer:

Provided that the issuer shall not make the reservation to the issue management team, syndicate members, their promoters, directors and employees and for the group or associate companies of the issue management team and syndicate members and their promoters, directors and employees;

(2) In case of an issue made other than through the book building process, the issuer may make reservation on competitive basis out of the issue size excluding promoters' contribution and net offer to public in favour of the following categories of persons:

- (a) employees of the issuer including employees of the promoting companies in case of a new issuer;
- (b) shareholders (other than promoters) of:
 - (i) listed promoting companies, in the case of a new issuer; and
 - (ii) listed group companies, in the case of an existing issuer:

Provided that if the promoting companies are designated financial institutions or state and central financial institutions, the shareholders of such promoting companies shall not be eligible for the reservation on competitive basis.

(3) In case of a further public offer (not being a composite issue), the issuer may make reservation on competitive basis out of the issue size excluding promoters' contribution and net offer to public in favour of retail individual shareholders of the issuer.

(4) The reservation on competitive basis shall be subject to following conditions:

- (a) the aggregate of reservations for employees shall not exceed ten per cent. of the issue size;
- (b) reservation for shareholders shall not exceed ten per cent. of the issue size;
- (c) reservation for persons who as on the date of filing the draft offer document with the Board, have business association as depositors, bondholders and subscribers to services with the issuer making an initial public offer shall not exceed five per cent. of the issue size;
- (d) no further application for subscription in the net offer to public category shall be entertained from any person (except an employee and retail individual shareholder) in favour of whom reservation on competitive basis is made;
- (e) any unsubscribed portion in any reserved category may be added to any other reserved category and the unsubscribed portion, if any, after such inter-se adjustments among the reserved categories shall be added to the net offer to the public category;
- (f) in case of under-subscription in the net offer to the public category, spill-over to the extent of under-subscription shall be permitted from the reserved category to the net public offer category.

(5) In the case of reserved categories, a single applicant in the reserved category may make an application for a number of specified securities which exceeds the reservation.

Explanation: For the purposes of this regulation:

- (I) The term "reservation on competitive basis" means reservation wherein specified securities are allotted in proportion of the number of specified securities applied for in respect of a particular reserved category to the number of specified securities reserved for that category;
- (II) The term "new issuer" means an issuer which has not completed twelve months of commercial operation and its audited operative results are not available.

Allocation in net offer to public.

43. (1) No person shall make an application in the net offer to public category for that number of specified securities which exceeds the number of specified securities offered to public.

(2) In an issue made through the book building process, the allocation in the net offer to public category shall be made as follows:

- (a) not less than thirty five per cent. to retail individual investors;
- (b) not less than fifteen per cent. to non-institutional investors;
- (c) not more than fifty per cent. to qualified institutional buyers, five per cent. of which shall be allocated to mutual funds:

Provided that in case of an issue made in terms of sub-clause (i) of clause (a) of sub-regulation (2) of regulation 26, at least fifty per cent. of the net offer to public shall be allotted to qualified institutional buyers:

Provided further that where the issuer is required to allocate sixty per cent. of the net offer to public to qualified institutional buyers in terms of the provisions of sub-clause (b) of clause (2) of rule 19 of Securities Contracts (Regulations) Rules, 1957, allocation to retail individual investors and non-institutional investors shall be thirty per cent. and ten per cent. respectively:

Provided further that in addition to five per cent. allocation available in terms of clause (c), mutual funds shall be eligible for allocation under the balance available for qualified institutional buyers.

(3) In an issue made through the book building process, the issuer may allocate upto thirty per cent. of the portion available for allocation to qualified institutional buyers to an anchor investor in accordance with the conditions specified in this regard in Schedule XI.

(4) In an issue made other than through the book building process, allocation in the net offer to public category shall be made as follows:

- (a) minimum fifty per cent. to retail individual investors; and
- (b) remaining to:
 - (i) individual applicants other than retail individual investors; and
 - (ii) other investors including corporate bodies or institutions, irrespective of the number of specified securities applied for;
- (c) the unsubscribed portion in either of the categories specified in clauses (a) or (b) may be allocated to applicants in the other category.

Explanation: For the purpose of sub-regulation (4), if the retail individual investor category is entitled to more than fifty per cent. on proportionate basis, the retail individual investors shall be allocated that higher percentage.

Safety-net arrangement.

44. An issuer may provide for a safety-net arrangement for the specified securities offered in any public issue in consultation with the merchant banker after ascertaining the financial capacity of the person offering the safety-net arrangement, subject to disclosures specified in this regard in **Part A of Schedule VIII**:

Provided that any such arrangement shall provide for an offer to purchase up to a maximum of one thousand specified securities per original resident retail individual allottee at the issue price within a period of six months from the last date of despatch of security certificates or credit of demat account.

Explanation: For the purpose of this regulation, the term "safety net arrangement" means an arrangement provided by the issuer under which a person offers to purchase specified securities from the original resident retail individual allottees at the issue price.

Price stabilisation through green shoe option.

45. (1) An issuer making a public issue of specified securities may provide green shoe option for stabilising the post listing price of its specified securities, subject to the following:

- (a) the issuer has been authorized, by a resolution passed in the general meeting of shareholders approving the public issue, to allot specified securities to the stabilising agent, if required, on the expiry of the stabilisation period;
- (b) the issuer has appointed a merchant banker or book runner, as the case may be, from amongst the merchant bankers appointed by the issuer as a stabilising agent, who shall be responsible for the price stabilisation process;
- (c) prior to filing the draft offer document with the Board, the issuer and the stabilising agent have entered into an agreement, stating all the terms and conditions relating to the green shoe option including fees charged and expenses to be incurred by the stabilising agent for discharging his responsibilities;
- (d) prior to filing the offer document with the Board, the stabilising agent has entered into an agreement with the promoters or pre-issue shareholders or both for borrowing specified securities from them in accordance with clause (g) of this sub-regulation, specifying therein the maximum number of specified securities that may be borrowed for the purpose of allotment or allocation of specified securities in excess of the issue size (hereinafter referred to as the "over-allotment"), which shall not be in excess of fifteen per cent. of the issue size;
- (e) subject to clause (d), the lead merchant banker or lead book runner, in consultation with the stabilising agent, shall determine the amount of specified securities to be over-allotted in the public issue;
- (f) the draft and final offer documents shall contain all material disclosures about the green shoe option specified in this regard in **Part A of Schedule VIII**;
- (g) in case of an initial public offer pre-issue shareholders and promoters and in case of a further public offer pre-issue shareholders holding more than five per cent. specified securities and promoters, may lend specified securities to the extent of the proposed over-allotment;
- (h) the specified securities borrowed shall be in dematerialised form and allocation of these securities shall be made pro-rata to all successful applicants.

(2) For the purpose of stabilisation of post-listing price of the specified securities, the stabilising agent shall determine the relevant aspects including the timing of buying such securities, quantity to be bought and the price at which such securities are to be bought from the market.

(3) The stabilisation process shall be available for a period not exceeding thirty days from the date on which trading permission is given by the recognised stock exchanges in respect of the specified securities allotted in the public issue.

(4) The stabilising agent shall open a special account, distinct from the issue account, with a bank for crediting the monies received from the applicants against the over-allotment and a special account with a depository participant for crediting specified securities to be bought from the market during the stabilisation period out of the monies credited in the special bank account.

(5) The specified securities bought from the market and credited in the special account with the depository participant shall be returned to the promoters or pre-issue shareholders immediately, in any case not later than two working days after the end of the stabilization period.

(6) On expiry of the stabilisation period, if the stabilising agent has not been able to buy specified securities from the market to the extent of such securities over-allotted, the issuer shall allot specified securities at issue price in dematerialised form to the extent of the shortfall to the special account with the depository participant, within five days of the closure of the stabilisation period and such specified securities shall be returned to the promoters or pre-issue shareholders by the stabilising agent in lieu of the specified securities borrowed from them and the account with the depository participant shall be closed thereafter.

(7) The issuer shall make a listing application in respect of the further specified securities allotted under sub-regulation (6), to all the recognised stock exchanges where the specified securities allotted in the public issue are listed and the provisions of Chapter VII shall not be applicable to such allotment.

(8) The stabilising agent shall remit the monies with respect to the specified securities allotted under sub-regulation (6) to the issuer from the special bank account.

(9) Any monies left in the special bank account after remittance of monies to the issuer under sub-regulation (8) and deduction of expenses incurred by the stabilising agent for the stabilisation process shall be transferred to the Investor Protection and Education Fund established by the Board and the special bank account shall be closed soon thereafter.

(10) The stabilising agent shall submit a report to the stock exchange on a daily basis during the stabilisation period and a final report to the Board in the format specified in **Schedule XII**.

(11) The stabilising agent shall maintain a register for a period of at least three years from the date of the end of the stabilisation period and such register shall contain the following particulars:

- (a) The names of the promoters or pre-issue shareholders from whom the specified securities were borrowed and the number of specified securities borrowed from each of them;
- (b) The price, date and time in respect of each transaction effected in the course of the stabilisation process; and
- (c) The details of allotment made by the issuer on expiry of the stabilisation process.

Period of subscription.

46. (1) A public issue shall be kept open for at least three working days but not more than ten working days including the days for which the issue is kept open in case of revision in price band.

(2) In case the price band in a public issue made through the book building process is revised, the bidding (issue) period disclosed in the red herring prospectus shall be extended for a minimum period of three working days:

Provided that the total bidding period shall not exceed ten working days.

Pre-issue advertisement for public issue.

47. (1) Subject to the provisions of section 66 of the Companies Act, 1956, the issuer shall, after registering the red herring prospectus (in case of a book built issue) or prospectus (in case of fixed price issue) with the Registrar of Companies, make a pre-issue advertisement in one English national daily newspaper with wide circulation, Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language newspaper with wide circulation at the place where the registered office of the issuer is situated.

(2) The pre-issue advertisement shall be in the format and shall contain the disclosures specified in **Part A of Schedule XIII.**

Issue opening and issue closing advertisement for public issue.

48. An issuer may issue advertisements for issue opening and issue closing advertisements, which shall be in the formats specified in **Parts B and C of Schedule XIII.**

Minimum application value.

49. (1) The issuer shall stipulate in the offer document, the minimum application size in terms of number of specified securities which shall fall within the range of minimum application value of five thousand rupees to seven thousand rupees.

(2) The issuer shall invite applications in multiples of the minimum application value, an illustration whereof is given in **Schedule XIV.**

(3) The minimum sum payable on application shall not be less than twenty five per cent. of the issue price:

Provided that in case of an offer for sale, the issue price payable for each specified security shall be brought in at the time of application.

Explanation: For the purpose of this regulation, "minimum application value" shall be with reference to the issue price of the specified securities and not with reference to the amount payable on application.

Allotment procedure and basis of allotment.

50. (1) The allotment of specified securities to applicants other than anchor investors shall be on proportionate basis within the specified investor categories and the number of securities allotted shall be rounded off to the nearest integer, subject to minimum allotment being equal to the minimum application size as determined and disclosed by the issuer.

(2) The executive director or managing director of the designated stock exchange along with the post issue lead merchant bankers and registrars to the issue shall ensure that the basis of allotment is finalised in a fair and proper manner in accordance with the allotment procedure as specified in **Schedule XV.**

Utilisation of subscription money.

51. The post-issue lead merchant banker shall ensure that moneys received in respect of the issue are released to the issuer in compliance with the provisions of section 73 of the Companies Act, 1956.

CHAPTER IV RIGHTS ISSUE

Record Date.

52. (1) A listed issuer making a rights issue shall announce a record date for the purpose of determining the shareholders eligible to apply for specified securities in the proposed rights issue.

(2) The issuer shall not withdraw rights issue after announcement of the record date.

(3) If the issuer withdraws the rights issue after announcing the record date, it shall not make an application for listing of any of its specified securities on any recognised stock exchange for a period of twelve months from the record date announced under sub-regulation (1):

Provided that the issuer may seek listing of its equity shares allotted pursuant to conversion or exchange of convertible securities issued prior to the announcement of the record date, on the recognised stock exchange where its securities are listed.

Restriction on rights issue.

53. (1) No issuer shall make a rights issue of equity shares if it has outstanding fully or partly convertible debt instruments at the time of making rights issue, unless it has made reservation of equity shares of the same class in favour of the holders of such outstanding convertible debt instruments in proportion to the convertible part thereof.

(2) The equity shares reserved for the holders of fully or partially convertible debt instruments shall be issued at the time of conversion of such convertible debt instruments on the same terms on which the equity shares offered in the rights issue were issued.

Letter of offer, abridged letter of offer, pricing and period of subscription.

54. (1) The abridged letter of offer, along with application form, shall be dispatched through registered post or speed post to all the existing shareholders at least three days before the date of opening of the issue:

Provided that the letter of offer shall be given by the issuer or lead merchant banker to any existing shareholder who has made a request in this regard.

(2) The shareholders who have not received the application form may apply in writing on a plain paper, along with the requisite application money.

(3) The shareholders making application otherwise than on the application form shall not renounce their rights and shall not utilise the application form for any purpose including renunciation even if it is received subsequently.

(4) Where any shareholder makes an application on application form as well as on plain paper, the application is liable to be rejected.

(5) The issue price shall be decided before determining the record date which shall be determined in consultation with the designated stock exchange.

(6) A rights issue shall be open for subscription for a minimum period of fifteen days and for a maximum period of thirty days.

Pre-Issue Advertisement for rights issue.

55. (1) The issuer shall issue an advertisement for rights issue disclosing the following:

- (a) the date of completion of despatch of abridged letter of offer and the application form;
- (b) the centres other than registered office of the issuer where the shareholders or the persons entitled to receive the rights entitlements may obtain duplicate copies of the application forms in case they do not receive the application form within a reasonable time after opening of the rights issue;
- (c) a statement that if the shareholders entitled to receive the rights entitlements have neither received the original application forms nor they are in a position to obtain the duplicate forms, they may make application in writing on a plain paper to subscribe to the rights issue;
- (d) a format to enable the shareholders entitled to apply against their rights entitlements, to make the application on a plain paper specifying therein necessary particulars such as name, address, ratio of rights issue, issue price, number of equity shares held, ledger folio numbers, depository participant ID, client ID, number of equity shares entitled and applied for, additional shares if any, amount to be paid along with application, and particulars of cheque, etc. to be drawn in favour of the issuer's account;
- (e) a statement that the applications can be directly sent by the shareholders entitled to apply against rights entitlements through registered post together with the application moneys to the issuer's designated official at the address given in the advertisement;
- (f) a statement to the effect that if the shareholder makes an application on plain paper and also on application form both his applications shall be liable to be rejected at the option of the issuer.

(2) The advertisement shall be made in at least one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language daily newspaper with wide circulation at the place where registered office of the issuer is situated, at least three days before the date of opening of the issue.

Utilisation of funds raised in rights issue.

56. The issuer shall utilise funds collected in rights issues after the finalisation of the basis of allotment.

CHAPTER V**MANNER OF DISCLOSURES IN THE OFFER DOCUMENTS****Manner of disclosures in the offer document.**

57. (1) The offer document shall contain all material disclosures which are true and adequate so as to enable the applicants to take an informed investment decision.

(2) Without prejudice to the generality of sub-regulation (1):

- (a) the red-herring prospectus, shelf prospectus and prospectus shall contain:
 - (i) the disclosures specified in Schedule II of the Companies Act, 1956; and
 - (ii) the disclosures specified in **Part A of Schedule VIII**, subject to the provisions of **Parts B and C** thereof.
- (b) the letter of offer shall contain disclosures as specified in **Part E of Schedule VIII**.

Abridged prospectus, abridged letter of offer and ASBA.

58. (1) The abridged prospectus shall contain the disclosures of the memorandum prescribed under sub-section (3) of section 56 of the Companies Act, 1956 and additional disclosures as specified in **Part D of Schedule VIII**.

(2) The abridged letter of offer shall contain the disclosures as specified in **Part F of Schedule VIII.**

(3) The abridged prospectus and abridged letter of offer shall not contain any matter extraneous to the contents of the offer document.

(4) Every application form-including ASBA form distributed by the issuer or any other person in relation to an issue shall be accompanied by a copy of the abridged prospectus or abridged letter of offer, as the case may be.

(5) The issuer shall provide the facility of ASBA in all book built public issues and rights issues, where not more than one payment option is given to the retail individual investors, in accordance with the procedure specified by the Board.

(6) An application through ASBA form may be made:

- (a) in a public issue, by an applicant who:
 - (i) is a resident retail individual investor;
 - (ii) is bidding at cut-off, with single option as to the number of shares bid for;
 - (iii) is applying through blocking of funds in a bank account with the self certified syndicate banks;
 - (iv) has agreed not to revise his bid;
 - (v) is not bidding under any of the reserved categories;
- (b) in a rights issue, by an applicant who:
 - (i) holds the shares of the issuer in dematerialised form as on the record date and has applied for entitlements and/or additional equity shares in dematerialised form;
 - (ii) has not renounced his entitlements in full or in part;
 - (iii) is not a renouncee;
 - (iv) who is applying through blocking of funds in a bank account with the Self Certified Syndicate Bank.

CHAPTER VI

GENERAL OBLIGATIONS OF ISSUER AND INTERMEDIARIES WITH RESPECT TO PUBLIC ISSUE AND RIGHTS ISSUE

Prohibition on payment of incentives.

59. No person connected with the issue shall offer any incentive, whether direct or indirect, in any manner, whether in cash or kind or services or otherwise to any person for making an application for allotment of specified securities:

Provided that nothing contained in this regulation shall apply to fees or commission for services rendered in relation to the issue.

Explanation: For the purpose of this regulation, the expression "person connected with the issue" includes a person connected with the distribution of the issue.

Public communications, publicity materials, advertisements and research reports.

60. (1) Any public communication including advertisement and publicity material issued by the issuer or research report made by the issuer or any intermediary concerned with the issue or their associates, shall contain only factual information and shall not contain projections, estimates, conjectures, etc. or any matter extraneous to the contents of the offer document.

(2) All public communications and publicity material issued or published in any media during the period commencing from the date of the meeting of the board of directors of the issuer in which the public issue or rights issue is approved till the date of filing draft offer document with the Board shall be consistent with its past practices:

Provided that where such public communication or publicity material is not consistent with the past practices of the issuer, it shall be prominently displayed or announced in such public communication or publicity material that the issuer is proposing to make a public or rights issue of specified securities in the near future and is in the process of filing a draft offer document with the Board.

(3) All public communications and publicity material issued or published in any media during the period commencing from the date of filing draft offer document with the Board till the date of allotment of securities offered in the issue, shall prominently disclose that:

- (a) the issuer is proposing to make a public issue or rights issue of the specified securities and has filed a draft offer document with the Board or has filed the red herring prospectus or prospectus with the Registrar of Companies or the letter of offer with the designated stock exchange, as the case may be.
- (b) the draft offer document, red herring prospectus or final offer document, as the case may be, is available on the website of the Board, lead merchant bankers or lead book runners.

(4) The issuer shall make prompt, true and fair disclosure of all material developments which take place during the following period mentioned in this sub-regulation, relating to its business and securities and also relating to the business and securities of its subsidiaries, group companies, etc., which may have a material effect on the issuer, by issuing public notices in all the newspapers in which the issuer had issued pre-issue advertisement under regulation 47 or regulation 55, as the case may be:

- (a) in case of public issue, between the date of registering final prospectus or the red herring prospectus, as the case may be, with the Registrar of Companies, and the date of allotment of specified securities;
- (b) in case of a rights issue, between the date of filing the letter of offer with the designated stock exchange and the date of allotment of the specified securities.

(5) The issuer shall not, directly or indirectly, release, during any conference or at any other time, any material or information which is not contained in the offer document.

(6) In respect of all public communications, issue advertisements and publicity materials, the issuer shall obtain approval from the lead merchant bankers responsible for marketing the issue and shall also make copies of all issue related materials available with the lead merchant bankers at least till the allotment is completed.

(7) Any advertisement or research report issued or caused to be issued by an issuer, any intermediary concerned with the issue or their associates shall comply with the following:

- (a) it shall be truthful, fair and shall not be manipulative or deceptive or distorted and it shall not contain any statement, promise or forecast which is untrue or misleading;
- (b) if it reproduces or purports to reproduce any information contained in an offer document, it shall reproduce such information in full and disclose all relevant facts and not be restricted to select extracts relating to that information;
- (c) it shall be set forth in a clear, concise and understandable language;
- (d) it shall not include any issue slogans or brand names for the issue except the normal commercial name of the issuer or commercial brand names of its products already in use;
- (e) if it presents any financial data, data for the past three years shall also be included alongwith particulars relating to sales, gross profit, net profit, share capital, reserves, earnings per share, dividends and the book values;
- (f) no advertisement shall use extensive technical, legal terminology or complex language and excessive details which may distract the investor;
- (g) no issue advertisement shall contain statements which promise or guarantee rapid increase in profits;

- (h) no issue advertisement shall display models, celebrities, fictional characters, landmarks or caricatures or the likes;
- (i) no issue advertisement shall appear in the form of crawlers (the advertisements which run simultaneously with the programme in a narrow strip at the bottom of the television screen) on television;
- (j) in any issue advertisement on television screen, the risk factors shall not be scrolled on the television screen and the advertisement shall advise the viewers to refer to the red herring prospectus or other offer document for details;
- (k) no issue advertisement shall contain slogans, expletives or non-factual and unsubstantiated titles;
- (l) if an advertisement or research report contains highlights, it shall also contain risk factors with equal importance in all respects including print size of not less than point seven size;
- (m) an issue advertisement displayed on a billboard shall not contain information other than that specified in Parts A, B and C of Schedule XIII, as applicable;
- (n) an issue advertisement which contains highlights or information other than the details contained in the format as specified in Parts A and B of Schedule XIII shall contain risk factors.

(8) No advertisement shall be issued giving any impression that the issue has been fully subscribed or oversubscribed during the period the issue is open for subscription.

(9) An announcement regarding closure of issue shall be made only after the lead merchant banker(s) is satisfied that at least ninety per cent. of the offer through offer document has been subscribed and a certificate has been obtained to that effect from the registrar to the issue:

Provided that such announcement shall not be made before the date on which the issue is to be closed.

(10) No advertisement or distribution material with respect to the issue shall contain any offer of incentives, whether direct or indirect, in any manner, whether in cash or kind or services or otherwise.

(11) No product advertisement shall contain any reference, directly or indirectly, to the performance of the issuer during the period commencing from the date of the resolution of the board of directors of the issuer approving the public issue or rights issue till the date of allotment of specified securities offered in such issue.

(12) A research report may be prepared only on the basis of information, disclosed to the public by the issuer by updating the offer document or otherwise.

(13) No selective or additional information or information which is extraneous to the information disclosed to the public through the offer document or otherwise, shall be given by the issuer or any member of the issue management team or syndicate to any particular section of the investors or to any research analyst in any manner whatsoever, including at road shows, presentations, in research or sales reports or at bidding centres.

Explanation: For the purpose of this regulation:

(I) "public communication or publicity material" includes corporate, product and issue advertisements of the issuer, interviews by its promoters, directors, duly authorized employees or representatives of the issuer, documentaries about the issuer or its promoters, periodical reports and press releases.

(II) An issue advertisement shall be considered to be misleading, if it contains:

- (a) Statements made about the performance or activities of the issuer without necessary explanatory or qualifying statements, which may give an exaggerated picture of such performance or activities.
- (b) An inaccurate portrayal of past performance or its portrayal in a manner which implies that past gains or income will be repeated in the future.

Copies of offer documents to be available to public.

- 61.** (1) The issuer and lead merchant bankers shall ensure that the contents of offer documents hosted on the websites as required in these regulations are the same as that of their printed versions as filed with the Registrar of Companies, Board and the stock exchanges.
- (2) The lead merchant bankers and the recognised stock exchange shall provide copies of the draft offer document and final offer document to the public as and when requested.
- (3) The lead merchant bankers or the recognised stock exchange may charge a reasonable sum for providing the copy of the offer document.

Redressal of investor grievances.

- 62.** The post-issue lead merchant bankers shall actively associate himself with post-issue activities such as allotment, refund, despatch and giving instructions to syndicate members, Self Certified Syndicate Banks and other intermediaries and shall regularly monitor redressal of investor grievances arising therefrom.

Appointment of Compliance Officer.

- 63.** The issuer shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the securities laws and for redressal of investors' grievances.

Explanation: For the purpose of this regulation, the term "securities laws" means the Companies Act, 1956, the Act, the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996 and the rules and regulations made thereunder and the regulations, general or special orders, guidelines or circulars made or issued by the Board.

Due diligence.

- 64.** (1) The lead merchant bankers shall exercise due diligence and satisfy himself about all the aspects of the issue including the veracity and adequacy of disclosure in the offer documents.
- (2) The lead merchant bankers shall call upon the issuer, its promoters or directors or in case of an offer for sale, the selling shareholders, to fulfil their obligations as disclosed by them in the offer document and as required in terms of these Regulations.
- (3) The post-issue merchant banker shall continue to be responsible for post-issue activities till the subscribers have received the securities certificates, credit to their demat account or refund of application moneys and the listing agreement is entered into by the issuer with the stock exchange and listing/ trading permission is obtained.
- (4) The responsibility of the lead merchant banker shall continue even after the completion of issue process.

Post- issue reports.

- 65.** (1) The lead merchant banker shall submit post-issue reports to the Board in accordance with sub-regulation (2).
- (2) The post-issue reports shall be submitted as follows:
- (a) initial post issue report as specified in **Parts A and B of Schedule XVI**, within three days of closure of the issue
 - (b) final post issue report as specified in **Parts C and D of Schedule XVI**, within fifteen days of the date of finalisation of basis of allotment or within fifteen days of refund of money in case of failure of issue.
- (3) The lead merchant banker shall submit a due diligence certificate as per the format specified in **Form G of Schedule VI**, along with the final post issue report.

Post-issue Advertisements.

66. (1) The post-issue merchant banker shall ensure that advertisement giving details relating to oversubscription, basis of allotment, number, value and percentage of all applications including ASBA, number, value and percentage of successful allottees for all applications including ASBA, date of completion of despatch of refund orders or instructions to Self Certified Syndicate Banks by the Registrar, date of despatch of certificates and date of filing of listing application, etc. is released within ten days from the date of completion of the various activities in at least one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language daily newspaper with wide circulation at the place where registered office of the issuer is situated.

(2) The post-issue merchant banker shall ensure that issuer, advisors, brokers or any other entity connected with the issue do not publish any advertisement stating that issue has been oversubscribed or indicating investors' response to the issue, during the period when the public issue is still open for subscription by the public.

Co-ordination with Intermediaries.

67. (1) The post-issue merchant banker shall maintain close co-ordination with the registrars to the issue and arrange to depute its officers to the offices of various intermediaries at regular intervals after the closure of the issue to monitor the flow of applications from collecting bank branches and/or Self Certified Syndicate Banks, processing of the applications including application form for ASBA and other matters till the basis of allotment is finalised, despatch of security certificates and refund orders are completed and securities are listed.

(2) Any act of omission or commission on the part of any of the intermediaries noticed during such visits shall be duly reported to the Board.

(3) In case there is a devolvement on underwriters, the merchant banker shall ensure that the notice for devolvement containing the obligation of the underwriters is issued within a period of ten days from the date of closure of the issue.

(4) In case of undersubscribed issues, the merchant banker shall furnish information in respect of underwriters who have failed to meet their underwriting devolvement to the Board in the format specified in **Schedule XVII**.

(5) The post-issue merchant banker shall confirm to the bankers to the issue by way of copies of listing and trading approvals that all formalities in connection with the issue have been completed and that the banker is free to release the money to the issuer or release the money for refund in case of failure of the issue.

Audited financial statements in the offer document.

68. The merchant banker shall ensure that the information contained in the offer document and the particulars as per audited financial statements in the offer document are not more than six months old from the issue opening date.

Other responsibilities.

69. (1) The post-issue merchant banker shall ensure that the despatch of refund orders, allotment letters and share certificates is done by way of registered post or certificate of posting, as may be applicable.

(2) The post-issue merchant banker shall ensure payment of interest to the applicants for delayed dispatch of allotment letters, refund orders, etc. as per the disclosure made in the offer document.

(3) In case of absence of definite information about subscription figures, the issue shall be kept open for the required number of days to avoid any dispute, at a later date, by the underwriters in respect of their liability.

(4) The issuer shall ensure that transactions in securities by the promoter and promoter group during the period between the date of registering the offer document with the Registrar of Companies or filing the letter of offer with the designated stock exchange, as the case may be and the date of closure of the issue shall be reported to the recognised stock exchanges where the specified securities of the issuer are listed, within twenty four hours of the transactions.

CHAPTER VII PREFERENTIAL ISSUE

Chapter VII not to apply in certain cases.

70. (1) The provisions of this Chapter shall not apply where the preferential issue of equity shares is made:

- (a) pursuant to conversion of loan or option attached to convertible debt instruments in terms of sub-sections (3) and (4) of sections 81 of the Companies Act, 1956;
- (b) pursuant to a scheme approved by a High Court under section 391 to 394 of the Companies Act, 1956;
- (c) in terms of the rehabilitation scheme approved by the Board of Industrial and Financial Reconstruction under the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985:

Provided that the lock-in provisions of this Chapter shall apply to such preferential issue of equity shares.

(2) The provisions of this Chapter relating to pricing and lock-in shall not apply to equity shares allotted to any financial institution within the meaning of sub-clauses (ia) and (ii) of clause (h) of section 2 of the Recovery of Debts due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 (51 of 1993).

(3) The provisions of regulation 73 and regulation 76 shall not apply to a preferential issue of equity shares and compulsorily convertible debt instruments, whether fully or partly, where the Board has granted relaxation to the issuer in terms of regulation 29A of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997, if adequate disclosures about the plan and process proposed to be followed for identifying the allottees are given in the explanatory statement to notice for the general meeting of shareholders.

Relevant date.

71. For the purpose of this Chapter, "relevant date" means:

- (a) in case of preferential issue of equity shares, the date thirty days prior to the date on which the meeting of shareholders is held to consider the proposed preferential issue:
Provided that in case of preferential issue of equity shares pursuant to a scheme approved under the Corporate Debt Restructuring framework of Reserve Bank of India, the date of approval of the Corporate Debt Restructuring Package shall be the relevant date.
- (b) in case of preferential issue of convertible securities, either the relevant date referred to in clause (a) of this regulation or a date thirty days prior to the date on which the holders of the convertible securities become entitled to apply for the equity shares.

Conditions for preferential issue.

72. (1) A listed issuer may make a preferential issue of specified securities, if:

- (a) a special resolution has been passed by its shareholders;
- (b) all the equity shares, if any, held by the proposed allottees in the issuer are in dematerialised form;
- (c) the issuer is in compliance with the conditions for continuous listing of equity shares as specified in the listing agreement with the recognised stock exchange where the equity shares of the issuer are listed;
- (d) the issuer has obtained the Permanent Account Number of the proposed allottees.

(2) The issuer shall not make preferential issue of specified securities to any person who has sold any equity shares of the issuer during the six months preceding the relevant date:

Provided that in respect of the preferential issue of equity shares and compulsorily convertible debt instruments, whether fully or partly, the Board may grant relaxation from the requirements of this sub-regulation, if the Board has granted relaxation in terms of regulation 29A of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997 to such preferential allotment.

Disclosures.

73. (1) The issuer shall, in addition to the disclosures required under section 173 of the Companies Act, 1956 or any other applicable law, disclose the following in the explanatory statement to the notice for the general meeting proposed for passing special resolution:

- (a) the objects of the preferential issue;
- (b) the proposal of the promoters, directors or key management personnel of the issuer to subscribe to the offer;
- (c) the shareholding pattern of the issuer before and after the preferential issue;
- (d) the time within which the preferential issue shall be completed;
- (e) the identity of the proposed allottees, the percentage of post preferential issue capital that may be held by them and change in control, if any, in the issuer consequent to the preferential issue;
- (f) an undertaking that the issuer shall re-compute the price of the specified securities in terms of the provision of these regulations where it is required to do so;
- (g) an undertaking that if the amount payable on account of the re-computation of price is not paid within the time stipulated in these regulations, the specified securities shall continue to be locked-in till the time such amount is paid by the allottees.

(2) The issuer shall place a copy of the certificate of its statutory auditor before the general meeting of the shareholders, considering the proposed preferential issue, certifying that the issue is being made in accordance with the requirements of these regulations.

(3) Where specified securities are issued on a preferential basis to promoters, their relatives, associates and related entities for consideration other than cash, the valuation of the assets in consideration for which the equity shares are issued shall be done by an independent qualified valuer, which shall be submitted to the recognised stock exchanges where the equity shares of the issuer are listed:

Provided that if the recognised stock exchange is not satisfied with the appropriateness of the valuation, it may get the valuation done by any other valuer and for this purpose it may obtain any information, as deemed necessary, from the issuer.

(4) The special resolution shall specify the relevant date on the basis of which price of the equity shares to be allotted on conversion or exchange of convertible securities shall be calculated.

Explanation: For the purpose of sub-regulation (3), the term 'valuer' has the same meaning as is assigned to it under clause (r) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Sweat Equity) Regulations, 2002.

Allotment pursuant to special resolution.

74. (1) Allotment pursuant to the special resolution shall be completed within a period of fifteen days from the date of passing of such resolution:

Provided that where any application for exemption from the applicability of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997 or any approval or permission by any regulatory authority or the Central Government for allotment is pending, the period of fifteen days shall be counted from the date of order on such application or the date of approval or permission, as the case may be:

Provided further that where the Board has granted relaxation to the issuer in terms of regulation 29A of SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997, the preferential issue of

equity shares and compulsorily convertible debt instruments, whether fully or partly, shall be made by it within such time as may be specified by the Board in its order granting the relaxation:

Provided further that requirement of allotment within fifteen days shall not apply to allotment of specified securities on preferential basis pursuant to a scheme of corporate debt restructuring as per the corporate debt restructuring framework specified by the Reserve Bank of India.

(2) If the allotment of specified securities is not completed within fifteen days from the date of special resolution, a fresh special resolution shall be passed and the relevant date for determining the price of specified securities under this Chapter will be taken with reference to the date of latter special resolution.

Tenure of convertible securities.

75. The tenure of the convertible securities of the issuer shall not exceed eighteen months from the date of their allotment.

Pricing of equity shares.

76. (1) If the equity shares of the issuer have been listed on a recognised stock exchange for a period of six months or more as on the relevant date, the equity shares shall be allotted at a price not less than higher of the following:

- (a) The average of the weekly high and low of the closing prices of the related equity shares quoted on the recognised stock exchange during the six months preceding the relevant date; or
- (b) The average of the weekly high and low of the closing prices of the related equity shares quoted on a recognised stock exchange during the two weeks preceding the relevant date.

(2) If the equity shares of the issuer have been listed on a recognised stock exchange for a period of less than six months as on the relevant date, the equity shares shall be allotted at a price not less than the higher of the following:

- (a) the price at which equity shares were issued by the issuer in its initial public offer or the value per share arrived at in a scheme of arrangement under sections 391 to 394 of the Companies Act, 1956, pursuant to which the equity shares of the issuer were listed, as the case may be; or
- (b) the average of the weekly high and low of the closing prices of the related equity shares quoted on the recognised stock exchange during the period shares have been listed preceding the relevant date; or
- (c) the average of the weekly high and low of the closing prices of the related equity shares quoted on a recognised stock exchange during the two weeks preceding the relevant date.

(3) Where the price of the equity shares is determined in terms of sub-regulation (2), such price shall be recomputed by the issuer on completion of six months from the date of listing on a recognised stock exchange with reference to the average of the weekly high and low of the closing prices of the related equity shares quoted on the recognised stock exchange during these six months and if such recomputed price is higher than the price paid on allotment, the difference shall be paid by the allottees to the issuer.

(4) Any preferential issue of specified securities, to qualified institutional buyers not exceeding five in number, shall be made at a price not less than the average of the weekly high and low of the closing prices of the related equity shares quoted on a recognised stock exchange during the two weeks preceding the relevant date.

Explanation: For the purpose of this regulation, 'stock exchange' means any of the recognised stock exchanges in which the equity shares are listed and in which the highest trading volume in respect of

the equity shares of the issuer has been recorded during the preceding six months prior to the relevant date.

Payment of consideration.

77. (1) Full consideration of specified securities other than warrants issued under this Chapter shall be paid by the allottees at the time of allotment of such specified securities:

Provided that in case of a preferential issue of specified securities pursuant to a scheme of corporate debt restructuring as per the corporate debt restructuring framework specified by the Reserve Bank of India, the allottee may pay the consideration in terms of such scheme.

(2) An amount equivalent to at least twenty five per cent. of the consideration determined in terms of regulation 76 shall be paid against each warrant on the date of allotment of warrants.

(3) The balance seventy five per cent. of the consideration shall be paid at the time of allotment of equity shares pursuant to exercise of option against each such warrant by the warrant holder.

(4) In case the warrant holder does not exercise the option to take equity shares against any of the warrants held by him, the consideration paid in respect of such warrant in terms of sub-regulation (2) shall be forfeited by the issuer.

Lock-in of specified securities.

78. (1) The specified securities allotted on preferential basis to promoter or promoter group and the equity shares allotted pursuant to exercise of options attached to warrants issued on preferential basis to promoter or promoter group, shall be locked-in for a period of three years from the date of allotment of the specified securities or equity shares allotted pursuant to exercise of the option attached to warrant, as the case may be:

Provided that not more than twenty per cent. of the total capital of the issuer shall be locked-in for three years from the date of allotment:

Provided further that equity shares allotted in excess of the twenty per cent. shall be locked-in for one year from the date of their allotment pursuant to exercise of options or otherwise, as the case may be.

(2) The specified securities allotted on preferential basis to persons other than promoter and promoter group and the equity shares allotted pursuant to exercise of options attached to warrants issued on preferential basis to such persons shall be locked in for a period of one year from the date of their allotment.

(3) The lock-in of equity shares allotted pursuant to conversion of convertible securities other than warrants, issued on preferential basis shall be reduced to the extent the convertible securities have already been locked-in.

(4) The equity shares issued on preferential basis pursuant to a scheme of corporate debt restructuring as per the Corporate Debt Restructuring framework specified by the Reserve Bank of India shall be locked-in for a period of one year from the date of allotment:

Provided that partly paid up equity shares, if any, shall be locked-in from the date of allotment and the lock-in shall end on the expiry of one year from the date when such equity shares become fully paid up.

(5) If the amount payable by the allottee, in case of re-calculation of price under sub-regulation (3) of regulation 76 is not paid till the expiry of lock-in period, the equity shares shall continue to be locked in till such amount is paid by the allottee.

(6) The entire pre-preferential allotment shareholding of the allottees, if any, shall be locked-in from the relevant date upto a period of six months from the date of preferential allotment.

Explanation: For the purpose of this regulation:

(I) The expression "total capital of the issuer" means:

- (a) equity share capital issued by way of public issue or rights issue including equity shares issued pursuant to conversion of specified securities which are convertible; and
 - (b) specified securities issued on a preferential basis to promoter or promoter group.
- (II) (a) For the computation of twenty per cent. of the total capital of the issuer, the amount of minimum promoters' contribution held and locked-in, in the past in terms of Securities and Exchange Board of India (Disclosure and Investor Protection) Guidelines, 2000 or these regulations shall be taken into account.
- (b) The minimum promoters' contribution shall not again be put under fresh lock-in, even though it is considered for computing the requirement of twenty per cent. of the total capital of the issuer, in case the said minimum promoters' contribution is free of lock-in at the time of the preferential issue.

Transferability of locked-in specified securities and warrants issued on preferential basis.

79. Subject to the provisions of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of shares and Takeovers) Regulations, 1997, specified securities held by promoters and locked-in in terms of sub-regulation (1) of regulation 78 may be transferred among promoters or promoter group or to a new promoter or persons in control of the issuer:

Provided that lock-in on such specified securities shall continue for the remaining period with the transferee.

CHAPTER VIII QUALIFIED INSTITUTIONS PLACEMENT

Applicability.

80. The provisions of this Chapter shall apply to a qualified institutions placement made by a listed issuer.

Definitions.

81. For the purpose of this Chapter:

- (a) "eligible securities" include equity shares, non-convertible debt instruments along with warrants and convertible securities other than warrants;
- (b) "qualified institutions placement" means allotment of eligible securities by a listed issuer to qualified institutional buyers on private placement basis in terms of these regulations;
- (c) "relevant date" means:
 - (i) in case of allotment of equity shares, the date of the meeting in which the board of directors of the issuer or the committee of directors duly authorised by the board of directors of the issuer decides to open the proposed issue;
 - (ii) in case of allotment of eligible convertible securities, either the date of the meeting in which the board of directors of the issuer or the committee of directors duly authorised by the board of directors of the issuer decides to open the issue of such convertible securities or the date on which the holders of such convertible securities become entitled to apply for the equity shares.

Conditions for qualified institutions placement.

82. A listed issuer may make qualified institutions placement if it satisfies the following conditions:

- (a) a special resolution approving the qualified institutions placement has been passed by its shareholders;

- (b) the equity shares of the same class, which are proposed to be allotted through qualified institutions placement or pursuant to conversion or exchange of eligible securities offered through qualified institutions placement, have been listed on a recognised stock exchange having nation wide trading terminal for a period of at least one year prior to the date of issuance of notice to its shareholders for convening the meeting to pass the special resolution:

Provided that where an issuer, being a transferee company in a scheme of merger, de-merger, amalgamation or arrangement sanctioned by a High Court under sections 391 to 394 of the Companies Act, 1956, makes qualified institutions placement, the period for which the equity shares of the same class of the transferor company were listed on a stock exchange having nation wide trading terminals shall also be considered for the purpose of computation of the period of one year.

- (c) it is in compliance with the requirement of minimum public shareholding specified in the listing agreement with the stock exchange;
- (d) In the special resolution, it shall be, among other relevant matters, specified that the allotment is proposed to be made through qualified institutions placement and the relevant date referred to in sub-clause (ii) of clause (c) of regulation 81 shall also be specified.

Explanation: For the purpose of clause (b), "equity shares of the same class" shall have the same meaning as assigned to them in Explanation to sub-rule (4) of rule 19 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.

Appointment of merchant banker.

83. (1) A qualified institutions placement shall be managed by merchant banker(s) registered with the Board who shall exercise due diligence.

(2) The merchant banker shall, while seeking in-principle approval for listing of the eligible securities issued under qualified institutions placement, furnish to each stock exchange on which the same class of equity shares of the issuer are listed, a due diligence certificate stating that the eligible securities are being issued under qualified institutions placement and that the issuer complies with requirements of this Chapter.

Placement Document:

84. (1) The qualified institutions placement shall be made on the basis of a placement document which shall contain all material information, including those specified in **Schedule XVIII**.

(2) The placement document shall be serially numbered and copies shall be circulated only to select investors.

(3) The issuer shall, while seeking in-principle approval from the recognised stock exchange, furnish a copy of the placement document, a certificate confirming compliance with the provisions of this Chapter along with any other documents required by the stock exchange.

(4) The placement document shall also be placed on the website of the concerned stock exchange and of the issuer with a disclaimer to the effect that it is in connection with a qualified institutions placement and that no offer is being made to the public or to any other category of investors.

(5) A copy of the placement document shall be filed with the Board for its record within thirty days of the allotment of eligible securities.

Pricing.

85. (1) The qualified institutions placement shall be made at a price not less than the average of the weekly high and low of the closing prices of the equity shares of the same class quoted on the stock exchange during the two weeks preceding the relevant date.

(2) Where eligible securities are convertible into or exchangeable with equity shares of the issuer, the issuer shall determine the price of such equity shares allotted pursuant to such conversion or exchange taking the relevant date as decided and disclosed by it while passing the special resolution.

(3) The issuer shall not allot partly paid up eligible securities:

Provided that in case of allotment of non convertible debt instruments along with warrants, the allottees may pay the full consideration or part thereof payable with respect to warrants, at the time of allotment of such warrants:

Provided further that on allotment of equity shares on exercise of options attached to warrants, such equity shares shall be fully paid up.

(4) The prices determined for qualified institutions placement shall be subject to appropriate adjustments if the issuer:

- (a) makes an issue of equity shares by way of capitalization of profits or reserves, other than by way of a dividend on shares;
- (b) makes a rights issue of equity shares;
- (c) consolidates its outstanding equity shares into a smaller number of shares;
- (d) divides its outstanding equity shares including by way of stock split;
- (e) re-classifies any of its equity shares into other securities of the issuer;
- (f) is involved in such other similar events or circumstances, which in the opinion of the concerned stock exchange, requires adjustments.

Explanation: For the purpose of sub-regulation (1), the term "stock exchange" means any of the recognised stock exchanges in which the equity shares of the same class of the issuer are listed and in which the highest trading volume in such equity shares has been recorded during the two weeks immediately preceding the relevant date.

Restrictions on allotment.

86. (1) Allotment under the qualified institutions placement shall be made subject to the following conditions:

- (a) Minimum of ten per cent. of eligible securities shall be allotted to mutual funds:
Provided that if the mutual funds do not subscribe to said minimum percentage or any part thereof, such minimum portion or part thereof may be allotted to other qualified institutional buyers;
- (b) No allotment shall be made, either directly or indirectly, to any qualified institutional buyer who is a promoter or any person related to promoters of the issuer:
Provided that a qualified institutional buyer who does not hold any shares in the issuer and who has acquired the said rights in the capacity of a lender shall not be deemed to be a person related to promoters.

(2) In a qualified institutions placement of non-convertible debt instrument along with warrants, an investor can subscribe to the combined offering of non- convertible debt instruments with warrants or to the individual securities, that is, either non- convertible debt instruments or warrants.

(3) The applicants in qualified institutions placement shall not withdraw their bids after the closure of the issue.

Explanation: For the purpose of clause (b) of sub-regulation (1), a qualified institutional buyer who has any of the following rights shall be deemed to be a person related to the promoters of the issuer:

- (a) rights under a shareholders' agreement or voting agreement entered into with promoters or persons related to the promoters;
- (b) veto rights; or
- (c) right to appoint any nominee director on the board of the issuer.

Minimum number of allottees.

87. (1) The minimum number of allottees for each placement of eligible securities made under qualified institutions placement shall not be less than:

- (a) two, where the issue size is less than or equal to two hundred and fifty crore rupees;
- (b) five, where the issue size is greater than two hundred and fifty crore rupees:

Provided that no single allottee shall be allotted more than fifty per cent. of the issue size.

(2) The qualified institutional buyers belonging to the same group or who are under same control shall be deemed to be a single allottee.

Explanation: For the purpose of sub-regulation (2), the expression "qualified institutional buyers belonging to the same group" shall have the same meaning as derived from sub-section (11) of section 372 of the Companies Act, 1956;

Validity of the special resolution.

88. (1) Allotment pursuant to the special resolution referred to in clause (a) of regulation 82 shall be completed within a period of twelve months from the date of passing of the resolution.

(2) The issuer shall not make subsequent qualified institutions placement until expiry of six months from the date of the prior qualified institutions placement made pursuant to one or more special resolutions.

Restrictions on amount raised.

89. The aggregate of the proposed qualified institutions placement and all previous qualified institutions placements made by the issuer in the same financial year shall not exceed five times the net worth of the issuer as per the audited balance sheet of the previous financial year.

Tenure.

90. The tenure of the convertible or exchangeable eligible securities issued through qualified institutions placement shall not exceed sixty months from the date of allotment.

Transferability of eligible securities.

91. The eligible securities allotted under qualified institutions placement shall not be sold by the allottee for a period of one year from the date of allotment, except on a recognised stock exchange.

CHAPTER IX BONUS ISSUE

Conditions for bonus issue.

92. Subject to the provisions of the Companies Act, 1956 or any other applicable law for the time being in force, a listed issuer may issue bonus shares to its members if:

- (a) it is authorised by its articles of association for issue of bonus shares, capitalisation of reserves, etc.:

Provided that if there is no such provision in the articles of association, the issuer shall pass a resolution at its general body meeting making provisions in the articles of associations for capitalisation of reserve;

- (b) it has not defaulted in payment of interest or principal in respect of fixed deposits or debt securities issued by it;
- (c) it has sufficient reason to believe that it has not defaulted in respect of the payment of statutory dues of the employees such as contribution to provident fund, gratuity and bonus;
- (d) the partly paid shares, if any outstanding on the date of allotment, are made fully paid up

Restriction on bonus issue.

93. (1) No issuer shall make a bonus issue of equity shares if it has outstanding fully or partly convertible debt instruments at the time of making the bonus issue, unless it has made reservation of equity shares of the same class in favour of the holders of such outstanding convertible debt instruments in proportion to the convertible part thereof.

(2) The equity shares reserved for the holders of fully or partly convertible debt instruments shall be issued at the time of conversion of such convertible debt instruments on the same terms or same proportion on which the bonus shares were issued.

Bonus shares only against reserves, etc. if capitalised in cash.

94. (1) The bonus issue shall be made out of free reserves built out of the genuine profits or securities premium collected in cash only and reserves created by revaluation of fixed assets shall not be capitalised for the purpose of issuing bonus shares.

(2) Without prejudice to the provisions of sub-regulation (1), the bonus share shall not be issued in lieu of dividend.

Completion of bonus issue.

95. (1) An issuer, announcing a bonus issue after the approval of its board of directors and not requiring shareholders' approval for capitalisation of profits or reserves for making the bonus issue, shall implement the bonus issue within fifteen days from the date of approval of the issue by its board of directors:

Provided that where the issuer is required to seek shareholders' approval for capitalisation of profits or reserves for making the bonus issue, the bonus issue shall be implemented within two months from the date of the meeting of its board of directors wherein the decision to announce the bonus issue was taken subject to shareholders' approval.

(2) Once the decision to make a bonus issue is announced, the issue can not be withdrawn.

CHAPTER X

ISSUE OF INDIAN DEPOSITORY RECEIPTS

Applicability.

96. (1) The provisions of this Chapter shall apply to an issue of Indian Depository Receipts (hereinafter referred to as "IDR") made in terms of section 605A of the Companies Act, 1956 and Companies (Issue of Indian Depository Receipts) Rules, 2004.

(2) All provisions of these regulations shall be applicable in case of issue of IDR, except the disclosure requirements with respect to public issue and rights issue of specified securities as provided in these regulations and the following:

- (a) clauses (a), (b), (c) and (f) of sub-regulation (2) of regulation 4;
- (b) sub-regulations (1), (2) and (3) of regulation 6;
- (c) clauses (c), (d) and (e) of sub-regulation (1) of regulation 8;
- (d) sub-regulations (2) and (3) of regulation 8;
- (e) regulations 10, 16, 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 26, 27, 31, 41, 42, 43, 45, 47, 49 and 68;
- (f) sub-regulation (2) of regulation 11;
- (g) sub-regulation (2) of regulation 28;
- (h) clauses (b) and (c) of regulation 29;
- (i) Parts III and IV of Chapter III;
- (j) Chapter IV;
- (k) sub-regulation (3) of regulation 65;
- (l) Chapters VII, VIII and IX.

(3) Further, the applicability of regulation 60 shall be as follows:

- (a) the applicability of sub-regulations (1) and (7) and Explanation II shall be restricted to any issue advertisements made in India or any research report circulated in India, pertaining to the IDR issue of the issuing company;
- (b) the applicability of sub-regulations (2) and (3) shall be restricted to any public communications and publicity material issued or published in any media in India;
- (c) the applicability of sub-regulations (5) and (6) shall be restricted to any material or information released in India and any issue advertisements and publicity materials issued or published in any media in India;
- (d) the applicability of sub-regulation (13) shall be restricted to any product advertisement of an issuing company issued or published in any media in India;
- (e) all other provisions of regulation 60 shall be applicable.

Eligibility.

97. An issuing company making an issue of IDR shall also satisfy the following:

- (a) the issuing company is listed in its home country;
- (b) the issuing company is not prohibited to issue securities by any regulatory body;
- (c) the issuing company has track record of compliance with securities market regulations in its home country.

Explanation: For the purpose of this regulation, the term "home country" means the country where the issuing company is incorporated and listed.

Conditions for issue of IDR.

98. An issue of IDR shall be subject to the following conditions:

- (a) issue size shall not be less than fifty crore rupees;

- (b) procedure to be followed by each class of applicant for applying shall be mentioned in the prospectus;
- (c) minimum application amount shall be twenty thousand rupees;
- (d) at least fifty per cent. of the IDR issued shall be allotted to qualified institutional buyers on proportionate basis as per illustration given in **Part C of Schedule XI**;
- (e) the balance fifty per cent. may be allocated among the categories of non-institutional investors and retail individual investors including employees at the discretion of the issuer and the manner of allocation shall be disclosed in the prospectus. Allotment to investors within a category shall be on proportionate basis;
- (f) At any given time, there shall be only one denomination of IDR of the issuing company.

Minimum subscription.

99. (1) For non-underwritten issues:

- (a) If the issuing company does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the offer through offer document on the date of closure of the issue, or if the subscription level falls below ninety per cent. after the closure of issue on account of cheques having being returned unpaid or withdrawal of applications, the issuing company shall forthwith refund the entire subscription amount received.
- (b) If the issuing company fails to refund the entire subscription amount within fifteen days from the date of the closure of the issue, it is liable to pay the amount with interest to the subscribers at the rate of fifteen per cent. per annum for the period of delay.

(2) For underwritten issues: If the issuing company does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the offer through offer document including devolvement of underwriters within sixty days from the date of closure of the issue, the issuing company shall forthwith refund the entire subscription amount received with interest to the subscribers at the rate of fifteen per cent. per annum for the period of delay beyond sixty days.

Fungibility.

100. The Indian depository Receipts shall not be automatically fungible into underlying equity shares of issuing company.

Filing of draft prospectus, due diligence certificates, payment of fees and issue advertisement for IDR.

101. (1) The issuing company making an issue of IDR shall enter into an agreement with a merchant banker on the lines of format of agreement specified in **Schedule II**.

(2) Where the issue is managed by more than one merchant banker, the rights, obligations and responsibilities, relating inter-alia to disclosures, allotment, refund and underwriting obligations, if any, of each merchant banker shall be predetermined and disclosed in the prospectus on the lines of format as specified in **Schedule I**.

(3) The issuing company shall file a draft prospectus with the Board through a merchant banker along with the requisite fee, as prescribed in Companies (Issue of Indian Depository Receipts) Rules, 2004.

(4) The prospectus filed with the Board under this regulation shall also be furnished to the Board in a soft copy on the lines specified in **Schedule V**

(5) The lead merchant bankers shall:

- (a) submit a due diligence certificate as per format given in **Part C of Schedule XIX** to the Board along with the draft prospectus.
- (b) certify that all amendments, suggestions or observations made by the Board have been incorporated in the prospectus
- (c) submit a fresh due diligence certificate as per format given in **Part C of Schedule XIX**, at the time of filing the prospectus with the Registrar of the Companies.

- (d) furnish a certificate as per format given in **Part C of Schedule XIX**, immediately before the opening of the issue, certifying that no corrective action is required on its part.
 - (e) furnish a certificate as per format given in **Part C of Schedule XIX**, after the issue has opened but before it closes for subscription.
- (6) The issuing company shall make arrangements for mandatory collection centres as specified in **Schedule III**.
- (7) The issuing company shall issue an advertisement in one English national daily newspaper with wide circulation and one Hindi national daily newspaper with wide circulation, soon after receiving final observations, if any, on the publicly filed draft prospectus with the Board, which shall be on the lines of the format and contain the minimum disclosures as given in **Part A of Schedule XIII**.

Display of bid data.

102. The stock exchanges offering online bidding system for the book building process shall display on their website, the data pertaining to book built IDR issue, in the format specified in **Part B(II) of Schedule XI**, from the date of opening of the bids till at least three days after closure of bids.

Disclosures in prospectus and abridged prospectus.

- 103.** (1) The prospectus shall contain all material disclosures which are true, correct and adequate so as to enable the applicants to take an informed investment decision.
- (2) Without prejudice to the generality of sub-regulation (1), the prospectus shall contain:
- (a) the disclosures specified in Schedule to Companies (Issue of Indian Depository Receipts) Rules, 2004; and
 - (b) the disclosures in the manner as specified in **Part A of Schedule XIX**.
- (3) The abridged prospectus for issue of Indian Depository Receipts shall contain the disclosures as specified in **Part B of Schedule XIX**.

Post-issue reports.

- 104.** (1) The merchant banker shall submit post-issue reports to the Board in accordance with sub-regulation (2).
- (2) The post-issue reports shall be submitted as follows:
- (a) initial post issue report on the lines of Parts A and B of Schedule XVI, within three days of closure of the issue;
 - (b) final post issue report on the lines of Parts C and D of Schedule XVI, within fifteen days of the date of finalisation of basis of allotment or within fifteen days of refund of money in case of failure of issue.

Undersubscribed issue.

105. In case of undersubscribed issue of IDR, the merchant banker shall furnish information in respect of underwriters who have failed to meet their underwriting devolvment to the Board on the lines of the format specified in **Schedule XVII**.

Finalisation of basis of allotment.

106. The executive director or managing director of the stock exchange, where the IDR are proposed to be listed, along with the post issue lead merchant bankers and registrars to the issue shall ensure that the basis of allotment is finalised in a fair and proper manner in accordance with the allotment procedure as specified in **Schedule XV**.

CHAPTER XI MISCELLANEOUS

Directions by the Board.

107. Without prejudice to the power under sections 11, 11A, 11B, 11D, sub-section (3) of section 12, Chapter VIA and section 24 of the Act or section 621 of the Companies Act, 1956, the Board may either *suo motu* or on receipt of information or on completion or pendency of any inspection, inquiry or investigation, in the interests of investors or the securities market, issue such directions or orders as it deems fit including any or all of the following:

- (a) directing the persons concerned not to access the securities market for a specified period;
- (b) directing the person concerned to sell or divest the securities;
- (c) any other direction which Board may deem fit and proper in the circumstances of the case:

Provided that the Board shall, either before or after issuing such direction or order, give a reasonable opportunity of being heard to the person concerned:

Provided further that if any interim direction or order is required to be issued, the Board may give post-decisional hearing to the person concerned.

Power to remove difficulty.

108. In order to remove any difficulties in the application or interpretation of these regulations, the Board may issue clarifications through guidance notes or circulars after recording reasons in writing.

Power to relax strict enforcement of the regulations.

109. The Board may, in the interest of investors or for the development of the securities market, relax the strict enforcement of any requirement of these regulations, if the Board is satisfied that:

- (a) the requirement is procedural in nature; or
- (b) any disclosure requirement is not relevant for a particular class of industry or issuer; or
- (c) the non-compliance was caused due to factors beyond the control of the issuer.

Amendments to other regulations.

110. On and from the commencement of these regulations, the regulations mentioned in Schedule XX shall stand amended to the extent specified therein.

Repeal and Savings.

111. (1) On and from the commencement of these regulations, the Securities and Exchange Board of India (Disclosure and Investor Protection) Guidelines, 2000 shall stand rescinded.

(2) Notwithstanding such rescission:

- (a) anything done or any action taken or purported to have been done or taken including observation made in respect of any draft offer document, any enquiry or investigation commenced or show cause notice issued in respect of the said Guidelines shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these regulations;
- (b) any offer document, whether draft or otherwise, filed or application made to the Board under the said Guidelines and pending before it shall be deemed to have been filed or made under the corresponding provisions of these regulations.

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

SCHEDULE I

[See regulation 5(3) and 101(2)]

INTER-SE ALLOCATION OF RESPONSIBILITIES

- (1) The lead merchant bankers shall make inter-se allocation of responsibilities pertaining to the activities or sub-activities to be carried out under these regulations.
- (2) The lead merchant bankers shall delineate the activity-wise allocation of responsibilities and intimate the Board about the name of the lead merchant banker responsible for each set of the activities or sub-activities at the time of filing the draft offer document with the Board. This intimation must be signed by all the lead merchant bankers to the issue.
- (3) Where circumstances warrant joint and several responsibility of the lead merchant bankers for any particular activity, a co-ordinator designated from among the lead merchant bankers (hereinafter referred to as the "designated lead merchant banker") shall furnish to the Board, when called for, information, report, comments, etc. on matters relating to such activity.
- (4) The activities or sub-activities may be grouped on the following lines:
 - (a) Capital structuring with the relative components and formalities such as composition of debt and equity, type of instruments, etc.
 - (b) Drafting and design of the offer document and of the advertisement or publicity material including newspaper advertisement and brochure or memorandum containing salient features of the offer document.
 - (c) Selection of various agencies connected with issue, such as registrars to the issue, printers, advertising agencies, etc.
 - (d) Marketing of the issue, which shall cover, *inter alia*, formulating marketing strategies, preparation of publicity budget, arrangements for selection of (i) ad-media, (ii) centres for holding conferences of stock brokers, investors, etc., (iii) bankers to the issue, (iv) collection centres as per schedule III, (v) brokers to the issue, and (vi) underwriters and underwriting arrangement, distribution of publicity and issue material including application form, prospectus and brochure and deciding upon the quantum of issue material.
 - (e) Post-issue activities, which shall involve essential follow-up steps including follow-up with bankers to the issue and Self Certified Syndicate Banks to get quick estimates of collection and advising the issuer about the closure of the issue, based on correct figures, finalisation of the basis of allotment or weeding out of multiple applications, listing of instruments, despatch of certificates or demat credit and refunds and co-ordination with various agencies connected with the post-issue activity such as registrars to the issue, bankers to the issue, Self Certified Syndicate Banks, etc.Ordinarily, one lead merchant banker shall be responsible for the post-issue activities.
- (5) The designated lead merchant banker shall be responsible for ensuring compliance with these regulations and other requirements and formalities specified by the Registrar of Companies, the Board and the recognised stock exchanges where specified securities being offered are proposed to be listed.
- (6) Even if many of the post-issue activities are handled by other intermediaries, the designated lead merchant banker shall be responsible for ensuring that these intermediaries fulfil their functions and enable him to discharge this responsibility through suitable agreements with the issuer.
- (7) In case of under-subscription in an issue, the lead merchant banker responsible for underwriting arrangements shall be responsible for invoking underwriting obligations and ensuring that the notice for devolvement containing the obligations of the underwriters is issued in terms of these regulations.

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

SCHEDULE II

[See regulations 5(5) and 101(1)]

**FORMAT OF AGREEMENT BETWEEN LEAD MERCHANT BANKERS TO THE ISSUE
AND ISSUER/ISSUING COMPANY**

This Agreement made BETWEEN..... (name of the issuer), having its registered office at (registered office address of the issuer) (hereinafter referred to as "the issuer") AND (name of the lead merchant bankers), having their registered office at..... with the branch office at

WHEREAS:

- (1) The issuer is taking steps for the issue of (particulars of the issue) to the public/ existing shareholders of the issuer (the said issue of specified securities hereinafter referred to as "the issue"); AND
- (2) The issuer has approached the lead merchant bankers to manage the issue and the lead merchant bankers have accepted the engagement *inter-alia*, subject to the issuer entering into an agreement for the purpose being these presents;

NOW, THEREFORE, the issuer and the lead merchant bankers do hereby agree as follows:

- (1) Besides the lead merchant bankers, and would be acting as the co-managers to the issue.
- (2) The issuer hereby declares that it has complied with or agrees to comply with all the statutory formalities under the Companies Act, 1956, the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 and other conditions, instructions and advices issued by Securities and Exchange Board of India (hereinafter referred to as "the Board") and other relevant statutes to enable it to make the issue and in particular in respect of the following matters:
(Give details and particulars of statutory compliances which the issuer has to fulfil before making the issue)
Consent of the shareholders has been obtained vide (details of the resolution) passed in the general meeting held on (date of the meeting).
- (3) The issuer undertakes and declares that any information made available to the lead merchant banker or any statement made in the offer document shall be complete in all respects and shall be true and correct and that under no circumstances it shall give or withhold any information or statement which is likely to mislead the investors.
- (4) The issuer also undertakes to furnish complete audited annual reports, other relevant documents, papers, information relating to pending litigations, etc. to enable the lead merchant banker to corroborate the information and statements given in the offer document.
- (5) The issuer shall, if so required, extend such facilities as may be called for by the lead merchant banker to enable them to visit the plant site, office of the issuer or such other places to ascertain for themselves the state of affairs of the issuer including the progress made in respect of the project implementation, status and other facts relevant to the issue.

- (6) The issuer shall extend all necessary facilities to the lead merchant banker to interact on any matter relevant to the issue with the solicitors / legal advisors, auditors, consultants, advisors to the issue, financial institutions, banks or any other organisation and any other intermediary associated with the issue in any capacity whatsoever.
- (7) The issuer shall ensure that all advertisements prepared and released by the advertising agency or otherwise in connection with the issue conform to the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 and the instructions given by the lead merchant banker from time to time and that it shall not make any misleading or incorrect statement in any public communication or publicity material including corporate, product and issue advertisements of the issuer, interviews by its promoters, directors, duly authorized employees or representatives of the issuer, documentaries about the issuer or its promoters, periodical reports and press releases issued by the issuer or research report made by the issuer, any intermediary concerned with the issue or their associates or at any press, brokers' or investors' conferences.
- (8) The issuer shall not, without the prior consent of the lead merchant banker, appoint other intermediaries (except Self Certified Syndicate Banks) or other persons associated with the issue such as advertising agencies, printers, etc. for printing the application forms, allotment advices, allotment letters, share certificates / debenture certificates, refund orders or any other instruments, circulars, or advices.
- (9) The issuer shall, whenever required and wherever applicable, in consultation with the lead merchant banker, enter into an agreement with the intermediaries associated with the issue, clearly setting forth their mutual rights, responsibilities and obligations. A certified true copy of such agreements shall be furnished to the lead merchant banker.
- (10) The issuer shall take such steps as are necessary to ensure completion of allotment and despatch of letters of allotment and refund orders to the applicants including non-resident Indians soon after the basis of allotment is approved by designated stock exchanges but not later than the specified time limit and in the event of failure to do so, pay interest to the applicants as provided under the Companies Act, 1956 as disclosed in the offer document.
- (11) The issuer shall take steps to pay the underwriting commission and brokerage to the underwriters, stock brokers, etc. within the time specified in any agreement with such underwriters, stock brokers, etc. or within a reasonable time.
- (12) The issuer undertakes to furnish such information and particulars regarding the issue as may be required by the lead merchant banker to enable them to file a report with the Board in respect of the issue.
- (13) The issuer shall keep the lead merchant banker informed if it encounters any problems due to dislocation of communication system or any other material adverse circumstance which is likely to prevent or which has prevented the issuer from complying with its obligations, whether statutory or contractual, in respect of the matters pertaining to allotment, dispatch of refund orders, share certificates or debenture certificates, demat credit, etc.
- (14) The issuer shall not resort to any legal proceedings in respect of any matter having a bearing on the issue except in consultation with and after receipt of advice from the lead merchant banker.
- (15) The issuer shall not access the moneys raised in the issue till finalisation of the basis of allotment or completion of issue formalities.
- (16) The issuer shall refund the moneys raised in the issue to the applicants, if required to do so for any reason such as failing to get listing permission or under any direction or order of the Board. The issuer shall pay requisite interest amount if so required under the laws or direction or order of the Board.

- (17) (Rights of lead merchant banker vis-à-vis the issuer)----- (give details).
 (18) (Consequences of breach) ----- (give details).

In Witness whereof the parties hereto have put their hands on this ----- (date) day of(month) of (year).

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

SCHEDULE III

[See regulation 5(6) and 101(7)]

MANDATORY COLLECTION CENTRES

- (1) The minimum number of collection centres shall be as follows:
- The four metropolitan centres situated at Mumbai, Delhi, Kolkata and Chennai.
 - All such places where the recognised stock exchanges are located in the region in which the registered office of the issuer is situated;
 - The region-wise collection centres are as indicated hereunder:

Sr. No.	Name of the Recognised Stock Exchange	City
(A)	NORTHERN REGION	
(i)	Ludhiana Stock Exchange Ltd.	Ludhiana
(ii)	Delhi Stock Exchange Ltd.	Delhi
(iii)	Jaipur Stock Exchange Ltd.	Jaipur
(iv)	U.P. Stock Exchange Ltd.	Kanpur
(B)	SOUTHERN REGION	
(i)	Bangalore Stock Exchange Ltd.	Bangalore
(ii)	Cochin Stock Exchange Ltd.	Cochin
(iii)	Madras Stock Exchange Ltd.	Madras
(C)	EASTERN REGION	
(i)	Calcutta Stock Exchange Association Ltd.	Kolkata
(ii)	Gauhati Stock Exchange Ltd.	Gauhati
(iii)	Bhubaneswar Stock Exchange Ltd.	Bhubaneswar
(D)	WESTERN REGION	
(i)	Bombay Stock Exchange Ltd.	Mumbai
(ii)	National Stock Exchange of India Ltd.	Mumbai
(iii)	OTC Exchange of India Ltd.	Mumbai
(iv)	Pune Stock Exchange Ltd.	Pune
(v)	M P Stock Exchange Ltd.	Indore
(vi)	Vadodara Stock Exchange Ltd.	Vadodara
(vii)	Ahmedabad Stock Exchange Ltd.	Ahmedabad

- In addition to the collection centres specified in para (1), all designated branches of Self Certified Syndicate Banks, as displayed on the websites of such banks and of the Board, shall be deemed to be mandatory collection centres
- The issuer may appoint any other collection centre/s as it may deem fit in addition to the minimum collection centre specified in this Schedule.

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

SCHEDULE IV

[See regulations 6(1), 10(2) and 11(4)]

FEEs TO BE PAID ALONG WITH OFFER DOCUMENT

- (1) There shall be charged in respect of every draft offer document, every offer document (in case of a fast track issue) and in case of updation of any draft offer document, fees at the rate as specified in Part A and Part B of this Schedule.
- (2) The fees shall be paid by means of a demand draft drawn in favour of 'the Securities and Exchange Board of India' payable at the place where the draft offer document or offer document or updated draft offer document, as the case may be, is filed with the Board.

PART A

**FEEs TO BE PAID ALONG WITH DRAFT OFFER DOCUMENT OR IN CASE OF A
FAST TRACK ISSUE, ALONG WITH OFFER DOCUMENT**

- (1) There shall be charged in respect of every draft offer document or in case of a fast track issue, every offer document filed by a lead merchant banker with the Board in terms of these regulations, a fee at the following rate:

(a) **In case of a public issue:**

Size of the issue, including intended retention of oversubscription	Amount / Rate of fees
Less than or equal to ten crore rupees.	A flat charge of twenty five thousand rupees (Rs.25,000/-).
More than ten crore rupees, but less than or equal to five thousand crore rupees.	0.025 per cent. of the issue size.
More than five thousand crore rupees, but less than or equal to twenty five thousand crore rupees.	One crore twenty five lakh rupees (Rs.1,25,00,000/-) plus 0.00625 per cent of the portion of the issue size in excess of five thousand crore rupees (Rs.5000,00,00,000/-).
More than twenty five thousand crore rupees.	A flat charge of three crore rupees (Rs.3,00,00,000/-).

(b) **In case of a rights issue:**

Size of the issue, including intended retention of oversubscription	Amount / Rate of fees
Less than or equal to ten crore rupees.	A flat charge of twenty five thousand rupees (Rs.25,000/-).
More than ten crores rupees and less than or equal to five hundred crore rupees.	0.005 per cent. of the issue size.
More than five hundred crore rupees.	A flat charge of five lakh rupees (Rs.5,00,000/-).

- (2) Where the issue size is not determined at the time of submission of the draft offer document or the offer document (in case of a fast track issue), the issuer shall pay fees mentioned at para (1), based on the estimated issue size.
- (3) If the issue size estimated by the issuer differs from eventual issue size and thereby:—
 - (a) the fees paid by the issuer is found to be deficient, the balance fee shall be paid by the issuer within seven days of registering the prospectus with the Registrar of Companies or filing the letter of offer with the recognised stock exchanges, as the case may be; and
 - (b) if any excess fee is found to have been paid, it shall be refunded by the Board to the issuer.

PART B

FEES TO BE PAID ALONG WITH UPDATED OFFER DOCUMENT

Where updations or changes are made in any of the sections specified in para 3 of Schedule VII of these regulations, there shall be charged a fee of ten thousand rupees (Rs.10,000/-) for updations or changes per section, subject to total fee not exceeding one fourth ($1/4^{\text{th}}$) of the filing fees paid at the time of filing the draft document with the Board or rupees fifty thousand, whichever is higher.

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009

SCHEDULE V

[See regulations 6(6) and 101(4)]

MANNER OF SUBMISSION OF SOFT COPY OF DRAFT OFFER DOCUMENT AND OFFER DOCUMENT TO THE BOARD

- (1) The soft copies of draft and final offer document shall be submitted in PDF format in a compact disk placed in a sealed envelope.
- (2) One compact disk shall contain the draft or final offer document of only one issue and in single file.
- (3) While submitting the compact disk, the lead merchant banker shall, *inter alia*, certify to the Board that the information contained in the compact disk contains all text and data in a systematic order, matches exactly with the contents of the hard copy of the offer document and satisfies the requirements of this Schedule.
- (4) The compact disk containing the offer document shall have a sticker duly pasted giving the following information:
 - (a) The name of the merchant banker;
 - (b) Name of the issuer;
 - (c) Type of the issue ;

- (d) Signature of the person who has signed the due diligence certificate.
- (5) The sticker on the compact disk containing final offer document shall mention all the information as stated in clause (4) and the following additional information:
- (a) Date of registering red herring prospectus or the prospectus with the Registrar of Companies or filing the letter of offer with the designated stock exchanges
- (b) Issue opening date.
- (6) If the requirements of this Schedule are not fulfilled, the offer document would be liable to be rejected.
- (7) The lead merchant bankers shall, within one day of the hosting of offer document on the website (if the next day is a holiday, on the first working day), confirm to the Board in writing that the contents of the offer document appearing on the website are in order.
- (8) The following information shall also be submitted with soft copies of the offer documents:

Sr. No.	Particulars	Comments
(i)	Soft copy submitted by:	
(ii)	Content Title:	
(iii)	Whether the Documents are in PDF Format?	YES/NO
(iv)	Whether the tabular data in the PDF format are in order?	YES/NO/N.A.
(v)	Whether the Sr. Numbers of paragraph/points are in order and matches with the printed copy?	YES/NO/N.A.
(vi)	Whether the alignments of all paragraphs are in order?	YES/NO
(vii)	Whether all relevant image files, if any are available in the compact disk?	YES/NO/N.A.
(viii)	Whether the contents of the PDF format and hard copy of the offer document have been compared and found to be in order?	YES/NO
(ix)	Whether the spacing between lines and paragraphs is uniform?	YES/NO
(x)	Remarks, if any	

Prepared by:

Verified by:

Date:

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

SCHEDULE VI

FORMATS OF DUE DILIGENCE CERTIFICATES

FORM A

[See regulations 8(1)(c) and 10(3)(a)]

**FORMAT OF DUE DILIGENCE CERTIFICATE TO BE GIVEN BY MERCHANT BANKER
ALONG WITH DRAFT OFFER DOCUMENT**

To,
Securities and Exchange Board of India

Dear Sirs,

Sub.: Public/Rights Issue of by..... (Name of the Issuer)

We, the lead merchant banker(s) to the above mentioned forthcoming issue, state and confirm as follows:

- (1) We have examined various documents including those relating to litigation like commercial disputes, patent disputes, disputes with collaborators, etc. and other material in connection with the finalisation of the draft red herring prospectus (in case of a book built issue) / draft prospectus (in case of a fixed price issue) / letter of offer (in case of a rights issue) pertaining to the said issue;
- (2) On the basis of such examination and the discussions with the issuer, its directors and other officers, other agencies, and independent verification of the statements concerning the objects of the issue, price justification and the contents of the documents and other papers furnished by the issuer, WE CONFIRM that:
 - (a) the draft red herring prospectus/ draft prospectus/ draft letter of offer filed with the Board is in conformity with the documents, materials and papers relevant to the issue;
 - (b) all the legal requirements relating to the issue as also the regulations guidelines, instructions, etc. framed/issued by the Board, the Central Government and any other competent authority in this behalf have been duly complied with; and
 - (c) the disclosures made in the draft red herring prospectus/draft prospectus/draft letter of offer are true, fair and adequate to enable the investors to make a well informed decision as to the investment in the proposed issue and such disclosures are in accordance with the requirements of the Companies Act, 1956, the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 and other applicable legal requirements.
- (3) We confirm that besides ourselves, all the intermediaries named in the draft red herring prospectus/ draft prospectus/ draft letter of offer are registered with the Board and that till date such registration is valid.
- (4) We have satisfied ourselves about the capability of the underwriters to fulfil their underwriting commitments.

- (5) We certify that written consent from promoters has been obtained for inclusion of their specified securities as part of promoters' contribution subject to lock-in and the specified securities proposed to form part of promoters' contribution subject to lock-in shall not be disposed / sold / transferred by the promoters during the period starting from the date of filing the draft red herring prospectus/draft prospectus with the Board till the date of commencement of lock-in period as stated in the draft red herring prospectus/draft prospectus.
- (6) We certify that regulation 33 of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009, which relates to specified securities ineligible for computation of promoters contribution, has been duly complied with and appropriate disclosures as to compliance with the said regulation have been made in the draft red herring prospectus/draft prospectus.
- (7) We undertake that sub-regulation (4) of regulation 32 and clause (c) and (d) of sub-regulation (2) of regulation 8 of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 shall be complied with. We confirm that arrangements have been made to ensure that promoters' contribution shall be received at least one day before the opening of the issue. We undertake that auditors' certificate to this effect shall be duly submitted to the Board. We further confirm that arrangements have been made to ensure that promoters' contribution shall be kept in an escrow account with a Scheduled Commercial Bank and shall be released to the issuer along with the proceeds of the public issue.
- (8) We certify that the proposed activities of the issuer for which the funds are being raised in the present issue fall within the 'main objects' listed in the object clause of the Memorandum of Association or other charter of the issuer and that the activities which have been carried out until now are valid in terms of the object clause of its Memorandum of Association.
- (9) We confirm that necessary arrangements have been made to ensure that the moneys received pursuant to the issue are kept in a separate bank account as per the provisions of sub-section (3) of section 73 of the Companies Act, 1956 and that such moneys shall be released by the said bank only after permission is obtained from all the stock exchanges mentioned in the prospectus/ letter of offer. We further confirm that the agreement entered into between the bankers to the issue and the issuer specifically contains this condition.
- (10) We certify that a disclosure has been made in the draft red herring prospectus/draft prospectus/ draft letter of offer that the investors shall be given an option to get the shares in demat or physical mode.
- (11) We certify that all the applicable disclosures mandated in the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 have been made in addition to disclosures which, in our view, are fair and adequate to enable the investor to make a well informed decision.
- (12) We certify that the following disclosures have been made in the draft red herring prospectus/ draft prospectus/ draft letter of offer:
 - (a) An undertaking from the issuer that at any given time, there shall be only one denomination for the equity shares of the issuer and
 - (b) An undertaking from the issuer that it shall comply with such disclosure and accounting norms specified by the Board from time to time.
- (13) We undertake to comply with the regulations pertaining to advertisement in terms of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 while making the issue.

- (14) We enclose a note explaining how the process of due diligence has been exercised by us in view of the nature of current business background or the issuer, situation at which the proposed business stands, the risk factors, promoters experience, etc.
- (15) We enclose a checklist confirming regulation-wise compliance with the applicable provisions of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009, containing details such as the regulation number, its text, the status of compliance, page number of the draft red herring prospectus/ draft prospectus/ draft letter of offer where the regulation has been complied with and our comments, if any.

Place:

Merchant Banker(s) to the Issue

Date:

with Official Seal(s)

Note: The requirements in items 5, 6 and 7 are not applicable in case of a rights issue.

FORM B

[See regulations 8(1)(d) and 10(3)(b)]

**FORMAT OF DUE DILIGENCE CERTIFICATE TO BE GIVEN BY DEBENTURE
TRUSTEE ALONG WITH DRAFT OFFER DOCUMENT**

To,
Securities and Exchange Board of India

Dear Sirs,

Sub.: Public/Rights Issue of by (Name of the Issuer)

We, the debenture trustees to the above mentioned forthcoming issue, state as follows:

- (1) We have examined the documents pertaining to the said issue.
- (2) We have also examined the relevant documents pertaining to the security to be created.
- (3) On the basis of such examination and of the discussions with the issuer, its directors and other officers, other agencies and of independent verification of the various relevant documents, WE CONFIRM that:
 - (a) The issuer has made adequate provisions for and/or has taken steps to provide for adequate security/asset cover for the secured convertible debt instruments to be issued.
 - (b) The issuer has obtained the permissions / consents necessary for creating security on the property as second charge/pari passu charge (wherever applicable)
 - (c) The issuer has made all the relevant disclosures about the security/asset cover
 - (d) The issuer has made all the relevant disclosures about its continued obligations towards the holders of convertible debt instruments.
 - (e) All disclosures made in the draft prospectus/letter of offer with respect to the convertible debt instruments are true, fair and adequate to enable the investors to make a well informed decision as to the investment in the proposed issue.
- (4) We have satisfied ourselves about the ability of the issuer to service the debt securities.

Place:

Debenture Trustee to the Issue

Date:

with his Official Seal

Note: With respect to the issue of unsecured convertible debt instruments, the debenture trustee shall not certify and confirm the requirements stated in item 2 and sub-item (a), (b) and (c) of item 3 above.

FORM C

[See regulation 8(2)(b)]

**FORMAT OF DUE DILIGENCE CERTIFICATE TO BE GIVEN BY MERCHANT
BANKER AT THE TIME OF REGISTERING OFFER DOCUMENT WITH THE
REGISTRAR OF COMPANIES / FILING LETTER OF OFFER WITH THE
DESIGNATED STOCK EXCHANGE**

To,
Securities and Exchange Board of India

Dear Sirs,

Sub.: Public/Rights Issue of by (Name of the Issuer)

- (1) This is to certify that the red herring prospectus (in case of a book built issue) / prospectus (in case of a fixed price issue) registered with the Registrar of Companies / letter of offer filed with the designated stock exchange (in case of a rights issue) on (date) was suitably updated under intimation to the Board and that the said red herring prospectus/prospectus or letter of offer contains all the material disclosures in respect of the issuer as on the said date.
- (2) We confirm that the registrations of all the intermediaries named in the red herring prospectus/prospectus or letter of offer are valid as on date and that none of these intermediaries have been debarred from functioning by any regulatory authority.
- (3) We confirm that written consent from promoters has been obtained for inclusion of their securities as part of promoters' contribution subject to lock-in.
- (4) We further confirm that the securities proposed to form part of promoters' contribution and subject to lock-in, have not been disposed / sold / transferred by the promoters during the period starting from the date of filing the draft prospectus with the Board till date.
- (5) We confirm that agreements have been entered into with both the depositories for dematerialisation of the securities of the issuer.
- (6) We certify that as per the requirements of first proviso to sub-regulation (4) of regulation 32 of Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009, cash flow statement has been prepared and disclosed in the red herring prospectus and/or prospectus.

Place:

Merchant Banker(s) to the Issue

Date:

with Official Seal(s)

Note: The requirements in items 3, 4 and 6 above are not applicable in case of a rights issue.

FORM D

[See regulation 8(2)(e)]

**FORMAT OF DUE DILIGENCE CERTIFICATE TO BE GIVEN BY MERCHANT
BANKER IMMEDIATELY BEFORE OPENING OF THE ISSUE**

To,
Securities and Exchange Board of India

Dear Sirs,

Sub.: Public/Rights Issue of by (Name of the Issuer)

- (1) This is to certify that all the material disclosures in respect of the issuer as on the date of opening of the issue have been made through the red herring prospectus (in case of a book built issue) / prospectus (in case of a fixed price issue) registered with the Registrar of Companies / letter of offer filed with the designated stock exchange (in case of a rights issue) on (date) and subsequent amendments/ advertisements (if applicable) dated (Details of advertisements to be enclosed), We confirm:
- (a) that the registrations of all the intermediaries named in the red herring prospectus/prospectus /letter of offer, are valid as on date and that none of these intermediaries have been debarred from functioning by any regulatory authority as on date.
 - (b) that the securities proposed to form part of promoters' contribution and subject to lock-in, have not been disposed / sold / transferred by the promoters during the period starting from the date of filing the draft prospectus with the Board till date.
 - (c) that the abridged prospectus/letter of offer contains all the disclosures as specified in the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009.

Place:
Date:

**Merchant Banker(s) to the Issue
with Official Seal(s)**

Note: The requirements in item 2(b) above are not applicable in case of a rights issue.

FORM E

[See regulation 8(2)(f)]

**FORMAT OF DUE DILIGENCE CERTIFICATE TO BE GIVEN BY MERCHANT
BANKER AFTER OPENING OF THE ISSUE BUT BEFORE CLOSURE OF
SUBSCRIPTION**

To,
Securities and Exchange Board of India

Dear Sirs,

Sub.: Public/Rights Issue of by (Name of the Issuer)

- (1) This is to certify that all the material disclosures in respect of the issuer as on date have been made through the red herring prospectus (in case of a book built issue) / prospectus (in case of a fixed price issue) registered with the Registrar of Companies / letter of offer filed with the recognised stock exchange (in case of a rights issue) on (date) and subsequent amendments/ advertisements (if applicable) dated (Details of advertisements to be enclosed).
- (2) We confirm that the registrations of all the intermediaries named in the red herring prospectus/prospectus/letter of offer, are valid as on date and that none of these intermediaries have been debarred from functioning by any regulatory authority as on date.
- (3) We also confirm that the specified securities proposed to form part of promoters' contribution and subject to lock-in, have not been disposed / sold / transferred by the promoters during the period starting from the date of filing the draft prospectus with the Board till date.

Place:

Date:

**Merchant Banker(s) to the Issue
with Official Seal(s)**

Note: The requirement in item 3 above is not applicable in case of a rights issue.

FORM F
[See regulation 10(3)(a)]

**ADDITIONAL CONFIRMATIONS/ CERTIFICATION TO BE GIVEN BY MERCHANT
BANKER IN DUE DILIGENCE CERTIFICATE TO BE GIVEN ALONG WITH OFFER
DOCUMENT FOR FAST TRACK ISSUE**

- (1) We confirm that none of the intermediaries named in the red herring prospectus (in case of a book built issue) / prospectus (in case of a fixed price issue) / letter of offer (in case of a rights issue) have been debarred from functioning by any regulatory authority.
- (2) We confirm that the issuer is eligible to make fast track issue in terms of regulation 10 of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009. The fulfilment of the eligibility criteria as specified in that regulation, by the issuer, has also been disclosed in the red herring prospectus (in case of a book built issue) / prospectus (in case of a fixed price issue) / letter of offer (in case of a rights issue).
- (3) We confirm that all the material disclosures in respect of the issuer have been made in the red herring prospectus (in case of a book built issue) / prospectus (in case of a fixed price issue) / letter of offer (in case of a rights issue) and certify that any material development in the issuer or relating to the issue up to the commencement of listing and trading of the specified securities offered through this issue shall be informed through public notices/ advertisements in all those newspapers in which pre-issue advertisement and advertisement for opening or closure of the issue have been given.
- (4) We confirm that the abridged prospectus / abridged letter of offer contains all the disclosures as specified in the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009.
- (5) We confirm that agreements have been entered into with the depositories for dematerialisation of the specified securities of the issuer.
- (6) We certify that as per the requirements of first proviso to sub-regulation (4) of regulation 32 of Securities and Exchange board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009, cash flow statement has been prepared and disclosed in the red herring prospectus and / or prospectus.

Place:

Date:

**Merchant Banker(s) to the Issue
with Official Seal(s)**

FORM G**[See regulation 65(3)]****FORMAT OF DUE DILIGENCE CERTIFICATE TO BE GIVEN BY-MERCHANT
BANKER ALONG WITH FINAL POST ISSUE REPORT**

To,
Securities and Exchange Board of India

Dear Sirs,

Sub.: Public issue of by (Name of Issuer)

We, the under noted post issue lead merchant bankers to the abovementioned issue state as follows:

- (1) We confirm that –
 - (a) the certificates in respect of locked-in specified securities have been stamped 'not transferable' indicating the period of non-transferability;
 - (b) if the specified securities offered for lock-in are in dematerialised form, non transferability details have been informed to the depositories;
 - (c) details of lock-in have been provided to all the stock exchanges on which specified securities are to be listed, before the listing of the specified securities.
- (2) We certify that specified securities included as minimum promoters' contribution and the specified securities in excess of minimum promoters' contribution have been locked-in in terms of regulation 36 of Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009.
- (3) We certify that provisions regarding lock-in of specified securities held by persons other than promoters have been duly complied with in accordance with regulation 37 of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009.

Place:

Merchant Banker(s) to the Issue

Date:

with Official Seal(s)

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

SCHEDULE VII

[See regulation 11(4)]

**NATURE OF UPDATION/CHANGES IN THE OFFER DOCUMENT AND CONSEQUENT
STEPS THEREIN REQUIRING FILING OF UPDATED OFFER DOCUMENT**

- (1) **Changes which require fresh filing of the draft offer document with the Board, along with fees:** If changes are made in the offer document with respect to the following, the issuer shall file fresh draft offer document with the Board in terms of regulation 6, along with the fees as specified in Part A of Schedule IV:
 - (a) Change in promoter or persons in control of the issuer.

- (b) Change in more than half of the board of directors of the issuer.
 - (c) Change in main object clause of the issuer.
 - (d) Any addition or deletion to objects of the issue resulting in a change in estimated issue size or estimated means of finance by more than ten per cent.
 - (e) Any increase or decrease in estimated issue size by more than ten per cent
 - (f) Any increase or decrease in estimated deployment in any of the objects of the issue by more than ten per cent.
 - (g) Changes which may result in non-compliance with the provisions of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 and the lead merchant banker intends to seek relaxation under regulation 109 of the said regulations.
- (2) **Changes which require filing of the updated offer document with the Board, along with fees:**
- (a) If changes are made in the offer document with respect to the following, the issuer shall file an updated offer document with the Board, along with payment of fees as specified in Schedule IV of these regulations:
 - (i) **Section 1: Risk Factors:** Any material development which may result in potential risk and may require updation in this section.
 - (ii) **Section 2: Capital Structure:** An aggregate increase of 5% or more in the shareholding of the promoter or promoter group or an aggregate increase of 5% or more in the shareholding of the top ten shareholders.
 - (iii) **Section 3: Issue Size:** Any addition or deletion to the objects of the issue resulting in a change in the estimated issue size or estimated means of finance by not more than 10%.
 - (iv) **Section 4: Management:** Appointment of any new director.
 - (v) **Section 5: Promoter Group:** Any addition to the promoter group or group companies.
 - (vi) **Section 6: Financial Statements:** Any variation in net profit after tax or net loss after tax and/ or extraordinary items in excess of 10% over the last updated financials submitted to SEBI.
 - (vii) **Section 7: Legal and other information:** Any new litigation or any development about a pending litigation which is material in view of the merchant bankers.
 - (b) After filing the updated offer document with the Board, the issuer shall proceed with the issue after receiving a conformation to this effect from the Board.
- (3) **Changes which require filing of updated offer document with the Board, without fees:**
All other changes/ updations in the offer document which are not covered under paras (1) and (2) above shall be carried out in the offer document and updated offer document shall be filed with the Board without fees.

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

SCHEDULE VIII

[See regulations 14(3), 37(a), 44, 45(1)(f), 57(2)(a), 57(2)(b), 58(1) and 58(2)]

**DISCLOSURES IN OFFER DOCUMENT, ABRIDGED PROSPECTUS AND ABRIDGED
LETTER OF OFFER**

The words "group companies", wherever they occur, shall mean companies, firms, ventures, etc. promoted by the promoters of the issuer, irrespective of whether such entities are covered under section 370 (1)(B) of the Companies Act, 1956 or not.

PART A

[See regulations 14(3), 37(a), 44, 45(1)(f), 57(2)(a) and 57(2)(b)]

**DISCLOSURES IN RED HERRING PROSPECTUS, SHELF PROSPECTUS AND
PROSPECTUS**

(1) Instructions:

- (a) Only relevant and updated information and statistics shall be disclosed in the offer document. Further, the source and basis of all statements or claims made shall be disclosed. Terms such as "market leader", "leading player", etc. shall not be used unless they can be substantiated by proper source of information which shall be disclosed.
 - (b) All blank spaces in the draft offer document shall be filled up with appropriate data before registering the offer document with the Registrar of Companies or filing the same with the recognised stock exchanges.
 - (c) Simple English for easy understanding of the contents of the offer document may be used. The technical terms used in explaining the business of the issuer may be clarified using simple terms to ensure better understanding by investors.
 - (d) Wherever it is mentioned in the offer document that details are given elsewhere in the document, the same shall be adequately cross-referenced by indicating the page and paragraph numbers.
 - (e) The offer document should not make any forward looking statements that cannot be substantiated.
 - (f) Consistency may be ensured in the style of disclosures. If first person is used, the same may be used through out. Sentences that contain a combination of first and third persons may be avoided.
 - (g) The issuer shall ensure that all material matters informed or reports circulated prior to the issue or thereafter by the issuer or any person on its behalf or attributed or attributable to the issuer having a material bearing in taking an informed decision shall also be covered in the offer document, except to the extent specifically disallowed under the regulations.
- (2) An issuer making a public issue of specified securities shall make the following disclosures in the offer document. However, an issuer making a fast track issue of specified securities may not make the disclosures specified in Part B of this Schedule in the offer document. Further,

an issuer making a further public offer of specified securities may not make the disclosures specified in Part C of this Schedule, in the offer document, if it satisfies the conditions specified in para 2 of that Part:

(I) **Cover Pages:** The cover page shall be of adequate thickness (preferably minimum hundred gsm. quality).

(A) **Front Cover Pages:**

(1) The front outside and inside cover pages of the offer document shall be white and no patterns or pictures shall be printed on these pages.

(2) The front outside cover page of the offer document shall contain only the following issue details:

(a) The type of offer document ("Red Herring Prospectus" / "Shelf Prospectus" / "Prospectus").

(b) The name of the issuer, date and place of its incorporation, its logo, address of its registered office, its telephone number, fax number, contact person, website address, e-mail address and where there has been any change in the address of the registered office or the name of the issuer, reference to the page of the offer document where details thereof are given.

(c) The names of the promoters of the issuer.

(d) The nature, number, price and amount of specified securities offered and issue size, as may be applicable.

(e) The aggregate amount proposed to be raised through all the stages of offers of specified securities made through the shelf prospectus.

(f) The following clause on 'Risks in relation to the First Issue' (wherever applicable) shall be incorporated in a box format in case of an initial public offer:

"This being the first issue of the issuer, there has been no formal market for the securities of the issuer. The face value of the equity shares is (-----) and the issue price / floor price / price band is 'X-times' of the face value. The issue price / floor price / price band (has been determined and justified by the lead merchant banker and the issuer as stated under the paragraph on "Basis for Issue Price") should not be taken to be indicative of the market price of the specified securities after the specified securities are listed. No assurance can be given regarding an active or sustained trading in the equity shares of the issuer nor regarding the price at which the equity shares will be traded after listing."

(g) The following clause on 'General Risk' shall be incorporated in a box format:

"Investment in equity and equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this offer unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this offering. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of the issuer and the offer including the risks involved. The securities have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India (SEBI) nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of this document. Specific attention of investors is invited to the

statement of 'Risk factors' given on page number(s) under the section 'General Risks'."

- (h) The following clause on 'Issuer's Absolute Responsibility' clause shall be incorporated in a box format:

"The issuer, having made all reasonable inquiries, accepts responsibility for and confirms that this offer document contains all information with regard to the issuer and the issue which is material in the context of the issue, that the information contained in the offer document is true and correct in all material aspects and is not misleading in any material respect, that the opinions and intentions expressed herein are honestly held and that there are no other facts, the omission of which make this document as a whole or any of such information or the expression of any such opinions or intentions misleading in any material respect."

- (i) The names, logos and addresses of all the lead merchant bankers with their titles who have signed the due diligence certificate and filed the offer document with the Board, along with their telephone numbers, fax numbers, website addresses and e-mail addresses.
- (j) The name, logo and address of the registrar to the issue, along with its telephone number, fax number, website address and e-mail address.
- (k) Issue schedule:
- (i) Date of opening of the issue.
 - (ii) Date of closing of the issue.
 - (iii) Date of earliest closing of the issue, if any.
- (l) Credit rating, if applicable.
- (m) The following details under the heading "IPO Grading" shall be incorporated in case of an initial public offer: All the grades obtained for the initial public offer and reference to the page number(s) on which the details of IPO grading are given.
- (n) The name(s) of the recognised stock exchanges where the specified securities are proposed to be listed and the details of in-principle approval for listing obtained from these stock exchanges.

(B) **Back Cover Pages:** The back inside cover page and back outside cover page shall be in white.

(II) **Table of Contents:** The table of contents shall appear immediately after the front inside cover page.

(III) **Definitions and Abbreviations:**

- (A) Conventional or general terms.
- (B) Issue related terms.
- (C) Issuer and industry related terms.
- (D) Abbreviations.

(IV) **Risk Factors:**

- (A) The risk factors, other than those specified in sub-paras. (f), (g) and (h) of para. (2) of sub-item (A) of Item (I) above, shall be printed in clear readable font (preferably of minimum point ten size).

- (B) The risk factors shall be classified as those which are specific to the project and internal to the issuer and those which are external and beyond the control of the issuer.
- (C) The risk factors shall be determined on the basis of their materiality. In determining the materiality of risk factors, the following shall be considered :
 - (1) Some risks may not be material individually but may be material when considered collectively.
 - (2) Some risks may have an impact which is qualitative though not quantitative.
 - (3) Some risks may not be material at present but may have a material impact in the future.
- (D) The risk factors shall appear in the offer document in the following manner:
 - (1) The risks envisaged by the management.
 - (2) The proposals, if any, to address the risks and the manner in which the same are proposed to be addressed.
- (E) The proposals to address risks shall not contain any speculative statement on the positive outcome of any litigation, etc.
- (F) The proposals to address risks shall not be given for any matter that is sub-judice before any Court / Tribunal.
- (G) The risk factors shall be disclosed in the descending order of materiality. Wherever risks about material impact are stated, the financial and other implications of the same shall be disclosed. If it cannot be quantified, a distinct statement about the fact that the implications cannot be quantified shall be made.
- (H) The disclosures of Risk factors shall include, where applicable, the following:
 - (1) The criminal charges under Indian Penal Code and violations of securities law;
 - (2) All statutory clearances and approval that are yet to be received by the issuer;
 - (3) The seasonality of the business of the issuer;
 - (4) The issue of specified securities by the issuer within the last twelve months at a price lower than the issue price;
 - (5) The non-identification of acquisition targets, where any object of the issue is to finance acquisitions, along with the details of interim use of funds and the probable date of completing the acquisitions;
 - (6) If the industry segment for which the issue is proposed by the issuer has contributed to less than twenty five per cent. of the revenues of the issuer in the last three fiscal years.
 - (7) The dependence of the issuer or any of its business segments, upon a single customer or a few customers, the loss of any one or more of which would have a material adverse effect on the issuer.
 - (8) The refusal of listing of any securities of the issuer or any of its subsidiaries or associates at any time by any of the recognised stock exchanges in India or abroad.
 - (9) The failure of the issuer or any of its subsidiary or group companies to meet the listing requirements of any recognised stock exchange(s) in India or abroad and the details of penalty, if any including suspension of trading, imposed by such exchange(s).
 - (10) The trading of any securities of the issuer on stock exchanges or in OTC market, if limited or sporadic.
 - (11) In case of outstanding debt instruments issued to public or to any person on private placement basis by the issuer, the default in compliance with the material covenants such as in creation of full security as per terms of issue, default in

- payment of interest, default in redemption, non-creation of debenture redemption reserve, default in payment of penal interest wherever applicable, non-availability of collateral or non-maintenance of asset cover, interest cover, debt-service cover, etc.
- (12) The fact that the unsecured loans taken by the issuer, promoter, group companies or associates can be recalled by the lenders at any time.
- (13) The default in repayment of deposits or payment of interest thereon. The roll over of liability, if any.
- (14) The potential conflict of interest, if the promoters or directors of the issuer are involved with one or more ventures which are in the same line of activity or business as that of the issuer.
- (15) The shortfall in performance vis-à-vis objects stated in the previous issues of the issuer and group companies, as disclosed under the heading "Performance vis-à-vis Objects" in the section "Other Regulatory and Statutory Disclosures", quantifying such shortfall or delays.
- (16) The interests of the promoters, directors or key management personnel of the issuer, other than reimbursement of expenses incurred or normal remuneration or benefits.
- (17) The portion of the issue proceeds, if proposed to be paid to the promoters, directors or key management personnel of the issuer or the group companies.
- (18) The relationship, if any, of the entities from whom the issuer has acquired the land or proposes to acquire land, with any of the promoters or directors of the issuer, along with the relevant details.
- (19) The lack of adequate background and experience of the promoters of the issuer in the activities for which the issue is proposed.
- (20) The excessive dependence on key management personnel for the project for which the issue is proposed.
- (21) The loss making group companies of the issuer.
- (22) Any investment in debt instruments which are unsecured or which carry interest rate lower than the market rate.
- (23) The non-provision for decline in the value of investments.
- (24) A summary of the outstanding litigations, disputes, non-payment of statutory dues, overdues to banks or financial institutions, defaults against banks or financial institutions, contingent liabilities not provided for, the details of proceedings initiated for economic offences or civil offences (including the past cases, if found guilty), any disciplinary action taken by the Board or recognised stock exchanges, etc., pertaining to the issuer, promoter and whole-time directors of the issuer and group companies, along with the nature of the litigation, quantum of funds involved, with a cross reference to the page where the detailed disclosures have been made in the offer document. If any the above mentioned litigations, etc., arise after the filing the draft offer document, the facts shall be incorporated appropriately in the offer document.
- (25) The delay, if any, in the schedule of the implementation of the project for which the funds are being raised in the public issue.
- (26) The fact that the deployment of the issue proceeds is entirely at the discretion of the issuer and is not subject to any monitoring by any independent agency.
- (27) Negative cash flow, if any.
- (28) The fact that the land is not registered in the name of the issuer.

- (29) Any lack of arrangements in place for borrowings, bank finance or institutional finance in respect of working capital requirements.
- (30) Any restrictive covenants, as regards interests of equity shareholders, in a shareholders' agreement, promoters' agreement or any agreement for short term (secured and unsecured) and long term borrowings.
- (31) All disputed or contested tax demands and other government claims, along with the disclosures of amount, period for which such demands or claims are outstanding, financial implications and the status of the case.
- (32) The existence of large number of pending investor grievances against the issuer and other listed companies under the same management within the meaning of section 370 (1B) of the Companies Act, 1956.
- (33) The risks associated with second or residual charge or subordinated obligation created on the asset cover, in case of issue of secured convertible debt instruments.
- (34) The risk associated with orders not having been placed for plant and machinery indicating the percentage and value terms of the plant and machinery for which orders are yet to be placed.
- (V) **Prominent Notes:** This section shall contain notes which are required to be given prominence and shall also include the following:
- (A) A disclosure to the effect that "the investors may contact any of the merchant bankers who have submitted the due diligence certificate to the Board, for any complaint pertaining to the issue".
- (B) The net worth before the issue (as per latest audited financial statement disclosed in the offer document) and issue size.
- (C) The cost per share to the promoters and book value per share.
- (D) The details of the group companies having business interests or other interests in the issuer.
- (E) The details of transaction by the issuer with group or subsidiary companies during the last year, the nature of transactions and the cumulative value of transactions.
- (F) If there is a change in the name of the issuer at any time during the last three years immediately preceding the date of filing draft offer document with the Board, the reasons for the change and whether and when the objects clause of Memorandum of Association was amended to carry on activities as reflected by the new name.
- (G) The details of all financing arrangements whereby the promoter group, the directors of the company which is a promoter of the issuer, the directors of the issuer and their relatives have financed the purchase by any other person of securities of the issuer other than in the normal course of the business of the financing entity during the period of six months immediately preceding the date of filing draft offer document with the Board.
- (VI) **Introduction:**
- (A) **Summary:**
- (1) The summary of the industry and business of the issuer. The summary shall not be one-sided to disclose the highlights of the issuer or issue.
 - (2) Issue details in brief.
 - (3) Summary consolidated financial, operating and other data.
- (B) **General Information:**

- (1) The name and address of the registered office and the registration number of the issuer, along with the address of the Registrar of Companies where the issuer is registered.
- (2) The board of directors of the issuer.
- (3) The brief details of the chairman, managing director, whole time directors, etc. of the issuer.
- (4) The names, addresses, telephone numbers, fax numbers and e-mail addresses of the Company Secretary, legal advisor and bankers to the issuer.
- (5) The name, address, telephone number, fax number and e-mail address of the compliance officer.
- (6) The names, addresses, telephone numbers, fax numbers, contact person, website addresses and e-mail addresses of the merchant bankers, co-managers, registrars to the issue, bankers to the issue, brokers to the issue, syndicate members, Self Certified Syndicate Banks, etc.
- (7) The names, addresses, telephone numbers, fax numbers and e-mail addresses of the auditors of the issuer.
- (8) The statement of inter-se allocation of responsibilities among lead merchant bankers, where more than one merchant banker is associated with the issue.
- (9) The following details of credit rating, in case of a public issue of convertible debt instruments:
 - (a) The names of all the credit rating agencies from which credit rating including unaccepted rating has been obtained for the issue of convertible debt instruments.
 - (b) The details of all the credit ratings including unaccepted rating obtained for the issue of convertible debt instruments.
 - (c) All the credit ratings obtained during three years prior to the filing the offer document for any of the issuer's listed convertible debt instruments at the time of accessing the market through a convertible debt instrument.
- (10) The following details of IPO Grading:
 - (a) The names of all the credit rating agencies from which grading has been obtained for the initial public offer of specified securities.
 - (b) The details of all the grades obtained from such credit rating agencies.
 - (c) The rationale or description of the grading(s) so obtained, as furnished by the credit rating agency(ies).
- (11) The names, addresses, telephone numbers, fax numbers, website addresses and e-mail addresses of the trustees under debenture trust deed, in case of a public issue of convertible debt instruments.
- (12) The name of the monitoring agency, if appointed and the disclosure as to whether the appointment is pursuant to regulation 16 of these regulations.
- (13) The name, address, telephone number and e-mail address of the appraising entity, in case the project has been appraised.
- (14) Where the issue is being made through the book building process, the details in brief explaining the book building process.
- (15) The details of underwriting, if any:
 - (a) The names, addresses, telephone numbers, fax numbers and e-mail addresses of the underwriters and the amount underwritten by them.
 - (b) Declaration by the board of directors of the issuer that the underwriters have sufficient resources to discharge their respective obligations.

- (c) In case of partial underwriting of the issue, the extent of underwriting.
- (d) The details of final underwriting arrangement indicating actual number of specified securities underwritten, in the prospectus or red herring prospectus before it is registered with Registrar of Companies.
- (e) The underwriting agreement shall list out the role and obligations of each syndicate member and inter-alia contain a clause stating that margin collected from categories other than qualified institutional buyers shall be uniform across the book runner(s) or syndicate members for each such category, indicating the percentage to be paid as margin by the investor at the time of bidding.

(C) Green Shoe Option, if applicable:

- (1) The name of the stabilising agent.
- (2) The maximum number of equity shares, in number and as a percentage of the proposed issue size, proposed to be over-allotted by the issuer.
- (3) The period for which the issuer proposes to avail of the stabilisation mechanism.
- (4) The maximum increase in the equity share capital of the issuer and the shareholding pattern, post-issue, in case the issuer is required to allot further equity shares to the extent of over-allotment in the issue.
- (5) The maximum amount of funds to be received by the issuer in case of further allotment and the use of these additional funds shall be disclosed in the offer document.
- (6) The details of the agreement or arrangement entered into by the stabilising agent with the promoters or shareholders to borrow equity shares from the latter. The details shall, inter-alia, include the name of the promoters or shareholders, their existing shareholding in the issuer, the number and percentage of equity shares to be lent by them and other important terms and conditions including rights and obligations of each party.
- (7) The exact number of equity shares to be allotted pursuant to the public issue, stating separately the number of equity shares to be borrowed from the promoters or shareholders and over-allotted by the stabilising agent and the percentage of such equity shares in relation to the total issue size.

(D) Capital Structure:

- (1) The capital structure shall be presented in the following manner in a tabular form:
 - (a) The authorised, issued, subscribed and paid up capital (number of securities, description and aggregate nominal value).
 - (b) Size of the present issue, giving separately the promoters' contribution, reservation for specified categories and net offer to public (number of securities, description, aggregate nominal value and issue amount (to be disclosed in that order), names of the group companies if reservation has been made for shareholders of the group companies and applicable percentages may be given in case of a book built issue).
 - (c) Paid up capital:
 - (i) After the issue.
 - (ii) After conversion of convertible instruments (if applicable).
 - (d) Share premium account (before and after the issue).
- (2) The following notes shall be incorporated after the details of capital structure:
 - (a) The details of the existing share capital of the issuer in a tabular form, indicating therein with regard to each allotment, the date of allotment, the

- number of shares allotted, the face value of the shares allotted and the form of consideration.
- (b) Where shares have been issued for consideration other than cash or out of revaluation reserves at any point of time, the details shall be furnished in a separate table, indicating the date of issue, persons to whom issued, price, reasons for the issue and whether any benefits have accrued to the issuer out of the issue.
- (c) Where shares have been allotted in terms of any scheme approved under sections 391-394 of the Companies Act, 1956, the fact shall be distinctly stated and the details of such shares allotted shall be given, along with the page numbers of the offer document where extensive details of such scheme is given.
- (d) In case of bonus shares made out of revaluation reserves, the same shall be separately mentioned indicating the date of issue and the date of revaluation of assets.
- (e) The disclosures specified at paras (a) to (d) above shall be subject to the following:
- (i) Where the issuer has issued equity shares under one or more employee stock option schemes, particulars of equity shares issued under the employee stock option schemes may be aggregated quarter-wise, indicating the aggregate number of equity shares issued and the price range within which equity shares have been issued in each quarter.
 - (ii) Where item (i) is applicable, a document giving date-wise details of equity shares issued under employee stock option schemes, including the price at which such equity shares were issued, shall be made available as a material document for inspection.
- (f) If the issuer has made any issue of specified securities at a price lower than the issue price during the preceding one year, specific details of the names of the persons to whom such specified securities have been issued, whether they are part of promoters group, reasons for such issue and the price shall be given.
- (g) The proposal or intention, negotiations and consideration of the issuer to alter the capital structure by way of split or consolidation of the denomination of the shares, or issue of specified securities on a preferential basis or issue of bonus or rights or further public issue of specified securities or qualified institutions placement, within a period of six months from the date of opening of the present issue.
- (h) The total shareholding of the promoters in a tabular form, clearly stating the name of the promoter, nature of issue, date of allotment, number of shares, face value, issue price/ consideration, date when the shares were made fully paid up, percentage of the total pre and post issue capital, the lock in period, if any and the number and percentage of pledged shares, if any, held by each promoter.
- (i) The details of:
 - (i) the aggregate shareholding of the promoter group and of the directors of the promoters, where the promoter is a body corporate.

- (ii) the aggregate number of specified securities purchased or sold by the promoter group and/or by the directors of the company which is a promoter of the issuer and/or by the directors of the issuer and their immediate relatives (as defined in sub-clause (ii) of clause (zc) of sub-regulation (1) of regulation 2 within six months immediately preceding the date of filing draft offer document with the Board..
- (iii) all financing arrangements whereby the promoter group, the directors of the company which is a promoter of the issuer, the directors of the issuer and their relatives have financed the purchase by any other person of securities of the issuer other than in the normal course of the business of the financing entity during the period of six months immediately preceding the date of filing draft offer document with the Board.
- (iv) the maximum and minimum price at which purchases and sales referred to in clause (ii) were made, along with the relevant dates.
- (j) Promoters' contribution:
 - (i) The details of promoters' contribution and lock-in period in a tabular form, separately in respect of each promoter, stating the date of allotment of specified securities, the date when fully paid up, the nature of allotment (rights, bonus, preferential etc.), the number, face value and issue price, the percentage of promoters' contribution to total issued capital and the date upto which the specified securities are subject to lock-in.
 - (ii) In the case of an initial public offer, the details regarding individual allotments shall be given from the date of incorporation of the issuer. In the case of a listed issuer, the details shall be given for five years immediately preceding the date of filing the draft offer document.
 - (iii) The shares acquired by promoters through public issue, rights issue, preferential issue, bonus issue, conversion of depository receipts or under any employee stock option scheme or employee stock purchase scheme shall be shown separately from the shares acquired in the secondary market. The aggregate cost of shares acquired in the secondary market, if available.
 - (iv) The details of compliance with regulation 32 has been complied with.
 - (v) If the issuer is exempt from the requirements of promoters' contribution, the relevant provisions under which it is exempt.
 - (vi) A statement that promoters' contribution has been brought in to the extent of not less than the specified minimum lot and from persons defined as promoters under these regulations.
 - (vii) A statement that the promoters undertake to accept full conversion, if the promoters' contribution is in terms of the same optionally convertible debt instrument as is being offered to the public.
- (k) A statement that the issuer, its directors or the lead merchant bankers have not entered into any buy back arrangements for purchase of the specified securities of the issuer, other than the arrangements, if any, entered for safety net facility as permitted in the Regulations. In case any safety net is provided in the issue, the lead merchant banker shall certify that the person

offering the safety net has the ability to honour the commitments and disclose the same in the offer document. Further, complete details shall be given regarding safety net arrangements such as number of specified securities covered, duration, price, complete terms of guarantee, if any, given by any person, including conditions subject to which the guarantee may be invoked.

- (l) A statement that an over-subscription to the extent of ten per cent. of the net offer to public can be retained for the purpose of rounding off to the nearer multiple of minimum allotment lot.
- (m) A disclosure to the effect that all securities offered through the issue shall be made fully paid-up or may be forfeited for non-payment of calls within twelve months from the date of allotment of securities
- (n) A disclosure stating that:
 - (i) The unsubscribed portion in any reserved category may be added to any other reserved category.
 - (ii) The unsubscribed portion, if any, after such inter se adjustments among the reserved categories shall be added back to the net offer to the public portion.
 - (iii) In case of under-subscription in the net offer to the public portion, spill-over to the extent of under subscription shall be permitted from the reserved category to the net offer to public portion.
- (o) The following details regarding major shareholders:
 - (i) The names of the ten largest shareholders of the issuer as on the date of registering the offer document with the Registrar of Companies.
 - (ii) The number of equity shares held by the shareholders specified in clause (i) including number of equity shares which they would be entitled to upon exercise of warrant, option or right to convert a debenture, loan or other instrument.
 - (iii) The particulars specified in items (i) and (ii) as on a date two years prior to the date of registering the offer document with the Registrar of Companies.
 - (iv) The particulars specified in items (i) and (ii) as on a date ten days prior to the date of registering the offer document with the Registrar of Companies.
 - (v) If the issuer has made an initial public offer of specified securities within the immediately preceding two years prior to filing draft offer document with the Board, the particulars specified in items (i), (ii), (iii) and (iv) shall be disclosed to indicate separately the names of the persons who acquired equity shares by subscription to the public issue and those who acquired the equity shares by allotment on a firm basis or by private placement.
- (p) The details of shareholding, if any, of the lead merchant bankers and their associates in the issuer.
- (q) In case it is not possible to obtain information regarding sales and purchases of specified securities by any relative of the promoters, the information shall be disclosed on the basis of the transfers as recorded in the books of the issuer and/or the depository, as applicable and a statement to such effect shall be made in the offer document.

- (r) The details of options granted or equity shares issued under any scheme of employee stock option or employee stock purchase of issuer, in last three years (separately for each year) and on a cumulative basis for all options or equity shares issued prior to the date of the offer document, including the following details in cases where options granted to employees in pursuance of any employee stock option scheme existing prior to the initial public offer, are outstanding at the time of the initial public offer:
- (i) options granted;
 - (ii) the pricing formula;
 - (iii) options vested;
 - (iv) options exercised;
 - (v) the total number of shares arising as a result of exercise of option;
 - (vi) options lapsed;
 - (vii) variation of terms of options;
 - (viii) money realised by exercise of options;
 - (ix) total number of options in force;
 - (x) employee-wise details of options granted to:
 - senior managerial personnel;
 - any other employee who receives a grant in any one year of options amounting to five per cent or more of options granted during that year;
 - identified employees who were granted options, during any one year, equal to or exceeding one per cent. of the issued capital (excluding outstanding warrants and conversions) of the issuer at the time of grant;
 - (xi) diluted Earnings Per Share pursuant to issue of equity shares on exercise of options calculated in accordance with Accounting Standard (AS) 20 'Earnings Per Share'.
 - (xii) where the issuer has calculated the employee compensation cost using the intrinsic value of the stock options, the difference between the employee compensation cost so computed and the employee compensation cost that shall have been recognised if it had used the fair value of the options and the impact of this difference on profits and on the Earnings Per Share of the issuer.
 - (xiii) weighted average exercise prices and weighted average fair values of options whose exercise price either equals or exceeds or is less than the market price of the stock.
 - (xiv) a description of the method and significant assumptions used during the year to estimate the fair values of options, including weighted-average information, namely, risk-free interest rate, expected life, expected volatility, expected dividends, and the price of the underlying share in market at the time of grant of the option.
 - (xv) the impact on the profits and on the Earnings Per Share of the last three years if the issuer had followed the accounting policies specified in clause 13 of the Securities and Exchange Board of India (Employee Stock Option Scheme and Employee Stock Purchase Scheme) Guidelines, 1999 in respect of options granted in the last three years.

- (xvi) the intention of the holders of the equity shares allotted on exercise of options granted under an employee stock option scheme or allotted under an employee stock purchase scheme, to sell their equity shares within three months after the date of listing of the equity shares in the initial public offer (aggregate number of equity shares intended to be sold by the holders of options), if any. In case of an employee stock option scheme, this information same shall be disclosed regardless of whether equity shares arise out of options exercised before or after the initial public offer.
- (xvii) specific disclosures about the intention to sell equity shares arising out of an employee stock option scheme or allotted under an employee stock purchase scheme within three months after the date of listing, by directors, senior managerial personnel and employees having equity shares issued under an employee stock option scheme or employee stock purchase scheme amounting to more than one per cent. of the issued capital (excluding outstanding warrants and conversions), which inter-alia shall include name, designation and quantum of the equity shares issued under an employee stock option scheme or employee stock purchase scheme and the quantum they intend to sell within three months.
- (s) In case of a listed issuer, which has earlier (after being a listed issuer) made any preferential allotment or bonus issue of specified securities or qualified institutions placement of eligible securities, a confirmation that the relevant provisions of the regulations have been complied with.

(VII) Particulars of the Issue:

(A) Objects of the Issue:

- (1) The objects of the issue shall be disclosed.
- (2) If one of the objects is investment in a joint venture or a subsidiary or an acquisition, the following additional disclosures shall be made:
 - (a) Details of the form of investment, i.e., equity, debt or any other instrument
 - (b) If the form of investment has not been decided, a statement to that effect;
 - (c) If the investment is in debt instruments, complete details regarding rate of interest, nature of security, terms of repayment, subordination, etc.
 - (d) If the investment is in equity, whether any dividends are assured;
 - (e) The nature of benefit expected to accrue to the issuer as a result of the investment;
- (3) If one of the objects of the issue is the grant of a loan to any entity, details of the loan agreements, including the rate of interest, whether secured or unsecured, duration, nature of security, terms of repayment, subordination etc. and the nature of benefit expected to accrue to the issuer as a result of the investment. If such loan is to be granted to a subsidiary, group or associate company, details of the same.
- (4) If one of the objects of the issue is utilisation of the issue proceeds for long term working capital, the following additional disclosures shall be made.
 - (a) Basis of estimation of working capital requirement along with the relevant assumptions.

- (b) Reasons for raising additional working capital substantiating the same with relevant facts and figures.
- (c) Details of the projected working capital requirement, including detailed assessment of working capital after implementation of the project or achievement of objects of the issue, as the case may be, capacity utilisation assumptions, break up of expected current assets into raw materials, finished goods, work in progress, sundry debtors etc., with assumption about the holding norms for each type of current asset, total current liabilities, net current assets and envisaged sources of finance for net current assets, i.e., bank finance, institutional finance, own funds etc..
- (d) The total envisaged working capital requirement in a tabular form, the margin money thereof and the portion to be financed by any bank(s) or otherwise.
- (e) A complete perspective on the present working capital position vis-à-vis the projected one based on which the money is proposed to be raised in the public issue.
- (f) Details of the existing working capital available to the issuer with a break up for total current assets into raw materials, finished goods, work in progress, sundry debtors, etc., total current liabilities, net current assets and sources of finance for net current assets i.e. bank finance, institutional finance, own funds etc..
- (g) If no working capital is shown a part of project, the reasons therefor.
- (5) Disclosure of asset cover etc. in case of public issue of secured convertible debt instruments: The details of the assets on which security/ asset cover, if required, shall be created, the basis for computation of the security/asset cover, the valuation methods, the periodicity of such valuation and the ranking of the charge(s).

(B) Requirement of Funds:

- (1) The requirement for funds proposed to be raised through the issue.
- (2) Where the issuer proposes to undertake more than one activity, such as diversification, modernisation, expansion, etc., the total project cost shall be given activity-wise or project wise, as the case may be.
- (3) Where the issuer is implementing the project in a phased manner, the cost of each phase, including the phase, if any, which has already been implemented, shall be separately given.
- (4) The details of all material existing or anticipated transactions in relation to utilisation of the issue proceeds or project cost with promoters, directors, key management personnel, associates and group companies. The relevant documents shall be included in the list of material documents for inspection.

(C) Funding Plan (Means of Finance):

- (1) An undertaking shall be given in the offer document by the issuer confirming firm arrangements of finance through verifiable means towards seventy five per cent. of the stated means of finance, excluding the amount to be raised through proposed issue and existing identifiable internal accruals, have been made.
- (2) The balance portion of the means of finance for which no firm arrangement has been made shall be mentioned without specification.
- (3) The details of funds tied up and the avenues for deployment of excess proceeds, if any.

(D) Appraisal:

- (1) The scope and purpose of the appraisal, if any, along with the date of appraisal.
- (2) The cost of the project and means of finance shall be as per the appraisal report.
- (3) The revision, if any, in the project cost and the means of finance after the date of issue of the appraisal report shall be explained and disclosed.
- (4) The weaknesses and threats, if any, given in the appraisal report, shall be disclosed by way of risk factors.

(E) Schedule of Implementation:

- (1) The schedule of implementation of the project in a tabular form and the progress made so far, giving details of land acquisition, civil works, installation of plant and machinery, trial production, date of commercial production and reasons for delay, if any.

(F) Deployment of Funds:

- (1) The details of the sources of funds and the deployment of these funds on the project (where the issuer is raising capital for a project), up to a date not earlier than two months from the date of registering the offer document with the Registrar of Companies, as certified by a Chartered Accountant, along with the name of the chartered accountant and the date of the certificate.
- (2) Where the promoters' contribution has been brought prior to the public issue and has already been deployed by the issuer, the issuer shall give the cash flow statement in the offer document disclosing the use of such funds received as promoters' contribution.

(G) Sources of Financing of Funds Already Deployed: The means and source of financing, including details of bridge loan or other financial arrangement, which may be repaid from the proceeds of the issue.**(H) Deployment of Balance Funds:** Year-wise break up of the expenditure proposed to be incurred on the project.**(I) Interim Use of Funds:** Investment avenues in which the management proposes to deploy issue proceeds, pending its utilisation in the proposed project.**(J) Basic Terms of Issue****(K) Basis for Issue Price:**

- (1) The basis for issue price, floor price or price band, as the case may be, shall be disclosed and justified by the issuer in consultation with the lead merchant banker on the basis of the following information, which shall be also disclosed separately:
 - (a) Earnings Per Share and Diluted Earnings Per Share, pre-issue, for the last three years (as adjusted for changes in capital).
 - (b) Price Earning ratio pre-issue.
 - (c) Average Return on Net Worth in the last three years.
 - (d) Minimum Return on Increased Net Worth required to maintain pre-issue Earnings Per Share.
 - (e) Net Asset Value per share based on last balance sheet.
 - (f) Net Asset Value per share after issue and comparison thereof with the issue price.
 - (g) An illustrative format of disclosure in respect of basis for issue price is given hereunder:

(1)	Adjusted Earning Per Share (EPS) and Adjusted Diluted EPS
-----	--

	(a) 1992-93	Rs. 0.41
	(b) 1993-94	Rs. 8.39
	(c) 1994-95	Rs. 13.82
	(d) Weighted Average	Rs. 10.94
(2)	Price/ Earning Ration (P/E) in relation to Issue Price	
	(a) Based on 94/95 EPS	37.63
	(b) Industry P/E	
	(i) Highest	61.2
	(ii) Lowest	0.8
	(iii) Average	25.3
	(*Based on Economic Times of 26/6/95)	
(3)	Return on Net Worth	
	(a) 1992-93	27.36%
	(b) 1993-94	28.77%
	(c) 1994-95	33.45%
	(d) Weighted Average	30.88%
(4)	Minimum Return on Total Net Worth after Issue needed to maintain EPS at Rs.13.82	14.65%
(5)	Net Asset Value	
	(a) As at 31-3-1995	Rs. 46.40
	(b) After issue	Rs. 94.29
	(c) Issue price	Rs. 520.00

- (h) Comparison of all the accounting ratios of the issuer as mentioned in items (a) to (g) above with the industry average and with the accounting ratios of the peer group (i.e., companies of comparable size in the same industry (the source from which industry average and accounting ratios of the peer group has been taken shall be indicated).
- (i) The fact of dilution of financial ratios consequent upon issue of bonus shares, if any, and justification of the issue price after taking into account the diluted ratios with reference to expanded capital.
- (j) In case of a book built issue, the following statement shall be disclosed in the red herring prospectus:
 "The issue price has been determined by the issuer in consultation with the book runner(s), on the basis of assessment of market demand for the offered securities by way of book-building."
- (k) The face value of equity shares and the statement that the issue price, floor price or price band, as the case may be, is "X" times of the face value.
- (l) The accounting ratios disclosed in the offer document in support of basis of the issue price shall be calculated after giving effect to the consequent increase in capital on account of compulsory conversions outstanding, as well as on the assumption that the options outstanding, if any, to subscribe for additional capital will be exercised.
- (2) The issuer shall not proceed with the issue in case the accounting ratios mentioned in items (a) to (g) above do not justify the issue price.

- (3) In case the option of differential pricing under regulation 29 has been availed, justification for the price difference shall be given in the offer document.
- (4) Issue of debt instruments bearing interest less than bank rate: Whenever fully convertible debt instruments are issued bearing interest at a rate less than the Bank Rate, the offer document shall contain disclosures about the price that would work out to the investor, taking into account the notional interest loss on the investment from the date of allotment of FCDs to the date(s) of conversions).

(L) **Tax Benefits:** Any special tax benefits for the issuer and its shareholders.

(VIII) About the Issuer:

(A) Industry Overview

(B) Business Overview

(1) Details of the business of the issuer:

- (a) Location of the project;
- (b) Plant, machinery, technology, process, etc.:
 - (i) Details shall be given in a tabular form, which shall include the details of the machines required to be bought by the issuer, cost of the machines, name of the suppliers, date of placement of order and the date or expected date of supply, etc..
 - (ii) In case machines are yet to be delivered, the date of quotations relied upon for the cost estimates given shall also be mentioned.
 - (iii) The percentage and value terms of the plant and machinery for which orders are yet to be placed shall be stated.
 - (iv) The details of the second hand machinery bought or proposed to be bought, if any, including the age of the machines, balance estimated life, etc. shall also be given.
- (c) Collaborations, any performance guarantee or assistance in marketing by the collaborators: The following information regarding persons or entities with whom technical and financial agreements have been entered into shall be given:
 - (i) place of registration and year of incorporation.
 - (ii) paid up share capital.
 - (iii) turnover of the last financial year of operation.
 - (iv) general information regarding such persons relevant to the issuer.
- (d) Infrastructure facilities for raw materials and utilities like water, electricity, etc.
- (e) Products or services of the issuer:
 - (i) The nature of the product(s), that is, consumer or industrial and end users.
 - (ii) The details about the market, including details of the competition, past production figures for the industry, existing installed capacity, past trends and future prospects regarding exports (if applicable), demand and supply forecasts (if given, should be essentially with assumptions unless sourced from a market research agency of repute), etc. The source of data used shall be mentioned.
 - (iii) The approach to marketing and proposed marketing set up.
 - (iv) The export possibilities and export obligations, if any (in case of a issuer providing any "service" particulars, as applicable).

(2) **Business strategy:**

- (a) A brief statement about business strategy.
- (b) A brief statement about future prospects, including the following:

(i) **Capacity and Capacity Utilisation:**

- A table shall be incorporated giving the existing installed capacities for each product, capacity utilisation for these products in the previous three years, proposed capacities for existing as well as proposed products and the assumptions for future capacity utilisation for the next three years (from the date of commencement of commercial production) in respect of existing as well as proposed products.
- If the projected capacity utilisation is higher than the actual average capacity utilisation by more than 25% during the previous three years, how the issuer proposes to achieve the projected levels of capacity utilisation in view of its failure to achieve levels of similar capacity utilisation in the past, shall be stated.

- (ii) No forecast of projections relating to financial performance of the issuer shall be given in the offer document.

(3) **Intellectual property rights:**

- (a) If the issuer is entitled to certain intellectual property rights such as trade marks, brand names, etc. whether the same are legally held by the issuer and whether all formalities in this regard have been complied with.
- (b) In case the intellectual property rights are not registered in the name of the issuer, the name of the entity with which they are registered.
- (c) In case the intellectual property rights are registered in the name of entity in which the promoters are interested, the salient features of the agreement entered into for the use of the intellectual property rights by the issuer.

(4) **Property**(5) **Purchase of property:**

- (a) As respects any property referred to in sub-clause (b):
 - (i) the names, address, descriptions and occupations of the vendors;
 - (ii) the amount paid or payable in cash, shares or debentures to the vendor and, where there is more than one separate vendor, or the issuer is a sub purchaser, the amount so paid or payable to each vendor, specifying separately the amount, if any, paid or payable for goodwill;
 - (iii) the nature of the title or interest in such property acquired or to be acquired by the issuer;
 - (iv) short particulars of every transaction relating to the property completed within the two preceding years, in which any vendor of the property to the issuer or any person who is, or was at the time of the transaction, a promoter, or a director or proposed director of the issuer had any interest, direct or indirect, specifying the date of the transaction and the name of such promoter, director or proposed director and stating the amount payable by or to such vendor, promoter, director or proposed director in respect of the transaction.

(b) The property to which sub-clause (a) applies is a property purchased or acquired by the issuer or proposed to be purchased or acquired, which is to be paid for wholly or partly out of the proceeds of the issue offered for subscription by the offer document or the purchase or acquisition of which has not been completed at the date of issue of the offer document, other than property:

- (i) the contract for the purchase or acquisition whereof was entered into in the ordinary course of the issuer's business, the contract not being made in contemplation of the issue nor the issue in consequence of the contract; or
- (ii) as respects which the amount of the purchase money is not material.
 - for the purpose of this clause, where a vendor is a firm, the members of the firm shall not be treated as separate vendors.
 - if the issuer proposes to acquire a business which has been carried on for less than three years, the length of time during which the business has been carried.

(6) Land :

- (a) The names of the entities from whom the land has been acquired/ proposed to be acquired alongwith the cost of acquisition, along with the relation, if any, of such entities to any promoter or director of the issuer.
- (b) Details of whether the land acquired by the issuer is free from all encumbrances and has a clear title and whether it is registered in the name of the issuer.
- (c) Details of whether the issuer has applied/ received all the approvals pertaining to land. If no such approvals are required to be taken by the issuer, then this fact may be indicated by way of an affirmative statement.
- (d) The figures appearing under this section shall be consistent with the figures appearing under the section "Cost of the Project".

(C) Key Industry-Regulation (if applicable)

(D) History and Corporate Structure of the issuer:

- (1) History and main objects and present business of the issuer including the following details:

- (a) Details of the issuer such as the date of incorporation, date of commencement of business, date of conversion of partnership into limited company or private limited company to public limited company, as applicable, dates on which names have been changed, if applicable, reasons for change of name, changes in registered offices of the issuer and reasons therefore, dates on which the Memorandum of Association of the issuer have been amended citing the details of amendment.

- (b) Details of the major events in the history of the issuer, including the details of:

- (i) Capacity/facility creation, location of plant, products, marketing, competition etc.
- (ii) Raising of capital in form of equity or debt,
- (iii) Time/cost overrun in setting up projects including the proposed project,

- (iv) Defaults or rescheduling of borrowings with financial institutions/banks, conversion of loans into equity along with reasons thereof, lock out, strikes and reasons for the same etc.
- (v) Negative features like time / cost overrun, defaults and lock out / strikes etc
- (vi) Details regarding the changes in the activities of the issuer during the last five years which may have had a material effect on the profits/loss, including discontinuance of lines of business, loss of agencies or markets and similar factors.
- (c) Complete details of the subsidiaries and holding company, if applicable.
- (d) Corporate profile of the issuer regarding its history, the description of the activities, services, products, market of each segment, the growth of the issuer, exports and profits due to foreign operations together with the country-wise analysis, the standing of the issuer with reference to the prominent competitors with reference to its products, management, major suppliers and customers, environmental issues, segment, i.e. geographical, etc.
- (e) Injunction or restraining order, if any, with possible implications.
- (f) The technology, market, managerial competence and capacity built-up.
- (g) Details regarding acquisition of business/undertakings, mergers, amalgamation, revaluation of assets etc, if any.
- (h) The number of members/ shareholders of the issuer.
- (2) Main objects as set out in the Memorandum of Association of the issuer
- (3) Details regarding subsidiary(ies) of the issuer including:
 - (a) Name of the subsidiary;
 - (b) nature of business;
 - (c) capital structure;
 - (d) shareholding of the issuer;
 - (e) amount of accumulated profits or losses of the subsidiary(ies) not accounted for by the issuer;
 - (f) amount of accumulated profits or losses of the subsidiary(ies) not accounted for by the issuer
- (4) **Shareholders' agreements:**
 - (a) Key terms of subsisting shareholders' agreements, if any (to be provided even if the issuer is not a party to such an agreement, but is aware of such an agreement).
 - (b) Guarantees, if any, given to third parties by the promoters offering their shares in the proposed offer for sale, stating reasons, amount, obligations on the issuer, period of guarantee, financial implications in case of default, security available, consideration etc.
 - (c) All such agreements shall be included in the list of material contracts required under sub-item (A) of Item (XII)
- (5) **Other agreements:**
 - (a) The dates, parties to, and general nature of every other material contract, not being a contract entered into in the ordinary course of the business carried on or intended to be carried on by the issuer or a contract entered into more than two years before the date of the offer document.

- (b) All such agreements shall be included in the list of material contracts required under sub-item (A) of Item (XII)
- (6) Strategic partners.
- (7) Financial partners.
- (E) **Management:**
 - (1) **Board of Directors:**
 - (a) Name, age, qualifications, Director Identification Number, experience, address, occupation and date of expiration of the current term of office of manager, managing director, and other directors (including nominee directors, whole-time directors), giving their directorships in other companies.
 - (b) The nature of any family relationship between any of the directors.
 - (c) Any arrangement or understanding with major shareholders, customers, suppliers or others, pursuant to which of the directors was selected as a director or member of senior management.
 - (d) Details of service contracts entered into by the directors with the issuer providing for benefits upon termination of employment and a distinct negative statement in the absence of any such contract.
 - (e) Details of borrowing powers.
 - (2) **Compensation of Managing Directors/ Whole time Directors:**
 - (a) The dates, parties to, and general nature of every contract appointing or fixing the remuneration of a Director, Whole-time Director, Managing Director or Manager whenever entered into within or more than, two years before the date of the offer document. During the last financial year, the amount of compensation paid, and benefits in kind granted on an individual basis to all such persons, by the issuer for services in all capacities to the issuer. The disclosure shall also cover contingent or deferred compensation accrued for the year, even if the compensation is payable at a later date.
 - (b) If any portion of the compensation was paid pursuant to a bonus or profit-sharing plan, a brief description of the plan and the basis upon which the directors participate in the plan.
 - (c) All such contracts shall be included in the list of material contracts required under sub-item (A) of Item (XII).
 - (3) Shareholding of directors, including details of qualification shares held by them, wherever applicable.
 - (4) **Interest of directors:**
 - (a) Full particulars of the nature and extent of the interest, if any, of every Director.
 - (i) in the promotion of the issuer; or
 - (ii) in any property acquired by the issuer within two years of the date of the offer document or proposed to be acquired by it.
 - (b) Where the interest of such a director consists in being a member of a firm or company, the nature and extent of the interest of the firm or company, with a statement of all sums paid or agreed to be paid to him or to the firm or company in cash or shares or otherwise by any person either to induce him to become, or to qualify him as, a director, or otherwise for services rendered by him or by the firm or company, in connection with the promotion or formation of the issuer shall be disclosed.

- (5) Change, if any, in the directors during the last three years, and reasons, thereof.
- (6) Management Organisation Structure.
- (7) **Corporate Governance:**
 - (a) A disclosure to the effect that the issuer has complied with the requirements of Corporate Governance contained in the Equity Listing Agreement, particularly those relating to composition of board of directors, constitution of committees such as Audit Committee, Shareholder / Investor Grievance Committee, etc.
 - (b) Details relating to the issuer's audit committee and remuneration committee, including the names of committee members and a summary of the terms of reference under which the committees operate shall also be disclosed.
- (8) **Key Management Personnel:**
 - (a) Details of the key management personnel as on the date of filing the offer document with the Board indicating name, date of joining, qualification, term of office with date of expiration of term and details of service contracts including termination/retirement benefits, if any, details of previous employment, etc.
 - (b) Name, business experience, functions and areas of experience in the issuer.
 - (c) The nature of any family relationship between any of the key managerial personnel.
 - (d) Any arrangement or understanding with major shareholders, customers, suppliers or others, pursuant to which any of the key managerial personnel, was selected as a director or member of senior management.
 - (e) During the last financial year, the amount of compensation paid, and benefits in kind granted, to the key managerial personnel on an individual basis, by the issuer for services in all capacities to the company. The disclosure shall also cover contingent or deferred compensation accrued for the year, even if the compensation is payable at a later date.
 - (f) If any portion of the compensation was paid pursuant to a bonus or profit-sharing plan, a brief description of the plan and the basis upon which the key management personnel participate in the plan.
 - (g) Disclose status of key management personnel, whether they are in the employment as permanent employees or otherwise.
 - (h) The shareholding of the key management personnel.
 - (i) Bonus or Profit Sharing Plan for the key management personnel.
 - (j) **Changes in the Key Management Personnel:** Any change otherwise than by way of retirement in the normal course in the senior key management personnel particularly in charge of production, planning, finance and marketing during the last three years prior to the date of filing the offer document with the Board shall be disclosed. If the turnover of key management personnel is high compared to the industry, reasons should be discussed.
- (9) **Employees:**
 - (a) Refer the page of the offer document where disclosures regarding employees stock option scheme/ employees stock purchase scheme of the issuer, if any, as required by the Regulations or Regulations of the Board relating to Employee Stock Option Scheme and Employee Stock Purchase Scheme, is given.

- (b) **Payment or Benefit to Officers of the issuer (non-salary related):** Any amount or benefit paid or given within the two preceding years or intended to be paid or given to any officer and consideration for payment of giving of the benefit.

(F) Promoters/ Principal Shareholders:

(1) Where the promoters are individuals:

- (a) A complete profile of the promoters, including their name, age, personal addresses, educational qualifications, experience in the business or employment and in the line of business proposed in the offer document, positions/posts held in the past, Directorship held, other ventures of each promoter, special achievements, their business and financial activities, photograph, voter ID number, driving license number shall be disclosed.
- (b) A declaration, confirming that Permanent Account Number, Bank Account Number and Passport Number of the promoters have been submitted to the recognised stock exchanges on which the specified securities are proposed to be listed, at the time of filing the draft offer document with them;

(2) Where the promoters are companies:

- (a) History of the companies and the promoters of the companies shall be furnished. Where the promoters of such companies are again companies or bodies corporate, names of natural persons in control (i.e., holding fifteen per cent. or more voting rights) or who are on the board of directors of such bodies corporate shall be disclosed.
- (b) Details of change in control or management of the promoter companies, if any, including details of the persons who held the controlling interest in the three years immediately preceding the filing the draft offer document.
- (c) A declaration, confirming that the Permanent Account Numbers, Bank Account Numbers, the Company Registration Numbers and the addresses of the Registrars of Companies where the companies are registered have been submitted to the recognised stock exchanges on which the specified securities are proposed to be listed, at the time of filing the draft offer document with them;
- (3) If the present promoters are not the original promoters and control of the issuer was acquired within five years immediately preceding the date of filing draft offer document with the Board, disclosure shall be made of the details regarding the acquisition of control, date of acquisition, terms of acquisition, consideration paid for acquisition and compliance with the provisions of the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997 and Listing Agreement as applicable.
- (4) If there is no identifiable promoter, such fact shall be disclosed and a further disclosure shall be made of the shareholders who control individually or as a group, fifteen per cent. or more of the voting rights of the issuer and of persons, if any, who have the right to appoint director(s) on the board of directors of the issuer.
- (5) If the promoters do not have experience in the proposed line of business, that fact shall be disclosed explaining how the proposed activities would be carried out/managed.

- (6) If the promoters have any interest in the issuer other than as promoters, brief details of the interest shall be given along with cross-reference to the pages on which extensive details have been given in the offer document.
- (7) The following information in respect of all the group companies shall be given wherever applicable:
 - (a) the name and type of organisation
 - (b) brief description of the business;
 - (c) nature and extent of interest of the promoters
- (8) Full particulars of the nature and extent of the interest, if any, of every promoter, directors or group companies :
 - (a) in the promotion of the issuer; or
 - (b) in any property acquired by the issuer within two years of the date of filing draft offer document with the Board or proposed to be acquired by it.
 - (c) Where the interest of such a director or promoter consists in being a member of a firm or company, the nature and extent of the interest of the firm or company, with a statement of all sums paid or agreed to be paid to him or to the firm or company in cash or shares or otherwise by any person either to induce him to become, or to qualify him as, a director, or otherwise for services rendered by him or by the firm or company, in connection with the promotion or formation of the issuer.
 - (d) in any transaction in acquisition of land, construction of building and supply of machinery, etc. with full details of the transaction and the amount involved
- (9) **Payment or benefit to promoters of the issuer:** Any amount or benefit paid or given within the two years preceding the date of filing draft offer document with the Board or intended to be paid or given to any promoter or promoter group and consideration for payment of giving of the benefit.
- (G) **Currency of presentation:** One standard financial unit shall be used in the offer document.
- (H) **Dividend policy**

(IX) Financial Statements:

(A) Selected Consolidated Financial and Operating data:

- (1) The consolidated financial statement prepared on the basis of Accounting Standard 21(AS 21) "Consolidated Financial Statements" issued by the Institute of Chartered Accountants of India shall be incorporated in the offer document.
- (2) All the notes to the accounts, significant accounting policies as well as the auditors' qualifications shall be incorporated.

(B) Financial Information of the issuer:

- (1) A report by the auditors of the issuer with respect to:
 - (a) profits and losses and assets and liabilities, in accordance with para (2) or (3) of sub-item (B) of Item (IX), as the case may require; and
 - (b) the rates of dividends, if any, paid by the issuer in respect of each class of shares in the issuer for each of the five financial years immediately preceding the issue of the offer document, giving particulars of each class of shares on which such dividends have been paid and particulars of the cases in which no dividends have been paid in respect of any class of shares for any of those years;

and, if no accounts have been made up in respect of any part of the period of five years ending on a date three months before the issue of the offer document, containing a statement of that fact (and accompanied by a statement of the accounts of the issuer in respect of that part of the said period up to a date not earlier than six months of the date of issue of the offer document indicating the profit or loss for that period and the assets and liabilities position as at the end of that period together with a certificate from the auditors that such accounts have been examined and found correct by them. The said statement may indicate the nature of provision or adjustments made or are yet to be made).

- (2) If the issuer has no subsidiaries, the report shall:
 - (a) so far as regards profits and losses, deal with the profits or losses of the issuer (distinguishing items of a non-recurring nature) for each of the five financial years immediately preceding the issue of the offer document; and
 - (b) so far as regards assets and liabilities, deal with the assets and liabilities of the issuer at the last date to which the accounts of the issuer were made up.
- (3) If the issuer has subsidiaries, the report shall:
 - (a) so far as regards profits and losses, deal separately with the issuer's profits or losses as provided by para (2) of sub-item (B) of Item (IX) and in addition, deal either:
 - (i) as a whole with the combined profits or losses of its subsidiaries, so far as they concern the members of the issuer; or
 - (ii) individually with the profits or losses of each subsidiary, so far as they concern the members of the issuer;or, instead of dealing separately with the issuer's profits or losses, deal as a whole with the profits or losses of the issuer, and, so far as they concern the members of the issuer, with the combined profits or losses of its subsidiaries; and
 - (b) so far as regards assets and liabilities, deal separately with the issuer's assets and liabilities as provided by para (2) of sub-item (B) of Item (IX) and in addition, deal either:
 - (i) as a whole with the combined assets and liabilities of its subsidiaries, with or without the issuer's assets and liabilities; or
 - (ii) individually with the assets and liabilities of each subsidiaries;and shall indicate as respects the assets and liabilities of the subsidiaries, the allowance to be made for persons other than the members of the issuer.
- (4) If the proceeds, or any part of the proceeds, of the issue of the shares or debentures are, or is, to be applied directly or indirectly:
 - (a) in the purchase of any business; or
 - (b) in the purchase of an interest in any business and by reason of that purchase, or anything to be done in consequence thereof, or in connection therewith, the issuer will become entitled to an interest as respects either the capital or profits and losses or both, in such business exceeding fifty percent, thereof; a report made by accountants (who shall be named in the offer document) upon:
 - (i) the profits or losses of the business of each of the five financial years immediately preceding the issue of the offer document; and
 - (ii) the assets and liabilities of the business at the last date to which the accounts of the business were made up, being a date not more than

one hundred and twenty days before the date of the issue of the offer document.

(5)

(a) If:

- (i) the proceeds, or any part of the proceeds, of the issue of the shares or debentures are or is to be applied directly or indirectly in any manner resulting in the acquisition by the issuer of shares in any other body corporate; and
- (ii) by reason of that acquisition or anything to be done in consequence thereof or in connection therewith, that body corporate will become a subsidiary of the issuer;

a report shall be made by accountants (who shall be named in the offer document) upon:

- the profits or losses of the other body corporate for each of the five financial years immediately preceding the issue of the offer document; and
- the assets and liabilities of the other body corporate at the last date to which its accounts were made up.

(b) The said report shall:

- (i) indicate how the profits or losses of the other body corporate dealt with by the report would, in respect of the shares to be acquired, have concerned members of the issuer and what allowance would have fallen to be made, in relation to assets and liabilities so dealt with for holders of other shares, if the issuer had at all material times held the shares to be acquired; and
- (ii) where the other body corporate has subsidiaries, deal with the profits or losses and the assets and liabilities of the body corporate and its subsidiaries in the manner provided by sub-clause (a) (ii) above in relation to the issuer and its subsidiaries.

(6) Principal terms of loan and assets charged as security: Brief terms and conditions of the term loans including re-schedulement, prepayment, penalty, default, etc.

(7) (a) Age-wise analysis of sundry debtors shall be given.

(b) Aggregate book value of quoted investments as well as aggregate market value of quoted investments shall be disclosed.

(8) All significant accounting policies and standards followed in the preparation of the financial statements shall be disclosed including all notes thereto and the auditors' qualifications shall be incorporated.

(9) Statements of Assets and Liabilities and Profit and Loss or any other financial information shall be incorporated after making the following adjustments, wherever quantification is possible:

(a) Adjustments/ rectification for all incorrect accounting practices or failures to make provisions or other adjustments which resulted in audit qualifications.. Audit qualifications, which have not been given effect to, if any, shall be highlighted along with the management comments. If the impact of non-provisions is not considered ascertainable, then a statement to that effect by the auditors

(b) Material amounts relating to adjustments for previous years shall be identified and adjusted in arriving at the profits of the years to which they

relate irrespective of the year in which the event triggering the profit or loss occurred.

- (c) Where there has been a change in accounting policy, the profits or losses of the earlier years (required to be shown in the offer document) and of the year in which the change in the accounting policy has taken place shall be recomputed to reflect what the profits or losses of those years would have been if a uniform accounting policy was followed in each of these years.
- (d) If an incorrect accounting policy is followed, the re-computation of the financial statements shall be in accordance with correct accounting policies.
- (e) Statement of profit or loss shall disclose the profit or the loss arrived at before considering extraordinary items and after considering the profit or loss from extraordinary items. An illustrative format of the disclosure of profits and losses on this basis is specified hereunder:

Year ended March 31,					
	20X1	20X2	20X3	20X4	20X5
(Rupees In lakhs)					
Income					
Sales -					
of products manufactured by the issuer	1000	1240	1640	1800	1800
of products traded in by the issuer	100	60	60	200	200
Total	1100	1300	1700	2000	2000
Other income	10	30	40	60	100
Increase (decrease) in inventories	40	(70)	60	180	310
	1150	1260	1800	2240	2410
Expenditure					
Raw materials consumed	400	480	630	1110	1200
Staff costs	200	220	240	340	400
Other manufacturing expenses	250	260	280	540	650
Administration expenses	40	42	60	80	85
Selling and distribution expenses	110	120	130	190	250
Interest	60	55	90	200	140
	1095	1227	1495	2635	2795
Net profit before tax and extraordinary items	55	33	305	(295)	(385)
Taxation	25	12	144	(185)	(235)
Net profit before extraordinary items	30	21	161	(110)	(150)
Extraordinary items (net of tax)		49	(64)	800	1000
Net Profit after Extraordinary Items	30	70	97	700	850

- (f) The statement of assets and liabilities shall be prepared after deducting the balance outstanding on revaluation reserve account from both fixed assets and reserves and the net worth arrived at after such deductions. An illustrative format of assets and liabilities is specified hereunder:

		As at March 31,				
		20X1	20X2	20X3	20X4	20X5
		(Rupees in lakhs)				
(1)	Fixed Assets					
	Gross Block	440	750	900	922	1350
	Less Depreciation	(55)	(107)	(170)	(250)	(320)
	Net Block	385	643	730	672	1030
	Less: Revaluation Reserve	(100)	(95)	(89)	(83)	(75)
	<i>Net Block after adjustment for Revaluation Reserve</i>	285	548	641	589	955
(2)	Current Assets, Loans and Advances					
	Inventories	485	420	720	1030	3200
	Sundry Debtors	28	30	30	500	2500
	Cash and Bank Balances	13	14	22	200	400
	Loans and Advances	78	100	85	1100	2000
	Other Current Assets	70	80	55	200	220
	Total	674	644	912	3080	8320
(3)	Liabilities and Provisions:					
	Secured Loans	376	607	616	620	460
	Unsecured Loans	3	3	-	-	4000
	Current Liabilities and Provisions	250	180	330	460	1100
	Total	(629)	(790)	(946)	(1080)	(5560)
(4)	Net worth	330	402	607	2589	3715
(5)	Represented by					
	Share Capital	300	300	400	1600	2000
	Reserves	130	197	296	1072	1790
	Less: Revaluation Reserve	(100)	(95)	(89)	(83)	(75)
	<i>Reserves (Net of revaluation reserves)</i>	30	102	207	989	1715
	Net worth	330	402	607	2589	3715

- (g) Relevant details of all the contingent liabilities.
- (10) The turnover disclosed in the Profit and Loss Statement shall be bifurcated into:
- (a) turnover of products manufactured by the issuer;

- (b) turnover of products traded in by the issuer; and
 - (c) turnover in respect of products not normally dealt in by the issuer but included in (b) above, shall be mentioned separately.
- (11) The offer document shall disclose details of 'Other Income' in all cases where such income (net of related expenses) exceeds twenty per cent. of the net profit before tax, including:
- (d) the sources and other particulars of such income; and
 - (e) an indication as to whether such income is recurring or non-recurring, or has arisen out of business activities/ other than the normal business activities.
- (12) **Related Party Transactions:** The issuer shall disclose the following details of related party transactions and make disclosures in accordance with the requirements of Accounting Standard (AS 18) "Related Party Disclosures" issued by the Institute of Chartered Accountants of India:
- (a) Information with respect to transactions or loans between the issuer and
 - (i) enterprises that directly or indirectly through one or more intermediaries, control or are controlled by, or are under common control with, the issuer;
 - (ii) associates;
 - (iii) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the company that gives them significant influence over the issuer, and close members of any such individual's family;
 - (iv) key managerial personnel, that is, those persons having authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the issuer, including directors and senior management of companies and close members of such individuals' families;
 - (v) enterprises in which a substantial interest in the voting power is owned, directly or indirectly, by any person described in (c) or (d) or over which such a person is able to exercise significant influence and includes enterprises owned by directors or major shareholders of the issuer.
 - (b) The nature and extent of any transactions which are material to the issuer or the related party, or any transactions that are unusual in their nature or conditions, involving goods, services, or tangible or intangible assets, to which the issuer or any of its parent companies was a party.
 - (c) The amount of outstanding loans (including guarantees of any kind) made by the issuer or any of its parent companies to or for the benefit of any of the directors or key managerial personnel. The information given should include the amount outstanding as of the latest date, the nature of the loan and the transaction in which it was incurred, and the interest rate on the loan.
- (13) **Accounting and other ratios:**
- (a) The following key accounting ratios shall be given for each of the accounting periods for which financial information is given.
 - (b) Earnings per Share and Diluted Earnings Per Share: This ratio shall be calculated after excluding extra ordinary items.
 - (c) Return on net worth: This ratio shall be calculated after excluding revaluation reserves and extra-ordinary items.

- (d) Net Asset Value per share. This ratio shall be calculated excluding revaluation reserves.
- (e) 'Accounting and other Ratios' shall be based on the Financial Statements prepared on the basis of Indian Accounting Standards.
- (f) In the event of capital structure undergoing a change on account of capitalisation of reserves, its impact on the key ratios should be distinctly brought out. The impact of outstanding financial instruments, if any, on the ratios, should also be disclosed.

(14) Capitalisation Statement:

- (a) A Capitalisation Statement showing total debt, net worth, and the debt/equity ratios before and after the issue is made shall be incorporated.
- (b) In case of any change in the share capital since the date as of which the financial information has been disclosed in the offer document, a note explaining the nature of the change shall be given.
- (c) An illustrative format of the Capitalisation Statement is specified hereunder:

Particulars	Pre-issue as at 30-6-20X1	As Adjusted for issue
(Rupees in lakhs)		
Short-Term Debt	1870	1870
Long Term Debt	4370	4370
Shareholders Funds		
Share Capital	4000	4450
Reserves	14570	37520
Total Shareholders Funds	18570	41940
Long Term Debt/Equity	0.24:1	0.10:1
Note: Since 31-3-20X1 (which is the last date as of which financial information has been given in para of this document) share capital was increased from Rs.3000 lacs to Rs.4000 lacs by the issue of bonus shares in the ratio of 1 share for every 3 shares.		

(15) Presentation of financials in case of change of denomination: In case of change in standard denomination of equity shares, the compliance with the following shall be ensured while making disclosure in the offer document:

- (a) all the financial data affected by the change in denomination of shares shall be clearly and unambiguously presented in the offer document.
- (b) comparison of financial ratios representing value per share and comparison of stock market data in respect of price and volume of securities shall be clearly and unambiguously presented in the offer document.
- (c) the capital structure incorporated in the offer document shall be clearly presented giving all the relevant details pertaining to the change in denomination of the shares.

(16) Unsecured loans:

- (a) Break-up of total outstanding unsecured loans taken by the issuer shall be given in the offer document into the amount borrowed from promoters/group companies/subsidiaries / material associate companies and amount borrowed from others. Further, in respect of each such loan of the former category, terms and conditions shall be disclosed including the

- interest rates and repayment schedule. If the loans can be recalled by the lenders at any time, the same shall be disclosed.
- (b) Break-up of the total outstanding unsecured loans taken by the promoters, group companies, related parties, material associate companies and others shall be disclosed.
- (c) If the loans can be recalled by the lenders at any time, the same shall be disclosed along with details of such loans.
- (17) For a proper understanding of the future tax incidence, the following factors shall be identified and explained through proper disclosures:
- (a) Profits after tax are often affected by the tax shelters which are available.
- (b) Some of these are of a relatively permanent nature (for example, arising out of export profits) while others may be limited in point of time (for example, tax holidays for new undertakings).
- (c) Tax provisions are also affected by timing differences which can be reversed in the future (for example, the difference between book depreciation and tax depreciation).
- (d) In respect of provision for taxation, adjustment shall be made for deferred tax assets and deferred tax liabilities in accordance with the requirements of Accounting Standard (AS 22) "Accounting for Taxes on Income" issued by the Institute of Chartered Accountants of India and a reconciliation of taxable income and book profits shall be disclosed in accordance with the illustrative format given hereunder:

Year ended March 31,					
	20X1	20X2	20X3	20X4	20X5
(Rupees in lakhs)					
Tax at Notional Rate	28	70	89	546	675
Adjustments:					
Export Profits	(4)	(5)	(20)	(100)	(120)
Difference between Tax Depreciation and Book Depreciation	(6)	(8)	(9)	(10)	(10)
Other Adjustments	3	3	4	4	5
Net Adjustments	(7)	(10)	(25)	(106)	(125)
Tax Saving thereon	(3)	(5)	(13)	(49)	(58)
Total Taxation	25	65	76	497	617
Taxation on Extraordinary Items-		53	(68)	682	852
Tax on Profits before Extraordinary Items	25	12	144	(185)	(235)

- (18) The issuer, if it so desires, may include in the offer document, the financial statements prepared on the basis of more than one accounting practices, subject to disclosure of the material differences arising because of differences in the accounting policies of different accounting practices.

- (19) In respect of the periods, within the period of five years, when the relevant Accounting Standard issued by the Institute of Chartered Accountants of India was mandatory in respect of such issuers:
- (a) Where, in respect of listed issuers, the auditors report does not deal with the profits and losses and assets and liabilities of the issuer and its subsidiaries as a whole, the consolidated balance sheets and profit and loss accounts shall be presented in respect of the periods, within the period of five years, when preparation of such statements was mandatory in respect of such issuers under the listing agreement with the recognised stock exchanges.
 - (b) In respect of business segments, disclosure shall be made of segment revenue, segment result and net capital employed and where the primary segment is a geographic segment, similar details by geographic segments shall be given.
- (20) The latest statement of audited/unaudited quarterly financial results published by the issuer in accordance with clause 41 of the equity listing agreement with the stock exchanges shall be reproduced
- (21) It shall be disclosed in the offer document whether any of the sundry debtors is related to the directors or promoters or the issuer in any way. Similar disclosures shall be made in case of loans and advances.

(C) Financial Information of Group Companies:

- (I) In case of an issuer not being a government company, statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up by any of them, the following information for the last three years, based on the audited statements, in respect of all the group companies for past three years shall be given, wherever applicable, along with significant notes of auditors.
- (a) Date of Incorporation;
 - (b) Nature of activities;
 - (c) Equity Capital;
 - (d) Reserves (excluding revaluation reserve);
 - (e) Sales;
 - (f) Profit after tax;
 - (g) Earnings per share and Diluted Earnings Per Share;
 - (h) Net Asset Value;
 - (i) The highest and lowest market price of shares during the preceding six months with suitable disclosures for changes in capital structure during the period and the market value on the date of registering the offer document with the Registrar of Companies.
 - (j) If any of the companies has made public or rights issue in the preceding three years, the issue price of the security, the current market price and particulars of changes in the capital structure, if any, since the date of issue and a statement regarding the cost and progress of implementation of the project in comparison with the cost and implementation schedule given in the offer document.
 - (k) Information regarding significant adverse factors related to the group companies and in particular regarding:

- (i) whether the company has become a sick company within the meaning of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1995 or is under winding up;
 - (ii) whether the company has made a loss in the immediately preceding year and if so, the profit or loss figures for the immediately preceding three years.
 - (l) Disclosure shall be made about group companies which had remained defunct and for which application was made to the Registrar of Companies for striking off the name of the company, during the five years preceding the date of filing draft offer document with the Board. The disclosure shall include reasons for the company having become defunct as also all pending litigations, if any, in respect of such companies.
 - (m) The information under items (e), (f), (g) and (k)(ii) need not be given in respect of a company which is a private limited company not being a subsidiary of a public limited company.
- (2) In case there are more than five listed group companies, the financial information may be restricted to the five largest listed group companies to be determined on the basis of the market capitalization one month before the date of filing the draft offer document or in case of a fast track issue, one month before the reference date referred to in Explanation (I) to sub-regulation (1) of regulation 10. In case there are less than five listed group companies, the financial information shall be given for all the listed group companies and in addition for the largest unlisted group companies (based on turnover) so that the total number of listed and unlisted group companies for which the information is required to be given does not exceed five.
- Provided that the financial information regarding every such group company which has become a sick industrial company or is under winding up or has a negative net worth shall be given.
- (3) If the promoters have disassociated themselves from any of the companies or firms during the three years preceding the date of filing the draft offer document, the reasons therefor and the circumstances leading to the disassociation shall be furnished together with the terms of such disassociation.
 - (4) Common Pursuits:
 - (a) In case there are common pursuits among the group companies/subsidiaries/associate companies and the issuer, the reasons and justification for the same shall be spelt out and the conflict of interest situations shall be stated.
 - (b) The related business transactions within the group and their significance on the financial performance of the issuer.
 - (5) Sales or purchase between group companies/subsidiaries/ associate companies when such sales or purchases exceed in value in the aggregate ten per cent. of the total sales or purchases of the issuer and also disclose material items of income or expenditure arising out of such transactions
 - (6) If any of the other group companies/subsidiaries/associate companies has business interests in the issuer then the amount of commercial business that the said company has /proposes to have with the issuer may be quantified. If no, a distinct negative statement may be incorporated to this effect.
- (D) Changes in accounting policies in the last three years

(E) Management's Discussion and Analysis of Financial Condition and Results of Operations as Reflected in the Financial Statements.

- (1) Overview of the business of the issuer.
- (2) **Significant developments subsequent to the last financial year:** A statement by the directors whether in their opinion there have arisen any circumstances since the date of the last financial statements as disclosed in the offer document and which materially and adversely affect or is likely to affect the trading or profitability of the issuer, or the value of its assets, or its ability to pay its liabilities within the next twelve months.
- (3) Factors that may affect the results of operations.
- (4) Discussion on the results of operations: This information shall inter-alia contain the following:
 - (a) A summary of the past financial results after adjustments as given in the auditor's report for the past three years containing significant items of income and expenditure shall be given.
 - (b) A summary of major items of income and expenditure for the last three years and most recent entering period
 - (c) The income and sales on account of major product/ main activities.
 - (d) In case, other income constitutes more than 10% of the total income, the break up of the same along with the nature of the income, i.e., recurring or non-recurring shall be stated.
 - (e) If a material part of the income is dependant upon a single customer or a few major customers, disclosure of this fact along with relevant data. Similarly if any foreign customer constitutes a significant portion of the issuer's business, disclosure of the fact along with its impact on the business on account of exchange rate fluctuations.
 - (f) In case the issuer has followed any unorthodox procedure for recording sales and revenues, its impact may be analysed and disclosed.
 - (g) The nature of miscellaneous income and miscellaneous expenditure for the interim period and the preceding years
- (5) Comparison of recent financial year with the previous financial years (last three years) on the major heads of the profit and loss statement, including an analysis of reasons for the changes in significant items of income and expenditure shall also be given, inter-alia, containing the following:
 - (a) unusual or infrequent events or transactions including unusual trends on account of business activity, unusual items of income, change of accounting policies and discretionary reduction of expenses etc.
 - (b) significant economic changes that materially affected or are likely to affect income from continuing operations;
 - (c) known trends or uncertainties that have had or are expected to have a material adverse impact on sales, revenue or income from continuing operations;
 - (d) future changes in relationship between costs and revenues, in case of events such as future increase in labour or material costs or prices that will cause a material change are known;
 - (e) the extent to which material increases in net sales or revenue are due to increased sales volume, introduction of new products or services or increased sales prices;

- (f) total turnover of each major industry segment in which the issuer operated;
 - (g) status of any publicly announced new products or business segment;
 - (h) the extent to which business is seasonal;
 - (i) any significant dependence on a single or few suppliers or customers;
 - (j) competitive conditions.
- (6) 'Management's Discussion and Analysis of Financial Condition and Results of Operations as Reflected in the Financial Statements' shall be based on the financial statements prepared on the basis of Indian accounting practices and may additionally be presented based on other accounting practices and shall also include the post audit period..

(X) Legal and Other Information:

(A) Outstanding Litigations and Material Developments:

- (1) Outstanding litigations involving the issuer:
 - (a) Litigations against the issuer or against any other company whose outcome could have a materially adverse effect of the position of the issuer;
 - (b) All litigations against the directors involving violation of statutory regulations or alleging criminal offence;
 - (c) Any criminal/ civil prosecution against the directors for any litigation towards tax liabilities.
 - (d) Pending proceedings initiated for economic offences against the issuer or its directors along with their present status;
 - (e) adverse findings, if any, in respect of the issuer as regards compliance with the securities laws.
 - (f) The details of the past cases in which penalties were imposed by the authorities concerned on the issuer or its directors;
 - (g) Outstanding litigations, defaults, etc. pertaining to matters likely to affect operations and finances of the issuer, including disputed tax liabilities, prosecution under any enactment in respect of Schedule XIII to the Companies Act, 1956 (1 of 1956) etc.;
 - (h) The information regarding pending litigations, defaults, non payment of statutory dues, proceedings initiated for economic offences or civil offences (including the past cases, if found guilty), any disciplinary action taken by the Board or stock exchanges against the issuer or its directors shall be appropriately disclosed under this head and as risk factor(s);
 - (i) The name(s) of the small scale undertaking(s) or any other creditors to whom the issuer owes a sum exceeding Rs. one lakh which is outstanding more than thirty days.
- (2) The information regarding outstanding litigations as specified sub-para. (g) of para. (1) of sub-item (A) of Item (X) shall also be furnished in respect of the subsidiaries of the issuer.
- (3) Outstanding litigations involving the promoter and group companies:
 - (a) In case of an issuer not being a government company, statutory authority or corporation or any special purpose vehicle set up by any of them, all pending litigations in which the promoters are involved, defaults to the financial institutions or banks, non-payment of statutory dues and dues towards instrument holders such as debt instrument holders, fixed deposits and arrears on cumulative preference shares, by the promoters and group

companies, together with the amounts involved and the present status of such litigations or defaults and the details of proceedings initiated for economic offences or civil offences (including the past cases, if found guilty), any disciplinary action taken by the Board or recognised stock exchanges against the promoters and group companies. The likely adverse effect of these litigations, defaults, etc. on the financial performance of the issuer shall also be mentioned.

- (b) The cases of pending litigations, defaults, etc. in respect of group companies with which the promoters were associated in the past but are no longer associated shall also be disclosed in case their name(s) continue to be associated with the particular litigation(s).
- (c) If any of the group companies had faced/is facing any litigations/ defaults/ over dues or labour problems/ closure etc., the same shall be disclosed
- (d) All the litigations against the promoter involving violation of statutory regulations or alleging criminal offence shall be furnished in the offer document.
- (e) Pending proceedings initiated for economic offences against the promoters, group companies shall be disclosed separately indicating their present status.
- (f) adverse findings, if any, in respect of the persons/entities connected with the issuer/promoter/ group companies as regards compliance with the securities laws
- (g) The details of the past cases in which penalties were imposed by the concerned authorities.
- (4) If any the above mentioned litigations, etc., arise after the filing the offer document, the facts shall be incorporated appropriately in the offer document. In case there are no such cases, a distinct negative statement is required to be made in this regard in the offer document.
- (5) Material developments since the last balance sheet date.

(B) Government Approvals or Licensing Arrangements:

- (1) Investment approvals (FIPB/ RBI, etc.).
- (2) All government and other approvals.
- (3) Technical approvals.
- (4) Letter of intent or industrial license and declaration of the Central Government, Reserve Bank of India or any regulatory authority about the non-responsibility for financial soundness or correctness of the statements.

(XI) Other Regulatory and Statutory Disclosures:

- (A) Authority for the issue and details of resolution passed for the issue.
- (B) Prohibition by the Board: A specific confirmation that there is no prohibition on the issuer, promoters, promoter group, directors, group companies or on the natural persons behind the body corporate if the promoter is a body corporate, from accessing the capital market for any reasons by the Board or any other authorities.
- (C) A confirmation whether any of the directors of the issuer are associated with the securities market in any manner, if yes, whether the Board has initiated any action against the said entities and the related details.
- (D) Eligibility of the issuer to enter the capital market. Details of compliance with eligibility requirements to make a fast track issue, if applicable.

- (E) It may be disclosed whether the issuer, promoters, group companies, the relatives (as per Companies Act, 1956) of promoters, group companies are identified as wilful defaulters by Reserve Bank of India or other authorities.
- (F) Compliance with Part B of this Schedule, as the case may be, if applicable.
- (G) Disclaimer clauses:

- (I) The offer document shall contain the following disclaimer clause in bold capital letters:

"It is to be distinctly understood that submission of offer document to the Securities and Exchange Board of India (SEBI) should not in any way be deemed or construed that the same has been cleared or approved by SEBI. SEBI does not take any responsibility either for the financial soundness of any scheme or the project for which the issue is proposed to be made or for the correctness of the statements made or opinions expressed in the offer document. The lead merchant banker, _____ has certified that the disclosures made in the offer document are generally adequate and are in conformity with the SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 in force for the time being. This requirement is to facilitate investors to take an informed decision for making investment in the proposed issue.

It should also be clearly understood that while the Issuer is primarily responsible for the correctness, adequacy and disclosure of all relevant information in the offer document, the lead merchant banker is expected to exercise due diligence to ensure that the issuer discharges its responsibility adequately in this behalf and towards this purpose, the lead merchant banker _____ has furnished to SEBI a due diligence certificate dated _____ which reads as follows:

(due diligence certificate submitted to the Board to be reproduced here)

The filing of the offer document does not, however, absolve the issuer from any liabilities under section 63 or section 68 of the Companies Act, 1956 or from the requirement of obtaining such statutory or other clearances as may be required for the purpose of the proposed issue. SEBI further reserves the right to take up, at any point of time, with the lead merchant banker any irregularities or lapses in offer document."

- (2) Disclaimer Statement from the issuer and lead merchant banker: A statement to the effect that the issuer and the lead merchant banker accept no responsibility for statements made otherwise than in the offer document or in the advertisement or any other material issued by or at the instance of the issuer and that anyone placing reliance on any other source of information would be doing so at his own risk.
- (H) Caution.
- (I) Disclaimer in respect of jurisdiction: A brief paragraph mentioning the jurisdiction under which provisions of law and the rules and regulations are applicable to the letter of offer.
- (J) Disclaimer clause of the stock exchanges.
- (K) Disclaimer clause of the Reserve Bank of India (if applicable).
- (L) Filing or registering of the offer document with the Board and the Registrar of Companies:

- (1) Under this head, the office of the Board where the offer document has been filed shall be mentioned.
- (2) Address of the Registrar of Companies, where copy of the offer document, having attached thereto the material contracts and documents referred to elsewhere in the offer document, has been registered.
- (M) Listing: Names of the designated stock exchange and other recognised stock exchanges to which application has been made for listing of the specified securities offered in the present issue.
- (N) Consent of the Directors, auditors, solicitors or advocates, merchant bankers to the issue, registrar to the issue, bankers to the issuer, lenders and experts.
- (O) Expert opinion obtained, if any.
- (P) Expenses of the issue along with a break up for each item of expense and shall include details of fees payable to (in terms of amount, as a percentage of total issue expenses and as a percentage of total issue size) separately as under:
 - (1) Lead merchant bankers.
 - (2) Co-lead merchant bankers, if any
 - (3) Co-managers, if any
 - (4) Other merchant bankers
 - (5) Registrars to the issue.
 - (6) Advisors
 - (7) Bankers to issues
 - (8) Trustees for the debt instrument holders.
 - (9) Underwriting commission, brokerage and selling commission.
 - (10) Others, if any (specify).
- (Q) Previous public or rights issues, if any (during the last five years):
 - (1) Closing Date.
 - (2) Date of allotment.
 - (3) Date of refunds.
 - (4) Date of listing on the recognised stock exchange.
 - (5) If the issue(s) was at premium or discount and the amount thereof.
 - (6) The amount paid or payable by way of premium, if any, on each equity share which had been issued within the two years preceding the date of the offer document or is to be issued, stating the dates or proposed dates of issue and, where some shares have been or are to be issued at a premium and other shares of the same class at a lower premium, or at par or at a discount, the reasons for the differentiation and how any premiums received have been or are to be disposed of.
- (R) Previous issues of securities otherwise than for cash.
- (S) Commission or brokerage on previous issues.
- (T) Following particulars in regard to the issuer and other listed group- companies/ subsidiaries/associates which made any capital issue during the last three years shall be given:
 - (1) Name of the company.
 - (2) Year of Issue.
 - (3) Type of Issue (public/ rights/ composite).
 - (4) Amount of issue.
 - (5) Date of closure of issue.
 - (6) Date of completion of delivery of share/ debenture certificates.

- (7) Date of completion of the project, where object of the issue was financing the project.
- (8) Rate of dividend paid.
- (U) Performance vis-à-vis objects:
 - (1) Issuer:
 - (a) A list of all the public/rights issues made during the period of ten years immediately preceding the date of filing the draft offer document with the Board, along with the year of issue.
 - (b) A separate para entitled "Performance vis-à-vis objects - Last three issues of the issuer" shall be given, indicating whether all the objects mentioned in the respective offer documents of the last three issues of the issuer during the period of ten years immediately preceding the date of filing draft offer document with the Board were met.
 - (c) If not, non-achievement of objects shall be brought out distinctly. Shortfall and delays shall be quantified.
 - (2) Listed Group Companies/Subsidiaries/Associates companies :
 - (a) A separate paragraph entitled "Performance vis-à-vis objects - Last one issue of group companies/subsidiaries / associate companies " shall be given, indicating whether all the objects mentioned in the offer document of the last one issue of each of such companies during the period of ten years immediately preceding the date of filing draft offer document with the Board were met.
 - (b) If not, non-achievement of objects shall be brought out distinctly. Shortfall and delays shall be quantified.
- (V) Outstanding debentures or bonds and redeemable preference shares and other instruments issued by the issuer outstanding as on the date of offer document and terms of issue.
- (W) Stock market data for equity shares of the issuer, if listed: The particulars of:
 - (1) high, low and average market prices of the share of the issuer during the preceding three years;
 - (2) monthly high and low prices for the six months preceding the date of filing the draft offer document with the Board which shall be updated till the time of registering the offer document with the Registrar of Companies;
 - (3) number of shares traded on the days when high and low prices were recorded in the relevant stock exchange(s) during the said period of (a) and (b) above and indicating the total number of days of trading during the six months preceding the date of filing the draft offer document and the average volume of shares traded during that period and if the shares were not actively traded, such fact shall be disclosed;
 - (4) the stock market data referred to above shall be shown separately for periods marked by a change in capital structure, with such period commencing from the date the relevant stock exchange recognises the change in the capital structure (e.g. when the shares have become ex-rights or ex-bonus);
 - (5) the market price immediately after the date on which the resolution of the board of directors approving the issue was approved;
 - (6) the volume of securities traded in each month during the six months preceding the date on which the offer document is registered with the Registrar of Companies; and

- (7) the volume of shares traded along with high, low and average prices of shares of the issuer shall also be stated for respective periods.
- (X) Mechanism evolved for redressal of investor grievances:
 - (1) The arrangements or mechanism evolved by the issuer for redressal of investor grievances.
 - (2) the number of investor complaints received during the three years preceding the filing draft offer document with the Board and the number of complaints disposed off during that period
 - (3) the number of investor complaints pending on the date of filing draft offer document with the Board
 - (4) the number of investor complaints pending on the date of filing draft offer document with the Board in respect of the five largest (in terms of market capitalization) listed group companies.
 - (5) The time normally taken by the issuer for disposal of various types of investor grievances.
 - (6) Similar disclosure shall be made in regard to the listed companies under the same management within the meaning of section 370 (1B) of the Companies Act, 1956 for the period of three years prior to the date of registering the offer document with the Registrar of Companies.
- (Y) Change, if any, in the auditors during the last three years, and reasons, thereof.
- (Z) Capitalisation of reserves or profits (during last five years).
- (A) Revaluation of assets, if any (during the last five years)

(XII) Offering Information:

(A) Terms of the Issue:

- (1) Ranking of equity shares: The shares issued in the issue shall be pari passu with the existing shares in all respects including dividends.
- (2) In the case of offer for sale, the dividend for the entire year shall be payable to the transferees. Further, disclose name of the entity bearing the cost of making offer for sale along with reasons:
- (3) Mode of payment of dividend.
- (4) Face value and issue price/ floor price/ price band.
- (5) Rights of the instrument holders.
- (6) Market lot.
- (7) Nomination facility to investor.
- (8) The period of operation of subscription list of public issue.
- (9) Minimum subscription:
 - (a) **For Non-underwritten Public Issues:** The following statement shall appear:
 "If the issuer does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the offer through offer document on the date of closure of the issue, or if the subscription level falls below ninety per cent. after the closure of issue on account of cheques having being returned unpaid or withdrawal of applications, the issuer shall forthwith refund the entire subscription amount received. If there is a delay beyond eight days after the issuer becomes liable to pay the amount, the issuer shall pay interest as per section 73 of the Companies Act, 1956."
 - (b) **For Underwritten Public Issues:** The following statement shall appear:

"If the issuer does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the offer through offer document including devolvement of Underwriters within sixty days from the date of closure of the issue, the issuer shall forthwith refund the entire subscription amount received. If there is a delay beyond eight days after the issuer becomes liable to pay the amount, the issuer shall pay interest prescribed under section 73 of the Companies Act, 1956."

(c) **For Composite Issues:**

- (i) The lead merchant banker shall ensure that the requirement of 'minimum subscription' is satisfied both jointly and severally, i.e., independently for both rights and public issues.
- (ii) If the issuer does not receive the minimum subscription in either of the issues the issuer shall refund the entire subscription received.

(10) **Arrangements for Disposal of Odd Lots:**

- (a) Any arrangements made by the issuer for providing liquidity for and consolidation of the shares held in odd lots, particularly when such odd lots arise on account of issues by way of rights, bonus, conversion of debentures or warrants, etc., shall be intimated to the shareholders or investors.
- (b) The issuer is free to make arrangements for providing liquidity in respect of odd lot shares through any investment or finance company, broking firms or through any other agency and the particulars of such arrangement, if any, may be disclosed in the offer document related to the concerned issue of capital.
- (c) The lead merchant banker shall ascertain whether the issuer coming for fresh issue of capital proposes to set up trusts in order to provide service to the investors in the matter of disposal of odd lot shares of the issuer held by them and if so, disclosures relating to setting up and operation of the trust shall be contained in the offer document.
- (d) Whenever any issue results in issue of shares in odd lots, the issuer, shall as far as possible issue certificates in the denomination of 1-2-5-10-20-50 shares.

(11) **Restrictions, if any, on transfer and transmission of shares or debentures and on their consolidation or splitting.**

(12) **New Financial Instruments:**

- (a) The lead merchant banker shall ensure that adequate disclosures in the offer document, more particularly relating to the terms and conditions, redemption, security, conversion and any other relevant features of any new financial instruments such as Deep Discount Bonds, Debentures with Warrants, Secured Premium Notes etc.

(13) **Option to Receive Securities in Dematerialised Form:**

- (a) A statement in the offer document and in the application form to the effect that the investors have an option to either receive securities in the form of physical certificates or hold them in a dematerialised form.

(B) **Issue Procedure:** The following disclosures shall be made:

- (1) Fixed price issue or book building procedure as may be applicable, including details regarding bid form / application form, who can bid/apply, maximum and minimum bid/application size, bidding process, bidding, bids at different price levels, etc.

- (2) Option to subscribe in the issue:
- (a) The details of option, if any, to receive the specified securities subscribed for either in dematerialised form or physical form. If the issue size, in case of a public issue is equal to rupees ten crores or more, the specified securities issued in the public issue shall be only in dematerialized form in compliance with Section 68B of the Companies Act, 1956. It shall be disclosed that furnishing details of depositories account is mandatory and applications without depositories account shall be treated as incomplete and rejected. Investors will not have the option of getting the allotment of specified securities in physical form. However, they may get the specified securities rematerialised subsequent to allotment.
 - (b) It shall be specifically disclosed that the specified securities, on allotment, shall be traded on stock exchanges in demat segment only.
 - (c) Disclosure that single bid from any investor shall not exceed the investment limit/minimum number of specified securities that can be held by him/her/it under the relevant regulations/statutory guidelines.
- (3) The following details shall be disclosed in the offer document and application form:
- (a) the correct procedure for applications by Hindu Undivided Families and the fact that applications by Hindu Undivided Families would be treated as on par with applications by individuals;
 - (b) a statement that providing bank account details in the space provided in the application form is mandatory and applications that do not contain such details are liable to be rejected;
 - (c) the instances when an application would be rejected on technical grounds (e.g., absence of signature, age, etc.)
 - (d) Applications by mutual funds:
 - (i) The necessary disclosures under the heads "Procedure for applications by mutual funds" and "Multiple Applications" shall be incorporated to indicate that a separate application can be made in respect of each scheme of an Indian mutual fund registered with the Board and that such applications shall not be treated as multiple applications.
 - (ii) A disclosure that the applications made by asset management companies or custodians of a mutual fund shall clearly indicate the name of the concerned scheme for which application is being made.
 - (e) Applications by non-resident Indians: The following disclosures shall be made:
 - (i) the name and address of at least one place in India from where individual non-resident Indian applicants can obtain the application forms.
 - (ii) A statement that: "non-resident Indian applicants may please note that only such applications as are accompanied by payment in free foreign exchange shall be considered for allotment under the reserved category. The non-resident Indians who intend to make payment through Non-Resident Ordinary (NRO) accounts shall use the form meant for Resident Indians and shall not use the forms meant for reserved category."

- (f) Application by ASBA investors:
 - (i) Disclosures regarding details of Application Supported by Blocked Amount process including specific instructions for submitting Application Supported by Blocked Amount shall be made in the offer document.
 - (ii) Disclosure that the application form shall bear the stamp of the syndicate member / SCSBs and if not, the same shall be rejected.
- (4) Escrow mechanism:
 - (a) Escrow account of the issuer.
 - (b) Escrow account of the syndicate member.
- (5) Terms of payment and payment into the escrow collection account.
- (6) Electronic registration of bids.
- (7) Build up of the book and revision of bids. In this regard, it may be specifically disclosed that qualified institutional buyers shall not be allowed to withdraw their bids after the closure of the issue
- (8) Price discovery and allocation.
- (9) Signing of underwriting agreement.
- (10) Filing of the offer document with the Registrar of Companies.
- (11) Announcement of pre-issue advertisement.
- (12) Issuance of Confirmation of Allocation Note ("CAN") and allotment in the Issue.
- (13) Designated date.
- (14) General instructions:
 - (a) Do's and don'ts.
 - (b) Instructions for completing the bid form.
 - (c) Bidders' bank account details.
 - (d) Bids by non-resident Indians or foreign institutional investors on repatriation basis
- (15) Payment instructions:
 - (a) Payment into escrow account of the issuer.
 - (b) Payment into escrow account of the syndicate member.
 - (c) Payment instructions for Application Supported by Blocked Amount.
- (16) Submission of bid form.
- (17) Other instructions:
 - (a) Joint bids in the case of individuals.
 - (b) Multiple bids.
 - (c) Instruction to applicants to disclose Permanent Account Number in the application form, irrespective of the amount for which application or bid is made, along with the instruction that applications without Permanent Account Number would be rejected.
 - (d) Rejection of Bids.
 - (e) Equity shares in demat form with the depositories registered with the Board.
 - (f) The investor's attention shall also be invited to contact the compliance officer in case of any pre-issue or post-issue related problems such as non-receipt of letters of allotment or share certificates or refund orders, etc.
- (18) The application form shall contain space for indicating number of specified securities subscribed for in demat and physical form.

- (19) No separate applications for demat and physical is to be made. If such applications are made, the applications for physical shares shall be treated as multiple applications and rejected accordingly.
- (20) In case of partial allotment, allotment shall be done in demat option for the specified securities sought in demat form and balance, if any, will be allotted in physical form.
- (21) Disposal of application and application moneys.
- (22) Provisions of sub-section (1) of section 68A of the Companies Act, 1956 relating to punishment for fictitious applications, shall be mentioned, including the disclosures that any person who:
 - (1) makes in a fictitious name an application to a company for acquiring, or subscribing for, any shares therein, or
 - (2) otherwise induces a company to allot, or register any transfer of, shares therein to him, or any other person in a fictitious name, shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to five years.
- (23) Interest on refund of excess bid amount.
- (24) Basis of allotment or allocation: Disclose the names of entities responsible for finalising the basis of allotment in a fair and proper manner.
- (25) Procedure and time of schedule for allotment and issue of certificates.
- (26) Method of proportionate allotment.
- (27) Letters of Allotment or refund orders or instructions to Self Certified Syndicate Banks in Application Supported by Blocked Amount process. Ensure that "at par" facility is provided for encashment of refund orders for Applications other than Application Supported by Blocked Amount process.
- (28) Mode of making refunds:
 - (a) The mode in which the issuer shall refund the application money to applicants in case of oversubscription shall be disclosed in the offer document.
 - (b) If the issuer proposes to use more than one mode of making refunds to applicants, the respective cases where each such mode will be adopted shall be disclosed. The permissible modes of making refunds are as follows:
 - (i) In case of applicants residing in any of the centres specified by the Board: by crediting of refunds to the bank accounts of applicants through electronic transfer of funds by using ECS (Electronic Clearing Service), Direct Credit, RTGS (Real Time Gross Settlement) or NEFT (National Electronic Funds Transfer), as is for the time being permitted by the Reserve Bank of India;
 - (ii) In case of other applicants: by despatch of refund orders by registered post, where the value is Rs 1500/- or more, or under certificate of posting in other cases, (subject however to postal rules); and
 - (iii) In case of any category of applicants specified by the Board: crediting of refunds to the applicants in any other electronic manner permissible under the banking laws for the time being in force which is permitted by the Board from time to time.
- (29) **Interest in Case of Delay in Despatch of Allotment Letters or Refund Orders/Instruction to Self Certified Syndicate Banks by the Registrar in Case of Public Issues:** The caption "Interest in Case of Delay in Despatch of Allotment

Letters/ Refund Orders in Case of Public Issues" shall appear and shall contain the following statement:

- (a) **Where it is a fixed price issue:** "The issuer agrees that as far as possible allotment of securities offered to the public shall be made within fifteen days of the closure of public issue. The issuer further agrees that it shall pay interest at the rate of fifteen per cent. per annum if the allotment letters or refund orders have not been despatched to the applicants or if, in a case where the refund or portion thereof is made in electronic manner, the refund instructions have not been given to the clearing system in the disclosed manner within thirty days from the date of the closure of the issue. However applications received after the closure of issue in fulfilment of underwriting obligations to meet the minimum subscription requirement, shall not be entitled for the said interest."
 - (b) **Where it is a book-built issues:** "The issuer agrees that allotment of securities offered to the public shall be made not later than fifteen days of the closure of public issue. The issuer further agrees that it shall pay interest at the rate of fifteen per cent. per annum if the allotment letters or refund orders have not been despatched to the applicants or if, in a case where the refund or portion thereof is made in electronic manner, the refund instructions have not been given to the clearing system in the disclosed manner within fifteen days from the date of the closure of the issue."
- (30) **Undertaking by the issuer:**
- (a) The following undertaking by the issuer shall be incorporated in the offer document:
 - (i) that the complaints received in respect of the issue shall be attended to by the issuer expeditiously and satisfactorily;
 - (ii) that all steps for completion of the necessary formalities for listing and commencement of trading at all stock exchanges where the securities are to be listed are taken within seven working days of finalisation of basis of allotment;
 - (iii) that the issuer shall apply in advance for the listing of equities on the conversion of debentures/ bonds;
 - (iv) that funds required for making refunds to unsuccessful applicants as per the mode(s) disclosed shall be made available to the registrar to the issue by the issuer;
 - (v) that where refunds are made through electronic transfer of funds, a suitable communication shall be sent to the applicant within fifteen days of closure of the issue giving details of the bank where refunds shall be credited along with amount and expected date of electronic credit of refund;
 - (vi) that the promoters' contribution in full, wherever required, shall be brought in advance before the Issue opens for public subscription and the balance, if any, shall be brought in pro rata basis before the calls are made on public;
 - (vii) that the certificates of the securities or refund orders to the non-resident Indians shall be despatched within specified time;
 - (viii) that no further issue of securities shall be made till the securities offered through this offer document are listed or till the application

- moneys are refunded on account of non-listing, under subscription, etc.;
- (ix) that adequate arrangements shall be made to collect all Applications Supported by Blocked Amount and to consider them similar to non-ASBA applications while finalizing the basis of allotment;
- (b) In case of an issue of convertible debt instruments, the issuer shall also give undertakings to the following effect in the offer document:
- (i) that the issuer shall forward the details of utilisation of the funds raised through the convertible debt instruments duly certified by the statutory auditors of the issuer, to the debenture trustees at the end of each half-year.
 - (ii) that the issuer shall disclose the complete name and address of the debenture trustee in the annual report.
 - (iii) that the issuer shall provide a compliance certificate to the convertible debt instrument holders (on yearly basis) in respect of compliance with the terms and conditions of issue of convertible debt instruments as contained in the offer document, duly certified by the debenture trustee.
 - (iv) that the issuer shall furnish a confirmation certificate that the security created by the issuer in favour of the convertible debt instrument holders is properly maintained and is adequate to meet the payment obligations towards the convertible debt instrument holders in the event of default.
 - (v) that necessary cooperation with the credit rating agency(ies) shall be extended in providing true and adequate information till the debt obligations in respect of the instrument are outstanding.
- (c) Disclosure that the issuer reserves the right not to proceed with the issue after the bidding and if so, the reason thereof shall be given as a public notice within two days of the closure of the issue. The public notice shall be issued in the same newspapers where the pre-issue advertisement had appeared. The stock exchanges where the specified securities were proposed to be listed shall also be informed promptly.
- (d) Disclosure that if the issuer withdraws the issue after closure of bidding, the issuer shall be required to file a fresh draft offer document with the Board.
- (31) Utilisation of Issue Proceeds:**
- (a) A statement by the board of directors of the issuer to the effect that:
 - (i) all monies received out of issue of specified securities to public shall be transferred to separate bank account other than the bank account referred to in sub-section (3) of section 73 of the Companies Act, 1956;
 - (ii) details of all monies utilised out of the issue referred to in sub-item(i) shall be disclosed and continue to be disclosed till the time any part of the issue proceeds remains unutilised under an appropriate separate head in the balance-sheet of the issuer indicating the purpose for which such monies had been utilised; and
 - (iii) details of all unutilised monies out of the issue of specified securities referred to in sub-item (i) shall be disclosed under an appropriate

separate head in the balance sheet of the issuer indicating the form in which such unutilised monies have been invested.

- (b) The prospectus for an issue other than an offer for sale or a public issue made by any bank or public financial institution shall contain a statement of the board of directors of the issuer to the effect that:
 - (i) the utilisation of monies received under promoters' contribution and from reservations shall be disclosed and continue to be disclosed under an appropriate head in the balance sheet of the issuer, till the time any part of the issue proceeds remains unutilised, indicating the purpose for which such monies have been utilised;
 - (ii) the details of all unutilised monies out of the funds received under promoters' contribution and from reservations shall be disclosed under a separate head in the balance sheet of the issuer, indicating the form in which such unutilised monies have been invested
- (32) Restrictions on foreign ownership of Indian securities, if any:
 - (a) Investment by non-resident Indians.
 - (b) Investment by foreign institution investors.

(XIII) Description of Equity Shares and Terms of the Articles of Association:

- (A) Rights of members regarding voting, dividend, lien on shares and the process for modification of such rights and forfeiture of shares.
- (B) Main provisions of the Articles of Association.

(XIV) Any other material disclosures, as deemed necessary.

(XV) In case of a fast track issue, the disclosures specified in this Part, which have been indicated in Part B, need not be made.

(XVI) Other Information:

- (A) List of material contracts and inspection of documents for inspection:
 - (1) Material contracts.
 - (2) Documents:
 - (3) Time and place at which the contracts, together with documents, will be available for inspection from the date of offer document until the date of closing of the subscription list.
 - (4) IPO grading reports for each of the grades obtained by the unlisted issuer
- (B) Declaration:
 - (1) The draft offer document (in case of issues other than fast track issues) and offer document shall be approved by the Board of Directors of the issuer and shall be signed by all directors, the Chief Executive Officer, i.e., the Managing Director or Manager within the meaning of the Companies Act, 1956 and the Chief Financial Officer, i.e., the whole-time finance director or any other person heading the finance function and discharging that function.
 - (2) The signatories shall further certify that all disclosures made in the offer document are true and correct.

PART B**CERTAIN DISCLOSURES NOT MANDATORY IN CASE OF FAST TRACK PUBLIC ISSUE**

An issuer making a fast track public issue of specified securities may not make the disclosures indicated hereunder and specified in Part A of this Schedule, in the offer document:

- (1) Sub-para (a) of para (2) of sub-item (D) of item (VI);
- (2) Sub-para (o) of para (2) of sub-item (D) of item (VI);
- (3) Para (8) of sub-item (E) of item (VIII);
- (4) Sub-para (b) of para (1) of sub-item (F) of item (VIII);
- (5) Sub-para (c) of para (2) of sub-item (F) of item (VIII);
- (6) Para (1) of sub-item (C) of item (IX), in respect of entities not covered under section 370 (1)(B) of the Companies Act, 1956;

PART C**CERTAIN DISCLOSURES NOT MANDATORY IN CASE OF FURTHER PUBLIC OFFER**

- (1) An issuer making a further public offer of specified securities may not make the disclosures indicated hereunder and specified in Part A of this Schedule, in the offer document, subject to fulfilment of the conditions specified in para 2:
 - (i) Sub-para (a) of para (2) of sub-item (D) of item (VI);
 - (ii) Sub-para (o) of para (2) of sub-item (D) of item (VI);
 - (iii) Para (8) of sub-item (E) of item (VIII);
 - (iv) Para (1) of sub-item (C) of item (IX), in respect of entities not covered under section 370 (1)(B) of the Companies Act, 1956;
- (2) The conditions referred to in para (1) above are as follows:
 - (a) The issuer has been filing periodic statements in regard to financial results and shareholding pattern with the designated stock exchange and also with the Registrar of Companies (in case of a public issue), for the last three years and such statements are available on the website of the designated stock exchange or on a common e-filing platform;
 - (b) The issuer has in place an investor grievance handling mechanism, which includes meeting of the Shareholders / Investors' Grievance Committee at frequent intervals, appropriate delegation of power by the board of directors of the issuer with regard to share transfer and clearly laid out systems and procedures for timely and satisfactory redressal of investor grievances;
 - (c) The lead merchant banker has certified that the conditions specified at (a) and (b) above have been complied with;
 - (d) The issuer has furnished to the Board the following undertaking along with the draft offer document, which shall also be incorporated in the offer document:
 - (e) "We confirm that other than the disclosures made in the instant offer document, nothing material has changed in respect of disclosures made by us at the time of our previous issue made on"
 - (f) The issuer has made the offer document of its immediately preceding public or rights issue public in the manner specified in sub-regulation (1) of regulation 9 and sub-regulation (1) of regulation 61 and has also kept this document for public inspection in the manner specified in sub-para (c) of para 4 of sub-item (D) of Item (VIII) of Part A of this Schedule.

PART D**[See regulation 58(1)]****DISCLOSURES IN ABRIDGED PROSPECTUS****General Instructions:**

- (I) The information to be provided under each of the heads specified below shall be as per the requirements of Part A of this Schedule except when specified otherwise.
- (II) The abridged prospectus shall be printed in a font size which shall not be visually smaller than Times New Roman size 10.
- (III) The order in which items appear in the abridged prospectus shall correspond, wherever applicable, to the order in which items appear in the prospectus.
- (IV) The application form shall be so positioned that on the tearing-off of the application form, no part of the information given in the abridged prospectus is mutilated.
- (V) The abridged prospectus shall be printed at least in point seven size with proper spacing. merchant banker shall ensure that the application form contains sufficient space for writing the name and address of the applicant as also other important details such as the name of the bank branch, specimen signature etc. The para on risk factors shall appear verbatim, as a box item, in the abridged prospectus.

As issuer making a public issue of specified securities shall make the following disclosures in the abridged prospectus:

(I) General Information:

- (A) The name of the issuer and address of the registered office of the issuer, along with telephone number, fax number, email address and website address, and where there has been a change in the address of the registered office or name of the issuer, details thereof.
- (B) The name(s) of the recognised stock exchange(s) in which the specified securities are proposed to be listed.
- (C) The dates of opening, earliest closing and closing of the issue.
- (D) The disclosure under the heading "IPO Grading", stating all the grades obtained for the initial public offer, along with the rationale or description furnished by the credit rating agency(ies) for each of the grades obtained.
- (E) The disclaimer clause of the Board
- (F) The consolidated disclaimer clause of the recognised stock exchanges: The disclaimer clauses of the recognised stock exchanges shall be combined into a single disclaimer clause with appropriate reference to individual recognised stock exchanges.
- (G) The disclaimer statement of the issuer and merchant banker(s)
- (H) The name and address of the lead merchant bankers, along with telephone number, fax number, website address, name of contact person and email address.
- (I) The name and address of the brokers, along with phone numbers.
- (J) The name and address of the collecting bankers and/or the designated branches of Self Certified Syndicate Banks.
- (K) The name and address of the registrars to the issue, along with telephone number, fax number, website address, name of contact person and email address.

- (L) The name and address of the trustee under debenture trust deed (in case of a debenture issue), along with telephone number, fax number, website address, name of contact person and email address.
- (M) The name and address of the statutory auditors.
- (N) The rating for the proposed issue of the convertible debt instruments or preference shares, if any, obtained from the credit rating agencies.
- (O) The name and address of the underwriters and the amount underwritten by them, if applicable.
- (P) The details of the compliance officer:
 - (1) The name, address, telephone number, fax number and email address of the compliance officer.
 - (2) Investor's attention shall be invited to contact the compliance officer in case of any pre-issue or post-issue related problems such as non-receipt of letters of allotment or share certificates, credit of securities in depositories beneficiary account or despatch of refund orders, etc.
- (Q) The provisions of sub-section (1) of section 68A of the Companies Act, 1956 relating to punishment for impersonation.
- (R) The declaration about the issue of allotment letters or refunds within a period of fifteen days and interest in case of delay in dispatching refund or allotment letters at the rate of fifteen per cent. per annum or at the rate as may be specified.
- (S) The risk factors and proposals to address the same.

(II) Capital Structure of the issuer:

- (A) The following details shall be furnished:
 - (1) The authorised, issued, subscribed and paid-up capital (number of instruments, description, aggregate nominal value).
 - (2) The size of the present issue. Promoters' contribution, reservation for specified categories and net offer to public shall be disclosed separately.
 - (3) The number of instruments, description, aggregate nominal value and issue amount (to be disclosed in this order). The name(s) of the group companies, in case reservation has been made for shareholders of the group companies.
 - (4) Paid-up capital:
 - (a) after the issue
 - (b) after conversion of securities (if applicable).
 - (5) Share Premium Account (before and after the issue).
- (B) Complete notes to the capital structure.
- (C) A disclosure to the effect that the specified securities offered through this public/ rights issue shall be made fully paid up or forfeited within twelve months from the date of allotment of the specified securities in a manner as specified in regulation 17.

(III) Terms of the Present Issue:

- (A) Authority for the issue, terms of payment and procedure and time schedule for allotment and issue of certificates or refund orders.
- (B) The clause "Interest in Case of Delay in Despatch of Allotment Letters/ Refund Orders /instruction to Self Certified Syndicate Banks by the Registrar in Case of Public Issues" shall appear.
- (C) Instructions for applicants:

- (1) How to apply, availability of prospectus, abridged prospectus and application forms, mode of payment and book building procedure, as may be applicable if relevant.
- (2) Applicants shall be advised to read carefully the offer document and general instructions contained in this abridged prospectus and to satisfy themselves of the disclosures before making an application for subscription of the specified securities offered through the issue. For a copy of the offer document, the applicants may request the issuer and/or lead managers or brokers to the issue. Further, investors shall be advised to retain the copy of the offer document or abridged prospectus for their future reference. 'applicants are advised to read the Prospectus and the general instructions carefully and to satisfy themselves of the disclosures before making an application for subscription. For a copy of the prospectus the applicant may request the issuer and/or lead manager/brokers to the issue. Further, investors are advised to retain the copy of the prospectus/abridged prospectus for their future reference'.
- (3) Residents: In the application form meant for Indian public, the declaration relating to nationality and residentship shall be shown prominently as under:
"Nationality and Residentship (Tick whichever is applicable):
 - (a) I am / We are Indian National(s) resident in India and I am/we are not applying for the said equity shares as nominee(s) of any person resident outside India or Foreign National(s).
 - (b) I am / We are Indian National(s) resident in India and I am / We are applying for the said equity shares as Power of Attorney holder(s) of Non-Resident Indian(s) mentioned below on non-repatriation basis.
 - (c) I am / We are Indian National(s) resident outside India and I am/we are applying for the said equity shares on my / our own behalf on non-repatriation basis."
- (4) Non-Resident Indians: The application form meant for non-resident Indians shall not contain provision for payment through NR(O) accounts. On the face of the form, the following legend shall be printed in a box:
"Attention NRI Applicants: Payment must be made through their Non Resident External (NRE) / Foreign Currency Non Resident (FCNR) accounts or through cheques / drafts sent from abroad and drawn on convertible rupee accounts in India. Forms accompanied by cheques drawn on NR(O) accounts are liable to be rejected".
- (5) Attention of the non-resident Indians shall be invited to the following:
 - (a) the name and address of at least one place in India from where individual non-resident Indian applicants can obtain the application forms;
 - (b) Such applications as are accompanied by payment in free foreign exchange shall be considered for allotment under the reserved category;
 - (c) Such non-resident Indians who wish to make payment through NRO accounts shall use the form meant for resident Indians and shall not use the form meant for reserved category. As regards applications in case of reservations to non-resident Indians, a disclosure shall be made in the abridged prospectus incorporating the fact that payment for such allotments shall come through external source only and that payments through NRO account will not be permitted.

- (6) The instances when an application would be rejected on technical grounds (e.g. absence of signature, age etc.) shall be disclosed.
- (7) The application form should contain necessary instructions or provisions regarding the following:
 - (a) Instructions to applicants to mention the number of application form on the reverse of the instruments to avoid misuse of instruments submitted along with the applications for shares/ debentures in public issues;
 - (a) Provision in the application form other than Applications Supported by Blocked Amount for inserting particulars relating to bank account number and the name of the bank with whom such account is held, to enable printing of these details in the refund orders or for refunds through electronic clearing system, subject to the condition that in case of an issue of specified securities which is wholly required to be made in the dematerialized form:
 - (i) it would not be necessary to require bank account details in the application form;
 - (ii) the application form shall contain a statement that the bank account details of the applicant would be taken from the data provided by him to the depository;
 - (b) Provision in the application form for Applications Supported by Blocked Amount, for inserting particulars relating to bank account number which is authorised to be blocked and other particulars as specified by the Board in this regard;
 - (c) Instruction to applicants to disclose Permanent Account Number in the application form, irrespective of the amount for which application or bid is made, along with the instruction that applications without Permanent Account Number would be rejected.
 - (d) Details of options, if any, to receive specified securities subscribed for, either in dematerialised or physical form and a statement that trading of specified securities on the stock exchanges in physical form will be available only subject to limits prescribed by the Board for time to time.
 - (e) The application form shall contain full and specific disclosures and instructions relating to demat account details of the applicant with the depositories. The application form shall specifically and clearly indicate as to where the demat account details of the applicant are to be filled in. There shall be specific and distinct space in application form for filling up the demat account details. The application form shall contain clear and specific instructions regarding the manner of filling up the respective demat account details
 - (f) Brief mention of the various intended modes of making refunds (as disclosed in the offer document)
- (8) Application by Mutual Funds.
- (D) Any special tax benefits for the issuer and its shareholders (Only section numbers of the Income Tax Act, 1961 and their substance should be mentioned, without reproducing the text of the sections).

(IV) Particulars of the Issue:

- (A) Objects of the issue

- (B) Project cost
- (C) Means of financing
- (D) Name of Appraising Agency, if any.
- (E) Name of Monitoring Agency, if appointed by the issuer and the disclosure as to whether the appointment is pursuant to regulation 16 of these regulations.

(V) Issuer, Management and Project:

- (A) History and main objects and present business of the issuer.
- (B) Promoters and their background.
- (C) Names, address and occupation of manager, managing director, and other Directors (including nominee-directors and whole-time directors) giving their directorships in other companies.
- (D) Location of the project.
- (E) Plant and machinery, technology, process, etc.
- (F) Collaboration, any performance guarantee or assistance in marketing by the collaborators.
- (G) Infrastructure facilities for raw materials and utilities like water, electricity, etc.
- (H) Schedule of implementation of the project and progress made so far, giving details of land acquisition, civil works, installation of plant and machinery, trial production, date of commercial production, etc.
- (I) Products or Services:
 - (1) Nature of the products or services and end users.
 - (2) Existing, licensed and installed capacity of the product, demand of the product, existing, and estimated in the coming years as estimates by a Government authority or by any other reliable institution, giving source of the information. In case the issuer is providing services, relevant information in regard to nature/ extent of services, etc., have to be furnished.
 - (3) Approach to marketing and proposed marketing set up.
 - (4) Export possibilities and export obligations, if any.
 - (5) Stock Market Data: Particulars of:
 - (a) high, low and average market prices of the equity shares of the issuer during the preceding three years;
 - (b) monthly high and low prices for the six months preceding the date of filing the offer document;
 - (c) number of equity shares traded on the days when high and low prices were recorded in the relevant stock exchange during period specified in clause (a) and (b) above and the total volume traded on those dates;
 - (d) the stock market data shall be shown separately for periods marked by a change in capital structure, with such period commencing from the date the stock exchange concerned recognizes the change in the capital structure (e.g., when the equity shares have become ex-rights or ex-bonus);
 - (e) the market price immediately after the date on which the resolution of the Board of Directors approving the issue was approved;
 - (f) the volume of specified securities traded in each month during the six months preceding the date on which the offer document is registered with Registrar of Companies;

- (g) Along with high, low and average prices of shares of the issuer, details relating to volume of business transacted should also be stated for respective periods.

(VI) Following particulars in regard to the listed companies under the same management which made any capital issue in the last three years:

- (A) Name of the issuer
- (B) Year of issue
- (C) Type of issue (public/ rights/ composite)
- (D) Amount of issue
- (E) Date of closure of issue
- (F) Date of despatch of share/ debenture certificate completed
- (G) Date of completion of the project, where object of the issue was financing of a project
- (H) Rate of dividend paid, if any.

(VII) Basis for Issue Price:

- (A) Earnings per share and Diluted Earnings Per Share, pre-issue, for the last three years (as adjusted for changes in capital);
- (B) P/E pre-issue
- (C) Average return on net worth in the last three years
- (D) Minimum return on increased net worth required to maintain pre-issue EPS;
- (E) Net Asset Value per share based on last balance sheet;
- (F) Net Asset Value per share after issue and comparison thereof with the issue price.
- (G) Comparison of all the accounting ratios of the issuer as mentioned above with the industry average and with the accounting ratios of the peer group (i.e., companies of comparable size in the same industry. (Indicate the source from which industry average and accounting ratios of the peer group has been taken), subject to the following:
 - (1) the projected earnings shall not be used as a justification for the issue price in the offer document.
 - (2) the accounting ratios disclosed in the offer documents in support of basis of the issue price shall be calculated after giving effect to the consequent increase in capital on account of compulsory conversions outstanding, as well as on the assumption that the options outstanding, if any, to subscribe for additional capital will be exercised.
- (H) The face value of shares (including the statement about the issue price being "X" times of the face value)

(VIII) Outstanding Litigations and Defaults: Whether all payment/refunds, debentures, deposits of banks or companies, interest on deposits, debenture interest, institutional dues have been paid up to date. If not, details of the arrears, if any, to be stated.

(IX) Material Development: Any material development after the date of the latest balance sheet and its impact on performance and prospects of the issuer.

(X) Expert opinion obtained, if any.

(XI) Change, if any, in directors and auditors during the last three years and reasons thereof.

(XII) Time and Place of Inspection of material contracts (List of material contracts not required)

(XIII) Financial Performance of the Issuer for the Last Five Years (Figures to be taken from the audited annual accounts in a tabular form)

- (A) Balance Sheet Data: Equity Capital, Reserves (State Revaluation Reserve, the year of revaluation and its monetary effect on assets) and borrowings
- (B) Profit and Loss data: Sales, Gross profit, Net profit, dividend paid, if any
- (C) Any change in accounting policies during the last three years and their effect on the profits and the reserves of the issuer
- (D) Following information as extracted from the report of the auditors reproduced in the main offer document in terms of clause B above:
 - (1) net profit before accounting for extra ordinary items
 - (2) extra ordinary items
 - (3) net profit after accounting for extra ordinary items
- (E) Management Discussions and Analysis on Accounts

(XIV) Listed Ventures of Promoters

(XV) Previous Public or Rights Issues, if any , during last five years

(XVI) Disclosure on Investor Grievances & Redressal System

(XVII) Statement regarding minimum subscription clause: The following statements shall appear depending upon the type of issue:

(A) For Non-underwritten Public Issues:

"If the issuer does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the offer through offer document on the date of closure of the issue, or if the subscription level falls below ninety per cent. after the closure of issue on account of cheques having being returned unpaid or withdrawal of applications, the issuer shall forthwith refund the entire subscription amount received. If there is a delay beyond 8 days after the issuer becomes liable to pay the amount, the issuer shall pay interest as per Section 73 of the Companies Act 1956."

(B) For Underwritten Public Issues:

"If the issuer does not receive the minimum subscription of 90% of the offer through offer document including devolvement of underwriters within 60 days from the date of closure of the issue, the issuer shall forthwith refund the entire subscription amount received. If there is a delay beyond 8 days after the issuer becomes liable to pay the amount, the issuer shall pay interest prescribed under Section 73 of the Companies Act 1956."

(C) For Composite Issues:

- (1) The Lead Merchant Banker shall ensure that the requirement of "minimum subscription" is satisfied both jointly and severally, i.e., independently for both rights and public issues.
- (2) If the issuer does not receive the minimum subscription in either of the issues the issuer shall refund the entire subscription received.

(XVIII) Signatories to the Offer Document.

PART E**[See regulation 57(2)(b)]****DISCLOSURES IN LETTER OF OFFER**

- (1) A listed issuer making a rights issue of specified securities shall make disclosures, as specified in clause (5) of this Part, in the letter of offer, if it satisfies the following conditions:
 - (a) the issuer has been filing periodic reports, statements and information in compliance with the listing agreement for the last three years immediately preceding the date of filing the letter of offer with the designated stock exchange in case of a fast track issue and in any other case, the date of filing the draft letter of offer with the Board;
 - (b) the reports, statements and information referred to in sub-clause (a) above are available on the website of any recognised stock exchange with nationwide trading terminals or on a common e-filing platform specified by the Board;
 - (c) the issuer has investor grievance-handling mechanism which includes meeting of the Shareholders' or Investors' Grievance Committee at frequent intervals, appropriate delegation of power by the board of directors of the issuer as regards share transfer and clearly laid down systems and procedures for timely and satisfactory redressal of investor grievances.
- (2) If the listed issuer does not satisfy the conditions specified in clause (1), it shall make disclosures in the letter of offer:
 - (a) as specified in Part A, except for disclosures as specified in clause (4);
 - (b) as specified in items (XVI)(B)(4), (5) and (6) in clause (5) of this Part.
- (3) Irrespective of whether the conditions specified in clause (1) are satisfied or not, the following listed issuers shall make disclosures in the letter of offer as specified in Part A, except for disclosures as specified in clause (4):
 - (a) a listed issuer whose management has undergone change pursuant to acquisition of control in accordance with the provisions of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997 and is making a rights issue of specified securities for the first time subsequent to such change;
 - (b) an issuer whose specified securities have been listed consequent to relaxation granted by the Board under sub-rule (7) of rule 19 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957 for listing of its specified securities pursuant to a scheme sanctioned by a High Court under sections 391 to 394 of the Companies Act, 1956 and is making a rights issue of specified securities for the first time subsequent to such listing.
- (4) In respect of an issuer making disclosures in terms of clauses (2) and (3) above, the disclosures specified in the following items in Part (A) shall not be applicable:
 - (a) Sub-item (C) of item (V);
 - (b) Sub-para (b) of para (2) of sub-item (B) of item (XII);
 - (c) Sub-para (a) of para (3) of sub-item (B) of item (XII);
 - (d) Sub-para (b) of para (3) of sub-item (B) of item (XII);
 - (e) Sub-para (c) of para (3) of sub-item (B) of item (XII);
 - (f) Para (18) of sub-item (B) of item (XII);
 - (g) Para (19) of sub-item (B) of item (XII).

- (5) A listed issuer referred to in clause (1) shall make the following disclosures in the letter of offer, as far as possible, in the order in which the disclosures are specified in this clause:

(I) **Cover Pages:** The cover page paper shall be of adequate thickness (preferably minimum hundred gsm. quality).

(A) **Front Cover Pages:**

- (1) The front outside and inside cover pages of the letter of offer shall be white and no patterns or pictures shall be printed on these pages.
- (2) The front outside cover page of the letter of offer shall contain only the following details:

(a) The words "Letter of Offer".

(b) The name of the issuer, its logo, address of its registered office, its telephone number, fax number, contact person, website address and e-mail address.

(c) The nature, number, price and amount of specified securities offered and issue size, as may be applicable.

(d) The following clause on general risk :

"Investment in equity and equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this offer unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this offering. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of the issuer and the offer including the risks involved. The securities being offered in the issue have not been recommended or approved by Securities and Exchange Board of India (SEBI) nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of this document."

Specific attention of investors shall be invited to the statement of "Risk factors" given on page number(s) under the section "General Risks".

(e) The following clause on 'Issuer's Absolute Responsibility' shall be incorporated in a box format:

"The issuer, having made all reasonable inquiries, accepts responsibility for and confirms that this letter of offer contains all information with regard to the issuer and the issue, which is material in the context of the issue, that the information contained in the letter of offer is true and correct in all material aspects and is not misleading in any material respect, that the opinions and intentions expressed herein are honestly held and that there are no other facts, the omission of which make this document as a whole or any of such information or the expression of any such opinions or intentions misleading in any material respect."

(f) The names, logos and addresses of all the lead merchant bankers with their titles who have signed the due diligence certificate and filed the letter of offer with the Board, along with their telephone numbers, fax numbers, website addresses and e-mail addresses.

(g) The name, logo and address of the registrar to the issue, along with its telephone number, fax number, website address and e-mail address.

- (h) Issue schedule:
 - (i) Date of opening of the issue.
 - (ii) Date of closing of the issue.
 - (iii) Last date for request for split.
- (i) The names of the recognised stock exchanges where the specified securities of the issuer are listed and the details of in-principle approval for listing of the specified securities proposed to be offered in the rights issue.
- (B) **Back Cover Pages:** The back inside cover page and back outside cover page shall be in white.
- (II) **Table of Contents:** The table of contents shall appear immediately after the front inside cover page.
- (III) **Definitions and Abbreviations:**
 - (A) Conventional or general terms.
 - (B) Issue related terms.
 - (C) Issuer and industry related terms.
 - (D) Abbreviations.
- (IV) **Risk Factors:**
 - (A) The risk factors shall be printed in clear readable font (preferably of minimum point ten size).
 - (B) The risk factors shall be in relation to the following:
 - (1) the issue and objects of the issue;
 - (2) the issuer and its ongoing business activities;
 - (3) the material litigations which impact the business of the issuer.
 - (C) The risk factors shall be determined on the basis of their materiality. In determining the materiality of risk factors, the following shall be considered:
 - (1) Some events may not be material individually but may be found material collectively.
 - (2) Some risks may have an impact which is qualitative though not quantitative.
 - (3) Some risks may not be material at the time of making the disclosures in the letter of offer but may have a material impact in the future.
 - (D) The risk factors shall appear in the letter of offer in the following manner:
 - (1) The risks envisaged by the management.
 - (2) The proposals, if any, to address the risks and the manner in which the same are proposed to be addressed.
 - (E) The proposals to address risks shall not contain any speculative statement on the positive outcome to any litigation, etc.
 - (F) The proposals to address risks shall not be given for any matter that is sub-judice before any Court or Tribunal.
 - (G) The risk factors shall be disclosed in the descending order of materiality. Wherever risks about material impact are stated, the financial and other implications of the same shall be disclosed. If it cannot be quantified, a distinct statement about the fact that the implications cannot be quantified shall be made.

- (V) **Prominent notes:** This section shall contain notes which are required to be given prominence and shall also include the following:
- (A) The net worth before the issue (as per latest audited financial statement disclosed in the letter of offer) and issue size.
 - (B) The details of transactions by the issuer with group or subsidiary companies during one year immediately preceding the date of filing the letter of offer with the designated stock exchange, in case of a fast track issue and in any other case, the date of filing draft letter of offer with the Board, the nature of transactions and the cumulative value of transactions.
 - (C) The details of all financing arrangements whereby the promoter group, the directors of the company which is a promoter of the issuer, the directors of the issuer and their relatives have financed the purchase by any other person of securities of the issuer other than in the normal course of the business of the financing entity during the period of six months immediately preceding the date of filing the letter of offer with the designated stock exchange, in case of a fast track issue and in any other case, the date of filing draft letter of offer with the Board.

(VI) **Introduction:**

(A) **Summary:**

- (1) Issue details in brief.
- (2) Summary consolidated financial, operating and other data.

(B) **General Information:**

- (1) The name and address of the registered office and the registration number of the issuer, along with the address of the Registrar of Companies where the issuer is registered.
- (2) The names, addresses, telephone numbers, fax numbers and e-mail addresses of the Company Secretary and compliance officer of the issuer.
- (3) The names, addresses, telephone numbers, fax numbers, contact person, website addresses and e-mail addresses of the bankers to the issue, Self Certified Syndicate Bankers and legal advisors to the issue.
- (4) The statement of inter-se allocation of responsibilities among lead merchant bankers, where more than one merchant banker is associated with the issue.
- (5) The following details of credit rating, in case of a rights issue of convertible debt instruments:
 - (a) The details of all the credit ratings including unaccepted rating obtained for the issue of convertible debt instruments.
 - (b) All credit ratings obtained during the three previous years before filing the letter of offer for any of its listed convertible debt instruments at the time of accessing the market through a convertible debt instrument.
- (6) The names, addresses, telephone numbers, fax numbers, website addresses and e-mail addresses of the trustees under debenture trust deed, in case of a rights issue of convertible debt instruments.
- (7) The name of the monitoring agency, if appointed and the disclosure as to whether the appointment is pursuant to regulation 16 of these regulations.
- (8) The name, address, telephone number and e-mail address of the appraising entity, in case the project has been appraised.
- (9) The details of underwriting, if any:

- (a) The names, address, telephone numbers, fax numbers and e-mail address of the underwriters and the amount underwritten by them.
- (b) A declaration by the board of directors of the issuer that the underwriters have sufficient resources to discharge their respective obligations.
- (c) In case of partial underwriting of the issue, the extent of underwriting.
- (d) The details of final underwriting arrangement in the letter of offer filed with the designated stock exchange, indicating actual number of specified securities underwritten.

(10) The principal terms of loan and assets charged as security.

(C) Capital Structure:

- (1) The authorised, issued and subscribed capital after suitable incorporation of the outstanding convertible securities (number of securities, description and aggregate nominal value).
- (2) Paid-up capital.
- (3) The following details of outstanding instruments:
 - (a) Details of options, if any.
 - (b) Details of convertible securities, if any.
- (4) The details of specified securities held by promoter and promoter group including the details of lock-in, pledge of and encumbrance on such specified securities.
- (5) The details of shares acquired by promoters and promoter group in the last one year immediately preceding the date of filing the letter of offer with the designated stock exchange, in case of a fast track issue and in any other case, the date of filing draft letter of offer with the Board.
- (6) The intention and extent of participation by promoters and promoter group in the issue with respect to:
 - (a) their rights entitlement.
 - (b) the unsubscribed portion over and above their rights entitlement.
- (7) The shareholding pattern as per the latest filing with the recognised stock exchange(s).
- (8) The details of the shareholders holding more than one per cent. of the share capital of the issuer.

(VII) Particulars of the Issue

(A) Objects of the Issue:

- (1) The objects of the issue shall be disclosed.
- (2) If one of the objects is investment in a joint venture or subsidiary or an acquisition, the following additional disclosures shall be made:
 - (a) The details of the form of investment, i.e., equity, debt or any other instrument
 - (b) If the form of investment has not been decided, a statement to that effect;
 - (c) If the investment is in debt instruments, complete details regarding the rate of interest, nature of security, terms of repayment, subordination, etc.
 - (d) If the investment is in equity, whether any dividends are assured;

- (c) The nature of benefit expected to accrue to the issuer as a result of the investment;
- (3) If one of the objects of the issue is the grant of a loan to any entity, details of the loan agreements including the rate of interest, whether secured or unsecured, duration, nature of security, terms of repayment, subordination, etc. and the nature of benefit expected to accrue to the issuer as a result of the investment. If such loan is to be granted to a subsidiary, group or associate company, details of the same.
- (4) If one of the objects of the issue is utilisation of the issue proceeds for long term working capital, the following additional disclosures shall be made.
 - (a) Basis of estimation of working capital requirement, along with relevant assumptions.
 - (b) Reasons for raising additional working capital, substantiating the same with relevant facts and figures.
 - (c) Details of the projected working capital requirement including detailed assessment of working capital after implementation of the project or achievement of objects of the issue, as the case may be, capacity utilisation assumptions, break-up of expected current assets into raw materials, finished goods, work in progress, sundry debtors etc., along with the assumption about the holding norms for each type of current asset, total current liabilities, net current assets and envisaged sources of finance for net current assets, i.e., bank finance, institutional finance, own funds, etc.
 - (d) The total envisaged working capital requirement in a tabular form, the margin money thereof and the portion to be financed by any bank(s) or otherwise.
 - (e) A complete perspective on the present working capital position vis-à-vis the projected working capital position based on which the money is proposed to be raised in the public issue.
 - (f) Details of the existing working capital available with the issuer, along with a break-up of total current assets into raw materials, finished goods, work in progress, sundry debtors, etc., total current liabilities, net current assets and sources of finance for net current assets, i.e., bank finance, institutional finance, own funds, etc.
 - (g) If no working capital is shown as part of the project for which issue is being made, the reasons therefor.

(B) Requirement of Funds:

- (1) The requirement for funds proposed to be raised through the issue.
- (2) Where the issuer proposes to undertake more than one activity or project, such as diversification, modernisation, expansion, etc., the total project cost shall be given activity-wise or project wise, as the case may be.
- (3) Where the issuer is implementing the project in a phased manner, the cost of each phase including the phase, if any, which has already been implemented, shall be separately given.
- (4) The details of all material existing or anticipated transactions in relation to the utilisation of the issue proceeds or project cost with promoters, directors, key management personnel, associates and group companies. The relevant documents shall be included in the list of material documents for inspection.

- (5) If object of the issue is to fund a project, the following details shall be given:
 - (a) location of the project
 - (b) plant and machinery, technology, process, etc.
 - (c) collaboration, performance guarantee if any, or assistance in marketing by the collaborators.
 - (d) infrastructure facilities for raw materials and utilities like water, electricity, etc.
- (6) If the proceeds, or any part of the proceeds, of the issue are, or is, to be applied directly or indirectly:
 - (a) in the purchase of any business; or
 - (b) in the purchase of an interest in any business and by reason of that purchase, or anything to be done in consequence thereof, or in connection therewith; the issuer will become entitled to an interest as respects either the capital or profits and losses or both, in such business exceeding fifty percent, thereof;
 a report made by accountants (who shall be named in the letter of offer) upon:
 - (i) the profits or losses of the business of each of the five financial years immediately preceding the issue of the letter of offer; and
 - (ii) the assets and liabilities of the business at the last date to which the accounts of the business were made up, being a date not more than six months before the date of the issue of the letter of offer.
- (7) If:
 - (a) the proceeds, or any part of the proceeds, of the issue of the shares or debentures are or is to be applied directly or indirectly in any manner resulting in the acquisition by the issuer of shares in any other body corporate; and
 - (b) by reason of that acquisition or anything to be done in consequence thereof or in connection therewith, that body corporate will become a subsidiary of the issuer;
 a report made by accountants (who shall be named in the letter of offer) upon:
 - (i) the profits or losses of the other body corporate for each of the five financial years immediately preceding the issue of the Letter of Offer; and
 - (ii) the assets and liabilities of the other body corporate at the last date to which its accounts were made up.
- (8) Strategic partners, if applicable, to the project or objects of the issue.
- (9) Financial partners, if applicable to the project or objects of the issue.

(D) Funding Plan (Means of Finance):

- (1) An undertaking shall be given in the letter of offer by the issuer confirming that firm arrangements of finance through verifiable means towards seventy five per cent. of the stated means of finance, excluding the amount to be raised through proposed issue and existing identifiable internal accruals, have been made.
- (2) The balance portion of the means of finance for which no firm arrangement has been made shall be mentioned without specification.

- (3) The details of funds tied up and the avenues for deployment of excess proceeds, if any.

(E) Appraisal:

- (1) The scope and purpose of the appraisal, if any, along with the date of appraisal.
- (2) The cost of the project and means of finance as per the appraisal report.
- (3) Explanation regarding revision, if any, in the project cost and the means of finance after the date of issue of the appraisal report.
- (4) The weaknesses and threats, if any, given in the appraisal report, by way of risk factors.

- (F) Schedule of Implementation:** The schedule of implementation of the project in a tabular form and the progress made so far, giving details of land acquisition, civil works, installation of plant and machinery, trial production, date of commercial production and reasons for delay, if any.

(G) Deployment of Funds:

- (1) The details of the sources of funds and the deployment of these funds on the project (where the issuer is raising capital for a project), up to a date not earlier than two months from the date of filing the letter of offer with the designated stock exchange, as certified by a Chartered Accountant, along with the name of the chartered accountant and the date of the certificate.
- (2) Where share application money brought in advance by the promoters is deployed in the project and the same is being adjusted towards their rights entitlement in the rights issue, the extent of deployment and utilisation of the funds brought in by the promoters shall be disclosed.

- (H) Sources of Financing of Funds Already Deployed:** Means and source of financing, including details of "bridge loan" or other financial arrangement, which may be repaid from the proceeds of the issue.

- (I) Details of Balance Fund Deployment:** Year wise break up of the expenditure proposed to be incurred on the said project.

- (J) Interim Use of Funds:** Investment avenues in which the management proposes to deploy issue proceeds, pending its utilisation in the proposed project.

- (K) Any special tax benefits for the issuer and its shareholders.**

- (L) Key Industry Regulations for the proposed objects of the issue (if different from existing business of the issuer)**

- (M) Interest of promoters and directors, as applicable to the project or objects of the issue**

- (VIII) History and Corporate Structure about the Issuer:** In case the issuer has not come out with any issue in the past ten years or more, a brief statement about the history and corporate structure of the issuer, main objects of the issuer and major events in the past.

(IX) Management (Board of Directors):

- (A)** Name, age, qualifications, Director Identification Number, experience, address, occupation and date of expiration of the current term of office of manager, managing director, and other directors (including nominee directors, whole-time directors), giving their directorships in other companies.

- (B)** The nature of any family relationship between any of the directors.

- (C) Any arrangement or understanding with major shareholders, customers, suppliers or others, pursuant to which of the directors was selected as a director or member of senior management.
- (D) Details of service contracts entered into by the directors with the issuer providing for benefits upon termination of employment and a distinct negative statement in the absence of any such contract.

(X) Financial Information of the Issuer:

(A) Stand-alone and consolidated financial statements of the issuer:

- (1) A report by the auditors of the issuer with respect to profit or loss and assets and liabilities (indicating changes in accounting policies, if any) in respect of the last completed accounting year for which audit has been completed.
- (2) A report by the auditors of the issuer on a limited review of the profit or loss and assets and liabilities (indicating changes in accounting policies, if any), as at a date not earlier than six months prior to the date of the opening of the issue, where audited accounts as at such date are not available.
- (3) For the purpose of clauses (1) and (2) above, it shall be sufficient if:
 - (a) In the statement of the assets and liabilities, the main heads of assets and liabilities as provided in Part I of Schedule VI of the Companies Act, 1956 have been provided. If an issuer is governed by a statute other than the Companies Act, 1956, the main heads of assets and liabilities as specified in such statute shall be provided in the statement of assets and liabilities.
 - (b) In the statement of profit or loss, the information required to be disclosed under the heads of income and expenditure as per clause 41 of the equity listing agreement in respect of quarterly financial information to be filed with the recognised stock exchanges, has been provided.

(B) In addition, in accordance with Ministry of Finance Circular no.F.2/5/SE/76 dated February 05, 1977 and amended further on March 08, 1977, the following information for the period between the last date of the balance sheet and profit and loss account sent to the shareholders and up to the end of the last but one month preceding the date of the letter of offer shall be furnished.

(1) Working results of the issuer under following heads:

- (a) (i) Sales / turnover
- (ii) Other income
- (b) Estimated gross profit / loss (excluding depreciation and taxes)
- (c) (i) Provision for depreciation
- (ii) Provision for taxes
- (d) Estimated net profit / loss

(2) Material changes and commitments, if any affecting financial position of the issuer.

(3) Week-end prices for the last four weeks; current market price; and highest and lowest prices of equity shares during the period with the relative dates

(C) Stock market quotation of shares/ convertible instruments of the company (high/ low price in each of the last three years and monthly high/low price during the last six months).

- (D) Accounting and other ratios: The following accounting ratios shall be given for each of the accounting periods for which financial information is given:
- (1) Earnings per share: This ratio shall be calculated after excluding extra ordinary items.
 - (2) Return on Networth: This ratio shall be calculated excluding revaluation reserves.
 - (3) Net Asset Value per share: This ratio shall be calculated excluding revaluation reserves.
 - (4) Accounting and other ratios shall be based on the financial statements prepared on the basis of Indian Accounting Standards.

(E) Capitalisation Statement:

- (1) A Capitalisation Statement showing total debt, net worth, and the debt/equity ratios before and after the issue is made shall be incorporated.
- (2) In case of any change in the share capital since the date as of which the financial information has been disclosed in the prospectus, a note explaining the nature of the change shall be given.
- (3) An illustrative format of the Capitalisation Statement is specified hereunder:

Particulars	Pre-issue as at 30-6-1995	As Adjusted for issue
(Rupees in lakhs)		
Short-Term Debt	1870	1870
Long Term Debt	4370	4370
Shareholders Funds		
Share Capital	4000	4450
Reserves	14570	37520
Total Shareholders Funds	18570	41940
Long Term Debt/Equity	0.24:1	0.10:1
Note: Since 31-3-1995 (which is the last date as of which financial information has been given in para ... of this document), share capital was increased from Rs.3000 lacs to Rs.4000 lacs by the issue of bonus shares in the ratio of 1 share for every 3 shares.		

- (F) One standard financial unit shall be used in the Letter of Offer

- (XI) A statement to the effect that the price has been arrived at in consultation between the issuer and the Merchant banker.

(XII) **Outstanding Litigations and Defaults:** The following details shall be disclosed by the issuer:

- (A) Pending matters which, if they result in an adverse outcome, would materially and adversely affect the operations or the financial position of the issuer.
- (B) Matters which are pending or which have arisen in the immediately preceding ten years involving:
 - (1) Issues of moral turpitude or criminal liability on the part of the issuer
 - (2) Material violations of statutory regulations by the issuer
 - (3) Economic offences where proceedings have been initiated against the issuer.
- (C) For the purpose of determining materiality, the following tests or parameters shall be applied:

- (1) For the outstanding litigations which may not have any impact on the future revenues, the disclosure is required:
 - (a) Where the aggregate amount involved in such individual litigation exceeds one per cent. of the net worth of the issuer as per last completed financial year; or
 - (b) Where the decision in one case is likely to affect the decision in similar cases, even though the amount involved in single case individually may not exceed one per cent. of the net worth of the issuer as per the last completed financial year.
- (2) For the outstanding litigations which may have any impact on the future revenues, the disclosure is required:
 - (a) Where the aggregate amount involved in such individual litigation is likely to exceed one per cent. of the total revenue of the issuer as per last completed financial year; or
 - (b) Where the decision in one case is likely to affect the decision in similar cases, even though the amount involved in single case individually may not exceed one per cent. of the total revenue of the issuer, if similar cases put together collectively exceed one per cent. of total revenue of the issuer as per last completed financial year.
- (D) These disclosures shall be made in respect of the issuer and the subsidiary companies of the issuer whose financial statements are included in the offer document, either separately or in consolidated form.

(XIII) Government Approvals or Licensing Arrangements: In case of a new line of activity/project, all pending government and regulatory approvals; In case of an existing line of activity/project, all pending regulatory and government approvals and pending renewals of licences.

(XIV) Material Development: Any material development after the date of the latest balance sheet and its impact on performance and prospects of the issuer.

(XV) Other Regulatory and Statutory Disclosures:

- (A) Authority for the issue and details of resolution passed for the issue.
- (B) A statement by the issuer that the issuer, promoters, promoter group, directors or person(s) in control of the promoter have not been prohibited from accessing or operating in the capital markets or restrained from buying, selling or dealing in securities under any order or direction passed by the Board.
- (C) A confirmation whether any of the directors of the issuer are associated with the securities market in any manner, if yes, whether the Board has initiated any action against the said entities and the related details.
- (D) It may be disclosed whether the issuer, promoters, group companies, the relatives (as per Companies Act, 1956) of promoters, group companies are identified as willful defaulters by Reserve Bank of India or other authorities.
- (E) A statement to the effect that the issuer is in compliance with provisions specified in Part E of this Schedule.
- (F) Details of compliance with eligibility requirements to make a fast track issue, if applicable.
- (G) Disclaimer clauses:

- (1) The letter of offer shall contain the following disclaimer clause in bold capital letters:

"It is to be distinctly understood that submission of Letter of Offer to SEBI should not in any way be deemed or construed that the same has been cleared or approved by SEBI. SEBI does not take any responsibility either for the financial soundness of any scheme or the project for which the issue is proposed to be made or for the correctness of the statements made or opinions expressed in the Letter of Offer. Lead merchant banker, has certified that the disclosures made in the Letter of Offer are generally adequate and are in conformity with SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 in force for the time being. This requirement is to facilitate investors to take an informed decision for making investment in the proposed issue.

It should also be clearly understood that while the issuer is primarily responsible for the correctness, adequacy and disclosure of all relevant information in the letter of offer, the lead merchant banker is expected to exercise due diligence to ensure that the issuer discharges its responsibility adequately in this behalf and towards this purpose, the lead merchant banker has furnished to the Securities and Exchange Board of India (SEBI) a due diligence certificate datedwhich reads as follows:

(due diligence certificate submitted to the Board to be reproduced here)

The filing of the letter of offer does not, however, absolve the issuer from any liabilities under section 63 or section 68 of the Companies Act, 1956 or from the requirement of obtaining such statutory or other clearances as may be required for the purpose of the proposed issue. SEBI further reserves the right to take up, at any point of time, with the lead merchant banker any irregularities or lapses in letter of offer."

- (2) Disclaimer Statement from the issuer and lead merchant banker:

A statement to the effect that the issuer and the lead merchant banker accept no responsibility for statements made otherwise than in the Letter of Offer or in the advertisement or any other material issued by or at the instance of the issuer and that anyone placing reliance on any other source of information would be doing so at his own risk.

Investors who invest in the issue will be deemed to have been represented by the issuer and lead manager and their respective directors, officers, agents, affiliates and representatives that they are eligible under all applicable laws, rules, regulations, guidelines and approvals to acquire equity shares of our company, and are relying on independent advice / evaluation as to their ability and quantum of investment in this issue.

- (3) Disclaimer in respect of jurisdiction: A brief paragraph mentioning the jurisdiction under which provisions of law and the rules and regulations are applicable to the letter of offer.

- (4) Disclaimer clause of the stock exchanges, if any

- (5) Disclaimer clause of the Reserve Bank of India (if applicable).

- (H) The fact of filing the letter of offer with the Board and the stock exchange(s) and the office of the Board where the letter of offer has been filed

- (I) Details of fees payable to (in terms of amount, as a percentage of total issue expenses and as a percentage of total issue size):
 - (1) Lead merchant bankers.
 - (2) Co-lead merchant bankers, if any
 - (3) Co-managers, if any
 - (4) Other merchant bankers
 - (5) Registrars to the issue
 - (6) Advisors
 - (7) Bankers to the issue
 - (8) Trustees for the debt instrument holders.
 - (9) Others
 - (10) Underwriting commission, brokerage and selling commission.
- (J) Arrangements or any mechanism evolved by the issuer for redressal of investor grievances and the time normally taken by it for disposal of various types of investor grievances.

(XVI) Offering Information:

- (A) Terms of payments and procedure and time schedule for allotment and issue of certificates, credit of specified securities to the investors' demat account.
- (B) How to apply, availability of application forms and letter of offer and mode of payment, including the following:
 - (1) Applications by mutual funds:
 - (a) The necessary disclosures under the heads "Procedure for applications by mutual funds" and "Multiple Applications" shall be incorporated to indicate that a separate application can be made in respect of each scheme of an Indian mutual fund registered with the Board and that such applications shall not be treated as multiple applications.
 - (b) A disclosure that the applications made by asset management companies or custodians of a mutual fund shall clearly indicate the name of the concerned scheme for which application is being made.
 - (2) Applications by non-resident Indians: The following disclosures shall be made:
 - (a) the name and address of at least one place in India from where individual non-resident Indian applicants can obtain the application forms.
 - (b) A statement that: "non-resident Indian applicants may please note that only such applications as are accompanied by payment in free foreign exchange shall be considered for allotment under the reserved category. The non-resident Indians who intend to make payment through Non-Resident Ordinary (NRO) accounts shall use the form meant for Resident Indians and shall not use the forms meant for reserved category."
 - (3) Application by ASBA investors: Disclosures regarding eligible ASBA investors and ASBA process including specific instructions for submitting Application Supported by Blocked Amount.
 - (4) A statement that the shareholders who have not received the application form may, along with the requisite application money, apply in writing on a plain paper.

- (5) The format to enable the shareholders to make the application on plain paper specifying therein necessary particulars such as name, address, ratio of rights issue, issue price, number of equity shares held, ledger folio numbers, depository participant ID, client ID, number of equity shares entitled and applied for, additional shares if any, amount to be paid along with application, and particulars of cheque, etc. to be drawn in favour of the issuer's account;
 - (6) A statement that the shareholders making the application otherwise than on the application form shall not renounce their rights and shall not utilise the application form for any purpose including renunciation even if it is received subsequently.
- (C) Provisions of sub-section (1) of section 68A of the Companies Act, 1956 relating to punishment for fictitious applications, including the disclosures that any person who:
- (1) makes in a fictitious name an application to a company for acquiring, or subscribing for, any shares therein, or
 - (2) otherwise induces a company to allot, or register any transfer of, shares therein to him, or any other person in a fictitious name, shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to five years.
- (D) Declaration about the credit of specified securities to the demat account / refunds within a period of fifteen days and interest in case of delay in refund at the prescribed rate.
- (E) Mode of making refunds:
- (1) The mode in which the issuer shall make refunds to applicants in case of oversubscription.
 - (2) If the issuer proposes to use more than one mode of making refunds to applicants, the respective cases where each such mode will be adopted shall be disclosed.
 - (3) The permissible modes of making refunds are as follows:
 - (a) In case of applicants residing in any of the centres specified by the Board: by crediting of refunds to the bank accounts of applicants through electronic transfer of funds by using ECS (Electronic Clearing Service), Direct Credit, RTGS (Real Time Gross Settlement) or NEFT (National Electronic Funds Transfer), as is for the time being permitted by the Reserve Bank of India;
 - (b) In case of other applicants: by despatch of refund orders by registered post, where the value is Rs 1500/- or more, or under certificate of posting in other cases, (subject however to postal rules); and
 - (c) In case of any category of applicants specified by the Board: crediting of refunds to the applicants in any other electronic manner permissible under the banking laws for the time being in force which is permitted by the Board from time to time.
- (XVII) **Undertakings by the issuer in connection with the issue:** The issuer shall undertake that:
- (A) the complaints received in respect of the Issue shall be attended to by the issuer expeditiously and satisfactorily.

- (B) that steps for completion of the necessary formalities for listing and commencement of trading at all stock exchanges where the specified securities are to be listed are taken within seven working days of finalisation of basis of allotment.
- (C) funds required for making refunds to unsuccessful applicants as per the mode(s) disclosed shall be made available to the Registrar to the issue by the issuer.
- (D) that where refunds are made through electronic transfer of funds, a suitable communication shall be sent to the applicant within 15 days of closure of the issue giving details of the bank where refunds shall be credited along with amount and expected date of electronic credit of refund.
- (E) that adequate arrangements shall be made to collect all ASBA applications and to consider them similar to non-ASBA applications while finalizing the basis of allotment.
- (F) In case of convertible debt instruments, the issuer shall additionally undertake that:
 - (1) the issuer shall forward the details of utilisation of the funds raised through the convertible debt instruments duly certified by the statutory auditors of the issuer, to the debenture trustees at the end of each half-year.
 - (2) the issuer shall disclose the complete name and address of the debenture trustee in the annual report.
 - (3) the issuer shall provide a compliance certificate to the convertible debt instrument holders (on yearly basis) in respect of compliance with the terms and conditions of issue of debentures as contained in the Letter of Offer, duly certified by the debenture trustee.
 - (4) the issuer shall furnish a confirmation certificate that the security created by the company in favour of the convertible debt instrument holders is properly maintained and is adequate to meet the payment obligations towards the convertible debt instrument holders in the event of default.
 - (5) necessary cooperation with the credit rating agency (ies) shall be extended in providing true and adequate information till the debt obligations in respect of the instrument are outstanding.

(XVIII) Utilisation of Issue Proceeds: The letter of offer for an issue other than a rights issue made by any bank or public financial institution shall contain a statement of the board of directors of the issuer to the effect that:

- (A) all monies received out of issue of shares or specified securities to public shall be transferred to separate bank account.
- (B) details of all monies utilised out of the issue referred to in clause (A) shall be disclosed under an appropriate separate head in the balance sheet of the issuer indicating the purpose for which such monies had been utilised; and
- (C) details of all unutilised monies out of the issue of specified securities referred to in clause (A) shall be disclosed under an appropriate separate head in the balance sheet of the issuer indicating the form in which such unutilised monies have been invested.

(XIX) Restrictions on foreign ownership of Indian securities, if any:

- (A) Investment by NRIs.
- (B) Investment by FIIs.

(XX) Statement regarding minimum subscription clause: The following statement shall appear in the letter of offer:

- (A) "If the issuer does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the issue (including devolvement of underwriters where applicable), the entire subscription shall be refunded to the applicants within fifteen days from the date of closure of the issue."
- (B) "If there is delay in the refund of subscription by more than 8 days after the issuer becomes liable to pay the subscription amount (i.e. fifteen days after closure of the issue), the issuer will pay interest for the delayed period, at rates prescribed under sub-sections (2) and (2A) of Section 73 of the Companies Act, 1956."

(XXI) Statutory and other information:

- (A) Option to subscribe in the issue:
 - (1) The details of option, if any, to receive the specified securities subscribed for either in dematerialised form or physical form.
 - (2) The lead merchant banker shall incorporate a statement in the offer document and in the application form to the effect that the investor shall have an option either to receive the security certificates or to hold the securities in dematerialised form with a depository.
- (B) Material contracts and time and place of inspection which shall include copies of the Annual Reports of the issuer for the last five years.

(XXII) Any other material disclosures, as deemed necessary.

(XXIII) Declaration:

- (A) The draft letter of offer (in case of issues other than fast track issues) and letter of offer shall be approved by the Board of Directors of the issuer and shall be signed by all directors, the Chief Executive Officer, i.e., the Managing Director or Manager within the meaning of the Companies Act, 1956 and the Chief Financial Officer, i.e., the whole-time finance director or any other person heading the finance function and discharging that function.
- (B) The following statement shall be disclosed:

"No statement made in this letter of offer contravenes any of the provisions of the Companies Act, 1956 and the rules made thereunder. All the legal requirements connected with the issue as also the guidelines, instructions, etc., issued by SEBI, Government and any other competent authority in this behalf, have been duly complied with."
- (C) The signatories shall further certify that all disclosures made in the letter of offer are true and correct.

- (6) A listed issuer making disclosures in the letter of offer as per this Part shall make a copy of the offer document of the immediately preceding public issue or rights issue available to the public in the manner specified in sub-regulation (1) of regulation 61 and shall also make such document available as a material document for inspection.

PART F
[See regulation 58(2)]

DISCLOSURES IN ABRIDGED LETTER OF OFFER

- (1) A listed issuer making a rights issue of specified securities shall make disclosures, as specified in Part D of this Schedule, in the abridged letter of offer.
- (2) However, if the conditions specified in clause (1) in Part E of this Schedule are satisfied, the disclosure requirements specified in the following clauses in Part D of this Schedule, shall not be applicable to such issuer:
 - (a) Sub-item (B) of item VII;
 - (b) Sub-item (D) of item VIII;
 - (c) Item X;
 - (d) Item XI,
 - (e) Item XII ,
 - (f) Item XV,
 - (g) Item XVI
 - (h) Item XIX
 - (i) Item XX and
 - (j) Item XXI
- (3) The order in which items shall appear in the abridged letter of offer shall correspond, wherever applicable, to the order in which items appear in the letter of offer.
- (4) The abridged letter of offer shall also include the following disclosures:
 - (a) Provisions pertaining to applications referred to in sub-regulations (2), (3) and (4) of regulation 54;
 - (b) Rights entitlement ratio;
 - (c) Fractional entitlements;
 - (d) Renunciation;
 - (e) Application for Additional equity shares;
 - (f) Intention of promoters to subscribe to their rights entitlement;
 - (g) Statement that a copy of the offer document of the immediately preceding public or rights issue is made available to the public as specified under sub-regulation (1) of regulation 61 and also as a document for public inspection.

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009

SCHEDULE IX [See regulation 16(2)]

FORMAT OF REPORT TO BE SUBMITTED BY MONITORING AGENCY

NAME OF THE MONITORING AGENCY :

MONITORING REPORT FOR THE HALF YEAR ENDED

- (1) Name of the Issuer :
- (2) About the issue whose proceeds to be monitored :
 - (a) Issue date :
 - (b) Type of issue (public/rights) :
 - (c) Type of specified securities :
 - (d) Issue size : (Rs.-----)(in crores)
 - (e) Amount collected : (Rs. -----) (in crores)
- (3) Details of the arrangement made to ensure the monitoring of issue proceeds.
- (4) Project details (to be monitored) :
 - (a) Name of the project (particulars and location) :
 - (b) Cost of the project details : (Rs. -----) (in crores)

(As mentioned in the offer document)

Item Head	Original Cost	Revised	Remarks

- (c) Proposal to finance cost overrun, if any.
- (d) Progress in the project:
 - (i) Expenditure incurred during the six months period (Rs. crores)

Item Head	During Six months	Cumulative

- (ii) Means of finance raised during six months period (Rs. Crores)
- (e) If total cumulative amount raised is more than the expenditure incurred on the project, explain how the surplus funds are utilised/ proposed to be utilised. Give details on investment like instruments, maturity, earnings and other conditions. Indicate name of the party/ company in which amounts have been invested. The following data shall be given separately for investment in group companies and others:

Type of instrument/ Instrument	Amount invested Rs. in lakhs	Maturity date	Earnings
-----------------------------------	---------------------------------	------------------	----------

- (f) Comments of monitoring agency on utilisation of funds.
- (g) If there is any delay in implementation of the project, the same may be specified along with the reason thereof and the proposed course of action. (Please give the comparative statement of schedule of various activities as mentioned in the offer document and their actual implementation).

- (h) Status of Government/ statutory approvals related to the project as disclosed in offer document.
- (i) Technical assistance/ collaboration (Please mention arrangements contemplated at the time of issue and the progress thereafter)
- (j) Major deviations from the earlier progress reports.
- (k) Any favourable/ unfavourable events improving /affecting project viability.
- (l) Any other relevant information.

Signature of the Authorised person:

Name:

Designation:

Date:

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009

SCHEDULE X

[See Explanation to regulations 26(6), 31, 33(1)(b) and 41(2)(b)]

FACILITIES OR SERVICES INCLUDED IN THE TERM “INFRASTRUCTURE SECTOR”

For the purposes of these regulations, the expression “infrastructure sector” shall include the following facilities/services:

- (1) Transportation (including inter modal transportation), including the following:
 - (a) Roads, national highways, state highways, major district roads, other district roads and village roads, including toll roads, bridges, highways, road transport providers and other road-related services;
 - (b) Rail system, rail transport providers, metro rail roads and other railway related services;
 - (c) Ports (including minor ports and harbours), inland waterways, coastal shipping including shipping lines and other port related services;
 - (d) Aviation, including airports, heliports, airlines and other airport related services;
 - (e) Logistics services;
- (2) Agriculture, including the following:
 - (a) Infrastructure related to storage facilities;
 - (b) Construction relating to projects involving agro-processing and supply of inputs to agriculture;
 - (c) Construction for preservation and storage of processed agro-products, perishable goods such as fruits, vegetables and flowers including testing facilities for quality;

- (3) Water management, including the following:
 - (a) Water supply or distribution;
 - (b) Irrigation;
 - (c) Water treatment, etc.
- (4) Telecommunication, including the following:
 - (a) Basic or cellular, including radio paging;
 - (b) Domestic satellite service (i.e., satellite owned and operated by an Indian company for providing telecommunication service);
 - (c) Network of trunking, broadband network and internet services;
- (5) Industrial, Commercial and Social development and maintenance, including the following:
 - (a) Real estate development, including an industrial park or special economic zone;
 - (b) Tourism, including hotels, convention centres and entertainment centres;
 - (c) Public markets and buildings, trade fair, convention, exhibition, cultural centres, sports and recreation infrastructure, public gardens and parks;
 - (d) Construction of educational institutions and hospitals;
 - (e) Other urban development, including solid waste management systems, sanitation and sewerage systems, etc.;
- (6) Power, including the following:
 - (a) Generation of power through thermal, hydro, nuclear, fossil fuel, wind and other renewable sources;
 - (b) Transmission, distribution or trading of power by laying a network of new transmission or distribution lines;
- (7) Petroleum and natural gas, including the following:
 - (a) Exploration and production;
 - (b) Import terminals;
 - (c) Liquefaction and re-gasification;
 - (d) Storage terminals;
 - (e) Transmission networks and distribution networks including city gas infrastructure;
- (8) Housing, including the following:
 - (a) Urban and rural housing including public / mass housing, slum rehabilitation etc;
 - (b) Other allied activities such as drainage, lighting, laying of roads, sanitation facilities etc.;
- (9) Other miscellaneous facilities/services, including the following:
 - (a) Mining and related activities;
 - (b) Technology related infrastructure;
 - (c) Manufacturing of components and materials or any other utilities or facilities required by the infrastructure sector like energy saving devices and metering devices, etc;
 - (d) Environment related infrastructure;
 - (e) Disaster management services;
 - (f) Preservation of monuments and icons;
 - (g) Emergency services (including medical, police, fire, and rescue);
- (10) Such other facility/service which, in the opinion of the Board, constitutes infrastructure sector.

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

SCHEDULE XI
[See regulation 28(3) and 102]

BOOK BUILDING PROCESS

PART A

- (1) An issuer proposing to issue specified securities through book building process shall comply with the requirements of this Schedule.
- (2) **Lead Book Runner.**
 - (a) The issuer shall appoint one or more merchant banker(s) as book runner(s) and their name(s) shall be disclosed in the draft red herring prospectus.
 - (b) The lead merchant banker shall act as the lead book runner and shall be primarily responsible for the book building.
 - (c) There shall be only one lead book runner and other merchant bankers appointed, if any, shall either be co-book runners or syndicate members.
 - (d) Other terms such as joint lead merchant bankers etc. shall not be used.
 - (e) In case of appointment of more than one lead merchant banker or book runner, the rights, obligations and responsibilities of each shall be delineated in the inter-se allocation of responsibility as specified in **Schedule I**
- (3) **Syndicate Members.**

The book runner(s) may appoint syndicate members.
- (4) **Underwriting.**
 - (a) The lead book runner and co-book runners shall compulsorily underwrite the issue and the syndicate members shall sub-underwrite with the lead book runner /co-book runners.
 - (b) The lead book runners/ syndicate members shall enter in to underwriting/ sub underwriting agreement on the date of allocation and furnish details forthwith to the Board.
 - (c) The details of final underwriting arrangement indicating actual numbers of shares underwritten shall be disclosed and printed in the Prospectus before it is registered with the Registrar of Companies.
 - (d) In case of an under subscription in an issue, the shortfall shall have to be made good by the book runner(s) to the issue and the same shall be incorporated in the inter-se allocation of responsibility as specified in **Schedule II**.
- (5) **Agreement with the stock exchange.**
 - (a) The issuer shall enter into an agreement with one or more of the stock exchange(s) which have the system of on-line offer of securities.
 - (b) The agreement shall specify inter-alia, the rights, duties, responsibilities and obligations of the issuer and recognised stock exchange(s) inter se.

- (c) The agreement may also provide for a dispute resolution mechanism between the issuer and the stock exchange.

(6) Appointment of stock brokers as bidding/collection centres.

- (a) The book runner(s)/syndicate members shall appoint stock brokers who are members of the recognised stock exchange and registered with the Board, for the purpose of accepting bids, applications and placing orders with the issuer and ensure that the stock brokers so appointed are financially capable of honouring their commitments arising out of defaults of their clients/investors, if any;
Provided that in case of Application Supported by Blocked Amount, Self Certified Syndicate Banks shall also accept and upload the details of such applications in electronic bidding system of the stock exchange(s).
- (b) The stock brokers and Self Certified Syndicate Bank accepting applications and application monies shall be deemed as 'bidding/collection centres'.
- (c) The issuer shall pay to the book runners/syndicate members/stock brokers/ Self Certified Syndicate Banks a commission/fee for the services rendered by them.
- (d) The stock exchange shall ensure that any stock broker does not levy a service fee on his clients/investors in lieu of his services in this regard.

(7) Price not to be disclosed in red herring prospectus.

- (a) Where the issue size is specified the red herring prospectus may not contain the price and the number of specified securities.
- (b) The draft red herring prospectus containing all the disclosures including total issue size, if applicable, as specified in Schedule VIII, except that of price and the number of specified securities to be offered through it shall be filed with the Board by the lead merchant banker;
Provided that in case of a fast track issue the draft red herring prospectus shall not be filed with the Board.

(8) Floor Price and Price Band.

Subject to the provisions of regulation 30 and the provisions of this clause, the issuer may mention the floor price or price band in the red herring prospectus.

- (a) where the issuer opts not to make the disclosure of the price band or floor price in the red-herring prospectus, the following shall also be disclosed in the red-herring prospectus:
 - (i) a statement that the floor price or price band, as the case may be, shall be disclosed at least two working days (in case of an initial public offer) and at least one working day (in case of a further public offer) before the opening of the bid;
 - (ii) a statement that the investors may be guided in the meantime by the secondary market prices (in case of a further public offer); names and editions of the newspapers where the announcement of the floor price or price band would be made;
 - (iii) names of websites (with address), journals or other media in which the said announcement will be made.
- (b) Where the issuer decides to opt for price band instead of floor price, the issuer shall also ensure compliance with the following conditions:

- (i) The cap of the price band should not be more than 20% of the floor of the band; i.e. cap of the price band shall be less than or equal to 120% of the floor of the price band;
- (ii) The price band can be revised during the bidding period in which case the maximum revision on either side shall not exceed 20% i.e. floor of price band can move up or down to the extent of 20% of floor of the price band disclosed in the red herring prospectus and the cap of the revised price band will be fixed in accordance with clause (i) above;
- (iii) Any revision in the price band shall be widely disseminated by informing the stock exchanges, by issuing press release and also indicating the change on the relevant website and the terminals of the syndicate members.
- (iv) In case the price band is revised, the bidding period shall be extended as per provisions of sub-regulation (2) of regulation 46.
- (v) The manner in which the shortfall, if any, in the project financing, arising on account of lowering of price band to the extent of 20% will be met shall be disclosed in the red herring prospectus. It shall also be disclosed that the allotment shall not be made unless the financing is tied up.

(9) Application-cum-Bidding form.

- (a) The issuer shall provide the application-cum-bidding forms to the syndicate members and Self Certified Syndicate Banks.
- (b) The issuer shall make arrangement for collection of the applications-cum-bidding from mandatory collection centres as provided in sub-regulation (6) of regulation 5.
- (c) For the purpose of 'bidding' the document should be printed and circulated as "Red Herring Prospectus". The same nomenclature shall be used throughout the document.
- (d) Under "Red Herring Prospectus", add "Please read Section 60B of the Companies Act, 1956.
- (e) 'Bid' should be defined as 'indication to make an offer and not as 'an offer'
- (f) State the manner of bidding by corporate bodies and submission/deposit of supporting documents at the time of bidding. In the case of bids/ applications by HUF, state the manner of making application and that HUF would be considered as 'individual'.
- (g) Ensure that the application-cum-bidding form meant for Applications Supported by Blocked Amount or otherwise, provides for all the relevant information including the one specified in this regard in the relevant Acts/ Regulations.
- (h) The application-cum-bidding form, other than the form meant for Applications Supported by Blocked Amount, shall satisfy the following conditions:
 - (i) the bidding form shall be standard to ensure uniformity in bidding and accuracy;
 - (ii) the bidding form shall contain information about the investor, the price and the number of securities that the investor wishes to bid;
 - (iii) before being issued to the investors the bidding form shall be serially numbered and date and time stamped at the bidding centres;
 - (iv) the serial number may be system generated or stamped with an automatic numbering machine;
 - (v) the bidding form shall be issued in duplicate signed by the investor and countersigned by the syndicate member, with one form for the investor and the other for the syndicate member(s)/book runner(s);
- (i) The application-cum-bidding form for Applications Supported by Blocked Amount shall contain all the relevant details and shall be uniform for all ASBA investors.

(10) **Anchor investors (not applicable in case of an IDR issue).**

- (a) An Anchor Investor shall make an application of a value of at least Rs. 10 crore in the public issue.
- (b) Allocation to Anchor Investors shall be on a discretionary basis and subject to a minimum number of 2 such investors for allocation of upto Rs. 250 crore and 5 such investors for allocation of more than Rs. 250 crore.
- (c) Upto thirty per cent. of the portion available for allocation to qualified institutional buyers shall be available to anchor investor(s) for allocation/allotment ("anchor investor portion").
- (d) One-third of the anchor investor portion shall be reserved for domestic mutual funds.
- (e) The bidding for Anchor Investors shall open one day before the issue opening date.
- (f) Anchor Investors shall pay a margin of at least 25% on application with the balance to be paid within two days of the date of closure of the issue.
- (g) Allocation to Anchor Investors shall be completed on the day of bidding by Anchor Investors
- (h) If the price fixed as a result of book building is higher than the price at which the allocation is made to Anchor Investor, the Anchor Investor shall bring in the additional amount. However, if the price fixed as a result of book building is lower than the price at which the allocation is made to Anchor Investor, the excess amount shall not be refunded to the Anchor Investor and the Anchor Investor shall take allotment at the price at which allocation was made to it.
- (i) The number of shares allocated to Anchor Investors and the price at which the allocation is made, shall be made available in public domain by the merchant banker before opening of the issue
- (j) There shall be a lock-in of 30 days on the shares allotted to the Anchor Investor from the date of allotment in the public issue.
- (k) Neither the merchant bankers nor any person related to the promoter/promoter group/merchant bankers in the concerned public issue can apply under Anchor Investor category. The parameters for selection of Anchor Investor shall be clearly identified by the merchant banker and shall be available as part of records of the merchant banker for inspection by the Board..
- (l) The applications made by qualified institutional buyers under the Anchor Investor category and under the Non Anchor Investor category may not be considered as multiple applications.

(11) **Margin Money.**

- (a) The margin collected from categories other than Qualified Institutional Buyers shall be uniform across the book runner(s)/syndicate members /Self Certified Syndicate Banks for each such investor category.
- (b) An amount of not less than ten per cent of the application money in respect of bids placed by qualified institutional buyers and not less than twenty five percent of the application money from the Anchor investors shall be taken as margin money.
- (c) An amount to the extent of entire application money as margin money may be collected from the applicants before they place an order on their behalf
- (d) Amount of margin charged from an investor shall be entered and printed in the TRS.
- (e) The payment accompanied with any revision of Bid, shall be adjusted against the payment made at the time of the original bid or the previously revised bid.

- (f) Bids for specified securities beyond the investment limit prescribed under relevant laws shall not be accepted by the syndicate members/stock brokers from any category of clients/ investors.
- (g) The stock brokers shall collect the money from their client for every order placed by them and in case the clients/investors fails to pay for specified securities allocated as per these regulations, the stock brokers shall pay such amount;
Provided that in case of Applications Supported by Blocked Amount, the Self Certified Syndicate Banks shall follow the procedure specified in this regard by the Board.

(12) Bidding Process

- (a) Bidding process shall be only through an electronically linked transparent bidding facility provided by recognised stock exchange (s).
- (b) The lead book runner shall ensure the availability of adequate infrastructure with syndicate members for data entry of the bids in a timely manner.
- (c) The syndicate members shall be present at the bidding centres so that at least one electronically linked computer terminal at all the bidding centres is available for the purpose of bidding.
- (d) During the period the issue is open to the public for bidding, the applicants may approach the stock brokers of the stock exchange/s through which the securities are offered under on-line system or Self Certified Syndicate Banks, as the case may be, to place an order for bidding for the specified securities.
- (e) Every stock broker shall accept orders from all clients/investors who place orders through him and every Self Certified Syndicate Bank shall accept Applications Supported by Blocked Amount from ASBA investors.
- (f) Applicants who are qualified institutional buyers shall place their bids only through the stock brokers who shall have the right to vet the bids;
- (g) The bidding terminals shall contain an online graphical display of demand and bid prices updated at periodic intervals, not exceeding thirty minutes.
- (h) At the end of each day of the bidding period, the demand including allocation made to anchor investors, shall be shown graphically on the bidding terminals of syndicate members and websites of recognised stock exchanges offering electronically linked transparent bidding facility, for information of public.
- (i) The investors (except ASBA investors) may revise their bids;
- (j) The qualified institutional buyers shall not withdraw their bids after closure of bidding.
- (k) The identity of qualified institutional buyers making the bidding shall not be made public.
- (l) The stock exchanges shall continue to display on their website, the data pertaining to book built issues in an uniform format, inter alia giving category-wise details of bids received, for a period of atleast three days after closure of bids. Such display shall be as per the format specified in Part B of this Schedule.

(13) Determination of Price.

- (a) The issuer shall, in consultation with lead book runner, determine the issue price based on the bids received
- (b) On determination of the price, the number of specified securities to be offered shall be determined (i.e. issue size divided by the price to be determined).

- (c) Once the final price (cut-off price) is determined, all those bidders whose bids have been found to be successful (i.e. at and above the final price or cut-off price) shall be entitled for allotment of specified securities.
- (d) Retail individual investors may bid at "cut off" price instead of their writing the specific bid price in the bid forms.
- (e) The lead book runner may reject a bid placed by a qualified institutional buyer for reasons to be recorded in writing provided that such rejection shall be made at the time of acceptance of the bid and the reasons therefor shall be disclosed to the bidders. Necessary disclosures in this regard shall also be made in the red herring prospectus.

(14) Registering of prospectus with Registrar of Companies.

The final prospectus containing all disclosures in accordance with the provisions of these regulations including the price and the number of specified securities proposed to be issued shall be registered with the Registrar of Companies.

(15) Manner of Allotment/ Allocation.

- (a) Allotment to retail individual investors, non-institutional investors and qualified institutional buyers other than anchor investors shall be made proportionately as illustrated in this Schedule.
- (b) In case of under subscription in any category, the undersubscribed portion in that category shall be allocated to the bidders as per disclosures made in the red herring prospectus;
Provided that the unsubscribed portion in qualified institutional buyer category shall not be available for subscription to other categories, in case the book building process is undertaken for the purpose of compliance of eligibility conditions for public issue.
- (c) On receipt of the sum payable on application for the amount towards minimum subscription, the issuer shall allot the specified securities to the applicants as per these regulations.
- (d) Definition of CAN to be modified to state that it is for 'allocation of shares' and not 'confirmation of shares'

(16) Application for listing.

Subject to the provisions of these regulations, the issuer may apply for listing of specified securities on a stock exchange other than the stock exchange through which it offers its specified securities to public through the on-line system.

(17) Maintenance of Books and Records.

- (a) A final book of demand showing the result of the allocation process shall be maintained by the lead book runner.
- (b) The book runner/s and other intermediaries associated in the book building process shall maintain records of the book building prices.
- (c) The Board shall have the right to inspect the records, books and documents relating to the book building process and such person shall extend full co-operation.

(18) Applicability to fast track issues.

Unless the context otherwise requires, in relation to fast track issues all references in this Schedule to 'draft prospectus' shall be deemed to have been made to 'red herring prospectus'.

PART B

FORMAT OF BID DATA DISPLAYED ON STOCK EXCHANGE

<NAME OF THE ISSUE> - BID DETAILS

(1) Details of Allocation to Anchor Investors

S. No.	Name of Anchor Investor	No. of equity shares available under Anchor Investor portion	Details of Allocation	
			No of equity shares	No. of equity shares allocated as a percentage of no. of equity shares under Anchor Investor portion
(a)	AI 1 AI 2			
	Total (a) + (b)			

(2) Details of Allocation to Investors other than Anchor Investors

S. No.	Category of Investor	No. of equity shares offered / reserved	No of equity shares bid for/allocated	No of times of the total meant for the category
1.	QIBs			
(a)	FIIIs			
	Domestic Financial Institutions (Banks/FIs/Insurance Companies, etc.)			
(b)	Mutual Funds			
(c)	Others			
2.	Non Institutional Investors			
(a)	Corporates			
(b)	Individuals (other than RIIs)			
(c)	Others			
3.	Retail Individual Investors (RIIs)			
(a)	Cut off			
(b)	Price bids			
4.	Reservation categories, if any			
(a)	Cut off			
(b)	Price bids			

Notes:

- (1) The graph should have the title "Graphical display of bids received".
- (2) A statement to the effect that the position indicated above is only bids position and does not necessarily convey the subscription to the issue.
- (3) Statement as to how the multiple bids are accounted for in the data and graph.
- (4) Time of updation.
- (5) Additional comments, if any.

PART C**ILLUSTRATION REGARDING ALLOTMENT TO QUALIFIED INSTITUTIONAL
BUYERS OTHER THAN ANCHOR INVESTORS****(1) Issue Details**

Sr. No.	Particulars	Issue details
1	Issue size	200 crores equity shares
2	Portion available to QIBs*	100 crore equity shares
3	Anchor Investor Portion	30 crores
4	Portion available to QIBs* other than anchor investors [(2) – (3)]	70 crores equity shares
	Of which	
a.	Reservation to MF (5%)	3.5 crores equity shares
b.	Balance for all QIBs including MFs	66.5 crores equity shares
5	No. of QIB applicants	10
6	No. of shares applied for	500 crores equity shares

* Where 50% of the issue size is required to be allotted to QIBs.

(2) Details Of QIB Bids

S. No.	Type of QIB bidders	No. of shares bid for (in crores)
1	A1	50
2	A2	20
3	A3	130
4	A4	50
5	A5	50
6	MF1	40
7	MF2	40
8	MF3	80
9	MF4	20
10	MF5	20
	TOTAL	500

A1-A5 (QIB bidders other than MFs)

MF1-MF5 (QIB bidders which are MFs)

(3) Details of Allotment to QIB Bidders/Applicants

(No. of equity shares in crores)

Type of QIB bidders	Equity shares bid for	Allocation of 3.5 crores equity shares to MFs proportionately (See Note 2)	Allocation of balance 66.5 crores equity shares to QIBs proportionately (See Note 4)	Aggregate allocation to MFs
A1	50	0	6.65	0
A2	20	0	2.66	0
A3	130	0	17.29	0
A4	50	0	6.65	0
A5	50	0	6.65	0
MF1	40	0.7	5.32	6.02
MF2	40	0.7	5.32	6.02
MF3	80	1.4	10.64	12.04
MF4	20	0.35	2.66	3.01
MF5	20	0.35	2.66	3.01
	500	3.5	66.5	30.1

Notes:

- (1) The illustration presumes compliance with the provisions of regulation 51(1) pertaining to minimum allotment.
- (2) Out of 70 crore equity shares allocated to QIBs, 3.5 crores (i.e. 5%) will be allocated on proportionate basis among 5 mutual fund applicants who applied for 200 shares in QIB category.
- (3) The balance 66.5 crore equity shares [i.e. 70 – 3.5 (available for MFs)] will be allocated on proportionate basis among 10 QIB applicants who applied for 500 shares (including 5 MF applicants who applied for 200 shares).
- (4) The figures at Col. No. IV are arrived as under :
 - (a) For QIBs other than mutual funds (A1 to A5) = No. of shares bid for (i.e Col II) X $66.5 / 496.5$
 - (b) For mutual funds (MF1 to MF5) = {(No. of shares bid for (i.e Col II) less shares allotted (i.e., col. III)} X $66.5 / 496.5$
 - (c) The numerator and denominator for arriving at allocation of 66.5 crore shares to the 10 QIBs are reduced by 3.5 crore shares, which has already been allotted to mutual funds at Col. No. (III).

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

**SCHEDULE XII
[See regulation 45(10)]**

FORMAT OF REPORT FOR GREEN SHOE OPTION

The report for Green Shoe Option shall be filed in the following format:-

- (1) Name of the issuer:
- (2) Name of the Stabilising Agent (Registration No. as merchant banker with SEBI):
- (3) Issue size.(No. of equity shares) :
- (4) Issue opened on :
- (5) Issue closed on :
- (6) Over-allotment in issue (%):
- (7) Date of commencement of trading :
- (8) Amount in the 'Green Shoe Option Bank Account' (in rupees) :
- (9) Details of promoter(s) from whom shares borrowed (Name & Number of shares borrowed):
- (10) Date on which the stabilisation period ended :
- (11) Number of shares bought during the stabilization period :
- (12) Date on which issuer allotted further shares to the extent of shortfall:
- (13) Date when the shares in the Green Shoe Option Demat Account were returned to the promoter(s):
- (14) Date when the money in the Green Shoe Option Bank Account was remitted to the issuer:
- (15) Details of the Depository account (Special account for Green Shoe Option securities) where shares purchased from the market were kept inter-alia the following:
 - (a) Depository Participant
 - (b) Account No.
 - (c) Number of shares purchased, date wise.
 - (d) Number of shares taken out, date wise.
- (16) Details of amount transferred to the Investor Protection and Education Fund established by the Board.

Amount (in rupees)	Cheque/Pay Order details

Place:

Stabilising Agent with Official Seal

Date:

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

**SCHEDULE XIII
FORMATS OF ADVERTISEMENTS FOR PUBLIC ISSUE**

PART A

[See regulations 47(2), 60(7)(m) and 60(7)(n)]

**FORMAT OF PRE-ISSUE ADVERTISEMENT FOR PUBLIC ISSUE
(FIXED PRICE / BOOKBUILT)**

This is only an advertisement for information purposes and not a prospectus announcement.

ABC LTD.(name of the issuer)

(Incorporated on _____ under the ----- Act as _____ and
subsequently renamed as _____ (if applicable) _____ on _____)

Registered Office: _____ Tel: _____

_____ Fax _____

Corporate Office: _____

_____ Tel: _____ Fax: _____ e-mail: _____ Website: _____

THE ISSUE

Public issue of _____ (give nature of specified securities) of Rs. _____ each at a price of
Rs. _____ (Floor price or price band or as the case may be in case of book built issue) for cash
aggregating Rs. _____ (appropriate disclosure for book built issue)

Disclosure with respect to face value of shares as per sub-regulation (2) of regulation 31

(The disclosure about details of allocation shall be given in case of book built issues on these lines)

The issue is being made through the book building process wherein at least _____ % shall be
allocated to qualified institutional buyers including upto _____ % of the issue to anchor investors.
Further, not less than _____ % of the issue shall be available for allocation to non-institutional
investors and the remaining _____ % of the issue shall be available for allocation to retail individual
investors as per the allotment procedure specified in the Regulations, subject to valid bids being
received at or above the issue price.

PROMOTERS

[_XYZ_]

PROPOSED LISTING

Names of Stock Exchanges

Disclaimer Clause of the Securities and Exchange Board of India (SEBI)

“SEBI only gives its observations on the offer documents and this does not constitute approval of
either the issue or the specified securities the offer document.”

**LEAD MERCHANT BANKERS / BOOK RUNNING LEAD MERCHANT BANKERS / CO-
BOOK RUNNING LEAD MERCHANT BANKERS (as the case may be)**

Name, address, telephone and fax numbers, email ID, website address and contact person

COMPLIANCE OFFICER OF THE ISSUER

Name, address, telephone and fax numbers, email ID, website address

CREDIT RATING (only if applicable)

DEBENTURE TRUSTEES (if applicable)

IPO GRADING

AVAILABILITY OF APPLICATION FORMS

Names of issuer, lead merchant bankers, book runners, syndicate members, stock brokers and bankers to the issue, Self Certified Syndicate Banks (as the case may be) (Addresses optional).

Application Supported by Blocked Amount forms shall be available with designated branches of Self Certified Syndicate Banks, the list of which is available at websites of the stock exchanges and Board.

AVAILABILITY OF PROSPECTUS

Investors are advised to refer to the prospectus, and the risk factors contained therein, before applying in the issue. Full copy of the prospectus is available at www.sebi.gov.in and websites of issuer / lead merchant banker/s / stock exchange/s at www.sebi.gov.in.

ISSUE / BID OPENS ON:

ISSUE / BID CLOSES ON:

**Issued by
Directors of Issuer**

PART B

[See regulations 48, 60(7)(m) and 60(7)(n)]

**FORMAT OF ISSUE OPENING ADVERTISEMENT FOR PUBLIC ISSUE
(FIXED PRICE / BOOKBUILT)***This is only an advertisement for information purposes and not a prospectus announcement.***ABC LTD. (name of issuer)**(Incorporated on _____ under the Companies Act as
_____ and subsequently renamed _____ on
_____)

Registered Office: _____ Tel: _____ Fax _____

Corporate Office: _____
Tel: _____ Fax: _____ e-mail: _____ Website: _____**THE ISSUE**Public issue of _____ equity shares / debentures (if applicable) of Rs. ____ each at a price of
Rs. ____ (Floor price or price band or as the case may be for book built issue) for cash aggregating
Rs. ____ (appropriate disclosure for book built issue)**Disclosure with respect to face value of shares as per sub-regulation (2) of regulation 31**
(The disclosure about details of allocation shall be made in case of book built issues in these lines)The issue is being made through the book building process wherein at least ____ % shall be
allocated to qualified institutional buyers including upto ____% of the issue to anchor investors.
Further, not less than ____% of the issue shall be available for allocation to non-institutional
investors and the remaining ____% of the issue shall be available for allocation to retail individual
investors as per the allotment procedure specified in the Regulations, subject to valid bids being
received at or above the issue price.**PROMOTERS**

[____XYZ____]

PROPOSED LISTING

Names of Stock Exchanges

Disclaimer Clause of Securities and Exchange Board of India ("SEBI")"SEBI only gives its observations on the offer documents and this does not constitute approval of
either the issue or the offer document."**LEAD MERCHANT BANKERS / BOOK RUNNING LEAD MERCHANT BANKERS / CO-
BOOK RUNNING LEAD MERCHANT BANKERS (as the case may be)**

Name, address, telephone and fax numbers, e-mail ID, website address and contact person

COMPLIANCE OFFICER OF ISSUER

Name, address, telephone and fax numbers, e-mail ID, website address

CREDIT RATING (only if applicable)**DEBENTURE TRUSTEES** (only if applicable)**IPO GRADING****AVAILABILITY OF APPLICATION FORMS**

Names of Issuer, lead merchant bankers, book runners and bankers to the issue, Self Certified
Syndicate Banks (as the case may be) (Addresses optional)

AVAILABILITY OF PROSPECTUS

Investors are advised to refer to the prospectus, and the risk factors contained therein, before
applying in the issue. Full copy of the prospectus is available at www.sebi.gov.in and websites of
issuer / lead merchant banker/s / Stock Exchange/s at www.....

ISSUE / BID OPENS TODAY

Issued by
Directors of Issuer

PART C

[See regulation 48, 60(7)(m) and 60(7)(n)]

**FORMAT OF ISSUE CLOSING ADVERTISEMENT FOR PUBLIC ISSUE
(FIXED PRICE / BOOKBUILT)**

This is only an advertisement for information purposes and not a prospectus announcement.

ABC LTD. (name of issuer)

(Incorporated on _____ under the Companies Act as
_____ and subsequently renamed _____ on
_____)

Registered Office: _____ Tel: _____ Fax

Corporate Office: _____
Tel: _____ Fax: _____ e-mail: _____ Website: _____

THE ISSUE

Public issue of _____ equity shares (if applicable) of Rs. _____ each at a price of Rs. _____
(Floor price or price band or as the case may be for Book built issue) for cash aggregating
Rs. _____ (appropriate disclosure for Book Built issue)

Disclosure with respect to face value of shares as per sub-regulation (2) of regulation 31
[The disclosure about details of allocation shall be made in case of book built issues in these lines].

The issue is being made through the book building process wherein at least ____ % shall be allocated to qualified institutional buyers including upto ____% of the issue to anchor investors. Further, not less than ____% of the issue shall be available for allocation to non-institutional investors and the remaining ____% of the issue shall be available for allocation to retail individual investors as per the allotment procedure specified in the Regulations, subject to valid bids being received at or above the issue price.

PROMOTERS

[_XYZ_]

PROPOSED LISTING

Names of Stock Exchanges

Disclaimer Clause of Securities and Exchange Board of India ("SEBI")

"SEBI only gives its observations on the offer documents and this does not constitute approval of either the issue or the offer document."

LEAD MERCHANT BANKERS / LEAD BOOK RUNNERS / CO-BOOK RUNNERS (as the case may be)

Name, address, telephone and fax numbers, email ID, website address and contact person

COMPLIANCE OFFICER OF ISSUER

Name, address, telephone and fax numbers, email ID, website address

CREDIT RATING (only if applicable)**DEBENTURE TRUSTEES (only if applicable)****IPO GRADING****AVAILABILITY OF APPLICATION FORMS**

Names of Issuer, Lead Merchant bankers, book runners, Bankers to the issue, Self Certified Syndicate Banks (as the case may be) (Addresses optional)

AVAILABILITY OF PROSPECTUS

Investors are advised to refer to the prospectus, and the risk factors contained therein, before applying in the issue. Full copy of the prospectus is available at www.sebi.gov.in and websites of issuer / lead merchant banker/s / Stock Exchange/s at www.....

ISSUE / BID CLOSES TODAY

Issued by
Directors of Issuer

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009

SCHEDULE XIV [See regulation 49(2)]

ILLUSTRATION EXPLAINING MINIMUM APPLICATION SIZE

For inviting applications in multiples of the minimum value as referred to in sub-regulation (2) of regulation 49, the procedure is clarified by following example:

Assuming an issue is being made at a price of Rs.390 per equity share. In this case, the issuer in consultation with the lead merchant banker can determine the minimum application lot within the range of 13 – 17 equity shares (in value terms between Rs.5000- Rs.7000), as explained hereunder:

Options	I	II	III	IV	V
Lot Size @ Rs.390/- per share	13 shares	14 shares	15 shares	16 shares	17 shares
Application / Bid amount for 1 lots	5070	5469	5850	6240	6630
Application / Bid amount for 2 lots	10140	10920	11700	12480	13260
Application / Bid amount for 4 lots	20280	21840	23400	24960	26520
Application / Bid amount for 8 lots	40560	43680	46800	49920	---
Application / Bid amount for 9 lots	45630	49140	---	---	---

The options given above are only illustrative and not exhaustive.

Where the issuer in consultation with the lead merchant banker decides to fix the minimum application / bid size as 14 (Option II), necessary disclosures to the effect that the applicant can make an application for 14 shares and in multiples thereof shall be made in the offer document.

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

SCHEDULE XV

[See regulations 50(2), 107 and Schedule XI]

ILLUSTRATION EXPLAINING PROCEDURE OF ALLOTMENT

- (1) Total no. of specified securities on offer @ Rs. 600 per share: 10 crore specified securities
- (2) Specified securities on offer for retail individual investors' category: 2.5 crore specified securities
- (3) The issue is over subscribed 4 times whereas the retail individual investors' category is over subscribed 8.25 times
- (4) Issuer decides to fix the minimum application / bid size as 9 specified securities (falling within the range of Rs. 5000 - 7000). Application can be made for a minimum of 9 specified securities and in multiples thereof.
- (5) Assume there are three retail individual investors A, B & C. A has applied for 81 specified securities. B has applied for 72 specified securities and C has applied for 45 specified securities. As per allotment procedure, the allotment to retail individual investors shall be on proportionate basis i.e., at $1/8.25^{\text{th}}$ of the total number of specified securities applied for. The actual entitlement shall be as follows:

Sr. No.	Name of Investor	Total Number of specified securities applied for	Total number of specified securities eligible to be allotted No. of specified securities applied for / 8.25)
1	A	81	$81/8.25 = 9.82$ specified securities rounded off to 10 specified securities.
2	B	72	$72/8.25 = 8.73$ specified securities rounded off to 9 specified securities (i.e. minimum application size).
3	C	45	$45/8.25 = 5.45$ specified securities. Application liable to be rejected. (as the entitlement is less than the minimum application size). However, the successful applicants out of the total applicants shall be determined by drawal of lots.

Note: For the purpose of IDR, minimum application size shall be twenty thousand rupees.

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009

SCHEDULE XVI FORMATS OF POST ISSUE REPORTS

PART A

[See regulation 65(2)(a) and 104(2)(a)]

FORMAT OF INITIAL POST ISSUE REPORT FOR PUBLIC ISSUE

Subscription Status: (Subscribed/ Undersubscribed)

Note: It is the responsibility of lead merchant banker to give correct information after verifying it from the issuer and the registrar to the issue.

- (1) Name of the Issuer :
 - (2) Issue opening date :
 - (3) Earliest closing date :
 - (4) Actual closing date :
 - (5) Date of filing prospectus with RoC :
 - (6) **Issue Details (as per the prospectus)**
 - (a) Nature of specified securities : (equity shares/fully convertible debentures/partly convertible debentures, etc.)
 - (b) Offer price per security for different categories :
 - (c) Amount per security on application for different categories :
 - (d) Issue size : (Rs lakhs)
 - (i) Promoters' contribution :
 - (ii) Date of submission of auditors' certificate to the Board for receipt of promoters' contribution :
 - (iii) Amount through offer document (including reserved categories and net public offer) :
 - (iv) Reserved Category Amount reserved on competitive basis (Rs lakhs)
-
- Employees
Others (Please specify)
-
- (v) Net public offer :
 - (7) (a) Provisional subscription details of net public offer (including unsubscribed portion of reserved categories)
 - (i) Total amount to be collected on application : Rs lakhs
 - (ii) Amount collected on application : Rs lakhs
 - (iii) % subscribed i.e. % of (ii) to (i) : (%)
 - (b) Amount subscribed by the reserved categories : Rs. lakhs
 - (8) Please tick mark whether 90% minimum subscription of the amount through offer document is collected.
 - (i) YES
 - (ii) NO

Signed by
Registrars to the Issue
Date:
Place:

Signed by
Issuer

Signed by
Lead Merchant Banker(s)

PART B

[See regulations 65(2)(a) and 104(2)(a)]

FORMAT OF INITIAL POST ISSUE REPORT FOR RIGHTS ISSUE**Subscription Status: (Subscribed / Undersubscribed)****Note:** It is the responsibility of lead merchant banker to give correct information after verifying it from the issuer and the registrar to the issue.

- (1) Name of the issuer :
- (2) Issue opening date :
- (3) Actual closing date :
- (4) Date of filing letter of offer with the stock exchange :
- (5) **Issue details (as per the letter of offer)** :
 - (a) Basis of offer (ratio) :
 - (b) Nature of specified securities : (equity shares/fully convertible debentures/partly convertible debentures, etc.)
 - (c) Offer price per instrument :
 - (d) Amt. per instrument on application :
 - (e) Issue size : Rs, lakhs
- (6) Record date :
- (7) **Provisional subscription details of the issue** :
 - (a) Total amount to be collected on application : Rs. lakhs
 - (b) Amount collected on application : Rs. lakhs
 - (c) % subscribed i.e. % of (ii) to (i) : (%)
 - (d) Please tick mark whether 90% minimum subscription collected : (i) YES (ii) NO

Signed by
Registrars to the Issue
Place:
Date:

Signed by
Issuer

Signed by
Lead merchant banker

PART C**[See regulations 65(2)(b) and 104(2)(b)]****FORMAT OF FINAL POST ISSUE REPORT FOR PUBLIC ISSUE****Subscription Status: (Subscribed / Undersubscribed)****Notes:**

- (1) It is the responsibility of lead merchant banker to give correct information after verifying the facts from the issuer and the registrar to the issue.
- (2) The lead merchant banker shall enclose a certificate from the refund banker that the amount of refund due from the issuer to investors is deposited in a separate account giving details of the total amount deposited in the account and date of deposit.

(I) IN CASE OF SUBSCRIBED ISSUE:

- (1) Name of the issuer :
- (2) Issue opening date :
- (3) Actual closing date :
- (4) Issue Details (as per the prospectus) :
 - (a) Nature of instrument : (equity shares/fully convertible debentures/partly convertible debentures, etc.)
 - (b) Offer price per instrument :
 - (c) Amount per instrument on application :
 - (d) Issue Size : Rs. in lakhs
- (5) 3-Day Report :
 - (a) Due on :
 - (b) Submitted on :
- (6) No. of collecting banks :
(Also specify nō. of bank branches)
- (7) Bank-wise names of branches which did not submit final consolidated certificates from closure of issue and mention the dates when they actually submitted :
- (8) Subscription Details :
 - (a) Public Offer (Net) (Including unsubscribed portion of reserved category added back to net public offer)
 - (i) No. of applications recd. :
 - (ii) No. of instruments applied for :
 - (iii) Amount of subscription received : Rs.
 - (iv) No. of times issue subscribed :
 - (b) Information relating to reserved categories

Reservations	No. of applications	No. of instruments	Amount
Employees			
Others			
(Specify)			
- (9) Actual Date of finalisation of Basis of Allotment (enclose copy) :
- (10) Allotment Details :
 - (a) No. of successful allottees per 1 lakh shares :
 - (b) No. of unsuccessful allottees :
- (8) Actual Date(s) of completion of despatch of :
 - (a) Refund Orders :

- (b) Certificates/Allotment Letters :
- (c) Reasons for delay in despatch, if any :
- (d) Whether interest paid for delayed period, if so, for which period :
- (9) Amount of refund due : Rs.
- (10) Refund Banker(s) (Name and Address) :
- (11) Date of transfer of refund amount to Refund Banker, if any :
- (12) Date of completion of despatch of refund orders :
- (13) Name of Designated Stock Exchange :
- (14) Names of other stock exchanges where listing is sought :
- (15) Date on which application was filed with each stock exchange for listing of instruments :
- (16) Date when listing and trading permission given by each stock exchange (Enclose copies of permission letters of stock exchanges) :
- (17) Reasons for delay in listing for trading, if any :

(II) IN CASE OF UNDER SUBSCRIBED ISSUE:

- (1) If the issue is underwritten, mention the amount of issue underwritten :
- (2) Extent of under subscription on the date of closure of the issue
 - (a) Percentage :
 - (b) Amount :
- (3) Total no. of underwriters
- (4) If devolvement notices had not been issued, mention how the shortfall was met :
- (5) No. of underwriters to whom devolvement notices had been issued :
- (6) Date of issue of devolvement notices :
- (7) No. of underwriters who did not pay devolvement (Please give names, amount underwritten and reasons for not paying) :
- (8) In case of default from underwriters, mention how the shortfall was met :
- (9) In case where FIs/ MFs had subscribed to make up shortfall not as underwriter:
 - (a) Name of FI/MF :
 - (b) No. of securities applied for :
 - (c) Amount received :

Certified that the information given above and also in the enclosures are true to the best of our knowledge and no refund orders / allotment letters / certificates are pending for despatch in respect of the issue.

Certified that specified securities to be locked in are duly inscribed with the words "specified securities cannot be hypothecated / transferred / sold till"

Signed by
Registrars to the Issue

Place:

Date:

Signed by
Issuer

Signed by
Lead Merchant Banker(s)

PART D**[See regulations 65(2)(b) and 104(2)(b)]****FORMAT OF FINAL POST ISSUE REPORT FOR RIGHTS ISSUE****Subscription Status: (Subscribed / Undersubscribed)****Notes:**

- (1) It is the responsibility of lead merchant banker to give correct information after verifying it from the issuer and the registrar to the issue.
- (2) The lead merchant banker shall enclose a certificate from the banker to issue that the amount of refunds due from the issuer to investors is deposited in a separate account giving details of the total amount deposited in the account and date of deposit.

(I) IN CASE OF SUBSCRIBED ISSUE:

- (1) Name of the issuer :
- (2) Issue Opening date :
- (3) Actual closing date :
- (4) Issue Details (as per the letter of offer)
 - (a) Basis of offer :
 - (b) Nature of instrument : (equity shares/fully convertible debentures/partly convertible debentures, etc.) Offer price per instrument
 - (c) Amt. per instrument on application :
 - (d) Issue Size : Rs. in lakhs
- (5) 3-Day Report
 - (a) Due on :
 - (c) Submitted on :
- (6) No. of collecting banks (Also specify no. of bank branches) :
- (7) Bank-wise names of branches which did not submit final consolidated certificate from closure of issue and mention the dates when they actually submitted :
- (8) Details of subscription :
 - (a) Percentage of rights taken up by :
 - (i) Promoters :
 - (ii) Other Shareholders :
 - (b) Percentage of rights renounced by:
 - (i) Promoters :
 - (ii) Others :
 - (c) Percentage of rights taken by shareholders/ renounces :
 - (d) Percentage at the disposal of the Board :
 - (e) Out of the unsubscribed portion as in above, taken by :
 - (i) Promoters :
 - (ii) Others :
- (9) Promoters' shareholding : No. of Shares Percentage
 - (a) Prior to the Issue :
 - (b) On Expanded Capital after the rights issue:
- (10) Date of finalisation of allotment (enclose copy of the basis of allotment) :
- (11) (a) Name and Address of Refund Banker :
 - (b) Amount of refund due :

- (c) Date of transfer of refund amount to refund banker, if any :
- (12) Actual date(s) of completion of despatch of:
- (a) Refund orders :
- (b) Certificate/ allotment letters/ demat credit :
- (c) Reasons for delay in despatch, if any :
- (d) Whether interest paid for delayed period, if so, for which period :
- (13) Name of designated stock exchange
- (14) Names of other stock exchanges where listing is sought
- (15) 15th day from the date of closure of the issue :
- (16) Date on which application was filed with each stock exchange for listing of instruments :
- (17) Date when listing and trading permission given by each stock exchange (Enclose copies of permission letters of stock exchanges) :
- (18) Reason for delay in listing for trading, if any

(II) IN CASE OF UNDER SUBSCRIBED ISSUE:

- (1) Extent of under-subscription on the date of closure of the issue
- (a) Percentage :
- (b) Amount :
- (2) Details of standby assistance, if any
- (a) No. of Underwriters :
- (b) No. of Underwriters who did not pay devolvement (Please give names, amount underwritten and reasons for not paying) :
- (3) In case where FIs/ MFs had subscribed to make up shortfall not as underwriter
- (a) Name of FI/MF :
- (b) No. of securities applied for :
- (c) Amount Received :

CERTIFIED that the information given above and also in the enclosures are true to the best of our knowledge and no refund orders / allotment letters / certificates are pending for despatch in respect of the issue.

Certified that specified securities to be locked- in are duly inscribed with the words "specified securities can not be hypothecated / transferred / sold till"

Signed by
Registrars to the issue
Place:
Date:

Signed by
Issuer

Signed by
Lead Merchant Banker(s)

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

**SCHEDULE XVII
[See regulation 67(4) and 105]**

FORMAT OF UNDERWRITING DEVOLVEMENT STATEMENT

- (1) Name of the merchant banker :
- (2) Name of the issuer :
- (3) Issue size :
- (4) Issue-wise statement of non-acceptance of underwriting devolvement :

Sr. No.	Name of the Underwriter	Amount underwritten	Amount devolved	Date of issue of notice of devolvement, if any	Reasons for not accepting devolvement

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

**SCHEDULE XVIII
[See regulation 84(1)]**

DISCLOSURES IN PLACEMENT DOCUMENT

- (1) Disclaimer to the effect that the Memorandum relates to an issue made to qualified institutional buyers under Chapter VIII of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirement) Regulations, 2009 and that no offer is being made to the public or any other class of investors.
- (2) Glossary of terms/abbreviations
- (3) Financial statements contained herein
- (4) Merchant bankers/merchant bankers to the placement and other advisors
- (5) Summary of the offering and eligible security
- (6) Risk factors
- (7) Market price information: Disclose particulars of:-
 - (a) high, low and average market prices of equity shares of the issuer during the preceding three years;
 - (b) monthly high and low prices for the six months preceding the date of filing of the prospectus;
 - (c) number of equity shares traded on the days when high and low prices were recorded in the relevant stock exchange during period of (i) and (ii) above, and total volume traded on those dates;

- (d) the stock market data referred to above shall be shown separately for periods marked by a change in capital structure, with such period commencing from the date the concerned stock exchange recognizes the change in the capital structure (e.g., when the equity shares have become ex-rights or ex-bonus)
 - (e) the market price immediately after the date on which the resolution of the board of directors approving the issue was approved
 - (f) the volume of securities traded in each month during the six months preceding the date on which the offer document is filed with Registrar of Companies;
 - (g) along with high, low and average prices of shares of the issuer, details relating to volume of business transacted should also be stated for respective periods.
- (8) Use of proceeds:
- (a) purpose of the issue;
 - (b) break-up of the cost of project for which the money is raised through issue;
 - (c) the means of financing such project; and
 - (d) proposed deployment status of the proceeds at each stage of the project.
- (9) Capitalization Statement
- (10) Dividends
- (11) Selected Financial and other Information
- (12) The audited consolidated or unconsolidated financial statements prepared in accordance with Indian GAAP shall contain the following:
- (a) Report of Independent Auditors on the Financial Statements
 - (b) Balance sheets
 - (c) Statements of income
 - (d) Schedules to accounts
 - (e) Statements of changes in stockholders' equity
 - (f) Statements of cash flows
 - (g) Statement of accounting policies
 - (h) Notes to financial statements
 - (i) Statement relating to subsidiary companies (in case of unconsolidated financial statements)
- (13) Management's Discussion and Analysis of financial condition and results of operations
- (14) Industry description
- (15) Business description
- (16) Organizational structure and major shareholders
- (17) Board of directors and senior management
- (18) Taxation aspects relating to the eligible securities
- (19) Legal proceedings
- (20) Accountants
- (21) General Information
- (22) Such other information as is material and appropriate to enable the investors to make an informed decision.

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND
DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009**

SCHEDULE XIX

[See regulations 103(2)(b) and 103(3)]

**DISCLOSURES IN PROSPECTUS AND ABRIDGED PROSPECTUS FOR ISSUE OF
INDIAN DEPOSITORY RECEIPTS**

PART A

[See regulation 103(2)(b)]

DISCLOSURES IN PROSPECTUS FOR ISSUE OF INDIAN DEPOSITORY RECEIPTS

A prospectus for issue of Indian Depository Receipts (IDR) shall contain all details as specified herein.

(1) GENERAL INSTRUCTIONS WITH RESPECT TO CONTENTS OF THE PROSPECTUS:

- (a) The merchant banker has the option to file the draft prospectus as a public filing or a confidential filing, accompanied with fees as prescribed in Rule 5(1)(ii) of the Companies (Issue of Indian Depository Receipts) Rules, 2004.
- (b) Where the merchant banker opts for confidential filing of the draft prospectus, it shall subsequently file an updated draft prospectus with the Board (without payment of any additional fees), after incorporating therein changes, if any, suggested or specified by the Board. The updated draft prospectus shall be made public for a period of twenty one days from the date of its filing with the Board.
- (c) The contents of the prospectus including the financial statements of the issuing company, its subsidiaries and associates shall be in plain English.
- (d) The term “associate” for the purpose of this Schedule would mean “associate” as defined in Indian GAAP, or IFRS or US GAAP in which the financial statements of the issuing company are disclosed.
- (e) The prospectus shall contain all material information which shall be true and adequate so as to enable the investors to make informed decision on the investments in the issue.
- (f) The prospectus shall also contain the information and statements specified herein.
- (g) The issuing company shall, through a merchant banker file a prospectus certified by two authorized signatories of the issuing company, one of whom shall be a whole-time director and other the Chief Accounts Officer or the Chief Financial Officer, stating the particulars of the resolution of the Board or the shareholders by which it was approved, with the Board and Registrar of Companies, New Delhi, before such issue. They shall also certify that all the disclosures made in the prospectus are correct and adequate.
- (h) The agreement made with the domestic depository shall also be furnished along with the prospectus.
- (i) The lead merchant banker who is responsible for conducting due diligence exercise with respect to contents of the offer document, as per inter-se allocation of responsibilities, shall sign the due diligence certificate
- (j) A statement shall be made by the merchant banker in the prospectus (including a due diligence certificate) in the format as specified in format specified in **Part C**.

- (k) A statement will be made by the issuing company, disclaiming responsibility for statements made otherwise than in the prospectus, as follows:
 "The issuing company, its directors and the merchant banker accept no responsibility for statements made otherwise than in the prospectus or in the advertisements or any other material issued by at our instance and anyone placing reliance on any other source of information including our website _____ shall be doing so at his or her own risk."
- (2) **THE ISSUE:** Summary of the terms of offer shall be incorporated, including:
- (a) Offer and listing details
 - (b) Plan of distribution
 - (c) Markets
 - (d) Selling shareholders, if any
 - (e) Dilution
 - (f) Expenses of the Issue
- (3) **FORWARD LOOKING STATEMENTS:** A paragraph on the statements that are forward looking statements and not matters of historical facts shall be incorporated. A statement on the sources of data used in the prospectus and their accuracy shall also be incorporated. A line should also be incorporated on whether these have been independently verified.
- (4) **GENERAL INFORMATION:**
- (a) Definitions/terms used in the prospectus
 - (b) Name, address and contact information of the registered office of the issuing company;
 - (c) Name, address and contact information of the domestic depository, the overseas custodian bank with the address of its office in India, the merchant banker, the underwriter to the issue, advisors to the issue and any other intermediary which may be appointed in connection with the issue of IDR;
 - (d) Names, addresses and contact information of experts and counsel;
 - (e) Name, address and contact information of the compliance officer in relation to the issue of IDR. [*The compliance officer should be placed in India*].
 - (f) Name, address and contact information of stock exchanges where applications are made or proposed to be made for listing of the IDR;
 - (g) Disclosure about provisions relating to punishment for fictitious applications;
 - (h) Statement/declaration for refund of excess subscription
 - (i) Statement that an interest of 15% p.a. would be paid to the investors if the allotments letters / refund orders are not despatched within fifteen days of the closure of the public issue
 - (j) Declaration about issue of allotment letters/certificates/ IDR within the stipulated period;
 - (k) Date of opening of issue;
 - (l) Date of closing of issue;
 - (m) Method and expected timetable of the issue
 - (n) A statement that subscription to the issue shall be kept open for at least three working days and not more than ten working days
 - (o) Date of earliest closing of the issue;

- (p) Declaration by the merchant banker with regard to adequacy of resources of underwriters to discharge their respective obligations, in case of being required to do so;
- (q) A statement by the issuing company that all moneys received out of issue of IDR shall be transferred to a separate domestic bank account, name and address of the bank and the nature and number of the account to which the amount shall be credited;
- (r) Details of availability of prospectus and forms, i.e., date, time, place etc;
- (s) Amount and mode of payment seeking issue of IDR
- (t) Disclosure on Investor Grievances and Redressal System:
 - (i) The arrangements or any mechanism evolved by the issuing company for redressal of investor grievances.
 - (ii) The past record (for a minimum period of three years before the date of the prospectus) of investor grievance redressal of the issuing company and its listed subsidiaries/associates including details as to the time normally taken by it for disposal of various types of investor grievances.
 - (iii) That the company undertakes to subject itself to the jurisdiction of Indian courts having jurisdiction over the place where the stock exchange is situated regarding grievances of the IDR applicants and IDR holders.

(5) RISK FACTORS AND MANAGEMENT PERCEPTION, IF ANY:

- (a) Risk factors shall be disclosed as follows:
 - (i) Risk factors associated with the issuing company's business
 - (ii) Risk factors associated with the country of the issuing company proposing to issue IDR
 - (iii) Risk factors associated with the IDR / underlying shares
- (b) Risk factors shall be classified as those which are specific to the project and internal to the issuing company and those which are external and beyond the control of the issuing company.
- (c) Risk factors shall be determined on the basis of their materiality.
- (d) Materiality shall be decided taking the following factors into account:
 - (i) Some events may not be material individually but may be found material collectively.
 - (ii) Some events may have material impact qualitatively instead of quantitatively.
 - (iii) Some events may not be material at present but may be having material impacts in future.
- (e) The Risk factors shall appear in the prospectus in the following manner:
 - (i) Risks envisaged by the management of the issuing company.
 - (ii) Proposals, if any, to address the risks.
 - (iii) Any 'notes' required to be given prominence shall appear immediately after the risk factors.

(6) RECENT DEVELOPMENTS: Important events in the recent past (two financial years preceding the issue) providing details of important developments on three key areas: Operations & Management, Shareholding patterns and Business Environment, shall be mentioned.

(7) MARKET PRICE INFORMATION AND OTHER INFORMATION CONCERNING THE SHARES IN THE DOMESTIC MARKET OF THE ISSUING COMPANY: The

following information should be provided exchange-wise, if the securities are listed in more than one exchange. This information should be updated as on last available date before the date of prospectus. This information shall also be given if it is a further issue of IDR which are already listed in India:

- (a) Market price of shares for each quarter of the last three calendar years preceding the calendar year preceding the year of the issue of Prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)
- (b) Market price of shares for each month of the calendar year preceding the year of the issue of prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)
- (c) Market price of shares for the month preceding the date of prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)
- (d) The opening and closing price on the last day of the month preceding the date of the prospectus along with the volume

(8) DIVIDENDS:

- (a) Dividend policy of the issuing company
- (b) Rate of dividend and amount of dividend paid for the last five financial years
- (c) Regulatory framework in the country of incorporation/share listed concerning dividends
- (d) Details of arrangement with the depositories for payment of dividend to the IDR holders
- (e) Information about changes, if any, in dividends announced and dividends paid and time gap between the dividends announced and dividends paid.
- (f) Information about dividend yield.
- (g) Taxation aspects of dividend distribution.

(9) EXCHANGE RATES:

- (a) Brief history of the pattern of exchange rates between the country of incorporation/where shares are listed and India
- (b) High, Low, Average Rates for the last five years
- (c) High, Low, Average Rates for the last twelve months

(10) FOREIGN INVESTMENT AND EXCHANGE CONTROLS OF THE COUNTRY OF INCORPORATION/ WHERE SHARES ARE LISTED: Information relating to the relevant foreign investment laws and exchange control regulations of the country of incorporation or country where the underlying equity shares are listed.

(11) OBJECTS OF THE ISSUE / USE OF PROCEEDS: The following shall be disclosed:

- (a) The purpose of the issue
- (b) Break-up of the cost of project for which the money is raised through the IDR issue
- (c) The means of financing such project and
- (d) The proposed deployment status of the proceeds at each stage of the project.

(12) CAPITALISATION STATEMENT

Particulars	Pre-issue as (Figures in Rs. crores)
Short-Term Debt	

Long Term Debt	
Shareholders Funds	
- Share Capital	
- Reserves	
Total Shareholders Funds	
Long Term Debt/Equity	

(13) CAPITAL STRUCTURE:

- (a) Authorised, issued, subscribed and paid up capital (number of instruments, description, aggregate nominal value).
- (b) Size of present issue.
- (c) Paid-up Capital:
 - (i) before the issue;
 - (ii) after the issue (if the IDR issue involves issue of fresh equity shares); and
 - (iii) share premium account (before and after the issue)
- (d) Detailed notes to capital structure
- (e) Information with respect to Capital Structure shall also contain details regarding holdings of major shareholders i.e., the person or persons who are in over-all control of the company.

(14) FINANCIAL INFORMATION:

- (a) The audited consolidated or unconsolidated financial statements, prepared in accordance with Indian GAAP (including all Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India) or with the International Financial Reporting Standards (IFRS) or US GAAP, for a period of three financial years immediately preceding the date of prospectus shall contain the following:
 - (i) Report of Auditors on the Financial Statements
 - (ii) Balance Sheets
 - (iii) Statements of Income
 - (iv) Schedules to Accounts
 - (v) Statements of Changes in Stockholders' Equity
 - (vi) Statements of Cash Flows
 - (vii) Statement of Accounting Policies
 - (viii) Notes to Financial Statements
 - (ix) Statement Relating to Subsidiary Companies (in case of unconsolidated financial statements)
 - (x) Related Party transactions
 - (xi) Liquidity and Capital Resources.
- (b) The financial information in the prospectus shall be disclosed in the issuing company's functional currency/reporting currency/national currency and the reporting currency shall be restricted to Sterling Pound/Euro/Yen/US Dollar.
- (c) In case, the financial results are prepared as per IFRS or US GAAP, the financial results shall be audited by a professional accountant or certified public accountant or equivalent (by whatever name called in the home country in accordance with the International Standards on Auditing (ISA)).
- (d) Where the law of the home country requires annual statutory audit of the accounts of the issuing company, a report of the statutory auditor on the audited financial statements of the issuing company for each of the three financial years immediately

preceding the date of the prospectus including the profits or losses, assets, liabilities and cash-flow statement of the issuing company at the last date to which the accounts of the issuing company were made in the specified form:

Provided the gap between date of opening of issue and date of report shall not exceed 120 days.

- (e) The report prepared by the statutory auditors of the issuing company should disclose financial statements (as per relevant period in the annual report) in Indian Rupees (at the closing rate of exchange, as at the date on which the financial information is presented), compiled in a tabular form and include the consolidated or unconsolidated income statement, consolidated or unconsolidated cash flow statements, consolidated or unconsolidated balance sheet and the capitalisation statement required under item (12).
- (f) The interim audited financial statements in respect of the period ending on a date which is less than 180 days prior to the date of opening of the issue have to be included in the report, if the gap between the ending date of the latest audited financial statements disclosed as above and the date of the opening of the issue is more than 180 days:

Provided that if the gap between such date of latest audited financial statements and the date of opening of issue is 180 days or less, the requirement above shall be deemed to be complied with, if disclosures in respect of material changes in the financial position of issuing company for such gap are disclosed in the prospectus:

Provided further that in case of an issuing company which is a foreign bank incorporated outside India and which is regulated by a member of the Bank for International Settlements or a member of the International Organization of Securities Commissions which is a signatory to a Multilateral Memorandum of Understanding, the requirement above, in respect of period beginning with last date of period for which the latest audited financial statements are made and the date of opening of the issue shall be satisfied, if the relevant financial statements are based on limited review report of such statutory auditor.

- (g) In case the issuing company opts to prepare and disclose the financial results as per US GAAP, a reconciliation statement vis-a-vis Indian GAAP and summary of significant differences between the Indian GAAP and US GAAP has to be annexed with the report. If financial results are prepared in accordance with IFRS, then issuing company shall annex the summary of significant differences between the Indian GAAP and IFRS.
- (h) Where the law of the home country does not require annual statutory audit of the accounts of the issuing company, a report, prepared in accordance with Indian GAAP certified by Chartered Accountant in practice within the terms and meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 on the financial statements/ results of the issuing company for each of the three financial years immediately preceding the date of prospectus including the profits or losses, assets, liabilities and cash-flow statement of the issuing company at the last date to which the accounts of the issuing company were made in the specified form:

Provided that the gap between date of opening of issue and date of report shall not exceed 120 days.

- (i) The report prepared by the Chartered Accountants should disclose financial statements in Indian Rupees (at the closing rate of exchange, as at the date on which the financial information is presented), compiled in a tabular form and include the consolidated or unconsolidated income statement, consolidated or unconsolidated cash flow statements,

consolidated or unconsolidated balance sheet and the capitalisation statement required under item (12).

- (j) The interim financial statements in respect of the period ending on a date which is less than 180 days prior to the date of opening of the issue have to be included in report, if the gap between the ending date of the latest financial statements disclosed above and the date of the opening of the issue is more than 180 days:

Provided that if the gap between such date of latest audited financial statements and the date of opening of issue is 180 days or less, the requirement above shall be deemed to be complied with if disclosures in respect of material changes in the financial position of issuing company for such gap are disclosed in the prospectus.

- (k) If the proceeds of the IDR issue are used for investing in other body (ies) corporate, then following details of such body (ies) corporate shall be given:

- (i) Names and address(es) of the body(ies) corporate;
- (ii) The reports as stated above in respect of those body(ies) corporate also.

- (15) **STATEMENT ON MATERIAL DEVELOPMENTS SUBSEQUENT TO THE DATE OF THE LAST FINANCIAL STATEMENTS AS DISCLOSED IN THE PROSPECTUS:** A statement by the directors whether in their opinion there have arisen any circumstances since the date of the last financial statements as disclosed in the prospectus any which materially and adversely affect or is likely to affect the trading or profitability of the issuing company, or the value of its assets, or its ability to pay its liabilities within the next twelve months, and if so, an outline of such circumstances and an assessment of their likely impact.

- (16) **MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS OF THE FINANCIAL STATEMENTS (BY COMPARING THE RECENT FINANCIAL YEAR WITH THE PREVIOUS THREE FINANCIAL YEARS):**

- (a) A summary of past financial results after adjustments as given in the auditors report for the past three years containing significant items of income and expenditure shall be given.
- (b) Overview of the business of the issuing company.
- (c) Factors that may affect results of the operations.
- (d) An analysis of reasons for the changes in significant items of income and expenditure shall also be given, *inter alia*, containing the following:
 - (i) unusual or infrequent events or transaction;
 - (ii) significant economic changes that materially affected or are likely to effect income from continuing operations;
 - (iii) known trends or uncertainties that have had or are expected to have a material adverse impact on sales, revenue or income from continuing operations;
 - (iv) future changes in relationship between costs and revenues, in case of events such as future increase in labour or material costs or prices that will cause a material change are known;
 - (v) the extent to which material increases in net sales or revenue are due to increased sales volume, introduction of new products or services or increased sales prices;
 - (vi) total turnover of each major industry segment in which the issuing company, operated;
 - (vii) status of any publicly announced new products or business segment;
 - (viii) the extent to which business is seasonal;

- (ix) any significant dependence on a single or few suppliers or customers;
- (x) competitive conditions.

(17) INDUSTRY AND BUSINESS OVERVIEW: Market including details of the competition, past production figures for the industry, existing industry capacity, past trends and future prospects regarding exports (if applicable), demand and supply forecasts (if given, should be essentially with assumptions unless sourced from a market research agency of repute), etc. to be given. Source of data used shall be mentioned.

(18) DETAILS OF THE ISSUING COMPANY:

- (a) Main object, history and present business of the issuing company
- (b) Location of the project, if any
- (c) Installed capacity and the details of plant and machinery, infrastructure facilities, technology etc., where applicable
- (d) Schedule of implementation of project and progress made so far, if applicable;
- (e) Nature of product(s), consumer(s), industrial users
- (f) Research and development, patents and licenses, etc.
- (g) Property, plants and equipment
- (h) Particulars of financial and other defaults, if any
- (i) Underwriting
- (j) Experts
- (k) Where you can find additional information
- (l) Enforcement of civil liabilities against foreign persons

(19) SUBSIDIARIES AND ASSOCIATES OF THE ISSUING COMPANY:

- (a) The following information for the last three years based on the audited statements in respect of subsidiaries and associates of the issuing company:
 - (i) Date of Incorporation
 - (ii) Nature of activities
 - (iii) Equity Capital
 - (iv) Reserves (excluding revaluation reserve)
 - (v) Sales
 - (vi) Profit after tax (PAT)
 - (vii) Earnings per share (EPS) and
 - (viii) Net Asset Value (NAV)
- (b) If the subsidiaries and associates are not required to prepare such audited statements as per the laws prevailing in those countries, the same may be certified as true and correct by the Board of Directors and the management of such companies, provided a certificate from a certified public accountant or equivalent practicing in the concerned country is submitted to the Board.

(20) MANAGEMENT:

- (a) Details with respect to the promoters and their background. If there are no identifiable promoters, then the details and background of all persons who hold 5% or more equity share capital of the issuing company.)
- (b) Details of the Board of Directors and the Key Managerial Personnel (i.e. name, address(es) of directors, manager, managing director or other principal officers of the issuing company, age, qualifications, industry experience, other directorships).

- (c) Remuneration of the Directors and the Key managerial personnel with detailed breakup, sitting fees, their relation with promoters / controlling shareholder(s), if any, their equity holding in the issuing company, duration of their association with the issuing company.
- (d) Organisational structure
- (e) Practices of the Board of Directors
- (f) Employees

(21) SECURITIES MARKET OF THE COUNTRY OF INCORPORATION WHERE SHARES ARE LISTED:

- (a) Brief History
- (b) Stock exchange regulation
- (c) Listing Regulations
- (d) Details of the securities market regulator of the country of the issuing company
- (e) Whether the securities market regulator of the country of the issuing company has signed any MoU with the Board/IOSCO
- (f) Disclosure under the Companies Act and Securities Regulations (or equivalent thereof)
- (g) Stock exchanges
- (h) Takeover Code/Buy back Code
- (i) Reforms in some key sectors of the economy
- (j) Restriction on foreign ownership of securities
- (k) Overview of the financial sector
- (l) Nature of the securities trading market in that country
- (m) A statement of how the enforcement of Indian securities laws would be affected by the fact that the issuing company is located outside India
- (n) A comparative analysis of the corporate governance provisions that would be followed by the issuing company vis-à-vis that is applicable to Indian listed companies.

(22) DESCRIPTION OF THE IDR AND RIGHTS OF IDR HOLDERS:

- (a) Brief description of the IDR
- (b) Dividends, other distributions and rights of IDR holders
- (c) Voting rights if any and the manner of their exercise by IDR holders, if any.
- (d) Record dates and how the same will be disclosed.
- (e) Reports and other communication to which the IDR holders will be entitled.
- (f) Procedure of conversion of IDR into shares
- (g) Governing law regarding various aspects of IDR and transactions therein.

(23) PROVISIONS REGARDING TRANSFER OF SHARES AND DEPOSITORY RECEIPTS:

- (a) Provisions regarding transfer of IDR
- (b) Outline of provisions regarding transfer of underlying shares after conversion

(24) INFORMATION RELATING TO THE DEPOSITORY - INDIAN AND INTERNATIONAL: Brief details of the domestic depository, overseas custodian bank and depository agreement.

(25) APPROVALS OF THE GOVERNMENT/REGULATORY AUTHORITIES: Information relating to statutory and regulatory approvals required in home country for the

issue and the related aspects and their status, and approvals from Indian regulatory authorities.

- (26) **TAXATION FRAMEWORK IN INDIA AND THE COUNTRY OF INCORPORATION/ WHERE SHARES ARE LISTED:** Information relating to relevant provisions of taxation law, tax treaties and their impact for IDR holders.

(27) **OUTSTANDING LITIGATIONS AND DEFAULTS:**

- (a) Material litigation / liabilities/defaults including arrears / potential liabilities of the issuing company, its promoters / controlling shareholders / directors and its subsidiaries and associates.
- (b) Materiality shall be determined on the basis of factors which are specific to the project and to the issuing company, its promoters / controlling shareholders / directors, its subsidiaries and associates, which may have a bearing on the performance of the issuing company.
- (c) Materiality shall be decided taking the following factors into account:
 - (i) Some litigation/defaults may not be material individually but may be found material collectively.
 - (ii) Some litigation/defaults may have material impact qualitatively instead of quantitatively.
 - (iii) Some litigation/defaults may not be material at present but may be having a material impact in future.

(28) **BASIS OF ISSUE PRICE:**

- (a) Earnings per share i.e. EPS pre-issue for the last three years (as adjusted for changes in capital)
- (b) P/E pre-issue
- (c) Average return on net worth in the last three years
- (d) Minimum return on increased net worth required to maintain pre-issue EPS
- (e) Net Asset Value per share based on last balance sheet
- (f) Net Asset Value per share after issue and comparison thereof with the issue price
- (g) Comparison of all the accounting ratios of the issuing company as mentioned above with the industry average and with the accounting ratios of the peer group (i.e. companies of of shares (including the statement about the issue price being "X" times of the face value) and that of the IDR. The aggregate face value of the total equity shares underlying a single comparable size in the same industry. *[The source from which industry average and accounting ratios of the peer group has been taken should be indicated]*.
- (h) The face value IDR shall also be given.
 Provided that the projected earnings shall not be used as a justification for the issue price in the prospectus.
 Provided further that the accounting ratios disclosed in the prospectus in support of basis of the issue price shall be calculated after giving effect to the consequent increase in capital on account of compulsory conversions outstanding, as well as on the assumption that the options outstanding, if any, to subscribe for additional capital will be exercised.

(29) MAIN PROVISIONS OF ARTICLES OF ASSOCIATION / MAIN CHARTER OF THE ISSUING COMPANY

(30) MATERIAL CONTRACTS AND DOCUMENTS FOR INSPECTION: Place at which inspection of the documents specified under rule 7 of the Companies (Issue of Indian Depository Receipts) Rules, 2004, the prospectus, the financial statements and auditor's report thereof will be allowed during the normal business hours.

(31) OTHER INFORMATION:

- (a) Disclosure of mandatory vetting of the prospectus by the legal counsel to the issuing company operating at the place where the registered office of the Issuing company is situated.
- (b) Consent of merchant bankers, overseas custodian bank, the domestic depository and all other intermediaries associated with the issue of IDR.
- (c) Fees and expenses payable to the intermediaries involved in the issue of IDR

PART B

[See regulation 103(3)]

DISCLOSURES IN ABRIDGED PROSPECTUS FOR ISSUE OF INDIAN DEPOSITORY RECEIPTS

General Instructions:

- (1) The information to be provided under each of the heads specified below shall be as per the requirement of Part A of this Schedule except when specified otherwise.
- (2) The abridged prospectus shall be printed in a font size which shall not be visually smaller than Times New Roman Size 10.
- (3) The order in which items appear in the abridged prospectus shall correspond, as far as may be applicable, to the order in which items appear in the prospectus.
- (4) The application form shall be so positioned that on the tearing-off of the application form, no part of the information given in the abridged prospectus is mutilated.

The abridged prospectus for the issue of Indian Depository Receipts (IDR) shall contain the following disclosures:

(1) General Information:

- (a) The name of the issuing company and address of the registered office of the issuing company, along with telephone number, fax number, e-mail address and website address, and where there has been a change in the address of the registered office or name of the issuing company, details thereof.
- (b) Name, address and contact information of the registered office of the issuing company;
- (c) Name, address and contact information of the domestic depository, the overseas custodian bank with the address of its office in India, the merchant banker, the underwriter to the issue, advisors to the issue and any other intermediary which may be appointed in connection with the issue of IDR;
- (d) Names, addresses and contact information of experts and counsel;
- (e) Name, address and contact information of the compliance officer in relation to the issue of IDR. The compliance officer should be placed in India
- (f) Name, address and contact information of Stock Exchanges where applications are made or proposed to be made for listing of the IDR;

- (g) Disclosure about provisions relating to punishment for fictitious applications;
- (h) Statement/declaration for refund of excess subscription
- (i) Statement that an interest of 15% p.a. would be paid to the investors if the allotments letters / refund orders are not despatched within 15 days of the closure of the public issue, as the case may be
- (j) Declaration about issue of allotment letters/certificates/ IDR within the stipulated period;
- (k) Date of opening of issue;
- (l) Date of closing of issue;
- (m) Method and Expected Timetable of the issue;
- (n) A statement that subscription to the issue shall be kept open for atleast 3 working days and not more than 10 working days;
- (o) Date of earliest closing of the issue;
- (p) Declaration by the merchant banker with regard to adequacy of resources of underwriters to discharge their respective obligations, in case of being required to do so;
- (q) A statement by the issuing company that all moneys received out of issue of IDR shall be transferred to a separate domestic bank account, name and address of the bank and the nature and number of the account to which the amount shall be credited;
- (r) Details of availability of prospectus and forms, i.e., date, time, place etc;
- (s) Amount and mode of payment seeking issue of IDR
- (t) Disclosure on Investor Grievances and Redressal System:
- (u) That the issuing company undertakes to subject itself to the jurisdiction of Indian Courts having jurisdiction over the place where the stock exchange is situated regarding grievances of the IDR applicants and IDR holders.

(2) Capital Structure of the issuing company: Following details to be furnished:

- (a) Authorised, issued, subscribed and paid up capital (Number of instruments, description, aggregate nominal value).
- (b) Size of present issue.
- (c) Paid-up Capital:
 - (i) before the issue;
 - (ii) after the issue (if the IDR issue involves issue of fresh equity shares); and
 - (iii) share premium account (before and after the issue)
- (d) Detailed notes to Capital Structure

(3) Terms of the Present Issue:

- (a) Authority for the issue, terms of payment and procedure and time schedule for allotment and issue of certificates/ refund orders.
- (b) The clause "Interest in Case of Delay in Despatch of Allotment Letters/ Refund Orders in case of public issues" shall appear.

(4) Instructions for applicants:

- (a) How to apply, availability of prospectus, abridged prospectus and application forms, mode of payment and book building procedure, if relevant.
- (b) In the application form, the declaration relating to nationality and residentship shall be shown prominently as under:
"Nationality and Residentship (Tick whichever is applicable)

- (i) I am / We are Indian National(s) resident in India and I am/we are not applying for the said equity shares as nominee(s) of any person resident outside India or Foreign National(s).
- (ii) I am / We are Indian National(s) resident in India and I am / We are applying for the said equity shares as Power of Attorney holder(s) of Non- Resident Indian(s) mentioned below on non-repatriation basis.
- (iii) I am / We are Indian National(s) resident outside India and I am/we are applying for the said equity shares on my / our own behalf on non-repatriation basis."
- (c) The application form should contain necessary instructions/ provisions for the following:
 - (i) Instructions to applicants to mention the number of application form on the reverse of the instruments to avoid misuse of instruments submitted along with the applications for shares/ debentures in public issues.
 - (ii) Provision in the application form for inserting particulars relating to bank account number and the name of the bank with whom such account is held, to enable printing of the said details in the refund orders or for refunds through Electronic Clearing System.
 - (iii) Instruction to applicants to disclose Permanent Account Number in the application form, irrespective of the amount for which application / bid is made, along with the instruction that applications without Permanent Account Number would be rejected.
 - (iv) Disclosure of PAN/GIR number.
 - (v) Details of options, if any, to receive securities subscribed for and a statement that trading in securities on the stock exchanges in physical form will be available only subject to limits prescribed by the Board for time to time.
- (d) Any special tax benefits for issuing company and its shareholders (Only section numbers of the Income Tax Act and their substance should be mentioned, without reproducing the text of the sections)
- (e) Restrictions on investments in IDR / fungibility of IDR

(5) Particulars of the Issue:

- (a) Objects of the issue
- (b) Project cost
- (c) Means of financing
- (d) Name of Appraising Agency, if any
- (e) Name of Monitoring Agency, if any

(6) Description of the IDR and Rights of IDR Holders:

- (a) Brief description of the IDR
- (b) Dividends, Other Distributions and Rights of IDR holders
- (c) Voting rights and their manner of exercise by IDR holders, if any.
- (d) Record dates and how the same will be disclosed.
- (e) Reports and other communication to which the IDR holders will be entitled.
- (f) Conversion procedure of IDR into shares
- (g) Governing Law regarding various aspects of IDR and transactions therein.

(7) Company, Management and Project:

- (a) History and main objects and present business of the company.
- (b) Promoters / controlling shareholders and their background.
- (c) Names, address and occupation of manager, managing director, and other Directors (including nominee-directors and whole-time directors) giving their directorships in other companies.
- (d) Location of the project
- (e) Plant and machinery, technology, process, etc
- (f) Collaboration, any performance guarantee or assistance in marketing by the collaborators
- (g) Infrastructure facilities for raw materials and utilities like water, electricity, etc.
- (h) Schedule of implementation of the project and progress made so far, giving details of land acquisition, civil works, installation of plant and machinery, trial production, date of commercial production etc
- (i) Nature of the products/services and end users
- (j) Existing, licensed and installed capacity of the product, demand of the product-existing, and estimated in the coming years as estimates by a Government authority or by any other reliable institution, giving source of the information. In case the company is providing services, relevant information with regard to nature/ extent of services, etc., have to be furnished.
- (k) Approach to marketing and proposed marketing set up
- (l) Export possibilities and export obligations, if any.
- (m) Stock Market Data: Disclose particulars of:-
 - (i) Market price of shares for each quarter of the last three calendar years preceding the calendar year preceding the year of the issue of Prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)
 - (ii) Market price of shares for each month of the calendar year preceding the year of the issue of Prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)
 - (iii) Market price of shares for the month preceding the date of Prospectus (High, Low, Average Daily Trading Volume)
 - (iv) The Opening and Closing price on the last day of the preceding month of the date of Prospectus along with the volume
 - (v) This information should be provided, exchange wise, if the securities are listed in more than one exchange
 - (vi) This information should be updated as on last available date before the date of prospectus
 - (vii) If it is a further issue of IDR which are already listed in India, the above information should be given about such IDR also

(8) Particulars with regard to the subsidiaries / associates of the issuing company: The following information for the last 3 years based on the audited statements in respect of subsidiaries and associates of the issuing company:

- (a) Date of Incorporation;
- (b) Nature of activities;
- (c) Equity Capital;
- (d) Reserves (excluding revaluation reserve);
- (e) Sales;
- (f) Profit after tax (PAT);
- (g) Earnings per share (EPS); and
- (h) Net Asset Value (NAV);

(9) Basis for Issue Price:

- (a) Earnings per share i.e. EPS pre-issue for the last three years (as adjusted for changes in capital);
- (b) P/E pre-issue
- (c) Average return on net worth in the last three years
- (d) Minimum return on increased net worth required to maintain pre-issue EPS;
- (e) Net Asset Value per share based on last balance sheet;
- (f) Net Asset Value per share after issue and comparison thereof with the issue price.
- (g) Comparison of all the accounting ratios of the issuing company as mentioned above with the industry average and with the accounting ratios of the peer group (i.e., companies of comparable size in the same industry. (Indicate the source from which industry average and accounting ratios of the peer group has been taken)
Provided that the projected earnings shall not be used as a justification for the issue price in the prospectus.
Provided further that the accounting ratios disclosed in the prospectus in support of basis of the issue price shall be calculated after giving effect to the consequent increase in capital on account of compulsory conversions outstanding, as well as on the assumption that the options outstanding, if any, to subscribe for additional capital will be exercised.
- (h) The face value of shares (including the statement about the issue price being "X" times of the face value) and that of the IDR. The aggregate face value of the total equity shares underlying a single IDR also shall be given

(10) Outstanding Material Litigations and Defaults (in a summarised tabular form): Material Litigation / Liabilities including arrears/Potential liabilities of the issuing company, its promoters / controlling shareholders / directors and its subsidiaries and associates.

(11) Material Development: Any material development after the date of the latest balance sheet and its impact on performance and prospects of the company.

(12) Expert opinion obtained, if any.

(13) Change, if any, in directors and auditors during the last three years and reasons thereof.

(14) Time and Place of Inspection of material contracts (List of material contracts not required)

(15) Financial Performance of the Issuing company for the last three years (Figures to be taken from the audited annual accounts in a tabular form):

- (a) Balance Sheet Data: Equity Capital, Reserves (State Revaluation Reserve, the year of revaluation and its monetary effect on assets) and borrowings
- (b) Profit and Loss data: Sales, Gross profit, Net profit, dividend paid, if any
- (c) Any change in accounting policies during the last three years and their effect on the profits and the reserves of the issuing company
- (d) Following information as extracted from the report of the auditors reproduced in the main prospectus:
 - (i) net profit before accounting for extra ordinary items

- (ii) extra ordinary items
- (iii) net profit after accounting for extra ordinary items

(16) Management Discussions and Analysis on Accounts

(17) Listed Ventures of Promoters / controlling shareholders

(18) Disclosure on Investor Grievances and Redressal System

(19) Statement regarding minimum subscription clause:

(a) Following statements shall appear for non-underwritten IDR issues:

- (i) "If the issuing company does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the offer through offer document on the date of closure of the issue, or if the subscription level falls below ninety per cent. after the closure of issue on account of cheques having being returned unpaid or withdrawal of applications, the issuing company shall forthwith refund the entire subscription amount received."
- (ii) "If the issuing company fails to refund the entire subscription amount within fifteen days from the date of the closure of the issue, it is liable to pay the amount with interest to the subscribers at the rate of fifteen per cent. per annum for the period of delay."

(b) Following statement shall appear for underwritten IDR issues:

"If the issuing company does not receive the minimum subscription of ninety per cent. of the offer through offer document including devolvement of underwriters within sixty days from the date of closure of the issue, the issuing company shall forthwith refund the entire subscription amount received with interest to the subscribers at the rate of fifteen per cent. per annum for the period of delay beyond sixty days."

(20) Information relating to relevant provisions of Taxation law, Tax Treaties and their impact for IDR holders."

(21) Brief details of the Domestic Depository, Overseas Custodian Bank and Depository Agreement.

(22) Information relating to statutory and regulatory approvals required in home country for the issue and the related aspects and their status, and approvals from Indian regulatory authorities.

(23) Signatories to the Prospectus.

PART C

[See regulation 101(6)]

**FORMAT OF THE DUE DILIGENCE CERTIFICATE TO BE FILED BY THE LEAD
MANAGER FOR IDR ISSUES**

To,
Securities and Exchange Board of India

Dear Sirs,

Sub.: Issue of (hereinafter referred to as 'IDR') by(hereinafter referred to as the 'issuing company')

We, the undersigned, have been appointed as the Merchant Banker (hereinafter referred to as the 'Lead Merchant Banker') to the proposed issue of IDR by the Issuing Company and we state as follows:

- (1) The Draft Red Herring Prospectus (hereinafter referred to as the 'DRHP') is being filed with the Securities and Exchange Board of India (hereinafter referred to as the "Board") in compliance with Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 (hereinafter referred to as the Regulations) or any statutory modification or re-enactment thereof read with the Companies (Issue of Indian Depository Receipts) Rules, 2004 (hereinafter referred to as "the IDR Rules"), on a public basis, for approval.
- (2) We have examined the disclosures made by the Issuing Company in jurisdictions where its underlying equity shares are listed so as to ensure uniformity and parity of information shared with investors across different regulatory jurisdictions (hereinafter referred to as "publicly available information") and participated in discussions with the senior management of the Issuing Company for the purpose of preparing disclosures on the Issuing Company in the DRHP.
- (3) We have examined various documents, more particularly referred to in the Annexure hereto, in connection with the finalization of the DRHP pertaining to the said issue.
- (4) On the basis of such examination and the discussions with the Issuing Company, its directors and other officers and other independent agencies/ experts/ reports, WE CONFIRM that:
 - (a) the DRHP forwarded to the Board is in conformity with the publicly available information and information based on representations made by the senior management of the Issuing Company;
 - (b) the requirements under the IDR Rules and the Regulations DIP Guidelines and other relevant laws framed by the Board, the Government and any other competent authority in this behalf have been duly complied with; and
 - (c) based on the publicly available information and representations made by the senior management of the Issuing Company, the disclosures made in the DRHP are certified to be true and are adequate to enable the investors to make a well informed decision as to the investment in the proposed issue.
- (5) We confirm that besides ourselves, all the other intermediaries named in the DRHP, except [], are registered with the Board and that till date such registration is valid.

- (6) We have satisfied ourselves about the worth of the underwriters to fulfil their underwriting commitments.
- (7) We certify that the proposed activities of the Issuing Company for which the funds are being raised in the present issue fall within the 'main objects' listed in the object clause of the Memorandum of Association or other charter of the Issuing Company and that the activities which have been carried out until now are valid in terms of the object clause of its Memorandum of Association.
- (8) We confirm that necessary arrangements have been made to ensure that the moneys received pursuant to the issue are kept in a separate bank account and that such moneys shall be released by the said bank only, after permission, for listing of IDR, is obtained from all the stock exchanges mentioned in the prospectus. We further confirm that the agreement entered into between the bankers to the issue and the Issuing Company specifically contains this condition.
- (9) We certify that no payment in the nature of discount, commission, allowance or otherwise shall be made by the Issuing Company or the promoters, directly or indirectly, to any person who receives securities by way of firm allotment in the issue.
- (10) We certify that disclosure has been made in the prospectus that the investors shall be given an option to get the IDR in demat or physical mode.
- (11) We certify that the following disclosures have been made in the draft prospectus:
 - (a) An undertaking from the Issuing Company that at any given time there shall be only one denomination for the IDR of the Issuing Company and
 - (b) An undertaking from the Issuing Company that it shall comply with such disclosure and accounting norms specified by the Board from time to time.
- (12) We confirm that none of the intermediaries named in the red herring prospectus / prospectus have been debarred from functioning by any regulatory authority.
- (13) We confirm that all the material disclosures in respect of the Issuing Company have been made in the red herring prospectus / prospectus and certify that any material development in the Issuing Company or relating to the issue, up to the commencement of listing and trading of the IDR offered through this issue, shall be informed through public notices/ advertisements in all those newspapers in which pre-issue advertisement and advertisement for opening or closure of the issue have been given.
- (14) We confirm that the abridged prospectus contain all the disclosures as specified in the Regulations.
- (15) We confirm that agreements have been entered into with both the depositories for dematerialisation of the IDR of the Issuing Company

Place:

Date:

**Lead Merchant Banker(s) to the Issue
with Official Seal(s)**

ANNEXURE TO THE DUE DILIGENCE CERTIFICATE FOR THE ISSUE OF
..... BY

- (1) Memorandum and Articles of Association of the Issuing Company.
- (2) Necessary clearance from governmental, statutory, municipal authorities etc., for implementation of the project, wherever applicable.
- (3) Documents in support of the track record and experience of the promoters and their professional competence.
- (4) Listing Agreement of the Issuing Company for existing securities on the Stock Exchanges.
- (5) Consent letters from Issuing Company's auditors, Bankers to issue, Bankers to the Issuing Company, Lead Merchant Bankers, Brokers and where applicable, proposed Trustees.
- (6) Applications made by the Issuing Company to the financial institutions/banks for financial assistance as per object of the issue and copies of relative sanction letters.
- (7) Underwriting letters from the proposed underwriters to the issue.
- (8) Audited Balance Sheets of the Issuing Company/Promoter companies for relevant periods.
- (9) Auditors certificate regarding tax-benefits available to the Issuing Company, shareholders and debenture holders.
- (10) Certificate from architects or any other competent authority on project implementation schedule furnished by the Issuing Company, if applicable.
- (11) Reports from Government agencies / expert agencies / consultants / Issuing Company regarding market demand and supply for the product, industry scenario, standing of the foreign collaborators, etc.
- (12) Documents in support of the infrastructural facilities, raw material availability, etc.
- (13) Auditors' Report for the period for which the accounts are disclosed in the offer document, indicating summary of audited accounts of the issuing company and also the summary of the audited accounts of the subsidiaries of the issuing company.
- (14) Stock Exchange quotations of the last 3 years duly certified by designated stock exchange.
- (15) Minutes of the general body meetings and board meetings of the Issuing Company for matters which are in the prospectus
- (16) Revaluation certificate of Issuing Company's assets given by the Government Valuer or any other approved valuer.
- (17) Certificate from solicitors of the Issuing Company in regard to compliance of legal provisions of the prospectus.
- (18) Certificate from Issuing Company's legal counsel, operating at the place of its registered office, confirming that the legal counsel has done the mandatory vetting of the prospectus.
- (19) A detailed checklist indicating compliance with each applicable regulation of the Regulations.

Place:

Lead Merchant Banker(s) to the Issue

Date:

with Official Seal(s)

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009

SCHEDULE XX

[See regulation 110]

AMENDMENTS TO OTHER REGULATIONS

(1) Amendment of Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustee) Regulations, 1993.

- (i) in regulation 15,
 - (a) in sub-regulation (1), after clause (c) the following clause shall be inserted, namely:-

“(ca) supervise the implementation of the conditions regarding creation of security for the debentures and debenture redemption reserve, wherever applicable;”
 - (b) after sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be inserted, namely:-

“(1A) The debenture trustee shall:

 - (a) obtain reports from the lead bank regarding progress of the project;
 - (b) monitor utilisation of funds raised in the issue;
 - (c) obtain a certificate from the issuer's auditors:
 - (i) in respect of utilisation of funds during the implementation period of the project; and
 - (ii) in the case of debentures issued for financing working capital, at the end of each accounting year.”

(2) Amendment of Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992.

- (i) in regulation 9, after sub-regulation (1A), the following sub-regulation shall be inserted, namely:

“(1B) The application for renewal under sub-regulation (1) shall be accompanied by details of the changes that have taken place in the information that was submitted to the Board while seeking registration or earlier renewal, as the case may be, and a declaration stating that no changes other than those as mentioned in such details have taken place.”
- (ii) regulation 18 shall be omitted.
- (iii) in regulation 20, sub-regulation (2) shall be omitted.
- (iv) after regulation 21, the following regulation shall be inserted, namely:-

“21A. Merchant banker not to act as such for an associate.

(1) A merchant banker shall not lead manage any issue or be associated with any activity undertaken under any regulations made by the Board, if he is a promoter or a director or an associate of the issuer of securities or of any person making an offer to sell or purchase securities in terms of any regulations made by the Board:

Provided that a merchant banker who is an associate of such issuer or person may be appointed, if he is involved only in the marketing of the issue or offer.

Explanation: For the purposes of this regulation, a merchant banker shall be deemed to be an "associate of the issuer or person" if:

- (i) either of them controls, directly or indirectly through its subsidiary or holding company, not less than fifteen per cent. of the voting rights in the other; or
- (ii) either of them, directly or indirectly, by itself or in combination with other persons, exercises control over the other; or
- (iii) there is a common director, excluding nominee director, amongst the issuer, its subsidiary or holding company and the merchant banker."

(v) regulations 23, 24, 24A and 25 shall be omitted;

(vi) regulation 28 shall be renumbered as "28.(1)" and after the renumbered sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be inserted, namely:-

"(2) The merchant banker shall submit a half yearly report for the period ending with 31st March and 30th September of every year, in the format specified in schedule IV, within three months from the close of the period to which it corresponds."

(vii) in Schedule I, Form C shall be omitted;

(viii) Schedule IV shall be substituted with the following, namely:-

"SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (MERCHANT BANKERS) REGULATIONS, 1992

SCHEDULE IV
[Regulation 28(2)]

**FORMAT FOR HALF YEARLY REPORT TO BE SUBMITTED BY
MERCHANT BANKERS**

(For the period ending September / March, 20X1)

- (1) Name/Category of registration.
- (2) SEBI Registration No.
- (3) Name of the Compliance Officer.
- (4) Addition / deletion / change in address etc. of branch offices from last submitted report.
- (5) Change, if any, in constitution of the organisation (private limited, public limited, partnership, merges, acquisition etc.)
- (6) Change, if any, in directorship details since the last report.

Name	Induction/ retirement/ resignation	Reasons	Effective Qualification Date	Brief Experience (in case of induction)	Share in the company

- (7) Change in the key management personnel since last report (since grant of registration in case of first report)

Name	Date of App./ Resignation/ Termination	Qualification	Experience

- (8) Change including addition to/in associate concerns

Name of Co./ firm	Nature of change	Activities Handled	Nature of interest with Merchant Banker

- (9) New activities undertaken/discontinuation of any existing activities.

Activity	When commenced/ discontinued	Object of the new activities/ reasons for discontinuation.
----------	---------------------------------	---

- (10) Details of all pending litigations involving the merchant banker.

- (11) Issue management activities (Attach separate sheet if required):

Name of issuer Companies	Type of issue (public/rights/ composite)	Instrument
Offer Amount (Rs. In Lakhs)	Issue Price/ Conversion Price	Issue opening date
Issue Closing date	No. of times oversubscribed	Functional Responsibility
Stock Exchanges where instruments were to be listed	Reasons for delay in listing	First date of trading in respective SEs
Opening trading price at respective SEs	Current market price	Remarks

- (12) Penalty/warnings given by SEBI, if any.

- (13) Underwriting activities

- Total number of issues underwritten during the period.
- Total amount underwritten during the period (Rs. In lakhs).
- Outstanding underwriting commitment at the close of the period (Rs. in lakhs).

(d) Details of disputed/devolved cases

Sr. No.	Name of the issuer	Instrument	Amount under-written (Rs. in lakhs)	Amount devolved (Rs. in lakhs)	Devolve-ment met yes/no	If not met, the reasons thereof & how dispute was settled	Penalty/ warning if any issued by SEBI

(14) Redressal of Investor Grievances

(a) System of redressal of investor grievances (a brief write up).

- (i) Number of investor grievances received during the period.
- (ii) Nature of grievances.
- (iii) Number of grievances resolved.
- (iv) Number of grievances pending.
- (v) The date of oldest grievance.

(15) Financial information

Capital Structure	Year ended (Rs in lakhs)	Previous Year ended (Rs. In lakhs)
(i) Paid-up capital		
(ii) Free reserves		
(iii) Secured loan		
(iv) Unsecured loan		
(v) Others		

TOTAL

- (i) Fixed Assets (net block)
- (ii) Quoted investment at cost/
market price whichever is lower
- (iii) Unquoted investment
- (iv) Current assets
- (v) Misc. exp. not written off
- (vi) Others

TOTAL

(Please enclose the copy of latest audited financial results along with schedules)

(16) Changes, if any in major share holding (more than 5%)

Name of the shareholder	Investment/ disinvestment	Percentage of total paid-up capital
-------------------------	------------------------------	--

(17) Name of the major shareholders holding more than 5%.

- (18) Any capital issue (rights or public) during the period. If yes, details thereof inclusive of status of complaints from investors and their redressal.
- (19) Indictment or involvement in any economic offence by the merchant banker or their directors or principle officer, if any, during the period.

PLACE:

DATE:

AUTHORISED SIGNATORY"

- (3) Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Registrars to an Issue and Share Transfer Agents) Regulations, 1993.

- (i) in regulation 13A, in the Explanation in clause (b), after the word "director" the words "or promoter" shall be inserted.

C. B. BHAVE, Chairman
[ADVT III/4/69 ZB/09-Exty.]